

(रवगमि)

सार्त्त छात्र- असर् भःसा

मन्त्राप्रक

वीनदंश सनाम सम्



াছিডা-পরিষৎ কার্যালয় হইতে প্রকাশিত

म्हीं भंड।

	felts.				Hate
	मानिक मार्गा	६ ध्ययक्त (श्रिक्षक्त्र माधान)	* **	**	*
		क भागा (कियरतामानाव काव (कोवृद्धी)	457	***	> 8
*	প্রাচীৰ ম্নল্য	न कविनन 🕍 दीया रहेन कृतिन 🖔	* *	*	*
# 1	farme of a	s ত'ৰাক্ষিতী ্ দাকার মোক্ষাচরণ ভা	itstår)	W A 15 PAT,	
# 1	ৰিবিশ অচনিব	वाहीन भाषा (किनिन्द्वन नवकार)	¥		

किकारः

বং রামধন বিজেব কেল কামপুরুত্ব
"বিশ্বকোর প্রক্রান"
কীপুরুত্বা লামবান শ্বনিত।

with you a fee hit !

AND REALITY THE THE PERSON NAMED IN

'एवर' वरगरबंद लागीम २ विविधि वहें . ख अबीद गाविका सुविधिका Châta के सरद म् विकियांनी त्रामानत्थव केबाद इटेटकहा । सद्याधाकांक व केक्टबकांक व्यक्तिक इटेबाटका এই প্রতে বটতগার ছাগা ক্ষতিবাদী স্নানাংশ ক্ষণেক। অনেক বেক্সিলাইছ এবং ভাষার সন্ধিত कट्नक शरिवलन लिकिल हत। अरबार कार्क मुना।। **উवत्रकार्क > है।काँ** हैं शिवरहत्र मक्तिगाद भटक कहे ४७ ३८ मांब।

२। शैटाश्वत मारमज तममक्षती।

্ৰই রদসন্ত্ৰীতে নাথকনাম্বিকা বৰ্ণনাজে-ৰাগাহুগা-ভক্তির উপদেশ সাছে। আধীন अहाति क[े]ट्ड मान्नक कविलाव आहा वानामा आहीन अहानन-प्रमावनी वहेटक सेवारकेनावि গছে। পীতাখর নাস প্রাচীন প্রস্থার। পরিবধের মঙ্গে ইনাও অভত প্রস্থান र ते प्रमान काल, श्रिवादक मरकात शक्क de वाना।

ו וושא חושנטא ביישור ווש

এ পर्दास महिनद्दि दिहास वामानात नाहेमचानि महाजानुत्क. महिन बाकानिक ৰ্থবিচ্ছ। বিচয় পাশুটেৰ মহাত্তিত তাহাৰের মধ্যে স্কাপেকা আচীম। প্রিচনেয় घटक हेका अवस्थ १ अकाकाटक अकामिल वहेबारक। भूजनवामि एकः, आकास वदक पृक्षे। ছবের ভূমিৰায় বাংশবানি মহাভাবাতৰ আবাংগাচনা আছে। এই বিজয় শক্তি মেল-वस्त्रकारी प्रोक्तार (वदीनाइद वस्त्राम्धिकः) विश्वादक आहो । विश्ववाद्य विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास वहें पार्ट । प्रतः इहे बट्छव धक्छ । माझा अरिक्षतंत्र महामन श्रास्त्र महिट्यमा

- 81 २००. ७ माकामूनि किनुक मानीयक (तमास्यातिकात सङ्कान्यकार)
- 在1 一次海姆里 विष्या महत्राक्ताम शाद्रावा १ १५ १ १५ १ १५ १ ।- १ .
- ৬। রামায়ণ-তর-প্রথম ও দিতীয় ভাগ।

आहे आह महति नामीकितावेड भूग प्रामायान रणिक शावकीड स्वयं शक्ष्य नेत्र नामस सक दिक्तिमानि वाक्तिनारण्य छ त्मन नगर ननाणक्षेत्रनि दावडीव ट्यारणानिक द्वारम्ब विवस्त বিক্ত পরিপ্রমে সম্বাধিত কর্মানে। একল প্রাপ্ত লাজালা-মর্নিক্তের জালে নাই। বিশ্বীয় **ভাগে** व्यक्तित्त व्यक्तिक गावकीय कांडवा विवाधक दिवस्त कारकः

৭। কাশা-পরিক্রমা।

- प्राप्तकति क्षत्रमात्रीद्रन स्थानाम च्या का (coralfer, विक्तिशामक & क्षीरणानक विश्वमी मर) निष्ठकाव अस्थानक क्षेत्रकालन के कारण नाम के कारण वालान के कारण वालान का की कारण वालान का की कारण क वर्कशास किंद्र भाक्ष्यम । शक्ष अक अवस्था भाग मार्च । अस्था भाग भाग भाग । भाग । भाग । भाग । भाग । भविवासन भ भाषा विका बुद्रका शाहरतम।

'সাহিত্য-পরিষৎ-পত্রিকা

मां विक्राञ्चली ७ श्याम्बन

মন্তান্ত্র পদ্ধতিক। গলাল গাছ লাগেতি ও শালাল কৰিবল কৰিবল কৰিছে বেলিবলৈ বিজ্ঞান কৰিছে বানেকানেক ক্ষেত্র এবং পেনে ক্ষেত্র এছ লাগেতি ও শালাল লেব ও পাঁওন কৰিছে বানেকানেক ক্ষেত্র এবং পেনে ক্ষেত্র এবং কার্যান করিছে বানেকানেক ক্ষেত্র এবং প্রাণ্ড কার্যান করিছে ক্ষেত্র এবং প্রাণ্ড কার্যান করিছে কার্যান করিবলান কার্যান কার্যা

কামন্ত্র এ প্রাপ্ত দশতন বর্ত্তনাপ্রতিষ্টিত নাম তাত কইষাছি। কিন্তু একথা অবক্তবীকার্থ ্য উক্ত সকলে ১০০ গালানের চ্টির ক্ষাবিকালে কাইছে নাত।)
বিধানিকার চালার প্রাথম তালার ক্ষাবিভাগ রামচক্তর,
কেলারাম সাভাবাম, সাহালার কৈবক ক্ষাক উপালিবারী), কপ্রাম, ঘনরাম ও সহদেব
ভাগবল্পী প্রাথম্পন বলে কার্ন। স্পাক্ষরণ ব্যাহম্পর বােষ্ঠ ক্ষাম্পর বােষ্ঠ কর্ত্তীর পরই ব্যাহিত
ক্ষা। প্রিষ্ঠ চল্লাক্ষরীর হে প্রম্মেক প্রবাংশিত ই্ট্রাহ্র ভাগার ক্ষাম্পর প্রথমিন
সহল প্রস্থাবর প্রতিশ্বিষ্ঠ সংগ্রম শ্রাহ্র শ্রাহ্র প্রায়ম প্রাথমিন
সহল প্রস্থাবর প্রতিশ্বিষ্ঠ সংগ্রম শ্রাহ্র শ্রাহ্র ক্ষাহ্র প্রায়ম প্রতিশ্বিষ্ঠিবার প্রায়ম প্রয়ম প্রায়ম প্রায

न्तिर्ध्य अपू राष्ट्र १९११ राष्ट्र १० व्हार्थ । दिस्कार एक वृक्ष तार्श्वाच साम ह व्हार्थ कर वहील्म किरिन क्षणांक २३ मुख्यांके २ 'श प्रत्य सीव एक विकास

ইতা এইতে গ্রন্থসান্তির সন বাংতর করা কঠিন। আমরা ইতাকে ১৯৭০ প্রকৃষ্ণ ধরিয়া অইয়াছি। এরপ অভ্যানের কারণও পশ্চাৎ লিপিবছ হইপা। পার্নী মহালয় প্রকৃষ্ণ করিয়াছেন বে, তিনি বার্থিনে তাহার গ্রন্থ সমাপ করেন। উচ্চাত প্রান্ধ কেবল ময়ুরভটের উল্লেখ বেখিতে প্রাপ্তমা থায় ৷ কার কাহাত বন্ধনা করিয়াছেন, পুৰিন্ধিয়া ময়নীতট কবি স্থকোমত ৷ ছিল প্রীমালিক তবে প্রথমীকী য়' নাউনুষ্ট্রেন্ড যে বৃত্তান্ত কবি লিপ্লিবক করিয়াছেন, ভাহা ভাঁহার নিজ কৈনিয়হ মত গোলিক প্রকাশ সংঘটনাগোঁহণা—

🏁 জোষিত্র প্রকাশ। সাংক্রেকুছের কর। । শাউসেন দিশেন নুগাঁত বয়াবর। ।

সেকালৈর প্রত্যেক কবিই যথন দেবাদেশন্ত্সারে গ্রন্থ রচনা করিয়াছেন, এরপ দোহাই দিয়া পাকেন, ংখন মানিকগাস্থাীই বা কির্মণে সৈ প্রথম ব্যক্তিক্রম বাংল।

করেন্দুং তিনিও আয়ানবদনে অকুরচিত্তে প্রকাশ করিয়াছেন বে, বাক্ষণবেশধারী ধর্ম কর্তৃক আদিউ হইমা তিমি ভাঁহার গ্রন্থ রচনা করেন এবং পূর্বোক্তি দেবতাব আশীর্কানে ছাদ্দ দিবসেব মাধা এই প্রকাশ্ত প্রায়ন্ত্র রচনা লেব করেন। এ সম্বন্ধে কবির অঞ্চাত নিয়ে শিশিবছ ছইল।

কবি পাঠাপত্ত নানাদেশ পরিভ্রমণ করিছা অবলেষে তর্কশাস্ত্র পড়িছে ভুক্সাড়িগ্রামে গ্রম কবেন। তথ্য সাইয়া পাঠ আরম্ভ করিছেই একমাস কাটিয়া গেল। অভ্যপব পাঠ আরম্ভ করিবেন এমন সংয

> বিশ্বিকাম রামিকাতে দুর্গট কলম : সারের **হলেছে হেখা অকান্যরণ ৪** নটেল্ডার কালিক। কাবলিক মারি হা ৮ কি হৈ**ল হার হার কোলা বেলা মা** রা

ত্তি ব লিংবাদেশ বক প্রশা সন্তান করিবছিলেন, তিনি নানারপ আধাবিক ভারর ভাব উপের বিবাদেশ প্রশান করেন। তলনতর কবি টোলেব ভট্টাচার্য মহালায়র নিকট অপরভাত প্রকাশপূর্বাক বিদ্যে লইয়। সতে বিভি পুঁলি' বাধিয়া ছবিভেগতে গৃহাভিত্ত ধাণিও হইলোন বেশ ছবলতের নায়ে বেশানালে নদী পার হইলা দৈবক্রমে কবি পথ ভূলিয়া হান। তিনি ক্যোর প্রতি ক্লান করিবাদ করিবাদ করিবাদ করি প্রভিত্তন প্রভিত্তন । তর্মান করিবাদ করিবাদ

াপূৰ্ববিধাৰ ভৱততে নাজালয় পাল , আগৰা অন্তপ্ত বুলি আনাবাদি লাভ হ অতি বন্ধ অনপ্ৰধান গতি জিও ৷ জেখিতে এখিতে হ'ল মুখৰ পঞ্জীয় লী

উছোৰ সহিত তিন্ধিং শালীত আগতেশ কৰি স্থানিবেলন, ব্ৰাহ্মণ বিভাক্ত পত্তিত 🔻 ভূচিনই

বিধান করিয়া নাবে কচিলেন নাম। রাজ্যাবর বিধানতি বল্লাপুরে রাম।

নাজ্যাপনে কলিলেন লাববান ভালাব। অধ্যক্ষ করিছে ক্ষাপুর কাছে বংগ ও

লগতে তোমার বলাক্ষ্যেক ওলে। সেই বিধান দিব আমি সল্ভার ক্ষাপে ওল কিলা বিজয়া রাজ্যার সাল্যালিত। সতে আলস্তুত ইতালান। তোরপার্ত ক্ষাবি পালাইতে হাল ক্ষমনানাম। বিত্যা হা লেখিয়া বন্ধু মুইলান বিশ্বার এ বৃদ্ধবুলে বনিলান বেলে গুলি গুলি এ একজন পানিয়া আলিয়া উপনীতি ও ক্ষাবি গাছিকা দুলি বান আলে ব্যক্ত । রাজ্যাবার বিধান করি কুজ্যালোর এ ক্ষিক্ষাবার করিল নেন্ত্র লগনে ব্যক্তের। রাজ্যাবার বিদ্যাপতি প্রক্র বিধার ও कि कि में क्षिक्त कि बढ़ जाराब कारकी कतिराहम ? मानक केउन कि दिल्ल, - 'कृति तरी हि बहु है की र'नह ?

'চিক্সিই বাবিছ বাছা বিজ্ঞান কেবা । প্রস্তুলা সাঁক্ষি পাছকা কর সেবা ।
পরে গার পরিচর পাবে অভিযাধ । সভা বিবাহ কোর কবা বৃক্তির সাক্ষা হ'
আগ্রেংক ব বাক্য প্রবণ করিয়া কবি বিশ্বিত হইয়া চতুর্দ্ধিকে নিরীক্ষণ করিষ্টেই ক্র

ক্ষণাপরের ধালে যাইয়া কবি দেখেন, পীযুষভুক্ত বারি, ভাষাতে শতনল পত্ন প্রাকৃতিত কইবাই আছে। প্রত্নর পেরার ভক্ত কভকগুলি পদ্ম ভুলিয়া এবং শীব্র শীব্র সান কার্য্য শেবু করিয়া দিরিয়া যাইতেই সরোবর অনুভা হইল। তারপর বৃক্ষন্তে প্রভাবর্তন করিয়া দেখেন—পিশুভ নাই, নাইকেঃ পাত্রকং।' বৃক্ষভতে করি বানে করিয়া দেখের নমঃ' বলিয়া পদ্ম অপণ্য করিয়েন, পদ্ম বেলা। অবসান হতলে নিভালনে উপত্তিত ইইলেন।

্তৃতীয় দিবমে কবি বঞ্চপুর 'মভিমুপ্তে গাত্তা করিলেন। হাজিপুর পাব হইছা ভারামণি-জাংরে সেং লাজ্যনে গুনবাধ সাজ্যা গাইলেন । গবার

াক্দা বাদি নাধিক দাকণ বাদি হাজে।
বিজ্ঞান বিস্তৃত স্থানে নাহি লোক জন। নহীপে আলেন বিস্তৃত স্থানে নাহি লোক জন। নহীপে আলেন বিস্তৃত স্থানে নাহি লোক জন। নহি কাত্ৰৰ কুজা ক্ৰছ ক্ৰিয়াল প্ৰতিত এ বিস্তৃতি ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল কৰিব কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল ক্ৰিয়াল কৰে ক্ৰিয়াল ক্ৰয়াল ক্ৰিয়াল ক্ৰ

কৰিব কাশ্যবভাগ ব্ৰহ্মণ হাজ কৰিছা বৰিকোন যে, যাও, তে নার ভয় নাই ৷ আমি কোন কাশ্যবলতঃ হাজিপুৰ যাজভিতি, ছুমি রঞ্চাপুতে আমাৰ ভবনে ঘটিয়া আপকা করচে ৷ কবি বজাপুর ৷ ইয়া অনুস্থানে আন্নাত পাবিলোন যে, বাজাগর বিভাপতি নামে কোন ব্ৰহ্মণ ঐ গ্ৰামে নাই ৷ তেংপত্রে পথ প্যাটনে নিভাগ ক্লিষ্ট ও উৎকট চিন্তার জবাক্রাক ঘটনা কবি গুল্ছ আসির স্বায়ে আশ্রব সাইলেন ৷ কিন্তু ক্লিকান্ত্র, শিরোকেনে বেই বিশ্ব আনিছু ও ইইয়া

ক্ষেত্ৰ, কিলেন টকা কিলের কালেছে। ইঠ বাজা-বাজের কর্মে কর বেছ । গীত ৪১ বংশন গৌনৰ হবে বাড়া। ্ গুকল কেছিল। দিব নাইলেনী বাড়া।। বাজবেশন কথা শুক্তিয়া স্কুমি উচ্চান পৰিচল বিজ্ঞানা কৰিলে,

> ছিত্ৰ কৰা, মেনাড়াত কৈলে বাব নেখা । বিশেষ কাৰণ আনি বাক্ডা বাম নাম । সা কমিৰে আকাৰ এইবে সাম্থান । স্কটে সাধ্য হব কৰিলে শাস্থ । অঞ্চলনে বিব স্থায়ী প্ৰকাশ চৰব ।

वात्रवित्य न्यांक प्रदेशक यात्रवितः। विशेष कष्ठद र्गि सूर्यक विश्वकि । विश्व वीक्षणा निर्मि विरम्भ सक्ताः। हेश १९८५ कवित्वी वृद्धिविद्यानिकाल ह भारतम रूपक एकात स्थूपं राह्मकः। सम्बद्ध कविता वन सूर्यकःनिकाल ह

हरूनं क्षांक्ष क्षांक **रहेट्यन । असिका कवि महत्त्व विस्तं में इकारत विशासन रन, कारा** ३६.६ जामात त्म अक्ति गहित्त, जन **विस्थान अनाकि वहेरत। काहारक**

> 'ফণত লগত কন কাৰি জোৱ কান্তি। তোকুঁছ শুবাতি হলে আনায় জনাছি 🛊 ्र १३ . २.१४कि कांटक विक्रू छन्ति विका । व्यवशाणि वाशात वन व्यविधा कविता क সণকে বিশক্তে আমি কছিব সমান। এতেক বলিয়া প্ৰভু বলাা অভ্যান at

७९ भत कवि शहरुमात्र मार्गामार्थम् करतम् **अवर अवृत बाकाम् वाहिस्स मन्तृ**वं कविन्ना भाउन काब्रम।

मानिक प्रकृतिक असम्भन कुन्ति वह २७० **क्या**स्ति **ध्वः त्वरावीत वक्या ७ व्यानवर्तनः** याम १ - जे भारतात समारा । अधरम मकिमानम उक्करक 'निवसनाय 57复4 内⁶1985報) त्याः देलकः **रक्षना क**तिया श**द्धातसः। वर्षमण्डलकः भाषात सम्म**ा ক্ষরভান্তব্য বলিভা, নয়ে ভাষা **উছ** স স্ট্রাল, —

ंबन्त 'न अपने रहते। रहास्त्रम्, **एक्स्काइ हु**ङ्गायनि । एकायात्र महित्रा, अल्ला**ड कारी**या, कि यनिएक कार्यि कास्त्रि ह কলে রাস মাল, না লানি ক্ষেত্র, স্কলি ভোষার মীট ঃ অভি জালহান, তাতে প্রত্যন্তন, আমারে জাঞ্চিত নাট র एसवर्डा क्रिश्तात, **राख्य राख्ये मात्र, मक्त्या ममान** सबी । উत्तर स्थागान, त्रक मात्रत्वरत, एक उत्तराख कादा त रेकताम निषद्ध, ठाक्कि अक्काब, करके इस काशिक्षान । । व्यापानाक एक, समह सामान, पानुसीच कपवान क स्कृति शहररणनः विक् मरक्षाः, क्ष्म कारकः अवाह अवाह राष्ट्रः । कृति वृत्ति शतः कारक कारकालः, सूर्ति एके। नानवह र ইন্স আদি সেব, ভোষায় বৈলব, ভূমি। জ.) দিখার থিমি। ুমি জে। জিল্লয়, পুরুষ আবার, মার্চ কল্ল স্কুলা আছি র बनक ब्यांगन, धरण कुमन, बदल गलाम श्रीक । अवत कावतः धरण ठामम, ध्यक श्रीक्षकः श्रीक ३ शहर मान्द्रद, शुक्लिश (कांबारक, नन शूक्ष मान्द्री लीख) । बदनत व्यंशित गूळ गवाकाव व्यालक मान्न क्रासाक मान्न क মার্কি-৬০ দুলি। কাশ কটু স্থান্ধী ধ্যান কইল আলো। সমুকার তাকে পুলিক ডেমার্ডে, লানা বাবা, ক্লিন জ্ঞার कु 5'क्ष^{ि ५} ४'रर, करान (पंडेरिक, करिक को ठंड मोर्चे 🔧 इस्त चमुक्त, नावि भूग्य (ब्रज, सामन्ति महायूमि इ ै द्िकाल राज्यं, मर्खकान राज्यां, नारमाण कर्त स्थाय ६ । व्यक्ताल तरार, क्षांगार व्यक्तिस्, ताल विकास विकास ह কাতর কিঙাও, গালে কারে থার, মানু ধন্ত কট পাউ।। ইউলা সদত্ত, শাক্ত কট ক্ষা, প্রাক্ত বালারি স্বাক্তি । মনে ক্ষতিলংগ, এন ইতিহাস, জোমায় জাহেশ, পানে।। ক্ষতুকুপ হবে, সমাজ ক্রিছে, চমাপের হারা বিচিত্র স জন্মান কুমতি, বি জানি যে জাতি নিৰ্বেদ জোম'ৰ পাছ ৷ ভোনাৰ চয়ণ, কবিয়া শ্বণ, দিল কীমাণিক শাদ ৮

कति धनारक "्थी छकुरमन्पूर्यसम्बाद्य", 'छसुकर वाक्रमा' विशवा वर्गमा कतिकारक्रम,---

ভংগৰ গণেশেৰ ৰ-লনা, গণেশের পর ওগার ৰন্ধনা, ভারপৰ পৌরালের ক্মনা, শিব**াকুরে**র বলন্ধী, পুনরার প্রণোশর বলনা, বর্ষের বলনা, মুরস্তীয় ক্ষুনা, ভার পর নান: কেব্যেষী 🞕 লিকাৰাভা, চাকিনি, বালিনী, ছয় রাল ছবি শ রাজিনী প্রভৃতি আৰ্ভীয় প্রাপ্তর কলনা 🕡 এই ৰেবোক্ত বন্দমানজবাণত কবি তথ্জালান : গৈজ নানা ছানেৰ গ্ৰাক্ষ ব্যবহাৰীৰ সভিত গ্ৰেক্ষ 📆 🛪 करिया 🧸 तिवास सम्बन्धाः । 🗸 स्वराधः 🔏 🕱 ४३ तः ٫

'पनमंद्रिका' बीक्रिका बाह्न क्षेत्र कम्पात्त । स्कृत्या स्वतीक वैक्शिकार्य क्रात्र व

मानिक गांसूरी ७ भन्नमन्त

শতংশর কবি ধর্মের সালের ও গ্রন্থর্থনার কাবদ পো পালব ও সাই প্রিক্তর বর্ণনা করিছা গ্রাছের পালি বিষয়ের অবাজারণ কবিছারেন । ১০টা পালাদে উছিন প্রন্থ সমাপ্ত হইরাছে, বর্ণা—রঞ্জার ধন্মপালা, চেরুরের পালা, হরিচ্ছের পালা, রঞ্জার পালার প্রাণ্ডিরের পালা, করা নিয়ান প্রালা, প্রেক্তর পালা, কাব্দির জন্মপালা, আবহাপালা, করা নিয়ান প্রালা, প্রালা, পালার বাদার পালা, করের পালা। এক বিশ্বাহন পালা।

মাণিক গালুলীর পিভার নাম গদাবর, পিভাফারণ নাম ভানভবাম, প্রপিভাফারর নাম ব্রাণার গালুলী । গালাধানের হয় পুত্র কৰিব পাবছর।
ভিন্ন, প্রপ্রাণ্ডলিফারের নাম গোপাল পালুলী । গালাধানের হয় পুত্র ভিন্নাম, প্রকাশ কৰি নাছিক, ছিতীর ১০ গাম, চুলীর মুকারাম, চুকুর্য ভিন্নাম, প্রকাশ ব্রামালক এবা সাক কনিটোর নাম নামান ছি । গালাধারের প্রভালককার ও পাত্রকাবা ক্ষাভাগ নাই এক কলা বছুর ছিল । কবির মাগের নামা ছাউগারনী । ক্ষি হথন প্রথমালক হচনা করেন, ক্রেমা ইটাবা সকলেই জারিক ছিলেন, ক্রেমা ভিনি ক্রেম্টানা হাগাছিলেন ;

বাজান বাজুলি গাঁই পিড়া গ্ৰামন্ত। অসাধীন স্পাসি হয় সাহাৰ্ত্ত্ব হ মুৰ্থানাথ বিতীয় বিখ্যাত গুণবাস। বুজাগান কৃত্যীন চকুৰ্ব হজুদাস হ সামজন্ত্ব পক্ষা মানক আৰু পূৰ্ব। সাৰ্থান্ত্ৰজ্ঞ নথান সকলে বজ্ঞ হজ ।

" এক কজা অক্যা আগানি অভি কগা। সাহায় ভি প্ৰজক্ষা নীমজিনী সুৰ্যাত্ত কিল্ল নীমানিক কৰে কান্যামনীক্ষত। সভা গুণ পূৰ্ম মানে সকল সমুত ১

কৰিব ক্ষাহান বেশন্তিহা আম। তিনি কথাকার ক্ষেত্র কিবুল্বার ও নিজ্ঞ নিজ্ঞে বিশ্বক বিশ্বক বিশ্বক কৰিব কিবুল্বার বিভাগের করিবানেন। কৰিব িতা পদাধ্য ইতলনিবারে অভিনয় করিবানেন। করিব নিজেন। করিব বিশ্বক ব্যাহন প্রায়ণী করিব নামে পরিচিত ছিল। করিব সংখ্যার করিবান ক

(North

शास्त्र क्रिएकम, डोशांत केंश्वर अभिट किया । त्रीमाख्या क्रिक श्रूवर विद्या विद्याल

বিশ্ব নরপতি মহীপাল, বৌদ্ধ সাধু গোরক্ষনাথ প্রভৃতির গিবরণ এক নানা কানে বৌদ্ধ ধর্মমত লিপিবদ্ধ হব গাছে। তীহার পর মধ্যত ট ধর্মমতল রচনা করেন। গ্রক্তী প্রচেত্রক ধর্মমতলগাই উচ্চাকে আদি ধর্মস্বক্ষার বলিয়া বন্দা করিয়া গিয়াছেন। রামাই

ভিভাকে আদি ধত্যমন্ত্ৰকার ব্যিত্ব বন্দনা করের স্থেপ্ত সংগ্রেক সামান্ত করিছ করেছ প্রকলিকার করেছে করেছে প্রকলিকার করেছে করেছে করেছে প্রকলিকার করেছে করেছে

क्रीकांत्र मात्र न देखा न देखार करनम मार्ड । सहन क्षेत्र तीर शहर तहन क्षिमांत्र देवीक्रमाठ निर्माल का भी कमिरमा है। रेर्गाह १९६० । १९५० १ एक्स्पूर्व निर्देश मा क्र मिस्स शास्त्र मास्त्रम नाहे। किस्स्य আছে এবলে । ৯ । তেলাগ তথালাভ আনভা এ মদান: রপরাম ও নীভারাম সৰ্পাম্থিক ি ১৯০০ ১৬৫০ প্রত্যুক্ত চুত্রবং গুলহাকানের প্রবন্ধী ৷ <mark>পেশ্বোনের ধর্মকলা ১৫২৭ ব্রিলে, নীতা</mark>-ब्राह्मच ५७०७ वृत्रेगटक १दा प्रायमात्त्रक ५७०% वृद्धीरक आकान रहा। अरुनव ५००० वृद्धीरक গ্নরাম এবং ১৭৭০ বৃত্তিকে স্কাদ্য চক্রবর্তী ধশ্বমক্ত প্রেকাশিত করেন। স্বাধিক গাস্থির প্রতিষ্ঠ পর্যমন্ত্রক বনিশের মধ্যে কেবল ময়ুলভট্টের উল্লেখ দৃষ্ট কয়, কিউ কণবাম, শীতাশ্ রাম, খন রাম প্রস্তুতির কালে। ও স্ব পূর্ববৈত্তী প্রসম্প্রকারনিটোর বন্দনা দেখা যাম 🖯 ছাবা অধুনিজ হয় । মন্ত্ৰ ভটেুব পরই মানিক গাস্থান বীয় গ্রন্থ রচনা করেন। কিন্তু নেটা किन् ममा है जारातिनाटक , देवल असमान, शहराक बेलिकानिक वाकिनिरगद मार्न धदर बहना-কাৰীন (ব্ৰেষ বিৰেষ ঘটনার উপর নির্ভর কবিয়া কবিত ক্ষমকাল ও গ্রন্থবচনাকাল নির্ণথ করিন্তে এইবে ঃ কৰিছ প্রায়ে বৈষ্ণব কৰি চলীদাস এবং প্রেমাৰভাব জীলৌবাগ ও ভংগাইন প্ৰদেও ব্ৰান আছে: প্ৰভাৱীং বুলা লাইছে পাৰে বে, জিনি ১৪৮৯ প্ৰাম্পের ১৯৮৭ শীকি) न्तर এवः ১६२२ **वृहेत्सद भृत्मः (्र्यमान्नाद्यम धन्नत**्रमान कान्न) **रकाम म**स्टब गाविकृति २८व कि.स. । अवतः नाम् नम्य केश्वाद एउम (वनी क्षेत्रशक्ति मा, **कार्य पूरवरि केल व्**रिमास्क निम शांक्षाची दृष्टेण कुमाजिशाय धारेता, पाल नाप्रविदर्शन गांवाम साकृतिक करेता गुरु 'ফ্রিয়া আশিক্তে গরে দেশচার মার্কে ব্রাহ্মারণী ধ**েরর সাধান পান এক পরে তাঁ**হারই আন্তেশে ব্যবস্থিন ধর্মান্দ্রনা রচন। স্থাপ্ত করেন। কাজেই বদা ঘাইছে পারে তাঁহার পাঠোৰতাৰ ধূৰ্মসক ইচিত হয় ৷ আৰু একটা বিশেষ কাৰণে আমন্ত্ৰা মাৰিক গাড়ুলীকে ১৯ প্রতিজ্ঞান প্রতিষ্ঠা বিশ্বর্তন করিছেছি। ভি্নি তাঁহার কবিছে বৃত্তন মধ্যে বিলিয়া পিরাছেন ।

ক্ষুৰ্থপাতে ৰাত্ব মান কালত কাৰ্য্য । বেলারাম করিকেন গ্রন্থ আগ্রন্থণ । হৈ বাব এ হানসৰ প্ৰত অধ্যান্ত । বোদ্ধকাৰা আফালিতে বাছে বেলাইনি হ'' আন্তুৰ্গন, ১৯ সাহ, ইয়াকৈ ১৪৪৯ লাক কটল । অন্তেচ্নাব্যস্থান-বস্ত, উহা বেশি মান ।

'any comi befich guing win nicht ber nem fen Muller mer

কৃষি এখাবিক নার নৃত্য ক্রি বিশেষণ দিয়াছেন। মনুর ছাট্রে বাধ সাধারণতঃ তার্থ কারা বালয় অভিনিত কর। সেইজত এবং তংগুরে লান কারাজে। কর্মনার বিভাগন ক্রিকিটা বিভাগন বিভাগন ক্রিকিটা বিভাগন বিভাগন বিভাগন ক্রিকিটা বিভাগন কর্মনার ক্রিকিটা বিভাগন ক্

শ্বনাদি তাৰিয়া মানু বাস্ত্ৰ ভোজনে। শোভৰ স্বলম ছিল জীবাদিক ভবে হ'

এই ভণিতিও বছৰার পরিনৃষ্ট হর। 'লোভন মার্লণ' বলিবার ভাংশর্মা এই বােধ হর ছে। এই ধন্মনদল পাঠ করিলে পাতকবালি বিনালপ্রান্ত এবং লন্দীর স্থানীলৈত হয়। কবি প্রছ-গাঠকত গাইকাম্প্রন

নাই একে বেয়া কান গর্মের মহতা। প্রধান কারী হয় বাজা। নামসার হ অভানী,—কিন্দ ইমাণিক কানে স্বা বাঁওড়া নার। ধানপুত্র কালী হয় বে পুরে পাওছার হ অক্সান,—কৃতি আদি ব্যাধি বিমাল সকল। জান —উপহাস হৈ বার কেবাছ ইমান্তল র অক্সান,—না বুলিয়া নিশা করে নিশুক যে কেছ। খনি গড়ে অছি মানে গলে যাছ দেছ ।

আয়ে আড়াই ভাজাৰ বংসদ পূর্বে জলবান বৃদ্ধান ধরাধামে অবভীপ বছর। যে ধর্ম প্রচার

করিছাছিলেন, 'প্রাক্তিলোক্ত'» প্রচার ছারা থে ধর্মের পবিজ্ঞা নংক্রকণের উপায় নির্ণয় विद्याहित्यम, कार्य कारकरार्वत त्वर स्वाहमञ्चलित ना नहाकावित्यत त्रीचवानानाः • মন্য পর্যায় থাওর রক্ষাঁ করিছে পারিয়াছিল। বাৰশাহগণের সংঘর্ষে থৌকংশ্ম **হীনবল হই**গ্রা **ভারতবর্ষ** কইতে প্রস্থানের **অবসন্ন ভবে**ষণ্ড কল্লিতে লাগিল ৷ বৈক্ষথধর্ণ সেইছান অধিকারের জন্ত লোলুল মৃষ্টিকেল জাওও করিল ৷ বখন গজ্বী-विष् माण्य । भागत्वनार्येत सिन्तुरवयानवीत मृत्तिगन्त् हुन वित्ने कविता सिन्तुकान सन्न कविटहः निविद्या विकास नामिन, नीवं चक्तवानी क्ष्मणमानवन क्ष्मणामानव व्यवस्थानकारन दिन्द्र গুৰবাবে উপৰিও হইয়া ভাওবের সহিত আহাত করিছে আদিন, তথন ভারতের একপ্রাদেষ ৰসিবা সেন-নরপতিগৰ কাবাৰ্তে রচনা করত "ব্লিভলবদক্তাপত্তিকলন-বন্দ্র-ক্ষীর উপ্তেশিক क्षनिक विज्ञान स्नाष्ट्रका निवटिक्तन्। अहे भगत लोक्स निर्वक अव देकारम्ब दीवि-শালী ইইরাছিলন চাহার অন্যবাহত শাবেই কবিকুলনুপতি নৈখিল বিভাপতি এবং বাজালীর व्यक्तिकवि छक्षीवात क्षिक्राध्यम् वात्रातीता कावशस्त्र रेवक्ष्यमानीत कावा व्यक्तिकाना क वाषांनीत कर्न-कूमात समृष्ट निकन विस्ति मान्तिमा । कारात नव समृष्ठ निकनामा निवाहे मन्नानी वथन व्यवसीर्व बहेरनम, उथम देवसद्यर्वर क्यार्तीक्व भवाक मोनकृत मन्ना मनकीन,

শান্তিপুর প্রাচ্চি বন্ধবেশের কৈন্তখনে বৈক্তবেশ্ব ভংকালে লাহল প্রাক্তাশে সাহিপত্য শিক্ষা

⁺ विन्यानिक्षित्व अन्य साम्यक्ष नाम नाम्यक्षिण विनिध्योग्यक्षिण अन्यक्षिण विनिध्यान विविध्यान विविध्यान विविध्य नाम । विनिध्यानिक्षणाम् साम्यक्षान्यक्षात्रम् कष्टान विभिन्नक्ष्यक्षात्रम् विन्यक्षणः विभिन्नक्ष्याः

AND WATER OF

কাৰত কি । তাল অৰণ আৰু সাৰজনে গেছণাৰ চাৰ্যাৰেই কিল লা ভাৱা বনিতেছি বা তালাৰ বিশ্বতি বা তালাৰ বিশ্বতি কিল আৰু কিল কৰিবলৈ গেছলাৰ বিশ্বতি তালা কৰিবলৈ কিল কৰিবলৈ কৰিব

प्रतिहरूकोषिय लोगाट व्यक्तिमः। पृथ्वेषुषि माठवण वानाव व्यक्ति । वानक-मिनाटकमान्यः न मृत्रपृषि कारव । पृथ्वेषुषि माठवण वानाव व्यक्ति ।

'आन्यान हाम छ न निवि किहू पणि । देखिन विश्व कात एक कार महाता । स्थापन जीवन दर हो हिर्मार के सूरण ह महत्र नहर नामान दयक, राहु कुलि हैं स्थापनिति कार करक या नवाब के हैं है

क्षकार, माजिल, कृतक मानाकांत्र । कृतिका वार्तिक कृत हुएकादिक व्यक्त व

এ চন্ত্ৰীত তোল হৈছি প্ৰকৃতিৰ ধৰ্মপুৰাৰ বিষক্ত মানিক নাৰ্থী নিশিকৰ কৰিবছৈল।
মানিকেৰ ধৰ্মন্ত্ৰী কৰে উৰ্লে কৰে কথা কৰুৱাত উদ্ভিত্ত আছে। ২০১৪ সালের শীৰক প্ৰিকৃত্য কৰুৱাত কৰিবছিল।
প্ৰিকৃত্য কৰিবছিল কৰিবছিল ওপ্ৰতিক্ত আছেন। উদ্ভিত্ত আছিল। কৰিবছিল কৰুৱাতিক কৰিবছিল
১৭৩। লোৱাক্ত প্ৰিতিক। এটকল ক্ষুক্তিৰ কাৰোৰ নাৰ্থান্ত্ৰীৰ কৰুৱাত ক্ষুক্তাৰ কৰিবছ ক্ষেত্ৰীত কেশ্য হাইতে পাৰে। মংশাৰ্কাৰীকাৰ লাই স্কাশ্যন কৰুৱা ক্ষুক্তাৰ কৰিবছ

स्थानिक नापुर्वाद अन्यक्षण नार्ड कवितन स्थानिक क्षेत्रक छन्। कवि क्यान है अन्यक्षण क्षेत्र सम्बद्धन कहिलाकिता स्थानिक प्रमान पुण्याक स्थानिक महिला स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक বার, গাঙ্গীর রচনাও তেমনি উক্ষান্তরে একটানা ছ্টিরা পিছাছে, কোঝাও করক্ষিত বলিরা পরিস্থিত হব না। তাহার ভাষার উপর বলেই অধিকার ছিল। সহদের চক্রবর্তীর ধর্মকল বাজীত অধার যে সকল বর্ম মঞ্জলে যে সকল বিষয় বিশ্বত হইয়াছে, ইহাতেও ভাহাই আছে, সেই স্কলম্ভী, সেই পাউলেন, সেই চেকুরের পাসা ইভাগি। অবক্র ক্ষি ভাষানের অন্তস্ত্রন করেন নাই। ইহাতেও নৌলিকার পানুর পান্তানে বিজ্ঞান আছে। কবির সংস্কৃত সাহিত্তিও অধিকার বিজ্ঞান

'ৰুলুগনাপিনী কালগাতি ক্লালিনী ে নুদিশ্চনাপিনী (१) নলোহন্ত তে নালাহণি র লক্ষেত্র ছবিজা ছবলি চুলিংনাগিনী ৷ নাঞ্চাহিনী সম্পেচ্ছ তে নালাহণি ঃ বিষেষ্ব নিয়ানত্ব ভিন্ন ক্লালিকা লিনাকালেনী নমোহন্ত তে নালাহণি ঃ' ইত্যাদি ॥ গুট চালিটী সম্প্রত ডে, তি মাণিকের ধর্মাক্ষণে পাণ্ডলা যাস্কা।

निरमक्ष क अर्फिनिष्य आहे कति व व्यामारमंत्र प्रकृति कथी महन अहरू।

"পৃথিবার কা বি ব পৃথিবার কাগতি ক্রপ্তির আধান কোগতি রক্ত কা কবলত প্রশাসর ।"
তিত্তি প্রসন্ধান্ত তিনি শ্রীনধাগবতের অত্করণে কলিপর শ্রীকৃষ্ণদীলা ধর্ণন করিয়াছেন ।
কবি বাউসেনেব বিশ্বাস্থান প্রশাস প্রশাসন প্রান্তন ।

শশ্বশেষে পড়িলেন সাহিত্য সক্ষা। নুয়ার ভারবি ক্ষাই নৈবৰ পিছার ১
শালিধান র ৬ কাব্য আল কাব্য কত । আলক্ষার জ্যোতিৰ আলম ডকলাল্ল এ
কল পাত পুতাৰ পড়িজ ভার পর। টানাম কাইল বিলাই মন্ত কৰা ব্যক্তর রূপ
শালাদের বিবাস কমি সংগ্র ৪ পাছেনিকে প্রপাশিক ভিজেন ।

ধ্বভাষক,শন্দ প্রবোগ বিষয়ে অসের। ভারতচন্ত্রকেট শ্রেষ্ঠ আসন দিয়া আনিচেছিলার, প্রভাষক। কিন্তু মাধিক গাস্থুলীও এ বিষয়ে অপটু ছিলেন না। আমহা একটা কুল উদ্ভাক বিষ্যাতন্ত্রি,—

ভারতচরের গৃহিত আর একটা বিদ্যে মাধিকগাড় নীয় স্থানর ভূমনা হইতে পারে, সেটা আদিরস্থানিত হীজ্ঞংস কাও। পান্ধবর্তী কাংল ভাসতচক্ত আদিরস্থা আলিকা।
ভারত বজাত ভাষাক্ষনতীকে ঘেৰুম নিভাক চুক্লাপ্রান্ত করিয়া বিরাহ্মের,
ভারার প্রপ্রাধনিক যোগ্লী। ই গৃহ ক্ষিত ক্রমারীয় নৈতিক অবন্তির
ভিত্র এইরাণ। এক কর্ম ক্ষুদ্ধিক বালিকেন্তেন,—

্ত্ৰিক বিশ্ব কৰি কৰি । আন কেন্দ্ৰীক্ষাক লাগনৈ বন হ'

শৈষিক আশ্চন্তের বিশ্ব কৰি তে, এই বাজি-সমহাৰত আজা। 'হাল্লিকার পালার' লাউনেন রাটনী
পরিত্ত হটারা পাপতের উন্নয় উপবেশন কটিন, ক্লিকাল বান হ'ভ বারা মুখে ভাব্ন ভূলিরা।
বিক্তে চিত্তে উত্তার বামপান্তে উপবিত্ত হটারা

'बूटकर यममें कूटक का बत देहत हैं

তাৰ পুর বলিল ;—

'বেশ হৈ নাগর কৃষ্ণ কনক নাছকে'।
আনিবল ক্রিন্দন ব্যাল বেন ছটা। কনমেন্ত্রী ধন আঞ্চানর কৃষ্টি।
বুগল করল হয় বহি বেক ইবে। প্রথা গামে কর্বার সময় চেপে মধে।
আনার ক্ষানে ক্ষানে ক্ষানের পেন। বিভাগ প্রান্ধার পার নাবারেন ভেল।
বুচাইনা কর্পারের ক্ষানেরি পোন। ব্যাভাগ আনার পার নাবারেন ভেল।

মানিকগাণ্ডলী বলীয় লগনাকুলের যে অবস্ত আনৱাচত আজন করিয়াছেন, ভাষা সম্ভাতই ভাষারজনকঃ

প্ৰের রম্প হোৱা পিরীক্তকে যদি। বলিক পুরুষ প্রের হার কারে প্রি ৮

বে বন্ধবধ্যণ পতিকে দেবতাজ্ঞানে পূজা ও ভঞ্জি করিয়া ঝাকেন, সেই সমাজের রমণীর প্রপ্রেশ্বর এতি এতাদূশ আশক্তি ওস্তৃতিই নিনাই একং যে কবি এইরপ চিত্র অন্ধন করেন, তিনিও ক্ষমার ক্ষানাগ্র । ভাগাতচন্ত যে ভাবে ক্ষমারের কপ দেখাইরা রমনীরক্ষের যা শাতির ক্ষমান করাইরাজেন, মাধিকগান্থাীর ধর্মমন্তবন্ধ সেইরণ রমনীগণের পাতিনিক্ষ ক্ষান্তে। ভাই পু.ম বলিরাছি, ভারতচন্তের ক্ষান্ত্র কবি মাধিকগান্থাী। বিভাল্পারের ভাগ ধর্মনাগ্র কবিও রমনীর গর্ভস্পারের লক্ষ্য ও ভংগর ভাগের ক্ষমান করিরাছেন,—

'कुछान नगम करण निरुद्धाः मीठन । जान्नित व्यक्तिक व्यक्त क्षित्यक व्यक्त इ उपमानि प्राप्तारम एक्सन रायण विकाः हेन्सा तत्र व्यासानि व्यवस्था व्यक्तिन त मत्र मान व्याख करण करेंग त्रजात । विकास विकास महित वर्ष हम कात त यह कर्ते वेट्ट वर्षि करत्र केल्पता । वृद्धिण सुवास माना नेपाण करणकर त

ं उद्यक्षक मानक्षकत् । त्रवावकीत् वर्ष वरेत्राह्, कि वाहेरक मान प्राप्त, विकास करिएक किस मोनातम, --

हित्सी है जिले कुठानि हो भी भारत महित्स । आदिक स्थान दिशा नोक समें आदिक में कांत सिंद (गाँठो वन नगरमा नीत । आहुत क्षिता दित्य निर्धानित पूर्ति है । व्याप्त क्षिति व्याप्त क्षिति व्याप्त क्षिति । व्याप्त क्षिति व्याप्त क्षिति व्याप्त क्षिति । व्याप्त क्षिति व्याप्त क्षति क्षिति व्याप्त क्षिति व्याप्त क्षति क्षिति व्याप्त क्षति व्याप्त विष्त व्याप्त विष्त व्याप्त क्षति व्याप्त व्याप्त विष्त विष्त व्याप्त विष्त व्याप्त विष्त विष्त

क्षि अगरवत कवित्र 'मधा पून्नी', 'स्त्रिस्त्र साईकि' आकृष्टित बीतप्रसामक চরিত্র, সত্যের প্রতি ঐকাত্তিক অনুরাগ, উপকারীর প্রতি, কুডজতাপ্রকৃপি, প্রতৃত্তিক ইত্যান্তি ৰ্থবিৰ সপ্ৰাথিনিচৰেয় উল্লেখ কামনিক হইলেও তাহা "ইডডড: প্ৰতিক্লিড সভোৱ কিন্তু-রেখা আমারিগকে একটা প্রকৃত ঐতিহাসিক জগতের সন্ধান বিভেছে। রাজহারে নিখা कथा ना र्यानाम मुक्राप कांगका, मिथा। यमिरम टाइव धेचर्या कवावत ब्हेस्य, धहे मुक्काय हैकि-ক্তব্যতা নিৰ্মায়ণ করিতে হইলে আৰু কাল কয়জন বাজালী ভরিছর বাইতির মত ছতিয়ায় নিপীড়িত হইবেন ! স্বামীর নৈতিক অণঃপতনে বিমলা বেরপ মনে ব্যসা পাইয়া সহধ্যিই নামের দার্থক করিয়াছিল, আন বঙ্গের ক্য়জন গৃহত্তী মিখ্যাচরণের বিক্তমে স্বামীকে দেই ভাবে উৰোধিত করিতে পাছেন 🕴 ধর্মদল কাব্যে নানা অতিবঞ্জিত ও কান্তনিক সংক্রমন্ত্রী অভাত্তর হইতে সামাজিক বে চিত্র উক্ষাটন করিয়া দেখাইতেছে, তাহা আমাজিনকে অন্তীক্ত খাবীনভার কথা শ্বভিশবে উচ্চীবিত করে। বে সমত ভগের উপর প্রতিষ্ঠিত হইলে প্রাতীয় ৰীবন সমুদ্ধন হৰ, এই সময় নিবিড় কামনিক উপখোনের ভিডর আময়া সেই পৌরুষ্যুস্থ চরি মংগারবের আতা দর্শন করি। সভোর প্রতি বিপুল আছা ও নিধার প্রতি অবত দুবা বধন শালীৰ নিমানেশ্ৰিৰ সুটাৰেও এমণ অন্দাই ভাবে অভিবাক্ত ছিল, ভখন কাৰেণ প্ৰায়তই অর্থোপন ছিক।"। ভার পর স্থার বীরভ। "আঞ্চলত বুরুর ও লাগানী রম্পীস্পুন্র বীরভ त्मिका रक्षणांनी बदन यनिका दन्त वाह्या विटक्टकन । किन्त छोड़ात्मतके त्वत्न भूत्वे दर अक्षकन कृत्रमी चरनव वीवव धावर्षमभूत्रक धावत ताका वका कविवादित, छावा चरववन कविवाद चनमूब कि कीशास्त्र कृतिरकाइ मा ? नाकरमम भरवात श्वा निएक काकरक शिवाहकन ; बाकशामी महामा-কুকার ভার নথার পৃত্তির উপর প্রশ্ন আছে। ইতাবনতে গ্রেছিড়র রাজা মধনা আঞ্জন্ করিছে। कश्चनत रहेरम, मधात मुक्ति वैधासाठ स्मिष्ट वहेरा आसूर मेसंनाननास्टन इन्डमःस्ट होर् ক্ষানৈ সভার স্বাধীর এডি ভীররেনেডি এই—

'वर्षण त्यावांव शास कवि नवर्षः। त्यान त्यन शकतः त्यावाः क्यायन ह वरि चावि व्यक्ति कृष मा शक्तिक काह्नाः भरकातः त्यास वर्षस्य क्रायन स्था

क जारकी >=> मेरक बीजनाम हमानव निविद्य प्रतिहत स्वितिक

ছরি মরি বার ধনে মনে অভিলাধী। দিবা রাত্রে প্রকৃষ বোগার ধাস ছীনী।
ভার শক্ষর সহিত করিতে চার ভাব। সঞ্জমণি কেজিবা গোবর হব লাভ এ
ভানী উত্তর করিল.—

ৰীর বলে বিশ্বপ **বিধানা এতনিনে।** প্ৰাইমা **থাকি চল পছ**নাৰ জনে । কুলা পেখা বুনিয়া কৰিব **ঠাকুবাল। আন না সহিতে** পাত্তি এ সৰ **মঞ্জাল ।** স্থানীৰ বাকা শুনিয়া লখ্যা বলিল,—

এডেক শুনিয়া লখা। অন্তচিত্ত দলে। তাকন বেচিবে কেন কাচের বছলে। ধিক ধিক ভোনার বীয়কে বিকৃথিক। তেকের নিকটে হল ভূমকের ভিক্। প্রধিব সেনের মূন সাধিব কামনা। সমূপ অবধি আমি রাখিব ময়না।

লক্ষা বলে বখন ছিলাম মাপের যরে। চল পাছ ভালকে বিখেছি এক সরে।
পৃত্তি লাফে গোৱাতাম পাজুরের থানা। আগাবস বিশেষ ভোমার আহে নানা।
তের তিন বছসে হইল তেব ছেলে। শঙে বিজে ছুকাল করিতে গারি শিগে ৪' :

তংপর লখা। আরু সংখ্যক সৈপ্ত লাইর। সমন্ধক্ষেত্রে বিশক্ষীরনিগকে সম্পূর্ণরূপে বিধবত করিয়া প্রাকৃতিকি ও রমণী-বীর্ভাহর অভ্যুক্তল আহর্শ প্রদর্শন করিল। আন-কালকার বন্ধকলনাগণের কথার কাক্ষ কি, তাতাদের 'অন্ধাল'গণই সমর-যাব্যব নাম গুনিলে চন্ধিত হন। স্বীর সম্বন্ধ শীবন ভাবি বিহা স্বন্ধে কয় করা তাতাদের নিকট এক, অভাবনীয় অন্ত প্রস্ক।

অন্তিকাল প্রকার বজদেশের মন্ত্রগ্রের পরিচর এইকপ:--

শশুনে এও ক্লোখযুত মন সারেশ্যত । সেকে তর্জি উঠে গজি কাঁপে কলেখন।
লাব লাব উডপাক ঐ হলে লক্ষ্য থবাধন কৰ বহু বহুৰাই কলা ।
লাউসেন বহু বেন ব্যব হয় কৃষ্য । মন সেন ঐ হলে কৰে গোর বছু ।
ক্লোক্ষেত্র হাতে হাতে পরে পার পার । কুসা কুসী চুসা চুসী মাধান মাধান ।
পোলা পেলা চেলা এলা এমান প্রথম । কুসা কুসী ভাকা ভাকা লাক্ষ্য আপচিক্তর ।
কলাহক সম ভাক হাত সিহু নাম্য । মার মার আনিবান করে যোর প্রথম ।
সাম্যক্র শ্ব সেন পর উভাবিল কিলা । বেন মিনে আরে মানে পরে পোরা আলা ।
কোপে সেন আরি বেন ইছু বেন বাটা । নিউচ সামক্ষ্যরে মানে ব্যব মুর্পার ।
কিল চাক্ষ্যরে স্থাম ব্যব ক্ষা ক্ষা মুক্তি গ্রা স্থাম ।
কিলা ক্ষা বিল্লা স্থাম ব্যব মুক্তি গ্রা স্থাম বিল্লা বিল্লা ক্ষা মানে ব্যব মুর্পার ।
ক্লি চড়ে গুরে পত্র ক্ষা মুক্তি গ্রা যান্ত স্থাম ব্যব মুর্পার ।
ক্লি চড়ে গুরে পত্র ক্ষা মুক্তি গ্রা যান্ত স্থাম ব্যব মুর্পার ।

মানিক গাসুনীর ধর্মকল আলোচনা করিলে অনেক ঐতিহাসিক তথ আবিহার করা ধর্মতাত লাবে। কিব বকামান প্রবন্ধ বড় হইবা পড়াব, এছলে ভাষার উত্তোধ করিলাম না। বালাপ্রার অন্ত লগতে তবিমরে আলোচনা করার ইছে। থাকিল। কবির ক্ষমান বেল্ডিব্রার কর্মান কেলাব। কবি গালপালে লালে বানের কেবদেবীর কল্পনা প্রসামে বর্জায় কেলাব। কবি গালপালে লালে খালের কেবদেবীর কল্পনা প্রসামে বর্জায় কলাব আনের ক্লিব্রায় চকলীবির কালেল। 'কালু বানের' উত্তোধ করিবাছেন। লালু আনের নিচে বানের নবী, ইহারও উল্লেখ ধর্মকলে আছে। "অভিনামনীলাম্ভ" গ্লেছে শেছিছে প্রসামের বার স্থানির ক্লিক্সান্ত আছে। শালস্ক্র আন্তর্গার ক্লিক্সান্ত আছে ক্লিক্সান্ত আছে ব্যক্তির বার স্থানির ক্লিক্সান্ত আছে। বার স্থানির ক্লিক্সান্ত আছে বার ক্লিক্সান্ত আছে বার ক্লিক্সান্ত ক্লেক্সান্ত বার ক্লিক্সান্ত ক্লিক্স

পাৰপুৰে যদিব বন্ধপ নামানৰ । আবুটাৰ ধৰ্ম অন্য হলে এক নৰ ।
আঢ় নামন যদিব ঠাচুৰ ভালু নাম। বিবানিশি কভেল বানেন ক্ষিত পাৰ ।
পূৰ্বা হায়ী সভুবে কাবোৰন । ছবিকে ভুলানী মঠ বেখিতে কুম্বন হ
বিবাহ বিজ্ঞানাৰ ভালানোড়া ছিভি । অনুপান স্থাবাৰ আৰম্ভ নকভি ঃ
সৰ্বাবে উৎপত্তি পভিত কুমানন । সাহান সেবাছ কৰা বেব নিমানৰ ।
মুখাবাৰ ভালাটাৰ বন্ধে। হাতে ভালো। পাইল কোপেন ক্ষত স্প্তান ক্ষেত্ৰ হ
বিনাপুৰে যদিব ঠাচুৰ ভালনাম। বানোধন বানাৰ বিশ্বৰে বন্ধা বাছ ।

বিশাপুৰে যদিব ঠাচুৰ ভালনাম। বানোধন বানাৰ বিশ্বৰে বন্ধা বাছ ।

মাণিক গালুণী এতনপেকা বছতর ছানের ধর্মের উল্লেখ করিবছেন। এমন কি 'গোপাল পুরের কাকড়া বিছা' এবা 'পড়ানের ঘাঁটের' বন্ধনা করিতেও তিনি ইতন্ততঃ করেন নাই । তিনি বৌধপ্রভাব এড়াইডে পাল্লেন নাই সভা, কিছ হিন্দু দেবনেবীর প্রতি অসম্মান প্রহর্ণনও করেন নাই। তিনি নানা স্থানে ভাঁচাদের প্রতি সমাক্ ভক্তি প্রহর্ণনকরত বন্ধনা এবং মাহাম্বা কীর্তন করিরাছেন।

মানিক গাস্তীর কবিছপজি চুর্লান্ত হুইলেও ভাষা সর্বান্ত কৃষ্ণে নামে এমনই প্রকৃষ্ণ আমা শব্দ ব্যবহার করিয়াছেন বে, ভাষার অর্থবাধ হওরা ক্ষৃষ্টিন। এক্ষ্ণে হুই একটা প্রামা প্রায়ে করিয়াম :—

ভৰ্মা (ভবসা), তেহরি (ভিনতার, তেহবি টাপার মালা), অমিধিয়া, সেডাভিন, খিতিন, নাগান করিব (বলিব), গোভর (শরীর), আচাস্ত (আচমন শেব করিরা), হিসরে, পিতর (প্রভার)। কিন্তু এ শম-'বিভার' আমাদের ধরিবার অধিকার নাই, কারণ কবির প্রার্থনা,— । "স্থীকুলে আমার সধত সধিবর ে স্থাবির ব্যাপি থাকে শব্দের বিজ্ঞান।"

শ্রিভ্রত্বদর সান্যাল।

রঙ্গপুরের দেশীয় ভাষা

বলপুর, বজা, নিনালপুরের কতক জংশ এবং সমগ্র কোচবিহার রাজ্যের জনসাধারনের কবিত ভাবাকে ড্রান্ট্রার প্রীয়ামসন্ রজপুর বা রাজবংশীভাবা জাখা। প্রথম করিয়াছেন। বলতঃ পূর্বেকে ছানসমূহে প্রধানতঃ রাজবংশী জাভিমই বাস, স্করাং ভাহাদিগের কবিত ভাবাকে সদীম রুপুরভাবা জাখা।র পরিবর্তে বিশ্বত রাজবংশী জাভামই বস্তি করিয়া আছে, ভাহাদিগের মূল ধরিতে গোলে রাজবংশী প্রভৃতি আদিন অধিবাসিসপের নিকটে উপনীত হইতে হইবে। উরুর বঙ্গের অধিকাংশ ভূভাগ কোচবিহার রাজ্যের হন্ত হইতে বিভিন্ন হইয়া ববন কর্তন্সজ্ঞ হওয়ার সঙ্গে সঙ্গে ভিন্নু জবিবাসিসপের একজংশ ইসলাম্থর্ম গ্রহণ করিতে বাধ্য চইরাছিল। অধ্যাংশ পার্মান্তা ও বন্ধ প্রথমেনসমূহে আল্লের গ্রহণ করিয়া বীর ধর্মক্রা করিয়াছিল। অবশেবে কোচবিহার রাজ্যের সহিত মুসলমানগণের স্কিয়াপনের পর ভাহারা বিধর্মিগণের জভ্যান্তারের ক্রম হইতে বুজা পার।

ঐ সকল হিন্দু বিজ্ঞাতীর ইনলামগর্শে নীক্ষিত আঙুগণ হইতে আপনাদিগকে পৃথক করার । বছত ভাহাদিখেব "নদ্দ" (নই) আবা প্রবান করে। বছপুর প্রাকৃতি ছানের ভ্যনিবাগণের প্রজা-তালিকাদিতে কড়াপি মুললমানগণের নিসন' আবা লিখিত হইল থাকে। অবশ্বা পরিবর্জনের সজে কচিৎ নদদ আবা ঘৃতিয়া পাইকড়ি, মঞ্চল, দেল, সরকার, পরামাণিক প্রস্তৃতি উপাধি লিগিত হইলা থাকে। নবধর্শে নীক্ষিত হইলেও এই মুললমানেরা মাতৃভাষা ভ্যাল করে নাই; তবে তাহালিগের ধলগ্রেষের পারদীকভাষা রাজকানী ভাষার সহিত্ত ছানে ছানে মিল্লিভ হইলছে। একপে মিল্লিভ এই ব্যাকি মাতৃভাষা এত করা বে ভাচা প্রদীয় নহে।

बालगानी कांदात डेरमधि ।

কোন্ অতীত ধ্গের সম্বাক্তিবিত শব-সকলের প্রতিধানি রাজবাশীভাবা ক্রিডেছে, ডল্লিয় জালোচিত হইলে বহ ঐতিহাসিক ভগ্য আবিষ্কৃত হতিতে পারে।

ইচার শক্ষা থাকে প্রবিশ করিয়া তর আন করিয়া দেখিলে শাঠিই প্রাচীয়নান হটারে বে, বৌচযুগের পালিভাগ ও বাঙ্গালাভাষার সংবিশ্রনে এই ভারা গঠিই চইয়াছে অবস্থা ইয়াকে কুপান্তরিত পালিভাগা বলিলেও অভ্যুক্তি ১খ না।

्र जटनकारनक शानिनक बाक्यानी छागात करणबंध गुढे क्षिएकरक्ष। श्रहास करकारी बीक फेल्स्सन जानक स्टेरफरक् :---

तकशूरवन रमन्त्र कार्या

प्रांचकती व गामिनम	योगांगांग	शांकरती च ना	हा तरका क्रा पोषांगानम्
बिन्हा	बिस्त	निका, निका	
শেষ '	ভেশ	कान, किनान	₩ायपा। स्रोन
্ কোধ	COFTU	সভ	শভা
যাৰণ	ব্ৰাহ্মণ	. 4	रूर्व
कान्य	काम	गरमस्य	🐐 नवरमञ्
थान्, ठान	श्रान	भरम्	মাংস

রাজবংশী ভাষার সহিত পালিভাষার উক্রারণগত সাদৃজ্যের মণ্ড বিজ্ঞ বাজানার সহিত ভাষার বাজ পার্থকা দীড়াইরাছে। এছলে প্রধান করেকটা সাদৃজ্যের ছুইার উচ্চ হইতেছে ই— রাজবংশী ভাষার পালিভাষার জ্ঞার 'হু' হানে 'গ'. 'হু' হানে 'ট্ঠ', 'হু' হানে 'দ্ল', 'জ' হানে 'জ', 'ক' হানে 'থ' 'থ' হানে 'ই', 'গ' হানে 'ভ' 'হু' হানে 'ব', এছং 'প' হানে 'ই'ক উক্রারিজ হইল থাকে।" যথা—

श्रुण—श्रम, श्राम—थान, ठीन, (बाई—एक्ट्रेंट, नहे—नम्न, बाक्का—बाक्य ग्रण, श्रुकी—श्री, Бक्रू—ठेडेथ, श्रक्ष—श्र्य, ग्रांव—रेनि, क्रक्य—किंडे, मृङ्ग—बिक्रु, विवाह—विक्रा, वक्कक—स्क्रव, बाह्य,—बांव, शक्तिंयी—शावित, (काथाब,—कोंट्रंट), এशाव—औंट्रंट, (त्रथाब—कोंट्रंट सेकानि क्

'পাশিভাষার ভার স্থানে স্থানে (´),(এ) উচ্চারিত না হইরা বর্ণের ছিব হইরা থাকে । এবং স্থানে স্থানে উহারা বর্জিত হব। বধা—

वर्षा -- वर्षा, कृषीयक् -- कृष्णमाक, खार्षानमी -- खार्षानमी, वर्ष -- वस, वर्य -- वस, वर्ष -- वस, वर्य -- वस, वर्ष -- वस, वर, वर्य -- वस, वर्ष -- वस, वर्ष -- वस, वर्ष -- वस,

শালিভাষার স্থান সাক্ষ্যশী ভাষার অন্থনাসিক 'ঞ' এর উক্তারণ অনেক শেবিতে শাওৱা যায় ৷ বথা----

काळ्क-त्व, काळ्क-ता, प्रक्क-चावि, चक्क-७, वाक्क-त, क्क्क-पूर्व हेशावि ।

বালালাভারার সহিত রাজবালী ভারার উচ্চারণসত বিশেষ আর এক পার্থতা এই বে,
শংলর আন্ত্রী "র" এর সহিত স্বরণ অ, আ, উ, উ, ও, ঐ কুজ থাকিবে র উচ্চারিত
ক্রিয়া সুক্তবর থলি উচ্চারিত হইনা থাকে এবং পূর্বোক্ত স্বর্ষণ থলির সহিত বহি কোন
স্ক্রন্থ স্কুল না হইনা বহি ভাহারা একাকী শংকর আহিতে থাকে, ক্রিব ভাহারিংনার সহিত "র"
স্কুল হইনা উক্তারিত হব । ক্যা হ—

वनि—मनि, त्रवी—वाने, वावि—वाचित, वात—वात्र, क्रव—वात्र, सननासकः— क्रेननात्रांग, त्रांग—थन, त्रोग—अन, अवि—इचि, वात—संग, क्रवा—नवन, वक्रा—तात्रा, क्रेनन—रहोत्रत केवाति।

সাহিত্য-পরিবং-পরিকা

্ষ্ণ ক্ষাৰ্য (ব' এয় সহিত পূৰ্বাক্ষিত শৱৰণ সকলেয় এই অমুক্ত গরিণতি গাণিভাষা-প্ৰেম্মত কিনা তাহা ভাষাড্যক্ষগণেয় বিচাৰ্য। স্কার্ম

পালিভাষার সহিত্ত উন্ন সৈকটা প্রযুক্ত রাজবংশীকারা বিগ্রহ বাজালাভাষা অপেক্সা প্রাক্তেরও অধিক সন্ধিতি। প্রীযুক্ত দীনেশচক্স ট্রেন মহাশরের 'বজকারা ও সাহিত্য' নামক প্রকে বাজালাভাষার সহিত প্রাক্তের নৈকটা প্রমাণ করিবার জন্ত যে সকল উনাহরণ প্রমত্ত ইরাছে, ভাহার পার্নুর্ব রাজবংশী ভাষার ক্ষিত শক্ষণ্ডলি হাপন করিবেই আমানিগের এ উজিব সভাসতা নির্মানিত হইবে।

वाङ्ड १९५३	सम्बद्धः कार्यस्य	বাদালা • পাধ্য
সা শ্ৰা	স' কথা	नीव विकास
কেঠ্ঠা	ু ৰ ট ্ ঠা	লেঠা
A STATE OF THE STA	শালগ •	गांचन
	এদি	Ø7'8
484	ক্ত	ACE 4
্ _্ ' জে ওক	েছ ও	श. ६क
इंगा क	इन्म	रम्प
হৰী	ভা শী	राठी .

প্রাকৃতের আন্ধি, তৃত্তি প্রভৃতির রূপ রক্ষপুরের স্থানীয় কবিগণের রচিত্ত কানাগিতে দৃই হয়।
বিশ্বত বালালা অপেকা রাজবংশী ভাষার প্রাকৃতের সভিত ক্রিয়ার নৈকটা অবিকতর
স্পাই মেডিতে পাওরা বার, প্রাকৃত অভিবে সহিত অনেক ধাতুর বেগি কইলী ক্রিয়াপন নিশার
ইইয়া বাকে। বধা—

করোছে, করোছি, ভরিডেই, করিডেই। এইরূপ কালোছে, কালোছি, নারোছে, নারোছে

करतामित्र आङ्ग्छ 'क्टबाम' गाहा मर्काम छविद्यार्थ गावन्छ रत्त, छारा अधारन कतिन् अवर औ क्रम बाहेन्, गाहेन्, निहेन्, निहेन्, हेछाति कृष्कार्थ छविद्य-कारम अनुक स्टेश धारक।

আসীংএর অপ্রান আছিল নক আন্ধান্তরিত অবস্থার রাজবংশী ভাষার ব্যবন্ধত করিয়া থাকে ব্যাতবংশী ভাষাকে বৌহনুকোর পালিভাষার স্থপান্তর অনুনান করিয়ার আহন্ত অনুনান করিয়ার আহন্ত অনুনান করিয়াত। পূর্বা কবিত "বস্তায়া অনাহিতা" পূর্বাতে মানিকার ও সোলীটানের লাম-বির্বারে। পূর্বা কবিত "বস্তায়া অনাহিতা" পূর্বাতে মানিকার ও সোলীটানের লাম-বির্বারিকার বালাগা ভাষার আক্রান করিয়ার স্থানিক বির্বাহিত সালাগান করিছা আহিছা করিছা করিছা আহিছা করিছা আহিছা করিছা করিছা আহিছা করিছা করিছা করিছা করিছা করিছা করিছা করিছা আহিছা অবহার নিশিবত করিয়ানেন। শীনেকার প্রাই প্রত্যক্ষই অনুনান্ধ করিয়া বালিকা

বলীয় নাহিত্য-পরিষদের মানিক কার্য্য-বিবরণী

চতুৰ মাসিক (দ্বগিত) অধিবেশন।

১ জাখিন, ১৭ অক্টোবর, মবিবার, অপরাহ **৬**টা

উপস্থিত ব্যক্তিগণ

প্রিয়ক লিবতিং প্রসর ভটাচার্যা (সভাপতি)

বিক বাধকত গৰ

- মধ্যেনার ধর
- " गडीसरमास्य यांग्री वि, अ कविताय
- শেবভূষার নার চৌধুরী
- " নগেঞ্জনাথ বস্থ
- " बाबाइद्रम हरक्षेणांचाद्र
- " (स्माज्य शामक्यं वाम, व
- " ভাষধনাথ বন্ধোপাথায়
- " सार्वाहर्त विव
- " সভাভূষৰ বন্দ্যোশাধাৰ

শ্রিক রাজকুমার বেগড়ীর্থ

নিশিকাৰ সেন্

भूवकाष्ठ तम

्शिकार्ज रान

" বসময় পাহা

" (मर्दशास्त्र महिन क्य. कः वि. क्या

किए वित्र वा वा वा

- " সভীশচন্ত বিছাভূবণ এম, এ
- " রামেশ্রহুমর তিবেদী এম্.এ সম্পাদক
- " ব্যোশকেশ মৃত্যকী
- " मक्तरपारन दक्ष वि.क महः मुल्लापक

चारगांठा विश्व-

5 । शक व्यविद्यनामा कार्याविष्यन गाउँ, २ । गका निर्माणनं, ७ । भूक छेन्यांच वाकु-, भूगटक वक्ष्यांत, ६ । व्यव्य- (क) विष्युक ग्रक्शमम वटनागिषांच वि, व महानदवव वाग्रविक्ति हेलियांन क मरद्रक वाग्रिकि ववर (व) जिन्न वृक्षीक्षरमावम नाम्छी मशानदवव "ग्रावी-हेलियांन" नामक व्यव्य, ६ । विविध ।

১৮दे कांग्र कांग्रिय प्रकृष मानिक कविरयमन स्वयासम्बर विवाद एवं, ग्रामित कांग्रिक केंग्रिय प्रमाणिक कांग्रिक क्रिक्टिक विरामित क्रिक्टिक क्रिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्रिक्टिक क्र

নিৰ্বাণিত ব্যক্তিনাণ বৰাৰীতি সন্তাৰ্জনে নিৰ্বাচিত

द्यितंक ातिकम मुख्की

জীবৃক্ত রামে প্রস্তৃত্বর তিবেরী

রায় বাদবচক চক্রমতী বাহাচর

821> **विकाशनामा हा**छ कानीवाडे । २ । किकटमनमात्रामन क्रोपूत्री

क्षिक (वाभरकन मुख्ये)

क्योगात, कारतमा, भारता।

। विश्वविक्षात्रक कोबुडी

কীরোম প্রসাদ বিভাবিনোর

ৰভবাতী, হরিপুর, লাল

व । अभाक्ष्यान्द्रणाहम् वस वि, व ं क्षेत्रवर्गायन उत्तर्वे वि, क

ा जिगाउक्कि हरशेगांशांव সিভাস্থ্ৰ

1 | Bugain serie

०) द्यानीत्याच्य मरखंत देवने यान्यायात्रः।

। शिवादावाचाच मात्र समग्रा

১। জিলাতটোৰ বস্থ शास्त्रक्षक्षत्र जिल्ली ्याकात, समाहत ।

(बाध्यस्म भवनी

১০। জীপ্ৰায়াজন্ত বোৰ এম, এ

२गाउ रेवर्डकमानायाकात स्वाह ।

33 | Britis (414 ult, a

१५ कुकावम बॉस्टिक्स रणन ।

22 | Belginien bertell

माखिकवर्गामाय (गम् मङ्गात ।

TO I BENDER MAN

जिल्ला है है ।

पडीख नांध कोर्डी

(वा**म्हरू**न मुख की

28-1 क्रियोक क्रियांनिकत कवित्रप्त २०० कर्गछत्रशिंग शिक्षे ।

বোদকেশ স্থানী

जबूबाइका त्यांव विश्वाकृतन ३०। क्षेत्रश्रीवृद्धक वयः क्षत्र, द

थडी क : मारन **म**

De 1 SCHERHEIST STAB (e. on cieda cuintal swams

वित्य वायवनाव स्थानिकाः वित्य बारमक्ष्यक्ष किर्मी १५। विविध्यक्षमान प्राप्त वाय, व ् क प्रकिश **है।**

CHESH WITH SE

DV | किल्लीकोच टाम वि.सन त्यामामाम, प्रामानी । हवान **ज्ञानस्त**ं निश्व 🖖

क्षित्रक नरकांचा

क्रमंत्र गार्थः HAT MARKET STREET

TEL PREMIUM STATE

७ बायकामाच अभूटमन हमन ।

विश्वाधिक स्ट्रेशम ।

२०। किनिट्यमंत्र श्रामकाम वर्ष शहिक त्युंचे (बाँदे निर्माण करणांक है

se'i Beigieber em

क्षेत्र दानि समस्ति ।

6 : शुक्रकमम्दरक केशराज्यांक्शन्तक स्थान (वक्षा स्टेस he

(>) शक्षमस्त्री

निविभित्र नाविका

किरगाविक्तिनाव शहर

(?) The Native States of India

(৫) নিয়শ্রভঃ

(৪) বিভাগ লখাবাদ

व संवयक्त क्रिक्ट

(৫) বল-খানীনভা (মহায়াল প্রভাণাখিতা)

विरीएक्समान सम वात वडी अमाच क्रोपूर्व

() देनाम्याना

विमनीलाश रहणाल्या

(१) धर्म्बन्ध

(৮) शर्वजीयम ७ छन्दि

(>) Peary Chand Mitra

BLD

 विष्क गकामन बत्कामाधान गरहक कालि तायक गाठ कतिराम्त । असे तीयरक दमयक क्यांच्य देखेंकिकान करे चित्रमेरका बार्मिक नारबर मध्यम्भ महमातमा परित्रा द्वारा विकास जावृतिक साविक्रिकारवरना क्षाप्त क्षारमाध्या क्षित्रवर्त

শীবৃক্ত নবকান্ত কবিভূবৰ আৰ্যান্ত ট্রকত পরিশিষ্ট পুঞ্জ প্রবর্ণন শারীরা বলিবেন বে বা প্রবেশ সতে পরাশরণবি ক্ষোভিষ ও রেখাগশিত শারের প্রথম প্রবর্তক। ভাষার পর গর্গধবি বা লায়ের আলোচনা করেন। বা পরাশরণবি আছ্বের শারেরও প্রবর্তক। ভংশরে তিনি শারাদর প্রেণিভ রেখা শবের সংজ্ঞা পাঠ করিবেন। জিনি বস্প বিক্ সাবেবের আইবাবিজ্ঞ শৌরাদর প্রবৃত্তক পুঞ্জক প্রস্থান করেন।

শ্রম্ক বারাচরণ চটোপাধার ভারতবর্ষে গণিত পালের উৎপত্তি সকরে ও প্রিয়ক্ষ হেনচন্দ্র বান্তব্য ভবরুত্ব ব্যক্তে হই এক কথা বলিলে কপাথক বীরাবেলক্ষর জিবেটা বৌধানন প্রশিক্ত ভবরুত্বার ব্যামিতি পালের বে বিবরণ পাওরা বার, ভাষা বৃহাইরা প্রামিতিল ও সিধার শিরোমণিতে জ্যোতিবপালের সাহায়ার্য জামিতি, কিকোপমিতি ও সোসমিতি পালের বেটুকু পরিচর পাভরা বার, ভাষা ব্যামার্য ভরিকেন । ভংপরে সক্ষেপে ইউরেকিল ক্ষিত্র নার্য কিন্তব্য বিশ্বর কিছু বিশিক্ষের । কিন্তব্য বিশ্বর বিশ্বর বিশ্বর কিছু বিশিক্ষের । কিন্তব্য বুলক্ষা ও সক্ষর বিশ্বরে কিছু বিশিক্ষের । কিন্তব্য বুলক্ষা ও প্রকাশিক ক্ষ

তৎপরে কীয়ক বড়ীজমোহন বাগচী বহাপর বিবাহ করিব করিব করিব বিবাহর ব্যবহার বিবাহর করিবের বিবাহর করিবের বিবাহর করিবের করিবের বিবাহর করিবের করিবের করিবের বিবাহর করিবের করিবের করিবের করিবের বিবাহর করিবের করিবের করিবের করিবের বিবাহর করিবের করিবের করিবের বিবাহর করিবের করে বিবাহর করে বিবাহর করের করে বিবাহর করে বি

প্রকৃত ব্যোসকেশ মুক্তনী এ
বাছর বিবরেও আবোচনা বান্তনার বিবরেও আবোচনা বান্তনার বিবরেও আবোচনার বিবরেও বিরেও বিবরেও বিরেও বিবরেও বিরেও বিবরেও বি

প্রমান্ত ছিল।

ক্রিয়ন্ত সতীপচাল বিভাতৃত্ব বলিলেন, পরিসং বে বাজলা বেশের সম্বন্ধে বিবরণ সংগ্রের
প্রমান্ত সতীপচাল বিভাতৃত্ব বলিলেন, পরিসং বে বাজলা বেশের সম্বন্ধ আরম্ভ প্রনা
প্রমান্ত কর্তবাভার প্রমান কর্তবাভার প্রমান কর্তবা
ক্রিডেছে ভিন্ন ক্রিয়েল সম্বন্ধে এইয়াপ বিবরণ সংগৃহীত হউলে পার্বদেশ কর্তবা
ক্রিডেছে ভিন্ন ক্রিয়েল সম্বন্ধে এইয়াপ বিবরণ সংগৃহীত হউলে পার্বদেশ কর্তবা
সম্পানিত হববে

ভবন্দে সভাবতি মলাবর প্রবন্ধ নেগ্রুপর্কে বভবার ছিলেম। প্রীযুক্ত ব্যোমকের বাবুর প্রভাবে প্রাভূগীযোগন বোবের স্কুডে ছুমার সক্ষান্ত নিষ্টের নিকট পরিববের পৌক-প্রকাশ করিবার মন্ত সম্পাধককে সমুরোধ করা হটল।

अत्राद्धारमञ्जूषात्र जिटनशी

প্রিসভ্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর বভাগতি।

्त्रा चल्रावन २०२२, ३३८न मटावन्त्र >>०६।

বঙ্গীয় শাহিত্য-পরিষদের মাসিক

কার্য্য-বিবরণী

भक्त गांगिक कविद्वलन

ेश व्यवशायन, ३३ मंदनवत्र, तनियात्र, व्यवशाह क्षेत्र

উপস্থিত ব্যক্তিবৰ

প্ৰীয়ক সভোজনাৰ ঠাকুৰ (সভাপতি)

বীবুক গতীশচন্ত্ৰ বিশ্বাভূবণ, এষ্ এ

- ' अवनाथ वत्नाभाषात्र, **धव** ख
- रव्यानाम क्रिक्शानामाम, अम् अ, वि अन्।
- " শিশাপ্ৰাসর কট্টাচার্য্য, এৰ এ, বি এল
- " बाब देवकुर्कनाथ राष्ट्र वाशक्त
- " बाब इशिमान वस वाहाइब
- " नाम्मिक बल्लानाबाद, वि अ
- " कविश्वास हभी नांबीवन राज नांबी
- नृत्रमाराहर विचाम, वि जन्
- " वडीम्रामाश्येषा**र्थ** विश्व
- " (पनक्रमात्र बाच क्रीपूरी
- " शैरिक्शांच शक
- " কৰিয়াল কলবাকুমান সেন কল আনোচা-বিবল :--

বীবৃক্ত অমুওলাল বহু

- " गामनतम् विक
- ভবীকেশ মিত্র
- " वाम्माहत्व अद्वीनाशाह
- ্ব ভা কার মনিকসোহন চক্রবরী
 - " नठापुर्वत स्टब्सानासप्रद
 - " ्द्रायमध्य यञ्
- " **' जगर** (मानक
- " শহক্ত পাঠী
- " ভারাপ্রবন্ধ মুখোলাখার
- " *नभगान* (याव
- " तारमञ्ज्ञास्त्रमंत्र जिरम्मी, धम् धा (मन्त्रीहरू)
- ' (गामरक्ष अक्रमें) (महः मण्यानक)

১। পথ অধিবেশনের ভার্থ-বিদরণ পাঠ। ২। সভা-নির্মানন। ৩। প্রক উপহার-পান্তস্পত্তে বজহান। ৪। প্রবহ —বাননীর বিচারপতি উদ্ধুক্ত পারবাচরণ নির সভাপতি বংশের কর্তৃত্ব শীনবন্ধ নিরুত্ব লাগ্রক প্রবহণাঠ। ৫। আবৃত্তি -- উপুক্ত সংভাজনাথ ঠাকুর বহাপরকর্তৃত্ব কভিপর সংস্কৃত কবিভার বহাস্থবার আবৃত্তি। ৬। শোকপ্রাক্তিশ কর্তৃত্ব ক্রিক্তিক ঠাকুর, চলাসংগ্রহানার মটাপ্রাধার ও চলাস্থবার নার বহাস্বভাগ্রহ প্রব্যাক্তিক প্রক্রিক

বঙ্গীয় সাহিত্য পরিষদের

া কাৰ্যাবিবন্ধী পঠিত ও গৃহীত বুইন 📂

निवनिषिठ राक्तिशन वशाहीि महाक्रात्म निर्माहिक वेदेरमहैं---

अस्तिविक

मध्यंक

等等]

ত্রীয়ুক্ত খানেক্রপ্রন্ধর জিবেদী ক্রীয়ুক্ত ব্যোদকেশ মুস্তালী ১। ব্রীয়ুক্ত জিতেক্রলাল বন্দ্যোপাধ্যার এষ্ এ, ত্রীয়ুক্ত পঞ্চানন ঘোষাল, এম্ এ ও প্রীয়ুক্ত ব্রীষ্কুরচক্তর, ঘোষ, এম্ এ, রিপণ কলেক্ষেক্ত ক্ষথাপঞ্চাল।

৪ : ত্রীযুক্ত পূর্বচন্দ্র চট্টোপাধ্যার

 রভারসিয়ার ভাজহাট ওয়ার্ডন্ টেট, মাহিগঞ্জ, য়য়পুর।

শ অধিকাচরণ চৌধুরী
বড়বাড়ী, হরিপুর, পাবনা।

ছাত্রসভা—৬। "হারাপ**চর দত্ত**

(Third year class) বৰবাদী কলেজ :

- भूक्टकालश्रद्धशङ्काल्टक क्रन्डकका महकारत बळवाम क्रांगांन क्रेका ।
- ভ। শ্রীরুক্ত বাবু রামেক্সম্পন্ধ ক্রিবেদী মহাপদ্ধ পকালীকৃষ্ণ ঠাকুর মহালবের মৃত্যু-সংবাধ
 আপন করিয়া বলিলেন,—লগীন মহাপার সহিত আমার পরিচয়-সৌভাগা ঘটে নাই। তিনি বহুভবে দেশমধ্যে বিশ্বাত ও মাননীর হিবেদন। তাঁহার দানশীপভা দেশমধ্যে প্রেণিক ছিল। তিনি
 বনের ও ব্যাতির আশাদ্র দান করিতেন আ; অবচ সংকর্মে মুক্তরের রাজার মত দান
 করিতেন। সাহিত্য-পতিমদে তিনি ক্রমন্ত পদর্শেশ করিতে পারেন নাই, কিছু পবিষ্ঠানব
 গৃহনির্দাণজন্ত তিনি কুই সহয় ছাক্ষা নান করিয়া গিরাছেন, আতু দান আর কাহারত নিকট
 পাওরা যায় নাই। পরিবদের প্রতি অমুরাধের ইবাই সর্কোহেত প্রাণ্ড বনার। পরিবদ
 মারিত্যের অন্ত পরিজ্ঞান করিতেছেন, ইহা অমুত্র করিয়াই তিনি এই রাজ্যেতিত বহাজতঃ
 নেগাইদাছেন। তাঁহার পৌল পরিবদের সভ্য আছেন, তিনি এই রাজ্যেতিত বহাজতঃ
 নেগাইদাছেন। তাঁহার পোল পরিবদের সভ্য আছেন, তিনি বার্কিক। শিক্ষারার নিকট
 করি। তাঁহার পরিবারবর্ধের নিকট পরিবদের শোক আগন করা ব্রুক্তন। শিক্ষারার করিট
 করিয়া বাহাতর প্রদান করিয়ের বিজ্ঞান-সভার সাহাজ্যার বিভর অর্থান
 ভারাহার বিজর অর্থান
 করিয়াছেন। তাঁহারই প্রথম অর্থে উক্ত সভায় উন্থানই নামে প্রভাবনেটারী ছালিত
 হিয়াছে।

ক্রিক অন্তল্প বস্থ মনাবন বনিবেন,—নাদানা-সাধিতো পকানীর ক্রিকের বিশেষ
ক্রিকা ছিনু । তিনি আটু শতার মহিনাধিকা শামী উজ্জেই সনীত বচনা করিতেন। সেওলি
ব্যানিকার বানহারার ইতিতও ক্রিকারে। সিভাকাব্যের সধ্যে প্রভাক সঞ্জাকারে বাধানা
সাহিত্যর ক্রেকানা বিভাগ এর পড়াইরা ক্রিতেন। গাইরোমী করিমাহিকেন, ইয়োজি

वाक्स वहारित मन्द्राद्व प्र मर्श्वाद बारक् । अक्साक निवनावित्र मन्द्र दर्गकार्थका विवारक्त, अनुवान कार्यादक नीर्वकारी करून ।

শ্রীপুঞ্জ বোষকেশ মৃত্যকী বনিলেন,—হঃছ সাহিত্যসেবীকে তিনি নাহায় করিকেন, আনাবিশের কোন নাহিত্য-বন্ধ উহায় নিকট নিয়নিতক্তবন্ধ নানিক সাহায় পাইছেন। কোন ছঞ্জিক ইংলাজি লৈনিক সংবাদপত্ত-সম্পাদিক উলোৱই প্রচুদ্ধ অর্থনাহায়ে সংবাদপত্তবানিকে জীবিজ রাখিছাছেন এবং নিক্তে বিশেষ বিশন্ধ হইতে মুক্ত হইরাছেন।

(খ) শ্রীবৃক্ত নিবাপ্রসম ভটাচার্য্য মহাশর প্রমারক্সনাথ চটোপাধ্যার মহাধরের অকাশমৃত্যুতে শোক প্রকাশ করিরা থলিলেন,— ক্ষরের থাব্র মারণের বরস হর নাই। প্রায় ছুটার পর জালালার্ট খুলিলে আর বে তাঁহাকে দেখিতে পাইর মা, এ জালা জানলা লোকই ভার নাই। তাঁহার ছার সরলভারী বাজি অতি বিরণ। আহালতের ভার্য ইতি নীরস, এই নীরস ভার্যের কথাও অবরেক্স বাবু এত সরল ভাবে আলোচনা করিতেন বে, বিচারক হইতে ভারার প্রভিন্নী উকীল পর্যান্ত হালিয়া খুন হইত। অমায়িকভা, আপায়নপটুভা ও সরলভা ভারার চারিত্রের প্রধান গুল ছিল। সেকালের ইংরাজিওরালা ও এ ভালের কৃত্রিত লোকের মধ্যে অমরেক্স বাবু বেন সংযোগ-হল ছিলেন। সেকালের স্থাতিনীভি, থাকিগত-সংবাধ, নানাবিধ ব্যবস্থার ইতিহাস তিনি জানিজেন। তাহাব নিকট বুজন প্রাতন জনক বিবরের ধ্বর পার্যা ধাইত।

বাস পাঁচকতি বন্ধোগাধান মহাপন্ন বনিলেন, ভাগনপুৰে অন্যক্ত বাবুর সহিত একজ বাস পরিজায়। তাথার বাসায় প্রতিনিন সন্ধার আয়াদের সন্ধানন হইত। এই নিগনে আয়ান একথানা বই পড়িভায়। বই পড়িয়া আনহা ভাগন উত্ত গোন, ভাষাভানি বাছিয়া বাছিয় করিভায়। অন্যক্তে বাবু সেই সকল গোব হইতে গ্রহকারের অপপণা, মহনাভৌশল, সেই সকল হোবের অবভিত্তি জন্ত গ্রহত অহতারের বিকাল, ইতানি সেথাইনা বিভেন। তাথার স্বান্ধানী বিশেষ তীক্ত ছিল। আযাদের এই সন্মিননের একটা নাম ছিল গন্তভা লাব আহি ঘাইনার অন্যক্তি বাহার বিশেষ তীক্ত ছিল। আযাদের এই সন্মিননের একটা নাম ছিল গন্তভা লাব আহি ঘাইনার বাহার আনিলা আনিলা কালক নিজেন, মানার বিজেন। তাগলপুর-ইনারিটিউট সাইরেরী ভিত্তিই গ্রহিত করেন, বিজেন বড় কর পাইজেন। তাগলপুর-ইনারিটিউট সাইরেরী ভিত্তিই গ্রহিত বাহার বিজেন বড় বিষ্কার বাহার বিজেন। বিহুটী ভাষার তিনি বড় বিষ্কার বিজেন। বাহারা বিজেন। বাহারা বিজেন বিজেন বিষক্ত বিজেন। বাহারা বিজেন বিজেন বিজেন বিলেন বিজেন বিজন বিজন বিজন বিজন ব

ক্ষুত্ৰ কোন্তাৰৰ কুকাৰ কাৰ্য্য বনিকেন,—প্ৰকাৰ বাৰ প্ৰচাৰ কৰিবলৈও, স্বৰে আমাৰ পোন কৰা কৰা লোক পাৰ বা, তবে টাবাৰ সুনিবায়িক, কীৰৱে একটা কৰা, বাৰা স্বিধায়ৰ কৰি আৰক্ষ্য কৰিব আমাৰ্য্য ক' খলিলে তাকাশ ধইবার উপায় নাই। তিনি ভৃত্যবৎসন ছিলেন। ক্লই বেনা নিজে আহাতে বিসরা খীয় অগ্নবালন হইতে ভৃত্যবংগর জন্ত কিছু কিছু অংশ রাখিলা বিজেন। নিজে উলিটে করিবাল পূর্বো উহা উটাইরা সাধিলেন। কেহ গুল্লপ্, জানিবাল ভারণ জিলানা করিবে বিলিডেন, চাকর বলিয়া কি অপায়ের উলিটে ভোলনে উহাক খুণা হইতে পারে না ? নিজ হাজে উহাদের কিছু না দিলে, তাহার খাওয়া হইতে না লী তিনি দিলুখনে বিশেষ আছাবান্ ছিলেন। আচারব্যবহারে আন্তর্হানিক হিন্দু না হইলেও হিন্দু-অনুষ্ঠানের প্রেতি অভিযানে এলা ছিল। তিনি নিজ গৃহদেবতাব আরতির সমর সর্বালয়ি তাগি করিবা করলোড়ে চক্তু খুলিয়া দেবভার চিগ্রা করিবেন।

তৎপত্তে ব্যোদকেশ সাধুত তেওমপ্তেম গাল-কটাটার স্মানেকার ভারাকার সাম লগনেকার মৃদ্ধ লবেক জানাইলেন।

ক্ষিয়াক প্রীযুক্ত গুণানারায়ণ সেন শালী মহান্য বলিলেন, পারিয়োর সংখ বৃহ কার্যা ক্ষিনান্তর ক্ষিত্র বাদক কেবল নিজের চেটার কিন্তুপে লেখা পড়া নিখে—বিশ্ববিদ্যালয়েক সংক্ষিত্র উপাধি অঞ্চন করিয়া লোকে বিশ্বপে ভাগালশীকে অর্থন করিছে পারে, ভাষার প্রাকৃত্তি উদাহরণ অঞ্চন বারুঃ

তংগত্তে এত্যেক বাব্য প্রভাব ও সমগ্র সভাব অধ্যয়াখনে প্রণোকগত ব্যক্তিগণের পরিবারবর্গের নিকট সমবেদনাপ্তক পঞ্চ ক্ষিবিবার প্রথান গুরুতে এইল।

তংপরে সভাপতি ত্রীসুক নারবাচন্ত্রণ মিত্র মহাশরের হচিত "ব্রীমনন্ধ মিত্র" নামক প্রাবন্ধ, ব্রীষ্ক ব্যোপকেশ মৃত্যকী মহাশন্ধ পাঠ কলিখেন। [উক্ত প্রবন্ধ ১৩১২ সালের অক্সধারণ নালের বঙ্গদর্শনে বাহির হইবাছে।]

ভংগারে ত্রীয়ক্ত সভোজালাম ঠাকুর মহাশন্ত ক্ষান্ত ত্রিল উন্তট লোকের, নীভি-লোকের এবং কালিদাসাধির কাঝানি হউকে অংশ-বিশেষের সঞ্চাধ্যান পাঠ করিয়া ভান্তিশেক।

ত্রীযুক্ত সভীশচন্ত্র বিভাকুষণ মহাশ্য কর্মবানো প্রারোগতা, রচনাকৌশণ, প্রবিদ্ধান-নৈপুর্ক ইত্যাদির উল্লেখ করিয়া ধ**রবাধ আনহিলেন**।

শ্রীপুরু রনিক্ষোহন চক্রকটী মহাশহ বলিলেন, এক ভাষায় কৰিব ভাব আছ ভাষাই প্রকাশ করা বড় কটসাধা। সংক্ষে ইউতে বাশালাহ অনুবাদ, উত্তর আঘার কই সামৃত্র বাহিনের করাকার ক্ষার্যভাৱে করেন্দ্র উৎকট করেন্দ্র করিন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্দ্র করেন্

व्यक्ताला महार के वर्गाता के ब्रह्म सार्गात महार के करेगा।

ीत्रारमञ्गलक कि विनी

किरोगीयत्र (स्राम्ह्यानीक

मके माशिक नानिर गुरुक

भरे त्योप, देश किलायह, ग्रहेरांत्र स्थापक

Delle albert.

শক্তিক শ্ৰীৰ্ক ভাগীনৰ বেয়াকানীৰ (সভাগতি)**
নহাৰবেশায়াৰ শ্ৰীৰ্ক নামবেশন ভৰ্মন (মুলগুৰ)

পতিত , সালকুক ভক্ষম (প্ৰা

, प्रीजन्त शाव कोष्डी (बहुन्त-नापानन्

্ভবানীপ্ৰসৰ শাহিকী

পঞ্জি তারকার বাংবাসাগর।

जीवृक्ष शीरमणाळा त्मम, वि व

, স্কুগ্ৰমাৰ বৰ্ণকাৰ, এৰ্ এ

. वनिकासायम ठ अवर्डी

ু খক্তান্য গাৰিকী

्र क्यांद्रभागं त्यांप

, গোবিশ্লাণ বস্ত

मामाज्यक महिन

, গভীশচন বহ

ু বামাচরণ চট্টোপাধ্যার

. अवक्षास्य वात

্ৰ চত্তীচন্ত্ৰণ খোৰ

, भडकता (गांव

्यानमञ्जानिक संस्थितिक स्थानिक

... बाज्याहरून त्यांच विद्यांकृष्य

विष्ण महमजनाव वर्षः वडीक्टबाइन मिर्देव

न्छाळरगारमानव्यः

्र सामी अनव सरकार्गावांक

, भकानम संस्थानायाय

, कानीक सुनावी

, बागवियाती बरकाभागाता

্ৰবহুনাৰ বিভান্তিৰোগ

े त्यादनचार्च देशाय

. स्थापक मनावनि

याजनीय स्वानाकार

, ruger weathers

वरिवाद वर्ष

क्रियार वागांच विश्वविद्यान, वसू व

. त्रमहमात्र साम ठोड्डी

Circum City

Die aleman Gerte erich

WINDS FREE

ST THE WINGSON WINDSHIP IN THE PROPERTY AND PROPERTY OF THE PR

্ক্রির প্রতিক প্রতিক ভারকচন্দ্র সাংখ্যাস । গামহাশয়ক ইক্সাসহে**থার লোক্যকর্বার** প্র**ত্যা ।** ः । । १५) क्षेपूकः प्रमाननः चर्न्याभध्यावः । ए. य मधानास्थतः निविष्ठः "वाणिनः भाषामकः स हिमाला, केर स्टोइन्स का (श्रीता साम्रज श्रीवस (सा जियु के अंजनांन मार्कानीसाम वाम् ।व महीनामिन াণাপ্ত শৈক্তিক তথা নামক প্ৰাণ্ড । ৮ ৷ প্ৰীংক নগেছনাৰ বাধ মধাৰ্থনাৰ কাৰ্যানিকাৰ্ক **দ্বাভিত্ত সভাভ পর জাতি পর**ি গাল বিশিষ্ট ।

- रा। निवासिक में अध्यक्ष में भाग गण है। है निवासिक इंदेरने व

12.68 List # জ্ঞিত প্ৰেক্তৰ বুটা ক্ষা জ্ঞিত কোমাকৰ স্কটি চা জীয়ুক্ত পাৰাধান ক্স, এন্ এ 1. 《大數學 开键布 11. A. ट्राम्टकर गुजको ू बारम्स्यम्य बिर्वमी कीदवाक् लभान विश्वाचित्रमान । गरामाक्रम वस् द(्र) भ्याम सङ्दर्श र्भक्त- बार क्षेत्र 🥌 नाज्यम् ज्ञान । हर्दशी

व्यथानक उपवासी काराज

38.4

२। , श*ेश्वर*म्बकसन्त्री निकाम समिताल

ा । अपन्यान सम्मानावान Sams to hat the Mil

क्रम्याकी मुल्लानक १ -। .. मनिकृषः मृत्यागामार्थे, क्रम्क । तामा परिवाद पन पाद ८०रेषुती कर्षकतः,

र । , विकासीलाल महकांच

15(1415# 15# 15# 14)

WENT ME . CHA

 एथोकात, त्राकातलक अवशैनमांच सुवानाः ।।इ

有数化碳酸 对代 看得对此

3・1 // 21では2017 別が特別報 机门线用

THE WINDS OF MEETINGS किः देशिनीयात्र

>६ । _वं दश्मध्य बरम्शांनीशांत्र गारका शो काश्री, रकानी 'ও। ্ব পূর্ণসূহদান্তন সে**রালবী**শ

श्वापुक

HE STE

बिन्नः अस्त्रक्तामः (कोश्ते।

क्षी शास्त्रक्ष प्रमाश जिल्लामी

১৪ (**জ্বিসভীনচন্দ্র আন্দর্শাব্যার** গোলা**লনুর আ**নস্থর

১৫ । ্যতীজন্মেৰ্ক্ বাই টোকী ১৬ লি: কাৰীমোহন বাই টোক বিষয়েপ্ৰাপ্ত দুন্দেক, করিবল্য ১৬ া , মধুবালাও ধেব মোক্তার

১৮ ৷ , রাসক্লার জান ভানন সাহার ভামপুর

ত। শ্রীমৃক্ত পণিত কালীকা বেলাছবালী ও মহামহে। বাব প্রীমৃক্ত মানবেশর কর্মক্র মহামহে। বাব প্রায় প্রায় করিবেশন এবং বছাইন মহামহেন সভাস্থান উপস্থিতিতে স্থান্তক মহানত আনন্দ প্রায়ণ করিবেশন এবং বছাইন শ্রামহার উপস্থিত সন্তাল্যান সাল্য সভাব আহবান করিবেশন।

স্পান্ধক ইন্ডিক রামেক্সন্ত জিনেনী বলিলেন,—শান্তিপ্রনিবাদী ভবলোধানক্ষ আছাদিক এম্ এ, বি, এল মহাপ্রের দঠা এক বাশি সংস্কৃতি ও বাশিলা প্রশ্ন পরিষ্কৃতি উপদায় বিশাসকল ক্ষেত্ৰ পুনিবাদ্ধ বঠ বালি গ্রন্থ অভ নভান্তল গ্রন্থিত ইবল। অবাশিই প্রশ্নতি পরবর্ত্তী অধিবেশনে প্রধৃতিত ইইবে।

১। গলভাকিত হাল্টি ২। সংক্রিপাব্রতি ৩। ক্ষমংকারটাকা । ৪। বুলাবন-বছকটীকার। ক্রিপিডসাধন-টীকা ৬। গুরুনালা ৭। বংগদ্ভ ৮। গালগুলাবার (গাট্টক)
১ বাবংশান্ত বলিটি ১-। চাতার্থি (প্রচেশন) ১১। ভাগনত ১২। দীকামার ও ইক্রিক্রালাকারি
১৩। পটাক ক্রান্ত কোর ১৮। প্রাক্রেক্রান্ত বাকরকারার বাকরক কর। ক্রিক্রালয় মাকরক ক্রান্ত ক্রিক্রালয় মাকরক ক্রান্ত ক্রিক্রালয় মাকরক ক্রান্ত ক্রিক্রালয় ২৯। রাম্বিক্রান্ত ১৯। রাম্বিক্রান্ত ১৯। রাম্বিক্রান্ত ১৯। রাম্বিক্রান্ত ১৯। রাম্বিক্রান্ত বিশ্বনালয় ব

০৬। প্রধানন্দ দেনকত চৈডকচন্দ্রোষ্ণ নাটক ০৭। নারাজ্য বাসকত ব্যোজকিচলিকা ০৮। তরচ্জাগণির অবর্গত বিটানির্গা ০৮। শাবিশতক এ৬। মুরীগাল্যকত মুক্টবোগটালা ৪৮। কার্যকরণীশ কত বৈহাকরণটাকা ৪০। স্টাক ভাল্যক ৪৫। নারাগণ কবিহাক কর বিভাগেনিকটাকা ৪৬। কুমার-কার্যকর করিব এই। বেবেবর-প্রেণিত করিবলগতা ৪৮। চিরকীর ভটাগেনিকার বিভাগেনিকার বিভাগেনিকার বিভাগেনিকার বিভাগিনিকার বিভা

এই अग्रह्म मन्नापक रक्तिका, एक्टबाबाजका बायुव विका ए विद्रावक आवानिक পাতিপুরে একজন মান্ত বাকি ছিলেন ; তৎকালে তিনি শাবিপুর-রত্ন বলিয়া গণা ইইডেন। তিনি নাতিতে তৈলিক ও আচারে নিষ্ঠাবান কক বৈকৰ ছিলেক্স সংস্কৃত সাহিত্যে ও স্বৰ্ণনে তাহার অনাধারণ পাতিতা ব্লিল। ভিনি আন্ত ধনি গ্রহ বচনা করিবা ধান, ভক্ষমে "(काविनपुर" नामक मरकुर कावाश्रप छोराव कोवरकारन श्रकानिक दरेगदिन। छीराव মৃত্যুর পর বশোদা বাবুর অঞ্বোধে আদি "কবণাবিখাস" নামক সংস্কৃত ভাষার নিষ্ঠিত নাটক ও কোকিলনুভের হিতীয় সংখ্যাপ প্রাকাশ করি। জাধার ক্ত "লারতব্বীয় কবিশ্ববৈদ্ধ শব্দ निक्रणन" नामक संस्थाना अहं गरनाशा बातू चत्रर छाकान करत्व । आहे स्नर्भाक छाइ छाइसाइ পাশ্চাত্য-প্ৰেণালী অবলবনে ভারতবৰ্ষের গ্রাচীন ও আধুনিক কবিগণের সময় নির্ছালবের "ব कीयनी महन्त्रसम्बद्धाः कविवारहम् । त्माकाम गाँउक वहेरमक स्थाद केवावक रिकाकमन् । ক্রিনি জীক্ত ও বিজ্ঞান্তার লিখিত বাইবেল অধ্যয়ন করিছেন ও এই উপলক্ষে বিশ্বনানিকের महिल केशित नवाधि रमेश्री हलिक। कीश्रीत वहिक बादक बहनकथि केश्रीत क्षेत्र अपनेक অপ্রকাশিত আছে। সেই ধ্করিলোহন আমানিক উপস্থিত গ্রহমাশির কবিকারী ছিলেন। মৰোৰা বাবু আমার শিতৃবদ্ধ ছিলেন ; ভাকী ইংরাজী ছুলে শিক্ষকা কাৰ্যা করিবার লগত শ্বশোধা বাবুর সহিত আমার সম্পর্ক হটে। বলোধা বাবুর মুকুরে প্রশ্ননিধান শিকান ক্রম্বীত मरापूर्ण अरदानि भवत्र नहें स्टेटिंड लादा और जानसाव डीस्ट्रेंड लडी भरतस्यूर्णिक आजार ছাত্ৰ ও অনাদা নাৰ্ড ভালিনেৰ জীবান স্বামৰ আমাৰিক আমা ঐ একজনি নমিক্তক উপছাত্ৰ चक्रण गाउँदिश विशादकम । आना कृष्टि, **नविष्य स्वामूर्किक**्रै अक्रूब्रीण कृष्ण कश्चिर्काः विशास मत्त्रा कामककति छे०३४ ७ इच्छाला शब् बहिबाट्ड । अकेलोबो बोबूड लड्डीटक लांबक्टरह व्यवित्र करुका का 'हेबाह कर शहाद क्षिएक्टि । व्यवाद स्रीत स्रीत

जरनाद गाविक दीर : कात्रकाल गांच्यास्त्र विशेषा "गारवामकाक्ष्माही (मा कास्त्रकाव") महाद रक्ष्ण कवितान । वक्ष्मह मार्च व्यक्ति

রবের বারণজিও দেশিত। অধিচাভার অধ্যান হয়। ক্রিকে সাচেত্র পরিকের বিশ্বানিশা ভালন জাগচাতা প্রথমের অধ্যান হয়। ক্রিকে সাভের উৎপত্তি বছ বার বিশ্বা শ্রীবভাবের পরও সেই প্রথমের বিশ্বি অধ্যান জানতে হয়। के एवं बीलांत करतम, किंद्र त्नव्यस्थान नत्र दहक्त श्रहरूत कवित्र महास दकान कवा वरणन ना। 'रक्क विशामी क्रमलकृत प निकाविकातनाम वदेरमक वयम "रमदे वावि" अरे टालका बार्फ, क्यम गरीद श्रेरक विश्वाती शृथक् वाद्यात वश्यक मनक, "कामाद गतीत" এই সৰ্বে ব্যবহারই শ্রীর হউতে আমার পার্থকা বীকার করিছেতে, এই ব্যবহার সার্বক্রীন ও নৈস্গ্ৰিক, মত্ত্ৰৰ ভিতিত্ক। মৃত্যুক্ত বিভাগে আছাৰ নাশ সভবে না। আত্নাৰ শিও भूक्तभःकातरान एक भाग करत ; अत्वि कार्यात अक्षांव कात्रन अवक कार्याहे देहेगाधनाजी-ক্ষান ও উপকার-ুদ্ধি আছে। উপকাষের আশা না থাকিলে তেহ কোন বিষয়ে প্রবৃত হয় না । শাবিশান্তের আশাতেই লোকে আত্মহান্তেও পরিষ্ঠ করী সংখ্যাক্ত শিশুর প্রকশান-গায়তিও भारी क भीराम व्यक्ति ह हेडेगा धमछा म कहें ६ छरणात अहे बाह्यांस महत्त्व । गतवाय নবাঞ্জিত সংস্কারের চালে পূর্বাজ্যের বাবতীর সংকার পূর্বপ্রায় হয়। একারভাবে খানবার काञ्च ह हरेल, कातन ममन के मनन मानात पृष्टिमार केरवाधिक हुए। जात काम्यूक विवाहत्वहे খৃতি, অনেক অনাবারণ শ্বপ্ন বৌশতে পাওয়া বাহ, যেমন আকাশে উচ্চহন প্রকৃতি পূর্ববর্তী খেচরজন্মের মতি বলিয়া শীকার করিছে হয় ৷ ক্রমায়ত বিষয় পরিপ্রহণারা আমরা আর্থাকে স্কৃত্তিৰ বিশ্বাহে দুট করিয়া থাকি; প্রয়ন্ত্রাহা অপরিগ্রহ অভাবে আত্মানে অন্ত অবস্থায় আনিতে পারা বার। সমস্ত ইক্তি-শক্তি অত্যাহারহারা মন আয়ার পূর্বাক্তিত সংস্থাত্ত গ্রে**জাক্ষমা করিতে পারে।**

এট পরাত বাল্যা সমরাভাবে বক্তা ক্ষাত্রবাদের বক্তা অসমান্ত রাখিতে রাখা হলৈকে।
সভাপতি জীবৃক্ত পণ্ডিত কালীবর বেরাগুবাদীশ মহাশ্র বক্তাকে শ্রুবাদ লিগেশ, তিনি
ক্ষেপ সর্বা ভাষায় ঐ গুরুহ বিষয় বুঝাইয়াছেন, তাহাতে বাশ্বনা ভাষার ভবিষাৎ আশাব্যেক।
ভাষয়তে ভিনি অবশিষ্ট কণা ভনাইয়া পরিবংকে অমুগৃহীত করিবেন।

- ৬। সমরাভাবে শীহুত পঞ্জানন বন্দেনশাধ্যার মহাশারের প্রাবদ্ধ পাঠ ছপিত থাকিবার। একবাবুর প্রাবদ্ধ পঞ্জিকার্মপিকা গুলীত হইবা।
- ৭। সম্পাদক আনাইলেন, মেহেরপুরের আমণার, পরিষ্কের স্থা সাহিত্যসেই ও বৈক্ষরপ্রাহের প্রচারক স্বানীনোধন মন্ত্রিক বই অর্থারণ তারিখে পরলোক গমন করিয়াছেন, ভাগার অধান্যভূত্তে প্রিবং লোক প্রকাশ করিতেছেন। অনুক্ষ বানেলচক্স দেন ও অনুক্ষ প্রবেশচক্ষ সমাজপতি চাধার অনুলামেষ ও সাহিতাশেরার উল্লেখ করিয়া ঐ প্রকাশ সম্পূর্ণ করিবে উচা গুহীও ঘটনা। সমাজপতি মহালয় মূর্নিবার্থবাসী প্রভিত্ত প্রবিদ্ধে বেরারহূত্ব মহালহের মৃত্যুতে পোক প্রকাশ করিলে, সম্পাধক ও জীবক্ত ভাকার বসিক্ষোধন চক্ষরীই ভারার সমর্থন করিলেন।
- ৮। সহঃ সম্পাহক প্রীযুক্ত মন্ত্রপ্রোহন বর্ত জানাইবেন, প্রীযুক্ত নাগলনার তথ্য বছালয় কর্মোণগতে কলিকাতা ভাগে করিছে বাধা হওয়ার কার্যনিষ্ঠাকত দ্বাভিত সভাগত পরিভাগে করিয়াহেন। তাহাত নিকট প্রবিশ্ব সামাজারণে চিন্তবুক্ত। প্রিকৃত বিহারীকাশা পরকার

বৈক্ষমানীপত্রিকার সম্পাদক) উদহার স্থীন কার্যনিকায়ুক্ত সমিতি কর্তৃক প্রভাবিত হইরাজেন । ঐ প্রভাব সাধরে গুরীত হইক।

- ৯। জিপুত ন্তেনজন্মৰ বস্ত্ৰ মহালয় বচামকোলাখাত্ত প্ৰভিন্তনক প্ৰাক্তিৰ পত্নিবৎ অহুগৃহীত হুইয়াছে, বলিয়া আৰক্ষ প্ৰকাশ করিলেন ক্ৰি
- ১০। রক্ষ্মীশাধারভার সহকারী বিশ্ব ভবানীপ্রায় কাহিনী মহালয় বলিলেন, আমি ঘদিও এছানে অপরিচিত্ত, তথালি আমি সাহস করিয়া সভাপতি মহালয়কে ধন্তবার দিবার এই ভার ক্ষঃ ক্ষঃ এইব করিয়ায়। পৃত্তনীয় মহামহোপাধ্যার বাদবেশ্বর তর্কবন্ত মহালয় বাহাকে সন্ধান করেন, সেই সভাপতি মহালয় আমার কত সন্ধানের পার তাহা বন্ধা বাহায়। রক্ষ্মারে এইকালে বিলকণ সহিত্যাহারী ছিল, ক্ষমা বাহায়ার অক্তর সাহিত্যহালীর বিদ্যাল হয় আই, লোহার বহল প্রায়ণ আছে। সম্প্রতি আক্ষাত্রর বাহায়াগ্রাল করিয়া পরিষদের অক্ষাত্র সাহিত্যসেবাকার্যে বােগ বিকেল করিয়াহান।
- ् भागानक क्रियु क वारमक एक्क् विरवसी जनितमम, क्यांनी बांबु माहिका-शनिवरमद अभविष्ठिक न्द्रतः शृष्ठ दरमुक क्षरे ममेखे नाविका-पश्चिमायन कार्यात्कव वाक्रविवान श्रष्ठ स्थन वरीक्ष বাৰ কতৰ খলি প্ৰান্তাৰ উপস্থিত কংবন, ঠিক সেই সময়ে বয়াপুত সভপ্যবিশীৰ অমিবাৰ প্ৰীযুক্ত ক্তরেজচন্দ্র রার চৌধুরী বন্ধপুরে পরিষ্পের শাধাত্মাপনের প্রজাব করিয়া পরিষা প্রভাব প্রজাব দাদৰে গৃহীত দল, তংপৰে প্ৰেক্ত বাবুল মতে বছপুৰে শাণাসভা স্থাপিত ঘটনাতে ও তাহার काग प्रशासकाल हिन्दित्व । कान्त्रन्द्व मार्थ शानिक व्हेबाद्य क महाक त्यनांव शान्त्रनर्थे कृत्य ८६को इत्रेतः अवश्रुत मानाव द्वानमकका स्रात्य वायु विभवाशक छैनविक वारकतः তিনি স্ত্ৰতি প্ৰত্যোগে আন্তাভ ব্ৰহান বাছু বভাছতে উপস্থিত হইছে পাৰেন নাই, তৰ্জ্জ कामता विरम्य क्षेत्रिक, क्रणवान क्षेत्रांक मीद्राण करूम : क्षेत्रांक लावा स्वयुक्त मृतील बाबू ষ্টার উপস্থিত আছেন। তিনি আমানের মনের ভাব স্থাবস্থা বার্চত শ্রালাইবেন। ভবানী ক্ষেত্রগণ্য শ্ধাসভার অস্তম কর্ণার; ডিনিই বেরণ মতে শালীভার নেতৃত প্রথ ক্ষিয়াছেন, ত্ৰেণ্ড পৰিবং ভাৱাত্ত নিকট কৃত্ত। এই সকল স্থানীয় শাখাসভাষায়। वाकालाव यानीय वेज्यान महान्य क्रेट्र : शानीय वेज्यान महानम ना वहेरान वर्षात्र आफीक ইতিহাস 'ব্ৰিত চইবে না ; এবং স্বান্তীয় ইতিহাস যত্ত্বিন শিশিত না ইইডেছে, ডভবিন আমাৰের জাতীয়ভার ভিত্তি বছ-প্রতিষ্ঠা লাভ করিবে মা। ভাষার ধরন ও শাহিত্যের বর্ষট ভাতীয়ত। রক্ষার প্রধান উপাত। বাবজির বহুকে ঐক্যাবছনে বুরু রাখিতে মাহিত্য-পরিষ্ ও তাহাত্র পা "সম্ভ বধাসাধ্য চেলা করিবে। জনানী বাব লাহ্জা-প্রিবজন ক্রাপ্রিচিত নহেন , তিনি এক উচেপ সহকাৰিণৰ আন্ত সমস্ত বলবেশে পরিচিত। বে মধ্যমহোপাধান গাদবেশ্বর তেওঁরত্ব মত'ল্য 😘 সাহিত্য-পরিবৎ সভাবে উন্মান করিয়াছেন, ভিনিত্ত আলি কেব্ল बरमय द्विष्टिन्द्रशास्त्र भूका नाहन, दिनि वर्ष्णक गर्मन भूमा । भाविका-नामका अधिक

देविक मुखा मार , किंद करानी गांत् क्रीएक महाबादा मार्किक प्रकृत कर गुप्त निर्मा নিপ্ৰৰ পাত কৰিছা আৰু ৰাজাণাৱ মহিমা ভাৱতকৰে প্ৰভিন্নিত কৰিছাই क्यूटियन मियुक बहेना त्य नीक्य शाहेनाटहन, 🚜 नीकृम सामानी क्ट्रेर्ट्, भाष्यक् नाहे। करणात्र मकाकम प्रदेश ह

श्रीवार्यक चन्नव किर्यमी

সভাপতি

खन प्राप्तिक परिदर्गनम

ष: १० काक्स्परी मरियान अमानाइ वसी ।

क्ष्यक्षिक गावितन

मान्त्रीय विश्वकृष्णि श्रीवृक्ष गोडमांत्रण विश्व ध्वन् ध्व, वि ध्वन् ्रेगंबांगिकि । are Brie weath ain hisign fr. wie-b ; कुमान क्षेत्रक महरकुमान होत्र, अम् क वश्वरश्रांभावात्र क्षेत्रक मङीनंहक विशा हुमन, क्षम ज

क्षिपक बाद गडीक्षमान कोन्ती, अन अ, वि वन्

- চৰ্গাৰাহায়ৰ দেন শাস্ত্ৰী
- मानम ल्यांनान द्वार
- CHANIC DEING
- ব্যবিক্ষোহন চক্ৰমতী
- हें हमार्च राज्य होत्र, वि क
- विश्वासीमान महिला
- (सरवक्षाच्या महिक
- क्रियमध्य प्रश्न
- गीरमण्डल त्रंमः वि क
- रीत्सक्षमाथ एक, धन् ध, वि धन्
- नग्रह्म नाडी
- वजीवमा बरम्यानायाप
- शक्षाकृत्व वत्यानांशांत्रे
- टेबार असमान् विवा
- वांगिमांच मची

- क्षिपुक अंगुगान्त्रन द्यांवे विद्याण्यने
 - **南川庄屋 C城市市**
 - विभिन्नविद्यारी भूटबालीकार
- ু আসাধ আগী
 - महनद्भाव पत्र
 - व्यवसार्थ रिवाविटनांव
 - तकानम सरमात्राचात्रीते. वि क
 - निवादामम कहाण्याम, व्यक्तिक
 - शक्ता विक, वन व
- त्यारमञ्ज्ञनाथ विद्याकृष्य, अम् अ कविशास "
 - त्यादनवनाथ इंद्रीनायात्र ...
 - राष्ट्रकटा निव
 - वाक्षांत्रहता (म् (म्राजनका)

 - ल किय (श्रावनका)

বঙ্গীয় শাহিতা পরিষদের

- कीरदाम्यामाम विशाविदनाम, ध्वम ध
- अरवनहन्त्र मधासभन्ति
- श्रुद्धकारायम् त्राप्त (विनासभूत)
- मछीक्षारमवक नमी
- ब्रह्मक्ष्य गामकी भाषाम

श्चिम् वारमञ्जलक जिल्ली, अम अ. मणावक ।

- मग्रथरगांश्न वसू, वि ७,
- ८वाभ्यक्त मुख्की

काटवाठा विश्वयः--

•૭૨

১। अञ्चलित्यम्हात कांगा विश्वनभाक्ते २। मञानिकाष्ट्रम, ७। भुक्रकाभहात्रमाञाः খিলের গল্পবাধ জ্ঞাপন, ৪। ৬ জাবিনাশচরে কবিরত্ব নহাশরের অধ্যাসভাজন্ত লোকপ্রকাশ । e। सानकश्रकान-() पश्चित क्षेत्रक गठीनत्व विधानुष्य अम् ७, महीनाप्तत "महामाठा-পানার" উলাধি (২) মহারাজ কুমার জীবুক প্রব্যোত কুমার ১াতুর মহাশরের "নাইউ" উপাধি ও (৩: শ্রীগুল কুমুদিনীকার কল্মোপাগার এম, এ, সংশিবের "যায় বাহাওর" हेलावि आखि उन्हादक। ५। दिख्याविद्या, अवस्तीकात कथ महानाव्यव विवादाविद्या अपनेत. (क) अवुक करानकार्य ठाकूत महानव कर्कक बरेनक आशानी विज-বিশাবনের ক্ষত্তিত পাঁচ খানি া**যারশচিত, (৭) ত্রীযুক্ত** রাণালদাদ বন্দ্যোপাধারে কঠুক কানী-বৌধন্ত,প সারনাথ-পুত্র কতকজনি ছায়া চিত্র ও তংস্থতে বজ্পা, ৮। বজুতা---सरुवित्रहार्थाश्चार्य मञ्जीनाम्य विता गुलम अम् अ, महानग्र कंकुक "प्राणि क माक्क-आह द्वाम-स्त्रात्त केलाव" मयरक व लवा के। व्यवक--जीवुक भकातम बस्त्राभाषात्र वि थ, मश्रमह कर्क श्राहीस भावनिक र दिन्तु बार्डिय मामुका । ১०० निविध ।

১। স্ভাপতি মাননীয় বিচারপতি শীয়ক সালেচবণ দিয়া, এম এ, নি এল মহালয় সভাপতির আসৰ গ্রন্থ ক্ষিমেন, এবং গভ অধিবেশনের কার্য্য বিবরণ বিনা পাঠে অন্ধ্রেদিত कड़ेगा !

निश निभिन्त वाकिशन व्यावीिक मण निर्वाष्टिक व्हेटनन.-

23144

मश्रर्थ क

श्रिमारमञ्जूष विस्तरी किरशाम्यकन मुखकी

 । किम्बा व्यासिनीटमाहन ४४, ७५ ६ **अल्डान मर्बडक (हेडे ।**

२ : " शीमकाश्च शाव क्रांस्थाव (थानवाम भव, ८०१ वर्ग, ध्वीकावाक

ইভিনেশ্যক স্থাৰণতি

ा केल्प्राट्स (साम, वि अम वशालक, मडाहेन करनक a i " Branser cuta, la com-

केशन, शानश

এডাদৰ

न पर्य क

78

Beitra & Grief

শ্ৰীকুরেশচন্ত্র সমাজপতি

e। "বোদেশকল লিংহ, বি অপ্

উকীল, গ্ৰঃ

উপেক্ষলংগ কাজিলাল এক্

এগ এল, ১২১ খিবনারামণ দানের লেন,

१। * महिश्रमाथ पश

৮। " विश्वतीनान मिळ

अ। " (गाविसकृष रहा,

২০। " প্রামধনাপুরাস ওও কবিরাজ ত গ্রাপহাটা ব্লীট

बील्:इन्ह्य नमाब॰ हि । बीरनाबरकन मुखको

शिक्कीमहत्त हजारको वि थ.

EIG-NEI

- ১১। ঐপুরেলন্ডর রার, মন্বমনগিংক সাজে-লারি আনির কাছারী।
- ১২। ঐকাণ্ডভোগ রায়, পাকু ছিয়া নশ্দরপুর, পাবনা।
- ১৩। विक्रमस्मात महत्राह वि ७, ১०१ कामहाई हो, छाक्करणकः
- ा विश्वविश्वित शक्षक क्षित्र केशहात्रमाठामित्रक शक्ष्माम दशक्षा बहेल,-
- া প্রেণিন্দী,—মহাব্দোপাধার প্রযুক্ত বাদবেশর ভর্কর হু, হ। আকেল ওড় ম,—প্রচালচন্দ্র বার, ৩। ভাকি-নাধন,—শিহরেজনাথ মুখোপাধার, ৩। থীটা,—পণ্ডিত পোণালচন্দ্র কবিরজ্ঞ, হ। A Legand of the Sorabazar Sen Family—প্রির মণচন্দ্র বস্তু, ৩। মহাজনপাধা—প্রিরমন্ত্রিয়েক্তর উট্টার্টা, ৭। পাতজগণনি, ৮। মণিক্তরালা, ৯। বাগুগালার শম্মন-মোহন প্রীয়র নিগুড়ভার ১০। দেশীর জারীপ, ১১। পাক্ত ভা-চিকিৎসাবিজ্ঞান ১ম ভাগ,—প্রাক্তিপ্রতিদ্ধান ক্রেক্তর বি এ, ১২। সম্পটপুরাণ,—প্রিরমেশন্তর বস্তু ১৩। ক্রামিনীগোপাল ও হামিনী যাগন,—প্রিয়োমকেশ মৃত্রুলী, ১৪। Sauskiie, Jain and Hudi Manuscript Govt. press United Provinces.
- র। ত্রীবৃক্ত প্রবেশচন্ত্র সমাজপতি পানবিনাশচন্ত্র কবিনাছের অকানসূত্র বন্ধ পোকব্যক্তাশ ও তাহার পরিধারবর্গকে সমবেদনাক্রাপনের প্রভাব করিলেন। 'এই উপলক্ষে
 বন্ধা কবিনার মহালয়ের লীবন ও চরিত্রের সংক্ষেপে পরিচর বিক্রেন ও অব্যক্ত প্রভাৱন ব অধ্যান ও চরকসংহিতার ইংবাজি ও বাজলা অস্থানের উল্লেখ করিলেন। ত্রীবৃক্ত রাহ্ব ঘটাশ্রনাথ চৌধুরী বাজলা সাহিত্যে ঐ সকল অস্থানের স্থানের পরিচর বিরা ঐ প্রভাব অন্ত্রোদন করিলে উচা সাধ্যে গৃহীত হইল।
- । সন্পাহক প্রিয়ক সাবেক্সক্ষর বিবেশী বিশ্বক পঞ্জিত সঞ্জীনচার বিভাগুরণ মহাশক্ষেত্র
 মহামহোপালার উপাধি সাতে পরিছবের পক্ষ হইতে আসক্ষ ক্রান্তান করিয় বলিলেন,
 বিশাক্ষণ মহাশর সংহত পাশি ও ভিনাতী সাহিত্যে ক্রানিল, বলের ক্রাক্তম কলেনের অন্যাপক

শ্রীষ্ঠ রার শরক্ষা হাস বার্চির নলিসেন, ভিন্তের তালিসামার সহিত্ব স্থাতি ভারতের বৌদ্ধনীর প্রথম করিরা সভীশ বাবু সংগারণের স্থানিচিত ক্টরাছেন। আই রাজস্থানালত ক্রেই শ্রুলেন প্রথাক নতে, স্থান বানুর পাজিতেন প্রকারে এই প্রাক্তি বছনিন হইছে ক্রিটিডেইন ভংগরে শরং বাবু নিমতের তালিসামার সংশোপ পরিচর দিয়া ভিন্তে বেশে বিভিন্ন মধ্যানার পরিচর দিবাব তভা ভন্ত শ্রেম্মী উত্তরীয় কিছুপে উপহার বেওয়া হব, ভাষা স্ভান্তরে বেথাইনেন ও অবশ্রেষে ঐ উত্তরীয় ক্রিটান গ্রেম্য বিট্নেন।

সভীল বাৰু বিনয়গৰ্ভবাজ্যে পরিবদের প্রতি ক্**লে**ডা জীবাইলেন :

তৎপরে সর্বাধী সম্পাদক আবুক্ত ব্যোমকেশ মুক্তনী পরিষ্ক্রের স্ক্রিন্তি বলারাক্র্যার প্রচালক্র্যার রাজ্বের নাইট উপাধিপ্রাণ্ডির বজ আনন্দ্রাক্রাণ্ডের প্রাণ্ডির ক্রিন্তান ক্রিন্তানিক ক্রিন্তান ক্রেন্তান ক্রিন্তান ক্রিন্তান ক্রিন্তান ক্রিন্তান ক্রিন্তান ক্রিন্তা

ব : সভাপতি প্রীষ্ক মাননীয় নারবাচরণ মিত্র এম্ এ, বি এল্ মহাপর বংগারদান হটর।
বিলিনেন, এবজনীকাত কথা উলোর সমব্যান বন্ধ ছিলেন। ১২৫৬ সালের ছাত্র মানে রজনী
ায়ুর জন্ম আর ঐ সালের পৌহ মানে উলোর ক্ষা। রজনী বাবুহ অকাল মৃত্যুমত তিনি অলাপি বিশেক্তি। রজনী বাবু বাজলা সালিজ্যে ঐতিহাসিক্ত্রণে উচ্চহান অধিকার করিছেন;
পরিষদের প্রহিত উরোর মনিট সম্পর্ক-ছিল। পরিষৎ আন্ধ ভাষার স্বভিত্তিক স্থাপনে নমর্ব
ভইরাজেন, ইনা প্রশেষ বিষয়।

তৎপরে সভাপতি নহাক্স শ্রীপুক্ত শ্ররেন্তমার চটোপায়ারকর্ত অভিত পর্যানীকার অপ্রের তৈন চিত্রের আব্যাপ উল্লোচন করিলে শভাক্ত সভাগণ নীক্ষাৰ সভাগন কটায়া মৃত মহাক্ষার প্রতিহ সমান করিলেন।

CHICAN BORN THEN WE WANT WHEN WHEN क्ष्य करें हरे जीव चारह । योग्लेक ये वरकते व्यक्ति परान ट्यालन क्याव । यक्ना चल्लाम करवन, त्यान वी खानक क्याव विनिध क्य विशक्त कर्ने किर्माणन या नव स्त्रांत्र वृक्षावेख । क्यांनिकाक, व्यविद्यांक व्यविद्यांक ्टारम्त्र केरम् जारह । केरारक रहामरक गकात्र वन्तिस्त्र मनाहे करने स्वत्वेकके केरवरास्त्र भावश्चित समा हरेकारक महात प्रथम सर्पात्रक, त्यारम जनम विकास विकास महिक रहेंद्रमह मर्माठ कारह, कन्द्रा केरवानालह महि। कार्य केरक कारह, कार 'क इत्यादमंत्र दमनाव्यक्षणक नायशांस के सन्त्र, Local time नक वाक्याना के किया भूत यहि जानाकृताक्रिया तम, कांदा वहेटन करे केंक्निय द्वारमत महिकार नमक दूर । जिलाब-शहका भान्ताका एक कृतिक मंद्याचीक भूत्यं मिनिक, क्ष्यम कर्न्डो नेत्स्थन खारमक क्षांच्याची क्ष नाहें। त्यांमक्ताविका तापाहेक मुर्कित वहेताहा विवास मिला दिलाईटनक सरकत অনেক সামৃত্ত দেখা যায়। এই এটাও ছিতীর শতাৰীৰ শূরবরী আছে। ঐ প্রছে শিশিত आरक्, दव द्यासकमःशिक्षेत्र आमारतक वर्षणारका विद्यारी क्षक वाक्टिक वेली, आर्थाव मरहा कांद्रन क्रिया छ मुनारनरनतः आगाविक मृत्रीरतन त्याव्यननरक स्वकारन चनकीर्य बनेक त्त्रामक मानक क्रम्बनिवादक के भारत भिन्ना विश्वाहित्यांत । क्षे**रे त्यांमक कांत्रांवा नहमक्राः** হিশানিশের কোন নিয়া: সহাভারতে সভাপাণ নিষ্কিত আছে, রোনের নোক উপহাব হতে ব্যিটিনের রাজপুর বল্পে সভার বাতে উপস্থিত ছিলেন। বৃত্তিবাদে বেচনের **উ**ল্লেখ কাল্ডন মহাতাবতের ঐ আন্য ক্ষতিশ চল্লান করা অবম শতাবীর পানতী ব্যক্তি পাশাতা कृ महत्त्वाच्यान नारण क्षान नां। लागं विनिष्ठक्षित्र **व्यवश्यां एवरिष्ठक दशनका**वक আছে। রোমক লাতকের মর্ব এই যে, কোন কাতাক্রেশবাদী বোমক নাচাদী বৌধ ভিত্র ভার কঠোর এত আশ্রর করিচাছিলেন। মাংসলোতে ভিনি এক ছলোত ভক্তর করিছে। ভীত কলোকগণ কলোভনালয়ণে আংটার্থ কুমেশবের শরণ নাইকে বুবটেন্য কলোভকালে क्षे त्यांकी महागि दहेत्व क्या करान । विभिन्न क्षि व्यक्तिन वर्ष : क्यांगावक महाजक बाक्रकान विशासाम दिन। स्टेटि शास्त्र, त्यामनवाक्त्र श्रीवेरश्टल अविश्व स्टेशिक्टि काश क्रेरमक केश क्षायम मकाबीय गठवकी रव मा । निवादनीयादनक क्रेमीबादन कायकवर्णय স্তিত ব্রীক্ষিণের অভিসরকালে সময় শিকার পরিচয় প্রীক্ষা নীয়ার বােনের স্থিতি मन्त्रार्थ था कांक विशासक कांक्रम महिरा जिलि, द्वारमा, प्रत्यात कांक्रिक द्वारमा नावि पानिस्तात यह केवान पवितादकन कानक प्रदेश केवान क्रिकेट केवान नामक पर्या रंशनी रत्र त्यांत गरिक के त्यान रहेर्ड हुए। यस अविक विकास न्यानिक कार्यका एक

বঙ্গীয় সাহিত্য পরিষদের

বলানিকে ব্রিনেব বিলাসিতা বৃদ্ধির জন্ত জনেকে জাকেল করিরা গিয়াছেন। ভ্লিখন সিল্পই গোক্ষরনাশ নাটকাঁজিনত করাইছেন। জালিনেত্রীরা গারজের প্রধারে জার জনার্ভা ক্ট্রা শান্তক উপাত্তি ক্টজেন বিলাসিতা বৃদ্ধির ভবে ভারজীয় বস্ত্র ধালাদেশে বিষক্তী ক্ষিবার তেওঁ করায় উচাব বৃদ্ধিত গুলো গোপনে বিক্রম্ম করেজ হয়।

ভাগত পানে সহত সকলে বোমকমুল; পাওৱা বিবাছে। বিংহকুমেন্ড ঐ মুল্লা পাওৱা পিয়াছে। ভাগতবংশর সাহত প্রাণীন বোমকলিপের বিশ্বত আবাদ প্রেণানের পরিচ্যু উহাতেই পাওয়া যায়। অম্প্রেকানের দিন্দ্র পশ্ব বোমন টা serus এব অপান্ধে। রামাধ্যে বিন্যারর উল্লেখ আছে, ঐ এশ্যে সম্ভবতং প্রক্রিয়;

ভংগা ক্রীবৃত্ত প্রধানন ব্যক্তাগাধার পাশ্চাকা প্রিত্রিগের মতে উন্নর্থ স্থিত উল্লেখ প্রের্থ প্রিয়ে কার্যা বিনেশী ক্রিয়ে প্রথম না । স্বল্লাবিতে যে সময়ে রোমের উন্নর ক্রিয়ের উন্নর কার্যা ক্রিয়ের ক্রিয়ের ক্রিয়ের উন্নর ক্রিয়ের ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ বিলেশ ক্রিয়ান বিলেশ বিলে

সভাপতি নহাৰর ৰজাতে গ্রুবাদ বিধা বালবেন, প্রাচীন বােষের সাঙ্ক না জ্জা কর্ম বালিকা বিনেন্য তাইছে। তেওঁ ব্যাহ জোন ব্লেছ নাই। কন্ট্রিনাপ্রই ক্ষ, দিনীর বিভিন্নে হটাত ইংগ্রে সোবিষয়ও নিঃসন্দেহ।

ভা ইয়াও ব্যানজনাথ ইাক্রের আরু কিকিছে ইয়েক দীনেশনের সেন কা ই কাম্বা নামক জানক কালনা শিলাত আঁকত পাঁচপানি কাম্বান চিত্র সভাল্তেশে নেপাইলেন ও বিভ প্রেক কানত পাল লালা ছিলেন চিত্র ক্ষেত্রিক বিষয় । নামুলী সীলা ও নাক প্রকা বাবন শিপাইতে বলিকেছেন, ২ । বাবন সীভাবে প্রস্থাতা কইখা ইতিছেন উলেন অস্থানসমূহ খুলিয়া পড়িছেছে। ৩ শ্রেরেপার পালালান্তা নাম্বান চিত্রের উক্রেশ নওক বাবিষা দীতা মিক্সিতা, মূহে ক্ষেত্র প্রান্ধ লালান্তা ক্ষেত্রিক ক্ষেত্র ক্ষানিক ক্ষেত্র ক্ষিত্র নাম্বান্ধ হার্মান ক্ষাত্র ক্ষিত্র নাম্বান্ধ হার্মান ক্ষাত্র ক্ষিত্র নাম্বান্ধ হার্মান ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষিত্র নাম্বান্ধ হার্মান ক্ষাত্র ক্যাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্ষাত্র ক্য সাহাবে। তাঁহাকে বুখাইয়া এই চিত্ৰ কর্মানি আঁকান হইয়াছে। মুগুভগীতে, জীপানীভাক বাহ্যিকেও চিত্রক্ষেত্রর ক্ষমতা প্রবংশনীর। পরিষৎ গ্রগন স্বার্তক ক্রডক্ষতা জানাইলেন।

ত্রীবৃক্ত সভ্যেত্রনাথ গড় কর্ডুক গুইখানি ফটোগ্রান্ডের উপহারের জঞ্চ উপহারণাভাবে रक्षवांत्र (म क्या क्वेंग ।

রাত্রি হওরার অস্তান্ত কার্ব্য ক্রসিড থাকিল। স্তীয়ক্ত ইক্সনাথ বন্দ্যোপাধ্যার (ভারত-উদায়প্রশেকা) সভাপতি মহাপ্রকে ধরুবার দিলে সভা ভল হইন।

শ্রীরামেন্ডার্যুকর ত্রিবেদী 🖟

अधियनाच मत्यात्राभाष

B. B. Louis

MINI OF

> १ हे याच २**० काड्याडी मॅमि**वीत ।

অন্টম মাসিক অধিকেশন।

১८६ माण, २९ खासुवाती, मनिवाद, जनवाक asiस क्रमांकितः वास्तिवन

अपूर्क विकास करण वास्ताय, अब् क, वि क्या, (प्रमाविक १

কুমাৰ জীৱন্ধ প্রহকুলান হাথ, এম্ ও ब्युष्ट भिकायका भंग्रेशिया, वस् वा, ि का शिवक संश्वास कर

वियक राष परीसनाय क्रोबंडी, अम ७, वि. अन

विश्वीगाम नवका महामारानावाद महीनहत्र विद्याहरून, अम् अ

- क्षां स्वाद्यां का
- ीयक पत्रीपाल अभाकनरि
- भकानम **बरम**होशासाय, वि 🚓

शंसकत्याहन उक्तवही

Sin ... did g(M)Idialia

वाभवध्य विक मिनिकास ्त्रक -- HER 43

किस्तिहरू स्थ

गार्मजीहरू एक ही ब

वानीमाथ मन्द्री

मर्क्छनाच प्रवानावाक

(445% PIN 48. OF O

सरीरकन भिक्ष (क्षांक)

- अक्रिक्यां व महकात्
- 51 + 5 W d1 %

ेंगुक डाटरल क्रमान जिल्लाही, अल्लाहरू

- मयापामाहम २० वि ७
- र्याम्यक्त मृत्यकी

कारमाहा-विषय.---

१। गरु परित्रमस्त्रह कांचा विवतन गार्रे, -- । मकामिकाहक

माञ्चरक मनवान-कान्त है। तार्यन, विद्वा प्राथानमान स्वतानामा मर्क्य वानित्र ^কেবীছন্ত_ুণ স্থিনাথ **অভেন্ন কলকজনি মুক্তন ছার্যটিন্ত ও তইসকতে বজুন্ত। তাবৰ পঠি—** ইট্রিক পঞ্চানন বলোপাধার বি এ, মহাপ্তের বিশিত "আচীন বিশু ও পারসিক আভির मान्त्र" का विविधा

क्षिपुरः विकास प्रवासामाह ८म् ७, वि, ७**म, विके**जिमिनाम **मानिर्देष म**रास्थ मकामित क न्य अध्यक्षिता

- १ इ.स. अस्तिन्द-इ कार्यादन्दन भावित क व्यवस्थानित स्थेन।

। अवस्य	***			私變;
क्षिक - अस्म ०- भाग	डेना क्साब बद	2	ţ	FIGURE WARREST FOR , To us, The un-
				actions untitally
,a	*	₹	ŧ	. त्यांकिंगस्य त्यायाण, वि ध
*				শাহাপল ক্ৰণাহাখাদ
के ताम- एक विस्तानी	केर गावटकन मृत्रशी	•	1	· কেন্দ্ৰে সিংহ, কাৰী
	*	8	į	" विज्ञानाम स्टबानावाह्य
কুল্লে শবংকুম্বে বাস্থ	ें, कारम ा भग न व ^{र्} डरेनमी	đ	ř	🐞 देनाक्ष्मांच माठा, क्षम् अ
				कुमाकहली बाहेटमाना ।

- ८। विर्धानिति १८ र ज्ञानित के किल्होनमा अभिगानि भन्नभाव स्थला व्हेल, 🗕
- ১। জ্ঞান্ত্তাস –ব'নীপ্র জুবিশালা, হাত স্থাপত, দক্ষ শব্দ—আবুক বিষয়চন্ত্র সন্ধুনদার ातन, भारत को कत् व Araishi-Mahid--- टीन्क ल्यायरम्भ भवती ।
- अल्लाकक प्रभूत शास्त्रज्ञ कर विद्यारी मानामानात्र निर्मारमाणी प्रांचा दीपुक ্ৰেৰে প্ৰধান কৰিব বাংলালে কৰা প্ৰভাগীকৈ কৰা চালাল কৰেবলৈ **বে, প্ৰভা বাৰ্ছিৰ প্ৰিবৰ**ে अवस्थान काम अववारवारी इत्तीय काभावम सक्ष 'उस मक्ष हैक्सि। महिविक्स मध्याप्तर स्वाहित ज्यबम वरशतन शिननाम है। काष्ठ नार्गाक्रावावृत्र गण्यापिक क्षांचिमतिकमा व्याकाणिक प्रवेषायक । ৰিভীন ন্যের ৩০০, টাকান মাগ্র ৰাষ্ড্রজপরিক্ষা সম্পাদন কবিবাছেন। উহা বছং এছ नेवाहः भेववे अस्तिमण गरेशः मानुस्य विवृद्धं ४० शर प्रविवाद अस्त कांणितः। क्रवानिः বজলবি এমা প্রকাশ চন নাই। তথালি রালা বাহাত্র শতকোতুত্ব ইইয়া ভূতীয় বংসারের রাল প্ৰতিটো ১ 🕝 সভাপতি ২হাৰ্থ কাজাবাঁহাঁজবের আই বাঁকোটিত নাম ও পৰিষ্থের প্রতি অসামার জাত হর এর পরিধেনর আর্ম্বরিক মুক্তজ্ঞতা প্রকাশ করিবেন ও পরিবং কর্ম্বরু ঐ প্ৰস্তাৰ ভোগ জান বা নৰ্পত্ত দল্পাইক কাৰ্যা-নিৰ্মাণক স্বিভিন্ন সভা জীয়ক ভেৰাজে দাসকৰ এবংশব্দের পার : ১০০৭ বিজ্ঞানত-ব্দ্রিক **ক্ষিপ্রাণ্ডের পদ্য ক্ষ**র্থানের হ্**তালিলি প্রদর্শন ক্ষিণেন**,

- ে। জীবৃক্ষ মাধাসদাস অন্যাপানার সারনাবের স্বাবিশ্বত বৌশ্বরূপ প্রশ্নির ভারতা,
 স্থি প্রভৃতির অনেকথনি কটোপ্রাক প্রবর্গন ক্ষার্থির ও ন্যাবিশ্বর প্রাচীন থোলিও নিটা
 ক্ষোইলেন, প্রদর্শনের সভে প্রভেক নিজের ও নিশ্বির সংক্ষিপ্র বিষয়ণ বিশেষ। ও মুক্ত
 প্রাচীন বৌশ্বনিধর্শন সম্প্রতি আনিহত কইরাছে ও অন্যাণি কোখাও ভারার বিষয়ণ বাবির
 কয় নাই। [সাহিত্য পরিবহ-পত্রিকার ও সকল নিন্দনের ও গোলিও নিশির ক্রিন-নহ
 বিষয়ণ প্রকাশিত কইবে।] সম্পাদক রাখনে বাবুর এই নৃত্য আবিদার প্রাক্তিনের লাভ আর্থান
 প্রাকীশ ও স্বত্যতা প্রকাশ ক্রিনের।
- কার্তিক পঞ্চানন বন্ধ্যোপাধারে বি, এ শ্রাচীন বিশু ও পারসিক থাতির সায়ক"।
 সাধ্যে মনোজ প্রান্ধ পাঠ করিলেন। এট প্রবাদ্ধ লোকক আচীন পারসিক ও করিটীর আর্থাপানের জালাগুল ও আচারগাল এবং উপাসনা প্রণালী-পত বিবিধ সায়ক করিছালির পর পুনামান বিলয়ের পর পারসিক জাতির বোধাই আগমনের বিষয়ের দিলাছেন। ভারতবর্ধে আগত পারসিকাণ বে বংক্ত লোকে চলানীশ্বন স্থানীর রাজাকে অভিনক্তন করিছাছিলেন, বৈই লোকগুলি প্রবদ্ধ মানা নিবছ ছিল। তংগারে কর্মনান পারাসক সমাজের আচার ব্যবহার ও উপাসনাপ্রভাচ এই ভাগান স্বিভার বর্ণনা করিলেন। পারসিক্রিগার উপনরন, বিবাহ আশ্বেরিকার বিশেষ বিবহন ধাকার প্রবদ্ধ বিবহন করিছালেন। শেশক বোধাই বাসকালে কোন পারসী ভল্লােকের বিবাহত্বলে উপাবত ইইয়া বিবাহের অস্ক্রান ও বী শাহার প্রভৃতি মুক্তর কপন করিছালেন। বিশ্ব আচারের বহিত জোনু জোনু বিব্যরের সাম্ব্রু ও বৈনান্ত ছিল ভাগার আন্তপ্রক্তিক বর্ণনা প্রবদ্ধ মধ্যে হিল।

মধামৰোপাধ।র নীঘুক সভীশন্ত বিভাল্বৰ নীসুক্ত বাখালরাস বলোপাধায়কে বস্তবাধ বিষ্ণা গোষেক'ও গোৱনাথ' এই তই নালেই উৎপত্তি সহয়ে এক প্রকাশ করিবেন। 'ধালেকক' সক্তবাহা দাই-স্থাভ সাবনাথ নাম শারকনাথ হউত্তে নালে দাই বিশ্বাহিত স্থানাকক নিজনাল নামে করিবেনা পারকনাথ হউত্তে নালে গাভাই বাহা। বাহাপানীতে মুগলাকে বৌশ্বাকি হৌগাছিল। বাহাপানীতে মুগলাকে

তৎপরে ইনিক পঞ্চানন বংশ্যাপাধ্যায়কে উন্তির প্রবছের জন্ধ ধরবাধ দ্বিরা ব্যিশ্রের, প্রাচীন খার্যাকাতির বাসস্থান ভারতকরে কোথাও দ্বিনা, এ যত সংক্রমক। ইউরোপীয় আভিগ্রের ও ভারতীয় আর্থাগণের সহিত সাদৃষ্ঠ দেখিয়া ভারতকরে বানিরে কোথাও বাসস্থান দিশ, এই অস্থান সক্ত বোধ হয়। প্রাচীন পার্যাকদিশের সহিত নেমিটিক জাতির সাহচ্ছ্রা ও আঘান প্রবাদে করেক সেমিটিক ভাব পার্যাক কবিগের মধ্যে প্রবেশ করিয়াভিক।

তংশকে সভাপতি মহাশয় বজানিশকৈ বছবান জাগন জায়িলে সভাপতি মহালুক্ত বছবারাতে সভাজত হইল।

श्रीतारमञ्जू मत जिए गरी

विष्युन्दित नगांक शिक्ष

HAMISH W

a stall

यशी नारिका भवित्रसम

विजीत विरागत अविदयमन ह

কার্যনির্কাহক সমিতির নির্কেশাস্থসারে তীরক তারকচন্দ্র সাংখ্যালক সংগ্রহ সাংখ্য ধর্ণন জুবলুখনে ধারাবাহিকরপে চারি নস্তাহে চারিটি বজ্জা করিবেন এইজপ নির্ভাৱিত হয়। তন্ত্রসায়ে সাহিত্য-পরিবৰ পূত্র বিশেষ অধিবেশনের ব্যবহা হয়। বঞ্জার বিষয় ও স্থয় নিরোকরণে নির্ভাৱিত হইয়াছিল।

>१ वाष ०० खांद्रवात्री महणवात्र

২০ " 🕶 কেব্ৰেশাৰী

> 위**종**구 > 0

· * 3.

"আৰা ও কৰা" "ংশাৰ্থবাদ ও হম্ম শুৱীর"

"वाष्ट्रिय भूक्तकाव<u>"</u>

"বৃতিষ্ট উৎকৰ্ষ ও সৃত্তি"

প্রথম দিনের বক্তান্থনে প্রীয়ক রাম বতীক্রনাথ চৌধুরী মহাশহ সভাপতির আসন এছৰ জুরেন ও সতান্থনে আন্মানিক ছইলত বোক উপন্থিত ছিলেন। বক্তা অভি প্রাঞ্জন ও ক্ষেত্রাহী ভাষাহ্য মতি কঠিন দার্লনিক তথ্য সাধারণের বোধগনা করিয়াছিলেন। প্রথম দিনের বক্তু ভার বিষয় ক্ষান্থ ভিক্তা ।

বস্তা শেষ হইলে উপস্থিত ব্যক্তিবর্ণের মধ্যে জনেকেই বজার ভূরদী আশংসাপুর্বাক্ষ ধরুষায় জানাইলে সভাচল হয়।

ভূতীয় বিশেষ অধিবেশন।

২৪শে মাৰ ৬ কেব্ৰুৱারী মূললবার

শ্রীযুক্ত ভারকট্ন পাশ্রাসাগর দং ক্ষেত্র বিভীন সক্ষা পোনার্থবার ও ক্ষে ব্রীরেশ ওনিবার ক্ষেত্র বিশেষ পরিবেশন সাহ্ চ হয়। ইউওও নথান্দরা প্রধায় চন্দ্রকার ভ্রতানভার দংলাক সকাশভিত্র পাদন প্রকৃণ করেন।

वक्ष्मकांत्र पद ब्लाक्तर्व मकरवारे वक्षारक धक्रवान रामन ।

इक्ष विद्राप्त अधिदरामन ।

্যলা কান্তন ১০ই কেন্দ্রগায়ী সকলবার

ি জীয়ুক্ত তারক্চল সংখ্যানার মহাশ্রের ছুতীর সক্তা "কাদৃষ্ট ও পুরুষকার" এক এই বিলেব অবিধেশন আছুত হইবাছিল। এই দিন ক্ষিত্রক হার ষতীজনাথ চৌধুনী অহাশ্রের সভাপত্তির আসন প্রচণ করেন।

ি পূর্ব চই শীৰ্ষদের স্থার এই বিনও সভাস্থ সভিবে বক্ষাম অপূর্ব বক্ষার আৰি মুখ হৈ ক্লিয়া। ক্ষামা আলাংকু ভূমনী প্রশংসা করেম হ'

বঙ্গীয় শাহিত্য-পরিষদের কার্য্য-বিবরণী।

बाम्म वर्ष।

প্রথম মাসিক অধিবেশন।

গত ২৯ ফোর্চ (১৩১২), ১০ই জুন (১৯০৫), সোমবার জপরাছু ৮ টার সময় বন্ধীয় माहिका-लबिकासद लावंब यात्रिक व्यक्तितनम क्षेत्राहिक। मुख्यक्रल मित्रलिबिक व्यक्तिक्री উপস্থিত ছিলেন,--

শ্রীযুক্ত বায় বতীক্রনাথ চৌধুরী এন এ, বি এল সভাপতি।

- निधिननाथ हाब, दि कन, श्रीवृक्त वारीनाथ नमी,
- विभिन्न । भाग

मश्चिक्क यक्रिक.

न(त्रम्मनाच चठ.

केल्यमाथ रामालाशाय.

• নগেন্দ্ৰনাথ বস্তু,

ু বাদ্বচন্দ্ৰ নিজ্ঞ.

व्यानकनाथ प्राप्त.

্ৰ শবজন্ত চৌধুৱী, বি এ,

त्रामनहस्र वस्रु

ু সভীশচন্ত্ৰ মিত্ৰ.

(क्मांक्स भाग खर्ध

बात्रकानाच व्यन्तानाधाव.

তম এ, এম সার, এ, এস,

4

এই अधिरागरन निश्चलिय । विषय छलि आरमाठा हिम.---

- (১) গত অবিবেশনের কার্যাবিবরণ পাঠ। ২ সভ্য নির্বাচন। ৩ পুস্তকোপ্তার-দাত্রণকে বক্সবাদ। ৪ পরিবদের অক্তর সদত্ত মাধবচন্দ্র চটোপাধ্যার এবং ভ্রাহ্মাচ্ছি। প্রতাপ্তক্র মন্ত্রমদার সহাশম্পণের মৃত্যুতে শোকপ্রকাশ । ৫ প্রথম।
- (ক) প্রীয়ক্ত আনন্দনাথ রার কর্ত্ত 🖛 রকানিনা : করিদপুরের ইভিহাসের একাংশ নামক প্রবন্ধ এবং (খ) প্রীযুক্ত হীরেজনাথ দত কঠক গীতা ও ক্লোডদর্শনমতে "ব্রন্থতন্ত" नामक धारकपाठे। ७। विविध।

সভাপতি ও সহকারী --সভাপতি মহাপ্রের সমুপহিতিতে স্বীযুক্ত রার ঘতীন্তনাথ চৌলুরী মহাশর সভাপতির জাসন গ্রহণ করেন।

পরে—সভাপতি মহাশ্রের আনেশে কার্যায়ক ক্ষণে সহকারী সম্পাদক উন্ধুক্ত ধর্মব নোহন বস্তু গত অনিবেশনের কার্যাবিবরণ পাঠ করিলে উলা গুড়ীক ক্ষণ।

	স্হৰ্ণক	चिक्र व्यक्तिभंग मकानिक्षीतिक स्टेरनम । भण
श्राप्त श्रीटेन्द्रम्थकः मङ्ग्राप	क्षित्वायस्य युवकी)। वडीलायायन च्छ वि, वन, केकीन, मूल्य
	1 19 - Q .	१। कैलोरीक्रातास्य एए
		म्रामन थाने थान, थान,
		०। क्षित्रश्चायक्तः मक्ष्मगत
	•	(वानभूत, पाविनिदक्षन
		। विश्वासम्बद्धाः
		नव किः करमकृतेत
		২- কৰ্ণভূষালীন মীট
क्षेत्रप्रनहस्य वश्च	श्रीरहामरकन मुख्यी	a। শীহরিপথ চটোপাখ্যার ১ রাজার দেন।
क्षेत्रविक्षित बारका	श्चिरवाष ्यन पृष्टकी	 ইিব্রিক্তর রাম মোকার ন্যাবল্য সম্পূর
		। क्रिकामी शनद रान थे
		»। क्षिमकी महस्य काम करा औ
		>। खेबक्टस गाहिकी वे
		> । विलानामध्य त्नशमधीन
))। क्रिक्स म्हदन नात्र, दणपूत्र
ইবিশিনচন্দ্ৰ শাল	ৱাৰ বভীজনাৰ চৌধুৰী	५२ । श्रेरणानामञ्ज प्रवानानाम विकासायम महानदमस वाणी
		३० । शिक्षारक्क पत कोर्नि

শ্ৰীনগোলনাথ বহু

तात क्वीसनाय क्रोपूरी

क्षेत्राज्यसारम् गान है

ইংযোগদেশ মুক্তী

58 । क्षेत्रिक्टलनाथ साथ मनिवास शांक्रविका, नवृद्दिन ।

s- तहिला के !!

३४। चैनंतकस स्मार्थी वन के. वननिम स्माप्त, वनासंगर

>७। श्रीवरशक्षमाप मृत्यकी जन्मारक टेनम अस्थिक-अस्थित, देननिकास ।

छरभद्र श्रिक तांत वंशिक्रमायं क्षियी अम थ, विश्वन वरानत विकास,--भिवासक माथबहन्त हरहाभाशात्र महानद्द अधिकात देविक स्टाह अध्यक्त हरहे। করিরাছিলেন। বৈজ্ঞানিক (জ্যোতিবিক) পরিভাষা করিরা **ভিন্তি বিশেষ প**রিপ্রাস করির। পিয়াছেন, পরিষঃ-প্রিকায় তাঁহার ঐ সহতে আবদ্ধাল পরিবেট উচ্চায় গাল্ববণা নুষা বাইবে ৮ তিনি দুগ্রণিত একা করিয়া পঞ্জিকা-সংবারের পক্ষপাতী হইরাছিলেন একা ভবস্থপানে তিনি "বিশ্বধনিদ্বাস্ত-পঞ্জিকা" নামে নৃত্তন ধরণের পঞ্জিকা আজ করেক বংসর প্রাকশি করিছা আসিতেছিলেন, তাঁহার মৃত্যুত্ত পরিবং একজন বিশেষ হিতৈৰী বন্ধু হারাইরাজেন এবং 🗿 এজন্ত বিশেষ শোকসভথ হইয়া উচ্চার পরিবারকর্মের প্রতি সমবৈশ্লা প্রকাশ করিতেছেন হ আন্ধাচার্য প্রতাপচন্দ্র মন্ত্রমধার মহাশর কেশবচন্দ্র সেনের প্রথান নিবা ছিলেন, তিনি চবিত্রবান্, ধর্মীল, সম্বস্তা ও জ্বিল্ড ছিলেন এবং ভারতব্যীয় আক্ষান্তব্য অঞ্চতম নেতা हित्यत । श्रीहात काश्रीय क्रेशः ताक गमाव कांब वितर्यय-हाटब क्रम्प्रक करिटक्टहन । क्रिकि रायनात्र अत्मक राक्ष्म कतिहारक्षम धारा यावनात इरेशामि शुक्तक निविध निवाद्यम । আমি প্রকাব করিজেছি মাধ্য বাবু ও প্রভাগ বাবুর শোক্সম্বর্থ পরিবারবর্গের নিক্ট আমাদের শোক জাপন করা হাজে। এতাপ বাবু সহছে আমি বিশেষ কিছু জানি নাঃ আমার বন্ধ এবৃক্ত বিশিন্তক পাঁদ মহাবন প্রভাগচন্দ্র সম্বাদ্ধ একটি প্রবন্ধ নিবিয়াছেন, छिन छहा क्षेष्ठ मणाह अप भार्त कदिए चीक्रण स्टेशास्त्र । छीसाह व्यवस स्टेस्ट आभागास कारमक विश्वय आहे वहेंदे वाहिट्यम । काइ.as मानि डीशाई डीशांव खारक गाउँ केलिएक काञ्चान कविरक्षति ।

অভাপর প্রীয়ক্ত বিশিন্তর পাধ মহাশর তাহার এবৰ পাঠ করিলেন। (এই এবন্ধ ১০১২ প্রাধন মাসের বন্ধবর্ণনে একাশিত হইয়াছে।)

সভাপতি মহাশর বলিলেন, বছুবর বিশিন বাবুর প্রবাহ প্রতাশ বাবু স্বাহ্য অনেক ক্ষা শিধিলাম। বাহাকে ভক্তিপ্রহা করি, উচায় স্বাহ্য অনেক ক্ষা গুনাইয়া বছুবর বিশিন বাবু আয়ার বিশেষ ক্ষুত্রভাতাজ্যন হট্যাছেন, এ স্বাহ্য অধিক আর কি বলিব।

ভংগরে সমগ্র সভার অনুমোগনে গড়ীয়ে বাকুর প্রভাব পুরীভ বইন ৮

অন্তানর আকৃত আনজনাথ বার মহাশর তাহার প্রবন্ধ শক্তি করিলেন । (এবছপার্টক মহাশর করিচপুরের ইভিয়াস সকলন করিছেছেন। এই প্রথম জান্তারই একাংশ)

श्रीवृक्ष विशिवान श्राह शिंगरान — कातम श्रांत्र ३००० महाविक्ष व्याप्तरहत्व नमत वहेरक रक्ष मध्य कवाद व्यारमाहता कहिदारहत, छादा व्यक्ति नश्यकः। स्वाहरिक्ष पहिलाक्ष किर्मातः क्रिकारम् व्यक्ति स्वाहरिक्ष वात्रा व्यक्ति स्वाहरिक्ष वात्रा व्यक्ति स्वाहरिक्ष व्यक्ति स्वाहरिक्ष वात्रा व्यक्ति स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्य स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्ष स्वाहरिक्ष स्वाहरिक् প্রবন্ধকার বলিয়াছেন কেন্দার রার দাবশ ভৌমিকের মধ্যে শ্রের্ক বীর ছিলেন, কেন না জিনি আকবরের বস্তুতা শীকার করেন নাই। তাহার পিতা (মঞ্চার্করে তাহার প্রত্যা) টাব রারও গ্রুব বীর ছিলেন। রাল্ক কিছু-রাহেব বে সমরে এখানে আলিয়াছিলেন, প্রতাপাধিতা সমুদ্ধেও ঐরপ অভিমত প্রকাশ করিয়াছেন। জেন্দুইট পাবনীরা বৃত্তুক রার প্রভৃতি সমুদ্ধে সামাত কথা বলিয়াছেন।

সভাপতি—মহাপর বলিলেন, প্রবন্ধকারের বারভ্ঞার ইতিহাস অনিরা অনেক্ষিন হটতেই তাঁহার নিকট কৃত্জ আছি। প্রবন্ধকার বলিয়াছেন, চাঁদ রায় কেলার রায় ঘাদপ ভৌমিদের মধ্যে প্রেচ বীর। নিধিল বাবৃত্ত ভাষার পোষকতা করিয়াছেন। আনি ভাষার কারণ অঞ্চরপ মনে করি। পাঠানরাজ্জের পেই হইতে মোগলেরা একবারে বাজালার সমস্ত অংশ জর করে নাই; জনে কমে অধিকার করিয়াছিল। প্রাথমেই প্রতাপানিভারে রাজম। কাজেই তাঁহাবের ধ্বাপের পর চাঁদ রায় কেলার রাকের রাজম আক্রমণ করিছে হইয়াছিল। স্করাং আক্রমের সমবে বস্তাতা, বীলার করেন নাই বলিয়াই যে চাঁদ রায় কেলার রার মেট বীর ছিলেন, ভাষা প্রেমাণ হয় না। ঘাহা হটক, প্রবদ্ধকারের প্রবন্ধ এমন আনেক কথা আছে যাহা আমাদের পক্ষে বিশেষ ভাবিয়ার ও শিধিবার কথা। এই সকল বিষয়ের আলোচনায় আমরা আনিতে পারি যে পাঠান ও মোগলশাসনেও বাজাণী ভ্রামিগণ বিস্তৃত স্কুতাগশাসন করিতেন, সেনাসাহায়ে বেশরকা করিতেন। একশে প্রবন্ধকারকে তাঁহার ক্ষমন্থের অঞ্চানি মভায় প্রতিনিধি প্রকৃত্ত করিছেছি।

অতংগর নীযুক মন্নথমে'হন বস্তু, বি এ, সহকারী সম্পাদক মহাশর নৃতন **অবলখিত উ**পাধে ছাত্রসভাগ্রহণের বিবরণাদি আনাইয়া বনিবেন নহজন ছাত্র, ছাত্রসভাগ্রহণের বিরমায়সাবে পরিষ্ণের স্থা হইবার জল প্রার্থনা করিয়াছেন, উাহাদিগ্রেক ছাত্রসভাপ্রেশীভূক্ত করা হউক।

टीवृक नाम्याय वक् महानव करे श्रावायव गमर्थन कवितन ।

তংশরে বথারীতি প্রকোশহারদাসগণকে এবং সভাপতি মহালয়কে ধক্ষবাদ শানাইয়া সভাতক হইব।

(अशूरमाविक)

গ্রীমন্মথমোহন বস্ত্র

প্রীয়তীজনাথ রায়চৌধুরী

75: **3-7**163 |

সভাপতি।

বিতীর নাসিক অধিবেশন।

८) व्याताह, ३4वे ब्रुगाहे, व्यतिवाह, व्य हो--

उनस्य प्रविज्ञान ।

জীবুক চন্দ্ৰনাৰ বস্থ, এৰএ, বি, এল, (ৰভাপতি):

বীবৃক্ত কুমার শরংকুমার বাহ, এম এ, 📉 💐 মুখীজনাথ ঠাতুর,

बाइन वार्विक कार्या-विकारी।

शियुक्त शैरवश्चनांव एक, धन धा, वि धन,

- " সভীশচন্ত্ৰ বিশ্বাস্থুবৰ এম এ,
- " गरशक्रमाथ गण्.
- " सुर्वमहस्य मभास्यभित्र,
- " निवात्रपटक मूर्याणायाम्,
- " अमृडक्ष्म महिक, वि धन,
- " गडाकृष्य बरम्याभाषाय,
- " युवाबित्यांक्न खर्ख,
- शिवनाथ मुर्गाणागान,
- " যোগীজনাথ বস্থ, বি এ,
- " প্রভুগনাথ ঠাকুর,
- " ভারকনাথ বিখাস,
- " মারেশচন্ত্র সেন গুণা এম এ, বি এম,
- " वाश्यक्त मिळ,
- " কামাথ্যাচয়ৰ নাপ,
- डेटमनठळ मुख्को,
- ক্ষেত্ৰভাৰ সাক্ষী গোৰামী,
- " चाक्त्रकृमात्र रहांग,

टीयुक्त बीरमनहस्र (मन, वि के,

- " वानेमांच सभी,
- " मरश्रामक महिन,
- " खारनजनान मब्दगात,
- " সৌরেশচন্ত্র বক্সী,
- " उन्नवाध्य ठांकी,
- " अग्रथनाथ मिड.
- " कमणाहत्रन मिळा,
- * ভুলদীদাস ভাছ্ডী.
- " ब्रांधकृष्ण वस्,
- * হোপেন্সনাথ নিত্ৰ,
- " विहातीमान ताम,
- " अन्यवनाथ ठक्कवडी.
 - * মন্ত্ৰনাথ স্থার (ছাত্রসভা)
 - " রামেন্ডফুন্সর ত্রিবেদী, এম এ, (সম্পাদক)
 - " মন্মথমোহন বস্থ ব এ,
 - " (सामारकम मुख्यमी,

সহকারী সম্পাধক

" किर्णादीत्यांस्य निःस्,

कडे अक्षितनाम निव्नतिकित दिवव श्रीन आत्नाठा हिन,—

১। গত অধিবেশনের ভাষাবিবরণপাঠ। ২ সজানির্বাচন। ও প্রকোশহারণাতৃ-গণকে ধন্তবাদ। ৪ প্রেবদ—শ্রীনৃক্ত হীরেজনাথ যন্ত মহাশরকর্তৃক শ্বীতা ও বেয়াক্তর্শনিমতে প্রশাসক প্রবন্ধপাঠ। ৫। বিবিধ।

সভাপতি ও সহকারী সভাপতিগণের অন্তপতিতিতে হীৰুক্ত চক্রনাথ বস্ত্র মহাশর সর্বাদরতি-ক্রমে স্থাপতির আসন এখণ করেন।

-) ताथम मानिक कविद्यमध्यम् कार्याविवस्य गाउँछ छ गृहीक हहेग ।
- ২। নির্দিখিত ব্যক্তিগুৰ ব্যারীতি সভারণে নির্বাচিত হুইলেন :---

412/47

मधर्भ

73

क्षेत्रक तात वकीलमांच क्षेत्रहीं, क्षेत्रक लागरक व्यकी

" erstereit efer

। क्रिजनांचनांच व्यक्तिक, २> क्रुकातान्वाच्य क्रिक्र

ARCTAIN NO.

विकास, कैरवपुर, स्ट्राह्य।

বন্ধীয় সাহিত্য-পরিষদের

***** •

এবুক কিশোরীবোহন সিং	र, जीरवा गरकन म्खर्की	ত। প্রিকুমার ছত্তনাথ চৌধুরী
•		১৫৭।ও অপার সারকুলার রোড।
" রামেক্সস্কর ত্রিবের	ो, जिक्टिनाजीत्मासम निरम,	8 । क्षेत्रीत्रहत्त निःह क्षम क,
		ব্যৱপুর, ভাগলপুর
a	&	e i diacumber frie an a,
		केंगील, कांत्रलगृत ।
à	3	। विशेषध्य मित्र थम थ,
		উঞ্চীল, ভাগলপুর।
(a)	3	१। विम्हीनहन्त्र निःइ वि थ,
	•	काकी, भूनिंगाताम ।
<u>a</u>	&	b । क्रिक्सिशन अधिकात्री,
· ·		काकी, द्वितायात ।
3	3	»। अमसनान (चार वि.स.)
•	•	काकी, मुनिवाबाव ।
&	.	১+। একাদীপ্রসর চইরাত,
~	,	অব্যাপক, নিটি ক্ষেত্ৰ।
* কাষিনীনাথ লাভ	क्रियाब्दरूप मूचरी,	>>। श्री श्रवान्त्व मृत्वानाशास
Allaminila att	*	· ১৮০ মণ্ডন होते।
 इतिस्थान्यक जित्त्वी. 		>१। विश्वक्रमाम शह वि कम,
् श्राद्य स्वयं श्राध्याप्तराः	rid.	केनीन, कामनपुत्र ।
	S - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 1	
" नदक्षण्डल (गन छर्ड	শ্ৰীনটাশকন্ত বিক্ষাভূষণ	১০। जैस्तानहत्त क्ष व्य व,
		গং ছাবিদন রোড।

ত। পুশ্বকের উপভারদান্তাদিগকে গঞ্জনার বেওয়া হইল।

৪। শ্রীবৃক্ত হীবেল্ডনাথ দর এম এ, বি এল, "দীতা ও বেদায়বর্ণদের মতে "প্রকৃত্ব"
নামক প্রবন্ধ পাঠ করিলেন। [ঐ প্রবন্ধ ছংপ্রাকৃত্ব শ্রীকার ইবরবাদ নামক প্রকৃত্বর একাংল;
ঐ পুত্রক সাহিত্য-পরিবংকর্ত্বক প্রবন্ধ পাঠের পর প্রকাশিক ব্রীরাট্রে।]

ইয়ুক সভীশচন্ত্ৰ বিভাত্ৰণ এন এ, ৰনিধেন বীরেল্ডবাৰ্ বেধান্তদ্বির প্রাথমিনরেল অর্থ সহলে অন্থান করিয়াছেন; ঐ তিন প্রশ্ন গৃহত্বাল্ডন ইতি প্রস্থানে উভত বানপ্রস্থানির অভ রচিত প্রস্থান করিয়াছেন; ঐ তিন প্রশ্ন গৃহত্বাল্ডন ইতি প্রস্থানে উভত বানপ্রস্থানির অভ রচিত প্রস্থানির সাহলি বিভাগনির আন্তর্ভাতিক, উল্লেখন করিবল করে আন্তর্ভাতিকর অল্ডানির আন্তর্ভাতিকর আলোচনা বালান ঐ তিনপ্রস্থানি প্রস্থানির বানিধেন। ইরেল্ডন বান্ত্র অনুযান ও অনুস্থান ও অনুস্থান বিভাগনির বান্ত্র অনুযান ও অনুস্থান ও অনুস্থান ও অনুস্থান ও বিভাগনির বান্ত্র আনুষ্ঠানির প্রস্থানে সাভিত্য উৎস্থিত আল্ডান

0.95

করিয়াহেন। মাবোণাধিবৃক্ত এক অথবা হীরেজবাবুর স্প্রেক্তের নামাক্তর করিও। সার বাধা-মুক্ত স্বর্থন নিজেব এক। বাহারা উভয় প্রক্রের একড় বীক্তার করেন, ভাহারা স্বর্ধন নামনি বাবহার না করিনেও নাজিক বলিয়া গণ্য হইতে পারেন করি।

নভাগতি জীবৃক্ত চল্লদাথ বস্তু এব এ, বি এল. মহাপাহ বলিলেন, হীরেজবাবুর উৎক্র জীলভের ন্যালোচনা করিব না। হীরেজবাবু বৈহাজিকরিলের মধ্যে বে সাভ্যায়িক বিজ্ঞানের উল্লেখ করিয়াছেন, সে বিরোধ ভ্যানের এবন সময় আনিয়াছে। হীরেজবাবুর উভয় জন্মের একত প্রতিপাদন বারা দীযাংনার চেঠা করিয়াছেন। পথ বিভিন্ন চইলেও সক্ষম সভা-ভারের গ্যাহান এক; মহুবার বভার ভেবে পথের ভেব হর যাত্র। পূর্বভ্যন আনুষ্টিবিলের বিবাদ করা উল্লেখ ছিল না, আপন প্রাকৃতি অনুসারে আপন পথ নির্বাচন করিয়াত্র ছিলেন যাত্র।

তংশরে সম্পাধক শ্রীষ্ক রামেরেক্সনর বিধেনী বলিবেন, আন্ত পরিবনের সৌজাগাঞ্জরে চন্দ্রনাথ বাবৃক্তে বছনিন পরে সভাপতির আসনে পাইরাছি। পরিবনের শৈশবে জিনি এক বংসরের ক্ষরিক্সাস স্থাপতি ছিলেন; তংশরে অবকাশাভাবে ও স্বাস্থাভাবে তিনি পরিবনের কার্থে জেন্তুন বৌগ্রাকে অবসর বুল্লি পরিবং কবনও জানার হেনে বঞ্জিত হয় নাই। সম্প্রতি বার্থানা সাহিত্যের সেই বিশ্বতা বে বাক্ষণ বাধি ও তদপেক্স নিবাক্ষণ শোক্ষইতে উত্তীপ হইরাছেন, ভক্ষাপ্ত সাহিত্য করা সকলেই অভ্যান্ত পরিভাগ ; তিনি বীর্থানির লাভ করিরা নৃত্তন লেবক্সবনের পক্তার্য হু হরুন।

সম্প্রতি সাহিত্য-পরিষদের বীন্দি নৃতন পরিছেদের আরম্ভ হইবাছে। পরিবং আপনার কর্মক্ষেত্রের বিভারতার বলনেশের সম্পন্ন ক্ষাত্রতা অন্তস্থান থারা বেশের সহিত্য প্রনিচন ও সম্পন্ন হাপনে প্রায়ুত্ত কইবাছেন। ছার সভাগণের সাহায়ে ও মুক্ষুত্রের শাবাসভা ক্ষাণ্য থারা পরিবং আপাতত বর্থানার এই কার্যানির্নাহে প্রয়ুত্ত ক্ষরাছেন। বারার উন্ত্রোপে পরিবং এই ওক্তার প্রবংশ করিবাছেন, পরিষদের অন্তর্তির কর্ম উন্তার্থ বীকৃত্ত ক্ষীবলের প্রধান ক্ষেত্রের নাহায়া করিবে। সেই রবীয়ে বাবু অভ সভাত্তের উপন্তিত আছেন। তিনি স্বভাতি বক্ষুত্রন প্রবংশ করিবা আদিরাছেন; পরিষদের উল্লেখ্যয়ন্ত্রী কাল ক্ষান্য তিনি করিবা আদিরাছেন, তাহার ব্যবহু ওচ্বার বিবরণ তনিতে ইয়া করি।

শ্রীপু লবীজনাথ ঠাকুৰ বলিলেন, সংগ্রতি তিনি বিপুনার সাহিত্যসভাকাশ করিব।
আনিবাৰেনঃ উবা পরিবলের পাবা পরণে গৃহীত ঘইকে পাবেঃ ব্রক্তমণ প্রবাহ ভাষার ভারণা
অধিবাহে বে, বর্তমান সমর আমাধের সাবনের আহকুন। মঞ্চলা উলেকেই পরিবলকে ব্রক্তা
করেন ও পরিবলের অপেকার আহেন। এই সমরে পরিবলের আয়াচিত চেটা বাহিলে বন্ধতাই
আমাধের বন্ধবেশের পরিচর পাইবার উপার ঘইবে। বন্ধবেশে ব্রাক্তিবার বিশ্বর প্রেচ্ন আহে।
বৈশ্বর বর্ত্ত প্রচাহরের পূর্বের বিশ্বরার বৌত্তবর্ত রাজনিত হিল হা এক প্রার্থিতে নালামেনীক্ত
বৃত্তি পাতহা নিয়ারে। বিশ্বরার প্রাক্তম প্রাক্তমণানী উল্লেখ্যে ব্রক্তমণ্ড বৌত্ত নিয়ার বাহিন

বন্ধীয় সাহিত্য-পরিয়দের

হইতে পারে। ত্রিপুরার অধিপতি এইরূপ **প্রাচীন তথাছদভান ও যালালা** অভিধান ও <mark>খ্যাইরে</mark>ন সংগ্ৰহকাণ্ডে উৎসাহ প্ৰকাশ কৰিয়াছেন। কুমিলাকেও পরিবলৈর লাখা সভাস্থাপনেই ক্র পরামর্শ বিশ্বাছেন। সময় **অন্তক্ষর এখন চেঠা করিবেই দেব জু**ড়িয়া তাল ফেরা-চিলিবে भरत । एकारपत उरमार दयन भतिपरपत्र क्रांटिक निर्वाभिक ना एवं।

मजा थि महा नव विद्यान, मामान मजिक्का धार्मम एवं, मामाराज कार्या छेरमाई कार्यि जिन बारक मा। किन्न जागार विचान जागारम्ब खालिन करन मार्ट । कर्य बिना खरन निवासन इंटर्ड नः, अथन स्व व्यवहारे रुक्तेक, कर्म्य केश्वय चार्यास्त्र निक्तत कविद्यं e स्वाहिएक हरेस्त । বহী ল বাবুর সাহিত্যে প্রতিভা ও কর্ষে উভয় উভয়ই বিশ্বয়ঞ্জনক। তিমি বখন মলে আছেল, 'क्रिन सम बास हडे। वहें।

वरीम तांव गुनदाव विभागन, 'अक्षे स्मान विकास, अक्षे क्यानग्रह लाक बन्नि পরিকাৰে বেশী কাপড়ের ও বহির বোঝা বাড়ে করিয়া লোকের বারে বারে বুরিটেছে। চাষাবাও ভাষাৰ সমাক আদৰ কবিভেছে। **জানিলাম লোকটা ভন্ন সন্থান, ব্ৰাহ্মণ, স্থালা**য় চার: দেখিরা আমার আশা চটার।

ছাত্ৰ সভা শ্ৰীৰুক্ত নৱেশচক্ৰ অণ্ড থাললৈন, টালাইলে প্ৰায়ে আৰে তথ্যাত্মদান লভ একটা চারদের দল গঠিত হটয়াছে : তাঁহারা আনেক কাল করিতেছেন।

তৎপৰে সভাপতি মহাশ্ব, ছাত্ৰ সভাবের ক্তব্য নিষ্কারণাধির অন্ত আছুত সভার উপস্থিতির हेस्टा अलान एप्रिश्तन .

সভাপতি সন্পথকে ধন্তবাদ দিয়া সভা ভশ হইন।

विवासक्य प्रस्त (अत्वर्ध) FM9 44

-

क्षिमाद्यमाहरू मिळ সভাপতি।

তৃতীয় মাসিক অধিবেশন। ১৪ শ্রাবণ, ৩০ ফুলাই, প্রবিষার, অপরায় ৬টা ইপ্রিক্ত বা বিশ্বৰ

মাননীৰ বিচারপতি শ্রীযুক্ত সারদাচরপু বিশ্ব এম. এ: বি এল, (সভাপতি)

ব্রিষ্ট সভীশচ্স বিশ্বার্যণ এম. এ

शिक्क क्रमें हरन मिय

- " লগিডচক্ত মিছ এম. এ
- কুক্তধন সিয়
- राउ देवकुशांभ वच्च बाह्यकुर
- यञ्चलमार श्रम
- গাঁলে প্ৰসাদ বিভাবিলোৰ এম, জ
- * इक्शंग लग्नक
- हेती-नाथ **मा**:बाइफ
- मडाक्रन (म

काबिनीनाथ दाग

ा नानिक्ष्यन मात्र

শিবক্লঞ্চ দে

ন্ধেরগুর গুপ

35

बोलन यार्थिक कार्या-विकारी।

কৈ বোশালনাশ চৌৰুৱী

কাৰৰ বোৰক

কেন্দেইচল নামিক

ক্ষেত্ৰাক কৰ সংক্ষাৰ কৰ সংক্ষাৰ ব্ৰোণাভাৱ

শত্তিৰণ ব্ৰোণাভাৱ

শত্তিৰণ ব্ৰোণাভাৱ

পৌরহন্তি সেন ' সভোজনাথ দম্ভ

रेनरननडा सक्षात

' চাৰ্যচন্দ্ৰ নিজ ' স্থানীলগোপাল বস্তু '

ত্রবোধচন্দ্র বিভাগব ত্রিকেকুমার বার

' सुक्षविश्वी एक

ৰতীক্ৰনাথ নিত্ৰ

्र्राज्यात वस्

শ্ৰাখনাথ বহু ৰদিক্ষোহন চক্ৰবৰ্তী

ं अधिक रह

महत्रमञ्जू रममच्चे अम्, ब, नि, अम्

" নমেজকুমার বস্থ " নৰকাত ভবিষয়

यानेमाथ ननी

रणांक्ष विवय-

विनुष्क वनमानम वराहि

" " श्रांपीनवीन हुनन्वत

' क्यानील क्रियाचा

" रवित्नामान मत्नानाकार

" नीमश्रीय पर्यन तार

" शंदनसम्म (१

क्षेणःगाँगाग रहः

* এ**ভাভাৱ ও**ই

" वादगढक विश्व

" भनेखानवर्ग गर्नी

" विषयक्त **पर्**

" अरगश्रक लांग

" निविगनांच त्रांच वि, जन

" र्यापिनच मान बन, ब

" रत्याची श्राप्त कर तम, त

" वस्तान स्क्रानाचार

" गामध्य चर्चामा

" इंदर्गास गर्गाक्यांकि

" रक्कांगार व्यक्तेभाषात्र वान, व, नि वन

ी बारम्बन्य विदयी कंग्, में (गण्यावय)

क्षांस्य उसी

किरगंतियांका किर

সহকারী সন্ধারক

া গত অধিবেশনের ভাবাবিষরণ গাঠ। ২ সভাবিবারের। ৩ পুত্রক উপরারবাতৃ-কে বভাব। ৩ প্রবক---(ত) বাননীর বিচারপতি উন্ত নারবাররণ বিল রহাবরের বভাব্যার গতের ভাবা----(ব) উন্ত বাোনকেশ মুক্তনী আগব্যের "বালানা নার-মহত"। বিবিধ। ৬ উন্তে নতীশচল্ল বিভাত্যণ গ্রম, ল ব্যানারভূত্য ভিনাতের বৌধ-হারের ভিন্তবার্থন ও উন্তে সভোক্ষার ওও মহাবার ভার্ত্য বিশ্বাভিত্য প্রার্থনী নার ।

)। राज्यनिक मामनीय विशेषनिक विशेष मांडशहरू विश्व वाम, व वि. क्षेत्र माणानिक अ विमान व्यवन कवित्य वाक व्यवित्यनत्त्व कार्याविषयन शरीक के व्यवत्वविक हरेगा

र । निवनिषिक मकानेषु स्थानिष्ठि निस्तिष्ठिक क्षेत्रकारिक

বঙ্গীয় শাহিত্য-পরিষদের

স্মৰ্থক वानीनाथ नकी क्रिलाईविहासी जाएं। শ্ৰীনপোলনাৰ বস্থ २। द्वीरमोशिव आयुक्तशिम देखां मरकन मुक्ति জীরামপ্রাণ শুল श्रीतारमञ्जू समात्र विदवश জ্ঞিলগৰ্ম মোদক क्षियांमरकन मुख्की विठाक छन् बाव देश स्नाव প্রকীরোদপ্রাসামবিভাবিনদ ।। शिकाकत किनी, होत थिए हैं जिमम्बर्धासम्बद्ध श्रीबादमञ्जनसम्बद्धाः विदयमे । क्षिकिटनांगियश्री त्मन ग्रं क्षेत्रमञ्ज गांग करा क्षेत्वाम्यक्ष मुखसी विनवकक नवकात । Berennem amania নিয়লিখিত ছাত্ৰ সভ্যগৰ বৰায়ীতি নিৰ্মাচিত হইলেন।— শ্ৰীপ্ৰামধনাথ মি)। **शैरशम्स रा**न । প্রীদেশচন্ত্র সেন খণ্ড e- हेराज्य शिकु त्यार

कान ३३ हेरडन विन्तु कारहेन

৬৫।০ হারিদন রোড ২৭।০ নীর্জাপুর বাট ২। শ্রীহীরালাল রাম । শ্রীনগেল্রচল্ল লাস ভর্ত

৪। নিম্ন লিখিত পুক্তক খলি প্ৰদৰ্শিত ও উপহার্যাভূগণকে বঞ্চবাদ দেওবা হইল।

(১) বাৰ্যাস গ্ৰহাবলী ১ম ভাগ জীমণিবোহন সেন

(२) वामनाक्षति 🍪 💆 विश्वासिनीमां बाव

(c) The Noakhali Case

৩০৷ হ জারিসন রোড

(a) Indian Congressmen এবং কডক্বভাল যাসিক পঞ্জিকা

(a) The 3rd Hare Anniversary meeting with Aksay kumar Datta's Bengali Lecture

(७) इ.व टशस्त्रहे---

(1) The Vocabulary (1815)

विशासिक्षणमं विश्वी

শীরদেশচন্দ্র বন্ধ

শ্ৰীগরীপচন্দ্র বস্থ শ্ৰীসভোৱালার দক

হ। স্ত্ৰারী সম্পাদক বিয়ক্ত মন্ত্ৰবোহন বহু সভাকে আনাইলেন বে, তীগুক্ত ভক্তি। প্রিম্নতন্ত্র রাম মহালয় উৎপ্রদীভ "রসায়ন শান্তের উৎপত্তি" নামক গ্রহ ডিনি নিজবাবে মুক্তিই ক্ষিত্র পরিম্ন হারা প্রকাশ কয়াইবেন, বিশ্বক সভীক্তি বিভাতৃষ্ণ মহালয়ের প্রভাবক্তেই ভাতৃত্ব বহু পরিষদের ক্ষুত্রভার আনাইবার আনেশ করৈ।

সম্পাদক প্রীয়ক রামেজকুষ্মর জিরেরীমহাশর খানাইখেন বে, প্রীয়ক হীরেজনাণ বঙ্কমহাশর্মী জংপ্রদাত "শীতার ঈশ্বরাদ" নামক পুঞ্জে নিজ্ঞানে মৃত্যিত করাইরাছেন; জ পুঞ্জের প্রমানতার তিনি পরিবংকে অর্পন করিতে ইফুক আছেন। হীরেজ বারুকে পরিবংক ক্ষেত্র জানাইবার প্রাথান অনুমোধিত হুইবা।

উক্ত উত্তর প্রত্থ সাহিত্য-পরিক্ প্রহাবদীয় অন্তর্ভ কইরা পরিবং কর্ত্তর প্রকাশিত বই বৃদ্ধি ক্রিন্ত করিবলৈ বিদান্তবপ এন, এ মহাশর বিদান্ত ক্রিন্ত অভিনান উপন্তর তিবর হ করেও আনীত চারিবানি পট প্রহান করিবলন। প্রক্রিন্ত আন্তর্ভক প্রার্থিক পরিবলি পর প্রার্থিক ক্রিন্ত সার আন্তর্ভক পর ভিন্ততর বৌহবিলারে ব্লি পট পাওরা গিরাছে। ক্রিন্ত সার আন্তর্ভক আন্তর্ভক প্রথমিক প্রার্থিক আপন করেন। পতীপ বাবু তাঁহার নিভট হইতে পট পাইরা প্রটের অভিনাত পে সক্ষ চিত্র অহিত আছে, আহার প্রভাবের নিমে ভিন্তিত দেখাইরাছিলেন। পটভলিতে বে সক্ষ চিত্র অহিত আছে, আহার প্রত্যেকের নিমে ভিন্তিত অন্তর নাম পেথা আছে। ক্যাপড়ের উপর পালার্থকে পটভলিত ক্রিক। ক্যাপড় ক্রেন্ত অন্তর্ভক বিলাক ক্রিন্ত ক্রিক ক্রিন্ত ক্রিক ক্রিন্ত ক্রিক ক্রিন্ত ক্রিক ক্রিন্ত ক্রিক ক্রিন্ত ক্রিক ক্রিন্ত আব্রুদ্ধ প্রার্থিক পর ব্রুদ্ধের জীবনের ক্রিপর প্রধান ঘটনা ভবপরে চিত্রিত ক্রিন্তে ক্রিক ক্রিক্তের প্রধান প্রত্যাত আব্রুদ্ধ প্রত্যাত্ত ব্রুদ্ধের জীবনের ক্রিপর প্রধান ঘটনা ভবপরে চিত্রিত ক্রিন্ত ক্রিন্তের প্রধান প্রত্যাত্ত আব্রুদ্ধ প্রত্যাত্ত ক্রিন্ত ক্রিক্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিক্ত ক্রিন্ত ক্রিক্ত ক্রিক্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিন্ত ক্রিক্ত ক্রিন্ত ক্রি

ষিতীয় পট একজন গৈনিকের জানীত। উহার মধ্যস্থনে বজ্ঞতৈরবের ভীবা মূর্তি।

বৃহদেব বল্লভিরবকে ধর্মরক্ষার জন্ত নিযুক্ত করিয়াছিলেন, তিনি পদতলে ধর্মের শক্তবাকৈ

কৃষিত করিতেছেন। সন্তুতিরবের পার্বে তাহার জ্ঞাচর ও জান্তরী ভূত পিশাচ ডাকিনী

কৌষালিনী প্রাকৃতি, তল্মধ্যে নুম্ওমানিনী কালীসূর্তি বিশেব উরেপবালা। তাহার কেববর্ব,

কৃষ্ট বাল্ল, তুই পদতলে মুগ্রি পর। পটের পুঠে বল্লভিরবের মন্ধ লিখিত জাতে। মরেক্স

জ্ঞান্ত তিরাতি ভাষা কডক সংস্কৃত,কত্ব তিরবৃতি, মন্তে পদ্ধতিরবকে শক্তবারের ও কর্মজ্ঞান্ত

জন্ম প্রার্থনা মুইণ্ডেছে, মরের উপরে পোণিতলিপ্ত পঞ্চানুন্তির নরকর্মতলের মাণ। ভূতীয়া

পটে জাবলোকিতেবরের মূর্তি। চতুর্ব পটে স্ববিরগণের মূর্ত্তি।

ঐ পটগুলি ভিন্ন তিকাত হটতে মনেকগুলি প্রস্থ মাসিরাছে। তাহার স্থানেক প্রস্থেপ্ত নাম জানাছিল, কিন্তু এ পর্যান্ত ভারতবর্ধে তাহা পাওরা বার নাই, বধা—টাকাসমেন্ত প্রানাদ-সমূচক নামক বিগাত ভারতাত্ব ও চল্লব্যাকরণ। মন্ত্রান্ত প্রস্থান-প্রকণপদা সমূচক জ্যোভিবি শ্রেণ্ড্র তিকাতী মহুবাদ, তারাদেবীর প্রশ্নরাম্বোত্র, টাকাসমেন্ত ভারবিন্দু ।

ক সু প্রাথ ইউরোপে সাহিত্যসমাজসমূহের মধ্যে বিভরণ জন্ত ইতিয়া আলিসে, প্রেরিত হইরাছে। সভীল যাবুর প্রাথনার গবর্গনেন্ট করেকবানি এছ উহাতে বেবিডে বিরাহেন, আলা করা যার ঐ সকল মূলাবাস্ এছ ভারতবর্ধের প্রাথকের অনেক নৃতন ভব্য নির্বাধন সাহায্য করিবে।

ব। তৎপরে সভাপতি জীবুক সার্যাচরণ নিত্র এন, এ,বি, এশ ব্রাবার "অক্তর কুরার ব্যক্তর ক্রাবার ব্যক্তর করাই নার্যাক প্রবাধ পাঠ করিলেন, [ঐ এবন্ধ ১০১২ সাবের তার মার্যার ক্রাব্রের ক্রাব্রের প্রকৃতি করিছিল। প্রকৃতি করাই ক্রাব্রের সাহিত তারার প্রবাধ করাই ক্রাব্রের সাহিত তারার প্রবাধ করাই ক্রাব্রের সাহিত ব্যব্রের প্রবিদ্যালয় করাই ক্রাব্রের সাহিত ক্রাব্রের ক্রাব্রের সাহিত

জালাণ ও কথোপকান, অক্সপুনারের কা বিধান প্রাকৃতি সক্ষে নানা কর্ণার অবজানণ প্রথম অভি স্বাবান্ত চিন্তাকাক হইয়াছিল। প্রথম পাঠাতে সভাপতি মহালয় অক্সনান হতলিবিত লোলাবিলা ও একথানি মুক্তিত প্রতিলিভি তাহার পৃত্তকালরের জালিকা সাহিত্য-পরিবংকে প্রথমন করিবেল । পরিবং আত্তরিভি ক্তক্ততা প্রকাশ করিবা হত্ত মুক্তার অক্সনা করিব করিবান করিবেল।

৮। তংগরে ত্রীয়ক ব্যোক্তেশ মৃত্তী বহাণর শ্বাক্তরা নাক্ত এবছ গাঁঃ
করিলেন। তাবত মধ্যে বালালী ত্রীপ্রক্তের এচনিত নামনমূহের অর্থনত ও ব্যুৎপত্তিপ্
ত্রেণিবিভাবের ভেটা হইবাছে। ত্রীয়ক ডাক্তার রূদিকতক্র ট্রাক্ত্রী মহাণর ব্যিলেন, ডিটা
একবংগর পূর্বে লেখককে ও কার্থো হতকেশ করিয়ে অন্তর্গ্ধ ক্রিয়াছিলেন। বালালি
নামের উৎপত্তি ও শ্রেণিবিভাগ কার্থো হতকেশ করিয়া ব্যোক্তেশ বাবু ভারার অন্তর্গা
রূলা করিয়া ক্রম্ভভাতাত্তান হইবাছেন।

ভংগরে জীবৃক্ত নংগ্রহনাথ ভগ্ন মহানর বিদ্যাপভিত্র কভিগর পর পাঠ করিবেন । পাঠকাটে
নগেল বাবু বলিলেন, বিদ্যাপভিত্র পদসমূহের ছবে অক্ষরসংখ্যার নিরম নাই ; কাজাদ্রনায়ে
উহার প্রতিচরণে অক্ষরসংখ্যার ভারতবা হয়। লোচন কবি প্রশীত হাগভরকিশী এছ সভা
প্রকলি করিয়া বলিলেন বে, ঐ এতে বিদ্যাপতি ও অভান্ত কবির রচিত পধ্যের উদ্যান্তবন হার
বিশিষ্ক হন্দের বিবরণ বেওবা চইবাছে। নগেন্দ্র বাবু ভাষার সম্পর্যাদিক বিদ্যাপভিত্র পদাবনীয়ের
প্রপ্রভাষ্টতে ছবের নাম্বালি প্রহণ করিয়াছেন।

সভাপতি মহাশব্দে ধন্তবাদ দিয়া সভাবৰ ঘটন 🕻

্রিশিবাপ্রসম ভট্টাচার্য্য সমার্গত। প্রীরামেস্তাহ্মশার ক্রিবেদী। সংগ্রহণ

विट्रांश खिदवान ।

^শা ১-ই ভার, ২৬ খানট প্রিবার, খণরাট্ট ১৮-টা উপ**হিচ্চ খনিকা**

दोवुक ताव वरीक्रमांच कोवृत्री धान, का वि, धान (नकानकि)

श्रीहरू हे एउट्टमांच एड ८म, 📭 वि. 🐠

- · Fertigine To The Report
- " इतिस्थान वित थे,
- · siferesta (44 04, 4
- · टांबसनाथ सम्मार्
- विकार क्यानुवात वात कोनुती ।
 - " निविगनांथ होत्र वि. अन
 - " मक्कानाथ (सम वि. 🖦
 - " नक्षांत्रन राक्शांनाशमंत्र दि 🖦

ক্ষুদ্ৰাৰ বিষয়বন্ধ দেন কৰিয়ন্ত্ৰ

शास्त्र वार्षिक कार्य-विवयने।

জীবুলা রাখ আগবচন্ত্র চক্রবর্তী বাহাছর

- 🚮, शांष देवकुर्वनाथ वस वाशक्त्र
- ্ৰভাৰৰ দেন (বছৰতী-সম্পাৰ্ক)
- শ্বেশচন্ত্র সমাজপতি (সাহিত্য *)
- " বভীজনাৰ বন্ধ (**অস**ভূষি ")
- " পাঁচকড়ি ৰোজ্যাপাধান বি.এ. (টেলি: ")
- " विश्वीमान मत्रकात (रक्ष्यानी "
- " बीरतबर मार्ड
- " मुनीसात्म मार्थादम्"
- " वागीमाथ मन्त्री
- " इंश्विक वस
- " मरशासनाथ वस्
- " मस्प्रदेशाहम एव
- " অমৃতগোপাল বস্থ
- " शेरब्रह्मनाथ चरा

প্রিক অনুভলাল নশ্ন

- * इतिद्वांस्य मूट्यांमाशाय
- " (श्रीत्रवृति रगन
- " वडीक्षरमारन योगडी दि, ज
- " : (बादमस्मान हत्यानामाम
 - পোৰিকলাল ব্যৱ
- ' यसपनाच रक्ष्यची (निम्न च गाविषाः
- " স্বাহান কণেব (কেউছর <u>)</u> নিজৰা^{ছীত}
- ' সভীশচন্ত বিভাতৃৰী আৰু ব
- " মৰিয়েকন দেন
- " সভীশাল সমাৰণডি
- " प्रत्यमध्य रह
- " वीद्यक्षमांच चरा
- " श्रद्धांशरणांभाग वस
- " शास्त्रक्ष्मत वित्यशै वन, व (गण्डाक्क) त्यानत्वमं मूख्यो | स्वयादिक स्वयादिक

এতথ্রি বছপত ব্যক্তি উপস্থিত ছিলেন।

থক্ধানী পঞ্জিলার খনতে নাল ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত কর্মাণ ক্রান্ত ক্রান ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান

প্রকাশিত হইয়,ছে] "বমুমতী" সম্পানক শ্রীয় জ জনধর দেন মহাশর এই প্রপ্রাবের সমর্থন ক্রিয়া বোগেলচজের মহাত্তাবভার নিয়র্শন শ্বরূপ এক্রিন বলবাসী ছালা বন্ধ ক্রিছ **ন্দিনামূলো বহুমতী ছাপিয়া দ্বার বিৰ্ব্ধ বর্ণনা করিলেন। তৎপত্নে এই প্রস্তাবের অনুযোজনে** পণ্ডিত শ্রীযুক্ত বীরেশ্বর পাঁড়ে মহাশ্র বিশেষভাবে বোগেল্ডচল্লের দেক্তালের হিন্দুনীতি প্রিয়তার উলেগ করেন। "হিভবালীর" সহকারী সম্পাদক শীযুক্ত স্থারাম গণেশ দেউত্তর মহাশর বেংগেস্কচন্দ্রের নিকা বাভতে **অবিচলিততা ও বাবসায়বৃদ্ধির উল্লেখ** করিয়া বিলেষ প্রশংসা করেন এবং বলেন,ভাষার তাঁছার অপুর্য অধিকার ছিল এবং তাঁহার সকল লেখাই মর্ম্ম-क्तिकाती अ मदल । करनात द्विपुक्त शेरतकाताथ मक अम, या वि, अन मश्नव विकीय आखाव উপস্থিত করিলেন "ৰূদীয় সাহিতা-পরিষৎ যোগেঞ্চজের কোনরূপ শ্বভি-নিদর্শন রক্ষা করিবেন, ভক্ষর অর্থসংপ্রতের এবং কঠনা নিদ্ধারণের ভাব পরিষদের কার্যানিকাছক সমিভির উপর অপিত হউক"। এই প্রকার করিলা হীরেক্স বাবু বলিলেন,—পরিবংপ্রতিষ্ঠার পুরের প্রাচীন বাল্লা পুঁলির প্রচাব গোগেরচক্রই আরম্ভ করেন। পরিষৎ এই কার্যো তাঁহার নিকট দাহাক্য পাইরাছেন : হিন্দুর শা**রগ্রহগুচারে দেশকাল পালের পার্থকা** বিবেচনা করিয়া বেদবানের স্থিত বাজালায় ভাঁহার নাম উল্লেখযোগ্য। ভিনি বর্তমান আনোলন প্রণালী অন্ধনোধন না করিলেও প্রক্তুত দেশহিত্যী ছিলেন। তৎপরে হাইকোটের উক্তীণ প্রীয়ক্ত শিবাপ্রসন্ধ क्रमेगिया वि, कः, वि, এल महानव अहे अञ्चाद समर्थन कतिया तत्मन एए. वस्रवासी अवान ১১ এখ পর্বসূত্রে তিনি বোণেল্রচন্ত্রের মহিত বছুতার আবন চিলেন। তাঁহারা উভয়েই এখ · बिक्किकः तार्शकक्षके मसमाभावरणह मरमा मरवामभव भारतेष ম্পুণ জাগাইয়া নিয়া শিয়াছেন। क्ट बावता ५७. व्यारम्यकः वयन सरमारवाद **क**रका করেন। তৎপরে সাহিত্য পরিবদের অঞ্চতন সহকারী সম্পাদক ঐত্যুক্ত নথাধনোহন 📷 বি, এ महानंत्र এই প্রস্তাবের মধুমোদন করিয়া বলিলেন, নোনেপ্রচক্ত ঈশ্বরপ্রেরিত লোক ভিলেন। তিনি নিবতিমান ছিলেন। অভিমান ছিল না বলিয়াই পর নিন্দায়, পরের রালিতে উত্তেজিত व्हें ब्रह्मी क्रीन (काम विन मानहानित साक्षमा नाहै। धरणात माहिष्ठा-भारत्य-भविका मुल्यातक প্ৰীয়ক নগেৱানাথ বস্থা মহাশ্ৰ ঘোণেক বাৰুৱ স্থাত এছগাকশে বাঞ্চা সাহিত্যা নুজন জন-मकारदेव डेटनथ कदिया **बनिरणन,** तरक आधि रा परक्षित्रचा वावकारद कुरून कारकांगत डैनिश्चिक , करेगार्ट, बे ियर यश्रवामी भएक यहभूरका व्याद्यां कि करेबाहिन ।

তংশতে অণাপক শ্রীবক্ত সতীশচন্ত্র বিভাত্যৰ এম, এ মহাশয় তৃতীর প্রস্তাব উথাপিত করিলেন,—"বোগেজচন্ত্রের পেকেসকর পরিমারবর্গের প্রতি পরিমর গভীর মন্ত্রেমনা প্রকাশ করিছেছেন। এই সংবাদ সভাপতির স্বাক্ষরিত করাইয়া তাহাদিগকে বিজ্ঞাতি করা হাত করিছেছেন। এই সংবাদ সভাপতির স্বাক্ষরিত করাইয়া তাহাদিগকে বিজ্ঞাতি করা হাত করিছে বিজ্ঞাতিক মহাশ্য বিগিলেন,—বল্বানীর ধর্মানেলনে বল্পানিক স্বাক্ষরিত করিছে, বলসাহিত্যের ইতিহাবে ইয়া উল্লেখনায়। অনেনা কালোক্ষের প্রবিদ্যাত করিছাছে, বলসাহিত্যের ইতিহাবে ইয়া উল্লেখনায়। আনেনা কালোক্ষের প্রবিদ্যাত বল্পানিক বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানি

ভোটের উজীল প্রায় ক বিশ্বনাথ লাগ বি, এল মহালর এই প্রভাবের সমর্থন করিবা যোগেল্ব বিশ্বনাথ লাগ বি, এল মহালর এই প্রভাবের সমর্থন করিবা বাংগেল্ব বিশ্বনাথ লাগ বি, এল মহালর এই প্রভাবের সমর্থন করিবান ও প্রথমি বিশ্বনাথ লাগ প্রথমি করেবা বিলিনেন। তৎপরে ব্যায় বিশ্বনাথ লাগ এই প্রভাবের অল্বন্ধার করেবা করিবাল করেবা নালাগ এই প্রভাবের অল্বন্ধার করেবা করিবাল করেবা নালাগ বিলাদে, ভালা আন্দেশন রহণ লাগল, ব্যায়ের করেবা করেবাল করেবা

ত্রের নার্কারের নাশানত তি ও পাঁচকড়ি বন্ধোপাবার, বি, এ মহাশর বোগেন্ততরের নার্কার করিব নার্কার করেব।
কর্মান করিব করেব।
কর্মান করিব করেব।
কর্মান করিব করেব।
কর্মান করিব করেব।
কর্মান করিব।
কর্মান করেব।
কর্মান করিব।
কর্মান করিব।
কর্মান করিব।
কর্মান করিব।
কর্মান করিব।
কর্মান করিব।
কর্মান করিব

क्षित्र मार्थसमाथ रस् (ग्रहानिक

क्षित्रक शायकतः विश् वृतीसनाथ गालाइप मालगाप ग वटी इत्यास्त राज्ञी निमगनाच य कीरबार शमार विवासितार क्षीकृषात्र दन দতীশচন্দ্ৰ বিভাতৃৰণ कर्यक्य वि भक्षांनन बन्धानीसाइ ভাচনাথ বি ननिरुद्ध विव बाद्य स्था वानुगाहत्रण त्यांच विष्णा कृता CHITT

मर्कामणाञ्चित्रक स्थित्रक नर्वास्त्रनाच वस्त्र सदानम् कामरि অভ আমৰা নিভাৰ শোৰাৰ্ডহ্বতে গতাৰ্গে উপৰিষ্ট ইইছ क्षामारमञ्ज्ञ समावृधि वरमञ्ज वावरक्ष कारमन कृतिया उस्ते ১৬३ चट्डोवर कास्टिप कर त्यास्थायत अस्माद कार्य ममुष्ठ (वेटनेव वहत्वांने कालाव कालताकिएक नवर्गतके क्रमीक्षर प्रावनीतित्र क्यांनवन चारनाहमा करका वा ज्यामारमक क्षत्र धरे क्रांकन जानाटक ज्यानम व्हेताटक रचक सकेटक शास्त्र मा। बहे तक व्यक्ति श्रकाय

বিশ্ব নির্দ্ধি বিশ্বরী কালের বিশ্ব বিশ্ব

সাহিত্য-পরিষৎ-পত্রিকা

শীনেশ্র'ব্য'ব্যস্তাল ও সাহিত্য" পুস্তকের উচ্ ত বাশালাভাবার আটীন কাষ্যাদির ও বৌচমুগের অপ্রতীল এ প্র-তাবিকা রাজ্বংশী ভাষার পরতালকার নামান্তর মাত । এতথার অপ্রান ক্র দে, এককাল বঙ্গের স্ক্রি রাজ্বংশী ভাষার প্রচলন ছিল ও ভদ্মার কাষ্যাদিও রচিত ভিইম্ভিল । প্রত্রণ সাজবংশ ভাষাক্র বিশেষরণে আলোচিত হওৱা স্কাধা কর্তবা।

কেছ কেই মনে কবিতে পাবন বে, রঞ্জপুর, কোচবিহার প্রকৃতি স্থান পুর্বে আসাম সমিবিত বিলিয় আসাম কেনির আসামী। মেছ প্রভৃতি ভাষার সহিত এ সকল স্থানের ক্ষিত রাজবংশী ভাষার প্রেমিল সাল্ভ আহিলে পারে। বস্তাহা আসামীভাষাও সংস্কৃতমূলক বলিয়া বিশুদ্ধ আছে প্রাক্তবংশী ভাষার সহিত ভাষাের যে পরিমাল সাল্ভ আছে, রাজবংশী ভাষার সহিত ভাষাের বিশুমান আদক সংগ্রাল করি। আই মেছ প্রভৃতি অনার্যাভাষার সহিত বাজবংশী ভাষার কোন সম্বন্ধ নাই। এনত অবস্থাহ বাংকালীভাষা, আসামীভাষা বা অনার্যাভাষা সম্ভূত বলিয়া উপেকার বিশ্ব নাই।

এক্ষণে আমবা উহার বিভক্তি-চিক্সাদির বিষয় সংক্ষেপে উল্লেখ করিয়া শনসংগ্রহে প্রায়ুত্ত হইবঃ

इंड्रक्ट्सि छाबाँड विश्वकि रिक्टांक ।

প্রথমা বিভক্তিতে গ্রাক্তে 'এ' সংযুক্ত টেরা গাবে শ্রাক্তবার তাকা দি নির্ম কজ্ঞান করে নাই। যগা—রাজানে ডাকে,—রাজা ভাকে, চোরে জামান্ নির্দ্ধেটেরি সম্প্র কইনাকে ইত্যাদি।

প্রান্তর লার ছিতীরাতে রাহ্যকালী তাবার সর্বাত্র 'ক' বিভক্তি চিল্ল সংবৃদ্ধ কর্বরা থাকে।

কুরাণি বালালার প্রান্ত "কে" সংবৃদ্ধ কর না। প্রাচীন কবিভালিতেও এই বিতীরার 'ক'

কানেক ছেবিতে পাওয়া যার। নীনেশ বাবুর প্রান্তকর উদাহরক হলা—"সে যে ভার্যা অন্তক্ষণ
পতিক চিন্তর", "লীয়ক মালিতে বার বেব ধনজারে" ইত্যাধি। প্র পতিক লীম্নক এবং
তোক, মোক, রাজাক ইত্যাধি ছিতীয়ান্ত। করক কারকে 'ক' দি' সংবৃদ্ধা হইরা খাকে,

ধরা—"লাও দি ভাত কাটচে" "লাওত লাভ কাটচে"— বা ভারা লাভ কাটিয়াছে। অবিকরণেও
'ভ' সংবৃদ্ধা হইরা থাকে, কুরাণি বাজাগার প্রান্ত "করে করে না, কর্মা—"হাজত পার্ক্ষণ
নাট"—বাতে পরসা নাট। "ঘরত ভাত নাই"—ঘরে ভাত নাই ইজানি। বিশ্বরাতে 'ই'
পার পতিবর্তে 'প্র' সংসৃদ্ধা হইরা থাকে। বরা—"বাসরাত্র যাকো"—আনবাই ঘাইর। 'বর' ও
'প্রাণ্ড' শক্ষাকে যোগে সর্বান্ত একবচনাত্র পম ক্রম্বনন হইরা থাকে বথা—'প্রিক্তপা' 'শ্লাওয়ারদর' – ভোলরা ইণ্ডানি।

ভাৰক্ষীৰ ভাষাৰ উচ্চাৰণাৰে লাভ**ও কৰেকটা বিশেষৰ এগানে উন্নেধ কৰিছা পৰ্যুৱালিকা** বেওয়া ঘাৰ্যা হচে ৷ পৰের আদি বাৰ্ণা সামুক্ত 'হ' একার সর্বাত্ত 'হা' এর ভার উচ্চারিত ইইছে— তাম— আম, বেশ—'বা'ল', তেল—'কাল', কেশ্—**তিশে' এইরণ পড়িতে ইইছে** ৷

and the second

ভালবাৰণ নবো চ, ছ, ল, ম, ম, ইজারণ দক্তাবর্ণের ভার হইবে। 'ড়' 'র' এর ভার স্থানে স্থানে উজারিত হইরা থাকে। কুআপি 'র' এর স্থানে 'ড়' উজারিত হয় না।

ৰাজ্যানী ভাষাৰ ৰচিত প্ৰস্থানি।

রাশবংশী ভাষার অনেকানেক মৌলিক কাব্য রচিত হইরাছিল। তর্মধ্যে মানিকটাম ও গোলীটাম রাজার গান উল্লেখ্নযোগ্য। তৎপরবর্তী সময়ে চক্রাবলী, সত্যপীর, নিজমণাগ্লা, ইরান্বাদসা প্রাকৃতি জনেকানেক কাব্য উপাধ্যানাদি রচিত হইরাছিল।

ঐ স্কল কাব্য তুলট কাপুতে পূঁথির আকারে অনেকানেক দরিপ্রের গৃহে বিরাজ করিতেছে। প্রবিশ্বনেধকের করেকথানি মাত্র হস্তগত হইরাছে। পূর্ব্ধে বে সভাপীর কাব্যের উল্লেখ করা গৈল, উহা করিয় অভিনব স্পষ্ট। রামেখরী সভানারারণের সহিত কোন অংশে ভাহার বিশ্ব হর না। পূঁথিখানির আকারও অভি বৃহৎ।

মহাভারত, রামারণ, পদ্মপুরাণ, ভাগৰত ইত্যাদি গ্রন্থও রাজকাশী ভাষার **অর্থানিত** হটরাছিল। কোচবিহার রাজোর অন্তর্গত মধুপুর নামকাধানে রাজকাশী ভাষার মাধ্য রাজ নামক ভক্তের বারা পঞ্চল শতালীর অন্ত্রাদিত তাগবত গ্রন্থ অভ্যাপি বৈক্ষণার্শে বীক্ষিত লোক-দিগের বারা প্রিত কইতেবার্শি

রামারণ ও পদ্মপুরাণ বগাক্রমে রামদেওরান ও ভাসান বাতা নাম ধারণ করিবা প্রাপার্কণে, গোকের বাটীতে গীত হাজা থাকে। ভাষাদিগেব লিপিত পুঁলি প্রকলেণক কর্তৃক সংস্থীত। হইরাছে। তৎসম্বাদ বিস্তৃত আলোচনা করিবার ইচ্ছা বহিল।

সমগ্র মহাভারত রাজবাশী ভাষার পছে জন্তবাদিত হইরাছিল, ইহা প্রবছনেথক বলস্ক্রেক্ত হানীর পণ্ডিত মহামহোপাধারে প্রিযুক্ত বাদবেশর তর্করক্ত মহাশরের নিকটে অবগত হইরাছেল; কিব বছ অনুস্বানে তাহা এ পর্যান্ত সংগ্রহ করিতে পারেন নাই। এতথাতীত চতীর পান ও কুশান গান (লবকুশের বৃত্ত) রাজবংশী ভাষার শুনিতে পাওয়া বার। এ সকল পালাজ বৃহহ। মনাই বাত্রা, জলনামা, করিম বিলাপ, প্রভৃতি মুসলমানী গানও রাজবংশী ভাষার শিক্ত হয়। প্রভানির বিষয় বারাজবের বিয়ত হইবে।

सल्प्रस्त समीत मकार प्रकृत

गर्सनाम । (क्रमार्ग) वि

পরিমার

শাৰি শাৰম

and the second		শ্বিকাশ্য
(मजनारव")	(gueka")	,-+
शमांक्	যোক্,	সামান্ত,
হামার ঙ্গা ক্		আয়ারিগতে,
शंगावधतक्	***	
र्माक्ति	***	খানাখারা,
হামারওলাক্কি	W-0 (b.	चांगाविटनवांबा,
হা নার্যরকানি	***	***
राह्म	6 ~64	चांगात,
े हें यात्रखनाड	e à 40	चारावित्तर,
হাষাতে	4 > 4	चारहरू.
হামার কলাতে	4.4	चाराविद्यंदछ,
(कार्य (७४ ७ सम्बद्ध)	્રેકે જ	yft,
তোষার কৰা	` % 41 ≈	ভোৰয়া,
ভোষারবয়	****	741
ভোষাৰ্	হেড়াক্	ভোষাকে জোকে,
তোষার ভগাক্	***	ভোষাদিগকে,
<u>তোমারণরক্</u>	₩ 40%	
তোশাক্ষি	তোভৃ দি	ভোমাৰারা,
হোনার ভগাক্তি	***	ভোষাদিরেবারা,
ভোমারদরক্ষি	***	***
ट्यामार,	cets,	ভোষাৰ,
তো মার ও লার	তোষার (বাবনিক)	ट्यामानिटमग्र
তোশারবরের	***	2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
তোমাতে	ভোৰাত্	रक्षणंटक, ट्यांबाह,
ুতা দার ভগাতে	•••	continues.
बिन् डा	are .	विवि. ८६
ंस्त्रकृ त	The state of the s	गंशन,
रामाबदव	***	
सामाक		
बामांक्षि	The state of the s	
द्यावणगास्दि.	A STAN	
12, 1	Mary Company of the C	

শন ১০১২ } বঙ্গপুরের দেশীর ভাষা 🐰

	Manuel But and addition	\$\display \text{\tint{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\tint{\text{\ti}\text{\tin}\tint{\tex{\tin}\tint{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\text{\texi}\tin{\text{\ti}\titt{\text{\text{\texi\tin\tint{\text{\texi}\ti}\tex{\text{\text{\ti}}\tinttitex{\text{\ti}\tittt{\text{\ti}\t
क्षेत्रम्		প্ৰতিকাৰ
महामहरू)	(प्रका रन')	, , ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
यामात्रपत्रकृति	वाक्षि	राशक्रिनंच राजी
ৰাশায়	শার	गरांब, गांब,
बाम)एड	गाएक,	বাহাতে, বাতে,
णम्त्रा (এक ७ क्वक्टन)	উ ায়	ভিনি, লে,
ভাৰ্ৱাভলা	•••	ভাহার
ভাৰার্থর	***	
তামাক্	ভাতে,	ভাহাতে, ভাতে,
जाना बाह्य		ভাহাদিনকে,
তাৰায়ধ্রকৃ	*	
डामाक् मि	***	ভাহাৰাৱা,
তামারবরক্ষি	তাক্ষি	তাহাদিসেধারা,
হাৰারগুলাক্ৰি	***	**************************************
ভাষার	ভার,	GIER
তামার ওপার	***	जाराविक्षा
তামারহরের		
ভাঙ্, ভাতে	***	ভাৰাতে,
थम् <i>ता,</i> (अक ७ वहन्त)	এই'ৰি, এঁথাৰ,	हैनि, এ,
এম্রা ধলা	419	रेशना, अन्न,
रेमात्रपत	***	
এমা ক্	रेशक्	रेशंदर, अस्त्र,
्रमात्रक्षनाकः .	***	रेशक्तिस्य
এমারবরক	***	रेशांक्तिहरू,
अग र्गि	***	रेशपान
हेमाक्षि .	164	ः देशपात्राः
এযারগুলাক্ষি	1 64	रेराविरमधानाः 🗵
अगोजनप्रकृति	***	***
ania, daia	এখার (বাবনিক)	tin, Co.
unica, trica	***	the tree
अमृश्चिमांटक	***	Mark was
देशायकारय	W.	

সাহিত	प्रशित्तर शाजका	
रर		প্রিভাব
ৰেণী কাৰ।	(कृष्णाःगं)	*
(সম্মার্থে)		ड नि, ĕ,
উ म्हा ् ध्वक । अ वहवस्य न	একার (যাবনিক)	उद्दा त्रा, अत्रा,
উম্বা ওল	• • •	***
<u>स्था</u> नभूत	***	केहारक, अरक,
चेंद्राट्	***	डेशक्तिरक,
উম্বেওশাক্	, 11	
উমারদবক্	•••	উ हांचात्रा
উমাক্দি	***	উহালিগোৰারা -
উ मात्र धनाक्षि	***	
উ मात्र कर्म	4 * 1	# * *
	উন্থাৰ (হাত)	डेबाब, ७४,
উমার	***	डिहामिटशब्र, खामब्र,
ड मादक्षात	•••	a#
क्रमा व्रष्टद्रव	***	डेर ाट ड
উন্নত্ (অপ্ৰাণিবাদক	***	***
व्यक् भारमन श्रीत्रवर्ष)	***	डेक् रट ड
डेबारङ,		***
ভাতে	•••	₩ (.* ,
केंग्र	•••	काडारक
কাৰ্	***	কাহাৰা রা
काकृ षि		इंडेक्न, डेक्न,
(मार्टनांबन	***	• • •
(महामार्थ)	•••	"概御",
कर्द्र	***	সম্ভ, সকল,
> ₹*	***	***
সম্ভগ গুল	***	शक्रल
≈ k _{ek} (#	***	4,4641
, .	Constant of a l	****
•	विट्निया श्रम् ।	
ক্ষেত্ৰং প্ৰিচাৰ	a Poly	· ·
নাক্ষ্ণ - ক্ষেত্ৰ কথ্ড	[न] है। है ज ी	
शक्तिः कर्नान्देर	শাস্ত্র	পাৰ 💮
WITH A		

অভিযান, গোৰা সন্তানাদির নাম |

74 বেটাছা ওয়া ছেলে, সম্ভান FIST 441 বেটাছাওয়া ट्यान, निरम, इहेम, भहेग, ব্ৰীলোৰ মহিয়ামাত্র बागक, निष বায়ক

बब्द्राय गयत्वत्र माम ।

स्रूपावि সাগাই সোমর 3 महिन्ना, रहार स्रूप সাগাই यामी সোমানী 45 ভাগিনীপতি यक्तार ৰ নিষ্ঠ প্ৰাডাৰ স্থী বোহাসিন (আইডাড र्क लाकाव की कारिं। ভাইৰ CHCT मार्कना जनगी महरू

দেশীভাষা	পরিভাবা	ofterel (পরিভাষা
শাভূ ভাই	স্থানিকাপত্তি	পুত্ৰাৰেটা	প্ৰবৰ্ষ ভাষা
ভাৰৱাই	ভাৰুই	পুভরাবেটী	পুত্ৰবৰ্ত্ত কমিনী
विदा हे, विदा न	বৈবাহিক, বৈবাহিকা	পোষানীবেটা	শোষপুত্ৰ

ইত্যমেশীর প্রবের নাব। (কালাছুলারে)

देवभाश"	देवमाच व	ালে বাহার	बग्र हर,	हित्रान्	नैजनात्न राशंद क्या हद,
আবাড়	वांगाह	**	•	পোরাজু	ल्य तारक " "
ভাছ	ভার	*	10	ছপ্রিয়া	(वना इहे शहरतन नमहामार्गात जन रहा
वानिना	वाचिम	•	*	আকাস্	इक्टिक्स नवद गरात्र क्या दर ।
ক'তিৱাম	কার্তিক	10	•	भावन	बृद्धित विन योगात क्या एत ।
পুৰু	পৌৰ	*	*	44	कड़ वृद्धिक शिन गांगात सम्ब दश ।
मधी	मांच	•	30	সঙ্গৰ্	मक्रमगारम गाणात कव स्टेबारक ।
का खना	शक्न			ৰুদাক	वृथ्याद्य राहात अस स्टेमाइह ।
टेडन	टेड में	*	•	বিবাছ	বৃহস্পতিবারে বাজার জন্ম হটবাছে।
লোনাৰু	उह्न ग्रम	ৰাহার কর	रह,	ওকাক	कळ्यात्व बाराव वय रहेशांट । ,
चौत्र	##YE	, ,,,			

वर्षम्ख नाम ।

হাওয়াই, বাওরাই, ভাওরাই, চেটু, বোলাকুটা, থাড়কাটু, থেড়, নম্ম, টোংসা, জ্যাওা, গ্যান্টা, হেনল, পাতাক, গাঁডাক, কিন্তু, কিনা, কাগাকড়ি, কাজিয়া, পিয়ালু, গাবলু, টিঁপোল।

ভশাস্থারে রক্তির নাব।

পোৰহা	ৰে মোটা,	बेट का	, ,	* *
डै।चिया	ৰাহাৰ মাধাৰ টাক্ আছে	শচা	बाहाब बानाकारण द्वीर	中华斯 美祖:
নিবাশু	ৰাগ অৰ্থাৎ জোগপুত মাজি	कानुका	त तम भाग	* 1 .
পান্তকা	·	वाकेविका	वक्रविनिष्ठे लाक	
লা প্ৰকৃ		वाडेनिया	অকর্ণা লোকের নাম	
ৰুভ ক	+			1911

County Spriviters are

, मंडेगी	ं हो	Durit	c#B)	3
i n	Expr	वगर्री 🏄 .	यत्	
শাস্থাৰ	ব্ৰুগ	treft	464	

are que la serie de la serie d	• • भूत्र	হুরের গেশি র জী		
হেঁলো	Å	শীতো	वाहरमा .	ংক্তেশৰী
কেনো কেন্ট	ब्रुट ा	wices!	नाकान	मृन् ती
यां जेंगी	পুটা	निटम	भू रही	, श्रमांही
चिट्ना चिट्ना	च टना	বাগ্ৰী	वाहरण .	विदर्श
भटमा	यटना	কোৰবাৰী	चामकी	इ.मामी
एक्टांबन	চেম্ড়ী	হাইছো	सनवनी	डेगरना
यमगी	বে মালবারে হইবারে সাতবালে বাহার কর		অক্টার্যাবে কর জোৎধারারে ক্র	त्रस्थाची व्यवस्थाची
নাতা নী টেশকী	নাওবালে বাহার নন জুলান্যকালে শ্রীহাতে। স্ভিকারমের কোণা	টপামৎক্ষের ভার বা	हात क्या क्या । य कहा क्षेत्राहरू।	•
• • • • •		बाबमात्र बाबुगारहं मात्र		,
কৌত	M	৪ন প্রস্তুত করার গা	শ্ৰৰ্থ * যে সকল সমলকা	call with
aiteal	C	তল প্ৰস্তুত কৰাৰ বা প্ৰশ্নিশিক বাসনাচি	र प्रशास । इ.स.च्या (सर्वास्ट ३	क्षिण बादक
डे हिंग्सी		गत्तकामात्रक पागगा। १८५व चत्र मिर्नाणकार्त्र		•
ভাগরবর্ত	***	१८७व यत्र । न मार्यस्य श्रुहादा भूकानित समय	com with boutte	विकास पर्दे ।
Aladia	,, 1	চ্ছারা পূজানর শবর মাস মাস বেডন বইচ	n states welled	क्षिकाशासि स्टब्स
মাস্কা		मान मान ८००म गरः भागविज्ञम वाराम भी		***
পাণাত্তি	***	পাশাৰ্জন বাধাৰ শ। ক্ৰিচা ও তদ ওপারী	त्रकः जिल्हा कविता क्षेत्रा	a difer fatte
खत्राजि	**	करत । करत ।	Andrea attention	

निर्वीष् परव।

चारावराती।

रहरिक्क

पान्त्र प्राप्त कोन

क्लोडेल, करियारका नकावन

माह्ना

(वहांक्री

Bigin

((माफ्रा) मरण पितन कतिया बालावा बीविका मिलीह पर्रव।

পাৰীবাহৰ, ঐ সকল লোক কংজ্ঞ বিক্ৰয় কৰিবা বাকে,

মুসলমান ও কোন কোন কিছু সম্প্রনায় ঐ কার্য করে। চঙাল, নমংশুদ্র, ইবারাও মংক বিক্রম করিব। বীবিয়া

বিবিৰ প্ৰকাৰের বেশনা ও বিক্রণাধির গলনা, বিজে কাঁচের চুড়ি ইজাধি বালারা ব্রুক্তর কবিলা বাঁকে ।

· সাহিতা-পরিষৎ-পঞ্জিকা

লপীকান		4 €
बनमित्रा		বে সকল মুসলমান বললে বোঝাই দিয়া লোকের গৃহহ গৃহহ
		ভপুৰ বিক্ৰন্ন করিয়া বেড়াং।
শাইকা ৮	• • •	वानान, मुननमारनद मरवा अवञ्चानरवर्ता करे छैनावि बांबन
		कतिका शांरक ।
ी वाज	•••	গানের দলপত্তি বা অধিকারী
হা ওয়াইকং	••	আতস্বাদী নিৰ্মাণকারী
ভাৰৱাই, ভোন,		নবমা, কুলা, ডালা, প্রভৃতি গ্রন্তভারী লাভি বিশেষ,
•		ইহার। শুকর পালন করিয়া থাকে।
প্রবামাণিক, বহুনিয়া		গ্রামের সধ্যে মানীলোক বাহারা ক্ষমিগারের নিকট সামাল্ল
	-	ভাত্তা প্রাপ্ত হইরা মকঃখন কর্মচারিগণকে আদার ও ক্ষিত্র
		সীমা আদি নির্ণরে সাহায্য করিয়া থাকে।
बाषिका	• •	চন্দ্ৰবাৰসায়ী আছি বিশেষ ইয়াৱা বিবাহ পুৰা প্ৰাকৃতি চোল
•		সানাই ইত্যাদি বাজাইক্স খাকে।
শ্বড়া গ্রী		ভধিক পরিমাণে গুড়বিক্লেডা মুসলমানের সন্ত্রমস্যচক উপাধি
শ্যসরী	* 1 *	পদারী, মিশ্রি, মদলা, বিবিধ গাছড়া ঔষধ প্রাকৃতি বিভেন্টা
ৰাইন	* * +	कान, दर्शन, इक्शा श्राद्ध वानक
बाँगी		হেকেড়া, ঘাটকের যাস সাগ্রকালক। সুস্কুমান বাজী গ
	•	त्रक्रभूरतत दकान हिस्सू ७३ कांग्रा करत मा ।
बाट्यांग न्		গো-বৃক্ক
रानुक	***	হল্ডাপ্
(बामा		ওকা, নত্ৰাদি বাৰা বাদাৰা কৃতপ্ৰবেদ চিকিৎসা কৰে
44		कांग्रेन, वक्षकान, मातन, आकृष्टि महस्दि
পড় ম		via .
था डाकम्	• •	রুং করাৎ হারা বুলছেনভাতী হিন্দু অথবা মূসলবাস
के के लिखर		त्रवागरका स्का
बुनाडी		শ্ৰণবিক্লোৱা
া য়েন		গদ্শা, দবি, ইশ্ববিক্রেডা স্বাভিবিশ্বেক
गुनादे	•	বাতা সম্পোবিক্রেডার উপাধি
वाडिकान	* 1 *	গাটনী
ধাড়ীকাল	۵.	ला-नकानक
निकारी	***	পুচরা মালাল,
		in the second se

ৰেশীভাষা

ৰভিষা

ইন্দলাঠবিক্তো

সর্কার

নেহাথতি লেখাপড়ার অভিজ্ঞ সমাত হিন্দু বা নুসন্মানেছ

উशांवि ।

वानिया

বর্ণকার, ভাক্রা

দেওয়ানী

· ১। পরিবারের মধ্যে প্রধান বাক্তি **অর্থাৎ কর্ত্তা**

ই গ্রামের চতুর লোক বাহারা আইন ইতাদি আনে এবং

মকলিয়া, মামলা, উপন্থিত হইলে পরসা লইয়া পকাবলবন

করিরা পরামর্ল প্রদান ও মোকলিয়া সংক্রাক্ত বাবতীর

উজোগ কবিয়া থাকে, পরীগ্রামে পুলিশ ইলাবের সাহাত্তে
দানী নির্দ্ধার উত্তর পক্ষ হইতে অর্থ উপার্জন করেন।

এই দেওবানী শেণী বারা পরীগ্রামের সরল এবং দরিজ্ঞ
প্রজারা বহু প্রকারে উৎপীড়িত এবং সর্কারার হইতেছে।

ইলারাই পরম্পরের মধ্যে বিবাদ বাবাইয়া রাজধারে সমনের
নোগ্রাড় করিয়া অর্থ উপার্জনের স্ববোগ করে। পুলিশও

ইলাবের ক্রপার বহু জন্তাব্য উপারে অর্থোপার্জন করিয়া
উনরগহরর পূর্ণ করিতেছে। বলা বাহল্য পুলিশ ও উকীল

মে ক্রারগণের নিকট এই শ্রেণীর লোক সমধিক প্রতিপত্তি

বাত করিয়া থাকে।

মকিয়ার

মোকার অথাৎ পাল করা নিম লেণীর আইনজা। ইহাদের
মধ্যেও অনেকে প্রোক্ত লেওরানী শ্রেণীর অভ্যাপ কুপরামর্লাভা ও অবথা মোকর্মনা ও বিরোধের ভাইকারক ১
দরিও প্রজাকুলের লোনিত তুলা অর্থানারণ ইহারাও কোক
অংশে দেওরানীগণ অপেকা মান নহে।

बरऊ १ एक ख जाहात्र **मस्क्रमोविश मान** ।

চৌৰাৰী

চারি ঢালাযুক্ত বর

বাংশাবর

क् ठानामुक चत्र

नाकाही पत्र

. हाति हानापूक वर, इहे हात का जाब हुई हात (हाहे

भागवा पत्र **पान्या**ः

SWINDLE CO.

है। हेगालबा

राजीय

(भागांद्रे सम्ब

ंशीबालयब

त्योक हान

দেশীকাৰা	Į.	• •
পাক্ই		পাৰ্বের চালা গরের নাম
G TI		क्रमा (केळावनभार्यका माँग)
সাঁড ক		করা বাহার সহিত বাবে, বঞ্চিন বেশে কোবাও আটন বলে
च्य ्य	• • •	ছাটন
লাইড়	٠	বে চারিটা বাঁশের উপরে চাল স্থাপন করা বার।
তীর •	• • •	
काराड़ी		विकासित रायांत्री वरन
≩₹	•••	चरत्र महेका
र. दा उना		খরের টুইকে বর্জা করার জন্ম জীরের উপর বে ১৪০ বা ২ হক্ত
, 4.e +4		প্রিমিত বংশধণ্ড স্থাপন করা হয়।
প্ই	•••	বালের ক্তম্ভ বা পুঁটা
খান		মরের পাড় রক্ষার্থ বে বঁচি ফাটা হয়, কোল কোল দেশে
*		कार्डाहे कड़ा बरम।
বীর	***	बट्देय (बड़)
- বেরি		বেড়া মাট হইতে রক্ষা কবিবার জন্ম বেড়ার নিয়ে বাঁলের
Q 7(a)		त व्यक्त कान (मध्या वाष्ट्र)
कृ क्ता	***	উলিখিত বাঁশের কাছিব নিক্ ছিয়া খাকে
কোৰাইক কোৰাইক	***	মরের সর্মানিবিতি দর ওলা
हान्का	**	দ্রপ্তমার উপরিস্থ অনায়তন বেড়া
ৰাড়া		न्धिन्य प्रमुख
हा ए अबा डी	***	দোচালা গরের গ্রাহ বিকের ছই চালের স্বধাবনী
), (O 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40	:	ক্রিকোশাকার চাদা।
ETWI		हा क्टना
ৰাকা ৰোকা	***	गृहत्कां
या िया	•••	and the second s
कानि -	***	परवास रक्षेत्री
্ৰেড, (ৰাড়)		STATE THE PROPERTY OF THE PROP
কাশিকা প্ৰাক্	***	CECTOR CONTRACTOR CONT
ৰা উ ট	• *	जाक कार्य सर्वान भावनित हो भाग कृतिहरू गार के जाता
1	- 1	कार्किक विश्वविक मिलिन ट्यारिक्सा वर्षका श्रीक व्यक्ति वरिक्
-	***	sten door crouts and an an entrans. But stat
बार्यस		क्षित वाक्षित नेवस स्थ, काराटक बीधार्थ नाम करन ।
r 🧠 ,-		The state of the s

शेषुत्रानि

রলপুরের দেশীর ভাষা

तिरिष्ठारा ৰক্ষিণ বেশের লোকে খন ছাইবার সমর বাহাকে নাঞ্জীর বলে वाबाड বন্ন ছাইবান পূৰ্বে প্ৰভোক চালের দুব দিয়া চারিবানী বাধারি সুকাড়ী বা গাড়ী দিয়া বভন্ন ভাবে কডকওলি বড় বাঁধিয়া বেয় ইবাকে মুকাড়ী बला। मिन्न प्रत्य अक्रम नार्हे। টুই ভাবা বরের মটকা মেরামত করা वन ছाইবার ফালে যে সকল বাঁধন দিতে হয় **हा इवैधिन** পুরাতন থবে ছানে ছানে বড় সংযোগ করা ৰোঁয়া দেওয়া চাপের সহিত পাইড়ে বে টানা বেগুরা হয় কাঁড়া হতনী পাটের সক্র দড়ি বাহা বারা বর ছাইবার কাজ করিতে হয় 🕫 পাটের যোটা দক্তি অসা (রুসা) ছুইন্সনে হাতে ধরিয়া বে পার্টের দড়ি প্রস্তুত করে। ুকোন ছোতা क्लान मान छाहारक कर्षा वरन। बांविका भागकार्छत्र ख्खा महें का গোলাঘর। व्हें हा বালের ছাঁচা। বাল দিয়া প্ৰান্তত, ইহাতে জব্যাদি রাখা বার, অভাবে লয়নাও माठा क्यां वांव। শতরকার্থে ক্ষেত্রমধ্যে বে অভি উচ্চ খুটির উপন্ন গৃহ ক্ষেত্রভ Þ. 24 t বংশ যাত্ৰা নিৰ্মিত বাডীয় খেৱা চেক্ওবার रेशात गोषाम कीक बाटक যাগানী খোর খোর ছই জাকার देशांत शीधान कीक बारक मा চাপা খোর বাৰটাট সমস্থ হইডে জন্মর পুথকু রাখিবার वृष्टिकीत्यानस्याचे व्यक्तवित्र मात्र । at/a - Pin स्थानी বাইস ं त्यक्ष वैद्याचा भवत विक् नुविकायमञ्जू पर नव प्रतिक मोचना व्यव

कृतिकारशात मन्नकाव ।

	પ ર્વ
•••	माज्य . "
•••	<i>‰</i>
•••	नाः ना
	ক্ষ্টিন মৃত্তিকাগও ভালিবার বস্তু বে কাইনির্বিত হাতৃড়ী
	ব্যবহাত হয়
•••	হাত বাজনে ধান্ত হইতে বিচালী পৃথক্ করাব ভন্ত বে বংশদঞ
••	পুর্পা
	শুসুহেলনের অনু
	হেছার
r	্মই এক স্থানিত আৰু ক্ষোঁৱালের সহিচ্ছ যে লক্ষি বাঁথা পাকে। 💡
• • •	্রন্থ ছোল গুড়র কছে সংলগ্ন করিতে হৈ রসির প্রারোজন হয়।
••	রেকৈ ও বৃত্তিরক্ষার জন্ম বালের ও ভাক্সাতা নিক্সিত ছব।
	· •
	•••

লাক্ষরে বিভিন্ন আৰু সকলের নাব।

₹म्	• `	লালৰ সংবৃক্ত কথা কাইনও	
कद्रात		्य करान क्षेत्रक्रक मध्युक शास्त्र	m
कृष्	, ,	्गोह्म्नक	
मुख्य		লাক্সকের যে স্থান কৃষক ধরিয়া গাকে	
পাতার		ইস্ শাস্তানর সহিত সাবুক করিবার ক্ষা তে বাঁলো দেওতা হর	本町本
नानाई		ইসের গোড়ার বে স্মাচ বাহাতে দারল আটক থাকে	
बाम्ङ		ইনের সচিত কোঁছাল বাধিবার কর বে পাঁক কাটা ব	गरक
मूकी	,	नामन मार्क वामन अ	
	তে পুথক কৰা	"मनान कता" वा "मांछा" वरक ।	,
		কুলা বারা উড়াইরা দেওবার নাম-"বাও দেওবা"।	
		राहक—किरान' करर:।	₩ A
		त्रात्क - <mark>वातावानी वरम ।</mark>	
ধান্ত গান্ত সৰু	ৰ কাটিয়া বুণ	ণক্ষতি করিয়া রাখার নাম—"পুঁজান" । 🕾 🗽 🔻	
		रहार पृथ्य स्था हा ठाराटय-"यगाय यन ।	
		\$ 50.1	

育月 2022]

শোমাল

••• विठानी।

দাভিতী ... গাজত প এক স্থান হইতে আৰু স্থানে সন্থানেই বছ ।

कुनहिर्देश नाह वर्षाय वाक बाहिनात स्नित्र स्त्रीति ।

এশ্বলে বলা আবশ্যক যে সম্প্রতি দেশীয় যন্ত্রের পরিবর্ত্তে রেশিক্ ও বার্ণ কোম্পাদীয় কোষ্ট্রস্থ খাবস্তুত হুইতেছে ও দেশীর যন্ত্রাদি ক্রমণ: লোগ পাইতেছে।

দেশীয় আকুমাড়া বশ্ৰের ভিন্ন ভিন্ন ভালের নাম চ

যুকীগান্ত

যে কর্ষিত বৃহৎ গাছের শুঁড়ির কতক আশ বৃত্তিকার প্রোথিত
ক্ষিরা উপরে তিন হত্ত পরিমিত অংশ রাখা হয় ও তাহাতে

একটা বৃহৎ গত্ত করা হয়।

শুণা

শুণা কাঠনও স্থাপন করা হয়।

কাড্রী কান একটা ৪।৫ হাত লখা কার্রখণ্ড বাহার সহিত পদ বোড়া হয় এবং বাহার উপদ্নে বসিয়া একটা মহুয়া পদ্ধকে চালিভ করে। স্বা

কোপরি যে কার্চ যও ব্যবহৃত হয়। ইহাতে বাটির **অনুর্যাণ** একটা গর্ভ কাটা থাকে।

পাঙ্লা ... বৃড়া গাছটার নিয় ভাগে ইক্রসমিগমনের বে কার্চ নির্বিত্ত

প্রণালী সংযুক্ত **থাকে।** মৃত্তিকানিশ্বিত বৃহৎ সামলা যাহা**তে ইন্দুরস পতিত হর।**

মোরা ... মৃতিকানিশ্বিত বৃহৎ সামলা বাহাতে চক্রস সাভত হর।

हँ দা ... ইক্রসের শুড় প্রস্তুত করিবার স্বস্তুত বৈ বৃহৎ উনানপ্রেক্টি

মৃতিকার ধনন করা হয়।

এছলে বলা আবশ্রক যে শুড় প্রস্তুত করিবার শ্বন্ধ একটা রহৎ 'কড়াই' বা কটার ও এটা "খোরা" অর্থাৎ মৃত্তিকার গামলা হ'লার উপর বসান হল। এক সলে ঐ সকল সংস্কৃত উনালে আন বেওরা হইরা থাকে।

লকী ... বৈ গুৰু লাউএর গোলের সিহিত একটা বংশকও সংমূক্ত ভরিরা কটাহ হইতে উত্তপ্ত গুড় উঠান হয়।

ছেউনী ... বে মৃতীক্ষ আর ধারা ইক্ষণত করিয়া কাটা হয়।

ভাত্রা ভাইনিবিত ওপ্লা; ধাহার মধ্যে এক থানি ইকু স্থাপর ভরিবা থও থও করিবা কটো হয়।

ধাৰীগাছ অৰ্থাৎ—তৈল মাড়িবার কেন্ট্রির বন্ন এই বন্ধ ইন্দ্র স্থাড়িবার কেন্ট্রির কল্লের অভ্যৱন কেবল ইবার সন্নিবা পেরবের দওটাকে "গুলা" না বলিয়া "ক্লাইট" বা আট বলা হন্ন এক কাত্রীর উপরে শেষণ ক্রিকার হাবিধার কল্প "ভরা" আর্থাৎ কাঠ বা পাধরের একটা আই ক্রা ভাশিত হইরা থাকে?

र मी

बनदेवत्र ५८कड कांबद्रन

MINUS SIM I

৬+ সিরা (কাঁচা) ও ৯+ সিরা (পাকা) ওদনে সের ধরিয়া এক বের পরিয়াণ ভঞ্জ বে বের মিশিত পারে ধরে ভাহাকে "টালা " বলে।

(কাচা) ও টালা

AF CHIA!

২**-** লোলে ¹

... এক বিশ।

५७ विदन

... এক পোটা।

जामारकत्र जनत्न कानावेली मन ग्रवहरू वत्र वर्षात काल १४० मत्न এक मन।

Wiele	CHEST	Min	ŧ
च्या कार्य	CTST	नाव	ŧ

रम्पेर कारा	**	***
MA, FA.	***	শৈৰ
े हैं हो	***	এই স্কল লমিতে পাট, কলাই ক্লোওধান্ত, চাব বন্ধ
গোশা	***	হৈমব্রিক ধারারি আবাবের উপযুক্ত ছমি
WID .	*12	ৰে স্থানে গুলাৰি প্ৰস্তুত কইটে পাৰে, এবং ভামাক, স্থান্ত,
		हेजाबिङ नमरद नमरद मानाम हत्।
८वक रावि	• > •	বে ক্ষিত্রে ঘর ছাউনির বড় রকা করা হয়
रा नशक्	***	হে কমিতে বাল ৰজে
वारेग	***	ক্ষেত্রের চতুর্দিকের বন্ধনী
नारि	***	মংক্র আটক রাখার লপ্ত বে বাঁধ বেওরা হর
भागा त	er + a	्रे च अक्
वान	•••	ৰ্কীত বৰিবাৰ কম্ভ যে পৰ্য ধনন কথা হয়
শাস্ত্র	***	ৰসত বাঁটাৰ 'উপস্ ভূমি।
	1	Plant was and
4		(2) ∀4 ,

राज हो अकाब स्था

विठ्डी

পাত বাত

(35 €

े देशकिक।

feine ante fre & there sie!

्रवितः, राज्यावदि, वारत-मारेम, त्राणपदि, त्राधानवात्र , व्यक्ति, मानामिता, वि. झांगारम्,

रूप शुरुद्ध (**भ्यो**त्र कांग

বিভিন্ন প্ৰকাৰ হৈগজিক থাকেৰ নাম।

অভি ক্ষাৰাত্ত --বিষয়ক, গোপাল জোগ, জগনাথ ভোগ, উক্লি মধু, নাউদধানি, পদ্দীয়াজ, श्रवक्रिक्षा, इथक्शम, ह्यान्ड्य, क्रोडीव छाल ।

यश्य दकरमद द्यांक -- १५७, शांकड़ी, शामि नारेन, करूमाना, माननिदा, अञ्च भारेन, বশোরা, ইভাবি (মোটা) কালা লাঞ্চলা ইভাবি।

CF THE পোম कार्डन কাউনি : টিনিয়া किल । ¥773 × मस्त्री।

८चनात्री (केळातने शानादी)

্টাউৱা भागक्तांहें

कुणि ঐ কাতীৰ মান এক প্ৰকাৰ কৰাই।

कर व

কোমার SIBT

শ্সসা স্থিয়:

ভাষাক WINTER !

হামাকুর ইন্য এক শেষীর ভাষাকের নাম; **অভ্যক্ত ভীত্র কেবল** পার্শের

স্তিও থাওয়া ধায়।, বিভিন্ন গ্লাকার ভারাকের নাম।--मा अस्टालीन, नंधनरकातीन, लाोक को. नोकाबात, सम्बद्ध-

राष्ट्रमा, एक्समधी, वास्त्रमा

PHO

শেশিকাজীর চায়াগাছ, বাহার আঁনে মাছ ধরা হতা ও জালাদি প্রস্তুত হয়।

चान, विक्रिय क्षणांच चारमह माम क्षणियों, (रुधानुवी, नुनी (नपा चान),

. (बाबाहें (नानात्यांका काव) काव्या (नानगर जात)

334 পেয়াজ পদাপ ৰোকা सगळ्याम, रांश वास मानत आहळ व्या

क्ट्र अतिवासात्र वर्षा--कार्रिवाकरू, यानाकरू, यानकरू, वहेकरू ।

निवय जिन. जेकाह वया-वाहेमन्त्रा, त्याकामम्। बाजिमन्त्रा।

গোল খালু প্রধানতঃ তিন প্রকার-লেপুর-পটুরা, শীল্ফিরাকী ধলাখালু । হাৰীপাৰীপানু, তেপালাপানু, নেৰবৰণপানু, ৰ चांशकांन, रक्षणकात, अकृषि देशके सामुक् · White.

घरमा बड़ोड महलाम ।

(क्लेंग्रहा	क इ ब	(न्नीकारा	444
愛な・ 打	रः गनि चित्र र रष्ट्रिः सम	ক্ষেত্	কৰানশিত ম্প্ৰকিশেস
जना ई	3	CHE	ঠ
ल कर	i.	ভাষী	3
(** *, 8	9) <u>&</u>	ধোড় ক	3
	रामकाप माबूक मोह करात, ग्यारा	हे मी	Zr.

इटमा क रिक क्टिए। मानः इस ।

ব্যক্ত প্ৰকাৰ মহস্চধ্য জালোৱ নাম—ক'সৌজাল, বাঁটিলাল, চট কালাল ঃ

HOME HIT

मस्टर् हैं।	বস্তু পুটা	8 _1.24.	ेग्स का ना
4 m/2	ण्यतामा क ता त्यां न्हर	1.445,411	ছোট ছোট চিংড়ি মাধ
* 1	तः गङ्गादे भाषाद्विगः २ ठाम	मंद्रेग	শকু সম্বয়
<u>्रा</u> नुभारक	50× 中心可	5 5 1	(支付) 事務 (1)
C 111	• • • • •	म्लग	्रमोकनारः
<i>ट्रमें</i> ५१रे	(दान त्राम अग आहे)	STATE .	रा छ।
M. D.	, इति दातन ऋषः वः भाकाण	元 855	ing die der min
格特 伊索	ৰ*** বিশ্ব	וביות	
ग डार्ड	3	M. A.C.	

বিভিন্ন প্ৰকাৰ প্ৰাৰ নাম।

বাই	শাহা	4174	constr,
शब्दी, ता बीडिया	4 559 7	शास्डी का शांस्का	रक्मा धक
श्रम्हा सक दा समान	रमर ;	নাকো তান	নে সকল নাম এছি নিছ
A S	कर्ष,	\$1\$	शुक्त क्षत
= ta . # = ;	नी वर	डेडर्गनम डे र्ग्	महिन
₹ • * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	<i>ব</i> বী	माण्-स	पर्वासीन गुः स्वी
क र का दानी	*·?;	শাভাগ	स्वत्यः दे
23 5 4	107	गरन व	and g
1 2 4 A 2 - 27 27 61	ते. संबोक्तम्	क्रमाना, नही, भाग	तान श्रीकानान, देशांकानान,

बार ११४४, लग्नालकृती, महिलक, महिलाला, बीकामीत

সন ১৩১২] শ্বন্ধপুরের দেশীর ভাষা

নেশকাৰ!	অৰ্থ	अवस्था	. A
মাত্ৎ	रिकागक,	সত্রে মাহৎ	अधान रिकानक 🎉 🗼
যেট্ মাহৎ	হতীর আহার্য সংগ্রাহক	চারা	হতীয় বাছ
চরাই	হ্ঝীকে স্বাধীনভাবে	ভাকুড়	হতিবন্ধনের বছ
	थाहेटड (मध्या	ধান্	रिक्सिक्टनव स्थान
षाष्ट्र .	কাটাযুক্ত লোহ	বেড়ী	लोश-गृथम ।
`	निर्षिण रेखिलम वस्नी	<u> চারকারা</u>	হতীয় পূঠে বনিবাদ জন্ত
ŭ. À	শৌহ ফলক যুক্ত		কাঠ নিৰ্মিত আগন
	৫1৬ হাত লম্বা বংশ-	ডাক্স্	अपूर्
	मञ, याङ्। बाजां दखीरक	वृत्ति रा श्नाकि	व्हीब भगा (क्हे प्नित्र मिष्
	আগ্রেড করা হয়।	ভূ শ্ চি	হন্তীর লেম্বের নিমে বে বক্ষ
ङ्भ	হন্তীর সেজ।		लोह थाटक। 🌞
हाईरमान	হালোৱান ভাগণ	মেড়া	त्मन,
रक्षी	ছাগ্ৰ	ঞ্গাছৰ	भृविक।
পাঠ।	3	विनाह	বিহাৰ
एका ३१	কৃত্	ভোটা	रक्ती
मदनदा	कांचे देखन	ধড়েবা	वक् देश्य
চিকা	ছুঁছা,	गाँ रेझा	গৰু মৃথিক
বাগ	साम	वाशि नी	্বাদী ;
v en	मृक्य,	শোশা	नर्गक । कुर्ज़ के कि कि
ाँग्रम ।	পট্টাশ	বেশী	नकृत
ছেলার	শ্বাক	বঁ নক্শিয়াল	বেঁকশিয়াব
গাড়ো, হাপ	া বনবিড়াল	ভাতি	उत्र,

প্রীক্ষরেক্রচন্তে রায় চৌধুরী।

প্রাচীন মুস্লমান কবিগণ।*

্ত্ৰী এই শিবতে ৮৫ জন মুদলমান কৰিব নাম প্ৰবন্ত হইন। ইচাদের মধ্যে অনিকাংশই একমাত্র ইউট্টি । তেই আবিভূপি কইবাছেন এই বিদাৰে সমগ্ৰ বাজালায় কত কৰিব আবিভূবি হইতে শাবে, হা সহজেই অন্ধুমেয় চট্টগ্রামেও স্বভালি সকল স্থানের অন্ধুপ্রান শেব হয় নাই। গাবের ভালিকঃ স্পূর্ণ নহে।

ে ৫ জন ভিন্ন সংনাককাশি গ্ৰহণ যুক্তিভাব নাম প্ৰকাশিত না প্ৰকাশ আনা হাইছে। পাৰ্থে বৰ্ণ । অনেক কৰি কোন শ্ৰাণ্ডিক প্ৰধাননা কৰিছে কেবল সঙ্গীত, পদ ইত্যাদিই বিভিন্ন শ্ৰাহেন।

বিশ্বালিকার ক কৰিপালের প্রায় সকলেই বিশুক্ত ধালাল। লিখিরা গিয়াছেল। জালারা লগালি বিশাছেল, অবচ বভিচ গলালির জারেনী পারেলী নামকরণ করিয়াছেন। জানেকশুলি গার কী কর্মপালের কালাল বিশার এগও নামকরণ কালিবার্যা হউরা পড়িয়াছে। মুনলমান কালাল কমন নিজারগের প্রদেশে আজন উপল্লিভ ক্ষানার । মাগুচ কার্যা দের চইনে এক গি প্রায়ের সাহায়ের লোকলে চনেব গোচনীকৃত চইলেই সময় মিলাবিল হউনে পালিব। লোকলে চনেব গোচনীকৃত চইলেই সময় মিলাবিল হউনে পালিব। লোক সাহায়ের গালাল সাহায়ে উল্লেখ করিছা করিই বীল কাম প্রায় বালালের পালিব। লোক করিছা করিই বীল কাম প্রায় বালালের পালিব। লাগে গালে লোক সাহায়ের করিছা করিই বিশ্বার স্বায়ের প্রায়ের লাকে হারেন। আবা গ্রাহারলন করি ক্র আর্থানিকও হউনে পালিব। কিন্তু করের স্বায়ের সাহান্ত আন্তর্ন। আবা গ্রাহারলন করি ক্র আর্থানিকও হউনে পালিব। কিন্তু করি সাহায়ের বার্যার সাহান্ত আন্তর্ন। আবা গ্রাহারলন করি ক্র আর্থানিকও হউনে পালিব। কিন্তু করের সাহান্তন।

ুৰ্বাশ্যান আৰু কৰে আন্তৰ্ণি প্ৰাচীন পুৰি গাওয়া যাইতে পাৰে। লাকিত্য-পৰিষ্ঠ ও বুসৰান ন নিক্ষা-সমিতি ভাত্যক উদ্ধানেৰ ভক্ত মনোযোগী কৰলৈ সুসলমান আভিন্য নিশ্বেৰ পৌনাৰ ভ নক্ষানেৰ কাজ কলা ক্টৰে। নিম্ন কৰিবাৰের ও ভাষ্যানের গ্রেকসমূহকর নাম ও সংখ্যা ভাই ক্টান।—

🎍 है रुप्तकारी 🕳) हाताव मध्याम-चडुच बाडवाम 🖓 २ देवकवनवांत्रनी ।

वेकी उपकासास- अनीन संदर्भन ।

क्षेत्र (स्वाक्षणाक) क्षांतिला क्षेत्र —> क्षेत्रकासत वात्रमान । २ त्युव्यत स्वत्रमायत बाह्यान हे

र्यः निकेश—» रमराज्य गाव**सा**तः।

होति क्षेत्रकरेकीक-> भरान सम्बद्ध । व्याप २०**० क्ष्मुद्रकर नृबंदकी क्षाक** ।

What at within the analysis and animals are president affice affices affices. The

প্রাচীন মুসলমান ক্ষিপণ

- । মোহাত্মৰ বাঁ --> মৃত্যাল হোলেন। ২ কেয়ামত-নামা। ৩ কানিম-বৃদ্ধ ইনি বহ বিনেয় পূৰ্মবন্ধী লোক। ইহার বিভারিত পরিচর আহে।
- १। ब्रुवाक्त्र-> व्यक्तिकात भाजत छेखता १२ हेनाम म्मानत भूषि। ।
- ৮। সৈয়া স্থাতান---> জান-প্রেদীপ। ই সাবে-দেয়ারাজ। ও জান-ক্রেটিজা । 'ই আইনিজ-বছুল। ৫ হজরত মোহাম্মন চরিজ।
- ৯। আলাওল—> পদাবতী। ২ সমদল মনুক-ব্যিক্সমাল। ও সেকান্সসনামা। ও ইউ-পদ্ধকর। এ সভীময়না ও লোমচন্ত্রাগী। ৬ ভউসা। ৭ মাসনীমা। ৮ নৈফনকবিতা।
- >०। तोगङकाबि---> गडीमग्रना ७ लावर्डजानी ।
- >> । नकृत्याहा वी-> कवनामा ।
- >२। जाङ्ग्रिक्टिकीन—> कटलमात्र छुक्लमामा । २ वदादनी वा दिक्षपणि । «
- ১৩। আলিরাজা বা কালুকাকির—১ জ্ঞানসাগর"। ২ ধানিমালা। ও নিরাভকুলুণ। এই বিশ্বনি
- >६। नृत्राशाचन-> मननक्षात-मध्मानात श्री थे ।
- >द । 5गम् —> मांडाइला-**केल** वि ।
- > अह त्याहाः —> गुगाव छ अवान ।
- ১৭। জীবনপ্রালী প্রিড)-- চরাগতাবের পুঁথি।
- ्रेष्ट्र। (माङ्क्रिक काकरत्—> (छवनपृह्नक-मामाद्रवादभन्न पूर्णि।
- ু । তাল্যগালী (প্রতি ১--১ বৈক্ষর-কবিজা । ২ রাগজানের পুঁথি । ও ক্টেপ্রন ।
- २० । कांकि शामाण साली ोधूरी- अन्तर्भनगर । २ **भारतर नार् ना वा भारतराज्यान ।**
- २) : महिक--) नानमछी-मग्रक्नभृत् ।
- २२ । कद्रियकेशं > विनिशान ।
- २७। माउझिर-: किरा**टेटलल्माइकिन्।**
- २८। टेमबर मृतकेसीन--> द्राशपूर् कुडूद्र। २ राकादबर।
- ২৫। লেখমুনসুর--> আনীর (মোছাম্মদ চানিকার) জন্ধ।
- २७। जातिक-> मानगरनम् दक्का।
- '২৭। <mark>ৰোহাখন বাজা (রেজা)—> তাঘিন-গোলাল-ক্রিডের নিরাধ্য</mark>া
- २৮। बाबिश्वमा वी वाहाप्रत (७७वावियी-शामियी --- क्रीवय-स्वाप्त हैं क्रीवय-स्वाप्त हैं -
- २३। याबार्यम-> ছाहारमामा।
- ७०। राष्ट्र इक्ट्रि-> नामहीन पृषि।
- ा (मारावर चार्ची--) विशरिद्धांगत्वाहित्
 स्वाहित्य पावर्षिः

🙀 १४मा वाली

we delouis

```
৩২ । মোহাত্মৰ কাদিম—> স্থল্ডান ৰম্বনার পূঁথি।
  ৩৩। মোছামাদ সফি-> নবকন্দিল।
  ৩৪। সের বাজ-১ মলিকার হাজার সওয়াল।
 ७४। किंग्डिमीन-> नामहीन श्रीरे
 ७५। त्रथ करवक উहा--> ्नार्थ : ्नातक ) विषय ।
 ७१। क्रामिस गाँखन्त---> नाधिकाव वायसम्। २ टेक्कव ७ शाह्मसर्थिक करिछा।

    अक्रिकी—> (करनपुत्र मामाटगारथंत भूलि)

 ৩৯। হ'জি মোহাম্ম-> নামহান প্রতি।
 ৪০। কবিব। মহাত্মদ –রঙ্গমানা।
 ६५ । महाहार भारती - ५ (इस स्थान १८६) ।
 82 । अविद्वाहोत्मन-> काम छण्यार वादिता
 ५०। क्यत्का हो। एक ) मानहीं न श्रीति।
 89 । विविद्यानि का अ-- हिल देशमा
 se । एत्लाम मा हल,-- > खन कान कम्पनात भू लि ।
 (क) महाक किकी-> Hante !
 39 । स्पृत्कार्गक्य - > देखेलुम (कालवा) २ लामप्रही-महच तमहता।
 or विकि (पांशाका-- 3 ने व भाग्य ।
 12 1 CHI TO -- 2 THEBUTT DO LOT . I
 eo ; জানিম কার্বি--> স্ট্রপত্তন : ২ পোরমার্বিক সঞ্জীত।
a) (बार का अभिक
                          रिकार अभारती रहारकः
८२। बीकं करमध्य
४०। रीर्ड कामानी
49। खारात करिन
१ । नाव (याहास्म
84 (NY 517
१ । े े क स्राविश्वा
es a 'st minted
का देशक कार्यने
७० । माहिनकीम्
५५ । (इ.स. सार्ग)
```

थाठीन यूमनमान कविंगन ।

	৬৪। লাল বেপ	टेवस्थव-भागवनी-दनचकः
	७६। आंदङ्ग यांगी	n v
	७७। रेमत्रम् मर्ख् छ।	> , # ₁
	৬৭। সেখ ভিখন	19
	७৮। मान त्वन	» • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
•	७२। करीव	29 29
•	१०। आकरत गाह	y1 29
	৭১। সেথ ফন্তন (পোতন)	n • n
	५२। आनी सकीन	p 19
	৭৩। এসাদ উল্লা	পার নাথিক দলীতর চরিতা (
	१म । मक्ष छ छहा	29
	৭৫। আমীর আলী	, ,
	৭৬। আলী মিঞা	
	११। मिश्रान व्यानी मार	v1 ,4
	१৮। इमा मिला	देवकव भगवनी त्नथक।
	५२। सत्नाहत	1) 13
	৮০। আকাছ (আনী)	প্রেমার্গিক দঙ্গীতকর্ত্তা।
	৮১। আক্রম 🤻	देवस्थव-शमावनी-दन्यकः।
	⊬२। समस् तद (ऋानी)	y) 37
	৮০। আবছল ভুহুব	37 37
	৮৪। আমান	at si
1	৮৫। रमतन कायन	শাক্তসঙ্গীতরচরিতা।

षावञ्च कतिम।

নিরক্ষর কবি ও আম্যকবিতা।

(পুরুপ্র (শি**তের পর**)

্য সকল নিৰ্দেশ কৰিব লগ যৌৰনের আরপ্ত লগাত কৰিবো রচনা ক্রিতে থিয়া

চন্দ্রত সংগ্র উন্নতন্ত্রাপৰ কৰিবা রচনা করিবাত আভাপ্ত কইয়া উঠে, তার্যা প্রায়ণট

জাতিবিলেশ্যক বন্ধ বা সামাজিক রীজি নীতির অঞ্চয়ারী না কইয়া

াটি বিল

সংগ্রহানি বিশ্ব প্রিক্তির সাহ্যালা জাগতিক সংগ্রহ ছাত্রা অবদ্ধান
কবিতা বচনা করিবা সমস্পেনীর মধ্যে কতকটা উন্নতভাবের স্থাবেশ করিবা গ্রাক বিভিন্ন সাহ্যালিক স্থাবিদ করিবা গ্রাক

শিষ্যাগম নিগম হবিশ কোরাণ শর্ম থাব হাতে।
ধনন ফোড আস্থান শানি সে দেয় গ্রনিয়াতে।
ইমাম ্চান্ত হজবলের লোকা স্তিদ কারবোলাতে।
রামের সীতা চুরি গোল আলোকের ব্যানদে।
হায় তা হায় এসব পেলা যে তালের দেই ।
লোকে লাগে কলা বা হা হরি রাজ নিটে । ই বানি

महिंदिकेर्डिव क्रिमित ५७५ "इ तकाभर्त उद्दर्शित ६५१% ए जिल्ह ५ %

নিৰ্বাচন কাৰ্য্য কেন্দ্ৰ মধ্যে সংনিধ ও বছাত হাৰ্তে মাতি বিধান নাৰেন আপি ও ক্ষিত্ৰত বচনা কৰিছেও স্থাপ্তি, যাত পাক্ষে প্ৰায়ক্ষিত্ৰ, কাচেন, ভাগাৰ মধ্যে স্থাপ্তিত্ৰস্থান্ত

ব্যাস লোকৰ ক্রোজেক প্রতিকাদে বাজিল। ক্রেনে সাম্ভ দক্ষীপ্রচেদ গ্রের <mark>ক্রিটি,</mark> ভারত নিবক্ষণ উল্লেখনিক ক্রিয়ার । সংবিদ্যালয় স্থানিত গ্রামান ক্রিটিজের ক্রেন্সালয় ক্রামান ক্রিয়ার

> ্তালে সুমারো: পাড়। স্কৃত্যাল বসি এবলা সেবে ৮ড়ব পালীয়ার ধান পোরেছে বাজনা রিব ভিয়ের । না না কেন্দ্র ভারতীয়ার বাজনা জমিলার বলে।

শেলি হ'ল বকট বাজনৈতিই চাৰ এবং খেলেও উন্ধূৰণ বাজাবিশ্বাম্মিলিক বা

 শেলে ৰ নিজত আছে - বলিনামক মাব্যায় জাতিয় উন্ধাৰ এক ভাবকালিক

মালাল কলৰ আৰ্থিক বিভ ও কেলের ক্সেপ্সিম্ব কাইনা নির্ভ্য কৰিবল একি

আন্তঃ ব সংগতিক।

- হণ্টালে, শব বার্ত্তর হোৱাগর জিলার

 কর্মান করে অধ্যক্ত হাতের হাতের ক্রিন্ত্র
- (तित्वर द्वारवर्ड, स्मलाबीटक स्मध्न स्वरक, लवीदन को स्वर्तांक सैंडाावि

আইরপ ভাবের কড প্রকার লোক কংকালের দরিলা সমনীপথ চরকা কাটিবার সমন্ত সমন্তরে বিশ্ব করিছ। ভারানের নিকট চটাত শিশুগন নিকা করিয়া এই সকল ওভোঞ্চালটা কবিতা মাটে মাটে প্রারের প্রতিবের গান করিয়া স্পেট্ডত এই সমন্ত কবিতাকর্তারা নিরকর কি. না

- ৪। ক্তীর রাজা নুককুমার, শক্ষ বামুণ করে ক্যার। ইফানি
- র। আজগনী এক আইন হবেছে,
 কৌন্চলিদের সাথে হেটিন কগড়া বাধিছেছে।
 তাম রে হাম একি হলো বাস্থের কাঁদি হলো,
 নক্তমার মারা গোল ওহলাস মূলার পড়েছে। ইজানি
- भारत अन्तर त्यार्थत वाष्ट्रि, कैसिकारमत माकि, आब त्याविक्कारण व कि

অভাপর বাবে না হল অন্যাবজন ঐতিহানিক লোক উদ্ভ কলিয়া এই অংকের উপদংহার করা বাইতেছে। এই সময় নেশের নুসলমান-গৌরবরবি চির অন্তণননের পথে গমন কলিছে ছিল্লা, বেতহীপরাজনালী এই সময় উচ্চার বিবলাগা ধনর পাতিয়া পুরুষদের হারা ছা বিবলাগা ধনর পাতিয়া পুরুষদের হারা ছা বিবলাগা জারতবাদীর পরমূপ্তের করা বরুপ ইংশেলকে এই দেশে কোরাবিকগানের ভারবাদিক শাসন কইনে সভাগা শিক্ষা দিলে প্রিয়া দিলেছিলেন এই দেশে কোরাবিকগানের ভারবাদিক শাসন কইনে সভাগা শিক্ষা দিলেছিলেন টিক্ এই সময় অভিশপ্ত বালাক নির্মান করিবলা প্রাণাগান করিবলা প্রাণাগান করিবলা প্রাণাগান করিবলা বালাব এই ব্রুষ্ট সমর্কাহিনী বিবাধনালার এই ব্রুষ্ট স্থান করিবলা বালাব এই ব্রুষ্ট অনুষ্ঠান প্রাণালন

স্কৃপ হল্য ও নায়ে হছ্ত বাহিন্ত সহন্ত ক'রে থালি।

নিনে নিনে সোধান বরণ হার জেল কালী।

মারা মারি লেগে সেল "গিরিক্য" মর্লানে।
কান্দে বাঙ্গলার প্রবেলার লাগুল নয়নে।
পুর্নেতে কবিল মানা লাক্তর হাঁ মানা।
ভালী মন্দ হলে নবাব সহর ছেড না।
কালিস্থীর নির কেটে এনে দিল আভি।
কালিস্থীর নির কেটে এনে দিল আভি।
কাল্যানে পড়িল মেন নাছ আর কাট।
পড়িল নবাবের ভাত্ জাজনের কানে।
আলিস্থীর আত্ত পদে বিবিন্তা মর্লানে।
আলিস্থীর আত্ত পদে বিবিন্তা মর্লানে

হার সো আলা বারি তারা খেরাল দিন রেতে
সিরাস খাঁর হবে লড়াই আলিবনীর সাথে।
মার মার করে গিরাস লড়াই করিল
কলাব বাগানে কেন বুড়িতে লাগিল।
তীর পড়ে ঝাকে ঝাকে খেলি পড়ে ররে,
গিরাস খাঁ করে লড়াই ঢাল মুড়ি দিরে।
ভাল ভাল কামান সব কবিলেক বিলি
নবাবের কামানে ভরা ইট আর বালি।
কল কাঠা জনি নিয়ে গিরাস খাঁর বোড়া কিরে
ইাজার হাজার পলটন এক চকরে মারে। ক ক
হাজী পড়িল হল গুলিতে ঘোড়া পড়িল রবে
গাখালার ভুবাইল সাহস বিলেব কোনে।

আবার প্ৰাশীর সময়কাহিনী গইয়াও গ্রামা কবিগণ নীরব ছিলেন না, ভালাদের কবিছ-বৈতব বঙ্গভূমির, এমন কি, সমগ্র ভারতভূমির দৈবপরিবর্জনের ঘটনা কি বিশ্বত হউক্তে পাবে গু বগা—

অতংশর ইট ইতিক কোল্পানির কর্মচারিকশের করে করের শেব নবাব বীরকারেষের থে বুহ হইয়াছিল, উচার আভাগ গইব। তৎভালের গ্রাম্য নিরক্ষর কবিগণ অনেক প্রাম্য কবিভা প্রস্তুত করিরা প্রচার করিয়াছিক, বধা---

> ত। বাজলানুগৰ করে পানসী তত্ত্বে বেখুতে লাগে তীল। সাজিল তেলেলা এবারা কুর্তি লালে বালা ছ

- ৪। শোন শোন এক ভাবে কাবারদের কথা
 নবাবে পুর্টিল কুটা সহর কলিকাতা।
- ৫। সঙ্গে আছে তুরুক সোধার আশুন পানি নাছি মানে করে মার মার।।
- গাম্নে ক্রণকি সেছে ধরন তেতে যক তেলেকা গোরা।
 গড়াই দিতে পালিয়ে শেল মানুষ্তকীর বোড়া।
- গারিশ মান্দত্বী ভাহা দেখি শতে কাটে খান ।
 বাবুজান একটি চাকব তেরা নদর গায়ে ভরা মান ।

ইজ্যাদিরূপ প্রায় ভাষায় প্রা<mark>য়া নিরক্</mark>তর কবিগণ অনেক রূপ ক**বিদের আবো**চনই করিয়াছিল।

বজের নিবক্ষর পর্বভাবপ্রাতী কবিসমাজ "প্রক্ষাত্য" নামে একটি অভিনব ধর্মত প্রকাশ । করিয়া ভাঙ্যাদর কবিজনগুলন কাব্যরসের মাধ্যো সমাজের অনেক উপকার সাধন করিভেছে ৷ এবং নিয়প্রেণীর না হিন্দু না স্প্রমাজ না খুষ্টান জনেক অজ্ঞানী বা সন্দেহজ্ঞানীর আবাদ-

ছিক উন্নতি ক্লাগিয়া বিত্তি । া সকল লোক 'গুরুসভামতের 'ক্লুসভা অঞ্চলতী ক্রিয়াপ্তি গ্রহণ নাসারে বিচরণ করে, ভালারা থাকি সকলেই সংসারে একরণ নিনিপ। ইলাপের দেনিকফার্যা স্পূর্ণ না হউক আনক্ষী নিক্ষা ধরণের। এই মতের প্রান্ধণ পাল সকলেই অফুভবার স্বীভিত্তির সাধক। ইণ্যে গ্রহণ ধরণের। এই মতের প্রান্ধণেন গাইছে বাউতি পিরা সংসারের অনিভাগে বিহুরে ক্লুভা কতের বাব প্রান্ধিন করে। বিশ্বাস উপাসনাক্রম শিক্ষা গ্রহণ অথবা বাবিনিক্সির উপাসনাক্রম শিক্ষা গ্রহণ করে। 'ভিকির' নামে একপ্রকার শব্দ করে। বিদ্যান এই স্কল্ গ্রহণান্ত্রের সম্বে তৈলা, পান, প্রান্ধিন বাব্রের করিয়া গীত গাইছে থাকে।

এই 'শুল্সত্য'গানের কৰিছ আলোচনা করিতে চ্ইলে, সর্বপ্রথমে আমরা"লাকন ক্রীরের" ও "ঈশানফ্রীরের" শীক্ষ উরোধ করিব। এই চুইক্রি যে কণ্ড শুক্সত্য দ্বীত আচাছ ক'বছাছে, কাল্ল প্রকাশ করা আমাদের কুল্রশক্তির বাছিরে। বোধ হয়, সমস্ত শুক্সত্য দ্বীত-শুলি এক। প্রকাশ করা আমাদের কুল্রশক্তির বাছিরে। বোধ হয়, সমস্ত শুক্সত্য দ্বীত-শুলি এক। প্রকাশ করিবে "বিশ্বকোশ" ক্রিটানের জ্ঞান্ত এক শাধ্যও নছে। বলেকীক শাড়ার। সমস্ত সঙ্গীত উক্ত করা আমাদের উদ্দেশ্য নহে এক শাধ্যও নছে। বলেকীক শাটার বালন্দ্রকীরের কিছু পরিচন্ধ করা বালন্দ্রকীরের কিছু পরিচন্ধ করা বালন্দ্রকীরের কিছু পরিচন্ধ করা বালন্দ্রকীরের কিছু পরিচন্ধ ক্রান্ত উরোধ করা বাইডেক্তে—

১। "অক্স হরিষার পতে বরাল আনি না আনি নাজার । না বালি বাঁডার আবি লা বৃক্তিব্যাপার । কল ক্রেই ক্ষত কুলার উঠে হিবাছাতি। আনি, এক্সকে নৈতে তাই ক্রিকে ক্রেকিটা ক্রিকাল

কোনারে বেৰিব বলে পড়েছি পাধাক। এবার গড়েছি পাধার ম' ইভ্যাদি

আঙা এইরূপ একপ্রাণতা, এইরূপ ভরয়তা, এইরূপ গরীর ভানুকচা গ্রায়াকণিতার মধ্যে কেবন ওরুপতা গীতেই শোভা পার। একচনো বৃষ্টি না হইলে আর পাধারে পড়িয়া উছিদ্ধিক কোনা বাহ না, তাই নিরক্তর কবি গাইল, "একচন্দে দেখে তাই করি বে বস্তি"।

একনিন চৈর্মানের নিবাবসানে আমি কোন কার্য উপদক্ষে আমার জন্মভূমি শিলা-ক্ষপপুরের নিক্টবর্তী রবুনাগণার প্রামের বিশ্বত মাঠে উপস্থিত ছিলাম। সেই সময় একজন লশমবর্ধ-বহুক্রেম নমাপ্রনিও একটি শুক্তসভা গান গাইয়া গোরু লইয়া গৃহে ফিরিডেছিল, শীত ওনিয়া আমি একেবারে আমহারা হইয়া ভাহার সঙ্গে চন্তালপ্রীতে উপস্থিত হুইরাছিশাম আরু প্রসন্থানিন সেই গীতাই উচ্ভ করিয়া শুক্তসভা সন্থাতের কবিতা পাঠকের সন্থাপ্রবিষ্কার ব্যাল

২। "আকাশের নাবে আলো স্টেছে এবার গরাল স্টেছে আবীর:
আমি প্রান্ত জাগিরা ভেথি নরাল আবার দমুখে আহির, বে সমুখে আহির।
স্কুল থকে পাথী উদ্ধে পাতার শিশির
গলে তে রোরের তাপে আলোক মিশির, দ্যাল আলোক শশির।
ভাই ভ্রের কালে ইপান বাতনা গতীব, বর্ড বাতনা গতীব।"

ক্রে বালকর, তাহাতে শুরুসতা গলীতের সেই আবেগমনী মনোমুগ্রুবর সরক আবিশানী শুদ্ধ—তাহার উপর ক্রাবানের অবাচিত মহাগ্রহ বর্ণনাক আমাকে গ্রাহুতই তথাক শিকা বিয়াছিল। এই বিন ইইডে আমি শুক্সতাস্থীতি-গালকরণের বছু তক্ত হইছা উঠিলাম।

পাঠক মহাপ্র নিচক্ষর ব্যক্তির নিকট ইয়া আপকা উচ্চধরণের নর্বাঞ্জীন বিশ্বনয় দৌলাই।
পূরাণাইল আর কি পাইতে ইন্ধা করেন ? বিশাস সে ব্যবহুত, ককি নে ব্যবহুত পতন্থী।
প্রাথতির বিশ্বসূত্র এই নিয়ক্তর কবিভাগনকে ধরা কাশার্মপ্রাহী ভাবুক অভসভাপ্রাথকাণী এই নিয়ক্তর কবি-পিল্যালনক শক্ত।

০। জীবনে নাই রে আশা, কর ঐতকচরণ জবনা, ও জোর যাইর কেবের নাই জরর।
ও মন এই নেচের জনত নিছে, ওরে নিখাদে কি বিধান আছে,
কালন্যনে কাঁক পেতেছে ভালবে রে এটার স্থানের বানা।
ও মন ভাই বল বছ বল, নলার নকনি ভালতর্ক বিনে ও সংগ্রে কে কর্তে জার বিজ্ঞান্তির।
ও মন অইন ৬ ন কাই নেতে, হেটে বড়া নাই বিবে।
হ'লনাতে ই'ন বনে, নদীয়া কুলে নিকে মানা।
১। এই ভবে ভবর বনা ভালি ক্যে কিব মানা।

ছয়জন সজে যুক্তি করে, পাচন্দদেতে আড়িয়ারে তিজিবাধি জন্ম পার্মেজীদের নৌকার চড় না।
এবার জন্ম নামে বাধাম দিয়ে ভবপারে বাও না। ইত্যাধি

ভাষক সাধের মরনা কোন দিন উড়ে বাবে রে, উজে বাবে রে।
 ভাষন থালি বাঁচা পড়ে রবে রে, পড়ে রবে রে।
 ভাফ আমার মনের মাণিক, আমি ভালর পোষা শালিক,
 শুকুর দ্বা বিনে ধরবে কাল বিভাল এলৈ রে—বিভাল এলে ।

এইরপ অনোকিক শক্তিসম্পন্ন নিরক্ষর 'গুরুসডা'-প্রথাপ্রবর্ত্তক কবিগণ অববত্ত সপ্রেম-কারণা চলবে শিবাপুশিবাসহ এই নিরবঙ্কের নিরক্ষরসমাজে প্রতিষ্ঠা লাভ করিছ। অমডের প্রথাকতাস্তকারে নীভিক্তিতে ক্ষণ্ডায়াস প্রীর্তির সাধন করিয়া গিয়াছেন।

গুলসতা সন্ধাত কৰিবরানো দিন্তীরন্থান অধিকার করিতে পারে। একটি কিবেনন্তী কোনান করে বে, গুলমা কোনার বিশ্বাত নদী প্রপানর নিকটবর্তী আউটপোর্চ "বর্তিরাবাটীর" অপর পারছিত জমনা নামক স্থানের একটি পোনজাতীর ফবীর না কি নর্মব্রাব্যনি এই গুরুসতা সন্ধাত রচনা করিবা বাদার গুনন-নিকীবাহিগণের নিকট প্রকাশ করে। কিন্তু আন্তান আন বাদার গুনন-নিকীবাহিগণের নিকট প্রকাশ করে। কিন্তু আন্তান বাদ পূরাক্তন আবারপন্থিয়াতের একটি আন্তানিবের। অনেকগুলি বিশ্বে ভালির আন্তান পাওরা বাদ। আনারপন্থিয়তারতাবিগণ বেদন স্বাকারে এবং আচাতে কোন গুতির করে। নিবহু মারে, সেইরূপ গুরুসতা মতাব্যবিশাণাও কোন ক্রিয়াবিশেবের অধীন নালন। এইবারে কোনার আন্তানের উপাদানা নাই। কেবল একস্থানে সন্ধানের কর্মকৈ চইরা বিভিন্নের সনীক্তিবার্যনার উপাদেনা করে। আযোরপন্থিয়তের নালে ইয়ার কন্তন্ত্র বিভালারের সনীক্তানের স্থানা করে। আযোরপন্থিয়তের নালে ইয়ার কন্তন্ত্র বিভালার, করা

ে। চাই নে আর থাওনা লাওরা কুড়িরে খাবো মরামাস।
তোমানে কেথু বার জন্ত (ববাল আমার) চেরে আছি বারমাস।
বিষ্ঠান্ত শরীক আমার গড়া বাযুর জোরে।
বিরাচ প্রাণের বরাল বাডালে আমার ভবর ॥
আমি ডোমার ভূমি আমার আর বে বিদ্ধু নাই।
ক্রিক বরাল চাব আমার খাবে কিলে খাস।
বারে খাবো খেবেছি ভারে মনে বারমাস। ইপ্রামি

এই বিভালে অনেকাংশ আৰাৰ সাহন নাই, বাকা সহন চিন্দু, আহাই উচ্ ও চইন। ইয়াজে অনুসভা বীৰেৰ কথকা দৰ্ভ অনুভাবে জানা বাব কে, এই অনুনাধিনন এক অভিতীয় স্থানের প্রতি মন বিয়া বাজাবাজের বিভার ও ভঙ্চি অভতির বিভার আর্ক্ত নামে না। এই একট্ বুলি বে এই রোধা আর অব্যেহনাধিরাধা একট যবিক্ষের চুইরূপ কন।

व्यक्तमा व्यामक पार्व व्यंपनि व्यक्तिमध् श्रामा करियाव केंद्राचुँकतिहा और मुक्तिस क्षेत्र प्राप्ति ।

বিনাধ-পূজা। এই প্রথা প্রায় আৰু ৩০।৪৯ বর্ব দাত্র বজের জেলা বিলেহৈ প্রকৃতিত হইয়াছে। ইহাকে সাধারণতঃ কিলাপপুলাগীতি করে।

জিনাথ বলিলে আমরা সংগাবণক্ত তিনের নাথ এই ক্ষর্থ বুঝি এবং ইহাতে ইকা বিশু ও বিব এই তিন বেবপ্রধানের সমবেত নামকে তিনাথ নামে অভিহিত করা হয়। স্থানবিশেষে এই তিনাধপুরাকে তিনাথ-মেলাও করে। বস্তুতঃ বর্তমান প্রচলিত হিন্দুধর্মের মূলে কিন্তু "ত্রিম্ব" জানের কৌনল-ক্ষেত্র মণিগ্রহনের ভার সমন্তই গাঁথা। ধরিতে গেলে হিন্দুর প্রচলিত ধর্মের সর্বাই তিন লইকাই কীন্তিত, প্রচারিত এবং পুরিত।

ত্রিরসেবক হিন্দুজাতির নিরক্ষর কবিগণ এই কারণেই ত্রিনাথ নাথে একটা অভিনব ধর্ম তব্ব বাহির করিয়া সন্দেশীর নিরক্ষর সমাজে প্রচার করিয়াছেন। এই ত্রিনাথপুজার মন্ত্র এবং অন্তবিধ উপাসনাপ্রধানী সম্পূর্ণ অশিক্ষিত অমার্জিত জনম্বের ভাবে এবং ভাষার রচিত। যে সকল চরিত্র হীন ক্রমক সূবক পিডা, মাডা, আর্থীয় বহুদানর শাসনভার মানক প্রবা ব্যবহার পর্বিত্রত পারে না, তাঙারাই এই ত্রিনাথপুজার বা মেলায় একটি প্রকাশ্ত পঞ্জিকাদেবনের দল গঠন করিয়া গৃহস্থানিগের আঁজিনার সর্বস্থানকে গাঁজার গুরাঁর অঞ্চলার করিয়া দের। ভত্তিভানন্দ্রারক শ্রেকা তথ্য অন্ধ্রমন্ত ভারাকের মুখ দিয়া নিরক্ষর করিয় করিখনিতি বাহিত করিতে বাকে।

নেশের সাধারণ অধিবাদীগণের বাড়িতে জিনাধ মেলা হইয়া গাকে। এই প্রথার একজন মূল বা বচরিতা আছে। কে,বাজি গৃহস্কাণের কোন দৈবমানলা কার্যের মন্ত আলা নিয়া ভৈল, প্রথারী, আই গাঁজ ধরিদ ক বিরা সন্ধার সমন্ত নলকো লইয়া তথার উপস্থিত হয়। যথানী সন্ধার উপস্থিত হয়। যথানী করিছ করিয়া গাঁজা গাইতে থাকে। আর গীত সাইয়া করিছ প্রকাশ করে। যথা—

সাধু যে তাই দিন গেলে ত্রিনাথের নাম নিও

ত্রিনাথ আমার বড় ধরাল জার না নীলে বোঝা।
৩ বে পাচউ পরদা হলে বে হল ত্রিনাথের পূঞা ।

হিনাপেন পূজা দেনে যে করিবে হেলা
তার গলায় হবে গলগণ্ড ডক্ নিরে বের হলে ঢাালা। সাধু রৈ তাই ইত্যামি।
গোলকের একপালে কীরোলের কূলে
ক্রমা বিফু লিন ভিল নাম গালে কুলে।
কেনকালে আভাগনিক উমা জাত্যারনী
আসিয়া দিকেন দেখা ধরি নাম তনি।
বিফু বলে কালী ভারা কি হলে উপার
কিলে গালে জীবেন ভংগ বল তা আমার ৪

সামরা তিনে এক একে তিন **ছানে কানিজনে** মুখ্য গোকে না জানে পু**লা কয়িবে কেমনে ৮** ভানে ছবা বংশন তথন তন এর উপায়।
"আনাগ" নামে পূজা কইবে ধরার।
ভোনরা তিনে এক থাক তিন ১ইও দেইখানে।
পূজিলে কলিব লোক তারবে ভূজানে।
এই সব কথা যারা না ভনিবে কালে।
ভারা ধনে পুরে হবে নই রামাই ফকীব ভালে।
(সাধুধর ভাই নিন গোলে ইভায়েদ।)

এইরপ ভাবের গাঁত, থোক, ছড়া এবং কবিছমন্ন উপক্রণা এই জিনাখপুলার যথেষ্ঠ প্রচলিত্ত
মাছে। বে সকল মাড়ে-ভাড়ানে বাপে-পেলানে উজ্জ্বান যুবক এই জিনাখপুলার সাক্রার ঠাকুব বেব ভ্রতিতে ঘনটা ভলিযুক্ত না হউক, শীগজিকার লোভে অভিজ্লিক ক্ষক । রাম্টি কক্ষীর নামে বে নিগিলাটি উজ্ভ হইল, উচা একানন একটি গণ্ডগামেব কোন অবছাপার ক্ষাক্রের ঘাটাতে গিলা জিনাখপুলার শুনিলাছিলাম। রামাধ স্ববীব্রে ভিজ্ঞান্য করাল্ল ভনিলাম দে, সে এই জিনাগপুলার ভাল আর শীত এব তৈন মানের অঠক গাঁড প্রস্তুত্ত করিলা গাকে। ভবন আমলা ভালেরে ভিজ্ঞানা কবিলাফ এবা পড়া লান। উত্তরে শুনিলাম, "ভালা ভ্রতিত আমি মনুশ্রন নত হটালাম।" সেই গানে কেন্টা গণ্ডক সজীত শনিত্ত চালিলাম। রামাধ্ ভাতিলা আজের ধ্রালিখিত বোগান প্রভাক্ত গানে বেডাইল। উচ্চার প্রচাহ সহবোধিক গীতে লিক্তি আছে।

অধ্যাপিত নিষ্ঠান্ত বিক্লমত্ত এই বিনাত মেলা প্রলিত **আছে। এবনও জনেক-**নেক ন্যাপুর, নাতে, কাহিল, কাহিল, কাহিলা রক্ত প্রতিক **কাভিতে এই প্রায় প্রক্**ল প্রা**য়ন্ত আ**ছে। বলেকে, গুলনা, ফ্রিনগুর ইলার প্রধান স্থান।

বস্তাতঃ বন্ধবাসী হিন্দুগণ এগন কথার কথার বলিয়া থাকেন যে, ইয়া নার উহা নার । বান্তবিক প্রকৃত শার যে কি, ডাঙা কছাপিন নাধারণ কানাদী হিন্দুর মধ্যে সম্পূর্ণ অজ্ঞাত। তবে স্থান্ত ইংরেজ শাসনের গণে এবং বর্তমান সময়ের ক্লা কগেক পিক্লিত দেবীয়ের ক্লা ব্যধানী

শাস্থ্যতি বান্ধানি বান্ধানি

A SAMPORTURE STORY

ছিলান, সে সময় উহা জনাবক্তক মনে করিছা শানী রাখি নাই। তারী বাগেরহাঁট মহকুমার প্রিন্তি গালাবির বহুগার বারের গীতের কতকালে আর মাজনা মহকুমার পিলাখানিপ্রাবের বারের গীতের কতকালে আর মাজনা মহকুমার পিলাখানিপ্রাবের বারের গীতের কতকালে হাই। শানু আহে, ভাহাই এই হানে টুকুড করিব। বর্জের পাঠক ভাহার লালা বারণীতের হতি জাগাইয়া এই অধ্যায় পাঠ করিবে ব্রিডে পারিবেন বে, এই বারণীতে প্রামী কবিভার কড় কবিব আছে।

ৰথন পৌৰ যাসের সেই দাৰণ কাড়ভাষা শীতের মধ্যে নিরম্প্র**শীর স্ত্রীপুরুষ পাঞ্জানির দরগা^{তি}** শীরে বাইতে থাকে তথন তাহার। গাইতে পাকে। দর্থা—

এই ত হইশ দ্বানা বানের কিতার ; এখন শিষাখালী বারের দীতাংশ গুদুন।—চৈত্র মাস তীবণ বোর—শব্দে আগ্রহ নাই অখ্য সভাপ্রহাত শিত সইন্ধা নিরপ্রেটির হিন্দুক্রণগদানাপর বাবে নাইতেছে। "নমে বুই একটি কালিনত বহুত বালকই ক্লক। প্রায়তির সনিনী রমনীগদানিক কর্তবর মুখরিত করিয়া মাইতেছে, আর সেই প্রাণর চৈত্র রনিকরণা মুক্মান সমীর ভাষা ভাষারের উত্তর প্রাণ্ডনাল লাক্তর লাইয়া পোলাইয়তেছে। পরে মধ্যে মধ্যে কোন নাভি ক্রাক্তর তোপের আতে ক্লাইক্র বনিলা সম্বেধ রন্ধিত অন্তর উত্তর ক্লা পান ক্রিভেছে, আর ছালাক্র বাবিল ক্রাক্তর ক্লাই ক্লাইন ক্রাক্তর ক্লাই ক্লাইন ক্লাইন

"दित नारम्य मुके निवि त्यां जाव नाकृत्तत कार्यः ।

त्य मा मान् भावि त्या जावे वे त्यथ ग्राकृत गार्छः ।

क्षमन मगान जेकून जात नाकृत्या त्यान वातन ।

भग निरम्यानित नाचे ग्राकृत्या जानम त्यवे वातन ।

भग निरम्यानित नाचे ग्राकृत्या जानम त्यवे वातन ।

जाव तम यक त्यांने जानि क्यांत्रका त्यांच्या ।

भारमः । मा गृतम नित्य जांत्रम कार्यन विद्याः ।

गांव जमारक कार्य हत्या ना जांद्रम त्यांच्या ।

या मान्य त्यांच क्यांत्रम नाम विद्यांचित ।

यान यात्र व्यांच क्यांत्रम त्यांच्या व्यांच क्यांच व्यांच व्यांच ।

यान यात्र व्यांच क्यांच्या (व्यांच्या व्यांच क्यांच व्यांच व्

ছটো পরসা জিলে গরে বাজাবের হৈছে কেনে পর্যাণার্শি-খন, কেউ কিনে বালা চঙি, কেউ কেনে পাচনহরি,

ै तक है वरण खरणा (मिन ध्यात वर्फ मन्।

য়ত ফচ্চেক্স সৰ নারী দেখা 😎 যায়, কোনটা কোন জাবে লাঁড়ার। কানে না ভাজিতিও, নাহি ভার আগতেও, এই কথা পাঁচনত কলে দোই হয় দ

এই গীঙটিতে নানাঞ্জপ পদযোজনা আছে। সমস্তাংশ আমার শ্বন নাই, অধবী থাড়া আছে।
ভাগাও সকল উ৯্ত করিলাম না, কেন না নিলকর জামা-করিপণের করিছ-মাধুয়া ইছাতে তত
নাই। তাব গ্রামাকরিভার একটা আংশ বলিল হাল। উছ্ত হইক—ইহাতে পাঠকপাঠিকা
ভাগ হইবেন, ইলাই প্রক্ষেপ্তের অস্থ্যোধ।

আন্তঃপর বজের প্রায় সমস্ত জেলার প্রচলিত তৈও মাসের "অষ্টকনীত" উরেও করিব। বজের পাঠকর্পন এখন একবার আহন এই প্রান্তে তিকুজান্তির দেবদেরী পূজার কতবটা অংশ খাণ করন। মেৰিবেন দে চিন্দুজান্তি সক্ষরার্থ্যে কতদূর প্রায়াপ্রধার এবং কুসংস্কারের দান হট্যান্তে।

উপায়নার এক ভাষা আনে। ছতিতে আইবে না। বাবা মহালহ ভাকের বাজনাসহ নাচিয়া

১। উত্তর পেকে প্রশো দেবী লাল কাপড় গান্ধ হাত্তের মালা গলায় নিমে পূজা খেতে হান্ধ। পূলা লা পাইয়া দেবীর দরের কড়মিছি। লারী লোকে দেও হানু বল শিবের ধ্বায়ি।

भाषिया शाहि छाहम एथा-

>। বোর খানের জালিকে ছিল কটকটে জান লাক দিরে এনে ধবুল বার বালার সাহি। বার বালা বার বালা দশ্ম অধিকারী লিবের নামে ঢাক বালাইরে কল হলি প্রির।

দাহিত্যপরিষৎপত্তিকা

- ৩। পূপ ধুনচি ধৃপের বাতি ঘট মঞ্চনার

 ধূপের গকেতে গোপাল আমার কাছে আয় ।

 আয় রে কালিকার পুত গাছ নেম্নে ধূপ

 চড়ক পুজায় তোর হাতে আমার বিদ্যুপ।

 আমার আসরে যদি না কচিবি কথা

 দোহাই তোমার শিব ঠাকুরে থা সেবকের বাধা।
- গশানন বঢ়ানন ঘূই পুত্র কোলে
 ভাল বৃত্তরা থেকে দিব নিজা জান ভোলে।।

ইহা ছাড়া বালা মহালয় নারারণের দল অবভাব বর্ণনা করিছে বৈশ্বধ-কৰি মহাস্থা জনদেবের উপবেও এক হাত চাল্ চালাইরা থাকেন। এই দল অবভার বর্ণনাকালে বালাগণ বন্ধন। নামে একটি লোক বলিয়া থাকে—উহাত্ত করিয়া পাঠকের কৌতুহল নিবারণ করিতেছি বথা—

> "প্রথমে নমধার করি নেলীর মধাছান বাঁটু সম্ভর সূজা বার উনকুটি প্রাণাম। প্রাণে আছে গুরুষ নাম কইতে পারি কত সম্ভক নামাইরা প্রেণাম করি নিবের আসম হরেরী গত।

ওঠ ওঠ মহাতাত্ব নিত্রা কর ভক্ত।
তোমার সেবক ভাকে উঠে দেখ বছ।
কার্ত্তিক গলেল গঙ্গে আছু নিত্রে গোরে,
কেমনে করিব প্রশাস প্রেকু হে ভোমারে।
প্রভূ গোমার বড় ভর কৃমি স্বা নিভা,
ভানি আমি স্লান্য কৃমি হে চৈডার।

বৰ্ণন পূৰ্ব বাবে মেৰ দিবাৰতে ।
পত কৰে বৰ টাৰে, হাই আৰুৰ মান্তি।
ক্ষতাৰে নীপ্তি কম সৰা কটো বন্তি।
বিনধ হটও না মোৰে কমিন গ্ৰাৰটি;
ক্ষিন্তবীধন, ভড়ি চই কন, প্ৰধান শ্ৰাহেৰ প্ৰতি।

दसन छेउत्र शास्त्र, ्राटेक्गान विशेष्ट्र, विभागत सानि ।

নির্মা কবি ও গ্রামাকবিতা

শ্বিনি পাৰ্মতী সহিতে, সংগ নৃত্য শীতে, গান্ধ তিলকাৰণি।

ও শিব খেষে ভালের গুল, মাখারে শশিপুদা,

चाकून मना करत्र (मना- :

ও शंत्र माथात्र छैलत्, माटलत्र वास्त्रात्र,

विशास कतिएक गर्भा।

ल बाद करतरक एक्दी, बामान क्वांत्री,

शांक राष हान वांशा ।

🖣 मृत्रनीयत, क्षि हुई कत, व्यनाम कति निवश्य ।। हेकापि

এইরপ ভাবে কোন সময় রোক, কোন সময় পীত গাইয়া বালা মহালয় চড়কোংসৰে প্রধান লাভাগিরি করিয়া পাকেন। এই সকল গ্রামা কবিতার অনেকটা লিকিতের ভাষা প্রবেশ লাভ করিয়াছে বটে, পুকিছ ইহার রচরিতা একা গায়কগণ বে পূর্ণ নিরক্ষর, ভাহা বিনি চড়কপূলার কার্যা ও পিউ ওনিরাছেন, তিনি অতি সহকে ভাহা বৃক্তিতে পারিবেন। এই সকল প্রামানীতির কবিগণ নিরক্ষর হউলেও ইহারা সাধাবনের নিকট শ্লাবা পভিত্য লাকে পরিচিত। ইহারা অনেক্সুসময় ভগুলোকের নিকট থাকিয়া প্রাম্মের তব্ একা ভয়ক্ষন-ব্যক্তি প্রকাশ করে। এই কর্ড ইহারা ক্রেন্তিত প্রকের শহরিকাশ আছে।

এডবাডীত এই চড়কপ্তার "মাইক দীত" নামে আৰু একাৰ প্রামাণীত আচলিত আছে।

প্রায় অধিকাংশ স্থানে এই সকল দীত আইনিকিও অথবা আইন শীন স্থানিকিও প্রায়াকবিগণ বারা রচিত হয়। চৈত্র মাস আসি-

বাড়ীতে ৪াব টাকা বায়না লয়। নীনামন্ত্ৰী কাপড়ের বারা ছেলেওলির মাণা মুড়িরা ভাছাতে রূপার গোট বুলাইরা দের এবং কালিভে গা**ট** ভূবাইরা মেরেলী চুল প্রান্তভপূর্বক বাশক্ষিগকে শাৰাইয়া অধিকায়ী গান করিয়া বিভান। অধ্যা কোন কোন সানাক্ত অর্থপানী অধিকারী হ'লার দলের পুরাক্তন পরিক্ষণ পরিষ করিয়া ছোক্রা-দিগের মাথায় মেষের উপি দিয়া চুপ কালির সঙ্গে রং কলাইরা গান করিরা খাকে। কলিকাতা অঞ্চলে অপেকারুত উক্ত ধরণে এই চড়ক পুলার সঙ্ বাহির হয়। সাধারণতঃ অকৈ গতের অধিকানী ভাষা পুলি পঞ্জিয়া ছোকরাগণের সরকারী করিয়াই বাচার সইয়া थारकः क्रिट्ड क्रीयन (ब्रोट्स अर्थ व्यक्ति क्षीय शायकारना क्रुप्त क्रायकारना क्राप्त क्रायत क्रायत ছুটতেতহে, প্রাণভরা হাসি বৃক্তরা কোঁড়ক লইরা ইহারা লোকের বাড়ীতে খাড়ীতে লেণু চীর সঙ্গে নাচিয়া গাইয়া কিরিভেছে। এই সমুরে এই গায়কগণ কৃতি আম, নোনাকল, কৃটি, অপক তরমূর বাইয়া ঘটা মুটা জল পান করিতে থাকে ৷ স্মুখের বিষয়, এত অভ্যাচায়ে এই গায়ক শিশুগণের কোন বিশেষ পীড়া হইছে ওনি নাই। ইহারা কিছু বলে যে শিবঠাকুরের কল্পানে ব্যাধি হয় না। কিন্তু আময়া জানি যে আমোদ কৌড়কের সময় জায়ে পাত্তি থাকে ব্লিরা পীড়া প্রকাশ হইতে পারে না। বাহা হউক, দেবতার প্রসংক্ষ হউক আর অভ্যাস ভণেই হউক এই অইক গাছকগণ বড় প্রথমটিক।

একটি সাইকের বলে উন্ধ সংখ্যা আগতি লোক থাকে। প্রইজন বাষক, একজন জুড়িবার, আর আনটি গায়ক। এই গীতের বাগনি প্রাছই আট চরলে ধ্যাপ্ত—ভাই ইহাকে আইক কতে। প্রজের সধু বিপদী অথবা ধীর্ষ বিপদী ছলে এই গীত প্রতিভঃ বহন মধ্যে মধ্যে বালকগণ ও অধিকারী অতি উক্তরত্বে "আহা বেন্" ববিরা গীতের বাহার বিরা নৃত্য করিতে আরম্ভ কথে, তবন মতি গন্তীর ব্যক্তিকেও না হাসিরা থাকিতে দেখা বাম না। আমবা নানাম্বণ আইক শীঞ্জ ভনিয়াতি, আবক্তক বোহে প্রতিভাই গীতের অংশ বিশেষ উদ্ধ্য করিয়া প্রবণেক্ত্র পাঠকের পিশাসঃ নিয়ারণ করিতেতি। মধা—

হা তান বৃদ্দে সহচরী, বে চ্যবে অভিনান করি,
তানা বিনে আৰু কারে কবে;
বনন প্রেম কতিনেন বয়ামর, কাডে গরে হাবার পার,
বলে ছিলেন আন্তে নাহি চাবো।
কোন তা গোল বৃরে, আকৃত্যেন সভা বালির হুবে,
লনিতের অক্তে কিরে কিরে চার;
কার্যিন নিলি প্রভান্ত বলে পারে, নেবা বিলেন কুলবারে,
তান্ত্রেলয় বারু সেবি ক্লামের গার। ইত্যাধি ক্রিন্
হা বত সব ব্যায়ালানারী, স্ক্রেনী কাবে সারি সারি;
ক্রিন্টে অক্স আনুত্ত বারু;

নিরক্ষর কবি ও গ্রামাকবিতা

বন্যালা দিয়ে গলে, বলি ভনাবের ভলে,
দুর হতে ভাই নেখেন ভানরায়।
আহেরীর নারীগণ, কলে করে স্বরণ,
বস্ত নিরে কল্প ডালে রাখেন দ্যানর,
ও কানাই কাণ্ড লাও, দোহাই ভোনার মাখা খাও,
কুগনারী শর্ম রাখা দার।

ইহা ছাড়া অন্তরণ ভাবেরও অষ্টক শীত আছে, কিন্তু আছলাই পৌরাণিক কাহিনী লটয়া বচিত। স্তরাং অতিরিক্ত শীত উদ্ভ করিয়া পাঠকের বৈধাবিচুতি ঘটাইব না।

বাসালীয় লিজ-সন্তান হইতে মুমুর বৃদ্ধ পর্যান্ত সকলেই কবিভার আধর ও আখান লানে এবং কবিভা রচনা করিতে সমর্থ। এই দেশেই এক জন নিরক্ষর কবি বিশ্বার আখান অনুভব করিতেছে এবং কবিডে পারে,সেরণ শক্তি অন্ত দেশীর শিক্ষিতের নিকট দুর্ল । বাইরি কবিত্তকে মনুযান কান করনে উলিবা দেখুন, এই ভীক চুর্বল ভাতির পূহে পূহে কড মনুযান প্রকাশ পাইতেছে।

যাহারা গণ্ড সাহিত্য দিখিতে বা বলিতে পটু, সাধারণ ভাবে ভাহানিখনে লেখন, কুলা, আছকার ইজ্যানি নামে অভিন্তিত করা হয়। পশু সাহিত্য লেখকৰে সাধায়ণতঃ কৰি মুন্দে। কিছ
ধরিতে হইলে যে সাহিত্যে ভাব,রস ও আকর্ষণ আছে, ভাহাই কারা এবং ভাহার লেখিক কৰি।
নির্দিষ্ট অক্ষরমন্ন বাকা হইলে কিছু কবিতা হয় না। আবার অনির্দিষ্ট অক্ষরমূক অসাম গভনেবককেও কিছু প্রছ-নার বলে না। যে লিখার ভাব নাই রস নাই আকর্ষণ নাই এবং সমাজ বিশোবন্ধ
দিকা নাই, সে লেখা উন্ধানের প্রকাশ ব্যস্তীত আগ কিছুই নহে। প্রাচীন কালের ভারতীয়
লেখকগণ সমন্ত লেখাই পদ্ধে লিখিরা গিরাছেন। ভাই বলিয়া বে গণ্ড লেখা আহি। নাই
ভারাও নহে।

আৰম্য বলীয় সাহিত্য আলোচনা কৰিতে গিয়া নিখিত লীবিত্য হাতীত আৰু একৰণ নাহিত্য গেৰিতে পাইতেছি। সাহিত্যের এই অথা আলাক লোক "উপকৰা"— প্রণকৰা (প্রাণক্ষা), উপজ্ঞাস, ক্রুকের ভাষার "রূপক্ষা" ইত্যাদি নামে অভিহিত্ত করে। যথন বল-সাহিত্য অভি লিত, কেবল সংস্কৃত্ত অনুনীয় জ্যোত্ হইতে বাহির হটনা হিন্দি পার্নি প্রভৃতি বাহীলবের হল বনিয়া বেলাইব্রুক্ত তথন এই উপকথা সাহিত্য-প্রভৃত-কর্তার মূখ হইতে আভান্ত ক্রুক্ত করিয়া বিভিন্ন কর্ত্ত কর্তার মূখ হইতে আভান্ত ক্রুক্ত করিয়া ক্রুক্ত করিছে ক্রুক্ত করিয়া ক্রুক্ত করিয়া বিভাগ প্রক্তিত ক্রুক্ত করিয়া বিভাগ ক্রুক্ত করিয়া করিছে ক্রুক্ত আভান্ত পরিবাদিনী ক্রুক্তিয়ার মূখে এবং ব্রুক্তাবের নিকট আন্তর্ভাত করিছিল করি আই, তথন বে সকল উপকথা ওনিতে পাই। বখন আভান্তায় নিকম বিভাগিত করি লাই, তথন বে সকল উপকথা যুচিত হইনাছিল, উলা রাল্ডিয়ার পূর্বতা-প্রান্তির করি লাই, তথন বে সকল উপকথা যুচিত হইনাছিল, উলা রাল্ডিয়ার প্রক্তা-প্রান্তির বার্কিয়ার প্রক্তিত লাইভেন্ন স্থান অধিকার করিয়ারের।

ल्याक्य देनकवा क्रकाव रहेवान देनकाम (मर्क्य क्षिणवक्षारवप्र नविव्यक्षिक) स्व

তন উপকলা কোনে উপলামের রাস্থানিক উপাদান ৷ প্রাচীন রীতি এখন প্রিমার্কিত কইমা উন্নং চর্যাচে ডি সম্পন্ন কাল কেই গ্রাহ্মত ৷ দ নাই ৷ পুর্কার্কের উপকলা রচমিত্রণ বাজা, বাজালার কাল, মার্ক্তির, পার্ব মিন্ত, কোটালা, বাজ্যা, বাজ্যা, রাষ্ট্র মহন্ত, তালপত্রের বাহা, সালে, দল্ল, সিল্ছ পার্ল ৷ পশু ও শুক প্রাচ্চি পালীর কালা লইন্না প্রস্তাবনা আরম্ভ কার্যা যসক-সুবতীর প্রেম বিরহ, বিধার, দেবভক্তি, পারিবারিক ক্রিয়া প্রভৃতি ব্যাপারে পরিস্ক্রিয়া কবিতেন ৷

প্রাম্নি উপকথা অ্যাণিও বছসমান্ত ছইছে বিজ্ঞাপ হয় নাই। এখনও ব্রীয়ণী গিতামনী এক নিছন্তা ব্যীয়ান পিতামন্থানে নিজন বাজ্ঞান বাজ্ঞান কথা আন ভাগপন্থানাৰ কথা জনিতে পাওৱা বাষ । ব দি,ক আবাব নির্মান রাধ্ব সনালের ব্যিক প্রভাবর নিজন শিক্ত শমর্ নালার কথা "ত্রপন্তি রাভ্রভার কথা" শ্রেশবার্তি রাভ্রভার কথা কনিত অনেক নির্মানি কথা লান ম্পলমানী উপাদোর করিয়া পাকে: নিজন্তির ভিন্তমান হিন্দুভাবের উপকথা আন ম্পলমানী উপাদোর করিয়া পাকে: নিজন্তির ভিন্তমান হিন্দুভাবের উপকথা আন ম্পলমানী উপেক্যা প্রচলিত আছে। আববার্ণ শিক্তমান বিল্লাভাবের কথা নকাতে হারী ইন্তাদি অনেক উপক্রা প্রচলিত আছে। আববার্ণ শিক্তমান বিল্লাভার বিল্লাভার হারাছ হারাছ উপক্রা করিয়া করিছে স্বাহিত ক্রিলাভার করিছে স্বাহিত ক্রিলাভার করিছে স্বাহিত ক্রিলাভার করিয়া করিছে সংগ্রাম ক্রিলাভার হারাছ হারাছ হারাছ হারাছ হারাছ ক্রিলাভার করি নাম ব্রাহাত হারাছ ভিন্তম ক্রিলাভার করিছে ক্রিলাভার করিছে ক্রিলাভার ক্রিলাভার করিছে স্বাহিত্ব করিয়ান হিন্দুভারতার বিল্লাভার করিছে স্বাহিত্ব করিয়ান হিন্দুভারতার স্বাহিত্ব করিয়ান ক্রিলাভার করিছে স্বাহিত্ব করিয়ান ক্রিলাভার করিয়া হারাছ করিয়াল করিয়াল করিছে স্বাহাত্ব করিয়াল হারাছ করিছে স্বাহাত্ব করিয়াল করিছে স্বাহাত্ব করিয়াল সংগ্রাছিত বিল্লাভার করিয়াল স্বাহাত্ব করিয়াল করিছে স্বাহাত্ব স্বাহাত্ব স্বাহাত্ব স্বাহাত্ব স্বাহাত্ব উপক্রা স্বাহাত্ব স্ব

ন্দাৰ খনন কৌল্বী, নুন্দী প্ৰকৃতি বিশ্ববেশনৈ আবিভাব গাট, তথন চতাখটা শাৰকা, গান্ত পাৰ্চ আনাৰ বিশ্ববিদ্ধাৰ বাবে হয়। এই সময় ভইতে চিন্তকনালি বিশ্ববিদ্ধানি কন্যানেৰ প্ৰতি আনাৰ প্ৰতি কিন্তুলাতি কন্যানেৰ প্ৰতি পালিক প্ৰদান কিন্তুলাতি কন্যানেৰ হাত পালিক প্ৰদান কিন্তুলা নামানেৰ সাজন্যনান জান্তাকে সামানিকাৰ নামানিকাৰ কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কৰিছে বাবিলান স্বাধান কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কিন্তুলা কৰিছে স্বাধানী কৰিছে নামানিকাৰ জন্মানিকাৰ জন্মানিকাৰ কিন্তুলা কাম্বুত্ৰ স্বাধানিকাৰ কিন্তুলা কৰিছে স্বাধানী কৰিছে ক্ৰিয়াৰ ক্ৰিয়াৰ ক্ৰিয়াৰ কৰিছে ক্ৰিয়াৰ কৰিছে ক্ৰিয়াৰ ক্

উপ দগ্ৰেন্দ্ৰ অননীগণ কেই শিক্ষিত, কেই অনিশিক্ষ, কেই স্কালিকি ই কেই বা নিপ্তকর।
ক্ষামান নিবক্ষণ প্ৰথম বিশ্বন উপত্য কৃষ্টির আছু আবোচনা কৰিব। যে গ্ৰুপ নিয়েশ্বীর
কোক উপত্যা প্ৰভাৱ কৰিছে। 'গ্ৰুগ্ৰুগ্ৰা বৰ্ণভাষণ্ত স্ক্তরাই ভাছারা যাহা বচনা কৰিব।
কোন উপত্যা প্ৰভাগের ইপালাল বল ভাছানের স্বালের পূর্ণ আদর্শ। এই কল্প নাম্ব আনিকাশে উপ্তাল লাম লাজন ইউক আর সোহাই ইউক, ক্ষাম্ম প্রকেশ লাভ ক্রিয়াছিল। এই সময় উপকৃষা থলি গুনিতে আপ্তমনোরম যটে, কিন্তু উপক্ষা হৈছে লৈ সকল কৰিছমর আর তাহার মধুরতা থাকে না। আমরা সাধারণ উপকথা হইছে লে সকল কৰিছমর সলীত এবা করনা-কুপলতা পাইয়াছি, তাহাই উচ্ত করিয়া বেখাইব বে প্রায়া-উপকথা কত্যুর নিপ্গতার সলে প্রস্তুত হইরাছে। বে সকল ব্যক্তি এই সময় উপকথা প্রস্তুত করে ভাহারা কে, কোথায়—কেমন তাবে ছিলেন, তাহা আমরা অবগত সহি, কেমল এইনাক্র আনি বে প্রায়া-উপকথা নিরক্ষর সমাজে অভাশিও আধিশভা বিভার করিতেছে।

এক নিন একটি অবস্থাপদ ক্ষকের বাটাতে ভাজারী ব্যবসায় কর অবস্থান করিবাহিনীন, সেই সময় এক রাজিতে কতকগুলি কৃষক আমাকে বিনিয়া তকুক বাইতে হিল এক "ব্যুদ্ধালার" উপজান বলিতেছিল। আমি এক মনে ভালা ওনিবাহিলান। উপজানটা বলিবার সময়, বক্তা মাঝে মাঝে অভি উচ্চাখনে গাঁড গাইকাছিল; সেই গীতের কোনও কোনও কোনও অংশ আমার পরণ আছে এক এই প্তেকে লিখিবার সময় আবার সেই বজাকে আনাইরা প্রতি সংগ্রহ তরিবাছি।

উপস্থাসটি অভি বৃহৎ, সেই অন্থ উহা উদ্ ও হইল না, কেবল সংক্ষেপে উহাত্ত আৰ উদাৰ করিয়া কয়নাকুলণতা এবং গাঁও উদ্ ও করিয়া প্রামা কবিভার কবিত কেবাইৰ মাত্র। গন্ধটা এই---

তিক রাজপুর মৃগ-নিকারে গিলা লৈব চুর্নিপাকে কোনও ক্রবিগরীয় নিকট পিরা উপন্থিত
ইংরাছিলেন। ওথার একটা পুক্রের ঘাটে ক্রবক্তা মধুমানার রূপে বৃহ ইংরা বৃষ্ধ
বৃষ্ঠীর দালসাময় প্রণন্ধক্ত আবদ ইংকেন। তাহার পর রাজপুর ভাষার রাজধানীতে
গিলা উপলিত হন, ক্রক্তুবর্তী মধুমানা রাজপুত্রের বিরহারিতে পুজিরা পুজিরা ভাষা
অন্তল্পনান করিতে থাকে। পরিলেবে কত বাধা বির অভিক্রম করিরা মধুমানার সহিত রাজ্
পুত্রের সাক্ষাৎ হয়, কির রাজপুত্র তাহাকে পরিলেতা ভাষা ব্লিরা একণ করিছে অন্তল্পনান
করেন। তেলন মধুমানা রাজপুত্রের পুর্ববেশরের অভিজানের স্বর্গ একটা অনুরীয়ক কেবার,
কিন্ত ভাগ্যকলে চোর বলিয়া তাহাকে করিয়াহিলেন, ভাহার একটাতে "বিবাহ" শল, আর একটাতে
বাজপুত্রের নাম অভিত ছিল। মধুমানা প্রথমটা হারাইরা ফেলিয়াহিল, উহা বোরাল মধুমা
পিলিয়া ফেলিয়াহিল, প্রমাণ দেবাইবার সম্ভ নমুমানা বিবাহ অক্সারিত অনুরীয়কটা ক্রেরার
পারে নাই। দৈবজ্বর প্রকার বাক আলিয়া রাজপুত্রক ক্রিয়া বারাল বাছ উপায়র বিভাগ
ভাল করে বিভাগ অনুরীয়কটা পাইরা হিন্তান, করি মধুমানার রাজার ব্যার্থিত করে
উহার উবরে বিভাগ অনুরীয়কটা পাইরা রাজপুত্রক সক্র বাজ্যটা বির্মিক বাল

ाहे हरेल धरे बेनावारनह कोना । हैश काका देशक जाया जायाविक नावती जारक कुन बोना कोरक नाव कि कवित्र अन्तिक कवित्र धरा कोराक्ताकामको है करों नाकित नावका র্থান । বান চা, বান মধুমালা উপভালের শীভগুলির মধ্যে মধ্যে আনক উচ্চালের কবিশ্বাভাল কাচে। উত্তাম, প্রুণ্ধ না মিলাইলে ক্রিল সামঞ্জ হয় না, এইজক্ত আমরা আর একটা কথার অবতারণা করিকেছি। মহাক্ষি কালিগালের শকুগুলা উপাথানে আর মধুমালার উপাথানে অনেকটা মিল কাচে। শকুগুলা গলিকজা বছা-হরিন্তির লালনী। মধুমালা ক্রনক্তরণ কামে গভিল সংচলী লাকুগুলার প্রাণ্ডাল ক্রনক্তরণ কামে গভিল সংচলী লাকুগুলার প্রাণ্ডাল ক্রনক্ত্রার লালকার ক্রান্তানিকারী নির্দ্ধান্ত প্রাণ্ডালিকারী নির্দ্ধান্ত প্রাণ্ডালিকারী ক্রেল্ডালিকার শকুগুলার ক্রান্তান কর্ত্রালার ক্রান্তান কর্ত্তান করে ক্রান্তান করি ক্রান্তান করে ক্রান্তান করি ক্রান্তান ক্রান্তান করি ক্রান্তান কর

ভাই বলিতেছিলান, বে লিজকৰ কৰি এই মধুমাণাৰ উপকৰ। প্ৰধান কৰিয়াছে, দে বা) ক কাবোৰ এইশেল কলনা-কুললভাৰ উচ্চ লেগীৰ কৰি ১ইডে কোনও জালে নান নাৰে। এই উপক্ষানিৰ মধ্যে প্ৰায় শতাধিক সভীত আছে, বন্ধা কলাৰ কলাৰ গীত গাইয়া আনাৰ নিকট নিৰক্ষৰ ক্ষমেৰ কবিকপ্ৰতা উলীপিত কৰিয়াছিল। এই স্থীতিমনেৰ গুটি বঙক চৰল মনে আছে। পাঠক উন্তাতে ব্ৰিডে পাবিবেন বে, যে উপক্ৰা মনীত কত দ্ব কবিহন্ধ।

। শিব্ব হোমার কর্ব রাজা বনে কলতলে,

 ত্রের থনে ব্যা পা দুবাৰ শীচালে।

বলদালের মালা বেনে মেরো ভোর গলে।

দিশ্যানে বলাইতে দিব এই হনর পোলে,

পিরীতি মরম মধু দিব ভোরে থেতে;

বিজ্যোবার বেনে কানে ফেল্ব পারের ভালে।

মালক স্বার পুপা এনে কুট্বে কের্যার রাজে। ই রাকি---

হ । কেন গোপরে বিকরে কন্ত কুল কুটেছে হাররে।
নড়ান সরাল সোপার পানী চয়ে সেই বিলেয়ে॥
ওবে!
গালে যাব্য পানী—পরালে বর্গেয়।
(খান্ত সোপার পানীরে)

ब्यामार भरत्त महिरव क्षक भाषि भवना सामित्र ।

ত। আমান এই প্ৰথেপ্ত সমগ্ৰ, মধা মালকে সুল কোটেছে।
আমান বাগিত সই বে নাবে ওাৰে জনম লোলারে।
প্রথেগ নিন প্রেয়ন গালে গালে নাবে।
পিশিকটো চোল লিছ লো পরে, খালের লোক নব পলাইল ভারে।
আমান অফলের ধন কুচো নোলা খালে প'লো অমকাতে।
ও যেমন কুমারতে এনে মানি, ছেলে করে পরিপাটা—
কাচায় ভাবে বা মেনেনা মধুনালার ভাবেনা আকার্কি ভাও হ'লো নাল'

এই বিদ্যান সাধানণ চলে কৰিব দুৱ হয় না ৰটে, কিন্তু মধুমালার উপকথা গুনিবাৰ সময় আনুপ্ৰিক ঘটনা জানিয়া গান্ত জিনটা গুনিবা নিরক্ষয় বচন্তিতাকে কৰি বলিতে আছে ছিল থাকে না। যে সকল উপকথায় গাঁত সকল সন্নিবিষ্ট আছে, উল্লাখিন জনিবার ইন্দ্রা করেন তিনি কোনও রণিপ্রীর বসিক ব্যক্তিও নিকট গুনিবো বৃদ্ধিতে পারিবেল বে, এবনও বলনাল মনেকানেক নিরক্ষয় ব্যক্তি উপকথা পদকে কবিহুমর বিত গাইয়া স্বাংশ্রীর মুখো সন্মান লাভ করিয়া থাকে, উপকথা সঙ্গীতে বঙ্গাদেশের ক্ষিদ্যান্ত, পূর্ণক্ষলে ভিজিত কনির উপন্যাস পঞ্চ শিক্ষিত অন্ধ্রিভিত ত্রসভান হউতে লাক্ষণে আন্মান্ত করিয়া থাকে। এই দেলের ভাতীরাণে অধিবাসী এখনও নাল্ডাভিতে থালিছিত বল চতুলাণ সম্পূর্ণক্ষণে নিরক্ষয় : বিষয়ে এই উপকথা-সলীতে এবং উপকথার গল লাহবীতে নিম্ক্রিত হইয়া উচ্চ আলের উপন্যাস-

श्रीत्माक्रमां इतः स्ट्रीहार्शः।

বিবিধ প্রচলিত প্রাচীন গাখা।

क्षतीय भौगोलकाः

শত সাজে বস বজে বৈসেছেন ভবানী।
বিনারে বলে কুতৃহঙ্গে গুন সকল বানী।
ভূমি ত গুইরে, আমিত মেরে,বাক রাত্রি দিনে।
তোমার কাশাবে পঞ্জে আমার

সাধ নাইকো প্রে: মণা লোগা অলভার না পরিবাদ গাবে। শিবাদ মলে মেবের মাবে। কাড বাড়াডে মরি লাজে। হাত ৰাড়াতে নারি।
হাতে ছলাছি শব্দ দেহ পরি।
হাসিতে হল বশ্চে তন হে পথরি।
মামি কড়াব ভিলারী বিশ্বারি টক পাব কবি।
মামি কড়াব ভিলারী বিশ্বারি টক পাব কবি।
মাম সমল বিভিন্নী আর বাবের হালা।
এক চুম্বন হাকে নিলা পলার হাতের বালা।
মামি তৈল বিভিন্ন কম মানি অয়ারাক নিছি।
ব্যাভাবে মাম্বন্ধ ভোনবেতে বালি।
এতে বলহতের বাব বা কাহন্টেক

সে না কেচ্চে কৰে পৌরীর একগাছি শত্থেক কুটি।

গৌ**রীয়েরে স্বভন্ত**র। **কেবা ভ**ণ্ডে পারে। व्यात्रनि भवता मान्य माना नाहि। वः स्मारतः। ভখন ভোলানাথকে সৌরী দিচ্ছেন গাল।— **८२वकः इद्ध दक्ष्या कद्य श्रमान्यम**ि । নেৰতা হয়ে কেবা মাথে ভূষণ বিভূতি। ছেবতা হয়ে কেবা যায় কুচুনীর পাড়া। (मराजा इत्य (क्या इत्र भरतमारीहरः । बाकरत शुक्रमीत शक कुक्रमीत सांधा (बरम । **ट्रिंग क्ट**ड यांद जान क्**टि वा**कारक गटब । क्यार अन्य काविक होतेल (मनुसद्ध) Cकांध मृत्य **शास्त्रन** टलोटी मा गटलवि यत । ष्ट्रेष्टी समना गत वराहम बालि। (काश करत द्धारम मा करामी : তথ্য বিশেষ করেন অনুষ্ঠান বিশাইকে ডাকে কৰান শ্ৰের নিৰ্দাণ मध्य मध्य किएम मार । प्रहारक्य माथाकीय क्रम बक्रिकन जार्मन । শ্ৰেত মুনী ক্ষৰ কৰি বান বীৰে নিবে। म्बर्भा त्वार क्या त्वार **अक्व** हो गरन । ও নাগারী আমি নেখ শথ ्य मृत्यात्र कल दन्दर हेक । এ नक्ष लक्ष्मा इति डेडिंड वरण मरम। **७ नाम जात्य होता मुक्त बानत नीमा** ক্ৰাৰ নাম প্ৰনিষ্টে মহামাৰাৰ

आकृत हरना विकि।

তৈল কলে হলে করি করে হলেন হকানী, ছৈল করে গণ্ড মলেন ঠাকুত্ব গঞ্চনীই ই একগাছি করে শাঁখা প্রদান,

শীপারী স্বর্ট করেন সার। ক্ষামানতে লাডের পন্ম না বের হয় আরি । গৌহীর হাতের শৃথ্য বজের কিরণ।
এখন না হয় গৌরীয় দানের আড়খর।
ন দাঁখারী সাবধান হরো।
এ সকল কথা মাছুৰ বুদ্ধে বজে।
কাথা গৌলি পদ্মা আমার কথা গুন্।
কিছু দশ পনর চাঁকা নামে দাঁখারীকে
বাড়ীর বাহির কর।
টাকা নাহি নিব পদ্মা কড়ি নাহি নিব।

त्व हैजेंका १०

मरकाय वन्तरम ७७ लाकि बामरक विकेत।

[()]

দ্বীত

কর্মীর জনে বিছালেন পাটা।

মূট্রক কর্মীর জনক রাজি।

মোনানী ছে এড এড মূলে কর্মে কি।

মানার বেঁটুর বিজ্ঞা লবে প্রশের ছাউনী।

টুনরের জনে বিছালেন পাটা।

মূট্রক টগর জনক সাজি

মেলেনী বে এড এড মূলে কর্মে কি।

আমার খেটুর বিজ্ঞা হবে প্রশের ছাউনি।

চাপার জনে বিছালেন পাটা।

মূট্রক টাপা ভলক সাজি।

মেলেনী কে এড এড মূলে কর্মে কি।

মানার বেঁটুর রিজ্ঞা লমে প্রশেষ ছাউনী।

আমার বেঁটুর রিজ্ঞা লমে প্রশেষ ছাউনী।

"ঘণীকণ্ড প্লাকে চলিত কণা। "বে ইগুলা" করে। এই ভৌলাসের রাগ্য দিবন ঘটকে আনক ঘণীর সংলোধি পরার পাকে, এবং বৃত্তন কলেকের কথাব বৈপাধ মানের রাক্য বিলে বিনীয়িত কর। খেইপুলা" কুমারা বালিকাক্ষের একটা ক্ষমীব-প্রিত্য ও গ্রীকিকর এবং অব্যক্তনিক প্রাঃ।

| > |

বাঞ্চারে বাজিছে শক্ষের ধর্ম। বরে চ্ছামণি। कर्मनीय कृष एकरण सहत हा हैत यनन आहेर्य । नानातरम्य राष्ट्र यात्य, जानतरभत राष्ट्र रा.इ., व्यानान डाइएव वाक नारक (व : वाकारत वाकिएक मध्यक्ष ध्वमि। छटत हुकामनिः টগরের ফুল ফলে মারে যেঁটুর বন্দ চাইরে। नानावरक्षय शक्त वार्ताः क्षाम ब्राप्टयः वाक वार्त्यः, "यानाम प्राव्य नाम वास्थान । वाकार वाकिएक भागात क्वाना धरत हुन्।मीरा हिलाद भूग त्यान भारत उठ द्वा वयन हाहेत्य । भाभागाञ्चन वाल नाएक, छात्र वालन वाल वाटक, भावाम कामत दारा वाक (दे।

101

পোশার খুরি জেল ছলদা স্ত্রার পুরি চক্রন। এখানে হান কৰ । ১ শোষাই ঈশায় মহামেব।। কিবা স্থামি নান করিব হে গাঙ্গ वाम नाई कामाध करण, व्यामान करत प्रांटक ननदाहै १ औ अंदिक प्राप्त वस्तु क्षत्र काराभ । माभा ना कुरतेषि जितारत किता पुरुष मिलार्थ राम। अभारत **रहीकन कहरर र्**मामारे हेचड महारत्य। किया जामि द्वांकन कविव दर शरक, काकन नाई कामांत्र केंद्रक, भागात परत भाष्ट्र ४नवारे ठली ् ठाटक त्वरच वक् वक मार्ग ॥ क्या ना त्रक्षि क्याद्य क्या बोबोत्र शास्त्रप्र विका, ह এলানে মুখতদ্ধিকর হৈ লোগাই **ইখন মহাদেব**। क्रिया सामि मुन्तक्षि स्वित् द्व भटन पूर्वकरि नाई भागात सहस्,

चामात्र पदत्र चारक्र ननवार हजी ভাকে কেৰে বড় ভৰ লাগে ।। 8

স্তবৰ্ণ কাষ্টের গড়াঙ্গং বে মৃক্তা পা**টের শিকিয়া।** इरक्त कार्य छात्र किए जीवेश शरिका ।

CR THE BILL SIL (मिस्सा मान्यत्व क्रिके कारम श्राहाणिनी।

ভাল লা মোর ছুটা লা মোর ফুটলের ধুনী। ফেলা ৬ বাধিকা দ্বির পদারি নোকা হোক থাকি

्त करत्र वाम ब्राम । मित्रिया मान्। त्व दहने कारन त्मायानिनी । नीं भानतम् ६४ चान्त्यम त्नीकः देश्य अधिः ৰূপি স্বাহাৰ গোটা গেপ্য ছব **হটের স্বাটা।** क्राक्श कारम लाग मिया छाँचना सादिका।

ে হৰে রাম রাম। भीनश मागदत ८०% कारम दमाबामिनी । बद्रश्रीमहत्तः माम्यापितः। [>]

मात्र ना द्रश् करब ५८त एक्टन कुडव ८३। কোন্থানে পোহাইলা নিশি রে গ मार्गा मा रगरनम शास्त्र, मा रणानम सामारत, भा आरम्भ इल्ड्रामिकांच महरण ला। 名(3 (重(m 東京4 19))

कि कि लाल शास तर १ থালা লেলেম, ঝারী লেলেম, আর লার কি মোর ন্সোরের সার প্রেলেম্ কোলেমি রক্ষ গ্রের। [+]

ব্যৱিশ গাভীৰ মুক্টে পৰুমায় তেখে ছিলেম বস্ত মুক্তে त्मरण ना **्यामा अस्ति सक विषय त्याब**े दिस्स जरव मा स्थित के मीव बाद। ्ठायात बहुत्वर माडी लोक्टक गांव। स्टार राजा मानि के की है जाते ।

ভোমাৰ দানের খালা বৌজুকে পাব।
ভতৰ দাদা কামি এ **কীর** খাব।
ভঙাগাৰ দানের **ধারী দৌজুকে** পাব।
বিবিধ্ব দাদা । তব

1:1

কাকাকালা জুজ্যানা ভাবের গাঙে আছে। বে ছেলে কালে ভার গাড়ে চড়ে নাচে।

1 + 1

বান্ধ যে অভাব মনলে চুটে। মিলার কব সাঁজে ফুটে। [৩]

ভাঁটে ৰজা চৰচিকা বদ্ভে দিলাম ঠাই। ৰূপ ও আছে ডেকচেয়ী গুণ ড কিছু নাই।

[s]

কর্মে কুছে **ভোজনে নেড়ে।** লাভ পাড়িত মে**ডে বুছে**।

[•]

ভিলে আলা কিছে ভন। ঠাকুর দাদার কথা জন।

[+]

কি কৃতিৰ কে <mark>দৰি কৰ্ম কো ৰাজ।</mark> বিধি কবিলা কুপোৱা হাত।

[+]

হাত এল কল লা ভূজ জুল আগাত না দেৱ ছুঁ কঃ প্ৰের হাতের ভাত থেতে চাঁদ বে হেন সুখঃ

[+]

ক্ষৰ চিকৰ হাতে, পথ চিকৰ পাছে। প্ৰপুৰুতে নৰ্থী চিকৰ, ছেলে চিকৰ সাক্ষ

্ব।
নেবেছি দেশনো আন ।
চঠের গলার চক্রহার।
বানমের কাবে লোকা।
ভার গায় ভুগারী বানা।

[>]

হরি আছেন কোন্থানে ?
পদ্মভালার বন্ধানে ।
সেধানে হয়ি কি করে ?
কালা সিজে সিজে মাছ বলে ।
তবে কি ভোষের মাছ বরা ঃ
হরি ধেতে চান করা সনোহরা ।

[::]

চোকে। চোকী কচকৰ।

মন পূড়ে ততকৰ।

ধাটার পেলে আবেক মন।

বাড়ীতে গোলে ঠন্ ঠন্।

হাটের কেটরী বে ভার পাবের পরিচয়।

হাট ভাজিনে বে ভার কাহারও কের নয়।

[12]

বাবের যাখার কোঁক্ডা কোঁক্ডা চুক।
বাথ বেড়াছে নবীর কুল।
বাথ নর বাথ নর খোপারা কুরুর।
কে সেখেছে কে সেখেছে থাবা বেখেছে।
বাধার বাতের তীর কার্টা কেছে সেতেছে।

[>0]

मारका मानक मान गांकित वांना ।

त्यावांना ममीरहावः क्रिक्स वांना ।

व्यवस्थ कर्म त्यन वांनाम ।

मधानारम देवता भारक वांनिका क्यांति ।

साना रात्म त्य त्य, त्यांके वांना क्यांति ।

स्व त्यावरक त्यांक मनी कारक वांनिम द्यांके ।

व्यक्ता त्यावर मान्यक कांचे यस वृत्यक वांनि।

व्यक्ता त्यावर मान्यक कांचे व्यक्त वांनिका मान्यो।

[38]

বাবারে কাকা কেনে নিলে টাকা। সাগরদীবীর জল বহিতে কাঁজাল হলো বাকা। মাগো মা বাবুর হেলে বিভা দিলা ছাডু থাব না।

[>e]

বগারে বনীরে এবার বড় বান।
ডাঙ্গা দেবে ধর বাধ্নো খুঁটে ধাব ধান।
বগার মাধার গাল পাগ্ডি বগীর মাধার চুল।
স্তিয় করে বগরে বগা ধাবি কড দুর।

ন্দাৰি বাব বিলে বিলে।

ছইটি কাতলের মাছ তেনে উঠেছে।
বাবার হাতের ফেললড়ী খান কেলে মেরেছে।

[>6]

হধ মিঠে দই মিঠে আর মিঠে নবনী। সংসার হল ভ মিঠে মা বড় জননী। কাঁচা সোণার বরণ গর্ভর তাইত এলো না সাধ করে দিলেম নিমাই হাতে তার বালা। নবীয়া বালকের সঙ্গে কে করিবে ধেলা।

[>1]

আমার খোকন বাবু শন্ধী।
গলার দিব তক্তি।
কোমরে দিব হেলা।
ধাকুর পুকুর করে আমার বড় মারুবের ছেলা।

[১৮] कम्यू कृष्ठा रक्षका । क्यांकीयने क्ष्मका । चान नाम माधाद (सम्मा ।

मान नान माधात्र (व्यक्ता । नान् का कृत्य करना क्यांकू नाठेना क्रमा बाना । क्य दिनिय क्यांकू निर्देश क्षम स्थारिक बात । नर्द्धत्र निष्य द्वा (व्यक्ति), त्यांकृति क्षम स्थार । स्थार महि, क्षम सहै, वर्ष सहै, स्थार । [55]

আমার গুকী হবের সর ।
কেন্দ্রে যাবে পরের খন।
পরের বাবে পালে চড়।
গাল কর্বে চড় চড়।
গুকী আমার বল্বে বে
হে বিধাতা আমার মন্ত্র কর্মী

1 20]

পানকোড়ী পানকোড়ী উঠ উঠ।

জামাল এলো পিঠা কুঠ।

জাহুক জামার ধহুক মাট।

চবে দিব পরের বেটা।

পরের বেটা নড়ে চড়ে।

সাত সভীলে ভুবে মরে।

[>>]

মানো মা বাটে বেওনা, কেউৰ এনেছে।
কেউরের মাধার পাকা চুক বাদা বেথেছে।
কুটিট কাতবের মাছ, লক্কে উঠেছে।
একটি হলেন গণেন ঠাকুর একটি হলেন টিরে।
টিরের বেটা বিভা বিশেন লাল সাডীখানি বিজে।
ভাত বড় রাজেন টিরা রাজন বড় রাজেন।
বামীকে জাত বিশে হয়রে বলে উাল্ছেন।
কাল্ছো কেন কাল্ছো কেন, আন এক বট বাজি।
নাত চরারে কেওবার লাভারে নাজেনাকী বাজা
বামিনের জালা মালা মলিবের কুল্

THE SPECE COURSE (

1 20]

, अथनकात्र एवं कनकात्र। চরদের **উপর চমংকার**। নাম প্রারেডে খবরী পাতিশি केन्द्र गारबंटक कन्त्र कार्छ। नम मा **राष्ट्रम प्**तरह रा कि क स्वकार जिल्लाहरू अधि । भ'ना भाना काडली। महलामां, (७५३), व्हेजी । পুলার সাজ **কভক গু**লা। किक, जोबानी, एककीया ग । মাধার বান্ধ কতকভাগ । क्षं किंगि, कलाउँ एक । **研究學者 新聞 李适季也的**() करण भूत, शंबरण काउँ। 春江44 天 株 後田春 保証: मूद्र कृष्ठः विकास्त्रहर् अध्यक्त (५ मह केंद्र कि विविद्याना सुन्द्रय 📯 अहः, . को निर्देश को बाल्यक विश्वस्थान विश्

[* •]

কি গাবার মন বাবু কি থাবার মন। তাটের চুঁচড়া নাছ, রাওঁড়া বেয়া। তা থেরে গোকা বাবুম্বা পেই নাচন।

[:4]

বাপ ধন পঞ্চকে নাতি।

এত দিন বিচেপ কতি।

ক্ষিত্ৰৰ বলে।

বাচেৰ ক্ষিত্ৰি কৰে।

ক্ষেত্ৰৰ বলে বলে।

[*]

ति ते ते सात्र किंदू कि त्यर क्षां छ वा क्यां के ना वि क्यां के त्यां के त

[>9]

পাণ চিবাকেন, কণ খাজেন, বড় মান্তবের বিরু হাতেরত গেউসা, আর গ্রান্ত কিবেড়ী। আহু পাক বাছা ভূমি চিড়া চন্দন থেরে। কাল বেয়ো বাছা ভূমি হুছ পাক খেরে। আ হু সিন্দুরী সিন্দুর পরাজেন। বাপ ও করকন নৌকা সাম্বাছেন। ভারত হু হুড়াল ছেলা ভাকাজেন। চেলা করে বিক্ বিকি চেলা করে কটে। করকণে বাব আমি সমুদ্রের বাটে।

[24]

কান গোঁচলোন ভোমার বাড়ী কৃমি নাইকো খরে। ভোমার বাড়ীর কান কুন্ধ, কান বন্ বন্ করে। কেন বে কাপুরা বাঁচর ভোর পা ন ক্বনি জান্বে সাবের কুটুম তবনি বাঁ। বাঁ ন জাবি কবে উঠি, কবে বনি, মেরি বনটিভোর ধ

AN ANNUAL SECTION AND A

খুকীর আমার গোণার সিংহাসন, রূপার বাটা। খুকী আমার গোলরে, টোলা গড়গে ধর রে।

[00]

क्टाबाना ७७ छाना बारत शूरन नाम । वित्रन वर्गन क्टाबाना बंखाबाबात होन ।

[0>]

যার পুর পুর পুরা।
ভালনো খাটের পুড়া।
টুট্লো পাটের ভোড়।
টাদ মুখ দেখুভে এলো সৈদাবাদের লোক।
দৈদাবাদের লোক বলে কি কি গ্রহনা।
শীখার উপর বান্ধবন্দ, পলায় ইংসলা।

(00)

ওবে জামার ধনগানি।
হিচ্ছতলার বন বানি।
ধন ধন ধন ধন।
পাকোড়োর গাছের কেনা।
হয় না কেন ভিন্তা খুকী কানে দিব লোগা।

[00]

মাগো মা ঝাউ বনের হাউ এসেছে।
হাউ নর হাউ নয়, বৃদ্ধি বলছে।
বাদার হাতের লাল লাভিখান ফিকি মেরেছে।
পলাতে রক্তমালা তক্ত গেঁরেছে।
কারবাবের বলবাতী মালকে নেমেছে।
পতিয় করে বল কলা ভোমার বাড়ী কোনু পাড়া দু
কারবার ঝাড়ী মধ্যি গ্রা.
আস্তে ভাবিন, বাইতে গ্রা।

[or]

निजय निजय (गांधामुबीत छ।) टाउँ या शांठे (जय, कांगाव किया था। पानाव किया बाद वा, किया कांगा था। চিড়াজে ব্যানী বৃড়ী চেকি বাৰ চান্। নাক কাটিডে জনারে বড় নাছনের বি।

[oc]

[00]

নিক্ত যা নিক্ত যা ডোমের পালা।

মতে ভাষের বহিন তুমি হকিশের চালা।

ইাদ পাডিয়ার কেনে যা বাপ হারালেম।

কারি পেটারীর কেনে স্লাভি মন্তালেম।

[69]

ধুকী আমার কৈ ? খাটে গুরে ঐ।
ধুকীর আমার কোন বাড়ী ?
নই কৈন চিনি কপুর, অবল হোন হৈ।
ধুকীর আমার কোন বাড়ী
আনা পাছা কুল্বাড়ী।
ভাক ভাক বোধ করি।
কুলীন কলা দান করি।

তান থাটে কি বেহুত নাটে কাটে কালাক। হাতীর পর বোড়ার কাচে চার চিকিন্স কালা মাতার কাচ কা চেক

पूर् नत्वा पूर् कान्यक्रम निर्माण हरू । भाव पूर्व व्यक्तिक क्रम दशक्ति । पुरुष गात त्वान क्रम व्यक्तिक

· Subdig them Balletin

क्रीड कें15 हमा करा द्वार धरेरस्ट । हा क (नतन्येश स्माम नेकारहा ংলাকে ৰুজনালা কক্ত চ্যেছে। ্সাম তুমি **থাক নাজু। হু**ধপাল বে র । काल द्रशिया नार शाद मनमात शामान । महान कारन राम स्म, रेमान नेगम मन। भंद्र शहल । १२ व्या १४, रा छ च छाइन वर्ष । 发现这种《江西(西)上,夏代四十二 काव १९४१ । तम ब्राइक संस्थानिकनी ।

> वस्तो वस्त्र वि एएक ए योग्य कि। (क्षणीयो महा के लाग । मक जिल्ला शानमन्। माद्रकरारो कैष्टिशान भूटत ्लो विन्तु छ ८४ (५ छै।)।

1 han 1

1 83

আক্রে কোলাল প্রশালাপ : व्यक्तिद दृत्य तीम । शका यस्ता। हा छ त्योसा।

[H2 |

इर्द्राणक व्हि १ व्यासन के इंडासन के जि কেশার শত্রি না ও পার সহ গি। हेंगल प्राम हुन मिल्ट ह (C-3

া প্রতি জনা, হেলা ভারের বেটা। ा पात्रका बाई: राष्ट्र क्र**ाम** (बांगि । कि १ व व्या , न्याक्तित्र किया की।। ंडिया । तर घटन भारत एका गत्र वासि । ·耳 好的情况

प्रेश 🍜 - । १ ७ शक (कारी, बांबा ।

चि डिमिटक नेएका। চেস কালিতে আছল চাউল্ক্রালার হাতে কুলা তৰু তেওয়ার জন বল জীবিন তৈলে: बड़ बाटकर फिब, काटर वड़ वंदिया निश । नक् बन्धदन्त कियी मात्र करते (क्रम । कर किरिया विकास १ एक क्रांटिक कारण निमान

1 49 1

ধরশ কাপত পর্বে ফাঁচিরেমন ভুলালি ভারাতে का मही तर्भक्षा है करम **क्षा**न पार मेराहे।

[> ¢]

वाम बाक एकरणव भूती अधिका बरख रेवला । कः भानका भानमी साविद्य हु म गिएल जोता (कैन १ । कैमन शानु, पुनि कासम क्रियांकद । है। दीरब ८ का बारुख क्रोबीड केवन फन ।

1 90

কাৰ কোণে ৰাড়ালেম বে কাল বে ডুলসা -ांकीय एतम **वाका**रवामात लोगी अमन वि

मा सामान (क करत राष (मान कामाद क नाव म्ह म्ह कैएक बाल केर्रीत त्राकृति मान्यद्व । ्बनावाय गाँकनी काल पुनारम पुछारम । काम है के करत वाचा र लाह मि अध्यक्ति। ATCS CALS LA MOR NIS I

त्नानादर त्यार त्य नत्र परि

1 89 1

, बरलांब रा युद्धी। कार्ड माई दर्गाल। हगान का पड़ राशी । इस्तोरक मिनि । यानि मि मात्र बार्ड (नेहरू) क्लाब शास्त्र माएए। कमा नाउ कुन बान । मुठी बार कुन का नहीं এক বেৰ আৰী, মনেৰ পাটা

-

বৈষ্ণব দাস ও উদ্ধাৰ দাস

বদীর সাহিত্য পরিবং হইতে প্রকাশিত প্রীয়ুক্ত জগন্ধ তন্ত্র নহাশর কর্তৃক সকলিত প্রিগোরপনতর্মানী নামক প্রান্ত "প্রীন্ত্রীপদক্ষাতর্ম" প্রছের সক্ষান্তিতা পরিভাগনা, ফকবি পদকর্ত্তা বৈক্ষব নাম ও উদ্ধব দাসের নীবনী সম্বন্ধে যে অতিনংক্ষিপ্ত বিবরণ নিশিষ্ক হইলাছে, ভালা পাঠ করিয়া অতীব গুংখিত হইলাম। গুংগের কারণ এই বে, ভক্ত মহাশদের বনিত তাঁহাদের জীবনবিবরণ অতিসংক্ষিপ্ত হইলেও উহাতে অনেকগুলি প্রম্ন মহিয়াছে! পদক্র ও দন্দের উপর নির্জন করিয়াই তন্ত্র দহাশন্ত্র পদক্রে বৈক্ষনদাসের শ্রীপ্রশিক্ষান্তর্মণ প্রস্তুমান উপলক্ষে একটু বিজ্ঞাপ কটাক্ষ প্রয়োগ করিয়াছেম।

বঙ্গদেশে ইতিহাসভাগার বেরপে অভাব, ও ঐতিহাসিক নাজিলালের প্রকৃত বিবরণ সংশ্রহ থেরপ এবছ, তাহাতে ঐরপ প্রম থাকা বিশ্বরের বিষয় নহে। সম্প্রতি নাজালা সাহিত্যে সাধীনভাবে ইতিহাস-সম্ভাবনের চেঠা আরম্ভ হইয়াছে, ছানীয় লোক ইত্যের সাহায়ে জনেক প্রামাণিক বিবরণ সংগৃহীত হইয়া তথানির্গন্তি সাহায়া করিবে, এই আশায় সৌরলকভর্কিশীর সম্ভানকভা অভুত পরিশ্রম করিয়া যে গ্রন্থ সম্ভান করিয়াছেন, তাহার প্রম সংশোধনে সাহায়ী বহলাম।

ভার মহাব্যের প্রথম এর এই বে, জীনিবাস আচার্য্য বংশসমূত প্রায়ৃতসমূদ্রপ্রথ-সম্বার্থিত রাধামোহন ঠাকুর বৈঞ্বলাস ও উদ্ববদাসের গুল ছিলেন ; কিন্তু উহা ঠিক নছে। বৈঞ্বল দাস ও উদ্বব দাসের গুল রাধামোহন ঠাকুর ইহা প্রারুত, কিন্তু এই রাধামোহন ঠাকুর গুল জীনিবাস আচার্য্য প্রভুর বংশসমূত "প্রায়ৃতসমূদ্র"-গুল প্রথেতা রাধামোহন ঠাকুর মহান্যের বংশ-সমূত । তাহার নিবাস টেরা। এই টেরা গ্রাম দুশিবাবাদ জেলার অন্তর্গত কাল্দি সব্ তিবিদ্যানের অন্তর্গত ও আদি চরতে প্রায় পাঁচ ক্রোশ প্রথমিনিব দিল হরিবাস ঠাকুরের মান্যমূত মুরনিবারের জেলার অন্তর্গত প্রায় পাঁচ ক্রোশ প্রথমিনিবাসী পণ্ডিত ক্রকপ্রসার্থ কিন্তরের নাম বোর হল আনেকেই অবগত আহেল। অনেবন্ধণালত্বত, সর্ব্যানের বিশারণ, বৃহস্পতিকার পঞ্জিত ক্রকপ্রসার্থের অনাধারণ পাণ্ডিতা ও গুণপ্রামেন মোহিত হইলাম্বনার ভ্রমার বাজা বীভারাম বালি উল্লেখ্য ক্রিক ক্রমান্তর বেই চল্লাক ঠাকুরে বিশ্বর্থ ক্রমান্তর্গত, এই ক্রমানান্তর বেই চল্লাক ঠাকুরে। ইনিই জালা সীভারামের নর্ব্যার্থির জালা ক্রমান্তর বিশ্বর ব

অন্তিটার পদক্রতা ছিলেন। রাধামোহন ভণিতাত্ত পদসমূহের জনেক পদ ইহার রটিত। বৈক্তব লাস ও উদ্ধব দাস এই রাধামোহন ঠাকুরের মন্ত্রনিয়।

শ্রীরপরতরন্ধিনী প্রস্থের ৪৮৬ পৃষ্টায় ৮৫সংখ্যক পদ যথা—

"পৌরাঞ্চ চাঁলের প্রিয় পরিকার ছিল হরিদাস নাম।

কীন্তন উলাসী, প্রেম স্থল্বরাপি, যুগল রসের গাম।।

ইয়া স্বাকার, বংল পরিবার মতেক ঠাকুরপ্রণ।

সবার চবলে রভিমতি মাগে বৈক্ষব হাসের মন।

"

এই পৰ হইতে শেষ্টিই বুঝা বার মে, বৈষ্ণৰ বাস ছিল হরিবাস ঠাকুর নহাশরের শিষা। বলতঃ বৈক্ষৰ বাস ও উদ্ধন বাস প্রীয়াধনোহন পদবান কৰিয়া বে সকল পদ রচনা করিয়াছেন, ঐ পদে তাঁচারা উহাদের দীক্ষাওক টে হানিবাসী রাধ্যমাহন ঠাকুরকেই উক্ষেপ করিয়াছেন। মালিহাটীনিবাসী পদাস্ভবস্কুল্লগ্রন্থ প্রবেজা-রাধ্যামাহন গাকুল নহে। উভ্যু রাধ্যমাহন ঠাকুবলাদ সমস্মানিক ভিন্তন। টোরা ও মালিহাটী প্রায় পদশবার সমিছিত, এইক্ষুই ঐ প্রম উপেন্ন হব্যা গাকেব। বেহাব দাস গাহার ওক্ষানের বিষয়প নিশিব্দ করিয়া "ওক্ষুণপরিকা" নামক শৃথকু প্রস্থ রচনা করেন, উভা প্রম্থ ছিল হরিয়াক ঠাকুর মহাক্রের ক্ষান্তীয় বিবরণ বিভাগিক ছাবে বিশিব্দ আনহা। এইবলো টোরা শাবার ছাব্দ মহাক্রের ক্ষান্তান, তপ্তিক প্রস্থা লাভত মেহন, বিশ্বন কর্মান চল্ল ও প্রিয়ুক্ত মুবলীয়েন কর্মান হহিয়াছেন। প্রয়োজ চল্ল ও প্রিয়ুক্ত মুবলীয়েন কর্মান হহিয়াছেন। প্রয়োজ জিন চল্ল ক্ষুক্তার্য্য স্ক্রান্তন্তন আক্ষা

শ্রীবৃক্ত তার মহাশর বৈষ্ণৰ দাসের নীবনীসবদ্ধে আচার্যবংশকুগতিলক রাধানোহন ঠাকুর সহাল্যের অধ্যক্ষতার ও প্রনিধানাদের নকাব দুর্ঘনির কুলি বার মধাক্ষতার অধ্যান ও পর্বাধার শ্রেষ্ঠিক অবস্থানে বে বিচার হয়, ঐ বিচারের মন তারিক নিবিজে নিরা ওকাতর তাম প্রাধান প্রতিত হট্যাছেন। দল তারিক নিবিজে গিরা তিনি নিবিষাছেন ১১১২ সাল অর্থাৎ ১৬৪০ শ্রেক এই বিচার হয় (গৌরপমতরাক্ষী ১৩৭ প্রা)। পরে রাধানোহন ঠাকুবের জীবনী কুলা সম্বত্ন বিচার ১১২৫ সাল অর্থাৎ ১৬৫০ শ্রেক সম্পন্ন হয় নিবিয়াছেন (গৌরপমত্বাধিনী ১৭১ প্রা)।

ভন্ন মহালরের কোন্ উজি ঠিক ? ১০১৫ দা ১০২৫ ? আবার ১৭০ পুরার কট নোটের প্রতি
কলা করিব। তন্ত মহালর বিশিষাছেন, "১০২৫ এল নামে ৫৯০ যোগ ক্ষরিয়ে বুলীয় ১৭১৮ শাক্ষ হন, ভাষ্চ চইতে ৭৮ বাব বিলে ১৯৫০ শকাম হয়"। ১৭১৮ ছইতে ৭৮ যাম বিলে ১৯৫০ হয় এ অহলায় তিনি কোথান পাইকেন ? আর ইবার উপর নির্ভন করিবাই তিনি স্থানন সমস্থারে বনিজেনেন, "অমৃতবাজার আপান বইকে প্রকাশিত পদক্ষতকার পরিশিকৈ ১৯৪০ লগাক আছে, ভাষ্ট্য লগা।

- इंडाना श्रीरनातनमञ्जानि तारा १९ गृहीई चाहारा तार्व पूर्व अधिरनातिन, १९९९ अपनातन १ कापातरमा सूत्र प्रोमीतार्थन, प्रशास प्रामीतार्थन, स्थाप श्रीरने १९४ विद्यारक्त कि विविद्य जीवार्थ कराव गृहीम सूत्र प्रोमीत प्रामीतार्थन চাতুৰের পরিচর প্রধান করিতে ব্যবিধা দ'লা তক বিশ্বক্তের পর স্থিত করিলেন, রাধিবোহত জীনবাস জাচাত্ত্বির কুউপ্রেশ্যের।

বৈক্ষান্ত্ৰৰ শিতৃৰাত্মন্ত নাৰ পোক্লালন নেন। তাইনি শিতাৰ ননি বেলফিনির নৈনি, লাতি বৈভ, নিবাস ব্যালাবাদ জেলার ভাউনিত টে রাপ্রিনি, লোক্লাননের উন্নিন্ত নাল বৈক্ষা লাল বাজনের ভাউনিত নাল বিক্ষা লোক এই, উল্লি নিবাস বিক্ষা লোক প্রের নাল বেলার প্রের নাল প্রের কাল প্রের নাল প্রের নাল প্রের নাল প্রের নাল প্রের নাল কালিয়াল একাও কালিত আহেন, উলার বর্ষ একার কালিয়াল কালিয়াল উপরিক্ষালের অন্তর্গত কেছুলাক ভালার বাল্লালাল তথার তিনি প্রে, আছুল্পুর ও পোজ্লাল পরিবেটিত হইরা বাস ক্রিভেক্তেল। গোক্লালাল প্রের নাল বাজা নাল-প্রের রাজার নাল্লালাল প্রেরর রাজার নাল কালের রাজার নাল কালের নাল কালিয়াল প্রেরর রাজার নাল কালের নাল কালিয়াল প্রেরর রাজার নাল কালের নাল কালের নাল কালের নাল কালিয়াল নালের তাল বাজানাল নালের বাজার বাজার নালের বাজার কালের নালের নালের নাল কালিয়াল নালের তাল বাজার বাজার বাজার বাজার বাজার কালের নালের নাল কালিয়াল নালের তাল বাজার নাল কালিয়াল নালের বাজার বাজার কালের নালের কালিয়াল নালের তাল বাজার নালের বাজার কালিয়াল নালের নালের বাজার নালের বাজার কালিয়াল নালের নালের নালের কালিয়াল নালের নালের কালিয়াল নালের বাজার নালের নাল

উত্বৰ্গনের বিভূমানুন সাম ক্ষাকাত নৰ্নদার, ধানত নাম উৰণ বাস। উহিরি
পিতার মাম রাজ্যক নক্ষান্র, জাতি বৈগু, নিবাস টে রাপ্রাম। রাজ্যক মক্ষান্তের কই প্রা
প্র প্রক কলা করে। প্রিটিরের মধ্যে কৃষ্ণকাত্তের এক কলা করে। এই কলার নিকিত
ব্যান জ্যোর অন্তর্গত অপ্রবীপনিবাসী হলধর মনিকের বিবাহ হয়। হলবর মনিকের প্র
কুষ্ণাবন মনিক, কৃষ্ণাবনের প্র হরিলোহন। অপ্রবীপের অ্যাসিক ক্ষিণার ক্রিন্তি নকুষ্ণকর্
ক্রিক্ত রুষাপ্রাম্য ও প্রীযুক্ত আগতেয়ে মনিকামহানহণণ এই ব্রিনোইনের প্র। তার মহানিক
বে বিবিয়াকেন, ক্রমকাত মন্ত্র্যানের সভান করে নাই, ইহা তিকি কি প্রাথনে ক্রিনিবান বি

কৃষণাত মন্ত্রনারের প্রতার নাম গোকুণ মন্ত্রনার নতে, গোলাপতির জানুন্দার। তাহার চারিপুরে রামকেও, রামকেও, নিলাই ও রনিনারারও। রামকেওও মৃত্রু নিতাই-চাবের পরী শ্রীমন্ত্রী নৃনিংহমরী অভাপি জীবিত আছেন। রামক্তরের প্রতারকার কভাত জন্মে। ঐ ক্টার পুর গোরগোলান নেন। গৌরগোপানের প্রতা শ্রীমান্ প্রতিবর্গত নৈন তাহাবের বাভাজিটার বাস করিতেহেন।

क बार्ड वस्ता लाग न्यं न न

Set +

মধুশ্বনের মিতীয় প্র রক্ষণ দেন মহাপায় চিকিৎসাপান্তে এরপ অভিজ্ঞতা লাভ করিয়াভিলেন যে, সাধারণে তাঁহাকে চিকিৎসাবিবরে দৈবপভিসম্পান্ন জ্ঞান করিও। তাঁহার ভিন পুত্র , শচীনক্ষন, ফ্রাদান্দ্রন, দৈবকীনক্ষন। ইইণ্নিগের মধ্যে দৈবকীনক্ষনের তিন পত্র, জ্বীমান্ যোগেশচন্ত্র, শ্রীমান্ তেমচন্ত্র ও গ্রামান্ ভূষণচন্ত্র।

িশিশচক্র সেন মুরশিদ্ধারার জেলার জীবামপুরের জগীরগপুর নামক স্থানে বাস করেন এবং ভগ্নে **ভারার পু**ত্রের বাস ক্ষিত্তভেন । মধুসদন সেন মহাশ্যের বংশিছেরা অপর স্কলেই টেম্বাগ্রাহ বাস ক্ষিত্তভেন।

গোকুলানন সেন মহাপ্রের বাড়ীর পাথে হ অধিকারী ও মুখোগাংগার পরিবাদের বাল ।
ইটার তেঁযাপ্রাম নিবালী ক্লিবেলী নহাপ্রশিক্ষ প্রকাশন। বিবেলী নহাপ্রবিধের পুর্বাপ্ত্রন্থ
মনোকের রাখ পশ্চিম দেন হটান আলিয়া টেইং গামে বাস ও উপরোক্ষ অধিকারী ও
ন্যুপাগানাত পরিবারের শিষ্যার গ্রহণ করেন। ক্রিবেলিবংশ প্রদান প্রধান মহাত্মপথ ক্রমানক করিবাছেন। কলিকালা রিপণ কালেজের বর্তমান প্রযোগ্য অধ্যক্ষ, বলীর সাইছি ত্য পরিবাৎ সভার সনক্ষ সম্পানক, বিশ্ববিদ্যালয়ের উজ্জার রাই, শ্রীগুক্ত রামেশ্রক্তমণ ক্রিবেলী, লালগোলাধিপতিব গ্রুভিক্সক চিবিন্যালয়ের প্রথাত্ম বাবদের ভাষানর শ্রীগুক্ত ক্রিবেলী, লালগোলাধিপতিব গ্রুভিত প্রসরব্যার ও প্রবিশ্বিকারী শ্রীগুক্ত মুকুলকুমার কিবেলী মহাণাণ্ড এই বাশ উল্লেখ প্রতিক্রিক আছেন। এই বল প্রবিশ্বিকার মহাশ্বনিধ্যের ভক্তম্বা গ্রুথবার জিলিও নামণ্ড বিগ্রহম্বি প্রতিক্রিক আছেন। স্ক্রাশিক্ষক শ্রীগুক্ত মাজতোব, শ্রীগুক্ত ওন্ত্রীচরণ, শ্রীগুক্ত সভীপ্রথা, বিগ্রহম্বি প্রতিক্রিক আছেন। স্ক্রাশিক্ষক শ্রীগ্রন্থ মাজতোব, শ্রীগ্রন্থ ওন্ত্রীচরণ, শ্রীগ্রন্থ সাহীপ্রথা, বিগ্রহম্বি প্রতিক্রিক আছেন। স্ক্রাশিক্ষক শ্রীগ্রন্থ মাজতোব, শ্রীগ্রন্থ ওন্ত্রীচরণ, শ্রীগ্রন্থ সাহীপ্রথা, বিগ্রহম্বি প্রতিক্রিক সাম্বাধানার এই বিগ্রন্থবিধ্বর বর্তমান নেব্রিকার।

কলিত আছি, ঐ নিজক রাম জিউর এক দিবদ রামের গোকুশানন্দ দেনকৈ প্রাচাদেশ করেন যে, রাজিতে বজ্লি পাড়া ও পরিষ্টি অর জেঞ্জন করিতে তাঁহার অভিনাম কট্যাছে। ইংশি ৃতি কান্তিকালে এই বিশ্বত দেবের ভোগ দেওগার কোনই পথা ছিল্পা; গোকুগানন্দ এ পাঙার ইন্থবালের্ডী ১, নেশ্যান্ত, ও দেশপুন্ধা ছিলেন যে, তিনি শিক্ষার প্রতি প্রভাগদেশের বিষয় প্রকাশ ক্ষিণানায় রামিকালে বড়ি পোড়া ও পরিষ্টি অর খারা ক্ষিত্রীকৃষ্ণ মাম্ভিট বিগ্রহের লোগ দেওগার বালাবার হয় এবা তর্বধি মাজিতে ই প্রকাষে ক্ষেণ্ড কর্মা আমিজেছে।

ক্ষেত্ৰদাস ও উছত্বাস উভয়েই জন্তক্যপের জনসং নিবাসন কর আক্ষাপের পাড়ীর কিন্তু পাছালি বর্তমান আজিলা প্রকাশ করিছে। প্রদাস এই ছইটা প্রায়ণী প্রছালি বর্তমান আজিলা চাল্যালয় কী বাংলা করিছেছে। বৈক্ষা বাংলার জন্যাশ্যের নাম বিক্ষান্ত প্রায়ণী ।

ক্ষাত কংকাণ করন বৈক্ষব দাস ইন লগ্নং ক্রটেড ক্ষরাছেন, কিছ ক্রটেড ক্রেটিড ক্রে

গোকুলধানের রসন্তিম্পন করিরা ভৃতিলাত করিতেন, বেঁছানে বসিরা গোকুলানন্দ রক্ষাত্ত প্রকল্পক প্রশান ও তারা গান করিরা সকলকে মোলিত করিতেন, গোকুলানন্দের সেই বাসন্থান অক্টের বাসোপথানী নতে; এ লান গোকুলানন্দ রক্ষাত্তর নাম চিরাম্বর করিয়া রাখিবার যোগা হল। এই বিখাসের বল্পত্তী হটরাই এ বাবৎ কেছ এ ছানে বাসলি করিতে সাহসী হয় নাই। বর্তনান সময়ে ত্রীস্তুক্ত প্রমধনাথ বন্দ্যোপাধ্যার প্রমুধ করেজ্জন উৎসাহলীক ইরিভাক্ত ব্যক্ত কর্তৃক এ হানে প্রভাক হরিনাম স্থীর্তন হইরা থাকে এবং দেশ-দেশান্তর হইতে বৈক্তব ও কীর্তনীয়াগণ এ ভিটা সন্দর্শন ও প্রণাম ক্ষাত্ত স্থাকত হইরা থাকেন।

টেঁ য়াগ্রাম ভাগীর্থীর সন্নিক্টবর্তী। ভাগীর্থী তীর্ত্ব প্রাসিক কপিলেরর মন্দির এই প্রামের পূর্বদিকে একজ্রোন্দ মান ব্যাবধান। ময়্রান্দী, বন্ধানী, বার্থিক কুরার এই চারি প্রোভয়তী টেঁ রাগ্রামের কিন্তুলার উত্তরে একজ্র সন্মিল্ভ হইয়া "বাবলা" নাম ধারণ করতে টেঁ য়া বৈন্ধান প্রেণ পাননেল প্রেভ করিয়া প্রবাহিত হইয়াছে এক ভিনা কেন্দ দক্ষিণে পিয়া ভাগীর্থীর পরিত্র পেছে সন্মিলিভ ইইয়াছে। দক্ষিণে হুই জ্রোল অন্তরে হৈতভাচরিতাম্ভরচন্ত্রিতা করিয়াল করিবান করতে প্রামেলিভ ইইয়াছে। দক্ষিণে হুই জ্রোল অন্তরে হৈতভাচরিতাম্ভরচন্ত্রিতা করিবান করিবান কর্মনান্তর প্রামেলিভ ইন্দারণ করে শীলাভূমি উত্তরের প্রামেলিভ কর্মনান্তর প্রামিলিভ এক ভাষার পার্মের মান্ধান্তর প্রামিলিভ এক ভাষার পার্মের মান্ধান্তর বিশ্বাম এক ভাষার পার্মের মান্ধান্তর বিশ্বাম বিশ্বাম কর্মনান্তর বাসভ্রন ভাষাত্র নামক গানে।

পুরীর অষ্টানল প্তালীতে টে নিগান ইরাত্ব চরম সীমায় উত্তীর্থ ইইয়ছিল। এ সমরে
এই সাথে দিল ছবিদলে সাকুবের বাশসন্ত্ত উল্লেপ্রনাদ, ইঞ্বন্ধত, নলমোহন, অগ্নোহনী,
রাধ্যমাহন, পূর্ণানল প্রভৃতি ১ কর মহাপ্রগণ; গোকগানল, কঞ্চলত প্রস্তিতিবন। ওছোরা
সকলেই সংস্তৃত পাজে প্রসাধ গালিত ভিলেন। এই সময়েই কঞ্চাতের পুরত্তি-পূর্ব
প্রসাধ পোলাকত মন্ত্র্মার মহালর ম্রনিন্ত্রেন নবাব সর্কারে উন্নতন প্রে নিযুদ্ধ
লাকিয়া রাজ্কীয় কার্যো স্থল সকলে করিয়াছিলেন, বতনান স্থাছন করিয়াই ক্রাণ্ড্রা

শ্রীফেরগোপাল সেন গুপ্ত।

নিরকর কবি ও প্রাম্যকবিতা

(পূর্ব্ধ প্রকাশিজের পর)

বলের নিরক্ষ কবিন্ধের কুল কীবনী আলোচনা করিলে বৃথিতে পান্তি হৈ এই ভারতের কুল করের কবিতে কালুনি ধনন আলোকিত, তখন না আনি সমগ্র ভারতীয় নির্মাণ কবিত্ব কবিত আলোচনা করিলে কি নতা আলোকসমূত্রে পঢ়িব। এই প্রসঙ্গে আনগ্র সর্বাগ্রহণ বলীয় নিরক্তর প্রভাই শ্রীকবিত্ব কীমনী ক্লামনাটনা কবিনা পাঠকের বলাই করিবার টেটা কবিব।

পুরাক্তন বন্যেহঃ আধুনিক খুল্লা বেলার অতি নিকট আছ স্থলনারে পার্থাইত "আপুনাশ প্রায়ে একটি পোন মাজী জন্দী নিয়কর শ্বীকবিদগোর মানু অতি প্রানিধিদাত করিয়াছিল। ইয়ার বলীর বাজিলাশ ক্রমিণার্য মারা জীবন বার্ডাই ক্রমিট্র করিত। বলিও ক্রমিটির জনাবারণ ক্রমিণ্ডাত এক্সমব দেশীর ক্রমক-সামক্যানের

ক্ষাক ৰাখিনীৰ ক্ষ্তি প্ৰভাগ ক্ষাপে পশ্চিমণিক ছিল, এই ব্যৱস্থ ক্ষমকণণ এ মঞ্চলে ক্ষতি গণ্য

> া লাভ কুন্ কুন্ পাতে পাইকোকে কোনত জ্বাল বাব। নাবৰ জোৱাৰ ছুইলে পত্ত কুন জানিত ভাৰ এ পাতাৰ পাতে কড়িক জানত কাৰ্যকাৰ। বাবি ক্ষেত্ৰ মধ্যকৈ জোৱাত কৰা কাৰ্যকাৰ।

নিরক্ষ কবি ও গ্রাম্যক্ষিতা

- হ। তলাবালের বাদী লেখে কত গুণ জালে,
 বেধানে তেঁলের বউ বাজে সেইবালে।
 নিতি আদি বলৈ বাদী ভাকে মালকের থারে,
 বাধান পরাণ উস্কে উঠে কুল কুটাল পরে।
 ভখন ভূটণ ভাষা ভলে আবা কলো বাদীর ভাক।
 কললী কাখে চলে কুলে ছোটে ভাম পিরীভির পান্ধ হ
 ভখন ভূটিলে কুটিলে বৃড়ি গোখা করে কর,
 ভোর ভাম শিবীভের ভালন হাড়ি সে বে বাড়ী এলে হর হ
- ত। বাল ছোৰ দা আগুল বাবে বর্বে পরাণ বাক্

 বী লোকে পিরীত টান্বে এমনি গুলের তাক্।

 চালের কোনে কানিলেগা জোনাকীর পারে বাতি

 "পিরীতি পাগল পাগলা পাগলি বায় পিরীতির গাবি।
- ৪। রাজার বিষে কুটনা কুটে কটিল কচিহাত, কাষেত হোড়া তা বেধিৰে জালে আপনার বীত। ভার বাত ভালিল নাক কাটিল গোকের কাবাকানি, ছুট্লে বাবাল হব না সামাল লক্ষ্য শির্মিতের ঘানে ই ইড্যাবি।

কেবল জাপুনা প্রায়ত্রন কৰেল কামিনীর রচিত শীতগুলির আলোচনা পরিয়া জাতার গীত চুইটি উচ্চ করিয়া দেখাইব বে ক্রমককামিনী কবি হইরা কতনুর উল্লিড করিয়াহিনা। গীত চুইটি এই —

जात मूल कामाद्वित गांत गत्न,
जात मूल प्रताद चाकाद्वित गांत गत्न, अ मूर्वात ज्ञांन करत दक प्रत ।
त्य वक्ष्मात ताकावित अवद्वितित हुँदे कृण वरत,
क्रुक्त भव भविति ताका अज्ञां में दिक्कित दव दव प्रत ।
क्रुक्त ज्ञांन क्ष्म दक्ष वाति देक्षित दव दव प्रत ।
जादक कामाद्वित वक्ष वाति दन क्रुक्त वावात गदत ।
ताहे कृण दक्ष्म वरत काम् मुद्दे वाति दव नद्वादाद ।
जाता वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
ताका वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
ताका वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
ताका वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
ताका वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
ताका वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
ताका वता वाति भाग किर्दे माहे दव जात वरत ।
वात्र मा किर्ने क्षण किर्दे माहे दव जात वरत ।
वात्र मा किर्ने क्षण किर्दे माहे दव जात वरत ।
वात्र मा किर्ने क्षण किर्दे माहे दव जात वर्ष ।

যথন এই গাঁত চুইটা আমার হাতে আদিল, জ্ঞান আমার এক আর্থীরটা তাহা আর্থুনিক ভাগা হিরেটারী হবে গাইতে লাগিলেন। এই রুমন্ন একটি বৃদ্ধ নমংশুল সহসা তথার উপস্থিত চুইয়া কথায় কথার বিলণ, আমি কারাটাদের দলের ছোকরা ছিলাম, আমার নাম কার্মীনাথ মণ্ডল। আমি কত গাঁত ভুনাইতে পারি, কিন্তু আমার এখন বড় মান নাই। খনে করিয়া ভাগাইত পারি। এই বৃদ্ধ নমংশুল আমাকে নিরক্ষর স্ত্রী ববি কবেল কামিনীর লগতে একটা গল বালল। উক্ত গলে নিরক্ষর ক্রী কবেল-কামিনীর অনেক গুলান্ত বাাখ্যাত আছে। বৃদ্ধ বিলণ, একদিন প্রাতে অমাবক্তা তিবিতে কবেল-বেটি একটা মেটে কলনী লইয়া তাহার পিতৃভূমি জাপুনা গ্রামের দক্ষিণাংলের "বিরাট" নামণ গ্রামের খালে কল আমিতে গিয়াছিল, সেই সমর তাহার মুখে "ক্রামান্দীত" শুনিয়া নিজে নাকি জগজননী শ্রামা তাহাকে "কবেল" উপাধিতে ভাকিরা আন্ধাদ করিয়াছিলেন।

বৃদ্ধ নমঃশূল যে গীতান্ধি জামানে গুনাইয়াছিল, উহার সমস্ত জামার প্ররণ নাই। যাহা স্থাতিতে আছে, তাহা পাঠককে উপহার দিতেছি, নতুবা এই ব্লী কৰিব কবিঃশক্তি সম্পূৰ্ণ প্রবাহতে পারিব না যথা—

"আসনানে উঠেছে শ্লামার গান্তের আলো ফুটে ,
তাই দেখতে সভে সাজের কালে এলো লোক চুটে ।

—— • • কেটর বেগার বেড়াই গেটে ।
কন্ত সলক কন্ত রাম্ম কালী মানের ক্ষেত্রত চেউ উঠিরে কালী কালের চেউ দেখার" ॥

ধন্ত নিবন্ধর সী-হনমের শক্তিকে। এই কৃষকরমণী দেবচ্পতি কবিত্ব লইয়া কৃষিপ্রিজে এইরপ কত সঙ্গীত কত প্লোক যে রচনা করিয়াছিলেন, তাহার সংখ্যা করা আনার মত কৃষ্ত লোকের পক্ষে সম্পূর্ণ অসম্ভব। যে সময় তারাচাদ গান করিতে যাত্রা করিত, আমরা তাহার নিক মুখেই গুনিগাছি যে, সে ভাহার পৃজনীরা মাসিমাভার চরণোদেশ্যে বৃদ্ধিক, ব্যা—

> "নেবের মাঝে তুমি ওস্তাদ গীত গড়িতে আছ, তোমার পারে কোট পেরাম আমারে গীত শিধিরে দেছ"

ইহাতে সাধারণতঃ সেই ব্রী কবিটির প্রক্তি তারাটাদের এবং সাধারণ লোকের ওতালী চাল প্রকাশ পাইতেছে। তারাটাদ নাকি হুই একটি গালিনীতের ধুরা প্রবত করিত, কিছ তাহাও তাহার প্রনীরা মাসিমাতার নামে ভূণিতা দিয়া। তাহার একটা সামান্ত চরণুমার আমার মনে আছে ধণা—

"কবেল বেটি বলে গাজি মেও বারকে ছালা"

ন্দার একটি গীতের গ্রই চরণ এই —

্পপরগণে তোগলার মধ্যি গ্রাম জালুসা। ক্ষত গড়িরে গারজালী করে কবেল মা ॥"ু এই কণিভার আমরা কাপুদা আনের অবস্থান বুকিতে পারিলাম। পুলার ক্রিকার 'বোগল পরস্থা' অতি প্রসিদ্ধ স্থান। এই প্রস্থার আনেক ভঙ্গোকের বাস আছে । লকপ্রের চৌধ্রিবদে তাহার মধ্যে শ্রেষ্ঠ।

শ্বনা জিলার গুলিলাংশে যে বিশ্বত জন্মরক্রেরেশ প্রান্তার্থনীর মহারাজ প্রতালানিকার বিশ্বনাধিকার বাজানি জন্ম আবাসাধিক করিবাদে, এই জংগে বর্তমান সমরে লোকে হলারী কঠি ভূগজাতীর নল, বোগলা এবং, জালানী কঠি ক'টডে লিয়া থাকে। এই কার্যকে লোকে "বাদার বাজাল ব্যবসা" করে। ইংরাজ কর্ম-মেন্ট ইয়াকে "করেইডিলাটমেন্ট" করিয়া একজন কমিসনার বারা লাসন করিতেরেল। যে সক্ষর করক আতীর লোক এই বাদার বারসা করিছে বার, ভাহারা ব্যিয়া থাকে যে স্কার সন্দেশ মৃতীর কললে "কানাই বলাই" নামে ছাইটা নির্বাক্ উলল উলাসীন ককির আছে। উহাদেশ অনুপ্রহ্ না হাইলে কেই সুন্ধরী কাঠ সুবিধানত লাভ করিতে পারে না।

এই ছই পূক্ষৰ কড কাৰের লোক, কেহ তাতা হির করিরা বলিতে পারে না। বাওরারীপর্ক বলে ইহারা প্রকৃত নির্বাক্ত নহে, বাক্সংযক্ত পূক্ষয়। সমস্ত সমহ প্রধান প্রশান বাওরালীর কানাই বলাই বলাই বলাই বলাই নাম ইহাবের কে সকল আহার কাইটি বীত এই হানে উহ্ ত করিতেছি। হাবের বিহর গাঁও কই বিহর সমন্তাংশ কানার শরন নাই এবং শব্দের বিহর করে বিহর পারি নাই। যে বৃদ্ধ বাওরালী আমাকে এই বীত হুটি এবং কানাই বলাই ক্লিবের বিহর পারি নাই। যে বৃদ্ধ বাওরালী আমাকে এই বীত হুটি এবং কানাই বলাই ক্লিবের বিহর

বুনোবাগাড়ে ভাকে পানি জোরারে ছেঁটে পাল।

 স্থার্থনৈ আর বালির পূত কাটতে কোগগালক।

 আমরা আগে আগে বাই মারে প্রন্থ করে।

 তোরা ভার পোলা কুড়ল বেকী হাতে করে।

 ব্যার আছে একলা বলে বলো-বিবিন প্রভ।

 ভাররে জোরা বালার মারে ওলে নেড়ে ভূট।

 নারগ সুর্বী রাতপোরালে বলে গাছের জালে।

 ভামরা ছই ভাই ভোবের বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভাই ভাই ভোবের বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভাই ভাই ভোবের বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভামরা ভামরা বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভামরা ভামরা বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভামরা ভামরা ভামরা বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভামরা ভামরা বান্ত নামি পোলা জালে।

 ভামরা ভামরা বান্ত নামি পালা ভামরা ভাম

ৰণিৱাছে,—সম্প্ৰতি ভাষাৱ মৃত্যু কইৱাজ । তাই গীত চুইটি সময় ভনিৰ্কে পাই নাই ।

শ্রেণ কর্মান কর্মান ক্ষিত্র ক্ষান্ত ক্ষা

बरित्रण मानावाषात केठ माणि वर घर प्रमास प्रकृति क्रिया छेनत विकास । क्रिया वर प्रदेशक्रियान निवकत केरि माधा शना क्रिया हुई रेशास्त्र लेटड करिय माध्यी তত অন্ধ্ৰত কৰিতে পান্ধি নাই। কিন্তু বাওৱালীগণ ইহানের বড় ডক্ত এবং ইহানের রচিড বিজ্ঞ না গাইনা বাদার বাওৱাল ব্যবসা আদৌ করেনা। বাধা আর্থে প্রকারক বিভাগতে বৃথিতে হয়। পুলিন-উত্তর বজের পাঠকগণ বাদা বলিলে বোধহর কিছুই বৃথিতে পারিবেন না, নেই কল্প আমনা বাদার এবং বাওৱাল ব্যবসার আর্থ উত্তমরূপ বৃথাইবার ক্রম্ভ আরো একটুকু বিজ্ঞ আনোচনা করিতেছি।

পুলা লেলার নজিলালে এবং চলিল পরস্থার দক্ষিণ পূর্বাংলে বলসাগর পর্যার বে বিভূত তুতার সময়ত চাইবছে, উচাকে "বালা" বলে। এই বালার এখন আবানুকুইবা আমেক বিনি ইবিড হলেনা আর প্রজারন কমিসনারের আলেলে ইচার স্থানেয়ানে অনেক প্রায় বিবাহে। প্রায় বালাল, চণ্ডাল এবং সুসল্মান। এইছানে ধান্ত, নারিকেন, স্থানীই, স্থান্ত কাছ, কুল জান্তার মল, কোলানা, জালানীকোর ও পোল নামক ব্যান্ত পত্র পাওরা বার গালিলামক মুসল্মান কবিবলৈ প্রায়ন্ত বেশ্বলীর অবিরান আছে। ভালার মধ্যে কালী এক পালিলামক মুসল্মান কবিবলৈ প্রায়ন্ত বেশ্বলী প্রকাশকালে এক বালাল প্রায়ন্ত বালাল কবিবলৈ প্রায়ন্ত বেশ্বলী প্রকাশকালে এক কাল ভালা ব্যাহার করে। এই বালাল বালালাহিন্দ্র বালা প্রমানকালে এক অবহানকালে এক কাল ভালা ব্যাহার করে, উচা সাধারণ ভারা হালৈ ক্ষেত্র মেন এক ক্ষেত্র ভালা ক্ষিত্র বালা বালিছে সালী বিরাহ বালালা বালিছে হয়। আবান বালাল কবিবলৈ বালালা বালিছে বালালা বালিছে হয়। সাধারণ কোলে এই বালাল বালালা বালিছে হয়। সাধারণ কোলে এই বালালা বালালা বালিছে হয়।

শ্বারাথ গীতকে নলে-শীত বলিরা গাকে। বাদার বাধরালীগণ তৈল মংগ্র ব্যবহার করেনা, একবেলা নিরামির আরার করে। মাথার লখা চুল রাবে গলার করোন নর তুলনীর নালা বারণ করে। ইলানের আদেশ না চইলে কের শ্বারায় নামিবা কোন কার্য করে না। ক্ষান্তঃ বাধ্বালীগণ এইহানের একরণ হন্তাকর্তা, গর্ণামেন্টের ক্ষান্তার্কণ ইহ্যিন্তিক আতি সম্লম করেন। আনর কোন সমর একটি করেটারের নৌকার ১৫ মিন অবস্থিতি করিয়া বাধ্যর বনশোক্তা এক কার্যানি মেনিয়াছিলান। পাঠককে ভারাই কর্মত করাইলান।

বন্ধদেশে বন্ধ প্রকার স্থানিত্যর বীজের দশ আছে জারার মধ্যে "গার্নিবীজের বল"
অতিনিয়ে । বাজারা এই বীতের দশের পোক জাহারা প্রারহী বুলনালার, জবে স্থান বিশেষে
নার্যপুত্রও লাছে। এই বীজরচারিজানার আছে কৃষিপারির ক্ষমণ, ভাষাতে আ্বার্য্ত নির্মন্ত । ইজাদের মধ্যে যে বাজি বিদ্ধু অধিক পরিষ্ঠানে সৌনিন অথবা নীমার্য্ত বিদ্ধু সনীতিরিয়ে হ্যান্ত-শেই অনার কজিলার পোন সংপ্রহ কৃষ্টির্য়া প্রকার কৃষ্টি বল গঠন করে। গালির বীজের হলে একজন বুলিবারক, ভারতে । স্থান পালক কীর্তনের কলাবনীয়ে ভার পর বালিরা হারে করা বালিকে বালে,

ৰিব্ৰ দলেৰ লোকে ভাগতে একটা **ভাষাক্ত হয় বিশ্ববিদ্যা প্ৰতিক্ত প্ৰতে** । কালক**ণ**ক

শমর শমর নৃত্য করিয়া— চুই একটা রাজে গাঁভ গাহিরা প্রোতা এবং বর্ণক্ষের বন্ধান্ত করিব থাকে। মৃলগারক মহাশয়কে ''বেড়ো" বলে। এই খেড়ো মহাশর একটা সামাজ ক্ষরিক্তিক চাপ্রীন লাহে বিয়া মাধায় বাব্রিচুল অথবা লখা চুল মুলাইরা গলায় পুঁথির মালা লোকাইরা হাডে একটা কাল চামর লইরা বুরিতে পুরিতে কথলো লাড়াইরা কথলো বর্ণীয় কথলো নাচিয়া উপস্থাস বলিতে থাকেন —আর মধ্যে মধ্যে ইউসংখ্যা চারি পাঁচটা অহলিত নামাজ প্রথমিক এক চাপ গাঁভ গাঁভীয়া থাকেন।

এই গাৰি-গীতের উপজাস অথবা সন্ধীতাখাদ্বিকা "মুস্বমানী কেবাং দ্বৰ্থাৎ একটা কলিত বাদসাহ কি ওমরাচের ক্ষুদ্রনী, এই গীতের হার তাল প্রায় এক ভাবেই প্রচলিত। তবে বর্তমান সমরের শ্রুত অনেক হাটো মাঠো গীতের হার বেড়ো মহালর প্রহণ করিয়াছেন। দ্বাগীত তনিতে হইলে দেই একবেরে বাজনা, আর অতি চীৎকারময় হার ওনিতে হয়। সাবারণতঃ গীতওলি অর্জতালে আন ঠুংরিভালে শীত হইরা গাকে। এই গীত কোন ভ্যুলোকের বাড়ীতে হইল পাকে কিনা জানিনা, উবে কনিরাছি যে সকল কুসংস্কারাক্তর ভ্যুলোক নিঃস্কুল্ল হন, তিনি নাকি প্রথনে ধনী হইবার হাল হুই তিন পালা গান্তির গীত মান্ত ক্রিয়া গাকেন। কেননা গাবার আছে যে, গালি ও কালু নামক ক্রিয়াছের আনীর্বার্থাকে ক্রিয়াছিল।

দিলীর লোদীবংশের সম্রাট্ সেকক্ষরের পুত্র গাজি অসত্তের অসারম্ব দেখিরা ক্ষিত্রী প্রহণ করে এবং উক্ত পাণ অনেকটা ভাগে **বীকার করিবা মন্ত্রের জন্ত অভি কর্তোরভা সভ** করে। এই গালি ছার আমানের নবধীপটাদ পতিতপাবন **প্রগো**র হবি এক সমবের বর্ত্ত কথা এই, মহাবিরাণী সংসাবে নিলিপ্ত -কানুক্তিব নির্ভ্ত কুম্বল্যালয় হাতে পঞ্জি अक्की माख्य माना पतिशामिक क्षेत्राहरून । आकि. शिरकत सामा माना में माना कामा किरमक ন্যুৰ কেম্ন একটা হাত্ৰনৰ হয় বে উঠাইয়া থাকেন, তাহা তনিৰে ছতি ক্ষমী পুৰুষ্টেও না কাসিয়া থাকিতে নেখা বায় না। কা**নু ককিব কেনন উনানীন, গাজিও** ভেমন গৃহ**নানী।** কিন্তু গাজি বাদসাহ-পুত্র বশিয়া এই গাজিয় দ্বীত-রচন্তিতা নিয়ক্তর কবিন্দ ভানার মৃত্যু न्यरापको नरपोकिक प्रतेना मेरिक महावाकिक प्रक्रियाक हैं। व्यक्ति वर्ष राज्यकी नावाक জনসমূহ অভিবৃত্তিত বিষয় ভালবাদে, তাহার পয় আবার্ত্ত আমানের বেলের অভিন नाजवानवाकाविभागत अरन जामक जामक जारकोकिक जामूक बारनाव महा जीवाह বিশাস করিরা^ই সাধারণ লোকে অনেক প্রকার "ভান্" প্রকৃত করে। শানি বিশেষের লক্ষাক্ত একটা দেব সেবীর নামে সংখুক করিয়া কিছুকাল কেল্ট্রী সেবার। এই প্রাক্ত কার্যাক क्ष्मे नियमत कविन्य शामित्र कैटलत सहसात मानक मान्तरियक्तिनात महादवन कवित्राहर्ष । ्र वाहुः नेष्ठ-त्रव्रविकानात्तवः भरता रकान् गाकि नर्गानावात क्रेगात तावरान करत् काश निर्वत ক্ষা অতি হলোধা। ক্ৰক্তেশীৰ নিকট গোকণ্যশালাৰ ক্ৰিটত শাই বে **বি**ৰাম ক্ৰক্ত

রেশওরে তেঁপনের নিকটবর্তী একটা কৃত কবিশায়ির একজন কবির "হজ্ব" করিয়া মঞা
ক্ইতে কিরিয়া আদিবার সময় দিলীর নিকটবর্তী "পুলিবার্ড" নামক কৃত প্রামে রামিকালে
বোরারে (ব্যাহ্র) একটা ক্রবেরস্তের নিকট কঠিতে গাজির মহিলা প্রকাশের আদেশ শার।
আবার অনেক মুসলমারী কেছা কেতাবে শীর পরগণরগগের মধ্যে "গাজিশীরের করগা"
ক্যাটা আহে একং অনেক হানে গাজির দরগাও আছে। এইরপ ভাবের সরগার একটা কবির
বা্রহাতে বে, ক্রমাজ ব্রেসনের "বাজিত কবির" এই গাজিয় শীরুরনোর প্রথম প্রবর্তন। কিছ
কয়া ভার ক্রমাজ ব্রসনের "বাজিত কবির" এই গাজিয় শীরুরনার প্রথম প্রবর্তন। কর্ম

"কৰ কৰু প্ৰবে বাৰা আবৈত্তিই কৰিব না শীৰের মরগাৰ গিনি দিয়া মাধ্যাৰ শিঠে চক। কেন্দ্ৰ, পৰি, ভূত্দানা বাদ্যা শোলেনালে জিলেশী ভৱ কৰে বস আলার করমানে। আগ্ৰুক ফৰিৱে বলে ওল যমিন ভাই দেওবে গাজিব গিনি আমি প্রথম গীত গাই॥" ইকাৰি,

हेराहरू और जायनर पनिय अस्त्रन अध्य नगरत गावित गैरुगाहरू अहेराव असान नीरिक्टि । अर्थे मामाझाराक्के अर्थे नैएकत भाविकेवर्करकत नाम माना करिन्। अर्थे नामित बैठ-काविका तो शाबुक्तमानुत्र भेरता गर्वरामाहे शक्तिय बीवनी वात माहेकरक केमहाव बिरटाँक। और अधिक आख्रिक नियानीय । अधूना देशोष क नेवनन "भा"न विचान " विनात अखिरि छ । न्तं के के क्ष्मुक्षात गांकिमारण "क्षेकि" नतीत कीवह बानवरगांकि शास देशत का । লাবাং প্রাথমিশ গালিশ। বধন অনুটাম অসিলিভ, তপন নমস্থ আভির প্রাথণ ভারামণি চক্সবাধী একৰিন ভাহাৰ শিকাৰ কোলে ফাহাকে বেৰিয়া বলিয়াছিল—"এই বাল্কটিন আকারে त्यांव हिंत देशाव केनाव महावेकीत सक कना प्रदेश्य । बाह्मक त्यांत्व देशाव विक्रे कनाव वृद रहेर्द" है हेर्सुम्क न्यूटक कार्यक कार्यक कार्यक प्रतिविद्य है। बर्जन बर्सिक व्यक्ति कार्यक व्यक्ति कार्य নিকত উত্ত শ্ৰেণীৰ আৰুদেৰ বিষ্ণুই কৰিবাছি হয়, ভাৰাৰণি চমাণ্ডীৰ জোডিবে নাৰাল ভাৰ हिल । हिन क्रमान नगरपूर ग्रमाटन वर्षों व्यक्तिका काक करिवासितनम । कार्याटन कारी कार करा (NE DE - APLE PRICE CIDITES CONTES CONTES CONTES POR CONTES POR CONTES POR CONTES CONT क्ष क्षणा ४ विक, कामांगनिय प्रत्य क्षुक प्रवृत्तान, मात्राक्षण जानक जाननियम काम रक्षाप्तर प्रत्यक्षित वर्ष वटनक्षण बादक्योका तथा क्षांबाद प्रकार दिल । व्यवहारत निर्मा भागावित्ता क्यों वह अधिकृत एरेंग पूर्वात व्यक्ति संस्थान वास वास वास वासित विकरियों "Are alle, used in close female this leaf date, being being being being officialism I would five from the separate that continued the continued the second MATERIAL POR STATE OF THE STATE करते निर्मानकात र गांकर निर्के च्यानक विकास प्रतिकारी

জয়চালেয় নিজাবে এইমাজ তাহার বালাজ্যাকনী জাননা তলিগাছি। ববন কাচাল বীতের বল গঠন করিল দেশে দেশে প্রিয়া বেড়াইত, তবন তাহার আঁবিক অবহা এতপুর মন্দ ছিল যে, ছইফো আহার করা তাহার পরিবারগণের ভাগো ঘটনা উঠিত না। কোন এক সমর জরচাল যালার করা তাহার গনিগার বাড়ীতে বালা বীত জনিতে গিয়া বালার অধিকারীর মিইবাকো বালার দলে মিশিরা নানাফল বালার ভারতির, জীত, মূর নাট শিক্ষা করিয়াছিল। প্রায় মুড়ি বংসর জরচাল এই কার্যাে থাকিয়া কিলোর কাল হইতে থাবনের আরম্ভ পর্যান্ত অভীত করিয়াছিল। গনে গৃহে আনিল, তবন শিতার উপার্জিত লাকল গল্প কর্মী সমন্তই প্রায় উনরের লক্ত পরিবারগণ বিকের করিলা কেলিয়াছে। ইহা ক্ষেত্রা জরটার পাবিবারিক আসাছালনের জন্ত জনেক চিল্লার পর বাংলার অভান্ত মোললমানী কেছাের প্রনা লইয়া বৌরন বর্তমের পিজিত যারাণ বরণে একটি গাজির মীতের বল প্রায়ত করিল। বইমান সমন্ত বালাত বলোার বিধাতি ধনী "তালখড়ির ভটাচার্যা" মহালরনিধ্যের ক্যাভিত্র

নিকটবর্তী "উলগ্রামের" তরিবুলা কারিক্রের নিকট গাজি শীত শিক্ষা করিয়া এই দলের জালি করিয়াছিল। এই ত্রিবুলার পুত্র হাচিম বিশাস বর্তনান সনরের একজন দাবজারা আহি গিতের ললপতি। জয়টান পালার প্রথমেই ভবিতা দিয়া গাইত বে—

> "প্রথম বয়সের শিকা কেন্দ্রা মোসলমানী, ভাই আন্ধ গেন্তে বেড়াই ওমা বীশাপাণি" ভার পর বারা স্থিতে বালক সাবিত্রে, যত বিভ ছিল শিকা ক্লার ভাজ দিরে। ধর্মকান্দ্র সভার ভাই সাংগা ধুবা বরে; ভক্তবারী তরিগুলার শিবানর কোরে।" ইভাবি।

জনটাদ হিন্দুর ছেলে—গালির গীত রচনা এবং গান করিবেও হিন্দু বেববেশীর নাম, যাহাজা-গীলা কিছুই ভারার রচনার পরিত্যালা হব নাই। ববন, জনটাদ গাজি গীতের সৌমার্ক্তিকা করিও, তথন ছড়া বলিবার সময় বলিত বে—

> नम श्वशंक (सर कार्निकान् एव, अस्त रम महत्वकी करतेब केलंब। एक्टिकाल हान स्थान दोचन दोण बस्त, स्वत्रकारण हुनी माम मत्न माहि जाएन। कि क्षित्र अस्त कम स्थाद सहस्र मृदिः कारमा लाख कार्गीवली कर्यालांब क्षित्। सम नम नकान स्थान कार्गिकांव कर्या

तरेवन छाटर त्यात्र विकृत वार्धनेक राज्यभीत माने क्रिया प्रतिकार क्रिकेट क्रमानन

শুলাই তা পার্যুৎ-পঞ্জির কা

ক্ষিত্রত পঞ্চারে নাম গান্য দ্বিত ক্ষিত্র কাছিল। চাহে মাহিন্ত বিশ্ব সাক্ষিত্রতা আরম্ভ কার্ডি স্থান কাল চাহ্রতা বালিকান গ্রহণ একটি ব্যান্তি ক্ষুত্র নিষ্ঠিত মুন্তানালী কাওয়ালী ভিত্রের গিড় গ্রহণ বাইক। ব্যাক্তন এখন নাম্বার্শিত ক্ষিণ্ড ক্ষালে কার্ট্রেন মিভিত একরুপ ক্ষান্ত্রতা স্বাভিত্রবা স্থাতার কার্শ চালিয়া কিছে। ব্যান্ত

প্ৰায় বাষ বাংশ কুলা কৰিব নোৰে আই.

ই ব কাৰ্য হয় ন গোঁক হাত বিদাৰে নোই নেই লৈ পাঁই।

মন্দিৰে নালাই দৰ, তেলাইছ দাবে মুন্দিৰ পাঁৱ,

সকল মৰ্গালন নমান্দ্ৰ গোঁজা কিছু গুলাৰ নাই।

ভাইতি বানা অষ্টান কান, তা ই বিন্দু মৃদ্ধালি আছে,
গোলা ছালা এক কাৰ্যাপ্ৰতাৰ এই কানা আইছে দৰ ইটেই।

এইরূপ বেরের্বিক্সার ধর্ম স্থান্ত স্থান স্থান্ত গান কলিয়া এবা বচন করিছ ক্ষরটার ছিপু
ক্ষুদ্ধিসালন ক্ষেত্রই শিক্ষার কইকাছিল। - ক্রি ছ লাউরিংল এইরূপ শক্তি সোধায় মার্টান্তেক
ক্ষাবার প্রকিন শিক্স ক্রিলাল না কে কুলিনা করিয়ানিল ক্ষাউরিংল এইরূপ শক্তি স্থানিল মার্কিনিক্স ক্ষাবার ক্রিলাল ক্রিলাল ক্রিলাল না কুলিনা করিছিল। ক্ষাবার ক্রিলাল ক্ষাবিক্স ক্ষাবিক্স ক্ষাবিক্স ক্ষাবিক্স ক্ষাবিক্স ক্ষাব্র ক্ষাব্র ক্ষাব্র ক্রিলাল ক্ষাব্র ক্ষাব্র

হানি ন্যালার বলৈ থানা লেছেল লেছেল বাংলাৰ নাও।
বাংলাৰ ক্ষী গোলালৈ তিয়নি হানিক মধ্যেৰ ক্ষাতে।
ক্ষান ক্ষী গোল হানন নিবালেও লেগে বাৰ।
সোনা ভাৰেত নেবা শিলিক ক্ষানি ক্ষিনিক ক্ষীয়ে। ইত্যাদি

প্রকাশন মান্তা মককুমার উপাপ কার্ডান কলাবাসকা । নে ক্র্রিসাইক্র । ক্রম ক্রম্ভাবের ব্যক্ত প্রায়ে ব , এর ক্র্রিয় ও বই পুল বহাত। তার গ কর্জার ক্রমিয় ক্রমেয় ক্রায়ের ১৮১২ বর্গ বয়র বালবাংগের ক্রম্ভাবের ক্রম্ভাবের ক্রমেয়ের ক্রমেয়ার বাল্যায়ের বাল্যায়ের বাল্যায়ের বাল্যায়ের ক্রমেয়ার ক্রমেয়ার ক্রমেয়ার বাল্যায়ের বাল্যায়ের বাল্যায়ের বাল্যায়ের বাল্যায়ের ক্রমেয়ার ক্র

বাদে বাধ্যক জিবা **চয়োছ বাৰ্য্য সৰ বলোছ**। সংখ্যি অতি স্থান ক'লিনা **নায়কীয়ি,** ্ৰথা পৰিয়ে নিজিং কা**টা গীতে আনায় বৈধ্যে** । সূৰ্বে ইন্দিৰ সদা আছে শুনি কামি লোকেৰ কাছে

किंद एक एक सकार पास के मुख्यी दुन्तर्गाक हैं से सामि।

এই প্রতিষ্ঠিত ক্রিকের। চইতে এই মহকুণাই জিকতা উদান চরিত্র স্থানিক মোকার ক্রিকির ভাষাকে একবানা, ক্রিকের নামার ক্রিকা ক্রিকাছিলেন। ভাষ্টার তথ্য রাজ্যী নামার বিরা আবার ম্লাগান্তি বীত গাইতে গাইতে ক্রিডে লাগিল। আর একটি আইন্ল গাবক বা পান্তি বীতের "গেড়ো" গাইতে কাগিল যথা—

বার তোরা দরগা গানে কার দয়াণ গান্ধি ঐথানেতে রব,— বেমন ছিড়ীয়ের চীন কান্দ পাতিরে, তার্মীয় গান্ধ আলো বের তের্মান ধারা, সংগ্রনাল আমার ছুরতে বেকান। ইন্যাদি।

প্রতিরপ ভাবেশ গতি গাইয়া জয়চাল গান নির্মাণ কৃষ্ণ-সমানে অতি প্রতিষ্ঠা লাভ করিয়ালি। অন্যা হাজার রচিত সামাল তই এফটা গতি নাই জানি—কিন্ত জয়চাল রে সমালের করি সেই সমালের করি গৈছিলয়াল করিছা থানের জালাল করিছা থানের বিলয়া আমরা তানি নাই। গালি-কিত প্রারই কিজ্ঞালে রুইছের বাটিতে হট্যা থাকে। ফালাহ্ব, প্লানা, বরিলাক, করিলপুর একা পাবনা জেলার ছানে ছানে ছানে ছালেই কর্যানেই কর্যানের রচিত গালি গাঁত প্রার জনিতে পান্যা যায়। ইছার রচিত গালি ক্রতের মধ্যে আমরা কিন্ত করিছ রাম গাই। কেবল নির্মাণ করি করিছ গালি ক্রতের মধ্যে আমরা কিন্ত করিছ রাম গাই নাই। কেবল নির্মাণ করি আমোলালার জন্মটানের জার নামলালা গালি গাঁত-বচরিভার কাহিনী সামাল মাল উল্লেখ করিছা গালি গাঁত রচরিভার গ্রামা ক্রিতি প্রস্থান করিলান মাল। এই গাঁতের বাছাহারী সম্ভাই ইলা মধ্যে আবছা । এই জল একটা আমার ভানা আর ক্রিয়মর হুড়া উন্ত করিয়া এই করির জীবনী আলোলানা প্রেম্ হরির। ব্যা—

শতকুপ নহরে রাজ চল্লটার নাম
ক্যা উজন কটা তার রূপে নিন্মান।
একদিন সাজেব কালে বলে সারোবরে
কুল কুলি যালা গাবে বিনি স্থাতি ভারে।
"কুল কুল যোড়া" চড়ি হানিকা সেবার
ভারা টান উঠে যেন আসমানের গাব।
কলা বলে পরে নেড়ে মগুড়ে আলি ক্যান
আন বাজা কেটে রাজা করবে বান বাল ব
হানেক বলে কন বিবি বলি বে ভোনার
বাল্লান মরেছে ভোমার করিবে বকার।

शाबि मेर उन हमा अहेबन। अहे मेर उन को माना किने की का हमा मानट मांगर रजामन मार मार हमें अनी माना किने की की सम्बोग मानान मरणम हमामन, जाहे कातान नात्य भावित करने আছে। এমন কি দেশের প্রচলিত কবি নীতের শ্বরত জরচানের নীতে, পাওরা নার। পুল কথা এই যে, পাজি-নীতের অবিপঞ্জিগদের মধ্যে জরচাদ এণ্ডলন পরিবল্ধীক্ষা সংখ্যারক। নৃত্যু বছলে গাজি নীত সমচানই প্রথম প্রবিটিত করিয়াছিল কর্মচানের প্রতিবাদী শৈশাড়ার বোক নাংনায় একটা ধূরক একজিন আনার নিকট চিকিৎসা ব্যাসা শিকার সময় প্রকাশ করে যে জরচাদ ২৩০৭ সালের প্রাবণ নামে জীবন পরিত্যাপ করিয়াছে। এই সময় জরচাদের ময়ক্রম ৭২ বর্ষ ছইয়াছিল। জরচাদ লোখা পড়া জানিত না অবচ কবি ছিল—আর তৎপুত্র প্রসম্ম কবি পিডার প্রত্র হইয়া লেখা পড়া জয় শিবিয়া কবিতা প্রস্তুত নূরে পাজুক, জয়চানের জনেক ছড়ার জর্ম বুনিতে পারে নাং। এই গাজি গ্রতে বতরূপ গাঁড, ছড়া, ও জ্যোক আছে, ডাহার মধ্যে আমরা অজ্যক প্রায় কবিতার ভার ডড কবিছ লাই। কেবল সহজ সম্মান কথার পার্থনিতে ইথা কারা সাহিত্যেশ প্রসাদ গুলের একটা আদশ মার। জয়চাদ মরিয়া গিরাছে বটে, কিছু গাজি গ্রতের সাম্প ভারর নাম বির্থা হটবেনা।

সভীত কাবছের মধ্যে নিব্রক্তর কবির হস্ত ভালিও কথবা করানাপ্রস্থাত শীভি কাব্যে, জারী গাঁও একটা অভি উক্ত আলের কবিরময় নির্দোষ জাবোদ। এই শীতের সমানোচনা বলে গাহল কবিয়া বালিও পারি বে—বালারা ভাতৃত ও বসগ্রাহী, ভাগারা নিক্তমই বারানির স্লাহ জারী বীতকে যন্ত করিয়া কনিয়া থাকে।

বর্তমান সমায় জারী গাঁতের বেজপ হীনাবছা দেখা বাইলেকে, ভাহাতে আশহা হয় সে আর কিছুকাল পরে জারী গাঁও দেশ চইতে উটিয়া নাইবে। শিশ্চিমায়ের বলের পঠিকগণ হয়ত জারী, গাঁও নাম গুলিয়া একটা কিতৃত্তিমাকার পলার্থ বলিয়া ভাবিতেহেন, কিছু প্রক্রুপকে জারী গাঁও একটা কিলুভবিমাধার পলার্থ নাহ। পুরু ও দলিশ বলের পাঠককে জারী শতের টীকা করিয়া ব্যাইতে হটুবে না। তবে উল্লেখনিক বলের পাঠকগণকে জারী শতের ভাগা করিয়া ব্যাইতে আমি টকাকান্ত মহিনাবের স্থান অধিকার করিতে পারিব কি ।

লারী—কর্বে প্রান্তর ইকা আরবিক শক একা ক্ষিকাংশই আরবিক নাইও কালার ক্রাক্তি-পালিত নিরকর সুসলমান ক্রিপ্রপুষ্ঠ আরবিক কাহিনীগালিত সুনীত। তবে চিশ্র নেশে থা করা যে সকল সুসলমান করি বাহিরে "কোরান" ভিতরে পুরাণ লাইছা হিন্দুর সাল ক্ষিকাশে সালু চলা কেরা করে, তাতারা মুই একেটা হিন্দু হরণের জারী পাঁও প্রাক্তাশ ক্ষিমাছে। এই গালির মনে "বুলা" নামে একটা জাল আছে, সালারণ স্কাতেও বেমন ক্ষাতোল, ক্ষান্ত, চিতেন, ক্রেটিত অল, আর মুহতা, আলাধী, কোলখোল, বিশ্ব ও পর চিতেন প্রাকৃতি মাতি আছে। এই আলিয়িতেও সেইবণ গুলা, আবেল, ক্ষেত্রা, মুক্তা, বাহিছ চিতান প্রাকৃতি কাল আছে। প্রান্তাক গাভেও শেষ সংগ্রান্ত্র সংগ্রান্তরী স্বান্তা আব্দুক্ত ব্যাহিত ক্ষান্ত থাকে।

ুৰ প্ৰত ৰপ্ৰতি প্ৰজনাগত জাৰী-কৰালা কুমত ধৰিয়া পুঞ্জিত পুষ্কিতে লাইছে থাকে, কৰম কুমুকি স্বান্ত স্থাতিপ্ৰপূত্ৰ প্ৰমতী চইয়া উঠে, কাহা বিনি নিষিত্ৰ ক্লিয়া আছি গীত ক্লিয়াকুমুক্তিনি ভিন্ন সভা কেত ভত্ত সংগ্ৰহা উপ্ৰান্তি ক্লিয়ে পাহিষ্টেন মুধ্য কাৰী পীড়েন দলে কৰেবিভিন্নিক, তাবং বালকণ্ঠ সমুন্দ জন কয়েক ক্লাক্ট পায়ক ও আৰু বা হাইলেন ব্যালক্ষ্য সমুন্দ জন কয়েক ক্লাক্ট ন্যালক্ষ্য প্ৰাণ্ড এটি নীতেই দলে কল্মান সময়েই কৃতি ক্লাক্ট্য বিশ্ব ক্লাক্ট্য একলাল দানাল বক্ষান সময়েই কৃতি ক্লাক্ট্য আকলাল দানাল বক্ষান সময়েই কৃতি প্ৰিক্তিক আছে। এই বিশ্ব ক্লাক্ট্য কল্পান আৰু ক্লাক্ট্য কল্পান কল্পা

আনিকাশ সমগ্র একটা সামান্ত স্থানেতা লাগিছিয়া মন্ত্রণান প্রকৃতি উত্তাক স্থানে কারী বিভ ক্ষার বাবেছ। কোন সমান্ত বিন্দু জারী গাঁত বিভা গাঁকেনা গানা আপবাদ পোনবা ক্লমেন্ত তবি নাই। একিকে আবাদ কোন উক্তপদন্ত মুন্দ্রণান গাঁ বিভা উচ্চার বাধীকে বিভানেতা প্রকৃতি কামান্তের আমান্তের কর্পে কোন সভাচ উঠে নাই। কেশ্য বারোভানী, নেলা প্রভৃতি ছোনে এক ক্ষম্য ইটাত উন্নামভিয়ান নগান্ত্রন বাহীয় বাধিন প্রাম্থান এই বিভ ক্ষয়া পারক।

বাংগাদের করা প্রার্থী তাল গাঁচত এবা আন্ত হয়, তালারা ইহাকে যাই ও আনের করে বানিকেই সাবেই ভাগল চার্য বার্য পান্ধান পান্ধান পান্ধান করে বানিকেই হাবেই । বােলার বা লাগলের সাল্ধান পান্ধান জার্য তালের কালার করে ও আন্তান্ধান পান্ধান করে । বােলার কালার করে করের পান্ধান করে করের বালার করের করের করের করের করের করের বাংলার বাংলার

কোন সারে মক্ক প্রথম কারী গীত প্রচাশত হয় তাকা ছিল্ল করা বড় করিন। এই প্রাক্ত লিবিবার সময় একাগন কথেকজন সন্ধ্রনীয় বন্ধপথের সাক্ষ আমোলনার সিদ্ধান্ত হয় রে নিপারী বিচয়াহের আগ্রান্ত লাগী শীত এদেশে প্রচালত ছিল। শেষত শৈলীত র্ছাক্রণ নামে প্রচালনার আগ্রান্ত প্রধানত প্রথম দেশা বাহ যে "কোপ্রানীয় সান্ত্র বাচনারী ক্ষমশন্তর প্রশাপ্তার কাগে কাও প্রানীয়ের প্রচলন ছিল। সেই স্থামোদেকে প্রায় বিনে লাক্ষরে। চল্পীনীত, প্রচালি, মনসার ভাষান, কবি, শীরের সীত, ছালী গীত, প্রস্কান্ত ব্রাক্তিকেনা,

এবন এই প্রয়াতন গ্রাহের প্রাক্তন বাজাল্য ভাষার নির্দ্ধীন কবিবের জারী দ্বীতের প্রান্তীলার মানিক্তে হয়। জাবার জের বলেন ও তিনি ১২৬০টি নালে জারী বাঁড পারকণ্যাল

. 3.

নকট এই শীতের যাত মেলিকভাব খ্যাল্য প্রাইছিল। আনাম দশবন্ধ সমী কিন্তু লাই গাঁক বিশ্ব বহাতীর নেন্ট ভানিছিল। যা ভাহার ভথ ন একজন বান্দীন মিলা লাই গাঁক বিশ্ব বহাতীর নেন্ট ভানিছিল। যা ভাহার ভথ ন একজন বান্দীন মিলা লাই গাঁক বিশ্ব ব

ত বা বি বি বি ক্ষিত্ৰ কিছে । তি গ্ৰহণ কৰিছে বি ক্ষাৰ ত তেওঁ কৰিছে বি ক্ষিত্ৰ কৰিছে । তেওঁ কৰিছে কৰিছে বি ক্ষিত্ৰ কৰিছে বি ক

এই গিতের সঞ্চ প্রথম বিকাশক শ প্রবৃত্তিকের নাম অনুসন্ধানে প্রস্কানীন অনেক কলার অবভাবেও বর্তিশান আমানেক ভালে গ্রহা চেকীব ভারাশ প্রকটা প্রকৃতি নীমানো কলার না বিশ্ব বাভকভার আনি প্রয়েশন আবীরবালা বলীরবাদক এবং লারকের নাম একটি আর্থিন চাংগ্রিক গার্হার বুলার প্রথম আইক্সেন্ড । মধা ১০০

> नामकि सामाज त्यत्व तर्कति सामीनुस्थलन्त्र नासीक्षेत्र का व १०न विकासन तमस्य दवस्य समाजित

ির্ভা কবি জ প্রামাকবিত।

তান আকালের এক মেণ্য হইরাজে তারি, ভাতে বাছনা নিয়ে পাগুলা কানাই গেতে ক্লিক লারী।

- ক। সিরাছে গুণির জাহের প্রকাল তাহের আ ক্রিকান-থোলা— আসানউলা গোনা, দেও, তরিবুলা ক্রেক্টান নোলা। গেছে রোসন গাঁ নৈমান মুলী জাব অগজন নোলা, এরা কর দলেতে পাগলা কানাইর সামে বিদ্যু পালা, ভারা সব চালাক চতুর কানাই বড় কলা।
- া বেছে বাজভীয়ালা মৃথুকান, কোৰিন্দ অভিকানী, ক্ষিত্র নাজ্য কুলিবু, রানাক্ষ্ বৈগ্রাণী, গেতে বকুনিবা, গোপাল উড়ে, আব কুড়নছাস আধভারী, ওবে প্রাম বাউল সিহাছে তথা যার খোলে বন্তে। হরি।
- শার ক্ষাবলার গিয়াছে অনেকজন;
 নীগজার, দাহেব, চিঙে, রদিক, কবি করে বারা ক্ষমনার সালেক।
 সেতে ৮ঞী লোলাল ০কি স্বকার বিলাদী আ। ক্ষমিনী, ক্ষালকারিক বিলিন স্বকার বলোল্ডরের বামামলি, ক্ষালী দিবী মুখ্রিক তারত গোবিদ্য করে তাকাভাড়িন।
- ে গোছ চুলীয়ার অহিত দীননাথ চৌগাছার পৰী পিরু ভাল আৰী,
 চিচ্চার ইবং গিবেছে ভাই নাম আর না আনি।
 গোছে পান্টিপ্রবালা কুই, হীরে আর জ্বা চুনারী।
 তর্য এক্মেলাতে মেলা করে ওনছে শবে থবে থারী। ইভাবি।

এই সকল বছবিথাত গায়ক বেং বাদকগণ প্রায় সকলই নিম্ন শ্রেণীর নিম্নার—কবে আজি
বাব, বউ মান্তার প্রান্থতি ছই চ্যাবিজন বাজিও নাম আবেশের কোনে সজী চক্ষ্যিতা এই কিছে
সামিবেল করিয়াছেন। অধিকালে ওরাদগণ নিরক্ষা। কেই বাংলা কেই বাংলা কেই বাংলা করিছা
ছিলোন। তবে প্রান্ধ বাউল নামক নিশক্ষ্য বৈষ্ক্য করিটার বিষয় স্থানায়মে আংলালনা করার
ইক্ষ্যা বহিষ্য। এই সকল জারী গীত প্রায়ন্ত্রকগণের মধ্যে ইন্থ বিখাস আহু সাম্বান্ধ
করাতী। বিষয় ইন্থানের কাহিনীয় আংলাভিজ হতবে।

হলোহর ক্ষেত্রার র্যাক্তপালে কেববসূরের নিকটবর্তী সন্তব্য আমের "সম্ভান কৃষ্টির"
নামে এবটি নিয়নর মুসকমান কবি াই মানী ক্ষিতের বল প্রস্তুত কবির বিশ্বকর
কবির লিরোভূষণ লাগলা কানাইকে এই জারী গাঁও বিশ্ব হৈছে। আবার কৈছ ক্ষেত্র
অন্তব্য বলিয়া থাকেও বে আন্তল বাণ্য, ও বছন নামক আর ভিন্তন নিক্তর কবি
কানাইর শিক্ষা কিব আমরা নোরায় বংশীর এবটি চবারে নিকট ভলিয়ায়ি হে মুয়ান
ক্ষিত্রই প্রশালা কানাইর গুল। আন্তস বাণ্ গাঁক প্রাচীন ব্যাক, করি নীকে কানাইর

সাহিত্য পা কিশাত হা

স্থানীয় কলতা ক্রিনানির বিভাগ বিষয় নামারণ নোকে অতি পরতিন ওতাদ থাতস প্রতিক কলোটার বিভাক বলিং। ক্রিনা কং সক্তব নহে। হাছা ক্রউক কানাই হাছার নিকাস্ট্র বিকা কক্ষক বা কেন, ওক হইতে ত ার ক্ষমতা ক্ষমিক।

পাণলা জানাই হলোন ব পাৰ বিন্দেইদছ উপ ভালে মড়াইন ক্ষীবারখালের কাছানী বাড়ী চাকলা চুইতে প্রায় কাড়াই ক্রেম ক্রে ৪৮ জী গালেপপুরের নিকটকতী বেড্বাড়ী জানে কর বৃহত করিয়া ক্রাজীতিক বছল প্রতিক্রিক সহিত আপনার উপরোগ্নী কবিজনমুলভ প্রতিভাগে ওবে ক্ষানার ক্রক্তব্যাল হগৈ ও ক্ষিবিদা ও নাম ও ক্ষাব কীর্তি কবিয়া গিয়াছে !

নেরকর কবিনীলৈ। আলোচনার যে ব্যক্তিশ লাম ও কীরিকাহিনী বিচাৰিত কইছেছে, তালার বিচার কইটা মান শুলা, কামাই মান ই কলে। আই কিলোক কামান পান্ধান কামাই বলে। আই কিলোক পান্ধান কামান মধু দুল্লাগাবৰ এক মতি অপুনা ভাবের নিলম কইয়াছে। কামান হলে হ'ব ও যৌবনে বড় উ দুখল ছিল— তাই কামান ভাবের শিতা কুছন সেখ ভাবাকে পান্ধান কিল কিলা। বখন সংমানিতির উলাবাক্ষী প্রশিক্ষা হারাব উদ্দুক্ষাভাবেক কবিশ্বে ভাবানাগাল্য প্রত্নী অমর্থের পারে চলিয়া, ভাবন ভাবার পারকা, উপাধি সার্থান হট্না।

সার একটা কথা এই বে, দেশীর মুস্থমনানাগ হিন্দুর সংকাশে পাকিষা অধিকাশে সময় বিশ্বর আনক বিবাহর প্রকাশক করিবা চলে। ত বিকে আবাৰ ব্যক্তর নৃদ্ধ্যনান্ত বিশ্বর ক্রিকাল করিবা চলে। ত বিকে আবাৰ ব্যক্তর নৃদ্ধ্যনান্ত বাহার বিশ্বর ক্রিকাল ক্রিকাল করিবা চলে। ত বিকে আবাৰ ব্যক্তর নৃদ্ধ্যনান্ত বাহার বাহার আনুষ্ঠ বইয়াছিল। তাই জন্তই বলিশের বাবা বে, বলের প্রনেশ মুস্বামান্ত বাজাবি ক্রিকাল। অফাপিও বলীর মুস্বামান্ত বালার মধ্যে হিন্দু ভাবের কনেক গাম এবা আচার ব্যক্তর মধ্যে হিন্দু ভাবের কনেক গাম এবা আচার ব্যক্তর মধ্যে হিন্দু ভাবের কনেক গাম এবা আচার ক্রিকাল, ক্রেকাল আনুষ্ঠ প্রকাশ বাহার হালার ক্রিকাল বাহার বাহার বাহার ক্রিকাল বাহার বিশেষের ক্রিকাল বাহার বিশেষের ক্রিকাল, ক্রেকাল মান্ত্র ক্রিকাল, ক্রেকাল মান্ত্র ক্রিকাল করিবাছিল।

धकी शरीह श्वांत जाता क्यां-

নোন উচ্চল ভাই ভোৱে কৰে নাই

ক্ষি ভনার হাতে পাছে আছি চনের গর

কাম গুল কিয়া কর আর ।

ঠিক বেন ভাট কানাসুৰ সেছে আহ্নান অথার পর । সানা পানি করে ভাব থালের পর ।

নিরক্ষ কৰি তামাক্বিতা-

বিধিন কৈ নেন, কুৰ্ম নাম চাম

আমি চালপাত দেপাই জীব কুলামে ড'ইংই উঠি;
হাসলে বিবি দেখার ছবি— পটোর পটের পীর। ্
আমার কাছে আলি পরে মড়ে যেন কল বিকলে

দেন ভলোঁ ছোৱা প্রনি মালের ক্লান

সেই পিরীতে মজেরে ভাই আছি ভবের পার ।

কিন্ত এই নীতটাৰ ভাব সংগ্ৰহ কৰিলে আনৱা বুৰিতে গারি যে, কনোইর এক মাত্র ক্লালী ত্রীছিল। কৰি কানাই পূর্বক্লপে ভাছার প্রেনে আনদ্ধ ছিল। সাধারণ সুন্ধনানপি ক্লাট্ট ক্লালন প্রায় ক্লাট্টি ক্লালন ক্লাট্টি প্রায় ক্লাট্টি নাইর ক্লিটি নাইর এই মুস্কুমান নিরক্ষর কৰি কানাই মুস্কুমানের ভাগাক আৰু বিধ্বা শ্রাহ কান্টি বুক্ নায় ক্লিটেনা। ইছা ভাছার এই গাড়ের ভাবে এক আর একটা গাড়ের ধুরার পাইই বুক্ নায় ক্লিটি

পড়লে তথী ভূকানেতে সামান পেওল দান তাতে আবো লোকাল গালে নেক। চুবে লাই হ এক নারীর এক পতি পোলার কলন এই ভূত হাতে গড়লে গিল্লে নারীর নুবত সরে যার। ইচ্ছাবরী হয়ে নারী যাব শাব কাছে যাম আলোকের সোভ গে তান পাল ভুলা বছ এই তো নথ নিধির বিশি মনে নারীর পতি যদি াক লাভা আলোক গাভে লড়ানো কি হয়। ভূ দ্ব কুলপ্রিতা সৰ ২০ব পড়ে খালি রসে ভাষা হর।

বৌৰনের অনমা বলবতী দামচ্চা গইয়াও কানাই ছিপটোক নতে। অথবা এক কামিনীর এক প্রেম হইতে তাহাকে হিছ পথে শইতে পারে নাই। আবার আর একটা কথা আছে, কানাইর নিজের শারীরিক সৌন ছা অভি কর্নহা গহা নিকে ছুবিরাও সাধারণের নিকট প্রকাশ করিতে বিন্দুমান কৃষ্টিত হল নাই। একটা ধুয়া উক্ত করিয়া ভাহার উলাহরণ কেবল বাইতে শারে। ধুরাটাতে কানাইর হনতে। উচ্চ গতি ককা করিবে কেছিতে হারা বাহ বে, ক্তিমারশুলা সম্পত্যান্তবের পূর্ণহ লাইয়া এই কৃষণ কবি ক্ষেত্রত ঘট্নত রাজনা করিয়া বিরাহেন

শোন উত্থল তুই জাপায় ভাই, দেব নেৰিক্লাটাক কি কয়।
আমানে কুজ কৰা এতে কি তোর উচ্চিত কুলা।
শোন ভাইনে ভোর পালে চাকাই হিট, তেড়া বাব দি সেখাই কিট্ত,
পাললা কানাই খেন কপ্নি পৰে যাকে ক্লিছ।
টেলা টিলি কচ্ছে স্থান - উক্লালে এই দেখা যাকি
ভানাই ডো প্ৰথম মন্দ নয়।

ভাইবে ভাই, দাখিল বেন গাব্দা ব্যাধিকালেবিটির ছিলেম খুড়ো—
* মাবার এই মাধ্যের এবন গুণ দিয়াহেন খোনার ॥

ওইরপু সরল ভাব নিজে নিজের এপরিষয়ক সেন বেশক্সচারিত শিক্তার্থ বনিভার পরি। চিত জারীর ধুরার বর্ণন করিবা কভারে 'নরভিয়ানভান পরিচয় দিয়াছেন, ভাষার চুলনা নাই।

এ বিজে কৰি আবার গৌৰনকালের কুপ্রবৃত্তিপ্রতিলকে বেমন প্রদান ভাবে উচ্চ পথে শইমা আসিয়াছিল। কেন্দ্রন বিশ্বস্থান সাক্ষতে মিক গোনপ্রবাহে কগতের কুল কইতে বৃহৎকে পর্যায় স্থান কৃষ্টিতে কেবিত। হিন্দু মুস্বানান ব্যাল কাতাবও প্রতি ভাষায় স্থা বেব ছিল না। নিরের মুলায় তাহার সেই হ্রছের ভাব ্রমন প্রশার ভাবে ক্রেক্স পাইডেটে, বর্ণা —

> এক ব্যুপের গ্রন্থ বেটা জ্ঞানা মরা কেব নর শব্দেরে এক রক্ত এক গার ক্যান্তর । এক মারের হব বেছে এক দরিয়ার ধার

কাৰো গাৰে শালের কোঠা কারে৷ গানে ভিট , চুই ভাইছে রে জেব**্ডে ভিট**্

কেবল জবানিতে ছোট, বড়, নোবা, বাচাণ চেনা হার।
কৈই বলে গুৱা হারি,—কেই বলে বিস্মোলা আবেরি,—
পানি বেতে যার এক বরিবার • ৬
মাল শৈত্বে প্রকলন মরে, কেও বা স্থাত কলে • ৬

अत्य कार्ड करिएक मार्गमाति करत्र गोक्तित् एकन नव (गासाड ।

ति शास हा कार्क केंक्स, मनहे निस्त्रेमत केंक्से हा भारत हा नाए ठाए भार क'रकान केंक्सि । हा केंद्राव अक माहारण श्रीक कारण क्रामा भाव—— कामानुक्रीरण क्रामा निमि जान क्रामा, हा हा कि कारण कार्य केंद्रामा केंद्रामा करा। वाक्रास कार कार्य मा कर्यु भागका माहार क्रामा ॥

কানটোৰ বৌতন-কীবনীয়াত বিশেষ কোন শাননীয় ঘটনা। নামরা অবগত চইচত পারি নাই। কোন তালার একটা লালাভ চাকুরীর পাতিচয় পাইবাছি। মাঞ্জায় সিক্টয় শীক্ষাটার (আঠার্থাপা) চক্তবরীলনের বেড্বাড়ি প্রামের নীসকুঠিতে জানাই বাকি হাই ইপিট্ বৈশ্বৰ

খালাসীর কাণ্য করিত। তে সময় কিন্দিট তেখনভালে ঘুবক তখন এই অঞ্চলে নীলকুটির ষড় প্রস্তাব ছিল। ধরিতে এইণে ওপ- মীলভার সাহেরগণ সাধানন প্র**ন্থাব একরণ হর্তাক্তা** ্ৰবিধাতা বিশেষ ছিলেন : নীচলৰ অভ্যাচার নগ কিতৃত্বি সইছে . ভুমু**ল দে**শবাদী **আন্দোষন** फेडिया भावती महामण्डि कम्मारक्टवय काञ्चादात्र, विस्तृत्वकिंग्राउंद व्यवन्त्र **मन्नावक कविन वाद्र** ८ अज्ञान (रास्तीत अप) विभार, इत क्षिम कवि नावाकात क्षा १८५५ त्या वे १८५५ तातुम खेळा साजिक ्रीकार करें भागते र र हैं। र भग्ना वह रोजा अहे जनवानी जीवार कर कर कर कर की है প্রস্তার জন্ম স্থান ১৯ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ জন্ম তার **ক্ষেত্র হার মনির প্রাচীন চক্রবর্ত্তী স**ংগ্ भग्न प्रकार राज्य के कार का का का का का अपने क लिनि आनुस्परित र तमादौर १९५२ मार १५५६ क्षा ४ ६ स्<mark>रोत्तर मीर्न्स आधि स्टार्</mark> कानकि रुपन र र त्वा रहेरा एन भुका १५%। र र को भोग र अर्टा रहे स्था, इरेरफर्ट াধোর মদাত জানী গীল গাছত শংগীতাত ধুম এচনা **আর**ছ ১০০ এই শাস্তাতি **কা**ছত মানু জনে ই ধংসৰ কানটে কৰিলছিল। এই বেলী সমেক চাকুম কাৰীৰ এনে পুত্ৰ কানীৰ নিজ শক্তে দ্বাৰ পৰা বুলাল লাল ্বাল কাল্যক ভাৰাত পি পা **বৰ্ত্তাল—সংসাধ নিভা**ল স্কৃতি ^ক कीयर भारताहरू हो है । है अर्थ के देखन का कहा है के भारता का का **काक विका**र के देखा है के स र्ग्य नवीत क्रमना २० अ.स. .क. २ ४४० हेड्रा त इत मा । **त्यारा भावातीय क्रिकीयनी माखिरको** क्रहे (बना वर्षकरें) क्रमत कोटब मार ना काशत के किया कार्य भार्तिमारमार **यस** कार्यिका**नारम्य** উচ্চপ্ৰাম না ইউৰো ভাষ্যতে ৮ ক্ষকগ্ৰেল লগতি । কেবাৰে ভাৰতাদৰ **ক্ষে**ঠাৰ কেবাৰল জনৰ कुर्विका स्वाता स्रभ प्राधावरण १ लक्ष पर्यास व्योगवात कोशरण दाश हुन । स्वानाई अहेबल मास्ति লভাষ্ট বিনালান্দি পানের ক্রীন্তি পোল আরোহবের মাধাপ্তা এই সময় হাইছে প্রান্তান্ত করিছে লাগিন। नोंडे अक्टी माभाक घोटना वाशील जाहांव आवर की रामण खनड एकाम बंदेमा **खटान, एराजाह**

নতে। কেন না কৰি জীবনে কৰি নীলিক চিত্ৰ নিয় আৰু দিন ছালা প্ৰায়ত পতিত ইয় না।
সমপৰিতা, প্ৰতিতা, বললক, ভামাধিকতা, ঈশবে জৈনাজিক নিলা, জীবে হয়া, বিশ্ব-পোমকতা, প্ৰাথশতত এক নামে কচি প্ৰভৃতি কল্পালি ছবি মহান্ত্ৰ প্ৰতিব্যাহকতা কৰে;
কৰে আমকা এই ব্যক্ত নিবক্ষর কামিটাকে বি বানিক প্ৰ ভাশালি যে ভাষাৰ বেছেন্ত্ৰ-

। মনের নিভা সঙ্গী ভিল।

ধবন কানাই অতি প্রাচীন, তথন এক সময় প্রশার **বেলার বিখ্যাত কবর কেল্বপুরি** জারী বিতে শিয়া একটা ধুরায় প্রকাশ করে বে —

> "ভিন সম ধরে গাজি জারি এই কেন্দ্রপুর ভার শব্দ গোড়ে বহুত ছুল । নারকের শব্দ জমে ,এনেছি সেং ম বিশ্বন, বিশে দোড়া এই বুলা বাব ডাবে গুলি গালির বেলা সংগ্রে বিদি গাকে আখার নলাটে, আম কিবিয়ো নম্ম ক্ষেত্রত ক্ষম্ম

be ুলি সাহি তা পরিষৎ-পাত্রিক।

भवाः तांत्र **बानांकः । ३ - नीम त्याः ए मार्च एकि र्यः** १३३ व्यक्तः श्रृष्टात्र वर्षः ।

ेश कराते १४ १ में १९६ - क्या १९६ - क्या स्टब्स स्टब्स स्टब्स होते. जोतनक मुख्या कर - १० १९९६ १९६३ - विस्तित क्यांत स्टब्स ह

এই স্কীতনৈ স্কৃতিব্যাদ কইকো ত লা ব্যাহি পালেব, কানাই ক্ৰিনের সেই লেবেৰ ক্লিনেল 'আ কেননা প্ৰদাব ল'বে প্ৰায়ত ক্ৰম। মৃত্যুৰ নেই দীকা ভাৰ্টি ভাৰাকে ভাৰ ক্ৰেটিছে এ নাই ভাৰেল লেকে ব্যাহিত প্ৰায়ত মানকলন লোকে বৰু স্কৃত্য কৰা এই জাবেই প্ৰতি এ ক্ৰিন্ত আছে। মৃত্যুত লোকে ইলিয়াই ক্ৰিনে এক মহাবিভূত পদা। ক্ৰম আয়ু ভাগবালে । বৰ্ণ স্কৃতি মিলান ইউপুৰ উপায় শ্ৰীবা কি । উপাছিত চকালে কৰি আন হৈ ক্ৰিডিল

্ তেনাৰ জ্বা কৰিছে কৰিছে নামে আৰু নেত্ৰ বা ।
জ্বা ১ চাইলে ডেকাকী ব্ৰেক্তিক, নাচা কৰি ভালতে বাৰ্তিত
কিকান কাছে স্থানা কেলা, পূচৰ গোড়ে গাছেছে বল,
কাছেছে নিৰ্দ্দিন আৰু প্ৰাণ উদ্ভাৱত নিৰ্দ্দিন কৰি,
কালে মাহি কাছেছে মানুগন চান কালে কাল, নিৰ্দ্দিন ক

আৰু । বই বিশাসৰ কৰিও স্থিতি শুনিহা আদ । এটা শ্লিক্ত কৰিব কৰিছে জনে প্ৰতে গইন ইয়া প্ৰায় হ'ছ হল । হ গুলা সাৰুগনেশী। সৰুজান্ ধণ আনুষ্ঠ কৰ্মতো মহুলাত ব্যিক্তিকান—

> प्रभाग क्षेत्र स्वतंत्र प्रभाग कर्म कर्म प्रमाण क्षेत्र क्षेत

একন কনা ২০ তে, এই শোক্ষাভ আন ক্ষালিন্দ্ৰত কলিওৱের কলিও মানেশাল্লনা কলিবল ক্ষামনা কৈ বিদে পানি । কি বন কৰিব ভাৰ চিত্ৰত ক্ষালিক্ষাভ কলি একৰ ক্ষান্ত ক্ষালিক্ষাত কৰি একৰ ক্ষান্ত ক্ষালিক্ষাত কৰি একৰ ক্ষান্ত ক্ষালিক্ষাত কৰি একৰ ক্ষান্ত নিৰ্দ্ধান কৰি লগতে কৰা কৰিব ক্ষালিক্ষা

উপাৰ "কেয়ানতের" ক্লুবাই ক্লান্ত গুলিয়াছিল; অধ্য নিজের কালাবেক ক্লুবন-চৈত্যন্তর নার্থানে
ক্রুবন নিনিপ্ত আনান্তিক জনত চিত্র-কনিতা উল্লেখ্য আকৃত্ব দেশে বাইনে সর্বানাই প্রস্তান
ক্রিবা ইবা আপোলা প্রকৃতির আন্তর্ণ আর কি হইতে পাবের ? আরও গুলুন, কেন্সন প্রাণিশ্যনান্ত্রকারী মৃত্যুকালের প্রশান বিবেক ক্রিবা বিনাছিলেন তে, বনি কেন্ত এই আন্তর জগতের কর্মা
মৃত্যুকালে পির্গণকে সংখ্যান করিয়া বনিরাছিলেন তে, বনি কেন্ত এই আন্তর জগতের কর্মা
থাকে, করে তাহা ঐ নবোধিত ক্র্যা,—কানাইও ঠিক সেইকণ মৃত্যুর অর্ম ঘন্তা বাকিতে ক্ষত্রভাগি পিন্য মধ্যে থাকিয়া প্রেষ্ঠ পিন্য বালন্ত্রীলকে বনিরাছিল—

আসমানের নাত্রে কৃট্ল আৰোগ্রীম স্বাবের নার্য আরে বালক দেখ বে কেখ কানাই বিশে পেল তার্য তোরা পারিনে আর রাশ্তে ধরে—পরাশ পাবা থেলে ধার। বড় সংখ্যে বিম রে আমার যাব শান্তিপ্রে, বারী ভাক্তেছে করে

তোরা কাকণ+ মিটে আর ।

গত কানাই। ১ল কোনার সাধনা। গত তোনার ভাগন্তভি । তুরি কানাত কান্ত্রাংশ অধিয়া বে চর্নত ভবিত-কবিষের ভাগন্ত্রা ঐশ প্তির প্রেনাণ লাভ ক্রিয়াছিলে, তার্থ চিন্নিনই পিকিত নরের চিন্ন লাভা। তুনি কেবল তবি নও—তুনি লাগভ, তুনি বোলী, তুনি ভগবদ্ভক, তুলি আমন কবি, তুনি জাবার্থ পুরুষ। সেই নিয়ক্তর কবি বেহতব্যবিষয়ক বালীত-বচনার কিরণ সিও ছিলেন, ভাগান্ত নমুনা শেশুন—

"क्रम स्टिटेस ट्यन-गरनायरत, इरनात केंट्रक्क नम रूक करता।

ट्यापि साधमाधम करत-- ट्यन्टे स्ट्यम करते.

क्रिस स्ट्रम कर्का कात्र मृग तरकार ट्येन स्ट्रमम करते.

क्रिस सारा स्ट्रम क्रिस-- क्रिस स्ट्रम क्रिस स निवसाना क्रानाट मा ८९८६ पुरत पुरत मरता।

क्रिस बाद माराग वात क्रम जारम, क्रिस सिम क्रिक ग्रेड भीरम,

क्रिस स्ट्रम क्रिस सामग्रीम, क्रिस मात्र स्ट्रमण क्रम क्रम स्ट्रम।

क्रिक क्रम केर्यम स्ट्रम ग्रीम क्रांति स्ट्रम स्ट्रम स्ट्रम स्ट्रम,

प्रश्तिक विशेष कात (रहे ह्राम कार्य कृत हरे देश करार जारण, वाशिक कार्यक कार्य बाद बार्य हरे नक-र्याम नाम राज्य कार्यकार कार्यक क्षत्र कार (बादाना) नाइ जारक बादकार, नामक न्यान कुराय की स्थे कुराय कार्य किंदू नव लोगांव का हर कार्यकारात समित

^{- 17/11/07 11/07/07}

সাহিত্য-পরিষৎ-পরিকা

भाव क्षित्रम्मा उत्के, त्राद्ध राद्य मिहूब कार्या. स्टब्से क्या (भटन इब क्रोफ शूकर क्याना),

कानार कारे द्वार एक स्टन, रक्टर किड़ शाह मा मितन, स्टनत कारने स्तुरह तम्माखरत । कि कारत अस क्रम अरम हुई शारक अस क्रम सरत ॥

শাঠকের লোডুংল-পরিচ্জির হৃত্ত স্থাব একটা দেহতক্ষের গান উক্ত স্থিবিদাস—
"পাগলা কানাই কবে—গড়া রথ নৃতন স্থাব,

চালাভাম সাবেক বলে এই শেষকাৰে কল্ বিকলে চলে লা :

কামি ঠেলে ঠাল চালাচে চাই যে ঠেলবার সে ঠেলে না—
ঠেলাত ঠুকতে দিন পিরাছে এখন আর ঠেলা লাগে না ;—ভাট রখ চলে না এ

এ বধে ছিল যাঁরা, সব সংগ পলো ভারা,

হয়েছি নিৰেহার। নলও হরা সার বেতে পালেম না। ।
আমি যার কাছে ঘাই সেই বাশ করে, কলে ভাটি রাখ থাকারা না।
ইল চক্ত বিশ্ লোবা প্রবেচ দানে না—কাটি রুব মাস না ব

এ রুব নৃত্ন হিল বড়া, বৃব উনাকো ভিল হড়া,
বিভা বেচারে পদতো বেচায়—ভি পরিশাটা

আমরা এই বোল জাত ক্রাত বাব বেবে গতন, দিন কতক ঠেনে টুনে, দিবেছি ক্ষ বাহাত ;—এর গারবি হয়েছে জাট, যড়াতে জোর নাইকো জার,

পাগলা কানাইর হলো কেবল টানাটানি সার ;— এ রব চলে না আর ;
বি ছুত্তর পেডাম তার্কি বিভাম সাবেক সাবেক বদ ক্লবিভাম—এ রব প্রাণ কভো না ।
আমি বার কাছে বাই সেই প্রাণ কবে বদে ভাটি বধ থাকে না ।"

ত্ত্বা টাত কোন একটা প্রাচীন রাশান্র নিকট এই কবির বচিক আর একটা ভাকাসীত প্রেট্যাছিলাম, উল্লাপ্ত উক্ত রাজনের অন্ধরেরে এই স্থানে উক্ ও নইন কথা---

> তোর সংগ তাই আছি ভংগে পর, অবিনেতে জুনেছি ভার স্থাচার, চোনের মন অক্ষায়—(্রে ওনি) পূর্বেতে বসত ছিল তথা তার। নারার ভংগ সের রেনাভ আফানের সঁম,

करात शास अतिमा विकास को क्षेत्रका तुन्त कथन स्थादि सदस्य शास स्थाद अति समितारी क्षेत्रमा क्षेत्रका को दशके,

নে চোর কথনত বার সা জামো নিকটে —
এই বাটে এই বাটে নাবাই কাই বাবু সাধু মটে।

মে কন বেড়ার অন্ত পাড়ার মেন্দ্র কার বার্তন উপর ক্ষি
বাংলা বানাই মনে বারে কারা হঠি মানে কার্যন উপর ক্ষ

নিরকর কনি ও গ্রাম্যকবিতা

আৰু একলা চোৰে চুবি ক্ষী গুটী কট জন, আ জানি ক্ষেত্ৰটো ক্ষেত্ৰ ;

এই হাটের আছে নয় গাছ পথ

কেন পথ পৰে যায় সে চোর বজ্জাই
পোৰ গাংন কইলে ব ড, কৰে সে বড় উৎপাত,

মিন্দ কথাৰ ভূষ্ট ক'ৰে মা**লখা**না স্করে হাতে '

त्म नाही काष कृषि कर ठिक् एवन कामामन का क्नांट #"

এই গ্রিছটার মধ্য গ্রহণ কলিছে বড ক্রিন্তার মনো গিজা পরিছে করা, কিন্তা সাধারণ পর্যান বল্লী ব্যক্তিগ্র করিছে ইতারে ভাবে আরুমান করিছে সাধিবেন সহজ জানেন শীর্তের মধ্য মধ্যভব করা করিন ৷ ক্যানাত্র একাখারে করিও এবং ভজনপ্রতি অপুর্বা ৷ শেশু ১৮২ত বৃত্তিটা এই—

ভাই বেনুড় বাহাস ল লাল এক বৃদ্ধা গোঁলেছে

নাল গোঁল ভালে লা সূম্যাত বিচাৰ করে কে हु^{***}
ভালের পর এক শক্ষণ প্রদ্ধা গোলার গোলার নাম্যকা লে, ব কাসমান জাল ক্ষিণাল ল বাহি ছুব্ছ ক্রেড্ছ, বুল্ল গ্লেচ্ছ কান্যাত্র বাহি ভাল কাছে।

নাম্যান নাম্যাত্র উর্গ , আদামের নাম বনিয়াত্র, বিভাগ ভালে পর ক্রেছ মুক্ত প্রকাশ,

লেই সুক্ষা এই পাগেলা কানাই তাই ক্ষমে যায়,
কাৰ সাকিব বিকাৰ আলেম লাকেশ পাড়ে আছে তাৰ আশিয়।
গোল চাবটা কাল ধাৰা সৰ বসাডল ভাই বে সেই শক্ষাের আলায়।
ভাই আছে বাদে গাছ চলা,

আমার গো বৃদ্ধি জ্ঞান নাই, জিনে গ্রাপত এই ছবিত্য শক্ষাে কিছু ভিন ছাড়া,

'বেছ পুরাণ কোরাণ ভয় পুঁজে গাবে না---

ভার ভো কেউ সদান কলে না,

কসভানি আগলে পরে সে ছো কারো ছাছে ন্দু। বিজ করে মন্দ্র করে কই তে কারা, কতি বড় পাই বাথা, কৈছ শুন্ত না, বিষ বুড় হবে চুল পাকালেম তবু তীয়ে চিনুয়েম না । প

পাগলা কানাইএর আর ছইটা গান উত্ত ক্ষরিয়া উচ্চার আল্ক শেষ করিছ— । শেষার আগেতত স্ব, শমনকে কান্ত ক্ষ্

যদি তা करक পার :- ৰ পাতে বাবি বে মন্ত্রন্। ।

मुश्ना त्वर त्वर्गा केश वाक्टल त्वन कर्ना,

मनाव मन्द्र करण लाह कि हि अदि ने मनाव स्कृष्टि सान ना । ।

সাহিত্য-পরিষ্-পরিকা

मी कि ध्यमि क्लो यहाँ कि का काला.

হার একা ভাবের পর, মৃত , বহু জেনা ক'বে হবে ভব পার,— ভার একা ভাবের পর, মৃত , বহু জেনা ক'বে হবে ভব পার,— ভার ব্যবন কাঙারী এ চাবে অপার বারি, বাবে ভবসিত্ম পার; নৈচে মরে কেছেছি, ভাত বিন বেঁচেও আছি, মরার বসন পরেছি,—

करा राम आई गानना कार्नाई ;-

জামি চক বুজিলে সলো ক কেবি সেরে পারে জীবার হয়, ভাইতে আমার নাইকো এখন মধন বলে ভার, ভোরা বছবি কেঁরে আর ; আর সধন হলা জীয়ন্তে মরা, জীব করেছে কজন সাবা, । জীবেব কিছু জান হলো না, ওরে মশার সময় মধ্যে শহে কিছুই হবে না ।"

গীবের কিছু জ্ঞান হলো না, প্ররে মশার সময় মলে পরে কিছুই কবে না । শোগলা কানাই বলে, ও প্রারেষণ চুই বা কবিস্ ভাই স্থিতি।

প্রেল আছিনে বড় ভারা ভ্রম্মন্তী হাস্পা নিশানি—

कार्किटक बटड़-एकड़ क्रांत्र बनश्राती।

ं वह उंद्र दिया क्यें उन्ने संके में व

जामेत्रा कुन कि क्लार कि कहि— कात्र मान न मूंक कला, ममाभत बना त्यन, बीएवत क्वींट ।

ভোৱে সামাৰতি বলে তমা ভগাতি।

करात तथा जुनाति कथा नोशितका नकरणह रण कठि ; अथन कि चित्र जात कत्रांचा शुरुका छोता जा मा मा

हत असार किले क्यांच ट्रिकि ।

১২৭৯ সালের এই ভাষিন কড়েব জিল আনাই ভাষাত্র জনিলার অস্থানাধিগার লাক্তিন ভাষিত্র উপজিত ক্ষেত্রে উক্ত পুরাটি বাবিতা গান করিবাছিল। এ জিল ভাষি করের ক্ষেত্রিক ব্যাতি উচু বিধান লৈ গানটা হচনা করিবাছিল, ভাষাত্র এখানে উচুত করিবাছ—

শংলাল তল আলি সালের লা ই পার্কিন ক্রান্ত্রীয় এক বালের বাল কার্কি বাল যে বাল লি কেনার বার এক পুরু বিভাগ লানি কিনা লানি আছে বা কোনে গেল কৈছে বড় ভারিকৈ কা স্বান্ত বাল আৰু

१२ के हा बाद राज शिवारिक छक्तांत्र पढ़े। अप दिल कि चारिक सिवारि दिन किन्तु

ं उन्हें तो अपने कह ती गाँवत ही जात सहा ना

নাহিত্য পরিবং-পত্রিকা (বেনানক

alles ser en biel, whenes we wish

(Titigen annen Guippan - Per ulv sturg-nite sicen.)

e de la companya de

সিদ্ধ সহস্কি

मर्कावर कहा, गुंबी, उन् विक्रकार कार्यक्र, ज्याराह, निर्माणिक शक्ति स्मानक मध्येक्ट

कारवाम (समय विशिव्यक्त ना देवरे, विश्वयं कारवाद व्यक्ति वर्गां करें। निर्वियं, करण वालाव एवं। जून केर्याव जून हिंदा मानुवाद देवा के विश्वयं विश्वयं के वि

क्यान अवसार्वे अञ्च ठिकिथमात अस्तानन एव ना ।

Francis Constitution (Constitution of Constitution of Constitu

THE GIRTH

शास्त्रा-श्रावर्द्धाः

(देवगानिक)

सामन जान-विकास गरबा।

AMPING.

बिनारशासनाथ राष

क्रीक्र महिन्द्रा निवर कार्तानंत्र रहेट धर्मानिक

मृही।

विभवनि व केर्यमान (किर्वेशनामान क्षत्रकर्छ)

मिन्द्र कृषि । श्रीमाकृषिका (काक्षात्र विकासका क्षीसिक

1.730 %.

के बाबान कार्क मकर्तन (जिनायव चनन जिल्ली क्लेक

of the William Party of the Par

P. San Car Language and Languag

लातियक केश्वार्य ल

>। কৃতিবাদী রামারণ।

करे नरभावत खाठीय इचनि वहेट वनीय गाहिका प्रतिकास क्रिकेंस के यह मूम इकियामी सामाहरणय देवात सरेटकरहा। व्यवस्थाकाल व केंद्र स्वर्ण आकाशिक सरेशात्व । तहे श्रद्ध वरेकमात साथा कवियामी सामाव्य व्यवस्था व्यवस्था श्रद्ध कालांस स्वर्ण कालांस गांवक करमक पविषयित महिक वया। वार्याशाकाल स्वर्णा । वेक्सकाल कर केंद्र भावत । विवरण स्वर्ण महामाव्य कर्म कर कर कर साथा ।

२ । नेज्ञास्त्र संगमत सम्बद्धनी ।

े वह जनमञ्जीत्व मादकमाहिकात मानाहक जानाक्या-कव्यत हैगारक नारक । आहिक व्याप के क्षेत्रक के क्षेत्रक विकास के क्षेत्रक व्याप के व्याप के क्षेत्रक व्याप क्षेत्रक व्याप क्षेत्रक व्याप के क्षेत्रक व्याप के क्षेत्रक

৩। বিজয় পজিতের মহাভারত।

क गर्गाच गश्चित्रत क्रियेश वाणामाच वरिणवानि वराकामुद्रकर व्यक्ति व्यक्तिम् स्वेश्वाद्रश्च । विजय प्रक्रियेश वर्षाणाम् क्रियेश्वर प्रदेश गर्गारणका क्रियेश व्यक्तिम् व्यक्तिम् वर्षाणाम् वर्याणाम् व

८। नक्ष ७ मांकामुनि

नित्य गानीरा रामास्त्रुतियाः सन् चान्त्रः नित्य गामासाम्बद्धाः सम्बद्धाः सन्तर्भः

. १ । द्रीक्श्य

७। वानावन-उत्र--दान्य छ विकीय प्राप्त ।

वर्षे कार्य क्रमीर्थ पानीप्रिन्तानिक कृत स्थातिक गरिक प्रतिक्रितिक व्यक्ति है। राज्यमादि ग्राक्तियोग्न व द्रमा वस्त्र स्थीत्वक्रमीर्थ वार्यानिक श्रीत्यातिक स्थाति द्रिक्ति यह गरिकार गर्यानक पर्वकार्य । व्यक्ति व्यक्ति स्थातिक व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति इ.संबर्धन प्राप्तिक श्रीवरीय क्रमांक विश्वव व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति

्रवाक्षणि कानावाक रूपेपाल का तो नष्) (तारणाव-तृष्णावक क्षेत्रका कि क्षणावक वालकि कानेरवन । क्षणी वाष् विकाशिक्यामी (र नक्न नवाक्ष्रींग स्टेश्न, क्रांस मार्थकान व्यक्षिक निका विविधक स्टेश्न : केश निकास कार्याम व्यवनीय स्टेश्न मान क

ত। বলোহবের মাওরার অন্ধ উতীন প্রীয়ুক্ত বন্ধান ভটাতার্য নহাণার রালা নীজারান বালের নালা নীজারান প্রায়ের প্রথম ওনাইলেন। বজুভাব্যান্তে, ভিন্তি সীজারাবের স্মিন্তির প্রান্তির করিবান ভিন্তির বিল্লান করিবান করিবানের প্রান্তির করিবান করিবান করিবান করিবান করিবানের করিবান করিবানের প্রান্তির করিবান করিবান করিবান করিবান করিবান করিবানের করিবান করিবান করিবান করিবানের প্রান্তির করিবান করিবান করিবান করিবান করিবানের প্রান্তির করিবান করিবান

গভাগতি বক্তাকে ধন্তবাদ দিয়া সকলকে বক্তার রচিত গীভারাম রায়ের জীবন চরিত্র গ্রন্থ অধায়নে অস্থ্যোগ করিলেন।

া তংগৰে জীয়ক ব্যেশ্চল বস্তু ভাষাৰ ছব্দের উৎপত্তি হোকীশাঠ করিবের চ কি প্রথম ১১ ভাগ হয় ও ওর সংখ্যা পরিষ্ঠ পত্রিকায় প্রকাশিক করিবের ই প্রকাশিক পরাস হাক্ষের উংশ্বি সক্ষে নানা জনের নানা জ্বলালনর স্বাহ্মিকার করিবের আয়ুনানিক সিভাত বাক করিবেন। তাঁহার মতে পরার শব্দের শ্রাম শব্দের বিক্তি। যারা প্রত্ক ভাছাই পরার।

ইছিক বীনেশচল নেন ধৰিগেন, প্রান্তের উৎপত্তি সম্বাদ্ধ তিনটি মার আয়নার্যার ব (১) প্রাচীন প্'বিতে প্রায়কে "প্রাক্ত" হম্ম বনা, ক্টমাছে। ঐ "প্রাম্ভত" (আর্থিক প্রাক্তি) পদ কটতে প্রায় কট্যাছে কি না ? (২) "প্রাক্তার" লক্ষের এক পর্য ব্যয়কি নাক্ষ্ কুছা ক্ষির গড়াই প্রাক্তিতে ব্যক্ত হইত ব্যাহার শ্বনার্যার হইছে "প্রায়" কইনারে কি না ? (৩) "প্রাচারি" বা "প্রকানী" শলের স্থিত প্রায়ের সম্বাদ্ধ বেবা বার । স্ক্রিয়া

अवस्पूर्णात २२०० कावन जातिर राजनाम सामगणि देगहिक त्रार का प्रोगान कम स्वाप्त क्षेत्र का प्राप्त कम स्वाप्त का स्वाप

াদশের স্থিতি উহাত কোন সংগ্ৰহ কাছে কিনা দু গীনেশ বাৰুবলিংবন, শ্রাব **পুরেই** ১৪ অক্ষর ছিল না। শান জন্ম কিনিড কবিডাগ গ্রিশন চইলে অক্ষরসংখ্যা চৌদ্যেষ্ঠ বিভেট্ডাছে।

হাজ্যাক বি মন্ত্ৰেষ্ট্ৰ কৰিবলৈ না, আনি স্থান স্থেপ্ত কৰি কৰি কৰিবলৈ কৰিবলৈ জনাই জনাই কৰিবলৈ কৰিবলৈ

১ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ব্যৱস্থা ক্ষা ১ ১ উল্লেখ্য কাৰ্য্য কৰ্মিত বাজালা জাক্ষ্য ক্ষাইলৈ সভাউজ্ বিশ্ব

है,तारमञ्जूष्टन के अस्तरी,

शिमारहालनाथ ठांकत.

MARKET BERNELL

73176 I

विद्नात विशिद्धान्य ।

১৭ই চৈত্র, ৩০ মার্জ, বুৎস্পতিবার, অপরায় ১টা

ুদ্দান্ত চইন্ডে যে স্কল চাত্র নির্যবিদ্যালয়ের প্রীক্ষান্তি হইরা কলিকাতার ন্যানির্যাহ্রন, কার্নান্ত বুরু নির্দ্ধান্ত কলেকার ক্ষেত্র নাম্নান্ত কর ও তারাকের সাহিত্য প্রিন্তির সাহিত্য কলেকার করে কার্নান্ত করে সাহিত্য প্রিন্তির সাহিত্য প্রিন্তির সাহিত্য নাম্নার করে করিব ক্ষান্তির হার্নার সাহিত্য নাম্নান্ত করিব ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত করিব ক্ষান্ত ক্ষান্ত করিব ক্ষান্ত ক্

難字事 中有我们的并否不一有好好事了

द्विष्ट्रण यादमसीचे रामानितास

देगुक वामानरण नम

- का मस्मात्र शह शांतिहार
- * का भगे-सि नाक
- ্ ভিন্তৰ কাম ব্যৱস্থান
- " अंगुरुशांग रख

rmase for

- " (शा दिल्लान मस
- * 数据等。17 年後
- " रेगुश्न नवानमानी क्रांसुबी
- * PORTON A
- " आवमान ः हिन
- " বোলেকনাথ বিভাক্ষণ এম,
- 4 4414

धकाम वर्षीय विरमध मञ्जात कादी-विवत्री ।

প বিশিন্ত লাল প্রান্ধ বিজ্ঞান্ত প্রান্ধ বিজ্ঞান্ত প্রান্ধ বিজ্ঞান কর্মান বিজ্ঞান বিজ্ঞা	डीमु क	劉樹集聯 馬齊	প্রীয়ক	अम्बन्धं वरमा ना गाव	* % *
শ অনুভক্তক নালক, বি, এল্ শ বিনিষ্টেলন চটোপোবার অস, এ শ প্রন্তকন নালক, বি, এল্ শ বিলিষ্টেলন চটোপোবার অস, এ শ প্রাক্তির নালালার অম, এ শ বালিচন্ত নালার অম, এ শ বালিচন্ত নালার অম, এ শ বালিচন্ত নালার শ বালিচন্ত মিন্ত শ বালিচন্ত মিন্ত শ বালিচন্ত মিন্ত শ বালিচন্ত মিন্ত শ বালিচন্ত মানালার অম, এ শ বালিচন্ত মানালালার শ বালিচন্তক মানালালার শ বালিচন্ত মানালার শ বালিচ	92	বিশিন্তর পাশ	27	निवसन विश्वार्णव	1 4 8
" প্রবিদ্ধন্থ চিকুন বি. এ " বাজ্জনোহন মন্ত্রিক ' গালিচন্দ্র মন্ত্রালালায় এম, এ " আলং কার নজাল ক্রানচন্দ্র খোন, এম, এ " অলং কার নজাল ক্রানচন্দ্র খোন, এম, এ " প্রবিদ্ধানী এম, এ বিশ্ব নিজা চুবল, এম, এ " গুক্সাস চট্টোপালার " রবীশনাথ ঠাকুর " চাক্সচন্দ্র মির দে, এ " বার বভীন্দ্রাণ নের মান্তর্গালার এম, বি, এল " স্ববীশনাথ ঠাকুর বি, এল " গালাভকুমার বাননাপালার এম, এ " মান্তর্গালার বারা, বি, এল প্রবেশনাথ স্বন্ধ্র বি, এল স্বিদ্ধান্ধ কর্মার বাননাপালার এম, এ " নাগলান ব্যারা, বি, এল প্রবেশনাথ স্বন্ধ্র বি, এল স্বিদ্ধান্ধ কর্মার বি, এল স্বিন্ধান্ধ কর্মার বি, এল স্বিদ্ধান্ধ কর্মার বি, বি, প্রান্ধিক স্বিদ্ধান্ধ কর্মার ক্রিক স্বেশ্বর্মার বি, ক্রার্মার ক্রিক স্বেশ্বর্মার বি, ক্রার্মার ক্রিক স্বেশ্বর্মার বি, ক্রার্মার ক্রিক স্বেশ্বর্মার ক্রিকার স্বিন্ধ ক্রিকার স্বিন্ধ বিন্ধ প্রান্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ বিন্ধ স্বিন্ধ বিন্ধ ব	**	লাব্যাল অৱদাপ্ৰসাদ বিভাতুৰ	ng **	है[दब्रक्टमांथ पढ़ लग, क; वि, क्वा	,
তানচন্দ্ৰ সংগ্ৰাণবাগ এম, এ " আৰু চাৰ বড়াৰ ভানচন্দ্ৰ মোৰ, তম্, এ " স্বৰ্ণনিশচন্দ্ৰ হৈ এম, এ চি, এম্বান " প্ৰবোৰত বিশ্ব বিশ্	20	सम्डक्ष मात्रकं, वि, अन्	**	स्माहिनौस्माञ्च ठाम्रालाचात्र क्रम, क	*
তানচন্দ্র নির্দান লাগ এন, এ " আকা হার নাড়ার্গ জন-চন্দ্র থোন, নেম্, এ " প্রবিজ্ঞ লোগ নির্দান লাগ এন, এ " প্রবিজ্ঞ লোগ নির্দান নির্দান লাগ হার নির্দান লাগ হার নির্দান লাগ হার নির্দান লাগ হার লাগ	**	अरमक्ताध तिकृत ति. व	n	শ্বিভ্ৰোহন মটিক	,
ভানচন্দ্ৰ খোৰ, বেম্, এ " প্ৰানেতিক বিজ্ঞান্ত বিজ্ঞান বিল্লাল কৰিব বিজ্ঞান বিল্লাল বিল্লা			e "	আৰু: গ্ৰাৰ পঢ়াৰ	
শ্বাধ লৈকুপনাৰ বস্ত বাহাতৰ শশুক্ষাস চটো পালাব শ্বাধ লৈকুপনাৰ বস্ত বাহাতৰ শশুক্ষাস চটো পালাব শ্বাধ লৈকুপনাৰ বস্ত শভিক্ষাস কৰিছে মিজ প্ৰাপ্ত শ্বাধ লৈকুপনাৰ বস্ত শভিক্ষাস কৰিছে মিজ প্ৰাপ্ত শ্বাধ লাকুপনাৰ বস্ত শভিক্ষাস বাহাত লাকুপনাৰ ব্যৱহাণ কৰিছে শভিক্ষাস বাহাত লাকুপনাৰ বাহাত লাকুপনাৰ বাহাত লাকুপনাৰ বাহাত লাকুপনাৰ বাহাত লাকুপনাৰ বাহাত লাকুপনাৰ ব্যৱহাণ প্ৰাপ্ত শভিক্ষাস বাহাত লাকুপনাৰ শ্বাধ লাকুপনাৰ ব্যৱহাণ লাকুপনাৰ ব্যৱহাণ লাকুপনাৰ বস্ত শভ্কাম কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল কৰিছেল বাহাত লাকুপনাৰ কৰিছেল কৰি		कानडल त्याव, त्यम्, त्व	æ	वर्गनीमाऽक । इ. ७४, अ. फि. धम्। म	
শ সালীপচন্দ্র বিভা চূৰণ, এম্ এ শ গুৰুষাস চট্টোপাধানি শ বনীবনাথ ঠাকুর শ গ চাকচন্দ্র মিত্র শ গ চাকচন্দ্র মিত্র শ্রেণ্ডার বিভাগ বিশ্ব শ গ চাকচন্দ্র মিত্র শ গ চাকচন্দ্র মিত্র শ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ গ	,00	खारमानग्रम । वश्च भगद	34	পূৰ্ণকে গোপামী এম, এ	
শ র্থীন্দান্ত ঠাকুর বেল্লান্ত মিন্ত্র শ প্রতীন্দান্ত বস্ত্র শ বার স্থানিন্দান্ত করের বি, বেল্লার স্থানিকরাল নালার আন, বি, এল্লার করেলান্ত করের বি, বেল্লান্ত করের বি, এলা বি, এলান্ত করেনান্ত করের বি, বি, এলা বি, বি, এলা বি,	J	द्राव विक्रुश्रमाणं वद्य दोशालव	€8	(क्माञ्च महिक	
ব্যালেশ চল্ল নিম্ম " চণ্ডীচরণ বলে পাধ্যার শ বভীননাথ বস্থু "বার বভীন্তনাথ চার্থী এন, বি, এল্ " শত্ত জনাও দত্ত "বার বভীন্তনাথ চার্থী এন, বি, এল্ " শত্ত জনাও দত্ত "বার বভীন্তনাথ চার্থী এন, বি, এল্ " শত্ত জনাও দত্ত "বার বভীন্তনাথ কর্ম কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান ক্ষিত্র বি, এল স্বালেশ্য সমান্তনতি " শত্তিকাল প্রস্তাল বি, এল স্বালেশ্য সমান্তনতি " শত্তিকাল প্রস্তাল বি, এল স্বালেশ্য সমান্তনতি " শত্তিকাল ক্ষিত্রলার বি, এল স্বালেশ্য সমান্তনতি " শত্তিকাল ক্ষিত্রলার বি, এল স্বালেশ্য সমান্তনতি " শত্তিকাল ক্ষিত্রলার বি, এল সম্বালেশ ক্ষিত্রলার বি, প্রালেশ মুক্তর্মার বি, সংক্ষামী সম্বালেশ কর্মার স্বালিশ্য কর্মার সমার্থী বি, সংক্ষামী সম্বালিশ্য ক্ষিত্রল স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষমিল্য স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষমিল্য স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষমিল্য স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্ষ্মিল স্বালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্যালিশ্য ক্ষমিল স্বালিশ্য ক্ষমিল	Ħ	मलीन्डम निषा प्रमा, अम्. क	**	ख रूषां न हरद्वे। श. वार्ष	
শ বতীলাও বস্ত্র পরি বল্প শবার বতীরালাও চার্থী এন, বি, এন্ । শহর জনাও দত্ত শবার বতীরালাও চার্থী এন, বি, এন্ । শহর জনাও দত্ত শবার বতীরালাও চার্থী এন, বি, এন্ শবার বতীরালার বাংলালার অন্, এ শবার পরি বাংলালার বি, এন্ শবার বাংলালার আন্ এ (সম্পাদের সমাজনতি শবার মাজনার আন্ এ (সম্পাদের) শবার বাংলালার কর্মান বস্ত্র শবার মালার মাজনার ক্ষিত্র স্থান বির্ভাগি মালার স্থান বির্ভাগি বিনা পার্চে মাল্য মালিক ম্বার্থী মালার ক্ষিত্র স্থান বির্ভাগি বিনা পার্চে মাল্যনারিক ম্বার্থি সমার স্থান বির্ভাগি বিনা পার্চে মাল্যনারিক ম্বার্থি সমার স্থান বির্ভাগি বিনা পার্চে মাল্যনারিক ম্বার্থিক স্থানিক স্		तबारानाच ठे(कूद	y #	ठांकात्रस्य मिख १म्, ध्व	
শ্বনীলনাথ ঠাকুর বি, এল্ বার ব চীক্ষনাথ চার্যী এন, বি, এল্ । সংগ্রেম প্রেশনেউন্ধর গানিক্ষনাথ বার বিন্তা সমাজ্য বি । সংগ্রেম স্থান বার বার বি । সংগ্রেম স্থান বার		त्यारात्मधून स्थित	*	চন্দ্রীচরণ বন্দে পাধ্যার	F
া সাংগ্ৰহ প্ৰবাগ দত্ত বিশ্ব কৰিবেশনের কাথা-বিবর্গ বিনা পাঠে ছহনে। গেলাক কৰিব নাম কৰিব বিশ্ব শ্ব শ্ব শ্ব শ্ব শ্ব শ্ব শ্ব শ্ব শ্ব	329	राष्ट्रीननाव राष्ट्र	₩.	ें लेक्स्मोर्थ गृट श्चरण ४	
তি সংগ্ৰহণ প্ৰতিশ্বন বিষ্ণা কৰিব বিষ্ণা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	ą.	स्रीजनाम श्रेक्ष नि, दल्	×	वाय विशेषनार .लंबुवी चम, वि, धन	,
" নিশ্বনা ব বায়, বি, এন প্রেশনের সমাজগতি " ' ন্থেন্দ্র প শুপ্ত বামেন্দ্রস্থার জি দৌ এম্, এ (সম্পাদক) " দৈ ক্রিন্দ্র মজন্দ্র " মন্ত্রমান কর্ত্ত " বোমকেশ মুক্তর্য। ১ জীবুক মছেন্দ্রনান ক্রেন্দ্র কর্ত্ত সম্প্রতী-ব করা গীত হইকে সভার কার্য। মার্থ্য ভটল । পত অধিবেশনের কা্যা-বিবর্গ বিনা পাঠে অন্তর্মানিক হইক।	r	利CE 提到 可许各	12	লালভকুমাৰ ৰ ক্লাপাধ্যাহ অমৃ, এ	i.
া ন্ৰেন্দ্ৰ গ শুপ্ত বাদেশক্ষৰ জি দৌ এম, এ (সম্পাদক) " বৈশ শান্দ্ৰ মজন্মন্ত্ৰ ' মথাপ্ৰেন্ত্ৰ বস্ত্ৰ " মহামোলন চটোপালায়, দি ও " বোমকেশ মুখ্যনি > জীপুক্ত মহেজনাল বংশাগালায় কঠুক সম্প্ৰজী-ব শানা গীত চ্টকে সভাৱ কাৰ্য্য মার্থ চলিও। পত মনিবেশনেও কাথা-বিবরণ বিনা পাঠে মহন্দাধিত হুইস।	**	म । वास अस्तिनस्य केष ण	*	Hickory of TR	
दिन १ गानि सक्त स्वापति स्वाप्तानित वद्य अध्याप्तान চট্টোলালায়, বি এ " বোমকেশ মুখ্য । সহকারী সম্পাদক ইনিকে মহেল্লন্থ কলোগাধায় কঙুক সর্যভী-ব কনা গীত চ্টকে সভার কার্য মার্থ চলিল। পত অধিবেশনের কাথা-বিবর্গ বিনা পাঠে অন্তর্মাধিত চ্টল।	**	নিশ্ৰমণ ৰ ষয়ে, বি, এশ		सरतमस्म म्यान्त्र	**
 শৃত্যা কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব	•	न्यू संस्कृत । मृ । खुर्स		রামেশক্ষার তি ।দা এম্, ও (সম্পা	मक)
>। শ্রীসুক্ত মহেন্দ্রনাথ বংলোগাধায় কণ্ডুক সরশ্বতী-বন্ধরা গীত হইকে সভার কার্য্য আরম্ভ ভটল। পত মধিবেশনের কাথা-বিবর্গ বিনা পাঠে মন্ত্রংমাধিত হইল।	*)	रेन् ग्रम् स्व प्रक्रथमात	•	मन्त्रभटमारम रस्	
আরম্ভ ভটল । ক্রড অনিবেশনের কাথা-বিবরণ বিনা পাঠে অন্তর্মাধিত হ ইল ।	,,	महात्मानम ठाउँ। नामाय, वि	9 "	(शामरकम म्यर्थः।) । महकादा	Hadda)
ু । বাঞ্চলো শ্ৰম্মে ক্তিব নিয়মিকা-সংক্রা র প্রেক্তার সম্ভা ত্ত প্রিরমের নিয়ক্ত শার্থাস্থিতিক	कार्यस	हरेल _{ा लेख} समिद्धमारमः का	ह-विव	तम विना भार्क वस्त्याविक दरेग ।	

- २ । वाक्षाला नाम्पर्यत्वेच निवनिका-नामां**क धायांव मव**रण पत्रिवरमत्र निवृक्त नांचामविकित নিক্ষরিত মারেষ্ম পঞ্জ মন্ত্রমোদিত এইল ৬ উহা গভমেন্টে তোরণ করিবার আনেশ হইল।
 - ত। নিম্নণিথিত ৰ জিগ্ৰণ বথাবীতি সভ্যক্ষণে নিৰ্মাচিত ছইকেন,-

लेक्'(भश्चम्बर विदयती । श्रीनश्यम भावनाम् त्राव्यान, बाहरीया, तक्यून । अवस्थानाकत नश्च 🏝 कीरबाब शामान विश्वादिरमांव र । 🦛 रिव्रमाथ दब ध्वम, 🛍 धर्याखना होहे o । केरपरक्षम् मात्र विक क्षम्, के एउः

neds.

神教

क्षेत्रपत्रकास बाद कोष्ट्री **क्षे**त्रादश्र**स्था वि**त्यहै।

अतारतक्षक्षक किरवेरी ह। किनवासीय संब, कुल्पूर्स एउः व्यक्तिकेटेटे. बान, राजपूर्व ।

> र । क्षिप्रस्टित्स्य स्वाद, बलामाय प्राटप्रद बाठी, बान प्रमान ।

अञ्चलनीक्षणं बाँदेवी, क्षाहेश
 क्षाह्मणं कि त्वार्क, अविशाह, तह प्रः।

क्षिल्ट्सक्त बाद कोयूरी अवादकाश्य विदर्शी १

१। श्रीकामाध्यमार बाह्र क्लियूही,क्लियात्र, क्लियां क्लियाः

। जिल्लामीकाड स्वयको वि, अग्

श्रमित प्रकार ।

১০। শ্রীরাদ্বিধারী মুখ্যোশাযায় বি,এগ সন্পাদক রক্তপুর শবলিক লাইতেরী মহক্ত বজাকাকের বাদা বলস্য ।

>> । **क्रिक्शविराही मृत्यानीयात्र** ति, त्वन

केवीय, स्वयुद्ध ।

5२ । क्विताल क्षेत्रकारा प्रमान विकास्त्रन २>> क्वितालम क्षेत्र

३०। विविधित्रकाराम अध्यक्षणार जान,

56 । इतिकाश सात्र २> लियनासीस्त्र वाट्यास दलम ।

>०। नानपूर्व रथ अन् व त्रव, गावित, क्रिकावित स्थान प्राप्त नीवकृत निवेती,

চ। সংগ্রে শ্রিক ব্রীক্ষণার ঠাকুর মহাপর ছাত্রসংগর বাজি নিজ্যেক লাইক কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্যর কার্য়র কার্যর কার্যর

क के शासक अकार दिनांत माजन क्यूनर्यत्न वृद्धिक क्रिकेट्स

0/-

আন্তাৰত ও ব্যাহিক ভাগ কৰিবা না বিনিক্ত কৈ চন্ত্ৰ পান্তৰ বাজ্ঞান কৰিব কৰিব।

ভবে উন্নয় প্ৰাচীন ইতিস্থ ও আধুনিক কৰিব আৰু আৰু কৰিব। কিন্তুৰ কৰিব ভালিক কৰিব।

আনামেৰ মানুহনৰাৰ প্ৰথম উলাৱ : ছাপ্ৰাণ উন্নাহক মহান্য উন্নিৰ্ক্ত কৰিব ও

আনাম সহিত এই প্ৰয়ুগ্ছান কাৰ্য্যে বিন্তুক কৰিব ও ভন্তাবাই উন্নাহকের অনুস্থানীত আন্তিন্ত্র

উন্নিৰে ৷ সাণি গা-পহিত্য সমাজি এই প্রেক্তানেবাজ্ঞ প্রত্ন করিবলৈকে কৰিব।

ক্রিক্তান সমাজি প্রাচিত্যান প্রাচিত্যকন ও প্রস্থানিকের উন্নাহকের আন্তর্ন করিব।

ক্রিক্তান ক্রিক্তান প্রোচ্ডলাকের মুখ ও বিন্তুক করিব। ঐ মূর্যে ক্রিক্তান্ত্রক আন্তর্নক ক্রিক্তান্ত্রক ক

প্রবিশ্বানির পর প্রীকৃত ব্রীরেক্সনাথ যত পরিবদের প্রতিনিবিশ্বরূপে ছালালতে আন্তাননার করিব। স্থানিকার করিব। করিব। স্থানিকার করিব। করি

ভংগৰে হাজনসন্তিক নীয়ক অমৃতলাল বহু মহাপৰ আচুন হাজনসন আট কৰিলা ছাল-বিগকে গৰীজবাৰ্ন উপাৰ্থ মাতৃত্নিৰ সেবায় প্ৰবুত হকতে বলিনের। বাজনাল জীবার বালাকানে বাজালা সাহিত্যান অবস্থান ও বাজালা সাহিজ্যের বাজি আব্দালিক বাজালীর অপ্রভাব বিশ্ব উল্লেখ করিয়া আধুনিক ফটি পরিষ্ঠনের বিশ্ব ইনিক করিমেন।

নালির বাজী শ্রিক বিশিন্তক পাল মহানত সভাত নিমন্তি বাজিপাণ্ড পঞ্চ কাইছে বাজনেশককে নালাল বিবার প্রভাব উপলকে ভাতার আজাবিক অবাকনী ভারার কার্জন কারে বাজাবাল, এবন বাক্য ছাজিয়া কার্যে প্রভুত ছইবার সময় আসিবাছে। একবিন কার্যার বাক্যালা সংগণের উন্ভিন্ন কেরায় ছিলাম। এপন নে বিদ স্বাধীয় ক্ষরাছে। কার্যার আসিবাছে। সকলে সাধান্ত ভার্যে প্রভুত্ত ছবার হার্যার।

জংগতে বজাপতি মহাপৰ মাহিছা-বিষয়ের পাল হাইছে হাজসক্ষাক ব্যাহিত্যৰ, আমাহিছা বাজনে এখন সজাজান উপস্থিত, ছোমাহেছ জাজানর এখন প্রাহিছা, বজাছি বাইছা প্রাহিছা এই মাহিলা বাজনার ক্ষাহিত হাইছাছে। আমাহা যে কার্যের ক্ষাহাল স্থাইছা বাইছাছিল। আমাহিছা কুলা মাহা সেই কৃত্র ব্যাহা শ্রীক্ষার কার্যে প্রাহুত হ'ব।

State attention destination of gain agreement in the state of the second of the second

শ্ৰীযুক্ত শাক্ষক বৃদ্ধ শ্ৰীহালৰ সভাপতিকে ক্লাসিক বিরেটারের কর্ত্তপক্ষকে ও সদীত-प्रश्वनन<u>्त्र</u>मञ्ज्यान मानारिक नेका कल करेने।

खेबा यसक्षत्र किर्वित

জিহীরেন্দ্রনাথ দত। সভাপতি।

একাদশ বাৰ্ষিক অধিবেশন।

১৭ই বৈশাখ, ৩০শে এপ্রেল, রন্ধিবার, অপরাহ ৫টা

উপস্থিত বাজিগৰ।

विष्क शैक्षक्रमाथ पष धुम्, ध । नि, धन-मर्छाणांत ।

জীবুক পিক'প্রদান ভট্টাচার্ব্য বি, এল্ জীবুক রার বভীঞ্জনাপ চৌধুরী এদ, এ ; বি, এল্

- সভীৰচক্ৰ বিশ্বাভূষৰ, এম, এ
- নগেলনাৰ বস্ত
- নপেন্ডনাথ বধ
- भाग्रहत्रक महिक दि, धरा
- প্রবেশতার শাসাক্ষণাতি
- সভীশ্তস্ত মুখোপাখারে এখু, এ
- यठीनहन्न मित्र
- षांनस्ताश हार
- कीरताम धनान विकारित्सम अम्. अ मनिष्ठक्य मित्र अम्, अ
- ब्रायन्त्र वर्ष
- मकाकृष्य बर्ज्याणाशाय
- नकानम बरम्हानावाच वि. ब
- क्षाप्त (नामक
- ভাকার স্থয়েক্তনাগ গোসামী
- मनीखनाथ गान्धातकः
- निविगनाव ग्राप्त वि, ध्वम
- শ্বাবাৰ গণেশ দেউন্থর
- ् महरहन्त्र भाषी
 - নিবিদ্যাণ রাম বি, এল

- . कवितांक Citerसमार विश्वाहरूप क्या, क
 - REALESS 48
 - চিত্তৰ সাভাগ
- शिक्रमाथ बुटवीलीधांत्र
 - অমুল্যচরণ খোৰ বিছাত্ৰণ
- . यानीमाथ मन्ती
 - मुनी धन, (क, धन बहमन भागी
- · मोगवि खंशासक स्थारमन, वि कल्

 - नरगत्रनाथ बरम्यानाचार (कारुन्ह)
 - महीखनाच मुर्चामाचात्र
- ু সৌৰহত্তি সেল
- ্ৰ ভারকনাথ বিধান
- (वार्यन्डम द्याय
- ... (क्यांक्रमाच मांचांम
- शित्मनहस्र देशक थि, व
- मक्ष्यास्य यद्ग वि. ७
- त्याम्यस्य मुख्यी
 - शिरमण्डल तम वि. व

धकामनारिक कार्या-विकारी

estina.

xxda

कियांयरकम मुखरी

শ্রী হরেশচন্ত্র সমাক্ষণত্তি ৬০। জীনকরতন্ত্র বন্দ্যোগাড়ার ক্রিকটান ইনাইটিউন্স

ক্রিমেশচন্দ্র বস্থ প্রবোদকেশ মৃত্যকী ৩১। ,, স্নাইচন্দ্র মুখোপান্দর্ভ ১৫ কার্যবালা চাহে লেন

শ্রীব্রামকেন মৃত্যকী শ্রীক্রেশনজ সমাজগতি ৩২। "মন্ত্রেনাথ বুর্বোশফার 🔅 সাম । "মন্ত্রেনাথ বুর্বোশফার 🔅 সাম

७०। " किर्मातीस्मादन निरद्दनदिक्द कार्याह

া বিনাৰ বিনাৰ বিশ্ব কৰিছে কৰিছে বিনাৰ প্ৰতিবাদ্ধ কৰিছে বিনাৰ কৰি

৪। ত্রীসুক্ত বার যতীজনাধ চৌধুরী মহাশর ১০১২ বলাব্দের লক্ত নিহলিকিত ব্যক্তিক্তিক প্রিয়নের কর্মচান্তিরূপে নিযুক্ত করিবার প্রজাব ক্রিলেন।

্রাননীয় বিচারপতি শ্রীযুক্ত সারখাচরণ হিত্তে তেম (৫ , वि., এম , — সক্ষাপত্তি ।,

ভচাৰেহোপাধাৰ মাননীয় বিচারপতি , চন্দ্ৰান্ত তৰ্কালভাৱ

ু আক্তোষ ম্থোপাধার সরস্কী, এম এ. ডিএল,এফ,আর.এ,এস,এফ,আর,এস, ই,

শীযুক্ত রবীশ্বনাথ ঠাকুব

অধ্যাপক

- . बारबेखकुमात्र जिरवरी जम् ज-गणाहरू
- . मचनरमारून रक्ष वि, अ
- , त्यामत्कन मूखकी
- . किर्णादीरमञ्ज निध्य
- . मान्यमाथ रह-नविकानमधीरक
- ् वांत्र वकीलमांप कोषुद्दी कर् के वि. क्या -- वस्त्रक्रमण
- অনুলাচরণ বোৰ বিস্নাভূষণ—ক্ষ্রেসক্ষ
- बन्नानक प्रमुख साहम यस वि. क-मान्यसम्बद्धाः विकर्णक
 - ें अभिनेत्राचार प्र अम, क नि, वर्ष
 - ... मनिश्रहण निव धन, क्

क्षेत्रक महत्र्यमात पर्य गराना करे वाचान मार्चन क्षेत्रमात क्षेत्र के क्षेत्र स्वानगति-वात गरीक रहेन।

गरकारी संबंगिक

मरकाडी मन्त्रावक

- ে প্রিক্ত রার বতীর্জনাথ চৌধুরী বছালর জানাইলেন, পরিবলের স্থাপন কর্ত্ব ১৩১২ সালের কার্যা-নির্মাহক সমিতিতে বে আই.জন:স্ভা নির্মান্তিত ছইয়াছেন, উছালের মধ্যে ঘুই জন কর্যাঃ প্রিক্ত রার বতীজনাথ চৌধুরী ও প্রীষ্ঠক বোসকেশ মুক্তরী বছালয়ন্তর কর্যানির কর্যানির নির্মান্তন কর ও ১০২ ছাল করিছারেন, উছালিগজে শবিবের নির্মান্তনারে নির্মান্তনার নির্মান্তনার নির্মান্তনার নির্মান্তনার নির্মান্তনার কর্যানির স্থাতিতের মধ্যে বরা হইয়াছে। এইরপ নির্মান্তিত রাজিগন ১৩১২ সালের কার্যা-নির্মান্তক সমিতির প্রভা হইরাছেন—প্রীর্ক্ত হীরেজনার মন্ত্র এম এ, বি, এল, প্রীর্ক্ত রার বৈকুর্তনার বন্ধ বাহাছর, প্রীর্ক্ত জীরোন্তরানার বিভান্তিরনার এই এ, প্রির্ক্ত শৈলেন্তরে সভ্যানার বন্ধ বাহাছর, প্রীর্ক্ত জীরোন্তরানার বিভান্তিরনার এই এ, প্রির্ক্ত শৈলেন্তরে সভ্যানার, প্রীর্ক্ত ব্যানির নির্মান্তন সমিতির সভ্যানানীত করিয়াছেন—প্রীর্ক্ত সভ্যান্তনার ঠাকুর, প্রীর্ক্ত ক্যান্ত নার বান্ধ এম, এ, এই বার জন এম, এ, প্রান্ত জনুরক্ত নির্মান্তনার কার্যানির বি, এল। এই বার জন এমং আরবান্তনীক্ষক্তর বাজীত উপরি উক্ত কর্মানীরিসকে লইরা ১০১২ সালের কার্যা-নির্মান্তক স্থিতি বির্মান্তক নির্মান্তনার করিয়া হইবাঃ
- ৬। জীয়ক ব্যোদকেশ মৃত্যকী সংশিদ্ধ ১৯১১ সালের বাজলা সাহিত্যের বিষয়ণ নামক আর্ক পাঠ করিবেন। এই পৃত্যকে তিনি পৃত্যক বিশেষের সমালোচনা না করিব। ১৯১১ সালে এ দক্ষণ বাজলা পৃত্যক আঁকানিত কইয়াছে, ভাবাসের শ্রেণী বিভাগ কর্মার প্রভ্যেক প্রেণীর উল্লেখ্যায় করেকবানি করিয়া প্রস্থ ও ভাবাসের রচরিতার নামোলেক করিবেন এবং ভাবাসের বার্মা বাজলা গাহিত্যের ক্রিয়া প্রস্থ সাধিত ক্রিয়াহে ভাবার ক্রন্তক্ষী আভাস দিলেন।

শীৰ্ক মুখী এন, কে, এন সকলাল জালী নহালত বলিনেন,—ব্যোমকেশ বাবৃত্ব প্ৰবৃদ্ধ মুনলমান লেখকগণের কর্ম্ব লিখিত জনেকগলি উৎস্ক বাদলা প্রক্রের নাম বাদ পড়িবাছে। তাহাজের মধ্যে করি কালকোবাদ প্রবীত "মহাজনাল," "লহলা নজত্ব" এবং জনৈক সুপলমান লেখিকা প্রশীত বহিছিল নাম বিশেষ উল্লেখগোগ্য। বইছেলা মইতে প্রকাশিক আছ্ম লিখিত মুগলমানিবিদের হালা লিখিত পুজকনস্কের উর্জু শাস্ত্রী প্রকৃতি নিজিত জবত্ব বাহলাকে বালকেশ বাবৃ বে "মুললমানী বাদলা নাম বিলাছেন, তাহা বছাই আপত্তিকত্ব। ক্ষিত্রভাত্তা ক্ষেত্রত এই দল নামকরণ করিয়া থাকিলের ব্যোহকেশ বাবৃত্ব জাহা প্রবণ করা উন্তিত হয় নাই। উপত্তি উক্ত বইতলায় প্রশ্বনিধানের স্বভাগনানী বাদলা নাহিত্যের্ভ আনিবিদ্ধান ক্ষেত্রত বিভাগ ক্ষিত্রত বিভাগ ক্ষিত্রতার বিভাগ ক্ষিত্রত বিভাগ ক্ষিত্রত বিভাগ ক্ষিত্রত বিভাগ ক্ষিত্রতার ক্ষিত্রতার ক্ষিত্রতার বিভাগ ক্ষিত্রতার ক্যান্ত বিভাগ ক্ষিত্রতার ক্ষিত্য ক্ষিত্রতার ক্

প্রত্যা প্রধানন কর্ম্যাণাথার মহালয় ক্ষিত্রক শানি ব্যাল্যাল বার্য প্রথার বার্থ প্রথার ক্ষিত্রক ক্ষেত্রক বেরা ক্ষিত্রক প্রথার ক্ষেত্রক ক্যেত্রক ক্ষেত্রক ক্ষেত্য ক্ষেত্রক ক্য

নগেল বাৰুষ বজের আতীয় ইতিহাস লাজগকাও ২র ভাগ, সভীশ বাৰুষ প্রবেশ আত্তির উল্লেখ মাই।

শীবৃদ্ধ নিখিলনাথ বার মহালয় বলিলেন,—ুব্যোমক্ষেণ বাবু বথেই পরিপ্রম করিবাছেন। তাড়াভাড়িতে প্রবন্ধ সম্পূর্ণ করিছে পারেন নাই, পরে করিবেন। তিনি ঐতিহাসিক প্রাহ্ অধিক প্রকাশিত হয় নাই বলিরা বে ছংগ প্রকাশ করিতেছেন, ভানার প্রয়োজন ছিল না। চিরকাশই এইরূপ হইরা আসিতেছে। বউত্তলার মুগ্লমানী ভাবার জন্ত ছংগ করিখার আবক্তক নাই, ইহা ক্রমে উন্নত হইবে। আমানের প্রাচীন বাজ্যার সমস্থাও পূর্বে অনেক্ষা , এইরূপ ছিল, তাহা রাম রাম বস্তুপ্রশীত প্রভাগাবিতা প্রভৃতি প্রন্থ পড়িলে বুরা বার।

শ্রীপুক্ত দীনেশচক্র সেন মহাশর বলিলেন,—আমি পঞ্চানন বাবুর কথা অনুবোৰণ করি না । বাোমকেশ বাবু পরিশ্রমের ক্রট করেন নাই। "মুসলমানী বাললা" শক্টা একটা নাম নাত্র—ইহাতে মুসলমান লাভাগণের প্রতি কটাক করিবার কোন উল্লেখ্য নাই। ভারারী বললাভার যথেষ্ট উন্নতি সাধন করিবাছেন, তল্পন্ত বলভাবা প্রবং আমরা সকলে ভার্মের নিকট ধনী।

শীবৃক্ত রার ষতীপ্রনাথ চৌধুরী সহাশর বলিনে-,—ব্যোসকেশ বাবু বেরাপ করা শ্রারেশ সংগ্য বেরাপ করিবাছেন, তাহার কর তিনি বিশেষ বছবাদের পাতা। আমারই প্রভাবন মতে বোরাকেশ বাবু এই কার্যা আরম্ভ করেন। ক্রিক্ত বছবাদার বেরাপ দিন শিন্ত শির্মিক ইতেছে, ভারাতে একার্যার কর কলি কার্ক করেন। ক্রিক বালাক করেন করিবা বিভিন্ন বালিক। করেন করিবা বিভিন্ন ব্যক্তিগবের উপর একার্যার ভারাপি করা ইতিছা ক্রেক্ত করেন বালিক। করিবা বিভিন্ন ব্যক্তিগবের উপর একার্যার ভারাপি করা ইতিছা ক্রেক্ত করেন বালিক। করিবা বিভিন্ন বালিক। করিবা আলোচনা কর্মন, কের্ম্ব ইন্তির্যার, বালিক। করিবা বালাক বিবরের বাল্পনি করা করিবা করিবা করিবা করিবাল করিবা বালাক করিবাল করিবালাক করিবাল কর্য করিবাল করিবাল করিবাল করিবাল করিবাল করিবাল করিবাল করেবাল করিবাল করিবাল করিবাল করিবাল করিবা

জীবৃক্ত সম্প্ৰমোহন বস্থ সহাণর বলিলেন,—আমি বতীক্ত বাব্য কথার দশ্পুণ অন্তৰ্নেত্র করি। আশা করি আগানী বাবে তাঁহার প্রভাব কার্যো পরিণত হইবে। প্রধানৰ আই ব্যোসকেশ বাব্য প্রবন্ধ সক্ষে বেরপভাবে কটাক্ষণাত করিয়াহেন্দ্রভাৱা আঞ্চল ব্যব্ নাই।

শ্রীন্ত সভীপচন্ত বিভাতৃত্ব সহাশর বলিসেন,—বেংন্বংকণ নাবুল প্রবন্ধ করিছে ধার্য প্রথমিক করিছে ধার্য প্রথমিক করিছে বাহার প্রথমিক করিছে করিছে

শ্রীবৃক্ত কেদারনাথ দাস মহাশর বলিলেন,—প্রতিবংসর বে সকল বাললা পুত্তক প্রকাশিত হয়, গ্রন্থকার বা প্রকাশকগণ মনি তাহার একখানি করিয়া পরিষদে দেন, তাহা হইলে এইরূপ কার্বিক আলোচনার পক্ষে বিশেষ স্থাবিধা হুইতে পারে।

সভাপতি মহালয় বলিলেন,—পূর্ববিজ্ঞারা প্রবন্ধকারকে বে ধ্রুবাদ দিয়াছেন, আমি তাহা সমর্থন করিছে। তিনি বে পরিপ্রম করিয়াছেন ভাহার জন্ত আমরা ক্রজ্ঞা। "মুস্লমানী বাঙ্গালা" পদ্পের অর্থ মুস্লমানেরা বে বাঙ্গালা লেখেন তাহা নহে, তাঁছাদের বাঙ্গালার আমানের বাঙ্গালার কেনল প্রচন্ধ নাই, তাহার কোন শুক্তর নাম দিবার প্রয়োজন নাই। অশিকিত মুস্লমানেরা এক প্রকার অপভাষার কৃত্তি করিয়াছে, তাহাকেই গবর্ণমেন্ট অঞ্চমামের অভাবে এই নাম দিরাছেন। অন্ধ নাম নিতে পারিলে ভাল হয়। বতীক্ষ বাবুর প্রভাব উত্তম। এক এক বিষয় আলোচনা করিবার ভার এক এক জনের হাতে থাকাই উচিত। দিনি বে বিষয়ের ভার লইকেন সেই বিষয়ে বে সকল পুস্তক প্রস্থানিক হয় সেইগুলি ভাঙাকেল শুক্তর ও পাঠ করিবার চেন্তা করিবে হে সকল পুস্তক প্রস্থানিক থাকিয়া দেইনিক্ষে তাহাকে সাগ্রহদৃষ্টি রাখিতে হইবে, তবে ফল সম্বোয়ন্তনক হইবে। আলা করি প্রভাগকেরা ও প্রেমের অন্তক্ষেরা এ বিষয়ে পরিহাকে সহায়তা করিবেন। পুস্তক মুদ্রিত হইলেই বেমন ভাহারা গ্রন্তন্তির নিকট পাঠাইরা দেন, লেমনি একথানি করিয়া বাই প্রিন্তন্ত গাঠাইরা লেম ভাহা হইলে আয় কোন বানে প্রস্তান বান বান প্রস্তান করিবার বার প্রিন্তন্ত পাঠাইরা দেন, লেমনি একথানি করিয়া বাই প্রিন্তন্ত গাঠাইরা লেম ভাহা হইলে আয় কোন বান বার বাই প্রিন্তন্ত গাঠাইরা লেম ভাহা হইলে আয় কোন বান বান বাবে না। ইহাতে উত্তর প্রস্তেই লাজ।

करनात अध्यानशासककाँ विनासक । महानाकि महानातक शक्रवानात्व महाजब धर्वन ।

विश्वत्रश्राहम् रङ् गरगारी मन्त्ररू প্রিরার যতীন্ত্রনাথ চৌধুরী

সভাপত্তি

বাঙ্গালা কারক প্রকরণ

শোরো পোতা স্বন্ধু কেটে নিয়েছে খাছা স্বন্ধ ঘর দে কানদারা লোকের হলেছে গ্রহার ।

প্রাতন বৃক্ষ আদি এক কালেতে নিল বিধি, কিছুই লগ না—

থাক্গে ননে থাক্গে মলা ও হর্দলা কর্ল কর্জ,

মারি ঠেলা লাগাই প্যালা রক্ষা করি গ্রহ,

ঘর থারে আনারে ঠেলে কেলো কালার পর,

বলে রলেম ঝড়ো চিলেরি আকরি,

কিলা করবো ঘর রক্ষে হলো আনার প্রাণে বাঁচা ভার।

যলি বড়ো বাবা তুই বা জানিস্ তাই কর,

ভাই ভাবছি বনে না পাই দিলে, কলে ক্ষণে হাসিও আমে, কি হব কবনে।

ও ভাই বলে ইন্ন দীনবন্ধ এ সিন্ধুর ভাব সোন।

উত্তর কবির এক সমানের কবিতা হইতে উভয় কবির গুণপনার প্রিচর পাওয়া বার।

ক্ষেত্রী

बिट्याक्ला**ठश**

বাদালা কারক-প্রকরণ

ৰাজালা ব্যাকরণে কারক প্রকরণে নানা গণ্ডগোল আছে। সাধারণতঃ ইণরেজি ও সংস্কৃত ব্যাকরণের রীতি একত্র মিশাইরা যে কারক-প্রকরণ রচিত হয়, জারা জাবৈধ অযুক্ত ও অসমজ্ঞ। বাজালা ভাষার শক্তিত ও প্রবোগরীতি নির্দারণ করিরা কারক-প্রকরণের সংযার জাবক্তম।

বহী বিভক্তিবৃক্ত চইরাই পড়িয়া থাকিনেন। কিন্তু ঐ বাব্যের ইংরেজি ভর্জনাতে জীবের nominative, উক্তর objective, ও প্রযোগনের হুইবে possessive case, কৈননা উক্ত প্রইচা ওাঁহারই সম্পতি। আবার ঐ বাকাটিকে বাচান্তিরিত করিয়া কর্মবাচ্যে লইয়া সেলে তীম প্রথমা বিভক্তি ভাগে করিয়া ভূতিয়া বিভক্তি গ্রহণ করেন, কিন্তু ভাহাতে উহার কর্ম্বর বাম না। আর মুর্যোগনের উক্ত বিভীয়া বিভক্তি ভাগে করিয়া প্রথমান্ত হুইয়া পড়িলেও উহা কর্মবার্কই থাকে। ইংরেজিতে কিন্তু অক্তরণ ; Bhim broke his legs, প্রথানে পান্তরে objective, কিন্তু his legs were broken by Bhim বনিবামান্ত্র পা মুন্তান প্রকর্মারে nominative ও নিরা পড়ে। বৃন্ধা পেল, সংস্কৃত ব্যক্তরণের করিক কর্মগড়, ইংরেজির case শ্বানগড় ও অবস্থানত।

নংকৃতে বিভক্তির সংখ্যা সাভটি, ভক্ষাধ্য ছবটি কারকে ছবটি বিভক্তি নিজম করিয়া য়াখিযাছে, আর সম্বধ বুবাইবার জন্ত ষটি বিভক্তিটি নিজিট রচিয়াছে। ইয়েরজিতে এজজনি বিভক্তি
নাই। কঠান বিভক্তিটিছ নাই; কর্মের বিভক্তিটিছ আছে, কেবল সুর্জনামে যাত্র। বিশেষ্য
পদ কর্মে বিভক্তি গ্রহণ করেনা, উহার বাক্য মধ্যে অবস্থান মেথিয়া কর্মাহ নিম্নপুণ করিছে ছর।
এক possousiae case এক বিভক্তি চিল রহিয়াছে। করুণ, জ্পাদান, অধিকরণ ইত্যাদি খনে
পদ্ম প্রক্রিটিছ নাই বিভক্তি চিল রহিয়াছে। করণ, জ্পাদান, অধিকরণ ইত্যাদি খনে
পদ্ম প্রক্রিটিছ নাই বিভক্তি চিল রহিয়াছে। করণ, জ্পাদান, অধিকরণ ইত্যাদি খনে
পদ্ম প্রক্রিটিছ নাই বিভক্তি চিল রহিয়াছে। করণ, জ্বাদান আমি বিদ্যান সহিত্
অবিত, কোবাও বা prepositionক্রি নহিত অবিত। ইন্যান্ত লোব নাই, কোননা ইংরেজি
ক্রেক্তের সহিত ক্রিয়ার কোন অবস্থ থাকা আহক্তক নহে।

নালালা ব্যাকরণের কারকের কর্ম নারক ব্যাকরণ হইতেই প্রচণ করিতে হইবে, ইংরেজি ধরিলে চলিবে না; ও বিদরে রজন্তের ছইবে না। কিন্তু এই বিভক্তির ব্যাপারে বারলার সভিত সংক্ষতের মিল লাই, বরং ইংরেজির মিল আছে। সংক্ষতে সাত বিভক্তি, বারলায় আত্তরলা বিভক্তি নাই; গোটা রই চারি আছে। বাজালা করের সেই কর্মাবিত্তির সাহাল্য লয়। অক্তম ইংরেজিতে preposition হারা বে কার কর্ম হয়, বাজালাতে preposition হারা বে কার কর্ম হয়, বাজালাতে

-) কর্তার বিভক্তির চিক্ন প্রায় ধাকে না,—বধা—লগ পিছিন্তেছে, কল পাছিলাছে,
 শান ভাকিতেছে। ব্লবিশেষে কর্তার বিভক্তি চিক্ন 'এ' বধা— 'সালে কাটে' 'বাহৰ ধার'

 । পর চুইজনে কলা লঞা বাব' 'ভালার মহিষা কিছু লোকে না ক্লানিল' ।

 ।
- (২) কর্মকারকে বছরলে বিভক্তি চিক্ত থাকে না নথা—'ছাত থাকা' লাক্ত কটি' 'আম পাড়'। স্থাবিশেনে বিভক্তি চিক্ত 'কে' কথা—'ছাত্মক ভাক' 'বছৰে আন' গানো 'কে'ন স্থান্ধ 'বে না 'এনে' প্রান্তাপ দেখা নায়—'হামেক ভাক' 'আক্তিরে বিক্তান করিছে ভানিক্তি কচিং 'ভোমাকে' 'আবাকে' ছলে 'ভোমাক' 'আবাক্ত কেবা নায়। 'পুত্রে ভাকি করেছ' ও ক্তিক্ত ক্তেম্বিক্তিকি 'এ'।
 - ्र (७) क्यान विठिक ठिल '१' এवः 'एठ' बर्बा-क्योंन लाम's 'क्राप्य (तथ', 'बारक कांक')

কিনেশ ছবিতে বাত ফাটরা দেনিবাছে'। 'থারা' বিশ্লা' ক্রিটিকে আমর্ক্ত বিশ্লাক্তি শবক মহি।

- (a) বালাগাৰ সভালান কৰেন সহিত যিনিয়া নিয়া পতিভাইনের কটো কানুৰ বিজ্ঞা ক্ষাইবাৰ হেড় হইবাছে। উভার কোন যতত্ত্ব বিভক্তি কিং নাই; কাৰ্য্য নাইক আন্তৰ্ বৰ্ণা ভিত্তকে ভিকা হাও' 'দক্তিতক কৰ্যাও' 'কলা হবলে হানী কৰি বিৰক্ষি ভাষাৰ (— ভোষাকে)"
- (e) অপাধান কৰিছ বিভক্তি চিক লইতে চাৰ না, postposicion খাল্ল কাৰ্য কৰিছিল।
 বৈথিক চুক্তি পড়িলাকে বাৰ হইতে ভয় পাল' ছিলালয় কাইতে গলা আহিছেছে। এই
 ছইতে' postpositionভায় নৃত্য বাধাই হউক, উল্লা সভাতি বালালা অব্যৱস্থ আৰু
 ইকাকে বিভক্তি বলিয়া গণা কমিনে নিজাত অভিনয় হইবে।
 - (७) नवटकत्र हिल 'ब' 'धन्न' रथा-ज्यामात्र बांकी, ट्यामार बांक बांक वार्यक
- (॰) অধিকয়নের বিভক্তি 'এ', 'ডে', চং —'মনে থাকে' 'আমান কা' বিভান আহে' বিহানাতে শোহ'। 'এ' হল বিলেবে মুলাভনিত হইছা বিশ্ আমান কাল জ্ঞান বিহানাত শোহ'।
 - ক্ষাৰ বিত্তি চিক্ চাৰিট মাত্ৰ, 'কে' 'ৰ' 'এ' 'তে'।
 - क्षित्र (७४) मध्यमान काग्रत्वत्र) किए। 'त' (७४ '७वे') मग्राहरूके विकास
- क्ष क्षानानर कथ कथन क्षित्रा चरत । नित्तत्र केशकतान हेना नहीं हरेला । अध
 - ্ৰিবিক্তৰ- 'বাছ লগে থাকে' 'রাম নোকাতে আইছি (ক্রম্ম 'রাম নিকার আছের ক্রমে- 'বাগড়ে চাক' 'কারিছে মার' ('বোভার চক')
 - क्वांत-कृष्णस्य पान, कृष्णमाटक पान, समनाव वार ।
- के क्रिकेट क्र
 - THE ROOM OF THE PARTY STATES AND THE STATES AND THE
 - All the Party for Atlanta of Contract of C
 - A PARTY OF THE PAR
 - The state of the s

চিক্ত কোৰার থাকিবে, কোৰার থাকিবে মা, তাহার সক্তম কোন বাধাবানি নিয়ন নাই।
হইতে পারে ভাষার আচীল অবহার সর্বারই বিভক্তি হিল, এখন শ্রমণংক্ষেপের অন্থনোধে
বিভক্তিচিক্তানি লোপ পাইতে বলিরাছে। কালে সম্বাই লোপ সাইতে পারে; এমন কি
এমন সময় আসিতে পারে, যখন ।টা-tposition ভালি, বাহা এবন বজন পদ, ভাহা পূর্ববর্তিপানের সলে মিশিরা গিলা আরও সুংক্ষিত্ত আক্ষার একণ করিলা বিভক্তিলক্ষণে পরিগত
হইবে। কিন্ত সে ভবিষাৎ কথা। বর্ত্তসানে উহালিগাকে বিভক্তিকি বলিরা প্রশা করা
চলিবে না। উহাদের পূক্ষবভী পদগুলিতেও কায়কত আপি করা চলিবে না।

লোকমুখে প্রচলিত আধুনিক ভাষাগুলির বিভক্তিচিক্ ভাগে করাই বভাষ। ইউরোপে elamical ভাষাগদৃহত, dative, accusative, abiative, প্রভৃতি লালা কারক ও তদমুখারী বিভক্তিচিক্তের কথা গুলা যায়। ইংরেজি গে সকল চিক্ ভাগে করিয়াছে। সংক্রেজ যত বিভক্তিকি হিল, বালালার ভাষা নাই।

वालानात्र विवारत्नव हिरूष धाक्यादव देखेवा निवारक। वक्यारत्नव द्याप निष्ठांक कर्ड কাল সান্নিতে হব 🏥 প্ৰথমা বিভক্তির বছৰচনের একমাত্র বিভক্তি 'রা'—পণ্ড—পণ্ডয়া, মানুৰ-মানুবেরা। विकास वहरत গণ, খলা, সব, সকল, প্রভৃতি অতর শব নোগ ব্রিয়া ক্রবেরসের विकारिक क्षेत्र क्षेत्रक्रिक रह। क्षिन कान आधुनिक बाबाना गांक्तरण के नकन अवस्थ চিত্ৰ বিশ্বা নিৰ্দেশ কৰিতে গেৰিয়াছি, কিন্তু ইছা অজাচার। প্রাচীন সাহিত্যে পেৰিছোঁ विज्ञास मार्क देवकद्वत गरन" "क्वारन्य ठाकूत गरक देवकद्वत गन"--व्यक्तव गन गृनक् नक् নাই। প্ৰথম বিচক্তি ডিৱ ক্ষয়ৰ বহৰতুৰ প্ৰকাশের আৰু একটি কৌশশ আছে। স্বা 🎉 क्रिक् - देवस्वविभारक' दिक्षवरात क्रुद्रिकिविदिशक'। अमीरम नवानूव व्यक्तमारम क्षिक्राचित्र ; देवक्षविद्यतः = देवक्याविकतः। वार्षार अक्षकारमं वार्षि क्षवरवादम सहयहम ক্তিত, বাৰ্ডে ক'বোগ কৰিবা উহা 'কাৰিক' এই ৰূপ প্ৰচণ কৰিছে। বৰ্জনান স্থাপ কৈ জীচীক (कड़ बर्टाम 'विश' दिस्मिक 'किश्व' इंडेटल चानिवारक । विश्वतिन चर्राके विश्वा 'रहेरक' 'शाविका' अविक अवक्रिकार विकक्रिक वरन क्या ग्रीतिक होरेन ्रिच्छ कांत्ररंगं त्वा गात्र । 'चामा बाह्या अ कांक श्रेटर मा' और बहिन्हा 'चांमाबाह्य' ्री राजांत्र वाता' 'कामाटक निवा' वरभकातकर्य वान्वतः व्हेरक शास्त्र । वना हिक्क ्रीमारक' विख्लात गम ; 'विका' विक्कि गमन हरेरन अकी। नरवत्र केर्नि ्रे रहेता शरक । स्टब्स अस केमारवय-'बाब त्याव व्याव क्राव क्रिके' 'ब्राध्यव रहेता লীঠ দিয়া নাম' 'লাঠিতে করিছা নাম্ব' 'হাডে ক'বে লাক' কিছে নিবে বিশ্বট 'ভাহন' 'ভাহাৰ লেগে ফ'কি ক্ৰছে' 'আমাৰ পাৰে চাৰ' 'আহিলা বুকী স্থানী विक्किकि (काबाल नोहराति, एका, नहेंद्रन क्षित्र मा बहे नक्स बाह्रम

বাখালা কায়ক প্রকরণ

এই প্ররের উত্তর দিবার পূর্বে একবার সন্তাহানকারক বঠিত বিজ্ঞান্ত কোনা আবিক্তি।
সংশ্বতে কারক অর্থান্ত। যে কর্তা, সে কর্তাই থাকিবে; 'রামো বনং ক্যাম' এছলে প্রথমান্ত
রাম কর্তা, 'রামেণ বনং গতন্' এছলে ভৃতীরাক্ত সামক কর্তা। বিজ্ঞানিক্ত দেখিবা
কারক নিশ্ম হইল না। আবার 'নাগ্নিছ্পান্তি কার্চানাম্' (অবি কার্চে তৃত্ত হন না) এছলে
কার্চ ভৃত্যার্থগাতুর বোগে বঠাত হইলেও করণ কারক। 'বিশিবসত ভৃত্তে'— দিনে চুইবার
বার—এছলে দিবস বঠাত হইলেও অধিকরণ। কার্কেই সংশ্বত ব্যাকরণের নিরমে বিজ্ঞান্তি
ক্যোক্তান্ত বিজ্ঞান কর্ত্তে না, অর্থ দেখিতে হইবে। এখন 'ঘরিত্রকে ধন বাও' এই বাক্তো
করিলের বিভক্তি কর্ত্তের বিভক্তির সহিত অভিন হইলেও ঘরিত্র গধন দানপাত্র, তবল সংশ্বত
ব্যাকরণের প্রতিত্তে চলিলে তাকার সন্তাদানক বাইবে কিরণে । ক্রিয়ার সাবক বন্ধি সর্ব্যাই
করণ হর, গানক্রিয়ার পাত্র তথন সর্ব্যার সন্তাহানই হইবে।

কারেই একপক্ষের বক্তব্য, সংক্ষণ্ড ব্যাকরণের পছা অবলঘন করিতে হইলে স্থালানকে কেবল বিভজিসার দেখিরা কর্ম বলা চলিবে না। বিভজি দেখিরা কারক ছির করিছে হইলে, 'সাপে কাটে, বাবে খার' এ সকল ছলে সাপকে ও বাঘকে কর্মা না বলিরা অধিকয়ণ বা ঐ রূপ কিছু ধলিতে হয়।

পৃথাপকের উত্তর এইরপ দেওবা চলিতে পারে। সংস্কৃত ব্যাকরণে সাধারণ বিধি অনুসারে বালপারের অন্ন একটা নির্দিন্ত বিভক্তি রহিয়াছে—চতুর্নী বিভক্তি। সাধারণতঃ কর্পে বিভীরা ও সম্প্রধানে চতুর্নী বিভক্তি নির্দিন্ত। এই নির্দিন্ত লক্ষণ আছে বলিরাই, কর্ম হইতে ভিন্ন, অকটা সম্প্রধান কারক বৈয়াকরণেরা পাড়া করিয়াছেল। নতুবা কেবল ধানক্রিয়ার পাত্র বলিরাই উথাকে একটা বতর কারক করা হব নাই। তাহা হইলে রবীপ্রবাবর ভাষার হোরল-ক্রিয়ার পাত্রকে সজোলনকারক, তাড়নক্রিয়ার পাত্রকে সজোলনকারক, এইরপে ক্রিয়ারাজ্রেই অন্ধ একটা বিশেষ কারক হির করিতে হইত। কলে ক্রিয়া বাহাকে আক্রমণ করিয়া রহে, তাহার নাম কর্ম ; উহার নির্দিন্ত বিভক্তি ভিতীরা; ক্রিয়ামাত্রেরই পলে এই বিধি। কেবল ধান-ক্রিয়ার বেগার তির বিভক্তি চলিত থাকার উহার লক্ত একটা বড়ন্ত করা হইরাছে মান। কর্ম্বা বালক্রিয়া পরম প্রণা হইলেও বৈরাকরণের নিকট উহাকে অন্ধ সকল ক্রিয়া হইছে খাডয়া বিবার কোল প্রয়োজন হিল না। বাললার বণন খানক্রিয়ার পাত্রের বক্ত কোন বন্ধর লক্ষণ নাই, তথন উহাকে অন্তা ক্রিয়ার নমন্ত্রণা মন্ত্রা করাই বৃক্তিসকত। সেই বন্ধ বালক্রিয়া বে ব্যক্তিকে সবেণে আক্রমণ করিয়ার নমন্ত্রণা করাই বৃক্তিসকত। সেই বন্ধর করি কি হর্মকে হ

वर्षे पुष्टिक विश्वास मध्ये मा प्रदेशमा, क्षेत्राराम यक मुस्तिकांक्यास्य त्यावादे विद्या यह वर्षो पुष्टि प्रयोग सदित्व गाउर। मःप्रक्यांक्यांत्र कावकाति द्वारामा सर्वे द्वारा स्थाप त्याप त्याप त्याप स्थाप गर्माम विश्व वर्ष व्याप मार्थ। व्यक्ते त्याप कवित्रा मामा कार्य व्यक्ति स्थापक होगा हत्। त्याम मामागाउनक मुक्त कर्ष वांत्रा क्षेत्रक विद्यान वाठे क्षेत्रमान कर्ष ্যত গোলতা 'জগাত্যযিতা' এই সকল উনাহনণে অৰ, গৃহ, জল স্পষ্টতা অপাধান। কিন্তু ভাষাতীত, থাকা কইতে বিনাম হর, থাকার নিকট তইতে গাকা করা যায়, যাহার নিকট শোনা যায়, ভাগারা সকলেই অপাধান--ভাগানের সাধাবন লক্ষণ পঞ্চনী বিভক্তি

পুনক দেখা। ভূতার কুণাতি, শত্রবে জন্ধতি, এই সকল ছবে সংস্কৃত বাকিরণে ভূতাকে ও শত্রবক সম্প্রদানের কোঠার কেলিয়াছেন ও তাহাদের জনা পুথক বিধি কবিষাছেন তিক্রাসন্দেশ্যেস্থাপানা তহুদেশ্যং সম্প্রদানম্। বিনি দানের পাত্র বিদ্যা সম্প্রদান, তিনি দোভাগাণালী জীব। কিন্ত এই হতজালা ক্রেপেশত ও প্রোহপাত্র ব্যক্তিরা সম্প্রদান লেণিতে পড়িলেন কিন্তাপে তাহালা নৈবজ্ঞাম চতুলী বিভক্তি প্রহণ কবিয়াছেন, এতছিল জনা হেতু দেখি না। এইবল 'মোনক- শিশবে রোচতে' তেওপ ভূমিপতিং পজে দশ্যা শিশব্য ইনাছি ব্যোও কেবল মতুলী বিভক্তির পাত্রিরই শিশব্য ও গান্তীর সম্প্রদান সংক্ষা কেবলা ইনাছে। জেলাবের পাত্র প্রেচতের পাত্র পাত্র প্রত্তির বালিবিভক্তির গাভিবে সম্প্রদান কোঠায় স্থান পায়, তবে বালালা ছানের পাত্রকে কম্মসংজ্ঞা দিরা বিভক্তির থাতিরে কম্মনারকের কোঠায় ফেলিলে এমন কি অপরাধ হইবে গ

আনা শৃষ্ক ব্যাক্রণের অক্তরণ কার্যাও আছে। গগে অভিনিবিট হয় এই অর্থে 'শ্বন্যভিনিবিশতে' এই বাকে; পৃথ্য স্পষ্টিতঃ অধিকবণ হইলেও উহাত ক্ষুপ্তা হইল। উপস্থিপুর্যাক ক্র্ন্ গান্তু ও জত ধাতুর সম্প্রান্ত কর্ম হইয়া লাড : শার্বে স্কৃতি, কিন্তু শাহ্রনিভি প্রকৃতি । দিব ধাতুর করণ কারক বিক্রে কর্ম্যান্তা পাছ । মেনা ক্ষ্যান্ত্রি আমানিভি আমানিভি, এই কন্মান্ত্রিক ক্ষান্ত্র করণ কারক বিক্রে কর্মানিভা বিলাধিক প্রতিবে করণ, সম্প্রদান, অধিকবন পান্ত সকল কারকেই ক্ষান্ত্রণ পান্তার পারে, গ্রেশ্বান্ত্রনায় ব্যাক্রণ দানা কর্মান সম্প্রান্ত ক্ষ্যান্তর নিলাক বিলাধিক স্থানিভা বিলাধিক স্থানিভা ক্ষান্ত্রা দিবা ক্রান্ত্রা ক্ষান্ত্রা সারিক্রের প্রাক্রিলের প্র

ব্যাক্ষণ্ডির পশ্চিত্রা এট ডার্কে নীব্র ছইবেন 'কান জানি না, কি**ন্তু আমরা কেবল** এক মনাজিল্যান ছন্ত হাজলাক ব্**ষ**টা পুলক **ভারক** বাহিছে বাজি নহিছ

দশল্পনানকে যদি ইলিতে হয়, তথাপান, তুলিতে ইউবেই। সপাদানের জন্ত কোনালী বিভক্তি জিল নাই তেইছে, গোলে প্রস্তুতি আনাস্থালি বিজ্ঞানিক কাজ চালার। আমবা হাবা, নিংগ প্রাকৃতি পদাক করণকারাকের বিজ্ঞান ডিক বলিকে সম্মত নহি; হইতে, থেকে, এনালক সভালান বিজ্ঞান বলিতে চাহিব না। উদালা স্থাতঃ আজা গোটা পদা; এই চালা সভালা বালাক বলিতে চাহিব না। উদালা স্থাতঃ আজা গোটা পদা; এই চালা ভালান বিজ্ঞান স্থাতিক জাভিয়া বিলো বাকিওলা হয় ত অসমানিকাজিয়া ইইছে উপলে ভালান। কিন্তু উল্লেখ গুলান স্থাতিক সভিয়া বিলো বিজ্ঞান কালা কালান কালান কালা গুলান কালান কালান কালা বলিকা বালানা প্রাকৃতি কালিক বালানা কালানা কালা বলিকা বালানা বিলাল কালানাক। প্রাকৃতি কালিক বালানাক। তুলানাক তুলানাক আলিকাজিকা, কালানাকিকাজিকা, কালানাকিকাজিকা,

কেননা ক্রিয়ার সহিত গলাব অবর আছে। কিন্তু হিমালরের সহিত ক্রিয়ার অবয় নাই : হিমালয়পনের সহিত সম্পর্ক চইতে পদের; কাজেই হিমালয় ইংরেজিহিসাবে in the objective case governed by the postposition চইতে; কিন্তু সংস্কৃত হিসাবে উহা করেব নহে। কাবক নামটির বাংপতিগত অর্থ ধরিলেই বুঝা যাইবে ক্রিয়ার সহিত উহার অব্যবহিত সম্পর্ক থাকা আবহাক; নতুবা কারক নামের সার্থকতা থাকে না। যেখানে মাঝে একটা অবাদ্ধ পদ বা অন্ত কোন পদ থাকিয়া ক্রিয়ার সহিত সম্পর্ক বিজ্ঞিয় ক্রিয়া দেয়, সেথানে কারক নাম প্রায়োজ্ঞানহে। 'হিমালয় হইতে' এখানে হিমালয়কে বদি কারক বলিতে হয়, তাহট ক্রিয়া গাহাব সহিত বনে গিয়াছিলেন' এই বাকোর সীতাও বারক চইয়া বনেন।

সে যাহা হউক, বাজালয়ে সম্প্রদান কর্মের সহিত অভিন্ন ও অপানানের অস্তিংই নাই । এই চইটি উঠাইতে চইবে। পাকে কবণ আৰু অধিকরণ; উভয়েরই একই বিভক্তিচিক 'এ' এবং 'ডে'। আকাবান প্রভৃতি শব্দেব পর 'এ' বিকৃত হইয়া য়'হর যাত্র। বধা 'নৌকার' বিভানায়'। পানিন প্রিপতে 'নৌকাএ' বিভানাত্র' এই বানান দেখা যাত্র।

করণ ও অধিলবণ উনয় বিভাকে এক , তবে অর্থ দেখিয়া কোনটা কবং, আব কোন্টা অধিকবণ বিশ্বচনা করিয়া লইপে হয়। 'হাতে গড়া' এলনে হাত কধন, আর হাতে রাঝা' এলনে 'হাত' অধিকরণ। কিন্তু সলা। এটকপ বিচার চলে কি না সন্দেহ। এনন জনেক উনাহবণ 'হাতে, নেখানে অর্প নেপিয়া করণ 'ক অধিকবণ নির্ণন্ত করা হংলায়া। সান্ধক্তা ব্যাকরণে 'মলানে বিনাদেন' 'কোহর্প: পাতে পাতে পাতেন বাকেবণমধীতম্' 'কটাভিত্তাপমান্দিরাক্তাংশ 'মলাক্তা বিনাদেন' 'কোহর্প: পাতে পাতেন করণ কারক বলিতে সাহল করেন নাই। উল্লেখ্য সুনীয়া বিভালের ছলীয়া বিভালের ছলীয়া বিভালের ছলীয়া, কোথাও অপবর্ণে ভৃতীয়া, কোথাও বাল্লার্প, কোথাও অধ্যোজনার্থ শলের যোগে ভৃতীয়া, কোথাও অপবর্ণে ভৃতীয়া, কোথাও বাল্লাব্যাক্ত শলের উত্তর ভৃতীয়া, এইকপ বিশেষ বিধির প্রণায়ন করিয়াছেন। বাল্লান্ত এইকপ বিশেষ বিধির প্রায়োগ করিছে গোলে দিশাহারা হইতে হইবো: 'বিবাদে কাছ নাই' 'মুর্থ পুত্রে সরকার নাই' 'এক মাসে বাকেবণ সারিয়াছি' 'ওটার ভাপস চিনিয়াছি' এই সকল বাজলা ভর্জমার বিভক্তান্ত পদক্ষালিকে কারক বলাই উচিত, কেননা ক্রিয়ার সহিত্ত উহাদের পাই অবন্ধ আছে। কিন্তু কোরক বলাব করণ বলিব না অধিকরণ বলিব বালিব কামার বোধ হয় না, সকল প্রতিত এক উত্তর দিবেন'।

তার পরে আর কতকণ্ডলি বালালা প্রয়োগ আছে, সংক্ষতে তাতার কুলনা পাওৱা বার না। 'শীতাগতে বন গোলেন' "আনন্দে ডোজন করে" "অন্তরে গুলিত চইয়া" "অন্তরেও অপ্রতাগ করিলা ভোজন" "কি কারণে কীরাইলে না গোলে মুম্বদ্ধর "কুঞি পুরে লক্ষা আজি লভিপান" "কোণে কুইওপ বীর্থ বারিল শরীর" "আপনার বিদ্যাল বীর ক্ষিণা টুকার" "কার্ম বারা প্রেমের তরলে" "উঠ করে ডাকে রাধানাথৰ বলিয়া" "ক্ষারি হতে ভোজন ক্ষিলা ব্জন্তি" এট সকল ক্ষেপ গো এবং তে' ক্ষিক্তিন ক্ষা প্রতিষ্ঠিত বিদ্যাল গান ক্ষিণাকে ক্ষেপ্ কারক ব্যার হু , উত্থারা স্পাইতঃ

করনের জাঁকনেও আসে না, অধিকাঁবনের নাঁকনেও আসে না। কোন কোনটা ক্রিয়ার বিশেষণের মত নেথার, কিন্তু থাঁটি বিশেষণায়কে বিশেষণ বলাও গায়। 'সানন্দে ভোজন করে' এথানে সানন্দক ক্রিয়াবিশেষণ বলা চলিতে পারে, কিন্তু 'আনন্দে ভোজন করে' বাল্লার তুলামূল্য হইলেও আনন্দ লক্ষকে বিশেষণ বলিকে গোলে পণ্ডিভেরা লাঠি ভুলিবেন। নিভান্ত কঠকলনা কবিয়া কোনটাকে করণ, কোনটাকে অধিকরণ বলা চলিতে না পারে, এমন নছে। কিন্তু সেলের প্রয়োজন কি ?

ফলে বাঙ্গলায় ঐ ক্রপ কঠক মনার বরকার নাই: কোন বাঁখাবাঁধি নিরম বাঙ্গালায় চলিবে না। এই মাত্র বলিলাম 'ক্রেশের প্রয়োজন কি গু' এখানে প্রয়োজনার্থক পক্ষ যোগেন্দ বাঙ্গালায় সক্ষমতেক বিভক্তির যোগ ইইরাছে। কিন্তু 'ক্রেশে প্রয়োজন কি গু' বলিকেন্দ্র বাঙ্গলায় কোন নোয় ঘটিত না। এখানে 'এ' বিভক্তি দেবিয়া উথাকে অধিকরণ বলিব না কি গ কাজেই বাঞ্গলায় ঐ রূপ অঁটো আঁটি চলিবে না।

আমাব বিবেচনার বাজালার করণ ও অনিকরণ ছুইটা কারকে ভেন রাখার বারোজন টি : হ্রেরই বিভক্তিছিল সমান ; সন্ধীন অন্ত্রেল বাজির করাও কঠিন। হুইটাকে মিলার্য়া একটা, নৃত্য কারক নৃত্য নাম দিয়া প্রচলম করা বাইছে পারে : এমন কি, যে সকল জলে অর্থ ধরিয়া করণ বা অধিকলণ এই হুই প্রেনিয় মধ্যেও কেলিতে পারা বার না, লগচ বিভক্তির রূপ তেৎসঙ্গ ; সে গুলিকেও এই নৃত্য কারকের পর্যাবে কেলা কালিতে পারে । কর্ত্তা ও কর্ম বাঙীত আরু দে সকল পানের সন্ধিত জিন্মার অন্তর আছে, এবং নাহারা উক্ত বিভক্তি গ্রহণ করে, ভারারা সকলেহ এই নৃত্য কারকের পোনিছে পড়িবে। ভারাকের মধ্যে আরু প্রস্কৃত্রিভাগ করনা কবিয়া ই রাবিশেষ করা নিজারেন । ইংরেজি হিসামে বিলাভে গোলে প্রচল্ডক predicate এব বিবিশ হার্মানার থাকিতে পারে। এই জিনার আমুর্যাক্তির পারে এবং ভিন্তির সাহিত অন্তিত কর্মাণ বির্বাহ বিশেনগোর অংগুকুই হার্ডক। কর্ম ও কন্তা নাম্বাক্তির আরি সে সকল বিশেষপথ ক্রিরার আমুর্যাক্ত আরু সে সকল বিশেষপথ ক্রিরার আমুর্যাক্ত আরু সে সকল বিশেষপথ ক্রিরার আমুর্যাক্ত আরু সে সকল বিশেষপথ ক্রিরার আমুর্যাক্ত পারে । গ্রহার নামকরণ আন্তরে সাহার যাত্তার এই নৃত্য কারকের কোটার লেলা থাইতে পারে । ইহার নামকরণ আন্তরে সাধ্যাতীত । মূল কথানির নীয়ালো চইলে পারেরের নাম নিবেন।

া সক্ষ পদ উক্ত 'এ' আর 'ডে' বিভক্তি গ্রহণ করে, ভাষারা লোম না কোন হলে।
কিরাটাকেই অবসমন করিরা থাকে মান্তা, ক্রিরটার কোন না কোন বিশিষ্ট ব্যাখ্যা হেছা।
গারে চলা 'বিভানার লোক' 'বাতে লক' 'কালে লোন' 'ছিন্তিয়াত ভাট' 'ছড়িছে বীষ' 'ছুলে কিরাকে কোন দিনে নাচ' 'কলে চল' হোজীতে বাবেন' এই ব্যাহ্য উলাহ্যকে বিভয়ায়াই প্রাট্টা ক্রিরটাকে কোন দিনে প্রকাশে আব্যাহ্য করিকেছে। উল্লেখ্য মান্তা করিবার প্রয়োজন নাই। উল্লেখ্য ভাবক বলিডেই হইবে, কেনালা ক্রিয়ার মহিত্য উল্লেখ্য সাক্ষাহ

A. A. M. A. T.

मन्मार्क जवत्र जारक, मारव क्यान भवाखरतत्र बावधान नाहे। नक्नारक কোঠার বসাইতে লোব দেখি না।

ঐ হুই বিভক্তির ভারণানাই ঐ রূপ। উচা যে পদে সংযুক্ত হয়, ভাহাকৈ ক্রিয়ার সঙ্গে খনিষ্ঠ সম্পর্কে আনর্থন করে: ক্রিয়ার্ট ব্যাখ্যার অস্ত সেট পদটাকে টানিয়া আনে। পূর্বে দেখাইয়াছি, ঐ বিভক্তি কঠা ও কর্ম পদকেও ছাড়ে না ৷ 'সাপে কাটে' 'বাবে খার' 'বামে माजिरमुख माजिरव, तावरव माजिरव माजिरव' धर्ड मकल बारकाव कर्का खनि रचन instrument ध বা করণ কারকে পরিণত স্ট্রাছেন: উহাবা কঠাও বটেন, করণও বটেন। 'কাটা' ক্রিয়ার করণ যেন সাপ; মারা ক্রিয়ার instrument যেন রাম আর রাকণ। যেন কোন দৈবৰজ্ঞি শাপের দার।, বাংশিব স্বারা, রামের দ্বারা, সাবংশর দ্বারা ঐ ঐ ক্রিয়া সম্পন্ন করিয়া লইতেছেন ; তাঁহাদের সর্বাহয় কর্ত্ত নাই। এই জন্ত সন্দেহ হর উহারা যেন প্রকৃত কর্তা নহে; হয় 😇 কৰাবাচ্যের 'সপেণ' 'ব্যায়েন' 'বামেন' 'রাসংগ্ন' প্রভৃতি ভূতীয়াস্থপদ্ধ বাদ্ধালার আসিয়া সাপে, चारण, जारण, जाररण अहे कुल लाइन कांत्रशारक।

এ রূপ 'মোহে বল' 'তোমায় দিব' 'আমার ডাক' "কর্ণ পুত্র ডাকি বলে" "তব পুত্রে : क्षण किय" "कीरव मग्रा कर्रा" (यह सक्त श्राम क्षांभन्त एति । त्यन व्यक्तिकदानंत कांक कतिएकाक है। মান্ত্রমণ্ডলা দেন তত্ত্বৎ ক্রিয়ার ভাষারে পরিণত । ইরাছে । ঐ বিভক্তির স্বভাবই এই ।

ঘাৰ, সে কারণে কঠা ও কথা কারককে উপাইয়া রিতে বলিব না। আমি এই পর্যান্ত বলিতে চাচি, বাঙ্গালাব্যাকরণের কার্ত্বপ্রকরণে তিনটির বেশী কার্ত্ব রাখা অনাবস্তুত :--কর্তা, কর্ম ও মার একটি ভূতীয় কাষক দাদান বিভক্তিটিক 'এ' এবং 'জে' ঃ করণ ও অধিকরণ ও অভান্ত বাধানের অর্থ ধারতা করিক নির্ণয় চক্রত , তাহারা এই মৃতীর কারতের অন্তর্গত হইবে । সংখ্যদান কর্ম হইতে সভিন্ন উগার মাতির নির্থক। **অপাধান অন্তিন্তীন। সম্ভ** বাংক পদ কারক নহে : উহাঁর বিভাক্তিক 'র' বা 'এর'।

এট সম্বন্ধত্বক বিভক্তি বিষয়ে ছাই এক কথা বলিয়া এই প্রসন্তের উপসংহার করিব। যে সক্ষ পৰের অবর ক্রিয়ার সহিত নাই, প্রান্তরের সহিত অবর আছে, সেই গুলির স্বত্তে এই कथा। मणक मानाविध : मकन मणक ममान श्रीहं नरह । 'इर्स्यायनक केंद्र' 'त्रामक गृहस्' 'मका জনম্' বারোবেঁগঃ' এই সকল কলে সক্ত অভীব বনিষ্ঠ ; সংষ্ঠত ভাষার এ সকল কলে বন্ধীর প্রবোগ। 'লিশোঃ শইনষ্' 'কাৰঞ গতিঃ' তব লিপাসা' 'ক্ষঞ্চ ভোগঃ' 'ধনক ভানষ্' এ সকল ছলে ভত্তৎ কর্ত্বশালের বা কর্ত্বশালের সহিত ক্লম্ভ ক্রিয়াপানের স্কৃত্ব : ক্রিয়াপানগুলি ক্লংগ্রভাষ বোগে এছলৈ বিশেষো শহিন্ত। জিন্বার কর্তা ও কর্ম ভারার নাষ্ট্রিত সম্বন্ধক হওরার বট্টবিভঞ্জি युक्त । किन्द अञ्चल क्रमत क्षेत्र कार्राक सर्वेत्र वसेत्र आसाल क्षेत्र मा । 'बमक संस्ति' 'बमर गाठा' हरें निष्क, संविध व्यार्थंत्र किन्नु गांधिका व्यारह । व्यानांत्र क्षेत्रर नक्ष्म्न्' 'क्षका निवस्' 'गृहर नवम्' और मकन करन इक्टबंब नृश्म वही हम मा

मक्रवन मद्दव मक्टिय विकेकिन, आर्वान मार्ट्स देन

নমেছিল কুল, কংলালাব হধেঃ পঞ্চনী, লোটা পঞ্চনী তৃতীয়া চ, প্রক্তাদিভাতৃতীয়া ইত্যাদি।
উদ্পর্গ কুলনায় হিবলম্, শুরুরে নমঃ, মাঘাৎ চৃতীরে মাসি, ধনাৎ কুলম্, ভরাৎ কল্পঃ,

অবেশ্ব অব্যয় পাৰের সাইত সম্বন্ধ গাঁকলে বিবিধ বিধি আছে। সীতরা সহ, বয়া বিনা, ইনিং প্রাত, কপ্রাণ ধিব্, কল্লানে কিম্, গৃহাং বহিং, ইত্যাদি। বাসালায় নিয়ম কি শেখা ঘটক। বলা বাহলা ও সকল গগে বিচ্ছিন্ত প্রপ্তি ক্রিয়ার স্থিত অবিভ না হওয়ায় কাব্যক্ষণযুক্ত নতে।

বামের বাড়ী, মহিদের শিং, গোডার ডিম, জানার ইছে, জারের পাক, জালের গোরণ ইত্যানি উদাহরণ বাড়ানীয় নবকার ১৬ ৷ হবে বিহা, মল গাইরা, পথে চলিতে চলিতে, এই সকল উদাহরণেরও বাহলা অনাবৈধক।

कत्र हैताइतः क इस धंत् (म ६४) गांक :--

দীনের প্রতি, সীতার সাহত, ২বের লালিবে, নদীর কাছে, গ্রামের নিকাট, মানের চারিলিকে, ইত্যানিতে বৈভজিতিক নে' জালেরে নিব, ওকাক প্রণাম, তোমাকে নহিলে, দামাকে ছাড়া, ইত্যানি প্রবে বিভজি 'কে' 'গাড়াব [জন্ত | খানা বালার [জন্ত] ইংতি 'রোলের [জন্ত] ইংতি বার্থনে হন্দ্রাধীন এবং বিভজি 'র'।

'বোড। ছইতে পড়িয়াছে' 'কল থে.ক ডাচেরে' ভাল পেকে দেল 'ড' 'মাব এইটো এতীয় মাল', 'রাম চেরে শুমে ছোট' 'দ্ব ১ইডে বাহির' ইডাটার স্থান অব্যয় পদের পুরে বিভক্তি প্রায় লুপু বাকে। কচিৎ বিভক্তির টোগ ধ্য । ব্যা 'রামের চোটা ।

'চেতে কাৰ্কা 'পাৰে বেডি' জাকতে ছোট' বিহতে বড' নিংম দশৰণ' জাতিতে কাষ্ট্ৰ' 'বাকেরণে পঞ্জি' বৈশ্বৰে পাপ, 'কোনে তাপ' ইত্যাদি কলে সেই পৃক্ষপ্ৰিচিত 'ব' বা তিও' চ

श्रीतारमञ्जूषमञ्ज जित्नमा ।

না

শাৰ্ব্য জাজির ভাষার 'না' অতি প্রাচীন শব্দ, উহা 'হা'এর বিপরীত, সন্থ্যের বিক্টে উদ্ধাধোভাবে ঘাড় নাড়িলে হয় 'হা', উহা সন্ধতিস্কুক, আর পাশাপাশি ডাহিনে বামে ঘাড় 'নাড়িলে হয় 'না'—উহা অসম্বতিজ্ঞাপক। 'না'য়েব ক্ষমতা বঢ় তীয়ণ, উহা চকিতের মধ্যে বিশ্বস্থাপ্তাকে উড়াইয়া নিতে পারে।

না'কে 'হা' করিবাব অস্ত্যাস অনেকের থাকিশেও **উহাকে অব্যয় শব্দ বলিয়া গ্রহণ** করিছে পাতি, উহা কোনকপ বিভক্তি গ্রহণ করিছে চায় না। ক্রিয়াব সহিত **উহা বিশেষণারূপে** বসে, কিন্তু গে ক্রিয়াব বিশেষণ হইল, ভাঙণকে একবারে উন্টাইয়া দেয়। **এমন সর্বানেশে** বিশেষণ ভাষর আন নাই।

না যে কিয়াকে, নই কবিতে যায় ভাতাব পরে বসে। যথা;—তিনি করেন না, কর্চেন না, করিয়াছিলেন, এই কুই ক্রিরা পরে না' বদাইতে চাঁয় না: 'করিয়াছেন না' এব 'করিয়াছিলেন না' উভয় ছলেই 'করেন নাই' বারহার হয়। এই ই যুক্ত না বর্তমান ক্রিয়া 'ক্রেন' কে হাতীভকালে পৌছিয়া দেয়। তিনি করেন ক্রেন ক্রেন করেন না- সেও বর্তমানে; কিন্তু তিনি করেন নাই— একেবারে ক্রিডিরের কথা। ঐরপ অতীত ক্রেণ্ডেক— গ্রিকর নাই, আমি যাই নাই, সে খার নাই, তাহা হয় নাই। আরপ্ত উদাহরণ – করিতে গ্রিনা, করিতে হবেনা, ক্রা হাবেনা, করা হবে না।

না একেগাই ক্রিয়ানাশক কিন্তু সময়ে সময়ে আপনার সাহায্য করিবার বন্ধ একটা নিরথক 'ক' ডাকিয়া আনে। তুমি যাবে? এই প্রশ্নের উত্তরে না, আমি হাব না' ইহাই যথেষ্ট সম্ভোষন্তনক উত্তর; কিন্তু যেন গায়ে বল পাইবার কন্ধ বলা হয় 'না, আমি যাব না ক্," বাঙ্গার এই 'ক' কোন মূলুক ইইডে আসিয়াছে, সুধীগুণ বিবেচনা করিবেন।

'উপরে—সর্বাহ্ন না ক্রিয়ার পরে বসে। কিন্ত হৃদবিশেবে আগে বসিতে আপতি নাই।
আনি কি আনি না !—প্রান্ন করার জানে যে সংশর করে, ভাষার উপর এই প্রান্তের চাপ।
আমি কিনা জানি !—অথবা, আমি না জানি কি !—ইং। ইবং সর্বাহ্ন সর্বাহ্ন করার প্রকাশ গর্কিতের ব্যক্তেকি আভাবিক—স্ববং ব্যক্তের স্থিত বলা হব আনি লা জানি
ভূমি ও জান।

সংশব অনিশ্চয় প্রাকৃতি গোলমেলে ভাবের সঙ্গে না ক্রিবার্ট্ট আনিশ্চিত উৎপর : ইবা তিনি যদি না যান, আমি যাব; তিনি না পান আমি থাব। আনিশ্চিত ক্লি ছাত্র কল বিব্যক্তি অথবা অভিমান - মথা না হৰ না হবে, না বান, মা বাবেন; না মান না মাবেন । বা অভিমান একটু উচ্চ মাত্ৰাৰ উঠিবে না একটা ইকার ভাকিলা লয়, না বান নাই বা না বান নাই খেলেন।

বলা উচিত, এই 'নাই গোলেন' এর নাই এবং 'চান নাই' **এর নাই ঠিক এক নাই** নাই।
'নাই গোলেন' বস্তুত না —ই গোলেন , ই একটা পূথক লব্ধ সম্ভবতঃ সংস্কৃত হি হুইতে উৎপন্ন।
উহা নাকে দুচ বাব। আর 'চান নাই' এখানে 'না'র প্রবত্তী 'ই' 'না''র সলে একবারে মিশিরা আছে, উহাকে ছাড়াইরা লইবে অর্থ পর্যান্ত বদ্ধাইয়া ঘাইবে।

না করিবার কল্প'না দেখুৱার ইচ্ছা'না বাইতে বাইতে'না বিয়া' না'না বশিশা' না চতিতে এক কাঁবি' ইত্যাদি স্থান না'কে বাধা ক্টরা ক্রিয়ার পূর্বে ব্যিতে, ছইয়াছে। সে কেবল খানাজাবে। 'বলা চেয়ে না বলা ভাল' ইয়াও ডক্সপ।

এপ্যন্ত না'ব বত প্রবোগ নেখা গেল, উনা সন্ধার জিয়ার শক্ষতাসাধক, 'না' একানীই জিয়া পাও করিতে সম্প। হাবে । এই প্রয়েত উদ্ধরে 'বাম না', 'এত কথা নগাই মরকার নাই, যাক নাতিলা ওছু না' বলিলেই হথেছ, গাবী-জিয়া ইহাতেই প্রাণ্ড হেইল। বুরিয়া লইতে কইবে, এগানে 'না'র যোল আনা কর্ম 'বাব না' 'গাব' ধর্মার্ম উচ্চু রহিয়াছে মাত্র। না বহন একটা বিস্পত্ত হইরা স্বলে নাসিকা হইতে নিগত হয় যেমন না, যেতেই হ'ল; অববা নাঃ, হ'ইব না, তথন বুরিতে হইবে, ঐ বিস্পত্ত না পূর্জ্বতী ঘটকায়াানী নাব্য সংল্য বিত্রক আলোচনা আন্দোলনের পেব মানাগায়। উহা কোন কর্ম্বন্য স্বাহ্ম বা কিছু সংল্য ছিল, তাহা আদৃত্য বিনাই করিয়া বিয়া একষাবে প্রম মানাগায় উপত্তিক্ক করে। বৈরাজীয় শঞ্জপটা কিছু নার" তে মানাগার কাছে অন্ধবনাধী মাননিকের মানাগো নিভান্তই হ্র্মাল। ইয়া অন্ধবনার বা সংশ্বরাদ নতে, একবারে না'রবাদ।

ध गर्या ह नारक श्रामांत क्रियाना किया विकास विराध मार्थ है। किया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

ভূমি নাবে না আমি বাব ? আমি ক্লাহে বাব, ভূমি পূজো কর্বে ? আমি ক্লাহে বাব ? এই সকল প্রান্থে উভর সকল্লের মধ্যে একটাকে নাই বা নাজাৎ করিয়া আছটিকে রাখিবার ক্লো । না আপনাং নার্যাম ছাঙ্গে নাই।

भावा ना कि : वह मानदात छारनावी-का दन्य मार छ ।-

माबिहें अपि जा तमन । एमिटे पार्क माने किसिंहे करून ना । यह न्यूम द्वार्य कार्न देशक वार्त्व, ना तम कालाव नहीं मि कालाव । किसिंहे करून ना रहा कर्य किसिंह करून । किसिंह कर्यां । किसिंह क्यां । क्यां । किसिंह क्यां । क्यां । किसिंह क्यां । क्यां । किसिंह क्यां । क्यां । किसिंह क्यां । क्यां । किसिंह क्यां । क्यां । किसिंह क्यां । कि

ব্য তাহার নেই নতাং করিবার প্রত্তিত ভাষার ক্রেটিয়ার জনাং বৃদ্ধ করিবা প্রকাশীর নিরীয় জানমানুধের বেশেকীবিভাইতে শারে। ক্রেইটান্ত্রাপুন্ধ প্রকর্তারে হী।

वया—ट्यारमारे मा—ट्यारमारे या, कुश्यिमारे मा, अवस्थारे हा। साक् मा स्थारमारे भागात सक्, सरेटक मान ।

करने मा कर ; शास का कथा छ । मा किस्सान करूपि भारा निरम परिस आस्ति। इ.स. करे असन स्टूल रियम्ब कार्या महिल स क्षित्र स्टूलि स्टूलिय स्टूलिया स्टूलिया स्टूलिया स्टूलिया स्टूलिया स्

मान बरत करन ! नी—रात इतन मारह, मन्नवा द्वा ! ना नद्व क्याबात् । ता निर्मा क्याबाद्व क्याबाद क्याबाद

नांत्र निकार निमार्केश मानु करवकति नक माहक :--नारे १० कुछ । ः

नार जित्र इटेंगे। व्यायात्र पूर्वि गारेशाहि। जिनि नारे स श्राद्धान् ज्यात सार्वे नार्वि है। वंश्वरुत मार्वे प्राप्त कार्य प्राप्त कार्य क

'नारें परवन यह कृतीय द्वारांण यहित, हैनारें वेदान विश्वि द्वारांण वनका वनका परित्य गांचाण पहित्र वाहित नाहित विद्या वर्ष महित विद्या परित्य कर महिता पर्वार विद्या परित्य कर महिता वर्ष महिता महिता वर्ष महिता महिता वर्ष महिता महिता वर्ष महिता वर्ष महिता वर्ष महिता महिता वर्ष महिता महिता महिता वर्ष महिता म

লাকি 'ইছা কেবল বর্জনানকালের প্রয়োগ। প্রক্ষান্তদে ইছার বিকার নাই, আমি নাই, তুমি নাই, তিনিও নাই। বলা পাছলা থাই নাই, বাই নাই, বার নাই, প্রাণ্ডির নাই এবং আমি নাই, তুমি নাই প্রতৃতির ঠিড় এক নাই নছে। ছন্দোবন্ধ পছে 'নাই' রপান্তিরিত হইয়' 'নাহি' হইয়' যায়, "কাঞ্চন থালি নাহি আমাদের"। বাটি 'না'রও প্রেয়র ভাষার একটা হি যোগ করা বোপ আহে—বখা "বাজালির রগবাছ বাজে না বাজে না। বজনেশে নাহি হয় সমর্বোধণা"। নাহি আবার 'ক' ঘোল করিয়া নাহিত (নাইক) রুণ গ্রহণ করেম। বখা— "মর নাহি ফুটে"। না বের অপর ইটুছ 'নছে'। ও একটা অনুত ক্রিয়ার্যাচক লক। আমির নাই। তুমি নহ' নও। "মুল মহে (নর): তিমি নাছেন (নন)। সবগুলি বর্তনালী কালের প্রয়োগ। অভিনিত্ত প্রয়োগ দেশি না। পাছে 'নহিব' ইন্তাানিকে কলাচিৎ দথা যায়। সংস্কৃত ভ্রান্ত প্রান্তিত বা ভরিজাতে প্রয়োগ দেশি না। পাছে 'নহিব' ইন্তাানিকে কলাচিৎ দথা যায়। সংস্কৃত ভ্রান্ত প্রান্তত বিতর নিজা, বাজালা 'হওকা' জিয়াতে উপনীত হইয়াছে। না মুক্ত হওলা হইতে সন্তব্যঃ 'নাই স্ক উৎপত্তি। মারা' নামা ও স্বাধার মত 'নহা' হয় নাছ।

নিকট দল্পকেঁব আর একট শন 'নহিলে' (নইকো) সম্ভবতঃ না—হইকো নহিলে।
সংস্কৃত বিনা লক সাহিত্যে আছেন, গোকমুখে বিনা আখা 'নইলেয়া' ব্যবছার। উহাকে বাজাপা
আবারের শ্রেণীতে গুলি দেওছা যাইতে পারে। জিলা, চেরে, পোক, হটতে প্রাকৃতির সজে এক
শ্রেণীতে বিদ্যার। "গুয়ার নইলে অসুণ, হাব"—এছলে নইলে নমনুবা।

আৰু একটি জিৱাপৰ আছে, নাৰি = পাৰি না । আমি নাৰি, সে নাৰে। বাওনাৰ নাজৰ কেন্দ্ৰ, কলচিৎ লোকমুৰে। পদা শাৰিকোৰ ভাষাৰ দেখা ধায় না নাৰিব, নামিব, নামেন্দ্ৰ, প্ৰাভৃতিৰ ৰূপেৰ কৃষ্ণিপ্ৰয়োগ মাইকেল কবিভাছেন।

প্রীরামেক্র হুদ্দর তিবেল।

পল্লী-কথা#

অভ এই সনবেত স্থীন ওণীর সক্ষে বে ঐতিহাসিক বংকিকিং লইয়া উপব্লিত হইয়াই, তাহাতে ববি ঐতিহাসিকের কোন লগছা প্রকাশ পার, ভজ্জান সক্ষেত্র ইন্দিন কিলা কিলা করিছে। সে ইজার বশ্বতিভাগ বর্ত্তবান প্রকাশ প্রকাশ করিছে, ভাষা কেবল করিছিনির প্রতিভাগ ব্যৱতান বিভাগ করিছে। কেবল করিছিনির প্রতিভাগ ব্যৱতান বিভাগ স্বাধান, তাই সামবা এই প্রকার গুক্তার কার্য্য হয়কেশ করিছে প্রস্তৃত্ব হইয়াই। বিশ্ব বিশ্ব স্থানার

কাৰিত্য,প্ৰথিকত প্ৰত ধন আলক অনিকেশনে প্রিক্তঃ সাহিক্যা-পরিধনের ছাত্র সঞ্চালপকে কিছল জাইবেছার ক্ষান্ত কলিত বহুতবা, ভাষার দৃষ্টাত্র ও উচ্চানিগের "বসাবন্দ্রনের কল প্রধান কাম্বন্তু ক্ষান্ত্রকানিক ছইল। সাল্পাল্ডস্ক

মধু শহুরা মধুচক্র রচিত হয়, হয় ত বলের ভবিষ্যং ঐতিহাদিক মধুচক্র ক্রানীয় এই সকল।
ক্সাবিশুও দেই প্রকার সহায়তা করিতে পারে।

সচরাচর পল্লীর ইণ্ডিহাসে বিশেষ কোন উল্লেখযোগ্য জসাধারণত দৃষ্টিগোচর হওয়া সন্তবশক নয় বিনাই যে ঐ ইভিহাস সন্থািত হইবার যোগ্য নয়, একথা মনে হব না। বর্তমান প্রকল্প আছিও আলোক দেশের অপেকারত আধুনিক কপাতেই বিশিত, যদিও ইহা বসের স্থাত্তম আপবিশিবির তথ্য পূর্ণ ববিরা স্থানীর লোক ব্যক্তিরেকে অত্যের চিত্ত আকর্ষণের বোঝা নহে, তথাপি এ ইতিহাসও একদিন অতীতের ইতিহাসে পরিশ্রত ইইবে এবং পল্লিকাহিনী হইপেও ছই চারিটি নৃতন কথা ওনাইতে পারে, আলোকাশার ইহা স্থান্তপের সমন্দে উপত্তিত করিতে সাহনী হইতেছি। প্রবল পরাজ্ঞান্ত কোন রাজা জন্মতাংশ বা রাজত করেকালাই; বন্ধান্তবির বার্থী বিলোহ ঘটনা ঘটে নাই; প্রাচীন কীর্তিক্লাপের স্বন্ধান্তশক্ত আবিষ্কৃত হইতেছে না বা বিশেষ মহাবিশেষ ঘাবিংশতিবার আক্রমণ করিবায় অবকাশ পান্তনাই বিলায় যে কোন শান্তিপ্রিয়া নির্মিত দেশের সামান্ত ইতিহাস ঐতিহাসিকের চক্ষে আলাক, একথাও আনানিগের মনে হয় না : কাবণ গতিহাস—ইতিহাস, আড়ম্বর নহে এবং প্রিয়েক্ত ইতিহাসে দারিয়া ভিন্ন কে কনে ঐপ্রেয়ার আফ্রমণ করে হ

নদীয়া জেলা চাতিট মহকুমান বিজক:—মেটামুট বরিতে গেলে, দক্ষিণে রাণানাট, পূর্বের কৃত্তিয়া, মধ্যে চুড়াজালা এবং উত্তরে মেংহরপুর মহকুমা। কেবোক মহকুমান স্পনীকে চারিটি থানা। স্থামরা তর্নধা করিমপুর থানার এবং পার্থবিত্তী প্রবেশের উতিহানিক জন্ম মধাসাধা গৈপিবক ভারতে চেডা করিমপুর থানার এবং পার্থবিত্তী প্রবেশের উতিহানিক জন্ম

পদ্মানদীর ভীবে মাল্যাবাদ কেবার অথ্যত ললালী নামে যে প্রাচীন প্রাম, ভাষারই নিকটি প্রা ভইছে বছিয়া বা এলালী নদী বাহিল হইয়া ধৌড়ালহ, মোলাবশ্র, গোঘাটা, বিহুট, লোয়াড়ী প্রভৃতি স্থান অভিক্রম করিয়া নঘীলের নিমে গলার সহিত সন্মিলিত হইয়াছে ই করিমপুর জলালী প্রাম হইতে আটাকে শ দূরে এই জলালী নদীর পূর্বপারে অবহিত ই ইয়াই নিকটে লাহিত্য-খাত শ্রেনানার নহর্মা মেহেরপুর এই ভৈরবেরই উপরে। 'য়াইটা'র নিকটম পরা হইছে 'হাওলা' 'মাথাভালা' বা 'চুলী' নদী বাহিল হইয়া শিকারপুর, চুয়াডালা ও রাল্যাবাটের নিম্নান্ত্র গলার সহিত মিলিত হইয়াছে ৷ করিমপুর গলার হইছে হেলাবালা ও রাল্যাবাটের নিম্নান্ত গলার সহিত মিলিত হইয়াছে ৷ করিমপুর হটতে হেলাবালার বামে করা নাইছি মেলাবাল্যের নিকট কলালীর সহিত মিলিত হইয়াছে ৷ করিমপুর হইছে হেলাবালার আই আলাই নহীম্বন্ত ৷ প্রভাগ হইয়া বাহালার ভাই আলা নাইছিল নহীম্বন্ত ৷ করিমপুর হইছে মেলাবালার আই আলাই নহীম্বন্ত ৷ করিমপুর হেলাবালার আই আলাই নহীম্বন্ত ৷ করেমপুর হেলাবালার হেলাবালার আই আলাই করেমপুর হেলাবালার ৷ করেমপুর হেলাবালার লাইছিল নাইলাবালার হেলাবালার হিছে বিলিয়ার হেলাবালার হিছে বিলিয়ার হেলাবালার ৷ প্রত্তির বালার স্বাহানার ৷ করেমপুর হেলাবালার হেলাবালার ৷ প্রত্তির বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার হিছে বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার হিছে বালার ৷ বালার হিছে বালার ৷ বালার ৷

্রবেশামে বাণিজ্য ব্যবসাধের বিশেষ প্রোণ ছিল, <mark>আজ সেখানে পে সক্ষ কার্যার পোপা।</mark> পাইতে বলিয়াছে।

ক্রেন্তাদেশে ২০া২ েক্রাপের ইধা মচকুমা ছিল না; পরে করিবগুরে একটি স্থাপিত বর, কিন্তু তাহাও কেবল ছট বংগার ক্ষিক্যা মেহেরপুরে উঠিন বার । বেহেরপুর বেরপ স্থানে অব্যক্তি গুলা মহকুমার পান্ধে ছিলো অন্তল্যাকী। মহকুমা উঠিয়া ক্রিক্তি ভারতি কেট্র অভিনয় ব্যালা নিয়ে ভারার উল্লেখ করিছেছি।

নদীবন্ধন বলিয়া এই প্রদেশ নীল আবাবের বিশেষ উপযোগি ছিল। স্থবিখ্যাত গুরাটান্নী পোলানি এই প্রবিধা দেখিনা এই অক্ষরে আনুষ্ঠ করি নীলক্ষী আলিই করেও জ্ঞানে লিক্ষারির, আনুষ্ঠার, আনুষ্ঠার, আনুষ্ঠার, বর্তমান কক্ষরের জ্ঞানিক্স, আনুষ্ঠার, আনুষ্ঠার

পুরোমিনিক মনীবন্ধগভাট এই প্রান্থান ভাষীনিক্ষা প্রান্থান কাবণ। উলিখিত বিভিন্ন উলিবিত করি প্রপ্রান্থান প্রেই প্রান্থান ব্রহ্মপানা, তাই বভিন্ন ক্ষত কোই প্রথমে এই মান্থান কার্কাই ইন্যাভিনা। এই প্রান্থান কান্ধানিক ধনী মা গ্রান্ধান দুই হব না। বনিতে পেনে ক্ষত্র করি মান্ধানিও প্রান্থান ক্ষত করি মান্ধানিক ক্ষত করি করি মান্ধানিক করি করিবানি ব্যান্ধান বিশ্ব করিবানী। সাম্পত্র প্রান্ধান কাম্পত্র মান্ধান হিন্তান ক্ষত করিবানী। আম্বান্তান সাম্পত্র মান্ধান হিন্তান ভাষত করিবানী। আম্বান্তান সাম্পত্র মান্ধান করিবান। উলাহ্যক অন্ধানিক ক্ষতিক প্রান্ধান করিবানিক ক্ষতিক ক্ষতিক ক্ষতিক ক্ষতিক ক্ষতিক প্রান্ধান করিবানিক ক্ষতিক ক্ষতিক প্রান্ধান ক্ষতিক ক্ষতিক। প্রান্ধান ক্ষতিক ক্ষতিক প্রেমানিক ক্ষতিক ক্ষতিক প্রত্যান্ধান ক্ষতিক ক্ষতিক প্রত্যান্ধান ক্ষতিক ক্যতিক ক্ষতিক ক্

উপরিনিক্তি ওয়াট্রন কোল্যানীর সুক্তির বুরীয়াল মারেরদিলের নামেও পারা জীবত চরে বুহুন কামকথানি প্রান বালিও চইয়াডে। কলা—জিলম্ভতকপুর, Berryনগর ইক্সাধি।

अञ्चामभवार्विक काई।-विवत्री ।

গ্ৰন্থাৰক 🚓	नवर्षक	স্ভা
बीद्याम्यक्त मूखसी,	মৌলবী ওয়াহেদ হোদেন ,	२८। भिक्ति मणिवन्ति व्यादक्तन, निक्तक
		প্ৰিনগাঁও সূন, লাক্ষাম
The state of the s	n	२४। अयुक्त माह्रमाध्यमत मात्राण
		উক্টাণ, কুফনগর 🕟
± 147	n	ab । यहस्य कि गदकाव
		গোবিক্বস্র লেন, ভ্বানীপুর
*	19	২৭। কাকী রামজুল আহম্মদ,
		কৃষ্ণনগর, কুমিলা
**	,	२৮। योनवी निवाक्न देमनाम कोपुरी
,		আলক্ষা কগ্লাথ লীনি পোঃ
• **	,, <u>,,</u>	২৯ ৷ চৌধুরী আবছল কুদ্দুৰ,
	•	দীভাকুও, চট্টগ্রাম
···	"	७०। टीयुक मध्यभाष्ट्य ताच छोधूनी,
		ৰাক্দান, বাধনাৰা
,	#	७)। कानीक्षक तात्र कोषुत्री, खे
19	*	०२। अमतक्ष्म तांत्र क्रोधूती, अ
* 10	*	তও। কান্ধী ক্ষাবহন রসীন,
		বোহিতরা, কুমিলা
63	D	का वाराहत वनगर तर्वन
		क्रीगांत त्नाग्रांची
ब ैहितनाथ ८४	नागसन्ति रह	৩৫ ি মি: ডব্লিট হর্নেল, ইন্সপেক্টর,
,		ইউৱোপীয়ান স্থুল
»)	ε.a.	००। ,, कि, छरनिष्ठे बार्क्तन करिः
*		ডিরেটার অব পাবলিক ইনট্রাকসক
ইমতীশচন্ত্র বিচাত্য	٠, ٢	७१। " हे, हि, इन Ph.D, बिलिगाक
	_	माञ्चा ।
ঞ্জিছরিনাথ দে স	ভাশসম বিধাভ্যণ	का। अधानक अप, त्याद, ट्यांगिएक
		करनम, रुकिरांखां
विमाणक्रमाच चर्च,	।गर्थाश्न रद	०३। अपूर्क त्यारिनीस्वारम एक वि.कन

2 137,14	শুমুৰ্ব⊕		সন্ত্য
विनारशंक्रनाथ एथं मन	प्रथमाञ्च वद्	8 - I	विभरेषकात्रन वस्त्र वि, अन
			गर्ड्याने देवीन, बात्रकात्रा
जिहित्यमाच क्व भी	र डाक्छ्यान विश्वविद्यान	8> +	,, इनीमान बांब कीयूरी
			বাক্ইপুর ২৪ প্রগ্ণা
ir	*	KP :	,, ভারাদাদ রায় চৌধুরী 🗳
•	*	108	,, কালিদাস বাদ চৌধুৱী 🗳
ĸ	*	881	्रान्यकाम नाय होतुषी 🏻 🗟
94	> •	84 i	ু হবিষ্ণান বাধ চৌধুরী 🐧
শ্রিপূর্বনন্ত গোসামী	द्येतगण्डम मुक्की	801	ুনিশিলনাপ বায় ডে: মাঃ কলিঃ
বিচারপতি সাবদাচরণ	मदः दीनाः जनाव वर	1 73	ু মাননীয় বিচারপতি রাম প্রাকৃষ্টক
			চট্টোপাধ্যাস্বাহাত্ত্ব C.I E. লাকেণ্ড
	•	85	। মাননীয় বিচারপতি প্রস্থাচরণ
•			वत्नाभागाय, धनाशवांन
श्रीरकशास्त्राथ मञ्चलात	विस्तामकम मुख्यी	65 :	ডाः इतिसन् मस ध्यम, वि,
			৩৭ নং বেণেটোলা লেন
ब्येरेक्स्मक, बाब हाजे।	ituta 💂	4 - 1	
			১२১ नः मत्नोहत्रभारमत् ५क
दीविष्ठिक निक	दीवीदाजनाथ क	621	• •
			ৰাখান্তৰ > নং স্থাকিয়া ষ্ট্ৰাট
শ্রীগারেকনাথ কর	दीखात्रनाञ्च मधावनाज	65 }	" রাও সাতের ভোলানাথ চট্টোপা-
			धार, धम, ध करते नी त्राक्ष प्रशाना
खैवागानाथ ननी	विरवाग्यः कन मुखकी	401	্, নিশিকাল্প সেন, ৩০ শ্রামপুরুষ
প্রিকেদারনাথ মন্ত্রদার	, ;	68 (,, ताला मरनारमादन वात्र ठडेशाम
स्मोनवी अवाद्यान रहारम	स्मार अञ्चलन व्यक्ति	44 1	,, त्योनरी महत्रूक भवी
	an an		ডেঃ শাঃ শ্রমনসিংহ
विशिवनाथ मृत्रानीशाम			,, গিরিজানাথ রাম রসারোড
र्वे।दिक्तांश्रनाथ मञ्चलांब	জ্রিবেদমকেশ মৃত্তকী	691	্,, মোহান্ত মহারাজ গীতাকুও,
6.	9	4	egain
्वातामक्य मुख्की	শ্রীপ্রবেশচন্ত্র সমাজগতি	evi	্, প্রমধনাথ বিশান, ৩ঃ বীডনটাউ
,	-	(» [,, ফকীরচন্দ্র চটোপাধার
			२२ ८ ोवनी दर्शक

দেবালয় বা মঠ ও নৃদ্ধিনের অভাব হউতেও ভারা প্রমাণিত হয়। ২০১ টি মন্দির ও মন্দিদ যাহা দৃষ্ট হয়, ভাষাও সনবলের ক্ষিটি নতে, পাতিছোত্ত চিতা। দৃষ্টাক সকলে খেঁডিয়েই ও জুলালপুরের ভলমন্দির এবং চোলগোড়া ও লোগাছির দৌশনী মন্বিদের নাম করা বাইটিট পারে। দাবিচ্যের স্কল ব্যাধের সৃত্তি সামান্ত ঘাহা গুণ ভাহা এ আকলে পরিস্কিত হয়। এই প্রায়েশের-বিশ্ব ও মুসশমান অধিবাসীর পরস্পর মহল সম্ভাব প্রধামতঃ এই লারিলোরই কল বীলয়া মনে হয় ৷ স্বভাবতঃই এই প্রায়েশের সাধারণ অধিবাসিগণ অভিশন্ন নিরীয় ও শান্তিপ্রিয় ; विरम्य कांत्रम ना विरम्, कांकाता विवास विश्वास वा मामना दाकिकमात भित्र वहेटक छाटन ना । তাহাব উপরে আবার এট দারিলা বৃটিনা ভাষাধিশকে স্থান্ত ভালনাক্তর করিরা ভুলিরাছে। এই মহকুমার বিচারসংক্রাপ্ত কাজ কর্মও অংশকাকৃত ভর[†]। অ**র্জান্ত সেতন ধর্মসংক্রাপ্ত** এক উংস্বালিক্যাপারে হিন্দু মুসল্লানের মধ্যে কথার কথার লার্নালাসি নাই। বিন্দুর পুঞা-পান্ধাৰে মুনলনানবৰ আনান্ধের সহিচ্চ উপস্থিত হয় এবং হুগোংসৰ প্রাকৃতি পর্বা উপলব্দে হিন্দুর জার নবৰপ্লাদি জুলিত ক্ট্যা আমোদ আঞ্লাদ করিয়া থাকে৷ পাণারণতঃ এই উভর সম্প্রাদ बाहात नावशाताक मन्मूर्ग जिल्लान माह । भूमनाबादमत किन्तुराक्ष्य द्याद निविनक्षिक क्य मा, পঞ্চান্তরে ছিলু ও মুসলমানী সভাগীরের পুঞা কবিয়া থাকে, টে পুঞা ঈবৎ পরিবর্তিত আকলের সভানারারণ পূজা নামে অভিচিত এবং দিহি বা প্রধান হিন্দু মুসলমানের সংগা নমানভাবে ৰি ভবিতে হয়। মুসলমটেনর গৃহে না সকল হিন্দু পর্বা পরিবাদিত হয়, ভাহার মধ্যে বন্ধীপুঞা ও অধুবাটী উল্লেখনে গা: সুৰুষ্ঠী পুজাব দমহ ভাচারা কথাৰ কাগলপত্ৰ প্ৰভিমান চরণে অপণ ক্ষিয়া পাকে ৷ প্ৰদল্যানী এক দিবের গানে হিন্দুগণ মুস্লমানক বৃক্ত নিষ্ট্রিত হটয়া সানন্দে যেগদান করে। বেহলা প্রভৃতি ছড়াগান ও কবির গান হিন্দু মু**শ্লমানের ছারা একরে** নীত ত ইয়া থাকে।

ক্ষিত্র উভয় জাতির মধ্যে সাধারণতঃ সন্তাব ও জাচার সম্প্রতি সাদৃশ্য বাকিলেও সূচীভালা বাজতি কংশকপা'ন প্রামে তাহার বিক্ষাচরণ দই হব। কবিত জাতে, এই বৃতীভালার পূর্বের নবাবের দেকি ছিল। এই সকল গ্রামে সাধারণতঃ পাঠানজাতীর সুসলমানের বাস। ভারারা অপরাপর মুসলমানের প্রায় নিরীর নতে, পরত্ব গোবিষ, চুরি, ভাকাতি, লাঠিরালালিত্বি প্রভৃত্তি কার্যে ভারারা প্রায় লিশু গাতে। ইলারা ডেকত্বি এবং হিংল্লপ্রকৃতি। মহরম প্রভৃত্তি কংগ্রেউপলক্ষে ইহারা কিন্দিং ধুমধামপ্র করিরা বাবে এবং হিন্দ্রের গৃহে স্থায়ে লাঠিবেলা কেথাইরা বেড়ার। মুসলমান অধিবানীরা সাধারণতঃ এই শ্রেণীর হিন্দ্রের ও পাঠান। করাজি বলিয়া এক প্রেণীর মুসলমান কাশড় পরিতে কাছা বাবরার করে না ল ভারারই একটু বেনী পরিমাধে মুসলমানজাবালার।

হিশ্ব মধ্যে প্রাথাপ, কারস্থ, রাজপুত বাতিরেকে শূর্মানীর চন্তাল, গণ্ডক ও করি নামক প্রায় সমপ্রেশীর তিনটি জাতি মূই হব । ইংগার বিভিন্ন দেশ্যু উক্ত জাতি অপেকা জানাব ব্যবহারে কিকিৎ উন্নত বিশ্বা মনে হয়। কমিজাতি সাধারশক্তি প্রের্থনের কার্যা করিয়া পাকে। চ্পালেক পাল একখ, চুল গড়ত, রাজান্ত্রা ও প্রতারেক **কান্ধ করেও গঞ্জেরা মুদির নোকাল** কাল্য গাল্ড কুলিল জীলিকানিকার স্থান্থা আনেক। এই স্কল জাতি প্রায়ন্ত্রিক্তর লগালেক্

कापूनी ६ अस्ति क्रिक्टरांगर विस्ति अञ्चलित अध्य मनुसंस नेनी मास्या निवादक, ্রলাও প্রায় জানে না, বিল সান ।। বংব, জলাশায় ও নালাবেও একান্ধ জাভাব। জাই গ্রাড়-्भरमंत्र सङ् काञ्चल मट्क का छोत्रन ककान्त्र सङ्ग्यों मां माक्षः । ११तम् हमार्कीन का उद्दर्शः (वर्षा मन् ক্তিৰাৰ জন্ম ধার্ম হার্ম্পালেজ জন্ধ । ১১ । কি লাখ্যা তার্যের প্রাধান যে তৈয়ায়াক পান্ত, ·平均数2条 5·27 以110、10条8年121届 额1蛋粉(配1图)为17厘米 均1对次制 (1)图解 (1) (组对1次等) (组对1次等) भमन द्रास्त्रः नवातः मुक्तं लाहे । अञ्चलपूरी भागतः स्म द्वाम अग्रहः । ५४ व्यानात कराह शहर आहर मालक भीन शंकीर अवहात करा गाउँ हात अन्यार अन्यार आहेना का ा करता । एक तम्म सांभ करता मा, १० माधावर १, व ५५ फिन्नदा महत् । कश्चि सावते फिन्नुवर्नी, নিলাৰ জন হয়, ১০০ পাৰু পাইছে, বিশ্ব জনাত ছাত্ত বিষয়ে প্ৰান্ত হত হয়। স্থাপাত কংগ্ৰেৰ অন্ধ্য সন্মিৰ্মেইল ও লগ্ৰিট্ৰেণ্টিট পক্ষাপ্তিটী । স্থাসবংগ অমির প্রতি ক্রাইেল আ্যাফিল্ড 國際政務 (* 周花女母) (教育) (表)本) 化氯 电气管 对信息 经数据证 医囊性 医疗红线管 1 一个 不不可以 लारर पंक्रकार को ७७%, अको निष्मुण ३०० ४३ धार, रहेना धनाइन निष्मुदेनिर्दिशक बिक्दिल के क्षाकृतिक करता नहीं। उत्पादनन धनकी च उद्देश है जनामाहिन अमास्त हते स्टिनिक ক্ষাক্ষক কৰিছে নাছে ৷ জানেৰ ক্ষিত্ৰ বিষ্ণাৰ ১ সাৰ কৰিব চালোঁ আম্মান বিষ্ণাৰ প্ৰাৰ্থ প্ৰাণাৰ ১০ ব . क्रेडर में अनुसार पर महिल्ला अपूर्व कर । शोक महिल्ला क्रेडर महिल्ला सहिल्ला है । स्वयं महिल्ला स्वाप्त कर स का के अपने स्वरंभव र क्षेत्र में अपने के हैं। किन के मानामन प्रतिना का अभिने सामित निका प्रदेश को 📉 १९५८ है। माइका महिला कि अमेरिका, व्यक्तिका, व्यक्तिका निकास व्यवस्था कि कार हिला विकास · (4) 4 * 1 * 1 多 實 黄柏枣 解脓(* 4) \$5 5 5 1 4 远郊 精之野花枝子 (b) 5 布段鄉 李[5] 范约[2] 關門解 称[成龍 三年 一一人 人名日本奇尔 知斯爾 植物种属 运行 有的名词复数 美色彩花色 餐桌 辩养 制满度 - अंबरेक नेक्षान्तः । अ०० - इक्षेप्तने क्र दुश्यम् । दश्या प्राप्तिक **व्या**कृष्यम् अपन्ति । धीरा-3.7.4 ここでは、 1977 . A 1974 ま か か か か (で 本で) | 株 Aris か | 株内製物機 (株民事か こと「有利」」を行っているといるとは、大心などできます。 こうしょうけん 神田 神田一一市場 一方 機関機関 一首とできます ্রতালা ১৮১০ - ৯ ১ লাভ বর্ধে উন্তিষ্ঠ চন্দ্র বিভাগে শুক্ত **আনার কুটায়াল পারে**-বেশ্য প্রশাস কর এর পাছৰ ক্ষামান্ত সাহ । কিয়া স্বর্গক স্থানার, স্বর্গক্ষা স্থানিত **পার না** ारक्रमें संकर्णन में केंद्रायां क्षेत्र सहरूपांक शाहितां जिल्ह्योंक । कारणमा शासाव कर्य केंद्र वेत्राता क्ष - सुंहें होता सारकता न असकताही नारकत कमाराजीको भनवक करूँको **मिनाब ८**गाम करिया व्यक्ति सारक 下网)也,依有为什么阿尔利夫,如此知题, 沉满心 斯斯爾 帽壁可图 飞柳母 烟费 购出时期投价 侧角蜘蛛 क्रिकेट **प्रमाश**क पश्चिम नाम हन

 अक्टल नीरणत भाव क राजमात्र क्रमान कांत्रवात्र क्रिण । और कांका मारकरवत्रा क्रवः २।> पत्र দেশীর মামিদারও করিতেন : কৃত্রিম নীল হওয়াতে নীলকার প্রায় এক প্রকার লোল পাট-থাছে। নীলকর সংহেবেরা নীলকার ছাডিয়া ভাষার স্থানে একলে ভাগজোৎ ভাগায় করি-बारक मारक देशहा अनुवर्षक कविता अभीत नितीय उक्ति करतन, এই সকল কাৰণে ইহাতে প্ৰভাৱা অনেক শম্ম বছ পীড়িত হয়। সম্প্ৰতি এ अ शांकात अलम्ब शक्षावेदाहिन एवं निःश निवीर व्यवाता वन व्यविदा मानिए<u>डे</u>टे. व्यविननीय, অমন কি প্রাণের দায়ে কলিকাতা প্রায় ছিয়া বন্ধ ছোট বাট বাহাছরের কাছে পর্যন্ত নালিস कृतिए ताथा बरेवाहिल। यन कथा, अल्लादनद द्यान मरकडे निकार नाहै। अद्य क ठाँच आवात्तव अवदा त्याहमीत, काहात्त अत्यद 'मृनीव' वा 'करमद' म्यूनी देर्गा क र्रद मान, काहान উপর আবার অভ্যাচানের সম্ভ নাই—কুতরাং দেখা বাইতেছে অক্তড়া প্রকার কুর্যার অববি लाहे : गाहादभत गृहेश दलन,--- छाष्टादमत कारण धरन धरेकन--- खरन जात दरदात जनहीं নাবিদ্যা ভিন কি চটবে গ ব্লপেলের মধ্যে এত ধ্যি**ন্তেশ আর কোবাও আছে কি না[্]সন্মের**, এড দৰিন্ত দে বাট এক ক্ৰীনা বাতা পল্লীর পক্ষে নিভা**ন্ত প্রযোগনীয়—ভাষা জনেপে এক প্রাকার** নাট বলিলের হয়। ডাই ভিনটি মেলা ধারা এ **এনেশের মুক্টিয়া, কুম্বলপুর এড়ডি ছানে** থ্যিত—ভাগার একলে নিভাম জীধীন ও ছত্রভদ হটমা পড়িছাছে। হাটের অবস্থা এতেই हीम त्य केटल्लाचंत्रक केनवक नत्था

এ অঞ্চলে রাজা গাটের একান্ত চরবন্ধা। গনীলোক, প্রাচীন সম্পতিশন্ন সহর বা প্রাম এবং বাবসারের অন্নতঃই ভাগর ক'রণ। ১৮৮৫ সালে প্রথম 'লোকাল বোর্ড' স্থাপিত হয়; সেই এইতে অন্নে অন্ন এই বিষয়ের কিন্তুল উন্নতি পেখা বাইতেছে। 'লোকাল্যবার্ড' কৃত প্রধান রাজা এখানে 'সরাল' নামে অভিহিত। এখানকার বড় সরাল জলালী বইতে ক্যানগর পথে কলিকাতা বিষাদে। সংগ্র ত মুক্তিক 'বিলিফ' উপলক্ষে করিমপুর হইতে কেল উসন ভেজামারা পর্যান্ত একটা রাজা হৈছার করা হইনাছে—ভাগ এ পর্যান্ত অসম্পূর্ণ অবস্থান্ত পঞ্জিনা আছে। এই সকল রাজান্ত গকর গাড়ী কোন প্রকারে বাভানাক করে। উপরি উক্ত 'রিলিফ' উপলক্ষে শিকাবসুর হইতে কেন্তুলান্তা পর্যান্ত ১টা থালগনন করিয়া হাউলিছা ও ভৈরব ন্তীতে সংযুক্ত করা হইনাছে। জলা কাম ও বিল্পান্ত না থাকার পুল বা সাঁকো আন ২০টা বাজা আছে, ভাগর নামান্ত নামান্ত করিয়া ভাগর নামান্ত করা নামান্ত নামান্ত করা করিবল্য মাত্র —শ্রমণ্ড আই প্রকার একটা পুল লুই হয়।

পূর্বেন নরী সকল 'বছতা' থাকার, যাতাভাত ও ব্যবসা বাবিজ্ঞানি জল পরেই নির্বাহ 'ছইছা একলে নরীগুলি গুৰু অবচ কুললবে গমনাগমনের কর কেলপথ্য নাই—কুড্ডাং প্রজ্ঞান প্রজ্ঞান বালিজ্যের বিশেষ কর্মবিধা। নিকটভন রেল টেসন পূর্বে ছিল—বুন্দীগল, ইয়া করিমপুর হইছে প্রায় ২৮ জোল পুরবর্তী। একণে বারজোপ বৃধে ভেরুবারা বাবক স্থানে জোল ইইছাছে। ইয়াই একণে নিকটভন টেসন। যান-বাহন সাধায়পড়া গলা পায়ী। ভাষা এক প্রক্রার সন্ধ্রাই জিল।

ইনির-বোদেও প্রারক্ষে অধুনা প্রমনাগমন সম্পন্ন ইইরা থাকে, কিয়া প্রায়া প্রতির জনিশ্চরতার হক্ত তাহাও নিরাণণ নহে—হতর্চজোহার উপর নির্তর করা হলে মান । এতি বংগরই হীয়ার ঘাটার প্রারু পরিবর্জন হটে। সম্মতি নিকটকম নীয়ারঘাটা ৭ জোপন্তুরে জালাইপুর নামক স্থানে।

নিক্ষি এবেশে একাছ কচাৰ। বধন করিমপুরে ক্ষুক্ষা ছিল, তধন তথায় একটা প্রবেশিকা বিভাগর ভালিত হয়; মহকুষা গরিজনিনের মধ্যে উবা উটিয়া বার এবং তৎপরিবর্জে নিকটবর্তী নহেশের পাড়ার একটা মধ্য ইংরাজি স্থা জাতিটিত হইবাছিল। ভালাত করেক বংসর পরে উটিয়া বার এবং পরে কমশেরপুর শিকারপুর ও বেঁছিবছং আনে মধ্যইংরাজি সুম্ম স্থাপিত,এছা। কালক্ষের জাবালাক কট প্রামেই একাণে এপ্টেল্ স্থা হল হইবাছে। অনেক প্রামেই প্রাইনারী বা প্রাক্ষার পাঠাবালা আছে। কন্যাধারণেক হারিছা বিবেশে প্রানাশিকার অক্ষার বিশেষ পাধারণ শিক্ষা প্রাইনারী ভাড়াইরা উটিকে পার না। পূর্বতন টোলের শিক্ষা বাহা আনবংগুর প্রকৃতি কয়েকানি প্রচলির প্রায়ে প্রচলির ছিল একাণে তাহাও ব্যুয়।

শিক্ষার প্লার শিরেরও নিভাগ্ত ছুর্বনা। কেঁচোডালা, বনশেরপুর আর্কৃতি করেকথানি আবেধ ব্যালনান লোলা নালক ভন্ধবারেরা ভাষাবের উচ্চে এক প্রকার দালা দালা কাল চালাইরা পাকে—সোটাগান, গ্রেছা ও কাগছ গ্রুতি ভাষাকে প্রজ্ঞত হইয়া থাকে। কুনারের ব্যালার এক প্রকার বারাক্ত গোড়ে আছে। কুনার লালীর পালেরা শাঁথ হইতে এক প্রকার শাঁথা প্রকৃত করে—ভাষা শিল্প ও ব্যবহার উভর হিসাবেই ক্ষেত্র উল্লেখ্য। উল্লেখ্য স্বধার নিভা ব্যাবহার আর্কার আর্কার আর্কার ভ্রুত্ব—বিভাগের শার্কার আই শাঁথার ক্ষাবহার আছে।

পূৰো বেশ বিবেশের বৰতাধনারের কোন স্মান্তনারশ্রট ছিল না । সংখ্য কেনণ করিমপুরে ক্রমনাত্র পোটাফিল ছিল, ভাগা হইতে আম আমারতে সম্বাহে এক আধনতে চিটিপত্র নি'ল ছইত। একানে বেঁড়োগত, শিকারপুর ভাষকাশরপুরে গোটাফিল ছালিত চলবাতে।

্ৰত অঞ্চলে আলেবিয়াৰ বিৰেধ গায়ৰ্কাৰ নাই। পূৰ্বে ২০০ আনি আমে পান্তিক চ হাছুছিয়া বৈশ্বমান ছিল, ভাষাৰ জানে একলে কমেকবানি আমে পালককা ভাজায় আনী ৪ মইবাছে।

पर्यनिवात कहा अध्यान हरेल व आरमात्र वित्नाच आह नाहे। यामान्त्री नाक्ष्मश्राम विवास। मक्ष्मात्म तानाक्षणा दश्य वांत्रा विद्याणिकः। क्षिकारन तानको देवकवस्थानको, लाह्यानाद्य यहा 'क्ष्राक्षणा' नात्म क्षणी मन्त्रता कृष्टे व्याः क्ष्मिकारन यहा आहित्य व्याः आहित्य व्याः आहित्य व्याः आहित्य व्याः आहित्य व्याः व्यः व्याः व्य

চিন্দু পূজাপাৰ্যদের মধ্যে প্লবোহণাই প্লাধান। বৈক্ষাৰক্ষীবৰকী ৰশিয়া ক্ষাৰিকাংল গুহেই প্ৰকাশি প্ৰথা নাই। অক্ষান্ত পূজান মধ্যে কাৰীপূজা, গৰীপুজা, নৱগতীপুজা, বিব-পুজা, ক্ষান্তিক পূজা, চড়ক, লোপ ও স্বৰায়া প্লাক্ষিক। প্র প্রবেশ কান্তন্যাদের শেষ তিন্দিন ঠক্ঠকে নামক একপ্রকার উৎসব হট্যা থাকে। প্রদাবিধি বা প্রশান্তির অধিটানীকে সভট রাথাই এই উৎসবের উদ্দেশ্য। সভারে প্রান্তালিক প্ররম্পীরণ ক এক প্রনি মঞ্চ মিন্তির স্থপুত্রলি মৃং প্রধীশ কাইন প্রান্তের বাহিত্যার কিনিকট বৃদ্ধুলে তালিত করিব। এক একটা আলাইরা রাবে এক ব্যবহার আহিলাকে সমবেত বন। এক সমবে পরী-বাগাকেরা কলার নাস্না, ছতর বা শুক প্রান্তর আহিলাকিত ক্ষি বিধিয়া আহিলাকা প্রান্তর ম্বান্তর ক্ষার্থার থেকা করিবা থাকে। ক্ষান্তের হাতেই হন্তপরিমিত ক্ষান্ত্রীকরা আগ্রান্তর মাধ্যাবিদ্ধান করিবা প্রকার প্রান্তর মাধ্যাবিদ্ধান করিবা প্রকার প্রান্তর মাধ্যাবিদ্ধান করিবা প্রকার প্রান্তর মাধ্যাবিদ্ধান করিবা প্রকার প্রান্তর ক্ষান্তর ক্যান্তর ক্ষান্তর ক

আমাদের পেশের পুলা ওঠা ভাতির বেশে সাজে। লগ্য গণ্যক করে মৃত্যু, লোধার বিকলি হুয়োরে বিচয়, শামরা ধার ওলা ডুঠির কেবে।

স্থ নেবেশকালে চাট চাট দল বাধিয়া প্রাচোজনকলে এইক্সপ আবৃতি >
প্রা:—ন্দর কেন আলো ৮ টি:—সবাট আছে ভালো।
ক্ষোরে কেন হাতা ৮ গিরি বছ মাতা।

ভিয়োরে কেন মাটি ৮ স্বাট লোহার মাটি।

চৈত্ৰ-সংক্ৰাতিৰ সদৰ বাব এক প্ৰকাৰ উৎসৰ এই প্ৰাংশ শেষ 'বৃদাৰ' বাবে। চঞালঞ্জীয় 'কন'লা ২২ চংগৰের প্ৰধান উদ্ধিত কৰি কৃষিত হয়া আহারা বৃদ্ধানহকাৰে কৃষ্ণবিষয়ক ভড়াইত পূৰে স্থিত বাল্যান সহিত শভক জীবান কাইছেন বাবী, তম লো বা নক্ষাবিদ্ধান্ত জীৱান কাইছেন ব্যক্তিত হবৈ উঠে।

সময় বৈশাৰ আৰ্টি ধহিনা ও এবেশে আমে প্ৰাৰে আন সক্ষাম পথ নবম্নতীন্ত্ৰন ইত হত্যা থাকে; ভালতে ভন্নতি অনেকেই মোগনান কৰিবা বাকেন—আলক সাত্ৰ এই সকীৰ্টন মধ্য মনামনিকে পৰিশক হয় ।

এই বৈশাধ মানেই 'প্যাপুত্র' নামে একট উৎসংখ্যালিকাটের মধ্যে পানিত ক্রি ব্যালনে ভোট পুত্র কাটিনা কংশারে বৃৎপ্তনী এক বিশাসভার সাভাইরা বালিকানর প্রতিদিন পূর্বাহে পূলা করিয়া গাকে। পূলার কানে এই বৃদ্ধানী আযুদ্ধি করা হয়—

> श्वान्त्रम् मृत्यवावा—देक करणदे कृत्य देखा है व्याचि गठी निवयि । गांड कारे द्यांग क्रांब्यकी । वादी निवस्त शूब दकारन,— यत्रन वह स्थान क्षाब्यक्त । बीहरक ना द्यांच वाक्यक्त महन । व्याच नाह देखा निवाहबीह क्षाक ।

এই বালিকাছিণেক্লমধোই আখিন সংক্রাঞ্জিইতে কার্ত্তিক সংক্রান্তি পর্যায় আরও একটা উংসব গালিত হয়—ভাহায় নাম 'ব্যপুকুর' ইয়ার আগুবলিক ছড়া—

থালাঞ্চা কল্মী ওপ্যধ্ করে। রাজার বেটা পক্ষী মারে র মাকক পক্ষী কৈরৰ বিল। সোণার কোটা, রূপার থিল। থিল খুল্তে গাগ্লো ছড, আমার ভাই বাপ লক্ষের। বিক গল ডাক গড়ে— রাজার মাধার টনক নড়ে।

ই। বিধা সাৰিত্ৰীপ্ৰত প্ৰভৃতি অনেকগুলি প্ৰত অস্কৃতি হয় — ই স্কল প্ৰতেৱ সকলে কংশ হং ন বিশেষত নাই। বৈশ্বইমানে প্ৰয়মনীগণ পৱিপ্ৰানে সমবেত হট্ডা 'বনভোকন' উপ বিধা থাকেন। আহারাদির ব্যাপারে এবং ধনী-ধরিছের এই মধ্য মিলনে উৎস্পর মনো

हि झनता ७ स्वय किन লমানদিগের মরোও ব্যাধিপ্রাশমনার্থ (সাহারণত ওলার্ডা) ছাগ্রমপ্রথা ভিমেন্দ্রোপ্য। ঐ মুখ ছালের রক্ষা বংশালে শুনার ক্ষামিল পরীক্ষেত্র

বীতি ও প্রধার মধ্যে অভিকাগ্রের বাধাবাদি প্রধার বড়ই বাড়াবাছি, দে গৃহপ্রাদণে ক্ষা 'য়ামকুডে' নিকাণ করিয়া ভাষাই অভিকাগৃহ ওড় বুলী মাহাই হউক, প্রতিতি নক্ষপ্রতে শিশুসন্তানসহ ধন ধিবদ ক্যিতে বাধ্য হন। অনেক সময় ই র কুফল হাতে হাতে ক্রিডে বর বিহর ইয়াল শিশাবাধি ক্রমে শিধিল হইয়া আসিভেছে। অভাভ প্রধার

নিষৰ গোলপাতা, বোললা বা বিচালি ব্যবহুণ হয় না। মিনের লাগালেওঃ থড় দিয়া (কেলো বা উপু) চাল ছাজনা হইবা ব'কে। গং আয় স্থিকা শালে গঠিত। অভিকরের আন আনেক থুলে বালের কড়িয় গোলালে মানিক্তি। প্রভাত হয়—এল ঐক্তেশ কডকটা বিভাগ গ্রেম কাল করিবা থাকে।

ত প্রের্থ ক্ষা ন্বের মধ্যে আন ও কাঁঠাল প্রাচুত আনো। আন কাল নতে। কাঁঠাল ব্যান্ত প্রাচ্চে এবং কাঠের আবহাক হার একটি বিশেষ প্রেরোকনীয় ক্ষা। করিয়েরা কার সমত প্রাহ সামাজ আনের সাঁতক কাঁঠাল বিদ্ধ আবাদ করিয়া ক্ষাণ ধারণ করে। ত বং কেন বুক ভাল কলে না । আকালে বটবুক আহিল চুই হয়। শ্রেটিটো প্রাথান্ত কাত এই কের সাংখ্যা লায়ও কেনী হইয়াটো। মাজিয়া প্রাহে একল প্রাহার আবাদ ক্ষাণ কর ক্ষাণ প্রায় কাণ বিহা আনিকে ভালের ও বিহা কাইয়া হাখিলাছে।

বুলি ও জুল ওপান সজাও ছিলে' **বা বিশ্বৰ নৈত্ৰে আৰ্থা**ৰ ১২০ জোলা ছিলাৰে **ক্ৰেন্** বুলিয়াও নীৰণত সাকাছ বায় সোৱা নিলো। মংক্ত এ অঞ্চলে মুপ্রাপা। একে জননীয় জভাব, ভাষার উপী 'মারবারি' 'কেঁয়' বিজ্ দ'কে বিংসানিবারণার্থ পড়িয়া নদীর জলকর লইয়া হানে স্থানে পার্যারে বাবস্থা করিয়া দিলাজেন: উপ্ল নদীতে মংভবিংগা নিবিদ্ধ: নদী ও জলায়ু জভাবে ভাষবাসের বেরূপ অস্ক্রিণা, গোলির জনিয়াও বিচালির জভাবে গোল বাছুরেরও তালুক কুদিলা। বেরূপ ইইরাজে ভাষাতে দণিত্তরের স্থানিগা টুকুও সম্বর্থ লোপ পাইবে।

জীবজন্তর বোন বিশেষত নাই—চিন্তাবাধের সামার উৎপাত আছে। অস্ত দেশের মত চত্মান্ বাধ্যের উপদ্রব নাই—হাতা কিছু বৌরান্ধা তাতা বন্ধ শৃকরের। সপসিংখ্যা সন্ধ নাই হ বিশ গাল না থাকাতে জলচর পন্ধীর একান্ধ আভাব; অন্ত পন্ধীর সংখ্যা ও শ্রেনী। ওচ বেশী নতে। কাক—অল।

এ অঞ্জনের কণাবার্গন্ন এক প্রকার টান বেলা যান। উহাতে মূর্লিলাবানের কথার গ্রহার স্থানির উথাতবং অরপ কেন-ক্যানে, তেল ভাগে, বেল-ব্যাণ্ প্রভৃতির উল্লেখ করা যাইতে পারে। পারীন ও অঞান্ত ইত্তর আতির মধ্যে অনেক নৃত্য শক্ত ব্যাস্থ্য হয়। যথাত

কুট্ট বা কৰি	(८कावात्र ।	কাম সপরে	(दशकाका)	
শোৱাস	(* (*)	ভাষির	(टब्बर्)	
শৃহর	· ५ ०६)	* ? ?	(আৰ)	,
রাম	(a (*)	काम	রাম (নাম)	
/参门对约	र श्रोद्यायम् ।	টি*দ্করাপ	(क किमान)	4
46	(本位)	ভাবির,ভাবাস	(डेब् (टबाका)	,
ছোড়ান্	। চাৰি)	भ उन	(भगा)	,
কিবা ণ	(নরজাত উপনের কার্ণিশ)	চাজাল	(क्रांच)	T.
कें है कान	(বৌজা)	শেকুর	(किडाम)	
CHITTI	(संद्राम)	कान्द्रीय	(Wisia)	
উ लाभ	(नाकार)	वार्व 🖟	((ब्रक्) वि	
ভীর	(क कि)	মাহাতাপ	(श्रमनाम)	
क्टिशाबाह ्ति		₩		. ₁₄
একাব্য	(একাগুড়ি)•	718 §	(পাঁচনধাড়ি)	Ý.
শীড়া	(महित्र नावक)	***	(****)	V
পেট্	(44)	lá t	পৌহাড় (জঞ্চৰ)	د. دون
कविश्वद्	(**(******)	শয়াশি 🖟	(জীয়)	, ;;
श्वमाति	(श्वमंहे ्)	ejei 🐧	(% (si)	,
ক ড়িকান্ট্য	(ৰঙ্গ ৰাভাদ্)	A.	(भक्त गाड़ीक लांदन	ì

y. 15(8	्र रहेल अधि)	• চেরাক	(বা'ভ)
W 41.5	(a (**))		(45)
W (4)	(**)	e in	(কুংসা `
सं त्रक्कें, कशक	n, derni, 35 and - 1	र्ष ् का	
李 4, · C	का दोक्कि।	বাৰ খো	(भारता)
*	এ তাম ে তথানিক শ্	त्व साईकाञ्चल स्था	
* *	· Med.	লেম রাপ ,	निवाल,
₹ * ₩,	着种 · 55,	* *	≪।य;क
*育株	edect,	८ अस्ति ।	at,
4 (.4.*	C* *[3",	X :24	RESULTA, CHINA I
	গ া তীৰ চ) 4 1	

乡原, 解散, ge, Angel, N.W.

ह . 🖟 २,५५,५-। व्यन अन्य बराज समित्र में व । समिताब जोका प्रवाहनार स्विध ভাকাল ইছা। কটি ব্যাক্ত হেল্লক জ্বানা। স্বাধাতি না ট শ্বিৰ ছাৰ্চনাত্ৰ বাৰ মাজ ব্যাচ নৌকা इल्लिक १ क्रेन २१- करन नारमहानदक हैंद्रील माहे-- इक्क क्रिक्ट का माहि । उत्पासन कारीय कार्यवराणी कर व्यक्तिकारण है कारवाडी स्माक, अब्द वाल करेगक कर्ममंबो हाम मान है सामित कार आवक्त संकार स्थापन कार्यकार १ करा १ कार्यकार स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन गर कर स चाकु अवस्था स ची,स्राव्य नेवारिक करिका शांक छोताल स रहेता सरवानिक सेर् ार्थः एकार्यन् तस्य कविष्यं स्थान्तः। अञ्चाकः स्थाक्ष्यस्थान्त्रः स्थान् । अञ्चाकः स्थाक्षः स्थान्यस्य <u>- ০০০ নাম উল্লেখনের । ইনি শাসন্ত অবস্থা ছইছে ক্ষান্তবলে একজন ন্রাইড়াকী</u> া ভা ভা বৰ এউট্টিছ ১৯৫৫ - পুনেৰ তাকবাৰ জন্মানে সৰকুমা স্বাধিষ্ঠ কয়, কিন্তু কয়েৰ বিশেষক कः नव ान कमारे ान्य त्याद केत्रा यावः जनाम बाना बाद्य बनिवा भावदश्री खावधीन प प्रमा । ११ । १७०५ मण्य श्रादाण्य । अवस्थि वर्षात्म वर्षात्म स्थादम् । अवस्था स्थाने विका ं कर रेन । कोने ऐनं रोप्टाकी विश्वासन किया**न अवस्य अवसी पारियाला कारन बाज** र

্ষ্যাপার্য রা — প্রত পারী পূর্বে জনাকে ক্ষাকে ব্যাপের বান ক্ষিত্র— ক্ষাক্রিক ं ते का र तथा प्रतिकार के व्यवसाय । जानकी जानका आहे जात्वाच । कंकीपूर्व ६ व प्रतिका लागु अपने कारण (1985) नारात्री सोमालक बावठी ५०**०० नाराः निकाय स्वत्रावस्य आरम्** ा । ितार के रन । । । । । यह गाउन सम्मूर्ण आवत मण्डरानंत के हुई क्षांस लाविकालि े हैं इस है भिन्न अन्य कर तर है किया और अधिकार कि निवास निवास अधिकार ावहें र १ १ मा मा मा मा का वहाँ का साम धारत करतन । किन्ति पाक्रिका स्थितान

ভ বিচক্ষণ থাকি ভিলেন । সাম ক্ষমভাক্ষে তান ৭ টাকার মুছরিগিরি হই জিন্তু। দর্শিনাবার্কী ক্ষেণার নগান্তর-নাজের দেবলান ক্ষমভিলেন এবং বছলিন পর্যান্ধ ভার্কী করিলা যথেছিল বাতি ও স্পাতি ক্ষান্ধনা করিলা যান। বর্তমান বাস্ত্রী ক্ষেণ্ডি ক্ষান্ধনাই ক্ষত। ইনামন বাস্ত্রী ক্ষান্ধনাই ক্ষত। ইনামন এক প্রান্ধনান বাস্ত্রী প্রান্ধনা করিলা হলেই ক্ষত। এই বংশ এক্ষেণ্ডে ক্ষেণ্ডি আনিক্ষ ক্ষান্ধনা প্রান্ধনা করিলা হলেই আনি ক্ষান্ধিন করিলা হলেই বাস্ত্রী করিলা হলেই বাস্ত্রী করিলা হলেই ক্ষেণ্ডি ক্ষান্ধনা ক্যান্ধনা ক্ষান্ধনা ক্যান্ধনা ক্ষান্ধনা ক্ষান্ধনা ক্ষান্ধনা ক্ষান্ধনা ক্ষান্ধনা ক্ষান্ধ

- পার করন বিলাল করে। তারে নিগাল বালালের অভিনাল বালালের বালালের
- (य) द्विष्टिमान् -- भगवी जीवय देश व्यक्तशावि यह व्यक्ति वीता जिल्ली राजुल आरमत व्यक्ति क अधान करीकात। वहें क्वियुक्त करण्य मुक्तकर्य कुलिशायत्वक सन्दर्भ आरमत व्यक्ति का अधान करीकात। वहें क्वियुक्त करण्य मुक्तकर्य कुलिशायत्वक

পাড়াব নিম্নিটা প্রবাহত হিলা, এপনে বহুদ্র সরিয়া গিয়াছে। পুর্বেষ জগালী যখন বৃহহ লানী ছিলা, তথন কলিব পাহতৈ গৈছিল লইয়া গলাঞ্জালী বাহিনা বড় বড় স্থানার ও নৌকা এই পথে পরা হইয়া বহুছানে বাইত। উপরি উক্ত বাজ্ঞপাড়ার একটা বৃহহ আম বৃক্ষ আনে। উহাকে লোকে 'বজরা-বাধা' গাছ বহিরা থাকে। সন্তবভঃ কোন এক সময়ে বড় বড় স্থানার ও বজবা ঐ পাছে কাছি বাদিয়া অবস্থান কবিত। গ্রামে চৌধুরী বাবুদের একটা প্রাচীন মালর আছে। উহাদের গৃহহ একটা পাতাল হর' আছে—ভাকাতের বা বলার হাত হইতে ধন প্রাণ বাচাইবার জন্ত সেকালে মাটাব নীচে এই প্রকার ঘর প্রস্তুত করা হতা। উক্ত গৃহহ করিছ গছে করিছ লোক বিধিত আছে। গ্রামে একটা মাইনার-কুল ও একটা প্রামিত আছে। প্রামিত আছে। প্রানিয়াছে।

- (৩ প্রন্সল্পুর—হৈরব নদীব ভারে একগনি পার্টান ও রহণ স্থাতশালী ্রাম ছিল। একণে সে ভৈষণত নাই, প্রামেল শে কল্পীইছত নাই। মৈত্র ও বাল আলাগালী ব্রাঙ্কণেরা স্নাদিন আভিশালী অভিবাসী,। এই প্রাচীন গ্রামে পুরের ১০০০।১২০০ ব্রাঞ্জণ ভ অস্তান্ত আনক লোকের বাস ছিল, একাণে তাহার এক চতুলালৈও নাই—সেই সকল ভিটার উপৰ ভব্ল জনাইল একণে মালেরিয়ার সাকর ভূমি হ**ই**য়াছে। পুকো এই প্রামে সন্ধীত বিভার বিশেষ ৪৯৮। তিল। কারস্থ বংশার সরকার বাবঁবা প্রামেশ অমীলার। शुर्क आत्महे देदे। तत्र निष्कत्र नीलक्षेत्र विन । देदे ता आठीन वरण, वर्तनान अमीनादत्रत 🎉 বৃদ্ধ পিতামহ 🛩 ভাষেত্র-সব ববকার একজন প্রম কৃষ্ণভক্ত লোক ছিলেন। । ধান ধানন, অভিথি শেবা প্রভৃতি বহুত্ব সংকর্ম দায়। তিনি এ প্রদেশে রেশ প্যাতিশাভ করিয়াভিলেন। ৰীয় গৃহে সুদাৰনবিহারী বিতাহ প্রতিষ্ঠা করিয়া সম্পত্তির অধিকাংশ পূজা ও আভিথি সংকারের জন্ত বেৰোত্তৰ করিল বান। ভৈতবেৰ শুক্ত গতে দীর্ঘিকা ধনম করিয়া অংপার্ম্বে ৮ জগদার নেবের গুয়াবাদীর অন্ত্রুরণে গুয়াবাদী দামে একটা উদ্ধান প্রস্তুত করেন এবং তথার তুলদাবিহার নামে একটা মেলা স্থাপিত বরেন। উল্লিখিত বিশ্রাক্ত পুলোপলকেই ঐ নেখাৰ জন্ম। কালক্ৰমে ঐ নেলা উঠিয়া গৰাছে। উক্ত শ্ৰমীৰার पृष्ट पानराज्ययः वड भूष्रधाम किल-ध्ययन । এই क्ष्मनात निम्न हारा धारकवारत नुश्च हम নাই। স্বল্পত সর্বাডে:ভারেট গ্রামটির এখন গুদ্ধা। প্রাচে একটি উচ্চ প্রাথমিক বিস্তালয় আছে। একট ডাকারখানাও আছে।
 - (চ) আনবপুর—ইহা একথানি বৃহং গলী—ইহারই এক কংশের নাম হারিপুর।
 এই বহু প্রাচীন প্রামে বহুসংপাক ব্রাক্ষণের বাস। পূর্বে এই স্থানে সংস্কৃত ভাষার বিশেষ
 চর্চ্চা ছিল এবং এই কিন্টা চ্পুলাঠা ছিল। শাল্পবিদ্ বে সকল প্রাক্ষণ পশ্চিত ছিলেন,
 দূর দ্বান্তবের পণ্ডিত সভাগ ভাগারা আমন্ত্রিত হইতেন। একণে শাল্লচর্চা সম্পূর্ণ পূর্বে—
 অতীতের কাহিনী মান। পূর্বেলে জালাগ গিতিতের বংশধরগণই একণে ভামাক খাইয়া এবং
 পালা বেলিক দ্বান্তি গ্রিতেছেন, ব্রুহ কেছ বা নিভাকন্দ্রিভ কোনক্রমে, কর্ম্ব

করিয়া কটে বজমানী রক্ষা কবিতেছেন। শাস্তচটার কল একণে পরচর্চা অধিকার করিয়াচে।
সাল্লালরা এই আঘের প্রাচীন বংশ, পূর্ব্বে ইইাদের অবস্থা মন্দ ছিল না—একণে হীন হইয়াছে।
আঘে ভলানক জলকট—প্রামের স্বনীধার বাগচী বাব্রা একটি বড় ইক্ষারা দান করিয়া এই
কটের কডক লাঘ্য করিয়াছেন।

শ্রীযতীক্রমোহন বাগচী।

- ; **- | | | |**

জয়পুরের জ্যোতিষিক ফ্রালয় দ

মহারাজ স্বাই জহসিংহের রাজ্যকালে বুর্তুমান, স্থ্যপুর নগর নিশ্চিক্তরিশ্ব। সেই সঙ্গে আয়পুরের জ্যোতিষিক বন্ধানর প্রতিষ্ঠিত হয়। কথিত আতে বাজার প্রথমন বিভাগর এই কার্যো মহারাজের একজন বিশিই সহকারী ছিলেন। নগর নিশ্বা ্রারতে তিনি পূর্ত-জারীণ্যের (Engineering skill) আভ্ত পরিচর নিরাজেন। জ্যোতিহ নিশ ও বে তাঁহার অধিকার ছিল, এ বিষয়ে মন্ত্রেক করিবাব কোন কারণ স্ট হরতেছে না। ক্রান্ত্রেক স্থানার অভ্ত মহারথী পত্তিভাগ গণনানি এবং যম্প্রশাননাদি কার্যো আদিই ছিলেন; ক্রান্ত্রের বিভাগতেশ হতেই ক্রপ্ত ছিল বলিয়া বোধ হয়। জন্তপুরের জ্যোতিষিক মন্ত্রালয় ভালি ব পক্ষে এক বিভাগতেশ আমানের একজন বালালীর নার্য সন্তিবিদ্ধান কর্ম আমানের একজন বালালীর নার্য সন্তিবিদ্ধানির বিষয়।

শ্বামাণ অয়সিংহ জনপুর বাজীত দিনী, মণুষা, নারাণ কি বিশ্বনী কালিক পরিমাণে কোতিদিক যদাদি নির্মাণ করেন কাশির মানসাংহর স্থাপিত। অনেকে মনে করেন বে মানমন্দিরত্ব ব্যাদি মানসিংহর স্থাপিত, মানমন্দির নামক প্রাসাদিটী মহারাজ মানসিংহ তীর্থণ এক বিভাগীর স্থাবার করেন প্রেছ করান, কিন্তু যত্ত্বপুলন অয়সিংহের সমরেই হয়। জ্যাস্থাকের পূর্বে ঐ বাটী জ্যোভিষ স্বত্তীয় বাটী ছিল না। বেদবেলাভালিশান্ত অধ্যবনার্থিগণ জন্মপুর হইতে সিরা ঐ ঘাটীতে থাকিতে গাইতেন দ পর্বান্ত ইতে সংগৃহীত অর্থ মানসিংহ এইরূপ ধর্মকার্ব্যেই বার করিতেন। মধুরা হরিষার প্রণাভিত প্রিরাণ্ড করিয়াছিলেন, জ্যা বায় হ

জয়পুরের জ্যোতিধিক বছালর স্থকে আ ্ত্রণা বলিবাই আছে। আমরা, "নাড়ীবলর"
নামক বল্লের পূঠে বে কবিডা কমেকটা লিখিড আছে; ভাষা বথাবধ উচ্ভ করিরা দিলাম এবং
ভাষার বলাহ্যবাদও সংযোজিত হইল। কবিডা করেকটা হে কোন্ সমরে লিখিড হইরাছিল
ভাষার স্থিয়তা নাই, তবে ইহা দারা বছালয়ের আরম্ভকাল নিয়ত হইবাছে;—

"धर्मप्रात्मिश्यम्बद्धित्रवरनाकाश्चा वर्गख्युरवाः । त्रारक्षत्रा वद्यतिः इक्षाव्यवाविष्ट्रंत वस्य त्राताः

न्त्रत् । वर्षविद्याविद्याद्यवसम्देवन्त्राविद्वद्यवाम्बाद्धिन् बर्कः अञ्च वर्षाख्या प्रतिकवान् वत्राम् स्ट्यावान् वहून् । Cशासकात: वर्गन्यान इताबार विकासका क्रिकाशिकरणका । चाकाश्रवान् वहविषः भूनत्क हज्रुहिं वोत्मा व्वक्रिक्षित्रस्क्षम् । मध्यरगणाः ७ विश्वक भार्च दश्य नाकीवगरेत क-८कस्य । क्वाडित क्ष क्ष डमार्ग की मार्ग की मार्ग का का की माना म िकागरशक्तिकै-समारक कार्यन द्वादाबरताहान् नवनव्यवृक्षान् । আঁতাপলিংক বিৰুধা বিষ্ণা জান কাক্ষামান স্বপাৰ্যুগে ৪ चारत' भराक क्षमण **वृक्ष**ण्य अंत्रचीरे**का भू**नता विरक्षक । रेकुं क्रार्थरम् भाव डीचे श्रुती सुक्रांत्रिकान् तनवगरामसूह क ॥ প্রাধিকারী বিধিনে ব**রুক: তার্ত্তিক সংলোহিতদর্শাদ:।** र अबु ्रवाकविकृत नेषु तिरही तरहा कित्रवक्त का व ৰতিনতি চতুৰ পক্তিথি গায়কে বু প্ৰেমণপঞ্জিয়-ক্ষারৈতিরবিদ্যা প্রতিংবঃ ভাব সারীশাক্ত সঃ। नक्त्रविधिक्षमानुक् मह मदबा विवसवादनामानुक् ব্যবস্থা ভ্ৰমণ বৃদ্ধ বাবৈকা ভোগে ভোগে বিভিন্ন

शानरभनंदरः, कांचा (व्यव्या) शार्षत्र द्वान ७ जनतंत्रत तृष्टि त्यविद्या सारवान व्यवितः नाम-व्यव्य तपु-१८९ अवजीर्य स्त्र व्यवः स्वरणकृषि व्यवतास्य प्रकारि वित्रः। व्यवित्रासी महत्रपृष्ट व्यवस्थानिक स्वर्णकृष्टिक सम्बद्धाः व्यवस्थानिक वित्रः व्यवस्थानिक वित्रः स्थानिक स्थानः ।

শান দিঠ আনিবার ইআকে মধ্যাল অন্নিবং বছনেরা জোকিবিং

তিন এবং উইবি শালোক্সভিতি নামক বর নির্দান করেন। ইব্রুর

তিনাৰ বলপেনিস্থি কংশসিভাগবিশিষ্ট আকীবলয়ম নির্দান। ঐ নাকীবলয়ম সমাধ্যা

ভাগে এক কেন্তা। আগতে কেন্তাবর ক্রমক্ষণের সন্ধিত সমস্ক্রনাতে অব্যক্তি কেন্তাব্যাক্ষ

উপার যে গোলাক্ষণিক আছে ক্রেয়ানের হালতে ব্যাক্তির করে করে।

নক্ষা সকলের উপর স্থানির **আনোধন এবং অন্যান্ত্রের বিন্তার প্রভাগনিত্র আন্তান্ত্রির** পিত হং অসমিত্রের **অনুষ্ঠিত ক্লানির নর্মধ্যেক ব্রুক্ত বিন্তার অভিনিধিনর বালা ভুকাইরা** প্রচিন্ত স্থানে তৈত্যবি**ন্তর্ভাইলেন।**

ুপিনীর উপর চেকের স্থিতে হৈ ভাব বাছিলা বিয়াছিল পথা পুর অভিযান কর বিশেষক। মুন্দার উপন্ত বাবে ভার গ্রহণ অধিয়া ইবলোকে অনুষ্ঠীর মধ্যেক। তে স্কল বেশকারে আন্তর্ভার কনতীর্ণ বাবে। তার সাক্ষ্য নিয়াবিলেন ভারাবেশ মনিয়া নিশিক ইউনেন।

erfifte I fefetende fra die eine eine ge vienferen, cantife

अमरन राज्ञशानाज नक, किथि, बांबे अबर सक्क निर्वेष इंडिकेट्स ।

বাদ আ বিনের শক্ষ, তিবি, বার এবং মক্ষা এই, ছারিটার মধ্যে শক্ষেত পা ক্ষান্তিন কৰা বাদ আবং বাকী ভিন উহাতে বোগ করা হন; অথবা কিবিকে ৯ বারা ৩০ করিয়া ইতর তিন বোগ করা হন; অথবা বারকে ১০ বিরা ৩০ করিয়া আবলিট ভিন যুক্ত করা হন; অথবা মক্ষরেকে ২৫ বিরা ৩০ করিয়া আর সক্ষণগুলি ধোগ করা হন, তাহা হইবে এ চারিটার প্রেক্ষেক্টী বোড়শাধিক স্থাপনকাগজাপক স্থানীয়ার অটাবন প্রারা ভাগনক কল হইবে। আর এই অহুপারে গণিত করিয়া প্রক্রিয়ার বিনাইর বিরুদ্ধি হব করিয়া প্রক্রিয়ার ক্ষিত্র বিরুদ্ধি হব করার আই ক্ষেত্র বিরুদ্ধি এবং ঘটনা সময় ১৬৪০ শ্রাকা (অর্থাৎ ১৮১৮ ব্রাক্ত) ক্ষিত্র আত্রব বুরা বাইডেছে বে ১৮৭ বংগর হইল এই ব্যালয় স্থান্ত হইরাছে:

নির্বাদিত স্থীকরণে পুর্বোক্ত স্থিত্তিক্রাটা প্রতিক্রত করিয়া বেওয়া হইন।

- *X30-1+3+0

━ ペスイルナカナギー

* 3880+30

3

a 32 .

শ্বিদা বইন্দে মুখা ধাই তেছে বে, ব্যালয়ত্ব বর্তনান ব্যাসকল একা অধ্যানিক করেন আই।
তাভার পৌত্র প্রতাপনিকে শনেককলি ব্যানিখান করেন। অবনিকের নর্বর কইনে বর্তনার
বনায়ত্ব প্রীনান্ নাবোনিকের সমর পরীক্ত গ্রেডাক রাজাই স্বয়ানিক পরিবার্ত রয়ালরের জীয়ত্বি
এবং উপ্রতিসাধনক্ষে স্বর্থনার ক্রিগার্ডেন। বে বে বছ যে বে উজেপে নিশ্বিত গ্রেডা বে বে
বাজায় সমরে বাণিত বা সংখ্যর প্রাণ্ড তারা পরস্ক্রীয় ভালিকার বিস্তৃত করা বেল।

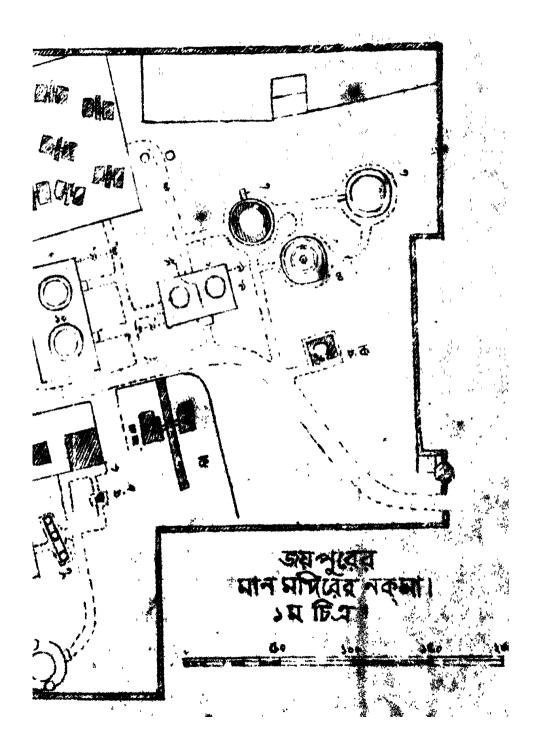
काणिका दर करते इत्या नाम केतान करा तान, तानि गानिक वानक वानक वानक विश्व ना कार्यनिक यह, नाइक्ट वान कार्यनिक वाह, नाइक्ट वान कार्यनिक कार्यनिक वाह, नाइक्ट वान केति विकार होना। वाक्षिक वानके स्टान बाना काणिका- निकित केटक वानीक वालक वार्यनिक वार्यन वालक वार्यनिक वार्यन वार्यम वार्यम

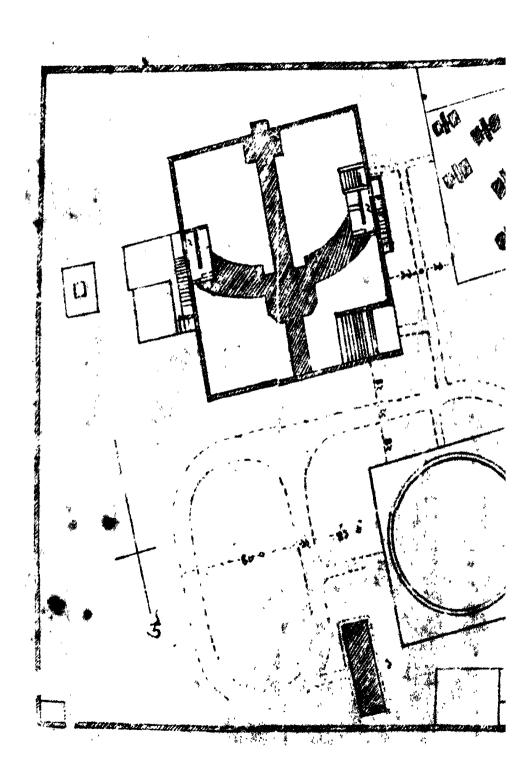
वरणा-श्वांबर्धक वरणाम विकास क्षेत्रकाकि कर्ण श्वित समय वर्षणाम उत्तराय केन्द्रवन्त्र स्वतं क्षेत्रक विराणिति श्वां नीयण श्वांबर्धिक रणांवर्षिक व्यवस्थित क्षेत्रिक व्यवस्थित क्षेत्रक क्षेत्रिक व्यवस्थात केव्यांविक्षण वर्ष कारणाम पूर्वांविद्यान वर्षण क्षेत्रक श्रीतिक व्यवस्थाति क्षेत्रकारिक व्यवस्थाति क्षेत्रकार् केव्यं क्षेत्रं श्वांवर्णकार्षक वर्षा वरण क्षेत्रक श्रीतिक क्षेत्रकार्षिक व्यवस्थाति व्यवस्थाति क्षेत्रकार्षिक

त्वरात्त्रम् यत्र-छामिका।

	## P	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Cefells walks	the streets of	्काम् अधाप अभटत शामिल	(sin spoin train of
File-types of the confidence o					*	HET THE STATES
finisher of the state of the st	SPACE STATE OF	Ě	carifish's tabe	Samplediade	为对使 斯斯尔克	A PERSON
Friedrich (bour nogle) felfe 21 Selfention (bour nogle) felfe 21 Selfent	0 12	Ast	M	Poj	A.	
indicates and the speciment, arraying the state of the st		Pή	Æ	Swoten en frantfafe	КT	nets attended (va)
rations of the continue of the	F	**	M	Served Served	<u>*</u>	
There is a serificant and a serificant a	E CONTRACTOR	Rij	A ATTENDA	4, sresin, (hour angle) with a	
Third of the continue of the c		*	A	कामिक्रमान, नडकान	Fig.	ATT STATE
There is no serviced as the serviced and serviced as the servi		*	A4	actions are refree	Æ,	*
and the continue of the contin		- 4 T	Aq ·	A)	AT	neth menther (tv)
Theorem of the continue of the		Year	A	A.	Æ9	•
street in the state of the stat	To Be de	•	A3	AS AS	AT	∴π
THE TAIL AN ORDINATION OF THE TAIL AN ORDINATION AND STATE OF THE TAIL AND STATE OF THE		Frem	æ	Profes (Fe	*	
apper (årmillary sphare) 2		₩.	'sal	मारि महस्त	Aq	*
state of the figure of the state of the stat		*	A 4th attent	Paris As alter	7 7	
Appendict of the state of the s		A STATE OF			नमाई मारवामित (अ	
A Caroling splore of the second secon		٤			महाव गरिज्ञान	
~		enblare)	A	M	ननम् मान्यिक्ष	*
	••		Sales & sections.	and the second of the second	MAN MANTENNA - 1	

F# + (





পুর্মবিকে কাষণালা এবং দক্ষিণ্ডিকেও করেকটা মন্দির। এ আখণালা এবং কমিবের পরেই বজাব। কোলাহলপূর্ণ নগরের কেন্দ্রভাগেই ইরা ক্ষরিকে, ক্ষিত্র চন্ধরটার মুখ্য তাবেশ করিবের কেন্দ্রভাগেই ইরা ক্ষরিকে, ক্ষিত্র চন্ধরটার মুখ্য তাবেশ করিবের কোন প্রকার কোলাহল কার হয় না নীরব—নিজন। রাজিকালে মহারাক্ষেপ্রাণ্ডির রাজিকারের ব্যান্তর ক্ষরিয়া এই বিবৃধ-দেয়াছানে সমাগত হইয়া গভীর প্রেক্শাম ন্দ্র্যাভিলাত করিছেন।

প্রীমেবনাথ ভট্টাচার্য্য।

८वाभटनव।

বোলদের অন্যাধারণ বৃদ্ধিক্ষিত্রক্ষর অভ্যন্ত প্রভিত্য-টো বছনশী পণ্ডিত ছিলেন। ভাষার বাচিত নানাবিদ প্রস্থান্তই তা বিষয়ের সাক্ষাপ্রদান করিছেছে। ক্ষুক্রবানা সাহিত্যপ্রস্থ ও ক্ষাব্রথা না করিছেই প্রাধ্যের সিক্ষালা প্রস্থান্ত ক্ষাব্রথানা করিছেই। ক্ষাব্রথানা ক্ষাব্রথানা ক্ষাব্রথানা ক্ষাব্রথানা ক্ষাব্রথানা ক্ষাব্রথানা ক্ষাব্রথানা ব্রথানা ব্রথানা ব্রথানা ব্রথানা ব্রথানা ক্ষাব্রথানা ক্

নেবলির প্রাং (নে) সর্বান) দক্ষিনাপরে নিজম রাজ্যের অন্তর্গত । হারপ্রবাদ হইছে সচন সাইল উত্তর-পাক্ষমে ও বোহাই হইছে ১৭০ মাইল উত্তরপূর্বে অবছিত। ক্রির অন্তিত্ত সচন সাইল উত্তর-পাক্ষমে ও বোহাই হইছে ১৭০ মাইল উত্তর করিয়া উহার নাম পৌরুত্রবাদ রাখ্যিছিলেন। তপ্রমি উহা করিয়া উহার নাম পৌরুত্রবাদ রাখ্যিছিলেন। তপ্রমি উহা দৌলজাবাদ নামেই প্রাণ্ডার আধ্যাহিলেন। তপ্রমি উহা দৌলজাবাদ নামেই প্রাণ্ডার বিশ্বনাধ করেন। ইহার পূর্বে পৌলজাবাদ বিশ্বনাধ কর্মান ছিলেন। উইলেন্ন নামেই প্রমিত্র বিশ্বনাধ করেন। ইহার প্রমান রাখ্যানালকালে পর্তমান ছিলেন। উইলেন্ন নামেই প্রমানিত বিশ্বনাধ করেন বিশ্বনাধ করেন বিশ্বনাধ করেন বিশ্বনাধ করিয়ার করিছিলেন বাজা হেমাজির সকালন বিশ্বনাধ করিয়ার করিছিলেন বাজা করিয়ার বালানালকালে প্রমান রাখ্যানাল বাল্যানাক প্রমান করিয়ার নাম্যান করেন বাল্যানাক প্রমানাধ প্রমানাধ করিয়ার নাম্যান করেন বাল্যানাক প্রমানাধ প্রমানাধ করেন বাল্যানাক প্রমানাধ প্রমানাধ করেন বাল্যানাক প্রমানাধ প্র

[💌] স্থাছিত্র চন্দ্র রাজনাত্রর রাজনাত্রর পাচে 🗴 তর মার্থিক আধিবেশনে পাইছে 🕻

াংয় এশান্তবিশালে প্রজাপ্তাল ভরতভক্ত শিবেশদি মহাশয় হেয়ানিক ভ এতুর্কার্যচিত্তামণির দানধংগুর ভ্রিকায় পরিবাধ ন—

"দ ক্ষাদা বিজ্ঞাশ্যতে কে নাম্মন্ধ বেবলিবিওয়াধববংশে। ক্ষব-মহাক্সাধির জ্ঞানহাদেকচক্র বর্তিনো ব^{াঁ}্রলা বর্ত্তাধিকরণণ গুড জালীব। হেজা বর্ত্তাপ ক্ষমং নৃপত্তি বঁজ সভাপজ্ঞিতো 'বোপদেব দ সাব। জন্মনীয়তে গঞ্জবস্থুগুরান্মিতে পক্ষাব্যাদ্য বিভাগিবিৎসরম্যাধিকেনে সম্ভানিত্ত।

প্রনা জালাইতেছি যে, হেমান্তি দেবনিরিক্ত মানববংশেন্তর মহাকালাধিরাক্ত মহাদেব চক্রবারী লা বে এনেন বিমারক মণ্ডিত দিলেন। হেমান্তি নিজেও রাজা ছিলেন," রাহার সভাপতিত ১৯০০বের ডিন্সন। সংক্রান ১৯০০ প্রাচেশ্য তই ক্রিন তথ্যর পুর্বেষ বা পরে ব্যোদ্দেব বিহারক ক্রিমান্তরন।

ইং ছারা বোপনের যে কেন্দ্রের সমস্যাম্থিক লোক ছিলেন, ভাষা কর্মই প্রভাষ্মান ইইন্দেছ। নাজা হেম যে উৎস্যানিত হউও বোপালের ছারা "মুক্তাফ্য" নামক গছ প্রাণ্ডন করাইয়াভিলেন, হেলে প্রমাণ স্করণ নৃক্ষাক্ষ প্রত্যে তেকটা প্রোক্ত উক্ত করিলাম।

"विस्तुः विरास् विसार-४२समा ।

क्ष्मावितः 'शामतान स्काकनम्हीकरः ।''

বিধান্ তানশের নিয়া টিকিৎসাং কেশবের পাত বোশদের দারা কেমানি মুক্তাফল এছ প্রশাসন করাইচছিলেন। সক্রাফল ভাগবভজাবাত্ত্বের আধার প্রমাণক্ষণ ঐ সংব্র আধারী কেন্দ্র নিমান—

> "न्कारमणन अरहम यह भ्रवक्षक्रमा । क्रिक्काशक्रम, भ्रवस्थानक्ष्यिकक्रिया ॥"

েন্তি-প্ৰকৃত চুকুৰ্ব কৈ জামনি নামক স্থাতিনি কৰা আৰু আৰু আৰু নামে বিশাস্ত, আ গাছ কাৰাৰত চুকুৰ্ব কৈ জামনি নামে বিশাস্ত, আৰু গাছ কাৰাৰত চুকুৰ্ব কৰিব কি নামি কাৰ্যনিম সম্পূৰ্ণ স্বয় কেন্দ্ৰাজ্ঞত কাৰ কৰিব।জিলেন। নিশ্বনিম্বৰ ক্তিশন কাৰিব বেশিলেন ইয়া সমূদিত হয়।

্যবিষ্ণ বেশ্পানৰ বেশালিকে আশন গছনাৰ কৰিয়াছেন, স্বাধা মুইটোও অধুনা সেই ব্ৰছখনি এছ সৰকাপে প্ৰতিপ্ৰতি এইছে সাত্য নাও । এপথনেৰ ফেনাডির অনুনোধে "ছবিনীলা" নানী ্যাত্য একটি টাকা আছত প্ৰিয়োলিকন, মেই টাকার শেষেও এইছাপ নিবিত্ব আছে,—

> "क्रीम : 'रावक्रक्षमान्त्रामान'शीम विश्वनायक) "बङ्गा (वाश्यस्य मिस्समाविक्रेस) ॥"

সংখি-চেমানিত পুঞ্জিত হাজ প্ৰতিত বোলনেবকৰুক **ইম্ভাগনডের ক্ষাধ্যান্ত্র কৰানি বিজ্ঞানিত** ব্ৰক্তিটে

रेशियान रक्षान कराइ कर तन करिवाविकान काहा किन निका हुत है, व्यक्त बाता थाए, विराह्य के विकास अर्थि का 1.14 2564 मुख्यानक करेंद्र किन वरमा भूकों ही तरह विकासक কেশ্যচন্ত্ৰের ঔরসে রাধামতী দেখীর গর্ডে দৌলভাবাদ নামক স্থানে অনুনাকণ করেন ৷ নিচ-দিখিত উষ্টে লোক ভাষার প্রমাণ করণ উদ্ধৃত ছইল,—

> "দক্ষিণে দেবগির্যান্তে পক্ষরস্থানেপুনে। রাধাসভাররে জাভো বোপদেবে। জনার্থনাঃ ॥"

এই উরট লোক করপুর প্রামাণ্য বলিছে পান্ধি লা। এই লোক প্রামাণ্য মা হইপেও
বোগদেব যে ১১৮২ প্রাক্তের ২০০ বংসর পূর্বের বা পরে ক্ষরগ্রহণ করিবাছিলেন, স্ বিশ্বরে
কোনও সন্দেহ নাই; কারণ ইংরেলী ইতিহাসেও প্রতিহানিক প্রিত্তগন মহার বিশ্বনি
মহাদেব ১১৮২ প্রকাশে বিভয়ান ছিলেন বলিরা নির্দেশ করিবাছেন। তলস্থারে গিদেশ্বন
তৎসমকালীন লোক ছিলেন ইহা শীকার্য। উইলসন সাহেব বিশ্বপুরাণের নির্দ্ধ থক্তের
৫১ পৃষ্ঠার লিনিয়াছেন, বোপদেব খুরীয় ১২৬ প্রতান্ধে বর্ত্তমান ছিলেন। বল্পতঃ বোপদেশ্বন
শতি প্রাচীনকালের প্রতিক ছিলেন, তাহাতে কোনও সন্দেহ নাই। বে ছেতু প্রীরন্ধানী
ভাগবভটীকার এবং মাধ্রাচার্য্য নিজক্ত মহাভাব্যটীকারও বোপদেবের নাম উল্লেখ করিবা
শিব্যন্তেন। বোপদেব বামনক্রত মহাভাব্যটীকারও বোপদেবের নাম উল্লেখ করিবা
শিব্যন্তেন। বোপদেব বামনক্রত মহাভাব্যটীকার পরে মহাভাব্যটীকা রচনা করেন। ভাহাত্তে
শনেক স্থলে বামন-সিভান্ত থপ্তন করিবাছেন। মাধ্রাচার্য্য স্থানীক্র বহাভান্যটীকার বোপদেবন
শিক্ষান্ত থপ্তন করিবাছেন ও পরিপ্রের লিবিরাছেন,—

"বোপদেৰো মহাপ্ৰাছে। প্ৰজো বান্ধনদিগ্ৰথা । কীৰ্কেন্তেৰ প্ৰসঙ্গেদ মাধ্যেন প্ৰমোচিতঃ »"

বামনকণ দিপ্তভী বোপদেবরূপ বছাকুতীর কর্তৃক এক ছইলা বীতিমানলৈ মাধ্যকর্তৃক মুক্ত বইলাছেল।

দেবপিরি রাজধানীতে যে বোপদেবের বাদ ছিল, কবিবরজনের শেষ স্থোকে বোপদেব নিলেই তাহার আভাস দিয়া গিরাছেন—

"বর্ণে শীর্কাশনার্বাঃ প্রশক্তিরজিতঃ শাক্তিকানাং করেণাং

শাকালে নাগরাজং কৃত্তপদুশুকরো বন্ধ পারতি কীর্ত্তিন্ ।

যক্তীর্ণং শব্দপাবোনিবিম্বিক্তিমান পোশনং বা প্রভারতী

নিব্যোহকার্যীকনেশঃ কবিকুল্ভিদকঃ কৈপ্তির্জাপ্তেবং ১০

শর্মে প্রবৃশ্বীগণ শাধিক গগের পূব্য প্রপতিধ নিকট, পাতাবে শাধিকবিশের পূব্য নাগরালের নিকট সর্পর্বতীগণ বাতার কীর্তি গান করে, বিনি সমুদ্ধ শব্দসমুদ্ধ গোলাকের জার পার হইরাছেন, সেই গনেশের শিবা কবিক্ষাভিশক কেশবের প্রা বোলাকের ইয়া প্রকাষ্ট্রিপর্বতে রচিয়াছেন।

এই সোৰে প্ৰাচীন টাভাভাৰণৰ "হ্যৱতৌ" "হ্যেমণকতে" এইৱণ ব্যাব্য ক্ষিয়াল্যে, কিছু নৰাস্থানায়ের গণিতগণ ভরণ বাখা না ক্ষিয়া এইৱল ব্যাহ্যা ক্ষিয়া এইজেন বে, এখানে "হ্যান্তি" লক "বেদনিছি" বাচক, "হ্যেক" বাচক নহে ইন্সের আহমানে "ক্ষেত্রিক" শন্ধ প্রয়েশ না করিয়া "হ্রান্তি" শন্ধ প্রায়োগ করা হইরাছে ইন্ডারি। আমান্ত্রের নিকটেও এই বা ধাই সক্ষত বলিয়া বোধ হয়। এছলে কেন্ত কেন্ড আপত্তি করিয়া থাকেন যে, আমনা বেলার এই একটা ব্যাথাকে প্রদাণ অরপ গ্রহণ করিয়া "বোপনেবকে" "দেবগিরির" লোক ক্রিয়া প্রায়ের করিছে লারি না এবং আমানের বিবেচনার তিনি বন্ধনেশেরই খোক ছিফেন, এই জন্তুর উগ্রের মুদ্রবোধ-বাকরণ বন্ধদেশেই প্রচলিত, অক্তর নয়। একথার উত্তরে আমি বিলাত হাই যে, বোপনেব ক্রেয়ালি ও ক্রেনিয়িরালের সভাপত্তিত ছিলেন, হেমালির সহিত্ত বোপনেবের বন্ধার ছিল, একথা বোধ হয় সন্ধান্দি-সক্ষত, কাবল এ বিনয়ে বোপনেবের অহুত্তনিথিত প্রমাণ পূক্রে যথেই পেথান চইয়াছে। সে সময়ে বেলপথ প্রচলিত ছিল না পরক্রেই লোক নানাবেশে যাভারাত করিত, যে সময় পথ ঘটে আতার খাপনসভূগ ছিল, সেই সময়ে বোপদেব সমগ্র বন্ধদেশ ও নিকটার সম্ভ নেশ পরিকাণা করিয়া জনুর দেবগিরিতে হাইরা বাস করিয়াছিলেন ও সেইখানে থাকিয়াই গ্রহানি প্রচলে, ক্রেমাজির সহিত্ত বন্ধানি হইরাছিল। আবার কিছুদিন প্রে তথা ইইভে স্থ্যেরপ্রতি বিয়াছিলেন ইন্ডানি কথা ক্রেনিয়াল বৃক্তিসক্ষত ও বিখাসযোগ্য হব্ছে পারে না।

्राभावन विशिव्याद्यनिवाणी धानचव निरम्ब निक्छ व्यथाहन क्षित्रावित्वन, धरेक्ष व्यवस्थ वारकः। वर्षा-त्वाभावतः धानवत्र मिरावतः निक्ते भागिनि वाक्तन भविर्द्धं भागकः কবেন, ২০ বার অধ্যয়ন করিয়াও কিছুমাত্র ব্যুংশভিগাত করিছে পাবেন না । অবংশবে_ন ভনীৰ অধানুসূত্রীনেশ্বর মিশ্র কৃষ্ণ হুইয়া বোপদেবকে আপন চকুপাঠি হুইতে বাছিব করিয়া দেন। বোপতেব ভঃথে লক্ষাৰ খুলাদ ক্ষতিভূত হইবা পিছিলিক জান হারাট্যা উল্লেখন জায় अभिन्तिक भाग शहरक भारकत । अन्यन्ति वस्तुत बाहेबा अक्की पुरुष भूग विशेष करहे हेडेक-নিদ্ধিত ঘাটের সমীপ্রার্কী কোন স্থানে উপবেশন করিয়া আপন অনুইচিত্র। করিতেছিলেন। এমন সময় একটা স্ত্ৰীলোক কলদী ককে কৃতিয়া দেই খাটে আদিহা জলেব ভাষাবহিত পূৰ্ব দিভিতে কক্ষিত কল্মী কলা কৰিয়ালক্ষ্মপ্ৰথা অৰ্ডীৰ্ণ হটল এবং স্থানীনি পেৰ কবিয়া অভিনয়ে কলনীটা পূৰ্বাস্থানে কলা কৰিয়া পৰে নিক্ৰবন্ধ পাৰণ্ডন কবিয়া কলনী কলে लहेश निक्र शबरा खारन हिल्हा त्रना। अवैक्रम वह श्री, बांक औ बारे बान कांबरट कार्रगर्श সেই হাটের দেউ একট ভানে সকলে আপনাশন জলপুর্কলনী ক্রে একা করিয়া আরিবল্লাটি ভাগেপ্ৰাক ক'ব প্ৰাৰ্থ হৈছে। প্ৰাৰ্থ কৰিছে জাগিল। আনমে বহু কল্পীর-ম্বৰ্থে সেই ম্প্টেম ्नहें कामने हे क्षाकात कानवारन शतिबक्त हरेंन । हैका दर्शवंश दर्शवंश मरन मरन काविरनम ्य वह करारोह पर्दान वसन अक्ता बेडेंकमिन्डिक शांक आनदातमा महि बहेन, जनम आमात्र ৰ্ভিন্ত সুধা বুদ্ধিকে পুনঃ পুনঃ ধৰ্ষণ কাবিধে ভাষান্ত সুদ্ধ হঠায়া যাইছে এবং সুন্দার বস্তু কাস্ব ক্রিতে পারিবে ৷ এই ভাবিয়া ৰোপ্তেৰ পুনরায় খীয় ঋধাপ্তী ধনেখন নিজের নিউট আগমন করিয়া অনেক কার্কুতি মিনজি করিয়া পুনরায় বহু পরিক্রমের সহিত অবারম ক্রিডে আন্ত্রত করিলেন এবং পরে জনাধারণ পশুতে হইয়া পূর্বোন্ত প্রহুমর্যুক রচনা করিয়া নিজের

সাহিত্য পরিষৎ-পত্রিকা

(क्रिमांमिक)

बामम ভाগ

जिनरगन्मनाथ वस्त्र मन्त्रामिङ

১৯৯ নং কর্ণওয়ালিশ্ ষ্টাট বঙ্গীয় সাহিত্য-পরিষৎ ক্রীতে প্রকাশিত

কলিকাভা

নো বাসধন নিজের কোন, প্রাসপুত্র "বিশকোৰ-প্রেয়ন" জীপুর্ণচন্ত্র বাসকর্ত্বক স্ক্রিড

>407



দাদশভাগের সূচীপত্র

	नियम	7.	4		78
> 1	ग्रेशामी (इस्न ठकान धाँधा (श्रीकारहरू	क्रिम, हडेट	ां म)	•••	399
	विषया ।			***	>>>
0	ना (ब्रायक्ष चनत किरवणी अधु क)	***	•••	•••	2.0
8	नातावनात्मरवत भागांनी (अविक विनताम)	***	•••	364
• 1	নিরক্ষর কবি ও গ্রামা-কবিতা (ডাক্কার (শক্ষাচরণ	क्षेत्राची)	***	8*-9*
	पहोक्षा (वैषठो क्ताग्रहन वांगही)	***	• •		3.0
4 1	मध्यानिशरहद बांगाजावा (जीतारजसक्य	ात मञ्जूमनात)	***	
Vi	मानिकगोक्नी ७ धर्ममन्त्र (उक्क्यूमद नोइ	ह(न)	•••	***	* >
71	सानिक कार्या-विनद्रेंगे	***	***	24/	->>+
>-1	রকপুরের কেশ্বিষভাষা (শ্রীন্তরেশ্রুচন্দ্র রাগ	নচৌধুৰী)	***	***	38 ,
22.1	বৃদ্ধাৰাৰ প্ৰচলিত আনবী ও পাবলী শ্ৰ		¥ निःक)	***	. >65
> 2 :	गानांना कात्रक-अकत्र (दीवारमञ्जूकत्र	ब्रेटवरी अम्,	4)	. * •	≫ •
>0	वार्षिक कांचा-विवतनी (अकामन)	***	***	***	¢i-
ን ቴሻ	বিবিদ প্রচলিত প্রাচীন গাধ।	***	***	444 5	43
1 50	देविषक खन्न	***	***	1++	242
36	বোপদেব (ঞ্জীমন্দিকাচরণ শারী)	•••	4**	***	>20
>91	(बोब-बाबाननी (जैवाधाननाम बत्नाभीशा	in)	***	***	386

विरमय जनगरमांबन

गृहोत् २० हत्व "सम्माव मङ्ग्यातम् कतिनीम" कत्य "काक्किन्ती" होग्। स्टेशस्त्र । "कविनी" गार्क् एकः।

অতুলনীর কীঠি অগতে বিভার করিয়া গিরাছেন। বোপদের বে ধনের মিজের নিকট অধ্যয়ন করিয়াছিলেন, ভাহার প্রমাণস্থরণ নিমে মোক উচ্চ হইল,—

"বিষয়নেশশিয়েণ ভিষক্কেশনস্থান। ভেন বেষপদক্ষেন্-বোশদেবধিক্ষেন বঃ রুত্তী অর্থাৎ বিছান্ ,ধনেশের শিষা চিকিৎসক কেশবপুত্র বৈদিক্ষিক বোপদেব।

বোপৰের অনেক প্লোকে শীয় পিতা কেশবচন্ত্রকে ভিষক্ বলিয়া নির্দেশ করার কাহারও কাহারী মতে বোপৰের অবর্চচাতি ছিলেন। এরপ ত্রান্তি সম্পূর্ণ অমূলক সম্পেহ নাই। কারণ মুদ্ধবোধ-ব্যাক্তরণের শেবে ম্পষ্ট পিশিত আছে—

"বিষয়নে ব্যালিক বিষয় ক্ষা বিষয় কেশবনকান: । বোপদেবশ্চকারেন্ত্র বিপ্রো ক্ষেপদাল্পনাম্ র"
বিষয়ন ধনিবলৈ ক্ষা বিষয় ক্ষা বিষয় কেশবের প্রে প্রাক্ষণ বোপদেব এই তেলদের স্থান করিয়া চিকিৎসালার ক্ষায়রন করিয়া চিকিৎসালার ক্ষায়র করিয়া চিকিৎসালার ক্ষায় বাহা ব্যালার ক্ষায়র করিয়া চিকেন ।
বাহা ব্যালার ক্ষায়র, ভারাতে বোপদেবের পিতা কেশবচন্ত্রও চিকিৎসার্বসারী ছিলেন ।
এই নিমিত্র ভিষ্কু লন্ধ প্রাক্তর কইরাছে । উজ-লোকসমূদের ভিষ্কু" লক্ষ্যের ব্যাবহাটী, ক্ষাতিবাটী নছে । পিতা চিকিৎসক ছিলেন বিষয়াই বোপদেব ক্ষায়ন্ত্র প্রতিষ্ঠাতা প্রিতিত স্কৃত্ত "বভার্যে ক্ষান্ত্র নামক গ্রন্থে ৩০০ পৃষ্ঠার বাল্যাছেন, বোপদেব ক্ষায়েদেবের ক্রাভা ছিলেন ।
বাহাদের পিতা মাতা ভিন্ন, জন্মহান পুর্বক্, ভারাদের পরল্পর ক্লায়ান্ত্রমন্ত্র ক্রাভা ছিলেন ।
বাহাদের পিতা মাতা ভিন্ন, জন্মহান পুর্বক, ভারাদের পরল্পর ক্লায়ান্ত্রমন্ত্র ক্ষায়ান ক্ষেত্র ক্রাভা হিলের ক্ষায়ান ব্যালিত পারিয়াছেন, ভারা ভিন্নিই ক্ষানেন । ক্ষাদেবর ক্ষায়ান ক্ষায়ান ক্ষেত্র ক্ষায়ান ব্যালিতে পারা যার। ক্ষাদেবের পিতা ভোলদেব, বোপদেবের বিতা ক্ষেত্র নিক্তার্যার, বোপদেবের মাতার নাম রাধামতী নেবী নৌকতার্যার, ক্ষাহ্রের ক্ষায়ান ব্যালার নাম রাধামতী নেবী নিকতার্যার, ক্ষাহ্রার নাম রাধান্ত্রন্ধী বা রামান্ত্রক্ষ্মী না বামান্ত্রক্ষ্মী না রামান্ত্রক্ষ্মী না বামান্ত্রক্ষ্মী না বাম্বান্ত্রক্ষ্মী না বাম্বান্ত্রক্ষ্মী না বাম্বান্ত্র ক্ষ্মী ন

অনেকে বোপনেবকে গোখামী উপাধিধারা ভূষিত করিরা থাকেন। আনরা বহু মন্ত্রপ্রান করিয়াও বোপনেবর গোখামী উপাধি ছিল এরপ প্রমাণ পাই নাই। অবস্ত বোপনেব দর্ম বৈক্ষণ ছিলেন বলিরাই প্রথমে সচিলানন মুকুলকে প্রশাস্থ করিয়া মুগ্ধগোধগাকরণ লিখিতে আরম্ভ করিয়াকেন এবং মুগ্ধগোধগাকরণের প্রেম্বর্ভ স্বরোধ্যাকরণের প্রমাণ্ড এবং স্বর্ভ স্বরোধ্যাকরণের প্রেম্বর্ভ স্বরোধ্যাকরণ স্বর্ভ এবং স্বর্ভ স্বরাজন স্বর্ভ এবং স্বর্ভ স্বর্ভ স্বরাজন স্বর্ভ এবং স্বর্ভ স্বর্জ স্বর্ভ স্বর

"मैक्शनवानीवनतः पुरुषगः निर्धनात्रकृतः हि लीएक । प्रकृतिकः ७०० स मुक्रतावात्रनकारकरकः निर्धनीवस्यकृतः"

সেবভাষার কথা বলা হরিনামের কীর্ত্তন করা এই ছাট্টাই লক্ষতে অজ্যত ছুর্লাড, ভাষাও মুখ্যবোধ হইতে লাভ কয়া বার না এয়ণ নতে, এইকাছ ইয়া পঠনীর :

्वा नर्पव रा मकन शास्त्रहमा कविश्वविद्यान खोगांड श्रीवा व्यविश्वार है विश्ववेशाह राजितक

পাই, মত এব তারা বারাও বোপবেব বে বৈক্ষর ভিনেল ভারা ক্ষাক্টা অন্তনার করিছে পারি।
"ওঁ নম: শিবার" ইত্যানি বিভীরবার সক্ষাচন্ত্রৰ ঘেষিয়া আনোকে খেলিবালেবকৈ "লৈব"
বলিতে চাহেন। আমলা বলি, এই একটা ক্ষাবালা বোপবেব বৈব বলিয়া প্রতিপদ হইতে
পারেন না। তবে বোপবেব বৈক্ষর হইয়াও শিব্রেটী ভিনেন না ইকাই নাম প্রতিপদ হয়।

শ্রীমন্তাগৰত ও জন্তার প্রাণের বেধার ধরণ বিভিন্নপ ববিদ্যা এবং মধান্তা বোগদেবের দেখার সহিত শ্রীমন্তাগরতের বোধার ধরণের জনেকটা সাল্ত দেখিরা জনেকে শ্রীমন্তাগরতের বোধার ধরণের জনেকটা সাল্ত দেখিরা জনেকে শ্রীমন্তাগরত বোপদেব রচিত ববিদ্যা জন্মন করিয়া বাকেন। একথা নিভারত জানুক্ত, জানুক বোপদেব "মুক্তাকল" "হরিবীবাা" পরমহংসপ্রিয়া" এক্তি শ্রীমন্তাগরতের ভার একথানি জাইলপ্রের জিনিলা জাবার গ্রাহ বাহে। বোপদেব নিজে জাইল্লকের ভার একথানি জাইলপ্রের শিবিদ্যা জাবার " তাহা ব্রাইবার লক্ত নিজেই ঐ প্রেরের উত্তরোভর তিন্টা টাকা প্রমন্ত করিয়া মাহন্যমণ্যে সমন্তিবাহিত করিতে প্রহাণ পাইরান্ধিদেন একণ বিশ্বাস হর না। প্রমাণক গারুলা হার,—

"रवाभरववक्रकरण ह रवाभरववम्बाकरेसः। कवर है। काकृता देवसर्वक्रमेरहिरस्ववाधिकः ॥"

ইয়া তির এ বিবরের কবেই প্রমাণ আছে। বীহারা ইয়ার বিশেষত্বৰ জানিতে ইছা করেন, তাঁহারা অনুপ্রথ করিয়া তাঁকার রামধান কেনের ঐতিহানিক মহতে "বোণছের ও শ্রীমন্তান্যত" নামক প্রকল্প পাঠ করিনেই ইয়ায় বিশেষত জানিকে পারিবেন। এতান প্রস্কল্পনে আরও একটা কথা বলিয়া রাখি, কোন, কোন শক্তিক ক্ষেত্র, ভাগৰত ক্ষিত্রকানিবির্ভিত এবং নিয়-লিখিত উচ্চ লোকটা ভাগাও প্রসাদক্ষণ বলিয়া বাজেন,—

"ब्राट्ड शांक्यपर रूप छन्तिमः औरमापारत करने महत्र अक्टूडो ह महेमतूना स्नातात्रिमात्रर महः अवसामनराज कृतिम क्रिमा स्थारत भूशंगर रूक्ट साह्य क्रिक्नमारम क्रिम्हे क्रक्रनाञ्चः क्टः ।

उक त्यारण "कृषिण कविनाबाएउ" अरे व्ययन वर्त कि ? बा। बाहुत वर्त व्यक्ति संस्थान, छारा इरेटन "बाटउ" अरे नरणत अधिनक विद्यानिक । व्यवस्थानिक विद्यान विद्यानिक विद्यान वि

महाचा त्रान्तर रक्षण व्यमायास रेवशक्षण दिल्ल कोहा सह । वस्तीय स्थाप स्थाप वास वास स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स

Bufgales vis

अकामनवारिक कांद्र निवतने ।

. भारताठा विश्व ।

১। বার্ষিক কার্যাবিবরণ পাঁঠ, ২ঃ সভানিকাঁচন, ৩। ছান্ত সন্দোর নির্মাবনী কাহমোদন ও তদপ্রসারে পরিবদের নির্মাবনী পরিবর্তন, ৪। ১৩১২ সালের কর্মচারিনিরোর, ৫। ১৩১২ কার্যানিকাইক সমিভি গঠন। ৩। জীবুক ব্যোমকেশ মুক্তকী কর্ম্বক "১৩১১ সালের বাজালা সাহিত্যের বিবরণ" নাম্বর্ক প্রবন্ধ পাঠ।

সভাপতি মহাশয় ও সহকারী সভাপতি মহাশরগণ উপস্থিত না থাকাতে ক্রিবুক্ত হীরেজনাথ বত্ত মহাশয় অভুকত্ত হটয়া সভাপতিয় আসন এবংশ করিলেন।

>। সহকারী সভাগতি জীবৃক্ত ব্যো**ষকেশ মৃত্যকী স্থাশন ১১শ বার্থিক ভার্যা**যিবরণ শাঠ করিলেন। জীবৃক্ত রার গতীন্তনাথ চৌধুরী মহাশরের প্রজাবে ও জীবৃক্ত পণ্ডিত রুক্তীশ-ডক্স বিভাত্বন মহাশরের সমর্থনে উহা সর্বাসভিক্রমে সৃহীত হুইল।

महिनिक राकिनन ग्यांशिक मकाकृत्य निक्सिक स्ट्रेलन ।

erienta es

म प्रथि

স ভা

बिरवामस्य प्रथमी स्मोनवी स्वास्त्र स्टारमन ३। वी वामाइब स्मोनवी

সৈরদ্যালী নবাব চৌদুরী অমীয়ার, পশ্চিমগাঁও, লাক্ষাদু জিপুরা

- শ্রেণ্ডী সাহ সৈর্থ ইম্লান্ন হছ্
 পশ্চিমগাঁও, লাভ্নায় বিপ্রাঃ
- তীহুক বিগুকুৰণ সম্ভাৱ বি, এ
 হেডমাইার, নাক্ষাম পশ্চিমনীও
 ইটিছল ক্লিপ্রা।
- বাঁ বাছাছর বৈষদ আবহুল মুজিদ চৌধুরী মাধ্যপুর
- श्लीनरी रेनइर कार्यक्रम कळाड
 ज्ञमीरांत्र, प्रकार
- । इंदोनचे चानिवित चान्या वि, व इंदीन, त्यांकांत्रां, श्राक्तारी
- १ । क्री तथरान चानी, त्या छात्र जातासम्बद्धः हानी
- मा क्षित्र विकासिक स्थापनार्थ हि, ज कृष सहारेगारमञ्जा, हाका

কুলীর সাহিত্য-পরিবদের

সমর্থক

প্ৰস্ত বৰ	সমৰ্থক .	, 79 3
श्चिरतामात्वन म्खकी,	মৌ ন্থী ওয়াহেদ হো সেন,	 ম। মৌলবী সৈরদ হোখান হারদর চৌধুরী অধীদার, কুমিছা
*	, **	১০ ৷ মুখ্ৰী আবহুল গনি ৰোজাৰ
	•	कृषिणाः ->६ रेनवम स्रोनवी चायक्न करवत
•	*	स्मीनात कृभिक्षां >२। जोनदी स्मोतन्त्र सानी वे डेनकास्म
•	*	স্বরেজিরার, পাকুয়া টালাইল >০। চৌধুরী সিদ্ধিক আনুক্ষা
•	•	समीमात, नीजाकुछ, ठडेशाम ३६। योगरी महस्तम मनिक्रकिन हेन्
•	, *	লামবাদী দীভাকুও চইগ্রাম ১৫। যৌলবী বেলায়ং বা, মোজাব
24	93	আলিপুর, ২৪ প্রগণা ১৬ : মুখী ইসহায় আলী ভূজপুর্ব পুলিশ ইপাপেরর, চটুগ্রায়
22	27	্যালন গ্ৰান্তিস, চন্দ্ৰাৰ ১৭। মৌলবী সেমিকন্দিন আহম্মদ মোজার, রাধাবলভ, রজপুর
s	•	১৮। ত্রীযুক্ত অবৈভচন্ত রক্ষিত বি, এ ভেচনার্চার, ইউসফ কুল, কুমিলা
n	"	२२। (त्रथं मिक्किन (त्रांनाथानी, रखका
1#	59	रनानामान, यक्का २०१ (नोगरी क् डाहिन वा (क्रेमानाका, ट्राह्ननका, मरवनक्रिक
74	12	१)। विका देवेगन जानी नगरविकास
30		सर्दर्भा, बालगारी २२ । क्ष्मी महत्त्वन ध्यादिम शांकश
*	<i>*</i> ·	আলমগুর নদীয়া ২০। জীবৃক্ত আলমুক্ত হার, মোকার নোরাধানী

বৈদিক তম্ব

গই স্তুল বংগীর পূর্কে জার্বা গবিগণ যে সুকল নত্ত রচনা করিয়াছিলেন, সে গুলির তর 👈 স্বর্ণ লোপ ইউরাতে আচা ভার্বানিগের নামাজিক ও রাজনৈতিক জননতি ইইরা পুণাভূমি ভারত-মর্বের ছর্মণা ঘটে। এই সক্ষম মন্তের ভক্ষ বা মর্ম লোপ হওরার কারণ অক্সকান করিলে म्बा यात त्य, करे मुक्त मन त्य ता कावाद प्रतिक सरेवाहिन, तारे कावा क्रमनः जाना कावनक्षकः বিশোপ প্রাপ্ত হয়। ভাষালোপ সম্বদ্ধে পাশ্যাতা পশ্চিত্রপর মানা কারণ করবা করিবার্ত্নে। উন্মধ্যে কোন্টা সভা ভালার বিস্নিয় এ প্রবিষ্কের উদ্দেশ্ত নহে। কিছ সমুসভাবে এ বিষয়স্তী बिरम् कतिरम् पढाहे ७की कात्रन बहुमान कतिए नाता यात्र। कैल्मानक कार्क बहुक कर्डियांत्र क्षष्ठ गरंक्क प्रकारणीटक छात्रा यगा गांत्र अवीं दर मकत नम बार्क कार्कित মনোগত ভাৰ প্ৰকাশিত হয়, সেই জাতির অভিছ থাকিলে ভ্ৰাব্ৰত ভাৰারও অভিছ ৰাকে হ त्नहें बांकि विव भूक्तावक मकावनी निविद्यान कतिया मूठन मकावनी बावशत करिएक আৰম্ভ ভার, কিংবা বৃদ্ধি ভাতি কৃষ্টি হইতে অন্তৰ্হিত হয়, ভবেই তথালা ব্যবহৃত ভাৰাক विन्धं रहेश श्रीरक। देविक हेलिहान अध्यक्षान कतिश शिकवर्त बनिया श्रीरकन एक रितिक आर्थात्रम कम्छानामी लाकि हित्मम असः क्यमक कारामक्ष्मात्रकन्थात्म यक स्टबन मार्ड, শ্বভ্যাং পরিবর্তনের কোন কারণ দেখা বার না। এই সকল এবং অঞ্চতর নানা কারণে আমরা ু অনুসাৰ কৰি বে, ভাষতবৰ্ণনিবাৰী গোচীন আৰ্থালাতি নংশাৰক্ষেত্ৰ হইছে অভাইভ হওৱাৰ বৈধিক জাৰাত লোপ হয়। ভারতবৰ্নিবাসিগৰ বৈদিক অবিধিনের ব্যক্তাবি অঞ্জয়ৰ করিছা देवति के बादि समझात कालिक बाटकन । सकताः विश्व बादित नक्षाणित जानांत प्रदिश बटी, विषय छाराज्यित वर्ष क्रमनः पृष्टि रहेट्छ मान आसे रहा। करे छात्रात्र सारक्ष मक्षानित व्यर्व निक्षात्रण कतिकात बाध व्यक्ति शाक्तिकारण "निवकें " नायक क्षक्रकाण व्यक्त विक्र क्षत्र । নেই সকল নিখক বাধা একবানিবাত আৰহিছে বস্তগত হইবাছে। এই নিখক এছে अकर्षिको नक्किन अंक्ज कतिहाँ रुवक देवसीरक । स्था

्रणीतः स्था क्याः स्था क्याः क्याः क्याः दक्षात्रः क्रिकाः क्याः क्याः पृष्टीतः स्था विशः व्यविद्धाः द्वेकाः निक्षक्षिः क्षाः क्याः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः

वर्षे निषये तारवानि नक बंगारित विकेत । तायत अवाह वर्ष्यक गरंप विकाह विकेश पावित्त, इंकीय विरूप, प्रपूर्व किन तार नकत यह नहर विकाह कविता तथा बाद दें, तहें तारतहंजांकारण त्यांक्य पावित्व व्यक्त करवा प्रदेश । वर्षा—तायम अवाहित तारत मुक्तिविश्वास्त्र । तार्षण वर्षाण

সাহিত্য-পরিষৎ-পত্রিকা

খঃ পৃক্ষিঃ। নাকঃ। গৌঃ। বিষ্ঠপু। নতঃ ইতি বঁট, সাধারণানি । খিতীর অধ্যার একাদশ পদে—— অধ্যা। উপ্রিয়া। অহী। মহী। অভিতিঃ। ইল্ । তগ্তী। শক্ষীতি লব পোনামানি গ

অধ্যা। উপ্ৰিয়া। অধী। মহী। অভিক্ৰিঃ। ইল্লা কণ্ডী। শক্ষীতি নৰ গোনামানি ই প্ৰথম অধ্যায় পঞ্চম শংগ---

খেলর:। ক্রিলা:। গাব:: রশার:। অভীশব:। শীধিতর:। গরুকা:। বনস্ । উল্লা: বসবঃ। মরীচিপা:। মঙ্গা:। সংক্ষায়:। সাবা:। প্রপা:। ইঞ্জি পঞ্চনপ ক্ষানাস্তি ঃ

तावम व्यवादय क्रमायन नदय-

ক্ষোকঃ। ধারা। ইড়া। খৌঃ। গৌরী। দ ক ক ক কুণ্নী বেছুরেড়ি সপ্তপঞ্চাহন বাঙ্নামানি।

क्कीर क्यार स्ट्रेन्स--

ं (तुकाः कविकाः काकः। सदः। खाषुः। कैविः। औरः। पविः। नावः। इन्तः। खुन्। कृतः। कृतगृतिक करवापन स्वाकृतीनानि ॥

েই প্রকারে নিম্নতু ক্ষরের পদ সাক্ষান করিলে দেখা যায় বে, অভি প্রাচীনকালে প্রায় জাতোক প্রত নানার্থে ক্ষরের পদ সাক্ষান করিলে দেখা যায় বে, অভি প্রাচীনকালে প্রথম বৈদিককাভির লোপ কথবাতে মুলানির অর্থজান নিভান্ত চুন্তু কুইনা উঠে। এবং আরু আম্বার লৈ কারণে উত্তেখিত ব্ট্যা এই প্রবন্ধ রচনায় যাত ব্ট্যাছি, প্রভান্ত কারণেই উভেলিভ
হট্যা অভি প্রাচীনকালে মুলানুনি যায় নিক্ত নামক প্রয় রচনা। ক্ষেত্রন।

নিগ্ন নামক এছপ্রকাশের বন্ধান পত্নে নথায়নি বাজের এছ য়চিত হয়। নিথক নামক এছখনি রচনা হওয়ার পর বৈথিক পথেয় কর্ম বিচার এক নামা চেটা হয় এবং এই তেটায় কলে ঐতিহাসিক, যাজিক ও অঞ্চায় সম্মোধযুক্ত কবিশন ক্ষণোক্ষয়িত ক্ষণাত কবি অর্থ আবিহার করেন। একটা ককের বাগো পাঠ করিসেই পাঠকের এ বিবর সমাক্ উপনত্তি হইবে।

"চৰাতি বাৰ্ পৰিমিতা পদামি ভামি বিষ্ণু ক্ষেপ্ত হৈ মনীবিশঃ। অহাত্ৰীপি নিহিন্তা নেকৰতি ভূতীয়ং বুচো মহুতা কৰ্তি।"

এই ব্যাহর সরল অর্থ স্কলেরই বোৰপ্রান্থইকে গাবে। ধর্ম মনীরী রাজ্পন্ন চারি।
প্রিমিত বাজ্য অবগত আছেন, তক্ষ্মে ভিন্তী অনুষ্ঠ সম্ভাবনে বিভিন্ন আছে ও কর্মটা
মন্ত্রগণ বনিরা বাকেন; কিছ ভিন্তী বাজ্ পরিবিতা প্রামি এই প্রতীয় রাজিপাত বিষয় কি দ এই চারিটা বাজ্ স্থানে প্রাচীন সম্ভাবন্ধন নানা ক্ষমা ক্ষমন, জনসম্ভই স্থায়নিত্রাক্ষেত্র নিককগ্রহে সংক্ষিত হয়। নিক্তকার বনিষ্টেইনে চল্ল

"কতবানি তানি চথাৰি পৰাৰি ত কাৰো স্থান্তরক ইজি প্রার্থ সামান্তাতে উ, উপসর্থ-নিপাতাত ইতি বৈশ্বকারী, মন্ত্র করো নাজিক-ক্ষ্মনী অবচারিকী ইভি বাজিকাঃ, করে মন্ত্রি সামানি চতুৰী গ্রহারিকী ইভি নৈজকাঃ, কর্মান্ত বালুকার ক্ষমত সমীক্ষাক ভূতি ৰাৰহারিকী ইত্যেক শুরুত্বৰের মুগোৰু আত্মনি 5 ইতি আত্মনাবাধ & অবাশি আত্মন

ভৰতি সা বৈঃ বাৰ্ণটো কিবিডভবদেৰের লোকেরু জীনি প্রতমু ভূরীয়ং বা পৃথিয়াং না অনৌ না ন্ধবততে বা অভবীদৈ স্টাতে সা বাস্বেত্যে যা দিবি সা আদিতেয়ে বা বৃহতী সা ভনরিত্মাবর পত্ৰ ততো বা গাগতিক্তিত তাং বাক্ষণেখণয় তত্মাৰ ক্ৰিণা উভনীং বাচং বিশ্বতি যা চ द्यवानाः सं 5 क्षेत्रांगिवि ॥

বাজ্যের চার্ন্নিশন কি অবিগণ বলেন ওঁকার ও আবভিগণ (ডুং, ভুবং, খঃ) চারিটা পদ। বৈশ্বাকরণগণ বংগননাম, আখ্যাত, উপস্থ নিপাত চারিটা পদ। ব্যক্তিক্সণ-মতে মন্ত্র, কম, প্রাথণ ও বাগরিকী, চারিটা পদ। নিক্লককারগণ বলেন বকু, ক্ষুণ, সাম ও বাবহারিকী বাকের চারিটার। সর্পা, শক্ষী, কুন্ত সরীক্ষণ ও ব্যবহারিকী **এই চারিটা বা** भक्तभी मृत्रमञ्जाति मृत्या त्रभग वाका व्यवक्तः स्टेशं बाटक, क्षेष्टे मक्तरकरे हात्रिके वाक् वर्णा पांच । अपन्द नपद्ध जन अप विनायस्थान :---

ৰাস্থ প্ৰষ্ট হইয়া চায়িভগৰিভক্ত হয়েন। ভিন ভাগ ভিন গোকে ও চতুৰ্বভাগ পশুগণেয় মধ্যে ইজানি দলা কর্ম-আক্ষণগ্রেছে দেখিতে পাওয়া যার এবং এই প্রকারে বৈধিক গ্রুক বা বৈষ্টিক শক্ষ্যে অর্থ সৰ সুনিধিগের মধ্যে মতভেগ উপস্থিত হয়। বৈদিক মন্ত্রের প্রাঞ্চত অবনিষ্কারণ ছক্ষা বাাণাভ্টরা পড়িছাছিল এবং উক্ত কারণেই বোধ হর স্বাক্ষবিশ্লৰ উপস্থিত হয়। এই বিশে শসর সহামূলি গাড়ের আবির্ভাব অনুমান করা বায়। স্বাইুনিং ৰাক গভীর গৰেষণার পর হায় নিক্তগ্রেছ রচনা করেন। তাঁহার সময়ে যে বিপ্লব উপ্রিক্ত क्य. **डीकांत्र अय** क्रेंटक का[,] यहबड़े निवर्णन शास्त्रा यात्र ।

শ্ৰাপীণম হয়েশ সম্প্ৰেণ্ডভাৱে ল বিছাডেংখন প্ৰভিন্তো লাভাস্তং স্বরসংভারে।দেশক-णियः विश्वादामः शाकनाकार्याः वार्थनायकः ह। यति मजार्थकात्रशानर्यकः **छवछी**कि কৌৎলোহনর্বক। हि মন্ত্রান্তলেনাপেকিতবান্। নির্ববাচো বৃক্তরো নিরভাত্নপূর্ব্যা ভবস্তাবাশি আন্ধণেদ রূপসম্পন্না বিদ্যা। উদ্ধর্তাখাখেতি প্রথমতি। প্রোহানীতি প্রোহভাষাপান্তপ্র পরার্থা ভবরেণাবধে জাক্ষ্। স্ববিভেবৈনং হিংসীরিত্যাহ হিংসন্। ভাষাপি বিঞ ভিতিতাৰী ভবতি ৷

क्षण कर सरमारु वज्य विकीय: । भागरका ज मस्यानि हे यो भनिकृताम् । ं पांचकवित प्रक्रिय भक्त रममा सम्बद्ध नेता हैकि h

कथानि 'कानकः ध्वाबाखात्रः नविश्वामत्रोक्षक्रीकाशानीक क्षोबनिकित्रवेतिकनिकिक्शनिकेशनगानगाकायः । मधागावtill viscols s

🥒 वार्थनकः नवमायहंग्रीय रक्षण मनुबन्ध रक्षनमनुबन्ध वद कर्ना ।

ই প্রাধনন্। জীড়টো প্রৈমন্ত ভিনিতি কৰা এডারবভনাটো ক্রি নিরভারণ্ক লি ভারতি লেই ক্রেন্ত প্রাধনন্ত নিরভারণ্ক লি ভারতি হিছাল করিছি । বংগা এডারবিজ্ঞান করিছিল ক্রিন্ত ইড়া-বিভারতি সামান্ত করিছি । বংগা এডারবিজ্ঞান করিছিল ক্রিন্ত লালিকেবছণোভরুগানারকার্যারিক আনিক্রিন্ত আনিক্রে । বংগা এডারবিজ্ঞানিক করিছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করিছিল করিছিল করিছিল করিছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করিছিল করেছিল করেছিল করেছিল করেছিল করেছিল করেছিল করেছিল করেছিল করেছ

मिक्रक श्रेष वाजित्हरक देवविक माजह कर्वत्वाव कहें हैं गांदी। अवर कर्वदर्शव वाजित्हरक ক্ষাৰ উদ্ধাৰণ ও বাজিবুৰ জান হটতে পাৰে লা । পুতৰাং বিক এছ বাজিবুৰ অভবিত बल गाहित्क भारत कर। की अवहें चामारमत चार्वरमांचम । योकोधनमधावरोती क्लाम वाकि क्षा क्रिका स्थान देव, मधानका निवर्षक, श्रकार मधान व्यवस्था क्रिके व्यवस्थ धावर क्षेत्र कारकका शांतिनामिक श्रेरफाक मा, काशक वेश करोड्नि शाक सामन दह महामका निवर्षक सदय, कांत्रन दे मक्त नहरू यह अधिकदेशाएक खेका अकार्यश्री । माना करते. यावश्रक इहेरलन नष माह्यक वर्ष गतिवर्धन वह ग्रेक्ट नवन्ति वरह रह वर्ष तारक करेगारक, काशास्त्रक रमहे बार्च सरकाक का । बालावारक समामाद रव बार कार्का PROPER TE ARE BING BERT WIE AR GERT GERRIN PRESENTE I DE WER क्षावय होत्र यहाँ क्षातिनाक वर्षाध्याद्य विविद्यान वरेबा बाटव देविक व मानावय कावाव मक्छित् दर बेक्ट्रे बार्च शहक एडेवारक, छाताब धानाब मार्क्स "बीक्ट्रकी" नम निका अ महत्व क्रीडालांडनावम जन जरे भागी विकित स गांचांडन क्रीक गमकार स गमान महर्च ताक क्षेत्रा बारक । श्रुक्ताः ट्योरमयकाक्ष्याकीत क्षेत्र व्यागविषक मार , ेट्योरम्ब विकीत जानदि ता देविक ब्रावनित्त कडकानि निक्रमण नप थ बेनीदा, क्रिकार बद्धा खांचा कारावत के। अवद मध्यक वाच वानान द्या, मांबाहर कविदाको अकाब मध्य क कम कारक करता बाटक, श्रवतार के कांत्रदन महस्रायान कर्नानक्रम वर्गा देशक नरह । दक्तेरन खनकास कर्क अंतरसरहत रह रेटविक मध्य चम्रावर सुर्गनात्र केमिकी स्वे, अकार व्यवस्थित सम्भ-न्यार्थ : वया "क्यार जावन जनम" न्यविष्य मा अनम् विश्व और नाह नाहित्वन मूल्याना व animaten feela with a with with "to all's ! tallwing whom " for all ne ein muis state tens wice, weath war we see etuice : weigh बांक के क्य कडिएक्टब्रेंग एक, ज कोमंकि क्यानके, कारन देशिक लक्ष्मारक दिशा देनिक एवं महि । देवी व्यक्तिकार mise to colt waste, wine and free with their with ৰাজ বলিকেছেল "এক সভা" আগৰ **বাতে বলিকেছেল**

উভনে ভগৰান্ যাত বুলিভেট্ৰিল—সকল ৰাজ্য আসংগত সতে, কাজন নাৰাগণভাৰতেও এই নাৰ্যায় খলা বাব "এই প্ৰাআগের সম্বৰ্জন নাই" ইজাদি। কৌৰনের অন্ত একটা প্রতিবাধ হাইছে জানা বাব বে, নহামুনি বাজের স্বর্ধন অভ্যক্ত কিবান কাজনানি বাজ বনিভেছেন বে, লুইবান আজির নােদ না সংগ্রহজন বেলা । নাল্যনা নাল্যনা নাল্যনা কাজনা বাব লাভ্যন বােদ না সমাল মধ্যে শভিত ও মূর্ব উভয়ন্তর অভিনাই কাজনা বার্য আজনাাক্ষিক বাল্যনাভিক্ত ও আমবান্ ভালাবিদ্যকে পঞ্জিত বলা বাব ও অভ্যনাক্ষিক্ত ক্রিকা বাল্যনা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা ক্রেকা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা বাল্যনা বাল্যনা ক্রিকা বাল্যনা বা

সহাস্থিন বাংগার প্রস্থ হইতে প্রান্তীয়মান হয় যে, তাহার প্রাণ্ডলার পূর্বা হাইতেই বেমবিনাই আরম্ভ হইয়াছিল এবং লেই বিস্তার নিবারণ জন্ধ বান্ধ বুলি এই প্রস্থ জন্ম করেন। এই আক্ষান্ধ বেনবিন্তার লালা সময়ে ঘটনাছে। পুরাণ প্রস্থ গ্রন্থান পানে ছালা বাদ্ধ যে, আটাবিশেতি বার্ব এই বেনবিন্তার হাইয়াছে প্রবাহ প্রান্তবাদ্ধ প্রমান্তবিক পর্যান্তবাদ্ধ হাইয়াছে প্রান্তবাদ্ধ প্রান্তবাদ্ধ করেল। প্রাণ্ডলার আর্থি বেনবিন্তবাদ্ধ করেল। প্রাণ্ডলার বান্ধ বান্ধ বান্ধ বান্ধ বান্ধ বিনাই করেল এবং বিবাহিত্য করি প্রস্তান্ধ করি সংস্থানার অন্ধি করিবিত্ত করেন। প্রার্থ বেনবিন্তবাদ্ধ বান্ধ বান্ধ বান্ধিত করেন। প্রার্থ বিনাই করেলিন্ত করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধ বান্ধিত করেন। প্রার্থ বান্ধিত করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি করেনি বান্ধিত করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি না ঘেনিয়া মন প্রভাব চক্ষান্তবাদ্ধ করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি পারেন, কোন্ধ ভিনিত্ত করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি করিবিত্ত পারেনা, কোন্ধ ভিনিত্ত করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি বান্ধিতি বান্ধিতি বান্ধিতি করিবিন্তবাদ্ধ করিবিত্ত করিবিন্তবাদ্ধ করিবিত্ত করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধিতি পারেনা বান্ধিতি পারেনা বান্ধিতি বান্ধ বিন্তবাদ্ধ করিবিন্তবাদ্ধ করিবিন্তবাদ্ধ বান্ধ বিন্তবাদ্ধ বান্ধ ব

শাসাদিশের বৈতালিক অনি বছকাশ হইল নিজিয়া জন্মগাৎ ক্রীয়ায়ে। ব্যৱস্থা ক্রীয়েজ নামগান নোপ বইবাছে। কোলও গলে ক্রেডা, উন্পাতা, অবস্থা প্রায়েশ্য লাজ্য-ক্রেডা বহিলা ক্রিডা বহিলা পার্ডিন করেন লা। বেদজান্দীন প্রাঞ্জনাক ভাইনিবিভ ক্রীয়ে ছার বিজ্ঞা নিজন ক্রায়েনা আছেন। ক্রিডা লাভি বিশ্বীজ্ঞানতের সভিত ক্রোণ ক্রায়ে ক্রিডা প্রতীজ্ঞার ক্রিডা নিলিয়াহেন। বৈতাপ শর্মীশ ক্রিডা ভালাভিত ক্রিডারেন। বেডাপ শর্মীশ ক্রিডা প্রতিজ্ঞান ক্রিডার বিজ্ঞানিক ব্যবিজ্ঞান ক্রিডার ক

त्वपटन महावित पर्य ७ विनित्तान मधाय गंगार्थ प्रमान विकास स्विता स्वीता अधित अधित । और विगए रवेटक कोम्यहायक्तन तर प्यामितिक्य क्रम क्विति स्वीतिकालक जान्य हताना मान । अपने मानान महाव वर्ष ७ विनित्सम मनाय गर्थिक महिन्दा स्वीतिकालक स्वीतिक विकास स्वीतिक जिल्ला इतेटक स्व । "দ্বিক্রাবে। অকারিবং জিফোরণজ বাজিনা। স্থাতি নো মুখাকবং প্রশ আয়ংবি ভাবং ।"

আধুনিও কালে উক্ত মন্ত্ৰী দনিলোধনে বিনিয়ক হয়, কিছ এই মন্ত্ৰে আৰ্ কি ? এই মন্ত্ৰ মধ্যে 'দাই' নামক কোনও দেবভাৱ কভি লাছে কি না ? ভগবান্দীনামণাচাৰ্য উক্ত মন্ত্ৰের এই প্ৰকাৰ বাধ্যা ভবিষ্যানে :—

শুলাধ স্থানী। বামনেৰ কৰিং। বধিকাৰাইগ্লিবিশেষং। স্ চাৰ্কণং ক্ষিত্ৰ বৈজ্ঞোহনি-ক্ষিত্ৰিত কৰো ত্ৰণং ক্লয়ে সন্বেভাতি কৈ ইভাতি কাধ্বয়া বাৰ্কনক্ষসক্ষেত্ৰ। ধৰিকাৰ পো দেবিজ ভাতং ক্ষকারিকা করবানি। ক্ষিত্রোঃ ভর্নীক্ল ক্ষমত । বাজিনা বেপৰজঃ। স্থেৰো নোহক্ষাকং মুখা মুখানি চক্ষরাধীনীজিয়াল প্রবৃত্তি ক্লৱন্তীনি কর্ম করোজু। নোহক্ষাক্ ক্ষরাহি প্রভাবিষ্য প্রবৃহ্তির প্রপ্রবিদ্যাল গ্রুবিভি ক্লৱন্তানি কর্ম করোজু। নোহক্ষাক্

ভাষার্থ—এই মন্ত্রের বামনের কমি। দলিফারা আরিবিশেষ দেবজা। সেই দেবজার আভি
শ্বামন্ত্র কমিলাটে, নেই বেব কি প্রকার । করনীল ও বেসবান্। তিনি আমার্থিলের ইপ্রির সকল প্রবৃত্তি কলন্ত্রেরং আমালিগের আয়ুর্বাচন করন। ভট্টমাহোলগুলা উক্ত মন্ত্রের এই অর্থ ও উক্ত মন্ত্রের বিনিয়োগ সধ্যে সায়ক্ত করিছে পারেন কি গ

এই বহে খবি ৰামণেৰ বৃশিতেছেন ে, আমনা যে মুক্তিয়ানা নামক অৱিবিংশংখর শ্বৰ করিবছি, সেই অসমীপ ও বেগবান অগ্নি কামনিগতে আকৃত্র কল্পন ও আমানিশোর আগুৰ ছন ক্ষেন। আই অনু হইতে দণিলোদন কি প্রাকৃতির সম্ভব ৮ ভট্টবজোন্যগণ এতেও স্থবীন বিচাল করিবা হিন্দুসমান্তের উৰ্কৃতির, সাধন করুন ।

এই মন্ত্ৰী ৰংগৰাজ্ঞাত চৰ্ব মন্তল চৰ্ব জন্যায় ৩৯ প্ৰক্ৰের যট মন্ত্ৰ। এই প্ৰজে উক্ত কৰি দ্ধিক্ৰাৰা নামক অন্তিম কৰিয়াছেন।

আতং শীমগাসিনং তমু তমেৰ দৰিফ্ৰাং দেবং মু কিঞাং কৰাস। উতাপি চ দিবঃ পুৰিব্যাল্ড স্কালাৰত মালং চৰ্কিরাম। বিক্লিপাম। উচ্চংতীক্তমো বিবাসরংতীক্তমো মাং এতি প্ৰয়ংজু। রক্ষংভু কলানি। বিখানি সর্বাণি ছরিভাক্তি পর্বন্। অভিপারমংভু । দেৰতাকেৰু মংত্ৰেছভ্ৰেৰতাভ্তিভাগাং নিপাততাজ্ঞান বিক্লগতে i

'क्रकृत्धाः कर्षानाः भूत्रत्वार्कः महा महत्वार्वेत्वारत्वनवतः भूक्षयावत्र वक्षविवंत्रविवत्र वृत्का বৰ্ষক পৰিক্ৰোৰ্ণ: ছজিং চৰ্কমি। অভাৰ্ষ করোমি। তে মিতাবক্ষণা মিতাবক্ষণৌ মুবাং ভড়রিং জারকং বং দীদিবাদং নাথিং দীপামানমন্তিমিব ফ্রিডিং পুরুজ্যে বছুবোডার্ডেবামুপকারার मम्बः । शहरकः ।

ৰো ৰজমানোহৰভাৰত্ৰপভ বাাগুভ বা দণিজাৰ গছ ছতিমুৰ্গো বাুঠো প্ৰভাতে সভাচনী সমিদ্ধে সভাকারীং। অকার্বীং। মিত্রেণ বরুপেন চাহোরাঝাভিনানিবেরাভাাত্র সলোবাঃ नवानकी जित्रविजित्रवरणनीरशा विविक्तांशः वस्त्रवानमनार्गमः कृत्यां हु । व्यवाकु त

वैरबाटतमानकरमारको वेनमाय ७७ मः । महत्त्वा प्रशिकारका स्वयं मक्तार रखान्य गाँउ পড়তং ভদ্রং কণ্যাশং নাম নামত্রপমতি বত্তদমন্ত্রি। স্ববঃ। স্থিং চাত্র নিশাভভারো क्लभारीक्ट चळात्र त्कमात्र हेवामाह ॥

हैरलमिटेननः विश्वलामुनीवाना युकारवारकागाः कृतंरका यक्रम्भश्रवारका यक्रम्भक्रम् अवक-মানান্ডোডাই বি হুমতে। আছুমতি। বং মত্তি মৃত্তি ত্ৰনং প্ৰেরকমধনস্থা<u>প্র</u> (इस: (क शिकायक्रमा साक्ष्याक्रमधीत प्रमण्:। धात्रद्य:। ७: विक्रुवराक । ভোতৃশ্রুবিভূতেকেন বোভন্নবিধন্দ্রমবরণ তবাং ॥

निवक्तारत्। समातिविधि यक्त भविरक्तते। सम्बाका। श्विकः ह। विकारत्। सक्ता-রিবনা ব্যক্তিন: শ্বদা পচেকুটা:। আং ২, ৭২। ইতি । স্থিকেশতক্ষেত্র। স্থি-कारवृ। चकातिर्याणात्रिबीरम मधितनान् छक्तः छ। चार ७, १२। देखि एक्रिक्सर ॥

निवकारन। ८१नक विकासनिवर। कत्रनानि। विकास विकासना नानिका नाविका বেগবজ্ঞ। স বেবো নোহশাকং মুখা মুখানি চকুনাদীংক্রিয়ানি ক্সান্ত ক্সাকীনি ক্সাৎ। কুরোছু। নেহিমভাষায়ংগি প্রভারিষং। প্রবর্গরত। প্রপুর্কতিরভির্বনার্থ: । ব্রিজাব্ । ইণিজি ्र भारत्वेमहेमः मुख्यः वामानवनाविः पाविकाः। व्यामा विद्रे म् निही सगळाः। स्रानः **एडिमनिरकाश** সূৰ্যাদেৰভাৰা তথা চালুক্তমণিকা। मधिकार्यः शरु हर्वावारस्का व्याख्यास्त्रा নৌরীভি। প্রভাবনিয়োগো লৈংগিক: ॥

অব স্থানী। বাসদেব থবিং। দধিকাৰাহছিবিশেবং। স চাৰ্যক্ষণঃ অন্তৰ্গ বেকো নিৰীয়ক অবো স্থান কৰা বৰণেত্যতিষ্ঠৎ ইত্যাদি অধ্বৰ্গুপ্ৰাহ্মণনমুগ্ৰেৰণ্ড বৰিক্ষাব্ধে বেৰ্ল্য কৰিব जकातियः कत्रवानि।" कित्काः वजनीनमा जनमा। वाकिमः दक्किवकः । म दक्ता त्याक्याकः वृत्री वृत्रानि हक्तावीनीक्षित्रानि क्षत्रकि क्षत्रकीनि कार करताकू। ह्रेमांस्क्रकान् आवृत्रि कावाविकर व्यवसम् वानूनविविधिकिमार्थः ।"

200

माबनाहार्यात्र मर्क व्यवजनवात्री व्यक्ति स्वयक्त अवे वरश्चत क्रियात । क्रिमि अवे वर्ष ममर्थम कतियात क्षक आक्षन अप श्रेटक अकी काशाधिका केमू क कतिबारक्त । अहे ব্যঞ্জা হটতে এবন কিছুই এনাণ পাওৱা বাব দা বে, ইহাই উক্ত মুদ্ধে প্রকৃত কর্ম বা প্ৰাক্ষণ গ্ৰহে উলিখিত অগৱশালী কৰি ও এই মধ্যে উলিখিত কৰিবলা বা কৰিবলাৰা একট ঁপদার্থ: এ বিবরের স্থাপট প্রামাণ কাজিরেকে সারণাচার্ব্যের মডা**রুবারী ভাষ্ট বীভা**য় कता राष्ट्र मा । गांवशाहारी अक्टून विहाद कतिहा क माजह कांगा करतम साहै, कांग्रह अक्टून विकास कविया टाकीश्रमांस स्व त्य, ध्वरे सद्भव केलामा त्यका हैस वाकीक त्यक महस्त्र । दिन नाइनामार्टीत आहा आहत करीकात कति, कांग स्टेरन देविक मध्यप्त कर्व खालंब स्वया বোৰ হব একেবাছেই ব্ৰ:নাথা ব্টবা উঠে। পৰিকোৰা ও অৰ দক্ষ ব্যতীত অন্ত প্ৰশ্নাক্তি গুণ-ৰাচক ভাবে ব্যাক্ষাত হুইয়াছে এক আনাবেরও বিধান বে সে তুলি প্রশ্বাচক বিশেষৰ। कित्काः व्यर्थ सम्मेनमा। अरे मात्र रेतान शामित मात्र स्थित स्थानमानिकानाः क्रिक्, जर क संबी। विकास ^क्रिक्ट निश्चनंत्र जन जामन वीकार क्रिक्ट संसा 'दबर क्रामांड' देखि विकास, विनि वीधवाड: सामन करवन वाक सम्बाद वा सुन मुहर्वाह অভিক্ৰম করেন। বে ৰাজিই এই প্ৰকাশ বাশাৰে সমৰ্থ ধৰেন, তিনিই দক্ষিতাৰ। যে কোন विवाहरे रहेक, ताबाम माजन व नहकानरे काशाक्क कविकास करा प्रविद्धा वा शिकाश শবের ব্রায়ক নিকক্ষপক কর্ব। ইবাকে এই মহে বেতা বাগধা উপদেনা করা ব্রুলেক क्षमा त्याकाच कर क्षमि मानावरण महाग कारन वर्षिक स्वेटकाक । त्यावाच वहमारकात व्यापकारिक বিশ্লেষ্ট্ৰ কৰিয়া ইপ্ৰদেশভাৰ ছতি পাঠ কৰিভেক্তেন অৱসায়েত অভয়াত জিলাঞ্চলিত বিশ্লেষ্ট্ৰ कांग्राम अने। बाब देव द्वावां जानायरे कांग्रामक करतम जान नवकानरे कविताम करतम । जारे क्षत्र वर्तमा कविका श्रवि विवासकरणम त्य, वेन्तां प्रविकारित न्युकताः विक्रुः, शरववे वैतारक व्यव विवास चन कडिशाइका । जन कर्यार जांकान शास्त्रि कडियात क्याडानिन्द्रि यः कामा क्याबिन्द्रिक ताल राजी मार्थार रक्तरान्। अने नकन क्रमनिलिट रेरक्क विकट सामामकानि क्रम क्रमिट्ड-एम :-- "प्रपृक्ति त्या क्ष्यांकार जान काकृति कातिवर ।" प्रपृक्ति कार्त्य क्ष्यां अर्थात् नाक्षकारः श्चित्र कार्ड वाधिकात कमकापुर, मत्नावाती क नकामकुक्त । क्षति कार्ड मात्र सुर्वाक्तिक বলিবা বীতার করাবার না । ভাষাত্তর অনুসন্ধান ক্লরিলে দেখা বাব তে ভাষার ব্যবস্থা নাক্ क्षायानः कवि माधान जार बारहान क्षेत्रा कालका त्यान विकास महत्वाहार स्थात केते है चर्राक माभद्र भाष्यक त्रावेकक मानाञ्च भरका क्षेत्रमा कता अक्षरण वृक्तित्वकः। 'क्षर' प्राप्त अक्षर wints want by ante for all miraca mariners arms when the colors mining या नामाक कार कराना कांतरम 'भूव' नरक नहींत्र कुछ कांत्र किसी प्रांचीत साम नानी औ সংজ্ঞাবাচত উক্ত ময়ে ব্যবস্থাত শক্ষালয় এই প্রাক্তার মাধারণ মারা একরতা করাই ব্যক্তিবিত্র এক ভাব কলমা কলিবেই উক্ত মাজে প্ৰস্তুত্ত অৰ্থপ্ৰকাৰ প্ৰত্যক্ত এই ব্যৱস্থানিক প্ৰবৃত্তি गाउँ व वर्ग विश्वकता कक्षण । "Ce प्रविकाश केल पूर्वि अवस्थित, प्रक्रि खेल, सुक्कि शांकी । कार्यि

প্রার্থনা করিছেছি বে, তুমি আমানিবের পরীর স্থানর কর।" কেতা ইন্তে নির্মান উপায়ক প্রার্থনা কি হইছে পারে ? ইন্ত বে সকল তবে করি হইছে সর্বর্ধ হয়েন, সেই সকলে তব্যুদ্ধ হার্থনা কি হইছে পারে ? ইন্ত বে সকল তবে করি হইছে স্বর্ধ হার্থনার করে নালার বিভাগ সকলার সমর্থক। স্বত্যাং আমানিবের বিশাস বে, এই পার্থ বিবির মনোগত ভাবসন্থত অর্থ পার্থনাচার্থ্য বে ভাবে বাংখা করিয়াছেন, ভাহা কতদ্র সক্ষত বা সন্তর্ধান, ভাহা বিচার করা আমানিবের সাধ্যাতীত হইবেও, উক্ত ব্যাথা সম্বন্ধ আমানিবের সাধ্যাতীত হইবেও, উক্ত ব্যাথা সম্বন্ধ

শিধিকাৰা অনিবিশেষ এবং সেই দেবতার নিকট আমরা উতিপাঠ করিতেটি। তিনি কোন্ অপবিশিষ্ট। তিনি নিজু, অর্থনপ্যারী ও বেগবান্। সেই বেগ আমাধিগের মুখ নর্কন অর্থাৎ চক্ষরাধি ইঞ্জির সকল স্থরতি কলন এবং আমাধিগের আরু:কাল বর্তন সকল ।

পাঠকবর্ষ দেখিবেল যে, মর্মের উপজি বেবজা সধ্যক্তী নার্বাচাব্যের সহিত আনাদিগের নতবৈষ্যা আছে। দেবজার ওপনাধান নদ্ধে প্রকৃত বৈহন্য আছে কি না, বলা বার না; করিব উক্ত ওপনাচক পদক্ষিণ আচার্যা সমাক্রণে বাবলা করেন নাই। পাঠক আর্থ বেবিবেন, বে ব্যানালিক বার্থনা স্থকে আচার্যা নহাপরের ক্লনার সহিত আনাদিগের বিশেষ বৈষ্যা নাই, কারণ আচার্যা মহালয় মুখ দক্ষের যে কর্ম ব্যানাল করিয়াছেন, জাহার সহিত জামাদিগের বাবলার নাই, কারণ আচার্যা মহালয় মুখ দক্ষের যে কর্ম ব্যানাল করিয়াছেন, জাহার সহিত জামাদিগের আবার মুখ্যকত ঐক্য আছে। আচার্যামহালয় ক্রতি দক্ষের কোন ব্যানাল করেন নাই প্রবাহ উক্ত পদ্ম স্থকে উহার জভিমত কি ভাছা আম্বা অবগত নহি; ক্লর্ডনাং ভবিবরে বিচার অসতব। আচার্যা সামান্দ্রী মহালরের সম্পানিত ক্রিডার আচার্যা সায়বের ভাবোর বর্জান্ত্রানাল করিয়াছেন। সে অন্ধ্রান্ত্রী মহালরের সম্পানিত ক্রিডার আচার্যা সায়বের ভাবোর বর্জান্ত্রানাল করিয়াছেন। সে অন্ধ্রান্ত্রী বহার স্থান্ত ছইবে এবং আছের পরিমিত সীয়াও উত্তীর্থ হুইবে।"

এই অপ্নাৰ্টী পাঠকবৰ্গ বীরভাবে বিচার করুম। ইংগ পায়ণাটাৰ্ডাৰান্ত্ৰোদিত অপ্নাৰ নতে এক আমৱা আলা করি বৈ আচাৰী: সামাশ্ৰী মধানৰ এই অপ্নাৰের স্থিতি শ্ৰমাণ করিব। সমাজকে উপত্তত করিবেম।

উপরি উক্ত যে কোন অর্থই এই নজের প্রেক্ত কাথ্য হউক, এই নজের বৈ প্রকির্ম বিনিরোগ নির্মিট আছে, ভাহা হারা এডকালো কোন বাাধ্যাই সম্বিত ইয় লা । এই হরের বিনিরোগ সক্ষে ভাজামহারাজবর্গানে এই বিধান আছে—

্তিৰ্বাহণঃ আমীনীয়ং পৰা ব্ৰিভক্ত ভক্তঃগুলস্পত্ন ব্ৰিক্তি হৈতি, আই ব্ৰাণানিৰ্ব্ মতে ব্ৰিক্তাৰ ডি ক্ষরণো ক্ষরিবেশ এব বেশ্তাবেশাভিশীয়তে ভবাদি ক্ষিক্তবিদ্যাৎ সামাজিক ব্ৰিভক্ত বিভিন্নো ইডি জুইবাং। পাঠিও

गरिकारको अवासिनर जिल्लाहरू जीवितः। क्षिति का अवस्थित । क्षिति का अवस्थित । क्षिति का अवस्थित । क्षिति का अवस्थित का अवस्थित । क्षिति का अवस्थित ।

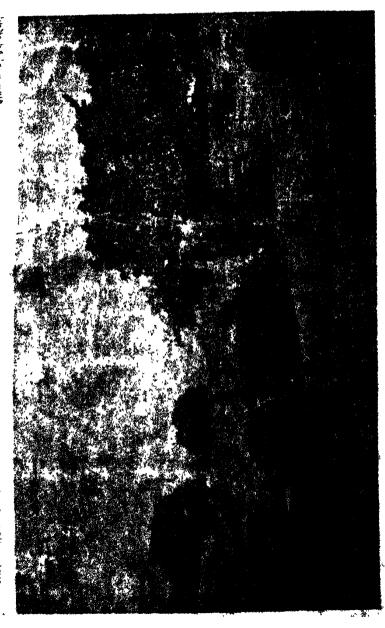
/or गुरिका-मुक्कि-मुक्कि

'বনি বধু গ্রার্থ ক্লাবড়ীতি বছিকাবা ক্রেবনিবি বিভূনোরছনাবিকা ভাবিতি মনারভাকারঃ ভাজ বার্কাবি ক্রতং সংক্ষকসাধিরপদা বিষয় ক্লারিবং পরিক্ষক ক্লারবির, কীচুলত ক্রিকেন্দ্রিকাত বাজিলো বেশবতা বাজিবনারে বা ক্লান্ড ক্রোভেরবঃ ক্লিএং ক্রাং ব্যাধুবতঃ স চ বহিকাবা কেবঃ হুবতি স্থপাং হুলুক্তি বেলু ক্ স্থবটিশি হুল্ডীনি নোবস্থোকং মুখা মুখানি ক্রাং করেছে নোহস্থাক্রাভূবি চ এডারিবং ব'

এই বল্লে বলিও বলিজাবা নামক অব্যাপ অভিনেবতা উলিই হইবাছেন ; কিছ বনিজাবা লাকে প্ৰিণক্ষাসংক্ এই বন্ধ বনিজ্ঞাবা লাকে প্ৰিণক্ষাসংক্ এই বন্ধ বনিজ্ঞাবা লাকে প্ৰিণক্ষাসংক্ এই বন্ধ বনিজ্ঞাবা লাকে বনিগক বোল কৈছু, মন্ত্ৰৰ উপানা কেবজা বা মন্ত্ৰৰ অৰ্থনগৈতি অপ্ৰাক্ত কৰিয়া উক্তৰন্ত ভবিতক্ষণে প্ৰযোগ কৰা বুজিলকত হইছে পাৰে না : ভাষাভাৱনিগূপণ প্ৰক্ৰাছণ বীকাৰ কৰিবেন হে, বনিজা লাক মন্ত্ৰা বনি লাক মাই এবং প্ৰাচীন আচাৰ্যাগণ ভাষাও বীকান কৰিবলৈ হৈ, বিজ্ঞান কৰি লাক মন্ত্ৰ বিভিন্ন কৰি কৰিবলৈ হৈ, কিছ ভাষা অন্তৰ্ভাৱন লাক কৰি কৰিবলৈ কৰিয়া কৰিবলৈ লাক মন্ত্ৰা আহিবলৈ কৰিবলৈ কৰিবলৈ কৰিছে কৰিবলৈ কৰিবল

हेर्गुगमाः नवनगःचात्र गनविक्तिसः वस्तः गनिमा । ुविक्तिनिक्तिस्क त्रेरी विद्वावका यकि गानसम्बर्धाः ॥

करें महीन व विकास नव प्राप्त करें विश्वनावर्ग नायवार हरें हो वारक, स्वारं वाकार विद्या-ताथ रह ति, वक्षित व्यवनात नहीं वाकाय नव गांवकता महत्व वर्ष वाकित विद्या-कर्णाणित महिताल निर्मित करिया करिया विद्या कर्ष के विभिन्नान निर्मित वर्ष व्यवनाति व व्यक्ति नका हात्यन मारें। करें क्ष्मी महाद वर्ष के विभिन्नान देवका हरेंगा विश्व वर्ष व्यवनात् महत्व मह गयव निर्मित करिएर हते, काल हरेंगा क्षमी पहले प्रस्तव निर्मित वर्ष व्यवनात् महिता वर्ष व्यवनात् विद्या वर्ष व वारक। ति वारक वर्ष तीक विश्व व्यव प्रगतिविद्य, त्य वर्ष व्यवनात विद्या व्यवनात् महिता वर्ष व्यवनात् विद्या वर्ष विद्यानीय वर्षेत्रास, ति तम व्यवनात् मान्त्र विद्यान व्यवनात् विद्या व्यवनात् व्यवनात् वर्षेत्र वर्ष, ति वर्षाकारी विद्या व्यवनात्र मुनिया क्षमान वर्षाकारीय विवन विद्यान व्यवनात् वर्षेत्र वर्ष, त्यरे त्यत्व क त्यरे वर्ष ति क क्षमान व्यवनात् वर्षेत्रक विद्यान विद्या विद्यान विद्यान व्यवनात् वर्षेत्रक विद्यान व्यवनात् वर्षेत्रक वर्षेत्



STREET NAME OF STREET

मन २०११] वज्रकांबात्र श्रामण जातवी, भागी ७ वृद्यानीत्र भन

সকলের প্রকৃত অর্থ প্রত্যর নাই বলিয়া আমরা মন্ত্রের বিনিরোপ ও অর্থের সক্ষিত্র প্রতিশাবন করিছে পারি নাই। কিন্তু এ আলহা বীকার করিছে, সাম্পান্তিক ডভান্ড অপ্রাক্ করিছে বয়।

বদভাষার প্রচলিত আরবী পার্লী ও মুরোপীর শ্র

महिन्न-गांवर रवजावात अक्यांनि नवीवन-गां पांचरान दावेज करित क्रियां क्रियां करित क्रियां करित क्रियां क्रियं क्रिय

া পাবন ও গালী শংশর কার্যনান ধানাগান্ত জনেই কমিডেছে এবং বুজেরা এ প্রাক্তানের যে গালপ বানহার করেন, ভাষার মধ্যে জনেক শব্দই মূবকেরা বুকেন না। ইবার পরিবর্তে কিন্তু ক্রডে প্রথমিক করেন। ইবার পরিবর্তে কিন্তু ক্রডে প্রথমিক করেন। ইবারা বিশ্বের সংখ্যা আন্তর্ভাগ ইবারানী শব্দ প্রতিভাগ মঞ্জাল ইবারানী শব্দ প্রতিভাগ ইবারানী শব্দ প্রতিভাগ ইবারানী শব্দ প্রতিভাগ ইবারানী শব্দ প্রতিভাগ সংখ্যা হয় করিবার । অবশ্ব ভাষার সংখ্যা হয় করিবার । অবশ্ব ভাষার সংখ্যা বিশেশ বিশেশ সামি প্রতিভাগ ভাষার নিয়ালেন।

- अक्रुंका) = प्रतित्व सम्प्रिकाः ७ (स्त्रः) = में x cuser अत्या अप्र = स्वतित्वस्य

क हेर (चा) = अवस्

क इत्तर राष्ट्री अल े तुलेबाद **ऋषत्र** कल हार स्थायमान **३३**

কালেন হ'ল নী (পা) = **বহুক্সণ**না (consur) জন সংগ্ৰাভ । পাণ্<mark>ত্ৰী, আৰু</mark>জ (মু) জন না ুই **রা**। শালবাহ (আ)

बाह्य अ देवर :

भारकारा (१९१) **मार्म शास**, (१४२-४ ४७) भारकारा **भारे**बाट्ड ।

আনক্ষরতা (আন); ইংগ্রেমী (nentile) ক আন্তারকাপুরু একে: উল্চট কান্টিন ১৯৮৫ পুর্বীতি চ

্ 'দৰ্শ স্থানি , লা আনে স্থাপার জন্ম আহা নিজ পালেবাপ লিজিনে নাজ, সাধ্য (Membrick Anna)

* 答う、対点 あり、一、日前側(41、freeherst)
 * 等等 (お) 門面部に関す 常販(一・販)会
 * 管理 中国では新り

ভারণা হ) রুক ছুতা নিজা স্থানাঝাশকে। সভিন্তি বলা হয়। এওড়াড়বাড় (আ) - সদশ বছল। এড়াই (পা) এএবার্ড ডিগ্রিয়া

 अरगाः (भा) = ६(जिद्या (कुल्बा; वका प्राप्तिक अव्यक्त विकारकः भागी विकार भन्न क्टेंटल फेटलकः)

• ावश्रामार्डे (बा) = मिर्यश्रास्त्रं, injunctiont

wrife (wil) = Grand

ক্রেন্সল (ম:' গাবরী উপিন্সা = জাড়িয়া ক্রেন্স।

 लाइ वदनामा (का, ला) = देवेन (का)
 (का) काववी कुलस मक दहेरण के ल्ल्ड (का) नाववी कुलस मक दहेरण के ल्ल्ड

প্রকাশে (কং)--আরণী প্রক্রেক্ত মুক্ত ১০
 প্রকাশিক হাল (আ), ০০ বে অবস্থা ক্রাপ্ত
 প্রকাশের (

उदाधिय (का) -- श्राहम है।

ওচার। (আ) — আভিনে ; (ভরঃজ্বংক "দক্ষদাই লচাপার ভারিব" বেগা বাছ ।

444 (Al))

কলম কলমখান (প্রা

क्रारी (का) - (न्याक्र (नना)

कमतर (कां। शांशाय, कुटी।

কারোপ্রাই গ্রা) - প্রকান কারোপর উল্লেখ্য করে কর বার ও

্ৰোসবাই ঝোনবুংলা) লালী থোস্বুং, ; ; গলেম, লন (আ)—বৰা প্ৰচ্মেনা,সবহাজিন,

東 (を)潜す かおは(が) イヤルンド (参) まる かばない (海帯場所機 前場動所 まなり

ः अत्रवाची, शरबद्र सक्त स्वेट्ड चावनी ना গৰের শদের উৎপত্তি ছইয়াছে এবালালা কোৰে বা মেশভেৰে বাগৰে অৰ্থাৎ वाखिदादक क्षादिक क्षाद्य क्रम्मान । গালিচা (পা) পার্শী কলিচা। भारत्रह (का) मुक्ता । cbi क (ला) - tight; वर्षा कांच नहींद्र। ভেউর (আ) ফারনী সেওম্ অনুতীর। • ८इन ७ (मा)-भावनी नितर = Imprest; বৰ্ণা মোতত ভেৰত কৰা। · 可保持(刊) - 別用) ভাত (আ: « শ্রীর। कान (मा) = खान। व्यक्तिम (व्या) - नवका (क्यांना (भा) भानी क्ये भरकत क्रीतिक - द्रीरणांक मक्कीव : श्रेष्ट्रांनाय कस्तव महरा व्यवह माधावनकः वाबस्य व्य • 'डनाकां (कां) = निवाम, श्रद्धात । তবিবং (का) 🖛 मक्का, काइवकासमा, etiquette তহরি (আ) আমবী তহরীর = লেখার জন্ম মেইন্ডানা। ভাক (আ) কোনাৰ। তাগিধ (পা) পাশী তাবিদ। ভালাক (আ) = divorce i জোহ ভরিবং (আ)-ডৌর এবং ভরিবং শক - ক্ষেৰ সংবোদে হইছাছে, ভবিৰং আৰ্টেই वावकात क्या (का)शक (का)-काइदी (काका i थक्तवाका (भा)==भानी क्य **क्यार इहा**व ७ मा स्टाम मधीर मुनान - क्याहै। विगवतियां (गा)-विश क्यां र मन करा विश्व (व्यवीर नगी) नक्करवृत मध्यादन Bern - The Marie ! • व्यादक (ना) - विकीयः। मानाहेन (का)-बाबरी गानाहरू

मधाक (चा) युगनशामित्यत क्रेगामधास का किया। নাকাল (আ) অধীকত হওৱা। मधाकी । नारात्रि (পा) = **क्यमां (ल**र् । **(ल्लनारा**प् मुननमान साक्षकारण नावाक पद्धानः टाल्यन का। ज्या क्ट्रेंट्ड narange नव हे:गर् बारत व क्यार्स हेरदाकी ভাষার রীতি অসমানে article a MIR article . a. বাবস্ত হইছ। ार 'narange' सर्वेड 'n' अवस्थित हरेश an orange क्यात डेर्नाड स्ट्र 'au" swed article med water পাডাইবাছে নেতি (পা)-পাৰ্শী মেল্ক পৰ্যাৎ বাহার व्यक्ति नारे - क्ला ্নস্থ (জা। - রার দেওরা। क का 1- (Juneary but) माम - (iw) विवाहक क्ति(भा) - शकी,शाबाद्यनात्र वावक्त हर । ফিলখানা (পা) = ছাতিপালা। वक्कम् (का)। वाभव वा (वशव (च्या) च्यात्रवी वशास्त्रवः गरवत नव (पथ्न । याकारण (मा) - ट्याट्रमा । विश्व विकास (भा)-भागी वस्त्रिकः देवस्त्रिकः कार्या करमक करन हैशा किंग स्थिन वारे निविक रह -বিতৰ (পা) পাৰ্মী বেশভৰ विगरमाहा (मानिया) त्रवारे (ग)-नहीं त्य

्त्यांत्र (का) - ब्रास्ट व आहरामान । र एम्द्रेश कृति (भूर्)। टरराका (का) गानी का अब बहेटक के नह, শানীতে "বাভৱা" নতের অর্থ চ'রত্ত-बीन इंडे बङ्गुम (च्या) चार्त्री भूगार्थ्य - मुम्ब , DASILA! मक्ट्र (का) क्रांध्य नन व्हें। क्रांक्य नव्हें -**উ**পাৰে প্ৰকাশিত। अवस्त्र (माः — मार्गः । #4::: '*******|} | यक्ष (चा) = जूकर महिला। alp (mi) ... wuff ome ze cimitere i शाहबङा (का। - शादहार, खब्रनीयन : विक्रित (का) - नवी (राजिनी) - 部川洋 (竹 - 東京 東洋 : बुहरमका । था-नानी बुहरूका - वाबीन 15" # 第 。 मुर्फ, फतान (था)-मानी मुकामसार । (M) was (M) - miscellimeo 1. (वा शास्त्र (ची) = चन्नराव । বোপালক (আ) - আইনে , apportant ug · 可以在往本部 家仁 · 《海水》: 'e'e '' - State fante (124) "你有那么一样女" 当;并被害 魔鼠, 神"耳及 不常(事 ्ष्रहेक्क **्रमायाकि ग्रंब का क्षेत्र** कर ह र पोष्ट्रकर्रका अपन्ति विकिश्वक, सम्बद्धाः · (१५) मध्युत मान्त महिन्दि शिन्द्रम 电子数量 事務 ★ ★ ◆ く (雪) → はいか。 तर के कि . ≈ स्ट्रांसन शुक्रियादि (के . 气管环 可切 的现在分词 电电极管 化对键管 17 = 169, # y att

ইয়াশনাই (গা)-গাণী য়োশনি 🗕 আর্ফৌ (হারাণ যারু পার্শী জোশনাই লিখিয়া-* · ছেন ; ইয়ায় অৰ্থ কালী) : * में क्षेत्राटकपांक (च्या व्यागवात । मरक्षान (का) तम (व्यवीद दिन्हें) এব জান (জর্থাৎ প্রাণি) -- বাহার लान अने जानियात । मार्ट्सम्बद्धाः (क्यां, माः) . भटकाकात (का)) रश (व्हा) = शहायमं , (शांशाद्रवंकः अक-रवारण "मना महाबर्मी करन सावक्राक **电影** 注: MAN (m) - MALE CAME: SAINE! eluitald Beyonet and acen, for set Sanguine www. मधन दैगारिका (का) -- मनककः पुरसं मन्बद्धार 'मारत कारीन कारण' महावत् (東京) মঙ্ক (পং) । হাস্কার # 20 A- (17) }1 对各(咖) MESS (TI - Marie Doundary) महान (मा)-गानी गाइडा लबार बामबीद MM - 18191 | सकतर ्चा। •• सक् ; क्या वाशा वंक्रदर इ * 4. 字 · 哪 · 一种类, radio 海岸有效。 क्षत्र कविवासी कारणा याचना राज्य 1.768 87 I MESIN (MI) मामामा (ना) - वामनाम नम १ मानामी (११) शहलोह पुत्री। factor open; Diluvion नीमामां (ना)। • ध्रुवक स्रोग् (गा) के सम्बंधि, ब्लागीह Campig namila was diene

```
नक्रिकार) यम् छानारा श्राप्त वित्रही, भागी ७ इत्त्राभित्र एक
 智可之 (明!);
                                           · (200
                                                          · CB TT
 त्मवीरक्ष (गा) - मिमा (माप
                                           र दियात
                                                         परान
 व्यक्ति (भा) क्यांचा जान वास्त्र है। देव
                                           B Cart
                                                          The (Clustosay Buck)
                                           डेडिंगट पन
                                                         STIT
 等等 (明)
                              रक्ष मध्य ।
                                           এক টন
                                                         भिनि
                 事事 收得物
     मानात्रण उ
                             Q PETER
                                           करा करें
                                                         fiffica & (ngreement)
                 ,64644,
     रावक्क इव :
                                           क्ट्रीयन
                                                         · (SINTH
 क्वकिनिय (भा, भा ) = भारतक्वक्य
                                           501 19
                                                         * ##file
 wis (wi) Compound
                                           · 法//
                                                         . 640 k
 • सम्बद्धानंत ( ना च्या ) ... Aunlogue
                                           · 7. 549
                                                         · Chi
     नव शंकारततः।
                                           CATHE
                                                         · '99 ere (Hollander)
        নেকা (পা)-পাৰ্শী মাত
                                           學是或當及聯
                                                         4M ',
     - Definitely CHARGE
                                                         CON'
                                           ቅርኞ
     खिन भागी क बादरी डेलमानीत
                                                         -Frie (tandina)
                                           - करनार्ज
    (prelix) टा(श करनक श्रीत वाकाला
                                                         · Brit m
                                           · 李神公男
    नम फेरनात व्हेशारक : वका --
                                           中国的13
                                                         · Bi ob
 ce ( effective without ) carculat
                                           m Tale
                                                         L. Link
्वणान्धाच (वर्डमांन, ८०९कुरु, ८३३।इ०,
                                           afunate
                                                          · 377
Contain in with a
                                           #t# Cork
                                                         •<∂™
 व ( -in, with) वंगाम वक्रवाम ।
                                                         - दो किया
                                           **!(admai
मा ( - ना) लानरगंवा ना भगवीत, ना धवास.
                                                         CEFFICIES
                                           中的日本
    गामवाद्ध गाठात ।
                                           • काम्बिम
                                                         Con.
२१ ( - वार्राम् ) इसक, इन्हिन्स्
                                           হ্রাপ্তরহাক
                                                         हे ग्रम
    FREN I
                                           क दिल है व
                                                         जार्स
ग्रंव ( भरवद = क्षण ( ग्रंतिका), श्रेक्तवर्गः
                                           क है। जन
                                                         W -10
    श्वदासती शक्ताकी ।
                                          (क्ट्रेनि
                                                         ভিস
কাম ( - শ্যান, একল্প হাসকালের চান
                                          কেমবিস
                                                         full Decree
    राष्ट्रमी
                                          (क्षक)
                                                         ভিস্তিদ
    देश्याची वर्गेट्ड नियमिनिक नक्कि
                                          ्करबाहिन ( kerosepe )
-পুৰীত ক্ৰয়াছে ( » বিশ্বচিক্ত শক্তলি
                                                            संदेशकम
याकाशाह चाहिक्करण विनिद्राटक ।
                                          -wisfer (turpentine) - affi
चार्यानि
               · ( 414
                                          fearen targentia) signis
कानीम
               • C年[64]~
                                          Column
WIFE.
               *C#18
                                           · (Bittig (tennk)
                                                                 PAPE ( BUL of
The
               *C#19911
                                          · Perable
                                                                     (Indine
```

* 144.

SAME

-

ৰোটৰিণ

ARC WA	*	sport .
मि व	ologa Benver*	ব্যেক্টিবি
· Pris	, ∗ ∢ ₹ Ħ	का देश ंक
,ailsa	• 48	404.0
• প্ৰেট্ৰ	Cate	મર્જન
•প্ৰস্থারা (Phate	• ८४ ८१२१	elis (iord)
CANAL COM	/有着行为:	नांक (lot)
HIMA	water (Blister)	新大菱 岭
- १० व सामानिक	cets (Beard)	क्षांचन
जिस्सा	(বাডা ন	•পেডিকেনি (Lady Canning)
THE SECTION SE	বেহিডাব	» नि डो इसिरण्य
<i>्रम्</i> सिम	*4/19	नागः। बाउँ (long boat)
েশেন	ना हमनल	कर्य कास्त्र पुरुष्टितका केविया गरेक थारक
्तं हे मूल	all G	শ্যমেন্ডার
· Celland	38	Am (Heal)
শেষ্টকার্ড	teles	ग र् स्थ
. भा डाकि म	onitio (by Mary)	- সৃহিদ
ट्लांक्सान्डे	मं नि क ार्	• मृद्य
भावन		नोंचे (Shirt
• C39	·*/*	স্বিকাস
	dfin (America)	•সাভ
-waifa (French		मिनिनाँ (Sleeper)
₹Š	•माहे र	• अंभन
3*	् •िनिहे	(MCTE)
felale (Frank)	মে ছেপনি	● 掌轄
als (Bodien)	4.15年安徽	**************************************
an (Buoy)	-मा(१४-५) व	्रहे ं
ৰাগ	ब्याटिम ्बरः	•शत्रविषय
* 1	· #9/4	•হানপাতাল
* ^{নু} ৰ্দ	· CRM	् अपनातेष ।
95) A #	** *	• cotose
Eggreggen		मान्द्रमहे
* 常然	u	**
SE MAN NO CO	क 🖟 । साक्षः कट्टास प्राक्षाः	गात गुरी : श्रेशाद्य !
कार-१८५१	****	creten (& violia)

मज्ञमनि (दश्त , आभा खाया

সংস্কৃত হয়তে ভাষা-বিপর্যায় ঘটিয়া কোন্ সময় আহাকত ক বাজালা ভাষায় স্থাই ইইচাইছে, আলার সঠিক কাল নির্পন্ন করা গহল নহে। আবার কোন সমন্ন বাজালা ভাষার বিশিক্ষা দেউনা জোলা বা প্রবেশ বিভাগে ভা বা পরিবর্তন কটলাছে, তালারও কাল নির্পন্ন করা অভিকৃতিন। মরমসাসিংহ কেলায় সাধারণহাং গ্রহণণা ভেবে ভাষা ও শবের উচ্চারণ ভেব অগ্নিয়াছে ই কোন প্রসিদ্ধ নদী, পর্কাত বা বৃহৎ জলবের ও পাব ও পাবের ভাষা পৃথক, কাজেই সম্পন্ন মন্ত্রমন-বিশ্বের ভিক্ত এক ভাষা নাল। আলাপাসংগ, ভাওরাল, কাল্মানি, জাকরলাছী, মেরপুর, পুশ্বিয়া প্রভৃতির ভাষা ও উচ্চারণ প্রায় এই রূপ। আরু মন্ত্রমনিহাই, স্তাল হা বিশ্বের ভাষা ও প্রতির ভাষা ও উচ্চারণ প্রায় এই রূপ। আরু মন্ত্রমনিহাই, স্তাল হা স্কোন আহি এই রূপ। আরু মন্ত্রমনিহাই সাল আক্ষা আছে ব

মুন্ধমানগণ বহুকাল একানিক্রমে এবেশে বাজ র কবিয়াছে।। উদ্দু ত বিন্ধী বালালার শব্দির দেশীর ভাষার সহিত থনিও বংশা নাশর। শিহাছে। উ সংগল ভাষার লক আমানের ভাষা কইতে এখন গার লোব করিয়া বাছির করিয়া দিলে চলিবে না। ভাষাদের আনক ভাষা শক্ষ আলাদের ভাষার আছি মজালিত কইলাছে। নবাব বালালা শংসন করিভেন, ভাষােই আনালাভের কালত পত্র বালালা চালার নিবা চলিবেও সেগুলি আহাই পারসী বা উদ্ধু জাবার লাবাালিতে পরিপূর্ব গাকি হ। অনেক আগল পত্র ব সম্পূর্ণ উদ্ধুতে ছিল। এখন আবার বেই ভাবে ইংরালী ভাষা আমানের ভাষার উপর আহাবিশ চা বিভাবের চেইনি ছহিবাছে।

চাকা ব্যমনসিংহের অতি নিকটবন্তী প্রবেশ এবং ুনে কালে চালার নবাবের স্থাপবাদী বাক্ষিকেও মরমনসিংহের ভাষার উপর রাজধানীর ভাষা আমিকিল বিজ্ঞা করিছে লাই । আর একটু আক্ষা বে নাকার প্রাথমির চাষা এখন কি চাকার অপর পারের পারাজায়ত প্র গণার ও চাকার সংক্রম ভারতাশ প্রকাশ কালার ভাষা ও ভাষার উল্লেখন চাকার কালা ও নিজ উল্লেখ্য চক্ষ্যে স্কর্ণ প্রকাশ চাকা সংবেধ শাধারণ ভাষা ও উল্লেখন ব্যক্ষার কর্তাত ব্যবন চলিতেছে, জমন্ত আছে। কোন গাৰ্থকা পরিপশ্চিত হয় না। বারাশ্বরে চার্কা ও বিক্রমগ্রের জ্বার আন্তান্ত করে।

মত নলিবেৰ পূৰ্ণাকৰের নালেৰ বা মালো আজীয় সংক্র-মার্থসারী ও নৌকাবাহী লোকের।
ক্রেন একার অনুভ উত্তরেশ করিয়া কথা করে। তে গ্রুক শুনিয়া বুলা আলোকা বিধিয়া যুকান

ত্রীরাট্র নিজটবন্ধী প্রামসমূহ ও বাজিজনুরেও পূর্ক:কালের গোকেরা আনেকটা আছিট নেলার লেভেন নেয় কথাবান্ত। করিয়া গাকে কুনিয়া ও মন্ত্রনাণ্ড জোলা ভাষা প্রায় গাককল, কালেই কুন্মনার সীম বন্ধী প্রান্তেশ ভাষা এক রূপই।

এই সকল ভাষা ক্ষান্ধার গতে গাৰিয়া গুড়া সহজ্ব হইতে পারে, কিও আছুত উজ্জান্ত গিনিয়া নুক্তা স্থান নতে। পুজুত উপন্ন সে সময় হৈ স্থানে স্কোর নিওয়া হয়, সে জোন ইতিবিধ কিবিয়া প্রাকাশ কয় যায় না।

স্থানসিংছের এন্সা ভাষার ক্ষতক জলি ব্রিয়াশন ও তাহার কার্ব নিজে বিবিদ্ধ হইল।
এই সকল শন্দ জি প্রকারে কোথা গইতে কার্মিশ,গাহার বিবর। বারাজ্যরে লিখিও জাহাতে দেখা
নাইবে বা এই স্কল শন্দ সংস্কৃতিত ভগ্ন শন্দ মাজ।

व्या ड मार्चेन	व्यक्तित्व ।	कांडे हुडेन .	जानिहारहम ।
कारिय	खा है।	वाहीस्तन	वातियाकित्वन ।
प:रेष्ट्रे न	METICER !	षाइटाहन	श्रीदेशन ।
গেছটন	िक्रारण्य ।	神藥	TABLE !
क्रिकेन	强烈的时	*** *********************************	কবিয়াত :
क त्रभूतेन	कडि गुर्द्धन ।	कहराम	क विषा
कतराहेल	September 1	शांडे, १ हेन	ान, चार्ड करहन ।
ধাই বাস	NITE.	শ্রিদুর-	शहराहरून ।
या हेष्ट	制度基*发 :	খাইবাইন	थाग्दन ।
		वाँडेवाहे व	बाइटवन् ।

ে এই প্রকার ছ বা ইন শক্ষ ক্রিয়া পাদে বাসভাত কয়। কোন কোন ক্রেশ থেনা স্থাপে গুইন, "ব্ৰেন্য স্থাপে বাইন প্রভাগে শক্ষ ব্যবস্তুত হয়।

	水平安排 行	रामम पाप ७ अंदाव करी।	
क हैंग	e (*)	शनिक	नाशिकः
ष्यां हा स्तुरत	·城市统订,秦军等 1	Can	माचि ।
र्जिक	·新年1	্ৰ শ নিখি।	महिता
क्रिका से छे।का	भ ार ्	WITE	পাড় ।
等等其	3.41.	. त्वरूप, वा विनाहे	বিয়াণ

উঞ্চা, ভাবা	* *	F &	受受す ∮・
ভাৰুক	ভাষাক বা ভাষা তু :	# 1 1 M	कार्काम ।
- •			1
मार्ड्सफ न	गांस्क्ग।	्ग ७३	4.1
क्षिय द्या	बिस्ता ।	পদীম	अ गेन।
শুটা, শুভা	पति ।	केंग्रन, केंग्रान	व्यक्तिमः ।
वारेवाण, वाहि	वान बाहित वाड़ी।	शहन, केनिया	মাছধ্বিতার হ'ল নিৰ্বিক্ত
भ हेमा	付雇用1 #		वस विदर्भव ।
क्षेत्राक रा धा	किना चारक्रमा ।	ৰাহাত্ত্ <u>ত্</u>	A 4CS 1
मांद्र	মান্তৰ।	रुक की मुक्	्रमात्रसा ।
featm	CHAIN MAILER I	⊕84	संदेश।
Paras (কৰ্তৰ ৷	মাৰ	C41 41 F
क्टेन	র্ভাগনী -	백년	विनि सं।
有	fatte i	:** -1	(144)
চাকি, বাঢ়ি	वा श्वापरेन कननिष्ठि ॥	विदर्भव ।	
	•	ভূদি বেভ া। ব	वर्षान्त्रिक पात्रोदरम्य ६
<u> ५ द तिथा</u>	काकिया, बनाइका	ं गांग	6 विकेश
(त्कान दकान	(इंदिन करह मोळ)		
শানি	* 4	भ डेशशं कार्ग	in the second of

ভাগদারি ও পুশুক্ষি: প্রভৃতি **অংশের** কতন্ত্^ত তিলা 🗥

रामाचिम का जालांचित्र।--काराम, निकार ।

fig.	मिंग १	#4.#	काशियः
म्।म्	ম ্ট্ ব :	wit	wiffe !
व्यादा	कांत्रियां।	ঘাৰা	राईया ।
WIT	आहेश।	ON TONE	अस्टिल ।
খামু	याहेर ।	चारचन	· via
बोटक्रम		হাবার গাগছে	राज्यका
থাবার বাগছে	A SCALE !	वर्षात्र मानदङ्	नानि। अह
বিবার লাগমে	PRESENT !	भ! अशं ड	मधामब १५३
WI WHITH	সাঠাগর হন।	वाम् राष्ट्	• 🖟 আম্বরের ।
ভোশ্নার	इन्सारमञ्	दश्यक्त	ूं खोराहार ।

अंबिशास्त्रतः - श्वारामस् ।

ी व्याप्त । जाना वह जाहर विकास । कि राम, कि धन कि धनरम, कि धनकाइन ।

্ৰিক্তিত প্ৰজ্ঞানস্থা, কে, বাহ, গণছে প্ৰজ্ঞানস্থান সম্পন হয়। বিশেষাপৰেও ৰাভক বুজক পাৰ্থকা দুই সহ 🖟 সে পৰায় উলোৱল-১- গ্ৰাক্ত - কাগ্যায়ি আছতি ক্ষকাল विदेवसा नकंदिनिएक र १८४ र ता का का ना के 5/3/14 १८ वर्ग वर्ग एका स्वयम-नास्ति वरन मार्के, दर्मा के हरण दर्भ । व्यो क्टन सन्ती ।

भिने एवं का 🖅 🧸 नाश अन्य माना सामा माना माना माना माना वाच वानवाना काँव करत १ १ ११ ३ अविन्तांत्र नश्मात्र प्राण्डित नगुणै वा १ हैत करत १ कोई दो नगमांत्रक বাহা আৰু ৷ প্ৰাছ : বেন কাৰ উপায়ে বাকে ডাৰাৰ নাম মানাইল ৷ অঞ্চ সেচিবার ময়কে বেশ্বন ও একের কটকারও ভাউনীটাকে ধালাভ বং ভাগত করে। নৌকার সর্ব প্রধান 母權 如此 一种下海 人 一一一一花 化 如果人 如果 人 日子

ক্ষা বা পুৰু ্ৰাছি বাহিৰাৰ ক্ষা যে মান্তা পক্ষান্ত ক্ষা, ভাষাক্ষে **নাম বা মান্তাল কৰে,** CASA CONTROL SECTION WEST ALL !

e naraline प्रताप । श्रीत केंक्स, अध्य प्रदास विश्वकता को एक आवशाना, स्तास, हितास, ভয়া ব্য ৩ড়াল প্ৰল প্ৰস্তুত সন্ধান কৰিব।ৰ প্ৰে **প্ৰশান্তবালি, সলবন্তী, সেলা**বলী 現るという。からずない 、ガー マンティ 神歌 (1) 200 電車を

বুৰ্ণা পথ 🖷 ক্ষতেন 📆 নি বৃধাণ

e, 64	$s = \frac{\tilde{a}}{A}$	वाडेल	\$19# W 1
(4%)		~13	न होतायर केता मुख्य करा ह
P\$ 10" P	4: MT 700 .	45	बाम तुन है कि है।
1 % (*)	किंद्र, अक्षर विकास	Contra	া, ৷ ইওয়ার ইন্সিটে ৷
	र अञ्चल मेरे बहुत है। ब्राह्म	4 ,59	पट रही वहें ताब देकित ।
	िक्रों का इंटकार र किंठ	(¥ *)	िनसः व देशिकाः ।
n.ip	两節 養華 1	10 6	ाराज का बारक शहेशक हैकिक र
*4	ा इक्सिक्ट हा १५ क	54	लक्ष भी रम्ब क्षित्र मध्यम् हे क्षिक ।

उट १ अन् रूप दून दून १ जो नक्फिंट आहाल इब कान (कांन क्टन वादक्क कब नहीं।

	· **** ** **	কলিচেপ্ত ক্ষাক্রন্ন ি বৃতি।	
**	का संदर्भ ते १८५० कोई हो है।	contrier. E en conn bicun Bercun mit	
	est a true container	साल जासरमञ्जू मूर्वक त्योव !	
	A CAR STON	অব্যাহ অন্তৰ্গৰ কৰে।	
奏九	守さる論歌 ()	finds seem wifeen sich at mich sies	ġ.

क्रीक्षमि दस्त स्वर्षा

• কবে ২ামাইবার টকিছে : হলাইয়া

मिक्स द्वन महिन नेक

क्टिश्हेमा कारण जारण प्तिम्ना याहे-वाब होत्यतः ।

318 6

পুরিবাধ করা। **८० शाम श्रेश्ना**

মই ৰাচাল কোনো প্ৰিব ক্ষিবার 419 याम वा शक्ति।

ধংশ নিশ্বিত এক '

त्रक प्रदास के भागि कथी।

্ৰঞ্চ বাদিবার দক্ষি। 阿爾門 ्त्रांभसून कता। **4** বালে **ৰাই**লে। Min CTITAL ব্যস্ত ব্যোগ •

केंद्र, वें शान यान्या राष्ट्रे खन।

मन्द्रिका क 5 मान्

८६मा र: ६म (श्राद्धात, ८गामुख ।

रिफ, लासेन

करनक्ष । पत्र अकर शिक

4154 ्या-मावसः

्यक्री, वक्र

414 814 ही नवम ।

(5 T) CHAI

1. 462 (ers into some taken and i wings.

₹#₩ (

बहे अक्रम **भक्ष** क्ष्मकर्षन ५ शक्त अपटक कारक्ष क**हेवा पाटक, अस टकान हरण सार-**电温 金田州 1

一大學 不敢 子 (如小子不多中国的 解制器 不敢 本 歌 聽)

S. 4. 3. 2. 學科,"雅二 李月 李飞 中東東中 C# 91 % **对带学**4 多引线,带 1 受受现 使使 ग्रेक इ व एक्टक कांक्र वा इ 一重導 经债务 ्यकेटमके 好事的 विकास क tastaca . (SCREEKE 1 224 受查者 超铜花净: ्माम्बर्ध । क्रमक्रम **作员的现在**。

ব্যাহক্ষি প্ৰপ্ৰদা**ন সংক্ৰে এই প্ৰাক্ষায় ডাক সৰ্কত্তই প্ৰাচলি**ত জালে ৷

কভকভানি ভরকারির নাম্

दाई क्रम · 20 中 1 名 1 W | -1 | W 祖本会会な **李/秦/**章 : □ MARK. ब्रिक्स পাৰণা গাউ 1 ভিতা ভটা, উদিন্দ্ৰ বা কমনা ক্ৰিছ

मरममनिश्रद्य कारोब क्रेकेंप्रकृत्य, त्यानार्यम ६ मज व्यवसा काराव देवीय कारावा कर्मन काठाप्रन गारे । एकाम एकाम काटन एकन नवएक टब्हुम, एका, एकामी एकम जार करिया बारकः। मन्यमनिष्टनानीमा ज्ञावहे न लाग र, इ स्थान क, वाकृषि केर्याप्तर नक व्याक्त ্ও পুথকু করিত একে। বেষন শাকা স্থানে হালা, হাতি স্থানে আদি, ভালো স্থাল বাংলা আড়তি তিয়া। প্রায়েই গেঘ উচ্চারণ কলে ইয়া ১ইরা খাকে, তিমন গোড়া স্থাল শাকা, ধর ফলে গার, ফুলুক স্থাল য়াপুক যোল স্থান ভূম ইভাতি।

মশ্বনতিতে তেওপুত্ৰ ওংগশার নিষ্ধ চ্ছালিত গোলক ওছালে আ বাৰছার করিয়া আকে, প্রথ বাজে প্রেল আছে বাল মহান্ত্র স্থান আছে সংশেষ, রাম প্রেল আমি, রাজঃ স্থান স্থানা ইত্যা দিঃ আ স্থান্ত প্র লচ্চ্যুল্যন আমে স্থান বাম ইপালি।

মূলসমানে । নিল্লিথিত শক বাজালার সক্ষেতি নির্মাণ পাকে। **এই স্কল শংল**ই অনেক প্রার্থ গোটেই প্রেটী বা উর্জান্ত আহে।

্ ত हे ⁴	# * (क रह	বড়, অভিশয় ।
क 'ता	, ** \$7 3.7 8.1	পাণি	z, # ,
es r	itae (Ba)	कि कि म	1 4.0. 3.5
family	だら、 強減(手	अस्ति।	ऍ≼क ;
হেমন	m m B !	र्र कर्म अदेश द्वार	+ स्थिम कना
內 柱 "石	,5° - 1',	1 378+	्रोज करः।
. 77	₹ \$ 1	寒寒饮水, 中等 繁	a Ace, a
144) H 1481	Stage of the	5 6 77	my may still
१ हिंदू गर	*, i 29	শ ভকুষ:	आह, मध्र
C 4 41	Complete the office of	* 534	Fris R
राइ;	送载司 1	÷#"	e.*/ -
&¥,	-, ** ** *	তেওৰ বা হেওলা	ুল্যা(wet
न्द्रा छ।	ि स्	自鳴者	es.
51.12	नाक्षर्य ।		

י. י ע'י	ে ঋথাং দ	划! 如两,唯	८ त्र bis, त्वर ठांखा
_ર, કે ક	लकें दूर ≹	प्याहे ह	कारितः।
पदेश	্ৰঃশিয়ে ৷	্দ মূর	८ भवन
eM	খেকর বা ভারে	ক্রি । ছা ওয়াল	(करन, रानक)
फ टेन	क्रिनो ।		

े हैंद्रल मार्टेब, ভাर्टिय, ভাर्टिय, किशानी, পুরা, বেছাই, ছউब, বেছাইন ইভাানি। 🔠

ও শাল্ড ক্রা - লক্ষ্য শাল্ডি জিলার আর্থান ও গামহালয়"। --বেষ্ট্র ক্রান্ত্রাক্তর স্থান্ত্রাক্তর প্রায়েশ ক্রান্ত শাল্ড বেষ্ট্র জিলা -শ্যান্ত জনাল শান্তাই অলিলা উপ্তরে অর্থ শাল্ডাক্তে যাস্ত্র স্বাস্থান্ত (ক্রান্তর ক্রান্তর ক্র

यग्रमनिश्टरत आमा छांवा

可能对于 州河 :

देवस्राह्	देवमानः।	কাভিক	কার্ডিক।
<u>কেঠ</u> ্	टेकार्ड ।	আভিন বা কাৰন	অগ্ৰহাৰৰ।
का मान	আ্ৰাদ্য	পুৰ বা পো	८भोगः ।
416.	भारग ।	#(*)	মাখ।
alk 4	7. E 1	क † खन	भाजन ।
मानिम्	क्यांश्वर ।	्ट अ	₹5 74 1
		香花落葉 おりみょ	
ठ क्स ्	ববিশার।	2 2	.414 (
汽气型 型。	५७ ० ।	¥F.¥ in (₫ ₭ .
াপ্যক্তম	दुक्तार्थि ।	ক ভূৰ	TLA
र्यान वा मनि।	***		

ত্রতা হাল পথ হওয়য় দেশ-দেশায়তের লোক হ ভায়াছ করিতে পাবে। বালালার করিবাংশ প্রদেশই তজ্জাল নিকট বলিয়া বোপ হব। ময়মনালাই ময়র, মহকুমা ও বহ আমিলার প্রানালাই লালা য়ানের পোক নেবিতে পার্লয় য়ায় । জয়াঘো লালা জেলার বিজ্ঞান্তর পোক নেবিতে পার্লয় য়য়য় আয় । জয়াঘো লালা কেলার বিজ্ঞান্তর ও সক্ষালি বারশালার নালাকাই তারাদেশে ক্ষিক । কালেক বংগার বিশ্ব লালার বারশালার বিশ্ব নালার উলীল হউরা আনিহাছেল। সাবদা বার বারশালার করিনা বার মালালার করিনা বার্লালার করিনা বার্লালার বার্লালার করিনা বার্লালার করিনা বার্লালার করিনা বার্লালার করিনা করিনা বার্লালার করিনা করিনা বার্লালার করিনা করিনা আমেলালার বার্লালালার বার্লালালার করিনা আমেলালার করিনা আমেলালার করিনা আমেলালার বার্লালালার লোকের সংবালালার করিনা আমেলালালার করিনা আমেলালার বার্লালালার করিনা বার্লালালার করিনা আমেলালার করিনা বার্লালালার করিনা বার্লালালার করিনা আমেলালার করিনা বার্লালালার করিনা বার্লালালার করিনা বার্লালালার করিবান বার্লালার করিবান বার্লালার বার্লালার করিবান বার্লালার বার্লালার বার্লালার বার্লালার বার্লালার বার্লালার করিবান বার্লালার বার্লালার করিবান বার্লালার বার

কোন কালে মনমনসিংহ লকলাকীৰ ছিল। সপল আবাদ কিন্তা বিদেশী লোকেলা কোন কোন বানে বসত কৰিয়াছে, তাহার। পান্ত বা বাৰী, স্পানিবাৰে উহালে আনিয়াছে বাইনা তাহাদের ভাষাও তালেশবাদীর ভাষ নহিনাছে। তাঁতি, গোণা, কিনু, সুঠি হাত্তি ব্যবসামীরা নানাখানে বাস করিয়াছে। যথিও ইহাদেশ মধ্যে সনেকে হাই জিল শত্ বৃৎসাধ বা তাতাবিককাল অসেশে আসিয়াছে, কিন্তু ভাহাদেন ভাষা কালাদেশ আৰি খানেন কুন্তাই মহিনা নিয়াছে। এটাৰ

ভূগে করেকটা উল্লেখ কবিলায়। জুলপুর পানার এলেকার ভেক্লিয়া ও বিদভোরা গ্রামের त्वांनभन व्यविवादत विद्वारी व्हेता नगावन कतिया नावमा रहे एक सक्त सक्त कार्या आमिशारक क्रिक माहे, किन्न जाहारकत विवास केलापि शावना, बाक्नांकी अ नच्छि अवस्थित ভাছাত্তের কিন্তু প্রিনার প্রান্থ ভাষাই রবিয়াছে। দীবরগন্ধ থানাম এনেকার माजाना आह्य बाक्सारी इहेट अवयन मक्डेशानक ७ फरमन्जिय, बार का बाक्का पहेटा क्रकाण करें १ महिनाव कानिवादक छानावा अविवादिक दन त्रानरे कविया चारक, कारवारे छानात्वव ভাষ, খানকটা পূৰ্ববংট ছছিলছে। কিলোৱগন্ধ খানার এলাকার ছোলেনপুর প্রায়ে খনেকখনি কন বোধ হয় বাজনাত্ৰী জেলা কইতে আদিবা বছকাল বাস কৰিতেছে, কিছ ভাষা ভাষাদেশ भूक रामचारमर जोड कारक · कुमल शर्मणीय एवं। गृत थीमात धलाकात विविद्या मानक धक णां जाताक्ष्य-स्टब्स काटम सहकाल करेटल दान कविरक्टफ, त्यांत क्य केराबा सामनी करेटल कार्गिद्राहित । सामग्रीत तालिक गरम देश्हात्मत नवन एक इत. ताथ वह कवन काराना नगांदेश ক্ৰাছাৰ আন্তৰ প্ৰয় উহাজিলাৰ কাষায়ও বিশেষ পৰিবৰ্তন ছেখি না: অংব কেই কেই বাজালা ভাষাও হালে। কিংশানগর অঞ্জল জাতি, শত্রকার ও ভাল্কেকার প্রভৃতি ভাতি পদ্ধ জেলা इंडेटल क्रेनिस्टबन क्रान्य विवश राम कलिएलाइ. डेब्राटक लावा व्यासकी के कार्यमंत्र साथ गरे-হাতে : কারণ ইভারা এ প্রানেশই বিবাহাদি করিয়া থাকে। মুক্তাগাছা থানার এলাকার গোবিশ্ব-ALL AND PROPER COMP RESPUE PROPER DE MINE DE PIN PER PROPER MAILES 'कार्याक केंद्रम' त्रविदेशक । करावा किन्द्र म स्थिति म, स्वाद म स्थापन म दावस्था करत् । ८वाम ক্রোম ভাষের ঔপনিবেশিক পোপগ্র ও বেশের বিবাহ করিয়া হাকে।

নিবিলা নথছেও বালালার হখন লয়াজকভা, তথন ব্যুৱালাননেয়ত কথাই নাই, নেই জীবন্ধ দিনে ইংলাজ, করানী, ওলনাল বলিকেরা আবাদেয় কেন্দ্র বাহনারিপাল উপন জনাচার করিত। এ দেনি তাঁতিগণের ইউনিবিত ঝাল ইংলাঞ্জ, ক্রালা আহন ক্রই চারিবান লোক নিবারণ নতে, যে লাল বড় কেন্দ্র বিনের কথা নতে। এখনও বোধ হয়, নানা আনে ক্রই চারিবান লোক নীবিত লাভেন, বাহারা বিনের কথা নতে। এখনও বোধ হয়, নানা আনে ক্রই চারিবান লোক নাইবিত লাভেন, বাহারা বিনেরীর এই লভাচার ক্রেরিয়াকেন। জনন লয় বা বিনা লাভে বাবন কেন্দ্রা হইত, কাবেই তাভিন্য ভালা পারিবা উঠিত না । এই সময় চাফা, মুর্নিবামান, রাম্বনাহী লোকেন চইতে যে সকল তাতি ময়মন্দ্রিক কেন্দ্রার পার্থকা আহিলে। ভালাইকে বান করিতেছে। ব্যির হালামার নমর অনেকে জন্তার জেলা নইতে এ জেলার ক্রিবাল বান করিতেছে। ব্যির হালামার নমর অনেকে জন্তার জেলা নইতে এ জেলার ক্রিবাল বিনা ক্রিবাল ক্রিবাল বান ক্রিবালয়ে মহামন্দিকেত নানা আনে বিনামক ক্রিবাল বান ক্রিবালয়ে বানা ক্রিবালয়ে ক্রিবালয়ে ক্রিবালয়ে বানা ক্রিবালয়ে বানা ক্রিবালয়ে বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয়ে বানা ক্রিবালয়ে ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় ক্রিবালয় ক্রিবালয় ক্রিবালয় ক্রিবালয় ক্রিবালয় ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় বানা ক্রিবালয় ক্রিবাল

े क्षा नेपाल नामा कारत किन्द्रशामी क्षित्रकारण लगान व्यक्तिक नाकत याते, यातामा

বহুকাল হইক, এদেনে বালিজানির উদ্দেশ্তে উপনিবেশ ছাপন করিবাছে । ইন্ধারা আর বক্ষেই বপুতে হিন্দিভার ও বালালীসমাজে বসভারার কথা কবিয়া গালে, ইবাদের ইনি পোকেরা পাস হিন্দুজানযাসী হইকেও প্রায় সকলেই বাটা বালালা কবিছে না পারিকেও অক্সাকার ভালা ভাগা হিন্দিখিতি বালালা ব্যবহার করিয়া থাকে।

भेताक्षाक्षां अध्यानाव ।

বৌদ্ধ বারাণদী

শ্বিবেশ-বৃদ্ধতিশাল কৰিবাৰ পর লগতে খোলতাবিত ধর্ম প্রচার করিবার আন সাধ্যক্ষী হল। তিনে ওলেন প্রতির পূর্বতিন স্থাতিন সমীর (গ্রহণান্তিয়ীর) কবা প্রণ করিবার আন করিবার করা প্রচলন করিবার করা প্রচলন সমীর নাম কোভিন্ন, তপ্রভিন্ন, বলো, মহানাম ও অথবিং। ইবারা ম্বান্তি ভাতিতে রাজব হিলেন এবং প্রায়ণ "অন্তর্গার" প্রকল নামে অভিন্তিত মুইজেন। কুলার্গ্র খানিবারে আনিতে পারিবান এই পার্চকর বর্মান্ত্র বাদিক তথন বারাবানী নারীর মুখার্গ্র নামক প্রবিপর্যন অব্যাহিত করিতেকে। বুর্নের বীর ধর্ম মর্ক্সপ্রথমে এই পার্চকর প্রকলিক বিল্লিক করিবার করা মুক্তকরাধির পর প্রথম স্থাতে বারাবানী হারা করিবার করা মুক্তকরাধির পর প্রথম স্থাতে বারাবানী হারা করিবার।

বারাণদী গ্রন কালে কাজীবক দ্বেলারের কোন মাশনিকের সায়ক ক্রেনাকারকার ক্রি উচ্চের মধ্যে নানা আধ্যায়িক বিষয়ের করেব্যুক্তবদান ইয়ার প্রিলেবে, আবীষ্ট বিষয়ের ক্রেন---- কেপ্রেম, ভূমি ক্রেগাধ ঘাইবে ৮ বুছ মনিবেন--

"বারাণদী" গমিবদান গলা বৈ কালিকাং প্রানুষ্ পর্যাক্তিং প্রাবর্তিয়া লোকেকপ্রাক্তিকবিভন্ত :

व्याम वातानमीटल शमन कदिव। क्रानिकाश्चरीहरू सम्म क्रिया क्रान्तिक भवितक क्षत्रवीन कदिव।

क्या बाबोदन द्वार प्रावानगृजीन देनित्रम्, द्र श्रीवन, व्यक्ति क्षांत्र कष्ट क्षांत्र क्षांत्

मंत्रियां अपिक, किनि व्यानियां व्यवस्थि अक्योनि व्यानेय क्षेत्रमं रिनिट्समः क्षित्र व्यान्यस्थित विस्त बहे ता, प्रथम खर्चान्छ खोशारक मगीरन चांगमन कंतिरमम खर्चन छोशींस **कंता**न रहेना ग्रेस गमनंत कृतिया कृत्यिक करमन्द्रक जानन क्षेत्रक कृतिक क्षेत्रा कृतिक कृतिक कृतिक विकास তখন তাঁহাৰের সহ ভবাগতের বিবিধ ধর্মানাশ হইন। উল্লেখ বিজ্ঞানা করিলেন, "তে বৈতিক, मानवार अरुरावि द्विमन क्रेमारक। ज्ञानवाच रेखियमेव्र व्यनवण नाक परिवादन, দাশনি কোন অনৌবিক ধর্মের সাকাংকার লাভ করিয়াছেন কি 🕫 গুলামত উত্তর করি-अन, "बारि, पहुल्याकार कतिवादि, प्रकृषशारी-भव कामात्र मदमरगाठत बहेवाटकः। जावि हुक, गर्सक, मरावर्गी ७ मिण्लोग । जानांत सरका कर वरेशास, जानि तकारका गनास्-দত্তনাম করিবাছি।" এই কথা অনিবাদেই পাচনক্ষাত্মণ তথাগতের চত্তপে নিপ্তিত হইয়া क्षेत्रारक विन्तालन, "कनवन ! त्योद मार्काना कतिता जामावित्राक मर्ट्यत केलावन क्षेत्राम कैल्म ।" ত্যনত্ত্ব অক্তমাৎ সম্ভন্তময় শশুকাসন প্রায়ভূতি হইল। তথাগত একথানি আসনে উপ-(वर्गन कविरमन , गूर्त्साक नीहमन आमा कारांच गूरताकाल वामीन स्टेलान। त्मी नगर केशानाचन महीन हरेएड जाका निर्माण करेल करे क्रिकेश काम नारमुख्याल मृथियोग नम्बर्गानाच क्षिण । त्यन्ति क्ष्यूम क्ष्यूम क्ष्यू में प्रतित क्षेत्र क्ष्यू मा, अस्य सम्बद्धानिवृत सहस्तित् मारगाकित वेर्देश क्रिक । भूविकी केशिका क्रिका । व्यावक मार्गायाय कृषिकान । मतरका कीरवर्ग व क्रांबरीम करेवा सूरवं विकान कवितक मार्तिम । व्यांबावा नवुष्णात्वय द्विति वांब, रचन. दमार, नेवार, जारमध्, मान, यह, दकांव, विरंग देखावि छात्र कविश महत्र बेहिना आफ टेमेंबीकाय ध्रापनि कविएक मानिया। वर्षे व्हेरक स्थमन केंद्रेकायरव यगिवा केंद्रिसम्बद्ध क्तरन । बहे रोबानगीटक बांगीन रहेता रफेक व्यवस्त करेंच ।" क्यांगर्क बांकित व्यवस्तारण काम निवक विक्रिकन, रामस्वास्त्र नीमः क्यांनांन क्वित्नन अवर त्ववकाराः नृत्वीक वीष्टवन श्रीकान्त्र मिक्ट वर्षकाचा केतियाँग । (कुद्राव ३५२।३७ पृरे)

वृत्रेत वर्ष नकावीत त्यात्रक केन्द्रनीय नहिंदांचंच सा-विशास संस्थानीय नवित्र श्रीतावित्र निर्माणिक स्थार सहिद्योद्यं ।

नगरम केवानुरमं १न नि पृत्त कृतान गणामान व्यक्ति । नृत्यं वहे पत्न धार्यम् ब्रह्णकन्द याम कविटका, वहे ८६५ देशीय मान व्यक्तिक करेगाहर । १५ पटम कृत्यन्यक व्यक्तिक (क्षित्र) व्यक्ति नक्ष्याक व्यक्तिक गणामान व्यक्तिक व्यक्त

- THE PRINT OF STATE OF THE CASE OF STATE OF THE STATE OF T
- ा और पन गरेराज विस्तिति नाम **एका है। एक कुर्यम रिक्स कर्या अस्तिति हैं के** कविराक्ष**े निवर्ग**िराजन

१ वर्षे परमा नेवानर नम गविरम त्य प्रश्न पुरस्तावान क्रमानवारीय कारान आगानक वरेरक प्रक्रिय निषत क्षत्र क्रमिस्टिक ।

উপন্তের করে ছবঁটা সম্পাদান আছে এবং উহাতে সভাতি বিজ্ঞান আৰু ভবিষ্ণ নাত্রসূত্র ইবার প্রায় ২২০ বংগ্র পরে আর একজন পরিয়াজক হিউলোন্-বসং আ্রাণসী এপ্রক করেন। লগার ব্যবকালে ডিনি বনিয়াজেন নে, বারাণ্সীতে অভিভাগে ক্রডিট অহব্যসন্তর্গ উপাসক। ভারার বৌশ্বকীতি-সমূহের বর্ণনা, ফাছিবালের বর্ণনা অনেক্ষণ প্রোয়াজ্যমন্ত্র

শান্ত। ইয়া প্রায় ১০০ ছট উচ্চ, ইয়ার সন্ত্যে প্রশাস্ত্রায় কর্ম কর্ম ও প্রায়ের হিয়া প্রায় ১০০ ছট উচ্চ, ইয়ার সন্ত্য প্রকৃত্যি প্রজ্ঞানত আছে। ব্যৱস্থার উত্তরপূর্বের কা বি দ্বে বৃত্ত-(দ্বাহার) সভারার অবহিত, ইয়া লাট তালে বিভন্ত প্রবৃত্ত প্রায়ার বেরিড, এই ছলে ইনিয়ালী সভারার সভারারী পরীন্ত্রমন্ত ভিত্ত ও লাগানালয়ে বেরিড়ার মধ্যে হলে ইনিয়ালী প্রায়ের মধ্যে কর্মক প্রশাস্ত্রমার বাজর-নির্দিত, কিছ উপরিভাগ ইর্মক-নির্দিত। এই বিহারের মধ্যে কর্মক প্রথমিক প্রথমিক প্রথমিক ক্রিড়ার বিহারের হাজিকারিক প্রথমিক ক্রমার ক্রিড়ার ক্রমের ক্রমের বাজর ক্রমের ক্রমের

अवस्थान विकास-नाम पारस कर्मा क्रियांचा क्रायांचा साम असाम क्रायांचा स्थान क्रियांचा क्रियांचा स्थान क्रियांचा क्रियंचा क्रियांचा क्रि

. इंडेन्स्टिक पुन किन, अर्डाक युर्थ २०० मध्य पुन किन । 🔞 हे सुमार विकरणात र এহিৰ্গত হইয়াছিলেন, বুখপতি বোধিত্ব জীহার নিকটে উপস্থিত ইয়া বলেন, সহায়াত চ काल्मि करलात म्हान पान जाति मन्द्रांश करतन ध्या मत निर्माणपूर्वक निर्देश मनक লব্দভাপ নিজ্ঞ কারন, কিন্তু পুনঃ ব্রোদেবের পূর্বে সে সমন্ত্রীহারের অবোলঃ হয়। माञ्चामा म भारत्वन, अवः जामारम्य बीयसम्भागः अक पितम विश्वि करेरव । बीका अर्थे व्याखादर करे प्रदेश कारणाश्यम कलिएमा। प्रायदेकरण व्याखाक मन बहेरक व्यक्तिमन अक धाकरी पुण निकाल वर्त का । एक निम दमक्पाद्धक पूर्व गहेर क अक्षेत्र गर्दव व्यक्तिमें गिर्वाकिका करेरण, पुनि क हाज वार्मीर के बरम रम राष्ट्रक वाषांत्र मुक्ता निमानत, क्रवालि व्यामात्र गाउँच महारमत मुक्ता মন্ত্ৰ শ্ৰিপন্থিত হয় ৰাষ্ট্ৰত লগতে লগতে বুৱন্তি হোৱাৰ ক্ৰুছ হুমল **উজ্ঞ কৰেন হে, উহায় শ্ৰীবন** ক্ষেত্ৰ নিকট ফুলাৰা- 💡 মূপ দীৰ্দীন্ধাণ পণিত্যাগপুন্ধক । বলিল, হে বাৰুনু ! অকান্ত শিশুকে यह करा रशनीमा। इ कार्य। मध्य। मृत्वे की विशास क्रशत युवर्णक त्वाविमाक्क काळ्य शहर कतिन । क्रिमि महात यनवर्की बहेश मु रेव भारतवार्क कामर छेरमर्ग कविवास देखा लाकान করিবেন। ক্রাংগ্রাভিয়ুখে গ্রমন কামে জাঁচারে মুর্পন করিয়া জনস্থত বুলিছে বার্লিল হে, मुरायुधन्ति नन्तर भागमन कीतरहरह । कीहारक वर्षन कवियोत क्या नजनवानिधन स वाध-वर्षः द्वितन अन्तर्भाष व्यान्त्रम कतिम । दक्षा साधारक वर्षम कविवा कविरमम, कृषि अपूर्ण कि কল্পাগমন কলিয়াম গুনুগৰ্গতি উন্নয় কলিখেন যে মধ্মতো একটা গাওঁবজী মুগ্র বৰাৰ্থ নিৰ্মাতিত হ'চচ ে সামি ভাষাৰ সংগ্ৰাপানীয় আংবাৰাৰ আদিলটিং ! केनकाड हितका, यर निवित्त आक्राण्यांन कडिएनम्, अर्थः ती कः पृथ्युर्थेव रावश्यात्र निवित्त अनीय कविरामक क्षार समय हैंदें के में नने मुख्याय लॉटम स्थाप है

ক্ষয়েব্যম ছব্যাস ২০০ লৈ নক্ষিণপালিয়ে ৫০০ পৰ সূঠ উচ্চ ক্ষপত্ৰ একটা স্কুপ পাইচ ۴

ক্ষাত ১৮৩২ অব্য General Countropies বাৰাণ্যতি প্ৰতিনৰ্থ প্ৰথম দে মৰ্থ্য কিনিপ্ত কৰিছেন, ভাল চইনে ব্ৰুলান কুলে সাংসাধে ও ৰামাণ্যতিত যে যে আলীন কীৰ্তিন কাৰ্যান্তিৰ কৰিছিল কৰিছিল কৰিছিল কাৰ্যান কাৰ্যান কৰিছিল কাৰ্যান্তিৰ কাৰ্যান্তিৰ আন্তান কাৰ্যান্তিৰ কাৰ্যান্তিৰ আন্তান কাৰ্যান্তিৰ কাৰ্যান কৰিছে মহানাৰে আন্তান কাৰ্যান্তিৰ বাব আন্তান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে আন্তান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে আৰ্যান কৰিছে কাৰ্যান কৰিছে কৰিছিছেক

বৌশ বার্মিনী

-) । विकास मास्त्र देशकामार्थिक खुने हें
- २। तीत् बगरनिरद्य के विक विके विके हिर है। किनिर्विक सूर्ण ।
- का कानिस्टाम्बर निर्मान विनेत छन।
- ৪। দেহর কীটো 📹 ফ প্রিত হল।
- ৫। গানেক ছইতে আজিলাইল দক্ষিণপশ্চিত্র অবস্থিত চৌমতী গ্রেক এক্সিন্তি বৃহত্তি ভূপের ধ্বংসাবদের।

ধামেক জুপটা স্প্রজনপ্রিচিত হট্না পড়িবাছে। বছ প্রকে ইহার বিবরণ ওটিন ক্রালাভিত হট্যাছে। ইক্টভিডি চটতে ১১০ ফুট এবং চতুপান্ত সমতেশ ভূমি ইইডে মোট ১২৮ ফুট উচ্চ। চচাধ দিনি গ্রহণাকার প্রাচীন ইইওনিপ্রিড। এই ভিডি কুলুপার্থর সমতেশ ভূমির উপনিপ্রিড। এই ভিডি কুলুপার্থর সমতেশ ভূমির ১০ ফুট নিম চটতে প্রবিদ্ধা ডিবির উপরে ইহা দও ফুট পর্যায় প্রক্রে এবং ইহার্ম্ব উপরাণে ইইওনিপ্রিড। প্রস্তানিশ্বিভাগে কান্তক পোনিত প্রাচিত কান্তকার আছে। ভারার কিষদ্ধ প্রস্তানিশ্বিভাগে সাহেব ১৮০৫ গুটাকে প্রন্তকার, ইহার মধ্যে ২ বঞ্জু প্রস্তানে গুলার প্রস্তানিশ্বিভাগে প্রস্তানিশ্বিভাগির গ্রহণ করিছার স্থানিক কান্তি গ্রহণ করিছার করিছার করিছার করিছার স্থানিক কান্তি। ভিজি নালেবের মতে এই গ্রেক নামটা শ্বেশ্বাল্যেশকশ বা শ্বেশ্বাক্ষাক্ষ শ্বেষ্ট্র মধ্যার স্থানিক।

ষামের এটা শ বহন সূট্ন পাশ্চনে এক টা বৃহৎ গোলাকার সর্ব, ও গর্বে প্রান্ধিপার্থে প্রান্ধ ১০ পূচ প্রাক্তির গঠক নিথিত লিকি আছে। ইং াই বেওয়ান অগ্রানিংহা কর্ত্বক বানিজ অপ্ন, ইহা পরে কথাসিংহের স্তুণ নামে বিপ্যান্ত হইয়াছে। ১৭৯৪ বৃহীকো অস্থানিংহের গ্রন্থ অসচলান এটা জুপদানকালে একটা বৃহৎ প্রতির্নির্বাহাধার প্রান্ধ হয়, এই আধারের মধ্যে অপর একটা ক্ষুত্তর মর্ক্তবাধারে কভকতাল অহিশ্ব, মুকা, সুবর্ণপুত্র, প্রাবাহ্য ও অঞ্চাত্তর মণি আধিষ্কত চইয়াছিল।•

এতহাতীত এই স্থলে আৰু একটা বৃহস্তি আবিষ্কৃত হয়, এই মৃত্তির পদ্তলে বলেছ পালবংশীর বিখাতি বাজা মইশিবলৈর বোলিত বিলি আছে, ইছা পরে অভান্ত শোলিক লিলির সহিত্ত বিবৃত হইবে। এই বৃৎস্তিট্নী একলে লক্ষ্ণী মিউলিয়নে রাক্ষত আছে, ক্ষেত্তর মর্বরাধারটা বহুদিন নিক্ষেপ্ তইনতে। বৃহত্তর আধারটা কলিকাতা মিউলিয়নে ব্যক্তি আঁটোটা ব

কানিংহাম ১৮০০ খুটাজে খনন কালে একখণ্ড কুন্মর কান্তকার্য বিশিষ্ট প্রাথমন জোনশের কালে প্রাথম হন, উপা কেনে কলিকাতা মিউলিন্তম আছে, ইবার ছট পালে বিশিষ্ট মনিয়াকার গৃহ পোনিত, একটাতে বীপ্তব ব্যবস্থ উপাধানে এবং অপ্রটাজে ব্যবস্থা নামক হলার উপাধান বোনিত আছে। ইবার স্বাভাগে ক্ষণ্ড একটা মুন্দিরাকার গৃহে বৃদ্ধদেবের মহাপ্রিনিয়ালিটিন উৎকীর্ণ। মহান্ত ক্লিকে নিয়ে ও উভ্যান্তলীয়াল ক্লিকে ব্যবহানে ভতকভাগি হিন্দু দেবভার দৃতি পোরিত আছে। যাল্যালয় বন্ধা, ক্লিয়ালয়

[&]quot; Jonathan Duncan, Aziatio Resparches, Vol. V. p. 121.

हैज, महिन्तिहरून सम ७ ८कपू, मिता शक्ष्याहरू विकृ शताबक क्ष्मुका का वासकृत इंग्लोक अरस्पत, महत्रवास्म कार्तिक ७ कृषिकर्वास्म श्रवास्त्वत कृषि क्रिक्टिक लांका क्षेत्र । ट्यातरगढ मिराब किसबरण क्या बहेबारक Ie

भावत रीको प्रतनकारन कलकान क्षतिकाल क्षतिकाल करें काविकाल मार्क्स कार्याक गांवनाटर्वते निकडेच पत्रादीभूव शांत्यत्र विक्रिक्ट अफ्डी विक्टलक परमायटक्टक मार्च दराकर तथ छात्रा मूर्कि बाल स्ना देशा मत्य क्यमधीन छिनि बानिप्राहिक त्नानांनिहरू टानांन करतम, चर्नान्द्रेस्नान एएकिक्नन् नामक क्षक्रमन Euginees नास्क्र ब्रह्मना ন্দীর উপরস্থ দেরু সিধাপকালে উক্ত নদীর জোভ রোধ করিবার **এর ন্দীতে** নিক্ষেপ করেব। धनिशक्ति मागहिरित अवस वृद्धिकी । क्षिकाका विकेतिस्त आहर, क्ष्मश्रम् अवामकृति नित्र वर्गिक अंग्रेस के

>। गर्तकः कः विश्वकः वस्थानि व्यापनसम्बद्धः देशात केमत्रात्मक स्वतः, व्यापनस्य स्थल पूर्वन ्रात्वत्र बीनानक क्षण क्षणेके 'ताथान परेनात्र क्रिक त्यांविष्ठ । वर्ष विक्र नुष्टारायत्र वर्षाक्रक । এক হতে পালকুক্তর পারা ও অপর হত হারা স্থীর করে তর বিয়া দাধানেশী প্রভারনানাঃ नुकरम्य कवितम् हहेरण निर्मात वृहेरणहरूनः तथा अक्यन समाप्त केनाम श्रीवहरू अस्य कृतिन ट्याहम । हेळ समामित हटक जनांत्र गार्च रक्षात्रमान, मान्सूरन क कुम्मण देवका क भवसंभव । देशांत केशाद अवकी कारत मुख्याव वर्षात्र आवंकन अविकास के केवल मार्थ क्षेत्रकारण अनुक्रमान प्रशासका । जाकारण माना साथ नामस्थान ७ मुक्तारम विद्या सामके वर्षेक्क व केमन केवर नार्ष विनदे कतिया नुकक्त केनावक सक्ताद वरेश केनाती। हेराद नाम्ब कृषिन्तर्भ मुद्राव स्विष्कृष्णकाम नृद्रास्यं, अञ्चलांच्यं अकृषां क्षेत्राम्बन्तव विक्रयाम । हेशाव क्षेत्रत बाब क्षकी किन्द करतकी तानात्त्र हेन्द्रक कुरूवर इक्षावत् । नूस्रवद व्यानित्तर পৰ্ব হটাছে, তীহাৰ মাতাত নিকট কৰ্মপ্ৰচাৰ কৰিবা এই সোণানাবলি স্থানা ক্ৰমে অবভয়া 🖟 कतिरक्षका। अवनातं स्वानी हेल १० भना भार्त् त्रमा अनः प्रता नक्षमा हैनामण-भक्षणी। अरेकन अंकडी क्रिक कानिरहात नाहरू कारूक करूनक व्यक्तित व्यक्ति स्थानिरहा चनव अक्यानि किंद्र Mr. A. C. Caddy : गारहर चाठ महीव क्रियानोह आसंस्था । अवेर रेका अवस्थानको अवस्थ जीनवाल विशेषका चारक देशक गाहर वाल अवस्थि विदेश नवानात्र मुख्यतन वर्षात्रक मुजाब केमविते । और किरवात कवित्रमेशको का अवेदा निवास । वेबा क्षेत्रक विरूप किंदू कारु रुक्ता शह बा ।

र। अरे वापानक मानात मूर्ववर्षित वाकासून्त्री महत्वा । रेशांकक मानि विकास क कुमन कम, गरवावि, वर्षात्रकार्यक्की क कुछ न्ये प्रशिक्ष नांना व्यवसाय मात्रानिय त्यावित त्यावित नातः ।

[.] Curningham's Reports on the Archaelegical Survey of Land + Proceedings Assure Sumely of Bangell, 1888.

े। धेरै त्रावाचार शिक्षी विश्व निर्माण क्षेत्र विश्व शिक्षी क्षेत्र क

এভয়তীত অবলোভিতেবলিবোধিসারে মূর্তি, বহুসংখ্যক বৃদ্ধনূর্বি এবং করেই আইটিক কলিকাতা নিউলিয়নে রবিত আচে ।

त्रकार कीती। बनमकारम अकी जन्माशासक किछि अनः कानिश्वास बाह्यस प्रशिक्त आरम कीती। आरम कानिश्वास अधिक प्रशिक्त अधिक प्रशिक्त किछि अधिक प्रशिक्त प्र प्रशिक्त प्रविक्त प्रविक्त प्रवक्त प्रविक्त प्

nicus eben een stute vo elver chiefentus and went mentantus and micus enfects and elver and effects and elever and entered part with the elever and entered elver and entered elver and entered elver and elve

- THE SPECTS PORTS
- I I where where your and only the family was a statute of the
 - All Maries desirate days sought man miles and
 - THE REAL PROPERTY IN THE PERSON OF THE CONTRACT OF

े व रे 'नश टबीचें दम बहन दी ह मूर्ति । •

क्यांत २०० वर्ग कृतेवाम चुँका बढेवारक। अहे शाम सनः मिन्दव स्टूर्णस स्मिद কৰিছিত ঃ কানিংহাম তাঁহার মানচিত্তে যে ছলে কীটো কড়ক বৰ্ণিত জুপ বলিয়া নিৰ্কেশ পরিষ্ঠাছেন, সেই ছলে উপরোক্ত সন্ধিরের ভিথিটা পাবিকৃত হণ্ডাছে। এডবাকীত পূর্কা ষ্ট্রি টোষ্ট্রি নামক জুপের ধাংসাবদেশ্টিও খনিত হট্যাছে। স্বর্গ লিংলের জুপের ২০০ नव पूर्व देवात केमान केस अस्तित्वत्र किथि चारिक्ष व्हेबाद । देवा चाकारत चानिस्थाय कर्जुरु क्यांतिहत मॉक्टरत क्षष्ठकान । रेश देशमा ७ व्यास २६ व्यास १६ व्यास श्रुक्षतिक । की स्मानास्म कारनारन कविस्स बादतव केल्या केविक स्वभा गाम । अर्थ श्रुक्त লভকগুলি চ্ছাম ল ভেটিভালাক্ষৰ জাছে, এই শুনিৰ কোনে ভাগে বুৰুষ্টি, কোন ভাগে গৰ্কচক্ৰ ও উহাৰ উক্তৰ পাৰে মুগ ও উপাসক্ষাপ্ৰদী, কোন আশে চৈতা ইত্যাদি নানা প্ৰকাশ हिए त्यांव क कार्य । अथान बांव अखिक्रक करिएन खालून उनमीक स्थवा राज । खाल्याची তঃ ছুটু হীৰ ও ২০ ছুট প্ৰাস্থ বিনিষ্ট । প্ৰাাসনেধ উভৱ পাৰ্ডে এক একটা গৃহ ক্ষাছে। প্ৰাাসনের निक्टिक एकति पेक कुन आहि, क्षे कृत्त तकुरमान क्षत्रप्रतिविक श्री कक्ष आहि। क्षे ्ते क्याप्त के के के कि के कि कि कार कार्य कार ि इस मधानार की व्यक्तिन धान्यनिष्ठि चरण मनिरमद अविक्रित मृद्धि मानम कारक। देश क देन्द्री 'क्रुनेकिंश' कारणाव । देशांत्र क्रूनेशांद्र आवंत्रिया दान लाह्य । यह धार्मादनत्र नथ चाल मुकान, एकाम स्टान ५% 📸 टाय । धारे खाउ र केव गानिक नाटर्व ्कृति ४ कृते आहे तह सार्थ। यह तृष्ट्य गीन्त्रम मात्र अकति क्षत्रक गृह मार्थ. क्षेत्र गृहिरिक मन्दिरम् कार्याम मात्र विका न्यूर्यन कता तात मा। मन्दिरम् काल्य क निरक भावत की पार भारत। व्यामध्यत देखन नीपर की शृहक केतन संविध्य गांव भाव তাবেল করা বার।, পশ্চিম্বর বার বারা পুর্বোরিধিত পুরতর গৃহে বার। মন্দিরের अखबात्य क्रक ब्रहेरेख गावशाम ३९ कृते, देखांच गर्नकामन मेर्च गृहते वरू कृते वीर्च, क्रमेश में ब्र-व्यक्ति मालिया शृहस्ति करणकाङ्गक पृष्ठ ७ की आंत्र नमामाकात । केवतंत्र पृष्टी ९ स्के, প্ৰিছত পুৰুষ্টা ১০৪০ ছুট তেবৰ ধৰিপত্ত পুৰুষ্টি ৮৪০ ফুট বীৰ্ত্ত অভিবাৰৰ পুন্ধবিকে আৰু a. एके बास मुक्तिक इवेशारक। यह बरम मूल केनामब्द्रानिक जावन वाक्षींस वर्षमान अ १६ । शांभरतर भूमे सिरमन विकि श कार्डीरतन कितनामे अकारिनिक न कार्ड मार्ग क लुई दक्षि । १८ १८ १८ वर्ष हो से सम्मादन व्यवस्था महत्व अध्यक्ष नीवी स्वतं वेदे स्विति । विश्व प्राप्त कृत्या 🔑 २क श्रेष्ठन वानकृष्ठ वरेगा:७। 🎺 मधुरा ८५।विक **श्रेष्ठन श्रिक्त व्यक्ति व्यक्ति** का १९० त. १९ क वर्षकान मस्तित्व अनुकारम् निर्मिक त्यांकिक क्षेत्र सहि। देशान व्यक्ति नामके कार कर्ता दे पर्या, काल करने अन् एक्स कान का क्षान करने तथा व्यक्ति का व्यक्ति कार्या है। बाह्य के

^{* .} Report of 1 plate No wife

a A lieget, I. finde nann ...

ৰাতীত খনেক মূলে কুত প্ৰবাদিশিত চৈতোৰ ভ্যাংশ নিৰ্মণ কাৰে ব্যবহৃত ভূইবাছিত मनिराम पूर्ववित्त अंकी मधकविरीन कृषिणार्वमुताम व्यक्ति मुक्रमूर्व वार्ट्य हैं से आवे अस्ति। केळ अगर देशव गंकारणक जिन ट्यांबिटक की देवांबिक बादका . देवांब निर्म कर्जी किंव स्थापिक चारक, क्यकि ग्रंटक बस्रोटक क्यकि निरहत्व क्ष राज्या विकास कार्य पुरस्का বাহিরে প্রাঞ্জের এক পার্বে একটি শ্রীব্রোক ও একটি বালক বৃঞ্জান্তর বা সভ্তবাস্থ অবস্থায় वरिवादकः जनव नहर्ष > है। बीरमाक् नृका क्तिक्रकः वर्षे मुंबेरित केनदव वर्षे त्यारिक निनि चारक देश शरेरक कार्ना की दर, कर मूर्क श्रीत वर्षकार शर्न । क्रके ব্যতীত সন্দিরের পূর্বে উলেববোগ্য কোন বছ আবিষ্কৃত হয় নাই ঃ প্রাক্তবের সন্দিশ্র পূর্তে একটি মন্তক্ষীন বুচসূর্বি অভাশি অভিটিত আহে। অক্সমূদ্য অশেক। সন্ধিরের এই অ্যান্ত আচীর উরঙ, দক্ষিণ বারের উভর ণার্ছ প্রাচীর অভালি ১২ মুট্ উঞ্চ স্বের শশ্চিম প্রাচীরের নিমে একটা অভি প্রাচীন কুণ আবিষ্কৃত হর্বলক্ষেত্র ভিত্তি চকুকোৰ এবং ইয়া ইইকনিখিত। ইয়ার চকুলার্থে সাকী ও ভারতের কুলের বেলিট্র काद अक्ष अविभिन्न दर्शनर कारक: धर दर्शनर नामक्कूरकान, देशन धन नाम विकास চনত মৃষ্ট । ইয়া একবে তথ হটবাছে, ইয়ার গাঁতে বাতটি অকল পোবিত বেবা বাহ, কিছা ইয়া লাঠ করা ছকর ৷ এই জুপটির উপরাংশ গোলাকার, জুপের উপরে প্রায় ১০ কুট্ ইচ্ছ আছে २> मूर्ड अप दिनाम देहेकनिचिठ व्याठीत भवानि वर्तमान भारत । धनमकारम दाना निर्मा ছিল বে, এই প্রাচীর নিশাণ কালে জুল ও বেলিং সতি সাবধানে ইইক ধারা আবুত্ত ক্ষর্যাত্ত নিশাশকর্তা ক্ষমান্দ উহা বন করিতে পারিতেন, তথাপি তিনি উহা অভি সভাপনে রক্ষা ক্রিট্র ट्रिन । देशव कावन मसन्छ। और ८२, कुनिर त्वान इत्र ८७ मनदव व्यक्तक कावन वस्त विंग, व निविष (परकांत्र करवरे रुकेक वा कनमगात्वत करवरे करू केरा स्किन्छ क्रवेशास्त्र । महिन् দ্দিনে উপৰ্যুপরি নিশিত কতকতলি ইউকত্প উন্ধেত্ন অকণ খননকালে ক্সিড ক্**ট**ট্র मिलारबार विकाम्बरिकारन १० कृषे गीर्व अक्षे क्षिक्र कारक, देश परिक करनाव मुक्त ইবার পশ্চিমে ২টি কুর সন্ধিরের ভিত্তি আছে। ইবার পরে কডকথানি সধারাক্ষাক্র किवि बाटड, क ममूरव टेडेकनिविक, देशांत शक्तिम क्यान्त्रक व समूर्ण केमूद्र असे ইউক্ষর ভাগের বাংলাববের আছে। ইয়ার পশ্চিমে এটি ক্রম বালাকে। क्रफोट्ड स्टिमाबदा निविक क्रम्यानि निमानिन नाक्स निवास वरेताहरू वरिता देशम नाट्याकात व्यवस्था । देशम नाविद्य गा गर्मा क्ष कृत क कृतकिकिक गाँधमूर्व । सूर्वकिक केल्ल परिक पनिरम मूरवीक वर्शनांव कविरमंत महात्व क्यों निवादित । कारी जातक वाविष्ठाम हो संदेश द्वारित which that there is desired to sufficient the TO BEST OF THE PARTY OF THE PAR

क प्याद्धि कड क प्रकेषिक नामक राज्यित शहराया अवस्थान अ यनन्त्र नामक कवनकावन क्षांत्रशास्त्र कहे महि, इत अं खन्न आंविकि हम। एकी क्षा र उसाम तर पन्न परेसाक। मुक्ति ध क्रम ० चरक दि तक दरेबोर्ड । कर्डिव मिकारण त्याव ७ पूर्वे केन्द्र, अदे जानाने त्यांतिक्रम क्षक्तिक कार्र्स, देश कहेरकान। हेराव ७ कान गानिहा मूर्वपार्नेड ३० माकि स्थाविक निनि। वर्श्याम, प्रत्याव काल्य व्यवन देकांच, देव: त्यांचं २३ कुठे, केक ध्वकर व्यवसारण द्यांनांकाव अवर वस्कें উচ্চ, শ্বস্তুটী সুৰুদ্দেষত প্ৰায় ছাৰুল কুট উচ্চ। বোধিনপুৰুতিটার পদকলে ২ পংক্তি পোধিত কৈ কি তথ্য সম্ভাৱনাৰ ও পৰ্যতি ৰোধিত জিলি স্বাক্ত। এই ও প্ৰতি ধোৰিত শিশি क्ष्यां अंत त्यावित विभिन्न क्षेत्र कार्यक्षित कार्यक्षण । Dr. Vogel अक्ष्माल करवम दव, भूति व लन्तर वाषिक विभिन्न चिकाल हैको कार्यान्छ क्वेटकाक रूप, रम समस्य प्रथम्भिनम्स वर्षयांस कारतत साह मन्दिरशास्त्र भरतक हाँड मा । मन्दिरत ५ कर्गश्मिरदा का त्राप्त महाक সমূদ্র তুল ধনিত ইইলাফেল াএই আনে নানাবিধ প্রাক্তর বা ইইকলিছিত উত্য প্রাকারের অসমানকোর চতুল কান্তয়া নিয়াচে: অবহনিয়েয়ে জুপের চতুলারি ধননভাগে জুপ व्यवस्थितमत देहे किलिकिक एवं स्थापिक व बहेदारह । किलिक्शास्त्र स्थापितक स्थापितक स्थापितक स्थापित स्थापित कांकि लोटबं टर कोंके किलि यो मुख्या माकिस म्यादक, खोबाब मंदना प्रस्थितगत्र किलि बाजीख मान्त रही सम्मन्नारण सम्भाविक करेवारक। असे किनियिक मन्त्रिक आक्रिम खुनक्षित सक्करण Deitel nices und Gi fertie wanten : det app mine fefen Erte fefte. हिर्दात तरिय ১৯-८ वृष्टीम् धार्वे अकन्यानिक अंक्यानि र्याष्ट्रिक खेळा सन्तिन व्यास्त्र । हेश्रीहे প্ৰিত ভূমিৰ ম্বিশ্বীবৃত্তি কালিংবাদের মান্তিক হইকে মুঠ ভূইকে 🛶 লৈনমান্ত্ৰক প্ৰিক नारचे अक्षि विभि चारक । क्षेत्रंत्र केनव मुक्ता १० केथ क्ष्मिक व्यवसारक । यसमानारम क्रक क्रांक्रिक एवस्पूर्णि भारत्य विश्वाद दे**, और विकेषियाम तम मनुसरम** थाम संदेश क्षात्र पर त्रहेसल टार्डाव दरेगरेड रण, चे कि केंद्रवं स्तोडमूकि धान वाचिछ अनव अवीप हिन्तु के रेसन-र्दार्शकाल मारको विकेशियास स्थान करें। हैदात पालिएम किरोस कार्क पालिक मार्गावासमय आवंपश्चित आठीन कुल्डिव बीर्न मन्दावं करेदाहा । निकिस्तिकाम जल्लान ट्रांकीवीस विनासाव 是《阿里·维·罗·

ক্ষাত্র প্রিয়ালয় ব্যক্তি হ প হাতেই বছরা পুরাকীর উন্নাচিত বর্তীপতে। মলিং বে পাত্র উন্ধান্ত বিভাগত প্রতিষ্ঠ বপতে প্রিয়ে মহারাল অলোকের ব্যক্তি নিশিষ্ক চিন্ত কর ও প্রতিষ্ঠ ক্ষাত্র (ক্ষাল্ডির অলোকের ব্যক্তির নিশিষ্ক নিশি লাভে। টি পাত্র অলুকানের ক্ষাবিশাস, স্বৰস্তান ক্ষেত্রত ক্ষাত্রত কর প্রকৃতি কর বিশ্বর ক্ষিত্র ব প্রানাধিক ভিন্ত কর বিশেষ ক্ষাত্রত ক্ষাত্রতার ক্ষাত্রতার কর প্রকৃত্রতার কর ক্ষাত্রতার কর ক্ষাত্রতার কর বিশ্বর বিশ্

Among 1995, report of the Superinduction the Andinaulogical Survey of

निश्चादकः प्रकृष्टि एव रहेशात्व, नार्त्वतं नार्द्वतं केन्द्रानं नाविक व्यादिक चचनेदिक विकास बाद्य । अनुवासक बदमाक्यकक ब्रिटेंग अंग देशीएक र्पाविक मारक वर्षे हातिक निरामन गर्दा अक्ति वर्षाक्र मनविक विता कथकी कारण विकेशियात प्रक्रिक बादक । बादका क्यूनीचे चनमञ्जाल जिल्ल जारिक वर । वनकृष्ठे निरंत जरनारक्त नाकत सावन जारिक विदेशी WINE ADDIE WIN WEIGEN-ART BYLTE WE'T MERKET ARTER MER PERF देखान । जानारका कारतन जानरूक केन्द्रने कामा प्रजुनीर जानरतन रवनिक हिं देश के दल हरेटक केटकालिक हरेता निकासकारका कामर्थन कमित्रका गर्वत्वत हराविनेक्यु क्रावत गणात्क समिक स्टेनाट्स । देशत क्षेत्रक आवे व क्षेत्र केर्र्स कृत्वेद त्यापिक नकृत्य वानक्षक प्रकारन हकूरवान टाउपोक्तानिक खालन, काराव ० कृष्ट करवेगान वाक्या निविक खोकन क मर्ट्सानिक केनलबकुनिविज् वर्धमान खासन नाका निवेदक हैं। চতুপাৰ্থয় ভূমি বৰ্ডদান বংসদে পুনহায় বোদিত হইছেছে। প্ৰভাষিক আৰু পৰিত विरम्भ त्याम क्मनाच रह नारे। चरवा केवत्र प्रचीत विवतंत्र केवननिवस्त्रकार ভাল ইইক্লিডিড ভূপভিডি আছে, এরণ হকর ভূপ ভিডি অভাত বিরুষ । ১ই ছ ेहि बदवर्षि खडानि मान्स खाटि। अधिन गण्यावदात समझ्ये केक दिन यान्या वस्तिक अकों हिला कुछ दीवं व कांग्रे कुछ अप शृह दिन । असे शृहदा हकूनार्ट्य नीना पूर्वि नीन ছিল। ভিনষ্ট যোগানে আবোহণ করিলে বুর্তির পাবদেশে উপস্থিত বঞ্জা স্থিতিত। ৰু বিশ্বভাগি ভত্বানে বৰ্তদান 'চেখা বাহ, এবং ৩০ হানে সোপান বৰ্তদান 'আছি ই বালা অক্সবাহের নাথ খোদিত একথানি প্রকরের ভরাবে পাওয় পিরাছে। হেয়াদিত मक्तरक विवयन मर्वात्मस्य स्थापं (भागः)

वारनाय-वार्शनेत वाहिएहें केक, वारवाद रा वारन महत्व महित्र निरुक्त कीर्ता, कार्य कीर्ता, कार्य कार्य २० एटे तीर्त जर्जन महत्व वाहिए, वाहित वाहित है कि विकास महत्व महत्व की वाहित है कि विकास महत्व महत्व की वाहित है कि वाहित करा की वाहित क

লালা হয়। বৌদন্তি অনুন্ত, তর্নো অধানত্তি বৃতিত বৃত্তী। আলগত প্রতিত্তি কৃতি বেলিক, ইয়ার কৃতি পুনর ও একটি রীন্তি। Gen. Cumingham পুরুষ্টের এইনপ্র কৃতি ব্রিয়ার ক্ষার কৃতি বুলি প্রায় ব্রহারিকেল এই উল্লেখ্য কৃতি বালাক প্রতে ইয়ার কৃতি বিল প্রকাশ ক্ষিয়ারেল, ইয়া বর্ণ, বৃত্ত ও স্থানার মূর্তি। ক্ষানার বীশালতে একটি কেবীন্ত্রি, ইয়া সভ্তব্যন্তর বৃত্তি বালিকেল পর্কি বালাক বুলিকারী কেবীর কৃতি। স্প্রকৃত্তরাজিত স্থানার জ্ঞানার ক্ষানার কৃতি বালাক বিরায়ে। এই সেবীন ভিনটি মূল, তজালা একটি মূখ প্রয়োর ভাষা। বৃত্তির ইয়ার ও চুই মূট্ প্রায় এককও প্রস্তার প্রাচীনক্ষম কালের একটি জুণ অধিক আছে। ক্ষানার ভারতের প্রায় বিরুদ্ধের ব্যৱস্থা ক্ষানার ক্ষানার ক্ষানার জ্ঞানার ক্ষানার জ্ঞানার ক্ষানার ক্ষানার জ্ঞানার ক্ষানার ক্ষানা

विकेशन का वर्तिक प्रायमस्थान मध्या क्लान्यांन स्वर्थान परिवास कार्य कारा प्रमा प्रकास मध्या । और क्लूमंन पात वरशहरूस सत्या यह श्रीतपद्म प्रमाशक । क्लान्य परिव विकास स्टेटक व्यामा बांच एन, नियमिषिक प्रायमानि दायान किया।

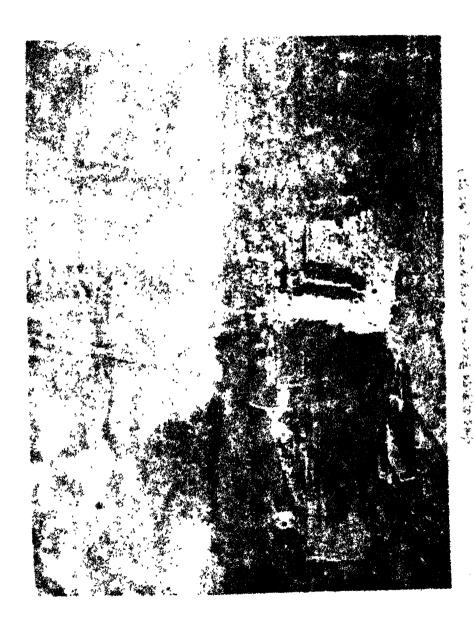
-)। वहात्रांक कर्णार्कत प्रव
- ३। ज्यपाताम
- है। बहाबास सरनास्कर्ष निवित्त सामानुष्

[.] Dr Vogel's Annual Report, p. 47.



र्जनात्मत्र बाकानातीतः , तर्गरम् व मृद्धि १७५ गुः





, graffi

21 2 hours 17 "me. 12

বাবর্জনের স্থান বশিষা নির্দেশ করিয়াজেন । ইয়া সন্তবশানী স্থানৰ স্থানীক স্থানীক বৃদ্ধি স্থান এইজগ,এফ এফটি ভক্ত স্থাপন করাইয়াছিলেন। ইয়া ক্রিউন্নেশ্ বৃদ্ধি ক্রিউন্নেশ্ বৃদ্ধি ক্রিউন্নেশ্ স্থানা বার। কানিংহান্ গ্রামেক কৃপটিকে এবর্ডনের স্থান বিদ্ধান্তনের স্থানিক বিদ্যানিক।

ধননভাগে আৰু খোলিভ ক্ৰয়নমূহ এম অনোভৰজেছ গৰ্জে এবা উপৰ্যুশনি ছালিছ व्याचनमञ्ज बहेरक नाताक्षीरक बोबजाबारका वैकिस्तामंत कियान केला क्या यात्र क्षपंद निराहत कृत्न कांग्रं (कृतिरहान् वहारवादि मायक काद विकारक्षम ता, देश क्रोपिक कृतन পাওলা বাৰ; কিন্তু পূৰ্বে ভিনি এই খোৰিড দিশিয়ক বুডবৃতিট লগবনিংকে ভূপে কাৰা . লিখিবাছেন)। গৌড়াখিশ মহীপালের খোলিত নিশি কইতে আনা বাব বে, কীহার সাক্ষকারন क्रकृष्टि के त्यात्र बीर्य मश्चात्र दशः कानिरहाय् बारयक क युवनाम कात्म द्विवसहित्यक दा, कृत्युह ভিতি চতুলাৰ্থ সমভগ ভূমি হউতেও গল চুটু নিয়ে আয়ৰ হইবাছে এবং এই স্কুলেয় লিয়াই প্রান্তরনির্বিত ও অণহার্ড ইউকনিবিভ। তুসের গাবে ধোষিত কার-কার্য হাই স্থান বিশিক্ষ व्यक्तात्रक, कहे क्षामान स्टेट्ड किनि वर्षार्व असूमान करतन दम, कहे चुनाँहे चांछ आसीम चित्रिक । উপরে নিশ্বিত। তাপের পাত্রের খোষিত কাককার্ব্য মধ্যে মধ্যে জ্ঞানপূর্ব রহিয়াছে। ইয়া ৰ্ইতে অৱমান হয় যে জুণের জীৰ্ণোদ্ধার কবিঃ নম্পূৰ্ণ হয় নাই। সারনাথ চতুশার্থার সুর্ভন্ कृषि हरें छ ० -- ३० कुर्व केछ। ब्याब इरे वर्तवादेश नातनाथ नाटम गतिकिए। रेहां फेक्रकांत्र काश्रम धारे दर, आठीन काम बरेटक धारे श्राम खून थ विज्ञात धार मन्यांत्राम आधुनि নিশিত হইয়া আলিভেছে। কালে এ সৰুদৰ ধানে হইলে ভাষাৰ উপত্তে শ্বনাৰ গৃহাত্তি নিৰ্দ্দিত চট্টয়াছে, এটকণে সাৰ্ছ বিদ্দুত্ৰ বংগৰ বাগিয়া সামনাথ ক্ৰমণ: উচ্চতা লাক ক্ৰিয়াছে এ ধানেক অংশর বৃহধাকার প্রাচীনতাপরিচারক ইউকনিবিভ ভিত্তি (২৮ কুট), ও ইয়ার केनरबब ७० मुद्दे वाकत-निर्विकारन (देशाव बुद्धा प्रम मुद्दे पुत्रक द्यानिक) तकत्रकः महन्यद्रमुख नवास देशान छैनात्वत पन पूछे आधान पहणान नात वालिक बरेजाविक, कांत्र निवास आधार पहिल नवन्नात्वत्र शास्त्र स्मोरनाता यात्रा कुछ । केनस्त्रत यन कुछ अकन नस्य । नक्षनकः हेहा .. হর্বহর্তনের রাজ্যকালে নির্মিত ; বিউবেন্ থ্যা বাহাপদীয়ে অন্যেক রাজ্যকুরু নির্মিত প্রায়ত্ত আংশর উল্লেখ করিবাছেল। কাছার লগতে ইহার তিভি ভূগত নর মইলের >রং পার এই ইঞ্জ हिन बाना हात । मधनकः धारै नगरत नजन कून्छ। अकर हिल्लिक क्रिन । क्राक्त हेहेक-निविकारन जरकारन वर्षमान वाकिरन विकेटमुक्तान्त करनारे क्षारा केर्यान कृतिक कृतिहास मा । देश व बहुमान क्रेंट्य शारत (र, का क और क्रेक्निविकारन अक्रम प्राथम क्रि किन दाना निवाद दर, कृतनव श्रावितक आवश्य किन अन्तर क्षान दान ब्रह्महाद अन्तर है 'आबटक त्यांक गर्याय चानिसार चर्चार कारोव केगन चन्न आवट वानियोह केगीव साहे । क्षेत्रविभिक्षात्म महीनारमञ्जयक विक्रमान ७ क्षेत्रक प्रमान पर्व प स्वापि

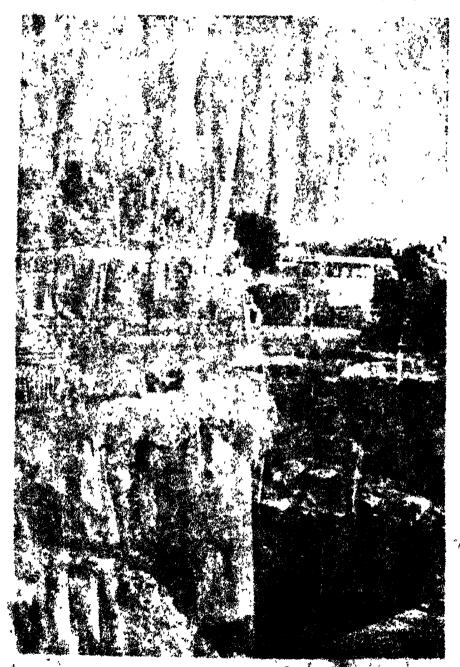
w Dr. Vogel's Report, p. 47.

्रामिर्दाम धरे देवे कनिर्विक कराने रक्टिपारिक लिल जान कन, कारी पूर्वेब मुख्य नकामीत कार्करत निविक्त । महत्वकंद्र देश कर्षमद्भेनकुछ जीर्ताकारतत मनमामविका आकृत्ताकवारस्य 🚛 এলেব ওলি কেবিলে পুর্বোক অভ্যান "ভা ব্রিয়া বোধ কর। বর্ত্তবাদ মনির शाक्रानंत कृत कृष्टे निर्देश कृमारम्य अपूर्णात आनाव एकाव्यान आविष्ठ हम ; हेशांत िक कार्बर्ड काख्न बाक्तिक मार्थ । काना क्लाप्ट्रय क्रकुणाचेत्र दहिनार व्यवे काकाम्बर सेनास शांतिक । कुछबार देशहें मिनिक्क ता, देहारे अप्याकिमिक विश्वत । वानिद्वत व्यावन । देशत लीक कृष्टे केरफ मध्यांच तक्त्वर्ग आक्रास्त्र आक्रम । এই व्यक्ति नवस्कः कम्पिक्य भमाप्त निर्मिष्ठ । हेट्। या ही रु भूरका क दानिषद् में कुछ स्य इस धावर वस्त्रमध्येक हुई स अकाक त्रवानि वहें अकर्र निर्मितः। यमित्रक केंद्रतान मण्यात्राहम्य मुक्तम्तिनिक वहें "आबास নিশ্বিত। ইবার তিন কুট উপরে পুনরাং চুনারের গান্তরনিশ্বিত আমণ ধেখা বাষ, ইছা क्षप्रमान अक श्राकरचन्न श्रीकार । का माक इंडेएक का नाकत्र मुक्षत्र श्राक्त स्वीक्रपार्वत्र स्वासीय-कर्मन भगता, अहे निविध्य छहे हि एवं का भागत यादमांन कविष्क छ वर्षन्करनद अहकरनेत सामान অংশকঃ এবিক, কাচৰ সৰ্জাংশকা অভিক উন্নতিৰ সমতে **ও**ূপ প্ৰাকৃতি অধিক সংব্যাস নিৰ্ণিত হুটাব্ভিল্ - কুবানধাৰীর সমানুব্দের অধ্পোভন ও প্রাচীন **প্রবাহাকবালের অভাবতের সহিত্** বৌদ্ধক্ষের অনুন,ত আরম্ভ হয়, প্রভাবে এই সমবে বৌদ্ধবিহার ও ছ,গ আছতি কপেঞ্জিত কম निक्षित्र रहेग्राह्मिका । अते ८६६ केनिक व्य करवत आधारन्य बावबान आरम्बाक्र र प्रदेश केनात प्रदे मुठे हेटकहे नर्दमान मन्दिरस्य शाक्षकः । ्नोक्स्टचन ८०३ लगांव मन्द्रवादः व्यक्ति व्यवसार**ाक क**्षाहे मिनिक इरक्षाहित. यह निविक खरे एट शाकरना युवधीन मर्कारतका अक्षर भाव में 💏 हु है কৰিবে দেশ যায় দে, চুনারের ও মধুরার উত্তর স্থানের প্রশুষ্ট মনিবার্থকাশে 🏙 ইনকর गश्चि नात्रत प्रदेशास्त । तेश व्हारत अकुमान अत्र दा, चार्ताक हुनात्रत आवास कार्या নিক্ষিত অংশ ও বিধারতি নিকার করান। ক্ষিত বহু অর্থায়ে মধুরা হইতে আনীত আক্সে रेलीहार समायक मिन्नांगकाया जन्नात करतम । कर्बनकीम हुनारबंद अध्यव सुनतांघ वानवान कविशे-क्रियान। मर्कालाय लालंबायमन क्रम डेलमायक, ६० ७ समीह भावेट विक्रिक करियां তথালা প্ৰাৰণ নিশ্বীৰ ক্ষান

মতীপালের পূন্ধান্ধ বৌষিত দিপি চইডে জানা যায় দৈ, আইট মহাস্থানের (অব্যথ প্রিক্ত স্থানের) কাপাবশেষ চইডে ও ওব সংক্রম ক্ষিত্রিকটাই নৃত্য গ্রন্থকী নির্দ্ধিত হয় । নির্ধানিকত মন্ত্রির জিঙি সভাষণা এই গ্রন্থকীর ভিত্তি। স্থাপান ক্ষতে মহিলার প্রায় বিশাপ সামাজ্যের অধীনের অপোক অহল অর্থনায়ে উহোদ বিশ্বিত সমূদ্য বিশার প ভাজানি সর্বাধান্ত্রপার ক্রিয়াহিলান। ভাষার ওড় দশ্বর হার স্বাধান ক্ষেপান্তক ক্ষান্ত্র নির্পান ক্ষান্ত্র

^{• 1815 15 17 16 (1816) &}amp; 17 181 für cultus micht all ausänn anzu mennist fellening.

mich delte cultus fortu mich. 1911 - 1914 1916 Compling film Storya of Blacker's plate XIII and p. 110.



The state of the s

क्षेत्रक छेरलत कनित्तत निर्वित क्षेत्राणिक स्वकारि देख्यमें स्वयासूनांचा वास्तत विक्रिक, कथानि वृद्येतक नत्तः। मनावे वर्षमध्य च श्राह्मिनीत्त्रतः श्राव चावक मरासम् कवित्राहितः স্পাধিশতে আলেশিক অধিপতি সহীপাল অধুব চুনতি কিবো প্রতর মধুরা হইছে আনীত কর মাবহার করিতে সমূর্য হব আই। ভিত্তি অনায়াসকল ভগাবশের করে কার কালেকের ও পুগত ইটকে জাঁহার মন্দির নিশ্বাণ করিতে বাধ্য হই হাছিলেন। ভাষতের প্রাচীন ধানোবলেবসমূহের মধ্য হ**টতে এটরণে ভারতের সূপ্ত ইভিনানের ক্রিবংশ উদ্ভ হইছে** পারে। খননকালে কান কাশাব্দ কছ ইইক শাওৰা সিনাছে, ইছার মধ্যে কতকৰ্তি भाकारत कार्यक्रमीमानगीत 'उसनार्यत छात्र। अस्या ीक व्युत्नकारण करवक्षेत्र यक विश्वास মূর্তি আবিষ্ঠিত হউয়াছে । বর্তমান বংসারে আশোকত জের চ্তুপার্ছে ও জৌগতি নাকক জুলোছ मगाकार्वीत्यनम्कार्वा क्रिकाकारः। शुरकात्र यनाम क्रोबल्डि हरूलार्व मृद्य खावत निर्वेद्धारमः िडि काविका वरेशास, काश ठकुरकान । कानिश्हांक व्हान्ति अरे**डिट विकेटका नेश्वानिक** व মৃগধাৰ ছইডে ই---৩ লি ধূৰে অবছিত ০০০ শত কৃট উচ্চ ক পের ব্যাবাদশেষ বলিয়া নির্কেশ ৰত্বন। চৌলাও ধামেক হউতে অৰ্জ মাউল দক্ষিত্ৰ আৰা ইত এবং ইহার বৰ্ষৰাৰ 🙀 त्मिलि म्लोरे केलनिक इव ता, काजिरशासक किया क माला क । विकेटसम्बन्ध मा वर्तिक मण्डाबादमर्व কোন চিক্ত এ পটাস্ক পা ৭মা সংঘ্নাই , ভাষাৰ কারণ এই বে, খনন অভি আন ছলেই ছট্টাছে ৷ উফ নজ্পরাম গান্তবনিশ্বিত অলোকজাগের উত্তরপূর্ণল অব্যক্তি ছিলা। পূর্বে ছিলশ্ল ত বসম্বাহন কর্ম ও পরে জালাসাত কর্তুত বছ ধর্মোবশের নই ছইমাছে। সময়ন বে মন্দ্রিট আবিষ্ঠ জাবাছে, ইয়া সম্ভৰ্ভঃ গালবাজগণ কড়ক নিৰ্মিত, কিছ ইয়া নিশ্চিত সে এই মন্তিরের ভিত্তি অতি প্ৰাচীন। চিউল্লেখ খুগং, সমুধারানের সংগ্ৰহামণ্ড একটি ইনৰ ক্ষা কৃষ্ট উচ্চ বিকারের বর্ণনা করিয়াছেন, এই বিভারের ভিত্তি প্রক্রিমার্শিত ছিল। বর্তনাক মালিকে भूमिनित्यत 'त्रवि शक्तानिवित । विकेदन-च्रम् अव वर्गना क्षेत्रक श्रामा वात ता, वाली বিভাগ বা মন্দির গৃহসমার বিহার মণেকা মধিক উচ্চ ছিল। বুছপুরাম মন্দিরেছ আন ूठे, किन्न महिमान ना शतानमी मिक्टबन क्रकणाई म्ह पूर्व ; क्रक्रार विवेदस्य हैं क्रिक् ভিত্তির উপরে বে এই মন্দির নির্মিত ক্রয়ছিল, ভারা সভ্যপর। খননের **धरेक्टल बन्ना शहिएत ला**ह्य।

- ্য প্রথম বশ্বচক্র প্রবর্জনের স্থান ও বিউল্লেম-খন্ত প্রতি পরেক্তব্যস্থ ক্রাণিক প্রশোকের নৃত্যন অন্তর্গালি আধিকার।
- ২। ব্ৰেণ প্ৰশাস্থান আধিয়ায় ও সনিব্ৰেছ শিলালৈশিয়ক কৰা, জ্বানাল কৰি কৰিছিল। সুস্থি আবিজ্ঞান।
 - हो । होता वृत् शांक २०० मा हो के अवस्थितिक विकास होत्य तिकिक विश्वास सामासार सामासाम साविकात
 - । । वेदरत के ब्रदत अपनी हरन वा तक्यारवर श्रव्यारवर है कि प्रतिकृति

विकार ने गृह वेर्षित कर शानकनित्र महेक कक्कीन क्रांसिक व्हेबारह । सांगामगीर केवरपूर्व परनायमध्यक्ष निवित त कृष्टक कर दिया, प्रदेश क्षेत्रक रेक्टवीमान मार्थ পরিটিত 🖟 ছ,পটির কোন চিত্ত নাই, কিছ এইবাল অনেক প্রাচীন বাংনাবংগ্র আছি। क्यों और करेश्य नकारीक स्थरकारण स्थि पुत्रकार विस्तार नहे स्था करका विस्ता हरे किन केरे, यात व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति कार्य व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति थ गृर स्मित किसी भूकविक भावानि वर्तमान भारत । नक्षरकः विकेशमा प्रमुख्या गरत वर्षाए शास्त्राचगरमङ क्षेत्रस्य अधिकः भारतम रहि कहा स्त्र। काली अधिक अधिक পতাত বুলবাকার ধানণ করিবাছে। সুখনের বে প্রাক্তরবাকের উপর বয় কর করিবের। विकेशनर् मृश काशन केमात बाजन किन विविधिक्तन । यह लावन क्विकांच बुकाही मुख खारमह निकाम तिकाम । । देश अकरन चांत्र तंना गांत्र मां। कामिश्वारमह मानस्थित धरे किनके भूकतियेत मान क्र**ण्या**कत का क्र**तालांग, महाकत या मानकाण के महाकाण** गांक्या सम । वर्षे नवांकारमय कीरम शृद्धीं के व्यवस्थानि कावित्संय व्यवस्थितिकान । নারজভাবের তীরে একটা ছিলির উপরে একটা ক্রমন্তিতে নার্যাধ মারক নিক এতিটিড পাচেন। প্রতিবংশাদে এই চলে একটা দেলা বইরা পাকে। ইরা সম্বাদ্ধ কোন এটোন कृत विविध केनता निर्मितः। विकेशान वृत्यु धारे प्राम धाकी कृत्यत कवा विकास करतन । कुर पूर्ववरण करे परम स्वय रचिकाम अस अस्य करवन। जाक साथ वसामार्क महानित বৈশ থারণ করিয়া বছর্মাণ হতে হতীয় আগবন প্রবিট্যুক করিডেছিল, বিশ্ব হতী স্থানীয় श्रीतकरण्य राजास्मात यह काके एक छाविया शाक्तक वर्णन कतिया। असे बहेबाब बहार्योहरू পুঁলে এই সলে একটা কুণ নিশিত হইয়াছিল। সাঁকনাৰ নান্ধীত আই অনুসৰ বছৰাৰলৈনের विषय विशिष्ट, कांत्रन शुक्रकिन ही। स्टैरफ क्रोरे फांम महस्त्रियाला केळ । मांब्रमाच ७ दर्शनक्रिक वर्गाष्ट्रं पर्वतः व्यक्तानि पुनवृत्ततः व्यानान । देशं कानीत कराबाहरूतः वार्गीत प्रवृत्तं यां निकारताः पुष्पः गृहकाक इववरकी केनाकात्म किय कावितराक के के बाहित है ानिता क्रमी कर त्याविक चांटर ।। वहें बाधनगर क्यारन क्रमियाओं मि

[.] for M A Shorring's Secret City of the Hinder, to 1914.

date XXXII.

Counting band of Blanchest, water XXV's and D.

त्यानिङ मिनि।

(क) Jonathan Duncan सगरितरस्य करून त्यं त्यांविक निर्णि स्वाचिकांत्र करवेत.
कानिःशाम बारश्य इत्याव केशश नार्त्वाचाव कतिरक द्वार्थ करवन ; नृद्ध Dr. Hallande
केश मन्तृर्व नार्द्धाचाव कविवारक्त । देश मरष्ट्व काशाव क ब्राजीन त्यवनाय केक्ट्रब निर्मित

ख नत्मा मुक्तारा ।

বারাণন্দী সরস্তাং গুরবং শ্রীসামরালিপাদ্বায়াং।
ভারাধ্য নামত ভূপতি লিজাক্রইং লৈবলাধীলন্দ্র
ক্রমানচিত্রঘণ্টানি কীর্ত্তিরত্বলভানি বৌ।
গৌড়াধিপো মহীপাল কাশ্যাং শ্রীমানকারয়ই র ঠালে
লক্ষ্যীভূতপাগুড়ো বোধাবনিনিবর্ত্তিনো।
ভৌ ধর্মানিকাং সালং ধর্মচক্রং পুনর্ন বং ।
ভারমানিকাং নালং ধর্মচক্রং পুনর্ন বং ।
ভারমানিকাং নালং ধর্মচক্রং পুনর্ন বং ।
ভারমানিকাং নালং ব্যৱসাদান লৈলগন্ধ কূটীং।
আভাং শ্রী স্থিরপালঃ বসন্তপালোহস্কঃ শ্রীমান্ র ২ র
সংবং ১০৮০ পৌষ্ দিনে ১১ ॥ ৩ ৪৬

(प) कानित्याय मार्ट्स कर्ज क वानिकृष्ठ पूर्वसनिक त्याविक आवश्यक्तिम करने अवश्रीक निमार्ट्स किन् विकासका वानिक्षण त्याविक निमार्ट्स के कार्यक वानिक्षण वानिक्षण निमार्ट्स के कार्यक वानिक्षण कार्यक मार्ट्सिक कार्यक कार्यक वानिक कार्यक वानिक वानिक

कार गूर्वीर गरा कृषा गांकर मिक्स कर्य गांतिका टाकिसानाकः रतिकरका किस्तुना

(१) मात्रमात्य त्यांच चमत्र तकते त्यांच्य विश्व Dr. Paos व्यापक राज्यक

Archagological survey Reports vol III p. 121 a pol XI ... Antiquary vol. XIV p. 140

Flood's Corpus Insuriptionum Lodinarium vol 131 proper August 1

ाहित र देश एक हमेंद्र किन्द्र नामविद्याल निर्ति :--

ं दुन्य श्रद्धाश्यः ग्राकानि काः त्वाधितमस्य रवतः भूगाः जन्छवत् सावानित्वाः राज्यस्थानाः सञ्चरक्कोनावाधाः ।

- ্ত্ৰ প্ৰলোগ্ডত ক্ৰিয়েল **অস্থাইত**্তিম্বিক পাৰ্যেশক্ষ্ম কৰিছ শিশি হ— াসহ স্থাপ্ত আৰু শ্ৰাক ক্ৰিয়েল্ড**ে ক্ৰিবিক্সন্ত প্ৰা**জ
- ্ত্ৰ প্ৰায় প্ৰতিষ্ঠিত কৰি আৰ্থনিষ্ঠাত চাত কৰিব আৰু এই এই এই এই কাছত কৰিব বিশ্বস্থিতি কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব কৰিব জন্ম কৈ সাম । তাৰ বাব বিশ্বস্থিতি বিশ্বস্থিত বিশ্বস্থিতি কৰিব কৰিব কৰিব

e to set with a mention of

- ্ ্ ভেষে পুনামে ভিক্স পুৰা বুৰিক সন্ধাৰি
- (৩) হাৰিক ভিক্ত বলত গ্ৰেণিটকত
- (৪) বোদিনৰ ছঞ্জ মন্তি প্ৰাক্তি স্থাপিত
- TO I STATE THE WHITE STATE ASSESSED
- (७) दिन्दि किमन (०) राष्ट्रक (१) हिमकीयमधि
- (·) कि नियंत्रकः. ...नशः दुः धिकाप्र त्यानिके
- (b) द्य महा कराद्वान नवलादवन अवश्रह
- (...) ट्रानड महाड भविष हि (१) सम्ब महन्त्र
- (>०) विक स्थाप :

Di. Vonel deste nere entheure abestiem und Beigenephie lieden Aufge-

Arrive applied Survey M and I p. 332 V. p. vil and XI p. 85 Dr J Andarson Patricipal of the Andrewsing of Collections of the Judget Machine I p. 196

A. S. de le Catalogue of l' n ta coins Journal of the Royal Asimie Society 1839.

আছে। ডাভার বাজেকাল দিয় ও Prof. Douson Fournal of the Aristic Society of Bengul ও Journal of the Royal Asiatic Society পরিকার ইছাছ, আহিলিশি ও উদ্ধি লাই লাকা করেন। পরে ১৮৯৮ পুরাকে Dr. T. Bloch উল্পেট্ড পাই আনশ্রে স্থানি স্থানি করেন। পরে ১৮৯৮ পুরাকে Dr. T. Bloch উল্পেট্ড পাই অসম্পর্ণ বেণিয়া সম্পূর্ণ Journal of the Asiatic Society of Bengul পরিকাশ করেন।

এই খোদিত গিশির ১ম প্রাক্তির পাঠোছার অসভব, কারণ ইয়া নট ছইবা লিছাছেছ

- ১ - এতনে পুর্ববে চিকুর পুষা
- ২। সন্ধা বিহারিতা ভিক্ষুত বলতা তেপিটকতা দানং বেটিগছো

চান্ত দাওত শাবস্থিয়ে ভগবতো চংক্রে

(कामन्य कृष्टिय काठ्यांनाः मर्वस्थितानिनः अतिभटः ।

ইকার অর্থ শতিক্রবণ ইর্নাপ্টক ও নিক প্রকা ---- হ গোলিগক প্রতিমা ছত্র ও কর প্রাক্তিকী নান্তিত কোসংগ কৃষ্টি (সংস্কৃত কৌলাম্বি কৃষ্টি, ভারত প্রাথের জ্বাপর বেলিংএর চিন্ত ইইট্রে कामा १ व रूप, (क्षारूवन अकर'अ) रूर मतायु यानिवरणस्य नाम (को वाबी कृषि) नामक शास्त्र मक्रांकाकाशास्त्रशासकी काठाकारावन १ दर्गात है। अवस होता !" Dr. Block "पूक्कालिक) रेक भ्रामित अस्तित कंश्वितालक। किन्नु वाद्यांकीक स्वाधिक निश्चि केरिक विकास साम ए, रेर'त नाम शुरार्षि । यात्रावशीत श्रामिक **किलिह खावम औठ** श्रीक रहे इस नाके क्षित पूर्व करकि हरेटन द्वापिक लिकि नहें हहेटक कानुक इंडेक्स्ट : वेंडे, मुख्य के व्यर्थ के किसी পাঠোছার ভাষাপা । এভগুত পাঠোছার ইইমার্ছে, ভাষা হ**ই**তে ভুৱা বাল রে, মহারাক ক্রিট্রের ভাতীয় সংবংগরে কেমপ্রের তৃতীয় মাসেং থাবিংশতি বিকাশ কিছু প্রতীয় প্রাকৃতি महीनिकारी या मनी टिक्नक (दिश्लीक बाबा त्राविमकारि हत क यहि देशायिक दिवासका 9 करण बनामत 9 चदलवरमत गार्शामा वात्रावशीरक ब्राइड इंस्क्रमद या गरककेन करक क्षाकिशामिक रहेग । बातानमी अ आवकीय दर्शायक मिनि को क्षा शक्तिकार्क दन विषय व्याव त्यांन मत्यार नारे। छे:न क्रांगर त्यांधमस्यति प्राप्त वर्ष मह महिन्द व्यापनि এবা কাৰায় দক্ষী ভিক্তাল ত্ৰৈশিটক বাঝা প্ৰতিকাশিত !- ক্ৰিয় থেকি es civis; and civis states was the Dr. Bubics Language Paper graphy of এইবাণ অভায়ত উত্তৰ ভাষতীয় কৰেণ কৰণ বৰিষ্টালে । উত্তাহ ক ं गरिक कुलना अधिरम देशत नियमिनेक क्लिन दमक योहर

Inacciption has been edited by Dr R L Mitra Journal Action Bases of Remain vol. XXXIX Not I p. 180 and by prof Downen Journal Republic Miles and Paris Vol. 7 192 and plate 3 no. xxxii and by Mr T Block W. A. S. N. 1936 b. 214

ে পুলা বাজি ইখন অন্ত অসতে যুক্ত হয় কৰাৎ সংযুক্ত।ক্ষমানে যাতুক্ত হয়, তৰ্ম ইবা ক্ষিত্ৰত নি ক্ষেত্ৰত পুৰ্বতাৰে বিশ্বিত হয় অধাৎ বৰ্তমান কাবের ভাষ কি কৰা নিষ্ঠিত হয় কাও

- ্ব। তেত্ৰ উপনিত সহভোগের বেপন্টো বাস লাগে **যুক্ত বাবেদ, কিন্ত কুলুন্ন্ লিপিডে এই বেপা** অক্টিপ ভাষাৰ উচ্চ বাড্টা কাৰ্য কৰে।
- ্তি ৷ সংযুক্তাক্তর নিয়ন্ত্ **অপের মান্তাটা দিখিত হয় পর্মাতে উপান্নের প্রকা**রণ **সহিত্য এক্টানে** শিক্তি হয় নতুত্
- ্ন। প্রতিক্রাক্ত ক্রান্তর ও অভ্যাত পরিষার। অক্যান্তরিক্রাক্তর ক্ষিক্তাংশই চতুন্ত্রার, কিন্তু কুপান্ ক্রিপি পোলাক্তি ও অধ্যক্ত অধ্যক্তির।

এই জ্ঞানে ১৮৮০ আৰু পুন্দটী লোলেই লিপিও প্ৰায়ন্ত পাৰিয়া গ্ৰাহেছে। এগাকি ক্ষান্ত প্ৰকৃত্য প্ৰায়ুক্ত ক্ষান্ত প্ৰায়ুক্ত লোলেক ১৮ চন্দ্ৰ বিশিও —

- ১ ৷ মধুনার কারেলেরিল নিকটে প্রাপ্ত একটা লেগি ৮ গিলে 💌
- মধুগার ক্ষানি উলা নামক হানে প্রাপ্ত বেংলৈত বিলি দ

বারাণদীপ এন সত লিশ্নীর ভাষা সংস্কৃত ও প্রাকৃতের নামিশ্রণ শশিত বিশ্বরের গাখা। কলি এই ভাষাম লিখিত। Dr Bloch ৰ মতে ইবা প্রাকৃতভাষী ও বাংকরণানশিক্ষ বাজি-গ্রের সংস্কৃত ভাগা লিখিবার ভেইরে কল। এই সংমিশ্রণের কভক্তাশি দুঠান্ত ঃ---

- ক্ষত ক্ষেত্ৰতান্ত বা ইকালের ছীলিক শক্ষের সম্প্রতীত এক ব্যৱসাধ শ্রীনার বা ইছে" ব্যবস্থাক ২০খানে ২ল 'ব্যোল্ডাণ' ক্ষুল বাহান্তিয়ে 'লাকজান' ক্ষুল শবিক্ষিয়ে :
- ্ত্ৰ পুৰ্বিত ইকাল্পে বা উকাল্পে প্ৰান্ধৰ দক্ষীৰ একৰচনে "ক্ল" বিজ্ঞানি বাৰস্কৃত চৰ্চাছে। ধন্ম—স্থিকোং স্বলে জিল্পত্ৰ, সন্ধৰিধ্যবিশং গুলে সন্ধৰিচাবিকা।
- ১ইবৃক্ত অভাইতিনতে কোন ছলে আছেত ভাষার সংযুক্তাকর প্রযুক্ত হইনাছে এবং
 কোন কেন্দ্র বছল সংস্কৃত শক্ষী প্রেষ্ট্রত ইনাতে গলা—চাক্তে সংস্কৃত চাঞ্জনে) সম্বাধিবাহিক্ত
 স্বাধৃত সঞ্জু বিহারি)
- ৪। সাঞ্চীত বোহিত লিপিন্দ্রের একগণে "স্বিধিহাহিন" শব্দ পাওয়া পিরাছে, ই ইবার অর্থ সম্বাবহায়িত্ব হাট। পালিকামার উহার প্রথমান "স্বাধিন" রূপ ধারণ করে এবং বোলিত পির ভাগত বিধি স্থা বা দ্রান্ত হয়। ইকা সংস্কৃত স্থাকের অপ্রাণ্য এবং সার্থ হয়টো উৎপর । ইং Prol Pischet এর যত এক Dr Block ভাষার অন্যক্ত ক্রিন্ত সম্পূর্ণ কর্মান্ত ক্রিন্ত হিন্দুত্ব আন্তর্ভান

^{*} Agus molograf Survey Report, vol il p. de lata zill no l

y distance a langua, so, a p. 108 no fi with plate.

A home o Surger Reports volum p. plate v no L.

Friedrich a ladich vol fi p. 389 Inscripsion in 2007

খোণিত লিপিটে "স্ভামিষ্টারি" শব্দ আছে। সভাবিহারী বা সভাবিহারী বে সাঁও হাইটে উৎপান নহে, ইহার কোন প্রামাণের আবস্তব্যক্তা নাই।

ে ত্রিপিটক বা ত্রেপিটক—ইহাতে ত্রিপিটকের শিক্ষক বুবার। ভারত্তিয়ের অনুশার
কেলিংএ খোদিত্রিপিতে পেটকিন্ শক্ষ শান্তরা বার। তথাবিভকিশি ঃ—"বর আভন
পেটকিনো হুচি সানং"।

বোধাই প্রবেশে কান্হেরি গুড়ার ধোদিতলিপিতে "লৈপিউকোপাঞ্চার" শব্দ পাঞ্জী

ত্ৰৈপিটকোপাধায় ভদত ধৰ্মৰংস।

বৌৰ ইতিহাসকার নামা ভাগানাথের এছে তৈপিটক শক্ষ মহাসন্ধানজাপক উপাধিবভাগ বাবহাত হইছাছে।

Schiefner এই শক্টাকে ধর্মণ ভাষার Dreikorbhalter অনুবাদ করিবাছেন। ক্ষরীয়ক সম্পাচরণ ধাের বিভাত্বণ মহাশয় এই পাসের এই প্রকার বাাধাা করিবাছেন।

Drei বি korb পিটক বা বুড়ি halter আধার, দিনি জিপিটকের মাধারসকল আর্থীত্ব
জিপিটকক্ষা

বারাণদীর খোদিত শিপিতে "৭, জ, ব, ভ, ঠ, ড, চ, ক, শ," বাঙীত সমুবার বার্জনবর্ণ বাংহত হইরাডে। প্রাবেডীর গোদিত শিপিতে "ব, ব, ভ, ক, ব, ক, ঠ, চ, ব, ক," বাতীক্ষ সমুবায় বাঞ্জনবর্ণ ব্যবহৃত হইরাছে।

- (ছ, জ) কনিকের অন্তের সহিত কাবিকৃত বোৰিনগুৰুর্তীর পদকলে ও পশ্চাদ্ভালে আছিও ছুইটা খোলিত লিপি আছে। মূর্তীর পশ্চাৎ-স্থিত লিপিটা চারিপংকি, এই চারিপংকি আছ-বিপির প্রথম চারি পংকির অন্থরপ। পদুতলন্থ খোলিত লিপিটা হুই প্রকি:—
 - ১। ভিন্দুত্ত বলস্ঠ ত্রেশিটকক্ত বোধিসধ্যে প্রেডিস্থানিক্রো....
 - ়ে লংক্রেপেন **ধরপ্র**নেন সহ**ক্ষিত্রপেন বলম্পরেন**ি

ইবা বইতে শান্ত দেখা থাইক্রেছে বে, ধারাণনী কনিকের নারাজ্যের অন্তর্ভু ছিল এবং একজন মহাক্রেণের করিনে একজন করণ বারাণনী শানন করিকেন । করাজ্যে নার্জিনার মধ্যার বাস করিতেন। ভিত্তন লৈশিউক ও ভিত্ত প্রাবৃত্তি ক্রিনার রাজ্যারে ক্রিনারিক্রালী বাজি ছিলেন। কারণ শক্ষাভীয় মহাক্রেণ এবং ক্রেনার নিক্রাই বৌশ্বিক্রালী আজাধীন ছিলেন না। সন্তর্গত ইবারা রাজবংশাত্ত ; ইবারা নারপার্থক বীশ্বিক্রাল

^{*} Indian Antiquary vol XXI p. 287 no 184.

^{*} Report of the Archaeological Survey of wastern India Series.

Beport on the Eluza core temples and the Control of the Contro

Western India p. 7?

কালে এক তিক হলে এক একটা মৃতি প্রতিষ্ঠা করিতেছিলেন। একারাকীক আনোকততের একটা খেদিত লিশি ও করণাক্ষরে নিবিত বোরিক্যনিশিঃ—

(त) भतिरमञ् तांक व्यवस्थायक हकतिरम् स्थ्यक्टा स्थकभाव आह्म नियानविगान ।

और त्यापिकनिनित व्यक्तकनित्कं कवनीकत वनिनात कावन :---

- ३ । अन्यस्थात्वत्र "न"मि शृद्धांकः मशक्त्रांन त्नावादनत्रः "न"अत्र महन ।
- २। "न" प्रत गर्**म्भार्क स्वतः स्वतः स्वतः** छवन "।" क्वान पविष्टि "र"कात विचित्र स्टेबोस्स ।
- অক্সপ্তলি কুশান খোনিক লিশির আক্ষর অপেকা পরিকার।
- ' ह । "य" वर्ष है आकारत हरूरकान अवर मधान दश्यांने दक्षण मन्त्रिननाटम कृष्ट ।

রাজা অবংশাধের চহারিংশং সাবংসারে ক্ষেক্ত ভার্থাং বীত অভুর প্রথম পঞ্জের দশম দিবলে পরিপ্রকের নিমিত্ত। ইতার পর চারিটি অক্ষর ক্ষরপ্রাপ্ত তইরাছে। অবংশাধের শ্বশ মর্কুরার ধোকিত নিশির শ্বশ এর স্কায়।

্ঞ। ইবার উপরে অপেকান্তত নৃতন অক্ষরে খোলিও বিশি পাছে, আলি ইবার পাড়োডারে অক্স হরুবার বলের Archaeological Surveyor Dr. T Block. কে ইবার প্রতিগিশি প্রমান করি, তিনি অক্সাহপূর্যকি নির্মাণনিত পাঠোডার কবিতা নিরাছেন। খৌশিত বিশি:—

পচ্ধান্যসন্ত্ৰপত্তি গ্ৰহে বাংগীপুত্তিকাৰা।।।

প্রেই খোনিত বিশিষ "ন"টা ভয়াশবের "ন" এর ভার। অক্যােরের আর একটা বোধিত বিশির এক অংশ পূর্ববিত মনিজের উত্তর্জ গাটালু বিহারের ধ্বংসাবংশবের নারা পার্থয়া বিহাছে। বোলিত বিশি ২—

(6) > 1 No worth ! ...

২: দিশল বেম ব্ মন্ত্রাক আগতিকর বোদিও নিশি :--

(\$) 5 ±

ANIMER CASES WAS

् । विश्व विकास कार्या कार्या के स्थाप के साम भागवित्रा की प्रतिकति।

ा भागानिक टाइन्स्यानिक विकास कि विकास कि

िन्मिश्विक बिरम ।

⁻ differ formipulation Manhon and Evilla 10th and past Indian Confession of the Conf

থোদিত লিশি

भूष ५७५६ 📑

৪। তেবং দেবানংপিরে আগ ছেনিসাট ইকালিপী ভূফাইংডিকংছ। সংস্থাননসি নিখিতা।

৫'। ইকাচ শালিহেদিসমেৰ উপাসকাৰং তিকং নিশিপাৰতেপিচ উপাসকাৰ অভ্যুপাস্থাং য়াবু।

লাগপায়ে।

প। বাভি এতাসন নালন বিলং শরিকার আজানিতবেচ আবর্তকেচ ভুকাকং অধিকো।

ত। সবস্ত বিধাস যাথ কুমে এতেন বিয়ংজনেন হোমৰ সবেহতোটাই মধ্যেক একেন।

৯। বিয়ংক্ষ্যেন বিবাদা প্রাথা।

মন্ত্রমান্ত্র প্রাণ্ড মান্ত্রমান করিছালে বিজ্যান্ত্রণ M. R. A. S. মহাশন্ত এই ব্যাণিত শিক্ষি নিম্নিলিত সংস্কৃত অস্থান করিছালেন :—

भागः सर्वः सर्वः ।

- হ। (ভিজু) ভিজুণী ৪ সংখ্য দেকতি অবদাতানি দ্যাণি এবাং ধাপত্তিত্ব আঞ্চাপত্তাকা ।
- ৩। স্পাবাদার এবং ইয়া শাসনে । ভর্ণসংখক ভিন্ধুবীনংখক বিনরার।
- হ। অবং দেবানাং প্রিচ্চ আর্ উদ্পীত ইবং লিপিঃ ম্ছাকং আগ্র**তে ভবতি সংগ্রহণার বিধিতা।**
- ত। ইয়ক লিপিঃ উদ্পধ্যের উপাসকানাং অভিকে বেবাপর তেওপি চ **উপারকা অহ** পোরধং ঘাতি।
 - এভাবেত শাসনং বিখান্তিভূন অন্তল্যেশ্বর জবায় এককং মহামাজে পৌরণাত্র ।
 - ৭। ব্যক্তি এতদের শাসনং বিধাস্থিত্ব অভ্যাপত্তি হক আর্ডকার বুয়াক্রমাক্তরে।
 - ৮। मुर्जाकः विवसय गृहः काकम सक्रामन अवस्यव मर्ट्स्ट्र द्वाविविदेश्यः अधिका है
 - का बाक्षत्मन विवासका

इंशत वर्ष :--

সংবেহ ভরণের বা প্রতিশাসনের নিষ্কির এইঙ্কা

र । जिल्ह के किल्लीय व छोजन कविटयन, देशीरमध मिनिक कारका शियम या जीवित्रक जारका स्टेम

ত। ভিন্ন ও বিশ্বনীসংখ্যে সমীপে ধানানা বিনয় বা শিক্ষাঞ্জন ক্ষিতে আনিবন, উল্লেখ্য আমানেয় নিষিত্ব এইবাপ কানেশ চইল।

क्ष्मामाः जित्र धरेतन रामन "स्नेन धरे निनि चाननेत्रः नेत्रेहः क्ष्मामक व्यवस्था

- 344
- ্রত্তি এই দিনি এইবলৈ ভাবেই উপাসক্তিখন নিকট লিবিয়া প্রেরিড হইল। সেই উপাসকল্পত ইয়াবের পোষপের নিবিত্ত ব্যবহা কলন।
- व वस्तात विचान केरणांद्रमत वक व व्यक्तिणांनमकार्यात निकाल मन्नांद्रमत वक वक्
 वक्की वस्ताव निवृक्त वहेतान, केशांद्रमत कत्रनांतानत कक वह भागन (अञ्चिक्त कृष्ण)
- ণ ে বিজ্ঞানের নিকট) বিখাস উৎপাদনের জন্ত ও বিজ্ঞাপানের জন্ত এবং জাপনাংকর আহায়ঞ্জ রখা বা আশ্রেরে জন্ত এই শাসন নির্দিষ্ট কটন।
- गर्भकृष्टि विमानन सहग्र जाननाता विश्वन नंगन सकत्।
- >। क्षेत्रण काष्ठे विष्णां विकासन स्वाम विकास काम ।

এই খোদিত লিগির বিতীয় পংকি এলাহাবাদের অশোকজন্তের কৌশাদী অর্থানীকৈ বিতীয় এবং তৃতীয় পংকি, এবং দালী অশোকজন্তের তৃতীয়, চতুর্ব ও পঞ্চম পংকির অনুদ্রপ। । অশোকজভান্থশাসনগুলির মধ্যে বারাপনীর, এলাহাবাদের, কৌশাদী ও সাঁচীর অনুশাদন এক নৃত্য শ্রেণী প্রবর্তন করিরাছে।

বারাবসীর অন্থশাসন। এশাহাবাদের কৌশাবী অন্থশাসন। সাজীর অন্থশাসন।

২র পথকি :— ২। সংবংডোগতি ভিপুব সংবংকাগতি ভিপুন ভিপুনি
ভিপুনিচ সংবংকাগতি সউছ- ভিপুনীবা ওবাজানি হুলানি—নং বা এবাজানিহুসানং
ভানি হুসনানং বাপরিবা ধাপরিভু আনাশেশ্ব... সিতু আনা—সদি।
আন্তবিস্বি।

এই অন্তুলাসনে কডকজনি নৃতন পৰ পাওয়া সিয়াছে ববা :— সংস্থানসি, আৰম্ভকে, কোটৰিয়বেস, আজানিতৰে ইত্যাদি।

মহানহোপান্থার গভিত জীবৃক্ত সভীশচক্র বিশ্বাভ্যণ বনেন, কোটবিশবেক রাজকর্মারি-জিল্লবের নাম। কিন্তু গেবৰত রামচক্র ভাতারকর Assistant archæological Surveyor Bombay Circle কলেন, বে ইয়া ছানবিশেবের নাম এবং সংস্কৃত ভাষার ইয়া কোটবিশ্রের স্থালার ধারণ করে। Dr. Hultesch Epigraphia Indica প্রাক্তে ইয়ার উদ্ভূত পাঠ

(ছ) এই খোৰিত লিপিটা খননকালে আধিছত এক্স মূৰ্তিয় পাণ্ণীঠে গুৰাহিত আছেও খোৰিত লিপিঃ—

বের মর্বোরং শাক্তিকোঃ বৃহত্ব্যক্ত করে পুণাং তদ্ভবতু মুর্বস্থানাং অস্কুর্মানাক্র্যে। এইমণ আরও চারি পাঁচটা বোধিত লিশি আছে। এইওলি মর্বার্থ গান্ধিয়ন্ত এক ইয়ার একটা প্রভারতে উৎকীর্ণ আছে।

[.] Indian Antiquary Volum p 124-126, Epigraphia Indian vol i parant 166

t Annual Report of the Superintendent Archaeological Survey Dallad Pressure.

See and Panjab circle, 1904-05.

1 Abrd p. 22 nos 120-138 and p. 47-48.



্প) পত চৈত্র বাবে অশোকজন্তের চতুপার্বত প্রাজন ধননকাবে এই একটা উন্ন কর্ত্ত কাবিয়াত হয়। ইহাতে মৌরাক্ষেরে খোলিত লিপি কাছে:

ভগৰভো

षण्डामानः

থতো অর্থ তত। এই শব্দ ভারতগ্রাবের জুপের রেশিং এর তত্ত সমুদ্ধে বছবরি উৎকীর্ণ পাছে।

अर्बाशकतम व्यक्ताशोधाः।

চট্টগ্রামী ছেলে ঠকান ধাঁধা

াছালা অনিধান ও নাকেবনের উপাদান-সাগ্রহের এক বঙ্গের প্রোদেশিক শক্ষ, প্রামারীত্র এবং করিবাদির সংগ্রহ ও প্রামান নিতান্ত আবিক্রক। ভাষাভ্রতের অক্টান্ত উপাদান-সাধন হরেও উচাবের প্রয়োজনীয়তা সামান্ত নহে। অধিকর, প্রামা করিতানির প্রচার গারা বুলে মুল মানবহন্তের ক্ষৃতি ও গতিবিধির পর্যাক্ষেশত একার সভস্পাধা হয়। এই উম্বেক্ত ক্ষ্পানি আন আমরা পরিবাদের লাঠকবৃদ্ধতে ভিট্নপ্রামী ছেলে-ঠকান ধ্রিটি ক্ষেক্টি উপথার দিতে মনত করিয়াটি।

প্রকৃতির রম্য-কানন চট্টগ্রাস সাহিত্যসেবার গকে অতি প্রাণম্ভ কেয়। কামানের প্রমান্তির কত অপরিষ্কের সাহিত্যসন্ধান জনাপরে বিনুপ্ত হবল গিরাছে ও ঘট্ডেছে, কে ভালার গোল করে? এই বে পলীতে পলীতে লসংখা প্রাণীন পৃথি পৃথিয়া গাঁলিবা নাইতিক। আলো ভ ভংপ্রতি কাহারো কুপা-ক্টাক্ষ-পাত ভ হইল না। গোকসুতে, যাহা রাজিত আছে, ভালার উদ্ধার-সাধন ত আরো গ্রের কথা। গোকসুপ হইতে সংগ্রহ করিবাই আমানের ভূত্বপূর্বা স্থান্তিইট্ মিঃ এভারসন্ সাহেব বাহাছর Chitiagon Proverbs নামক ক্ষুত্র প্রথ-সাহিত্য-ভালারে উপনার দিয়া গিলাছন। চট্টগ্রামের হালিয়া সাইর (সারিগান) প্রভাত গান, হালার তালার, গালীর গানের পালা, কুপ্পাতির গান, হালা প্রভৃতি গোকস্থবের নজ্পতি-বালি অনাধরের জিনিস নহে, কিন্তু আদার করিবে কে গ্রাক্ষার প্রথম্ব প্রথম্ব বিধার ভালভ গোলায় ক্রিয়া প্রথম্ব প্রথম্ব বিধার পালাভ্রত গোলায় ক্রিয়া ভালভ লোকস্থা হুইতেই সংগৃহীত হইল।

এই ইেয়ালীওলি বিশেষতঃ কৃষক-যালকদেরই সম্পত্তি। অসতঃ ইেয়ালীজনির ভাষা ও রচনা প্রণালী শেষিয়া উক্ত নিষ্ঠাত উপনীত হওয়া যায়। এই ক্ষাত্তীয় এবং স্থানে ইয়াওলি ক্ষাত্তিই ক্ষাত্ত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্ত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্ত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্ষাত্তিক ক্ষাত্তিই ক্ষাত্ত্তিই ক্ষাত্তিই ক্মাত্তিই ক্ষাত্তিই ক্যাত্তিই ক্ষাত্তিই ক

नार्वकान, नशिकमधनीतं नाविका-भूत नमका ७ दिवाकी र्यायबाह्म ; क्यनरक स्थ क-

গণের সহন্দ জান-জাইডে, আড্বর-বিহীন এই বঁটি জিনির জ্বানী কর্মন । জানায় বৈ সভা নিজানিত স্টবে, আর্থানের আশা আছে, তারা সাহিত্য ইতিহাসে নিজায় অবিভিন্নত হৈবে নাট আমরা সম্পোচক নহিঃ পাঠকগ্রের জাতিই সমালোচনার তার বিজয় হলৈ।

কোন ইকান খাখার তাবা হইছে ক্লাটি-প্রিয় গাটকগণের নাসিকার কুল্টির চুর্নত্ব পানিবার বিলক্ষণ সভাবনা রহিলাহে। বে স্থানে আনাদের বক্তবা এই যে, লটি-গান-বিহীন নিরক্তর কুবকগণের সলে আনাগোলা কলিছে গোলে আনাহিগকে ভরাবাণার কুটডেই হইছে, ইংকি অনুষ্ঠাই কুটলে ননভান-নিজির আগাই বিভ্রমা বান । প্রবেশ বিষয়, খাঁই আনিজে আনাক তান হাত্রমান কোনারা চুটাইরা বিলেও আনীন ভাষাক্রক ভাবরাশি বড় একটা নাই। কেবল ক্ষেত্রট প্রেয় ব্যবহার নইরাই যালা কিছু পোল। কিছু কুল্টির রাণ পাওয়া বারু বলিয়া ভাবাচিগান হইতে নেই শ্রেমীর ক্ষমান্তির অপস্তি বাহুনীয় ও সন্ধান কিছু

কানর। বাঁধাওলি প্রার্থ অবিরুক্তাবে প্রচারিত করিলান। ছটুগ্রাবের ভাষা সম্বত্ত ১০০১ লাগের ২র ধাব্যক পরিবং-পরিকার আনার লিখিত "চট্টগ্রামী হোকে ভূপান ছয়া" শীরক বোনার লাগ্র শণ কথাই নগা নিরাছে। প্রবানে ভাষার প্রকৃতি আনাবক্তক। মুর্বেইয়ে গকভাগি নিয়ে বাহ্যাক হবল। আরু ক্ষকভালি শবের মর্থ ইক্ষ জাবতে পরিস্থাই হবৈ।

े जारेन-व्यक्ति-स्वटना प्रकृषिकृष् कीयः जानेत्रार्थ-व्यक्तितः जीकृता जाकू-कीहेः जीकि-व्यक्त जीकः जाका-माह्य सा सौनीय जानातः

देखि—'वर्ष-वाम-वि'त गःचित्र गःचत्रनः, त्रदेशनः,—केकि — वे-वाम-विः, विकि — रमके-वाम-विः, केवी — रणान्-वाम-विः, विकि — रवर्ष-वाम-विः केवा — केवा — कवाश्वराम सा वीक्षाः, केवक — केन्द्रकः (१) "निवस्त, केश्वरः

বাহানা - একট্ নাজ্য , কন্ধান হাজ্য - কাজ্যত । ক্ষা - নাজা , কাইজ - কাজ্য - কাজ্যত - কাজ্যত - কাজ্যত । কাজ্যত - কাজ্যত

Alfreine - cion de est de la companie de la compani

নামিকিত 'একটি নক ব্যক্ত' প্ৰথতে প্ৰইয়া। কিন্—নিমন্ত্ৰিত থাবিনা উঠবাৰ আৰু কৈ কলাক আন প্ৰিয়া পেৰমা বাৰ; আনমাৰ্ক,—নিমিয়া কেনা অন্তৰ্জ্যা—প্ৰোদান্তৰিন জনাক ব্যেটা; কন। 'প্ৰাৰ্থৰ ভালত', ডিডাৰা—চিত্ৰক'; চিডাৰা-বিভানা—চিত্ৰবিভিন্ন ডিডি—বেত ক্যাক্তিকে বিশ্বিত ক্ষিণে এক এক মন্ত্ৰেক্তিত মনে।

व दि—नियः शामुका—शाम ('नाक्य' निर्मय प्रक्रिं। शाम—ग्रेस्ट्रास वेश-ग्रम्बर्गस्ति । भग, देशात्र क्षमधाय—आल, नदाहः। कार्या—वाक क्षमुत्रिक श्रम्यात गत नाते, क्षमधीर क्षम वदेश्य त्यदे गावत्व 'बावा' वरमः। यदे 'बावा'दे त्याभग क्या व्यः। व देव—क्षमितिक क्षम ग्रमित्यः, वर्षाभारम वृत्ति-निर्मात्रश्य क्षमें देशात्र ग्रम्थाय वर्षः (त्रिन्।रम्ब त्यामार्थः विक् वाक—त्याम्, स्रमयः। विमा—निक्य त्रमः।

कारे—(क्लिन केकाविक 'पारे') मान ककन, बाल महिल क्ल नमाम नाम कार्य हों । काम ना बाहि हुँ रेशाए । এरेफन स्रेलिर 'कारे' नावश क्षा । क्रिक्सी—शैक्सी क्षा । क्या । कुन-कृत । हाकनि - हाकनि (Cover) ।

তর - তব্ব। তে-লে; ইহার শ্রীনিধে বিশ্বতে আই ব্যালাটা ক্ষাণ্টাই বিশ্বতি বিশ্বত

यग-वर्क सक्त पारः शास्त्रा-वस्त्रकत्र कर्डन पुत्रः सूत्रा-स्त्रा-स्त्रा-स्त्रा-स्त्रा-स्त्रा-स्त्रा-स्त्रा-स्

नियमि - नियमि । एका - ग्राह्म व्यापन व्यापना वर्ष है । नियमि - नियमि ।

नरेश-न्त्रः। नामने-नामने। नासमे-मानोध-वस्त्राम् क्रिके व्यक्ति वर्षत् स्य, त्यम् अन्त्र वर्षत्रः। निम्न-कादेशितिक प्राप्तः अत्र निम्न-व्यक्ति वित्तरः। त्यम् वर्षिमे, त्यासक्त-प्रोत्तेप्रकारः, त्यीचि-व्यक्तिः। व्यक्तिः व्यक्तिः

माठ-राजा-क्वन ; मिछा-मिठी ; मूठा-(पूर्व नाम क्विक) गाँरतात मानावां दियां विद्यान । मूद्र माहि ; (स्वा-वार्यकारा ; स्वी माहि । वाहि-राजीविक शावित्व ; क्षणार्थ, मानि (क्व)। मूज्यपूर्व मन्त्र छत्त्व ; स्वी का माराधी।

क्षत्र नार्व । विशासम्बद्धत्र 'स्थाम' मदन कत्रना

स्कत-नम्बतः इसर्वेष-स्तृतः, विद्याः, विक्षिः, विद्याः, विद्याः, विद्याः स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थान-व्याः । स्थाः । स्थाः । स्याः । स्थाः । स्थाः । स्थाः । स्थाः । स्थाः । स्याः । स्थाः । स

निता এक वक्षी शांचा ६ छोश्य केवत रणक्या बहेग।

ভূগত গুটে, বিশস্পুটে। কৈন্ত্ৰিক কৰে কৰে উঠে। উঃ=চেঁকি।

क्षांका मृष्ठे, सक् बाटि। - गाउँ।

বিশ্বা হুল কৃষ্টি ক্লাবে, জোগতা নাই। বৃদ্ধ উঠাৰ গড়ি ক্লাবে, কোঁচান্তা নাই । ক্লীড়া-কাল্বা বা সাকাশ।

বেই কালী উপা ভাগ, পাতা বেগে টোলাগ, বহি কালী কুল মুটাবি, সাজাত উৰায় মুখ বহিবি। স্থানসমূহ।

हारे व नाटन रमारीक मारेस हैं मारक दरेगान रमाराक मारेस के मारीकरण ।

.८.क रेडक्क १७ माथा । इस रक्षरेक रेडक्सफा ४ = स्तिका र

क्षांत्रम् क्षांत्रे अ'र्थाकं क्ष्याक्षसम्बद्धाः क्षांत्रम् क्षांत्रे अ'र्थाकं क्ष्याक्षसम्बद्धाः फिन शानाकन्। (स्टात । (कड़क्समी स्टात । = इन हिन ।

কালা ছাগলর গলাত বৃত্তি। হাটে নিলে কাড়কিডি s=জেগেরভাইর'।

ভিত্ত ভিত্ত পাতা, বো বোঁ ছাল। হুন কেয়া বেঁকা ক্ৰিড কেয়া গাল । উল্লেক্টেক

बाजारमा राजानी । हम शास चाहांकि इन्न 'सामा'न होने ।

araical alaith i ala fealta, apportier ala esti fi Mi-granta ara

STATES OF STATES

An all (all) and the (a) and

(v) year when (v)

74

হাঁটে কাধ্য হিলে মেট। ছ চৌধ তিন ফৌড়ি॥

कि: क्यक के हुई वनम ।

30

উপর্পুষ্ গৈল বুড়ী। জিল ঠেং উক্ষা করি ॥

कः -- 'किव्यि' हुनाव गुहा ।

34

বাজার পোজা ভাত ধার। ভুজা পোজা চাহি ধার ॥=ইট্রি।

34

গাজার পোজা গা থোর। চাইর পাহাল বি বৌ ভার ॥

छे: = cशान मात्क्व 'वाकेन'।

>>

त्राक्षात्त्रा शाहीक शक्कि भारत । काहिन्द्र भेज भारत ॥

উঃ ≕ 'চাই' নামক মাছ ধরিবার হয়।

উপৰেও ৰেটি, নাচেও মেট। কেতে' ভিতৰ সমূলৰ বেটি। — ব্যুব

43

कृत् (थान दूक छीन्। कन् सकुत ठाउँद कोन्॥ == यत्।

2 2

काननाका कामनि, क्ष्मांन नाका नामनि यम बाहरेश क्ष्मार्केश, दाबाद क्षमा बनारेश क्ष्म निम्म ।

24

कानकारी देक मार्ट्स क्रांस नांचे बांच । ट्याक्स ट्याँका सत्तवासक संग्रंत है के विकास

CAT WAR - WAR - WHITE

(+) other telement

त्वीक त्याके गोल्यामा। हेश सारक कोर्ग ।= त्यान्।

24

क्रिक्ट केवर , मारेट कि । जिल्हा क्षिण मन निरोध (क्रिक)

S:-SKWI MY

काकार क्रेनड काका ।

त्य काडि विक न गाउँ कोड सान हमा गाँक के क कमाउँ हुई

5.4

जानम् वर्गाः भानका सम् । हे प्रिकृतिः भान् श्रुवास्थाः वर्गा वात्र सन्त्र समीति ।

45

अक्शाह इत्त कृ यह हार (= अरीन)

37

डेहऊ, वका, प्रमुख्या ।= ग्रम्क 'क्यान' १.

अक नहेरह छाहेर पूछि।

An Am on a 2 21 1 - And And And

V#

का जारक कराव मार्थे । बाहर जारक कर्ण नाहे के नका है।

AND EAST THE WAS PERSON.

A COLUMN THE LAND AND LOS

THE PORT OF THE PROPERTY.

the state of the

-

ब्राम्ब्रीमारे डेक्, गांव चार्टकेक्,

विद्यार द्याणान कर १ प्र के:= कविया वा सन्वित्र ।

30

ছোট আট শইনুৰোপা, ইয়া বাজেভয়। টিশ সাটমূলে হতন্ ময়া ১ — মেনুর "কোয়া"।

আকাশেতে চুব্ৰুবু পাতালেতে পেক।
কৰু উৰহে বানাই এড্ৰে কৈব্যা।
ভিতৰ কেব ১ ল বাব।

41

त्रव रागां पूर्ण स्त्रो। नास द्वाराह विजय, सम्बद्ध ३ - नाहिनाजा।

লাইজয় উপয় লাই, টেণ্ পড়িয়া থায় ক মোধার মাছলি ভাঙি পেলে,

त्याका (र ब्हेबा गाव । - किय ।

क्षा भारक क्या गाँदे। क्षांक्ष्मारक भा समि गाँदे !

के के अपना अधिक बाह्र धरिनार वह

चन्तर्गत् क्यू क्यू गाँकि आधान थात । चान्छत्र निकास क्षति वस्ता राजाह । क्ये – जालिस सामक मान सनिवास बान ।

्वान-संग स्थित गार जेर दिवस ब्रह । दर्गी क्लिन संक्रिक नुगी त्नाम्

के का जाता की का का कि के कि की क

टर्गरेन् त्वनहेत्। स्वन् तात्र कहरे त्वनीन् ८ = छा स

रापीत निष्**ष केमक नाह**। त्राप्ति कि भीटा समुद्र क्यासिक स्था .

सामारम पूरी । अस् विसंदन पूरी ३— समापास

80

एक लि जि, मग लि जि,

गटन कटन काना ।

शक्ति मारे, रुक्षिक मारे,

ं भरत दिश्यम बान्सा । - वस्त्रीका ।

রাজারো পোরা ছাক গার। পিকাব ওলরি হাপ বার র —শিশকা।

अक गरेसद शारक, कामा दिमाहे, नाट ।

कर पूर्व पता बार, र सूनि मार्चणा मारक ।

· Demete ;

इसरेन् यक्ष्य था, यरेकी। यत्रय आहे. बाजुक, धारे जिसि मार्थ, क्योंक केले या क कि -- स्थानुका क

* >

बाब बहेक्य, यात पहेक्य। के - बाविका बाग निर्वेष प्राथा-विद्वार निर्वेष

THE RESERVE OF STREET

na s Pag

नामिक, वीष (बारक' मोष्ट नष । इहें निर नारफ, देवद नष ॥---नामुक ।

কেঁচা অফে গুছুর হতুর, পাকিশে দিশ্র। এই দকান বে ডাডিড ন পারে, তে হয় যে যাতা। উপুর চলপাতিশ।

हर शाका कारम इसे निर १ शासान कारम भारे निर । बुद्धा कारम इसे निर १०० छन्न १

উঠ্তে প্র নম্বার। পৈড়তে বাট নম্বার।—কণার 'বোড়'।

बाका हाका, केव्ड् बाबा। == cबाफ्।

উপরধুন শৈল জাল। স্মানে মাইরণ তিন কাল ঃ— চালিতা।

বাড়ীর পিছে ছ ইবাছ নিশ্। আপনায় যাখা আপনে নিল্। -- কছেপ।

हेकेन हेकेन फून गाउँ । देनीएन साथान बाच हम्पत्र है ।

स्थारिक देशक गुरू बाहा। स्थापक स्थापक प्रश्न वाहा। — स्थापी।

Port carry report report to the carry report t

त्मार्थ माह्याम्, केन्द्रव राज्यः। इत्रेश्व माह्य त्र ब्रुक्त कुल्ल १ - क्रिकेश क्रि

nun die st sice nice cont de ven, post les des s d'anima entent me dies tent

হুনা উদা এই গটনা কাইছ ৷ কৰি দিয়ে সামা হাইড ৷ — হুবাৰ নামি

কাৰা কাৰা দাওনা, কাৰ্মা বান বানিধ বাইত হইলে দাওনা, বোণ্ডলত, বান ক উল্লেখিক ক্

তিকারা বিভারে ভোকসা খাই। বাটক ও ন বিলে,বেশত ভ নাই। —আক্রান

शुक्रत केनम क्षित हाथ। बाज १९४७ व १४५१ हे पहर्थ। परे प्रक्रित शामान कार क्षान्तिक

card curb cubin man, affer the spice was culture upon form you was been

Mark of College States

রেট কাটা গেল আঠার কৃতি। উল্লেখ্য কাটি।

4.5

কাৰে আই.এ. কাৰে ।।ৰ । বিলা লোবে মাজৰ পাৰ । ক চোল ।

লাম হাজুলা, পাঙা চালুলা। কেইবুতে হিচা, খাইতে মিজা (মিঠা)।

डिं= लिल #1

राष्ट्रीप्न् केंद्रगः। महिष्न् नीतः । = व्यान् ।

* 46

त्रावादत दक्त दक्का दवाका, 'टक्त् दक्ताहरू कात्र द सकाद टेडकात्र मनिठ चाहेळ, काद्रश चाहेल ठाव ह

कः - गर्का निमित्राय 'नागि" वा 'नाका' वे

44

माणाता रङ् गाँदै वक् बिनड् इत्य समाद्य (मरेटव (प्रश्लाम) हुटे अर केंद्र के: - के करा

तुमाचः का वद दशकाकः दक्ताः। सिके विकारेक क्षान्ती ग्रामः।

हैं: कारी कीए।

আলাত লোভ লোভাত নেকা। আলার করী বোলাং লাভাত গোলাং রালার প্রত্যর। আলার বারী বিভাগ চর । অনাট্যান্সার

ৰ বুলজুৰান, গাছৰ আগাত, কুনি ক গাইলে " বুৰুতে বাই. কোনা কাজেটাত আৰু চালটোৱন ।

of the staff Chican I

() MAIN MINOR

% জাগা ডিভা মেটা ধর'। [™] হাল প্রিয় কটি গৌ টলাবেছা।

-

ছোট খোট গাউৰি, চুৱা খাটা ন কুঙি। নাত শভু গাউৰে খাৰ, ভঙ চুৱা ন স্থাৰ হল গানেৰ চুগ-পাত্ৰ।

-0

हाइब म्' म्थनाइक हाइक, आक म्' यन् (वक)। निष्ठ वि हान लान्य, आहे साह्य विकास कन् व के स्मान साहय।

P8

রাধারো বোড়া, দুইকে ডাইড হই চিৎ বই পড়ে। -- নাম্ক। ১৫ এডার চিডি বেডার বাল (বার)।

এজা চাড বেজা বাল (যাব)। বে আভি দিভ পারে আনে আব বিচা পাবই কিলা স্থায়ী।

**

বাৰাবো পইকত নিপুৰ ভাবে।
বেৰো কৰে গু ভালিবাৰে।
ভাকে কৰে গু ভালিবাৰে।
ভাকি বিশ্ব ম পাৰে আই বাবে।
ভাকি বিশ্ব ম পাৰে আই বাবে।

14

वर् नावेशन वर् बाद, स्वार्शक कावन दकेश । स्वर तक्का कावि विक मारी स्वापात स्वीत । स्वरी स्वापात स्वीत ।

नारक नाम के गाँच। नामान नामक गाँच। १० नामाना

प्रेयामी दश्रम केलीम केला

44

পাণ হৈছে প্ৰেটড**্।** পুত**্গেইৰে হাটড**্ৰ*শ* কলা ।

না ভিম্মলী হা পাম্মলী : পুড, ভল,ভলা : -- মুলারি ।

D)

ৰাত্তুন্ নিকলে ঠুৱা। ভাত কৰি নিএ মুকা ঃ--কাগৰি লেবু।

काका **विश्वाद्यक्ष काका** देकम्मान द**ण्डित दण्डि**य जन्म मनी पूर्वे पुरेशीका नम्मीका 'नि नारेकार्युटी ४ — दका ।

বাভিনীর হাঁচ, বাভিনীর ঘাঁঠ। বাভিনী ৰ খেলে ন মিলে ছাই ঃ—চাকা।

ভাইর আঙু লয় পাতি, ' হঙ্কল অটি আভি '। আহো কড় দুর বড়ি ''॥

के: -- क्यानाका वा कावन ।

)¢

এক বড়্গ হুই বস্ত। ডিলা পাড়ে আছন ত বিগড় চবে পকী। ড গৰ্ম ছুই নাকী কেন্ট্ৰা বাছ।

*

ष हक्तन हारेब हरन । वरे मृद्द जम स्वारन ॥ वरे स्निति कम रनक ।

The sac setts also take

The second of th

বাউক ক্ষম তাতি বিব ব্যবিকে ভাত তে বালৈ ব্যবিক উপন্ত কৰা ক ব্যবিক

परित्य त्योष , पारित्य क्रिक् नात क्षीर पारियाप स्थापित क्रम स्थिति

काना के हैंगा संसक्त काना है। बारु कि मारे कार बारन कार्या क -- क्यांक

कर् पूरी देखे रीत, श्रीरेष् विशे निर्म जात्व बाह्य क्रूबान क्षेत्रं की हैं क्रिकेन साहित्य

নীল কণিল মুই বুৰ্ণ। চাইর চৌধ মুই কৰ্ণ। টোম ঠেং এক আবাও তলবে অচবিক (আহমা) করা এক কাম্পর্য থেকা লেক। ভাঙি মিতে বয় বেলি চক্তমুক্তির

क्षेत्रक क्ष्मा , क्षित्रक क्षित्रक क्ष्मा । वर्षेत्र वर्षेत्र जावका क्ष्मित्र ४ – क्षेत्र

करत के प्रकृतिमा । टकारण तमेरण ' दर्भ हैगा । हारेब बांबा काम द्वा । टेकारण क्यारक रावेशा (दर्शाका) व चक्र स्वारक के हरे देशाका श्री नवर गांमणी ।

প্রত্যার হেছে, তাই এ বিদ্যালাকে।
তাই কুম্ সৈল্ফ কো
তাই প্রতিষ্ঠিত কামে।
তাঃ লাভাতির কাশক কামাইবার নাইন'।

আলাত ভেষ ভেষ্ লা নাবেল পাজা। বে ভাতি দিতে ল পাতে, তে লক্ষে গালা। — পান্য শিং।

श्री क्षेत्रिका स्थाप कोर्ड । श्री क्षेत्र कोर्ड क्षेत्र कोर्ड । - मुक्ति ।

ाराधा (वास्तित) श्रीत किळाब हार कि दम बार्च विकित्त कान द कि स्मार्थित वासक शांकन

हाडे (बाँडे किसे केमा, क्रिके र देन प्रस्त ' इन शहिता (बींडाडे कारन, क्रिके शहिता बात : क्रिकेमा ह

स्वाह्म वार्षित विशा । श्रे क् वार्षि श्रेटन विशा । ने काम ० कि मुद्देशीय गांव के को त्रिवर्ष (क्रमा) मध्यक्रिया करें व 1 334

नृधिवीदक गॅरिप्रोट्स गुण महामन । इक नाहे तन नाहे माहेण जीवम । १७ क् शाहरण छाटत होनि देशिन चात्र । वतक वाले छाएका त्रिक स्वास वाति होत ॥ क:-- मुख्या वा एक वाक-स्टान्स कृत ।

वन पृथ न वाड़ि !

त्वांग दोटक वाची। वाचि क
कृषि दोष कृषि कार्ष !

त्वांच कार्यान विकास क
वासक्ष कार्याक करें!
वासक्ष कार्याक करें!
कार्या दोर केंग्रिस करें!
कार्याक करें!

338 टि टॉ, बीम क्या दिन । शहित माना वाद और दिमान क्या ट्रिंग

ভঃ অনুধ বোহন-ৰত ছট লোক ত সংক্ষা বাজী

কুৰ্বিশ্ব কুছবি, উচল মুছাৰ বাল ৷ বাউক মূৰ্ব কৈম, বাকিকাম জ মান : কুৰ্মান্তৰ 'বছিমা' ৷

colon with south, colonial south colonial abids, we say the colonial

OF BATHER CALL THE SAME AND THE

NATIONAL PROPERTY AND PARTY.

ना हिंदान वक इन हम्दक मार्ग कारमा । हीन कानिशांदन वर्ण वार्श कृत कार्य नहें के कि: की हिंद

১১৮ সাগ্রে উৎপন্ন নগ্রে বদক্তি । কাত্র পুত্রুইনে পুতর কন্ পতি । উ: ≔ সবণ ।

১১৯
আগা ছোটি গোড়া আবিলাস।
ফুল নাই, গোটা নাই, ধরে বার মাস।
উ: ত্রাণ।

১২॰ উপর ধুন্ শৈল থাল। আলে লৈ ত অঠার কাল । —ঠাঠার।

>२> ৣ क्षांचा वश्रुष्ठ कहेन्न (क्किन) नाटठ : ~ थ्ये :

উপর ঠেইল' ঝাছি পড়েন। খাইভান আছে, থুইভান নাই। উ: -- শিলা, বর্ষোপন।

320

এক স্ট্রারি (কুপারি) ভিন বেষারিঃ উ: == বেপারী :

জ্ঞাতি বিভন পাৰ্লে কাপ মোচজি। উঃ == 'টেইয়া' নামক মাছ ধৰিবার বয়।

ভাত খার কলনী, ন ধোর মুখ।
ক্রেন্ত্র কে, কেন্ত্র ন বে, ন ভারে তুর ।
" ক্রিয়ার ক্রমণ

১২৫: শতাএ টাবৈ । মুদ্ধা শোদাও ঃ — চছুকা।

५० 'जाना क्षांत्रिकारका त्यां 'यां वर्ग नाशिकार प्रकार स्थान को बंदा बांबर्गन है' नाशिकार १४ केंद्र नाग प्रविद्या 524

কোট কোট কুই কোট কোট স্বাইল । বেতে সুইলাৰ কাৰান বাইল ॥ বাত হৈলে গাঁচেত না, সুমেত সংগ্ৰ না ॥

চানক ভাজা টুকী বালা।
বাইতে বিভা গাতা বালা।
উ: --'শিবরী' নামক কর্মন গাঁৱের ক্র

ह क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र हो। इ क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र है। - मानम, इसके क्षेत्रकार

ও কুচিনা কুচিনা বে, নিঠে জোন নাজি। ছা ন হইতে, খালান হৈল গাড়ী ঃ

काना यम्बद्धाः । सद्य पूत्रपृथाः ॥ — स्वत्र सूत्रपृष्टः । २०२

धारे क्रम व साथ, करे क्रम व साथ । सारक सारक वासि बाग ।

केंद्र- क्ष्मूब 'बाह्या' शाका वा क्षम् ।

SI - JOIN BRIDE, NIME RELIGION AND AGAIN SIE AIM A

site cente, and see help to

** *** **** *** ************* 3 OE

্লণাখীৰ নামে নাম ভাৰ পথবোৰ হৈনা। ন ছিলো দেন ২০ছ, এই ২০০২ পৰি। উচ্চ প্ৰায়ে চানাকৰ এপঞ্চৰত ছবঃ

104

হুদ্ধি বংহাই হুশ্ব। ইংল-শহা পেকথ ধান ভালা।

300

শ ও ভার উঠি--শারন্ধ তে গেলা তেং নাই জোবচন ।

্লালার উদি--মান্দ্র নাই (জাবচন) কার্চন ।

কালত সে বিজ্ঞান ভাষাক কাৰ্যে ইমলাক যে, ১৯কাক কাৰ্যক্ষ

क यान भागत देमबान तह, ठमका**न्या**तान **व** विद्याल के कुछ। (के.क) क **८५**(क) ह

1.35

আই ুলেও চালা আই কুলোও চাল। আন্তাপ্ত আৰু গাড়ে লাগা। গোলাহে বুছাতে হাগান কৰে। বিশ্বতি বালাহ্য ত হাগা।

আৰু পৰি কটা দেৱ ধাৰ প্ৰের। বৈধোন বা হৈছে। নিম্মইলে (নিক্লিকে। বিনো চেচ্ছ মানে এ কি: — মোনবেশৰ ছানাঃ।

-30

ক্ষেত্ৰে আইও ছোছাত কৰ।
কৰে টিয়া পাছালা ্ পাধানা, হজনে বছে ৮
উ: - মবিড লিগেবার বাটনীয়া।
১৪০

শাকানেতে কুৰীৰ গাত কেন্তে লোৱা হ এন্ত বছৰ মাজ। তে তেৰ কুছি এশাকা হ ভাৱৰ মাজে দশিব বে বেচম কোন বাই। ্ছতা বুটী মুনিব না লোৱা লোকা নাই হ 363

রালার শোব্দার **ভালান দি,** রাজার লোব্দা বাইত পারে। আর কেহত হাইত ল পারে। উঃ— 'ও রলি' নামক নিপড়ার ভালাল। ১৪০

রাজাব পোলা ভাক বীয়। একু গউন্ধা শোলাএ চাং বার । (বাকে) উ: - ক্লণাত্র, মাস ইজ্যালিঃ ১৪৪

পালেত পানততি। জানত ভাগামতি। বোলেড মধ্য গতেকী হ—বাভকৰ। ১৪৫

ৰাণ কূলে কুলে বেলাইয়া চুলে। গ্ৰহা নাই থেটা মাছৰ গিলে == কোঞ্জী * 🏶

ভোট মোট ভিঠাউন্না, টুকী বাইঅন্ধরে। । টুকী হাইমন্ডিড্জ গোলে মান টুটব্ টুটব্ করে। ভাইমণ ।

384

এক আৰু পানিৎ লাগাইলাম সুগা। ছটাৰ পানি সুটোৰ দুগা। তেওাক। ১৯৮

নেড় কুলি কৃতিধর, চাইর কুলি মাঝা । শোক হইএ যে জটা জটা । নেট পোকে পড়ে। বড় বড় শব্দিকে কুলে। — প্রকা

ৰাই কে জাউ ঠেং মান্য ভিভিন্ন হয় হণ ঠেং বিদ্ৰু মাধা চীয়া লে বায় ।

डे:-इसम्बन्धी व ग्रेका नहीं । व

जन सम्भारत होने नाम, काम नाम दिने संस् वा शांत देनटम खारत सरम रणनाहे विदे । सरम रणनाहे विरम काम, एएटी हम स्वेक मध्यम कामिय करम करने कृति हो ।

कें = हारे।

নারারণ-দেবের প্রাক্ত

(विक रीम्बाय-विविधि)

হিশ্ব 'সভানারারণ,' আর ব্যলমানের 'সভাশীর' একই কথা। কিন্তু ইংকের আহাজী বাচারার্থ বলের সর্বান্ধ একই রক্তন উপাধ্যান কলিক হইরাছে, বেধিয়া আন্দর্ভাবিত হুটান্ত্র হয়। বাচীন কবিন্ধ 'বাধীন পথে' বিচন্ত করিতে কর করিতেন, ইবা কি আনুষ্ঠাই পরিচয় নহে ?

১০-৭ সালের 'পরিবরে' আমার নিবিত 'আটান পুঁথির বিবরণে' এই পুঁথির এইটু সংক্ষিপ্ত পরিচয় রিয়াছিলার। বর্গদাধিকারে ইঞ্চিয়ানে এই কুন্ত এইবানি অনেক আঁচি আসিতে পারে ভাবিরা আত্ত সমগ্র পুঁথিধানি 'পরিবরের' পাঠকবর্গতে উপুয়ার বিবাস ১

শাৰতুল করিম

रायात्र महात्राहास 441 A4 MEA मिक प्राप्तक कुला शव प्राप्ता । निर्दर्शक कांच्र वक. REE COS WAY मधुक्त (बाह्य कमान । नागांका गांव पूर्वि. कि त्यानित्य नावि वावि पृति हासि त्यस्य सामान् । ट्यांचा त्यांचे कामांगणि. कड़ी करड जिकि क्रिक अविज्ञान बाद किएका । मिनियां दर्शयात्र करत. च्याप्रस्थित म् सम्बर्ध त्व **स्था त्यांच ता**त्व. विकारते स्वारम श्रूपका

সাহিত্য-পরিষ্ঠ-পঞ্জিকা

े मीनक्रम भविस्ति, कृष्टं कर्णे ६'वे, सहानिष्ट करण विवया दियात । दाशनक्षभ धर्ति, दिशास्त्र केन्द्रि, शांबिक्टन साथिगा त्य सात्र क नामजारण व्यक्तांत, नत्तकत्राम त्यांनि स्राद्ध. ৰবোধাতে ভাহার শ-চাত। প্রবিশ বধের হেড়, বন্ধন করিলা সেড়ু; থাবৰের করিলা নিপাত। Cहाक्षि केलाब क्रांम, देशना श्रास् क्लबाम," निवासिक क महीमकाण: निष्ठा दीण दुन्तवान, तीक मिन द्वारन द्वारन. रेरकक्ष हरेगा भन्तार ह माचा महि फरनात, १हेना क्षक्रि बाद बाद, रेक्टा मानि कदिशा निर्कत्र। বিলো ভোষাকে ভাকে, কাভত চইআ থাকে (ভাকে?) नैवर्गक त्यमा महान्य । राष्ट्र कारण. ट्रांगरी टॉक्स सारण. राष्ट्र कर टाउ प्राप्त । ছনিকা ৰুণ্ডৱ শুকী, সেই ক্লে চক্লপাণি, तत्रन हरेग दिवस्त (दिवास्त रू) 🛊 लक्ष्म कोई शकुग्रहः , त्रशास्त्र क्षांचिता छात्क, ্ৰ ব্ৰিচে পাৰে ভূমা মাধা। তেলের মহিমা লব, তাহা বা করিয় কর্মা चनावनदेश जात्वम् । २० ৰেংম, ভাবে দেই জন, একান্ত ভাবিছা মন, wind form when formion a बिश्मातम नाम विक, अगहि माम (१) अनुनी मा ा भारक शह बहेन नेवर्सह ধৰিবা কৰিব জেন, ৰ

THE REPORT OF THE PARTY OF

14

मीबांबन रशस्त्रक लीकांगी

विकटक प्रश्न देशका, ... निक्षपूर्व बाकानिका, ত্ৰকাঁকে কৰিলেন ভাকিবা 🎉 छनि दिएक और कथा, शक्रत कृतिन माथा, সমাক্রত (সমাগত १) কবিয় দেশিখা। বিজে বোণে ভূমি কেবা, পরিচর মোনে দিবা, वहन कारव मार्ट्स कथा त्य १७ त्र १७ जूनि, सज़्मूरि स्थि सानि, কুশা করি দেও পরিচত । ভবে আৰু দলা কৰি, চতুৰ্তুৰ শ্বশ ধৰি, নিজ দুর্নি করিলা প্রাকাশ। 🗀 कि करिया करनेत्र पठा, टकाडि ठवा किनि इसे, এ ঘোর ভিমির কর মাব ঃ क्षक राज नमा गांक, उत्कादक करत मार्थ, গৰাপয় শোভে ছুই ভূজে। নানা ৰাভৱণ গাত, দেবি লোক মুক্ত লোক, डाक्स्पन ममूर्व विशास ! क्रन दश्वि विकासदा, मुख्या देशन कानासा, বোহিত হইল ভূমিকলে। সেটরূপ পরিহরি, স্কিরের রূপার্থরি, विकारत गरेशान क्लाला । **उद दिव दिव देश, नामाच्यक क्रक देवन,** कृषि शरक त्नामहिष्मा माथा। वाजू देश्यां निय (छम, विवरण मिन केनरमन्, . भूबा ८एकू कविना योक्स ह **शृक्षा मित्रा स्थितः, मन्तर् संदिश स्ट**, নিতা (নৃতা ?) কৈ করে নিমন্তর ৷ कार्रिकाश भूका विक्, भूका विका पर्ट्स दवन, **শन्तारङ मुक्कि गर्गाभव 🞼** भूका बानि नाहि हिन, वानिका क्रिक्टिक रमन, श्राक्यरत अकिंग विशासक । 🏖 नीय साहि रेक्ना का रण गांद्य मात्रा,

ানাখানে মাশিশা আমুহ

কৰিবের ভেস পথে। বিজ্ঞান আইনী ভাতে, ।

সাধু পরিভাগ পাইজা, নীম ভয়নি লৈখা,

্_{জাত} খবে গেশা সাধুখ ভনর । ওভবাজী পাইনা ঘরে, সাঞ্জিঞ পূলা করে, ।

কল্ল। হেজু হইল বিপাক।

नीनाक कृतिन दानि, नाम नामू देशा शानी,

জাৰাতা বোণিখা ভাক 🛭

ठाटक बड़ा देवना चार्छ, जिला जूना पून केर्छ,

श्वविक देशम मनागत।

शब्दांनी (१) क्य क्षन, त्र व्यानक्रिक क्षन,

पृशांत्र रेमर्वा (जना) कतिमा निवास ।

पटत निष्या संयुक्तत, शृका विना नशायत,

সোনা কাৰাণে হৈৰ্। জানি। গুলোহিত বিধবতে, জানিকা ও স্ভাৱে,

गत्य थिमि कतिमा तम क्रिसि ॥

বাদ্যশ্য ভেদ হইজা, নিজ মূর্তি দেখা দিখা,

इत्व प्ठारेश्य मात्रावन ।

फर-वन मणांव थारू, मध्यक माहि करू,

এই क्या भनान कामान इ

कादि .नका नाराबरन, विक शीनदादम करन,

তাযা-ব্যাস-গিমির পাঞ্চালী।

थान्त्र स्वरूप भन्, त्रहक व्यक्षण,

निरवित् कति गुर्गाशनि ३६३

'হৈছি নাতাজনদেবছ পাঞ্চাণি সমান্ত। শ্রীনবোর্জন কেরানির স্বাজ্ঞার চান ওনজ শ্রীরান্ত্রে বাবুর অধিজ বহি। ইডি সন ১১৮৯ মধি ভারিব ১৩ বাব রোজ ব্যবার দেশ

००৮। मधवास्त्र किहार

००%। क्लिक्निक्ति स्वता

ইহা এক প্রকার মূর্যলোক-জুলানো জ্যোতিযগ্রহ। কোন রোগী আলিয়া বহি রোগের কারণ-জিঞ্জাস্থ হয়, তবে ভাহাকে নিয়াভিত চিত্র-মধ্যাহ যে কোন একটি 'বর' নাছিয়া ধরিতে বলা হয়।

3 2 0 8 6 6 9 4

চিত্রমধাত কংখ্যা ওলি বধা কমে রবি, লোম প্রকৃতি সপ্তবাদ্ধনিক্ষেত্রক। মনে ককন, ১ম (ববিনারের) মন্ত্রটি ধরা বেলা। কালা ক্ষুকে, উক্ত ব্যবের কলাক্ষ্

শাস্ত্রির থেগেতে বৃদ্ধি কোন জনে ব্যালির জন্ত জিজ্ঞান কছে, কবে ভারারে নিজানা করিব, তৃত্রি নারি (অন্টা) আদি আদি বন কিছু বেলার বুই-জাতে, রাভাতে কোন জানা (কানোরাছ) কেনি আচ, ছুইলন লোক এক জাগতে ব্যালিয়াকে তাহা কেনিআছ, রাজা দ্বি আদি লোকের লাগত পাইআছ, রুই মৃত্ত এই রক্তর কবি ককু বলে, তবে হারিয়া (কৈন্তুত্ব) কোনোতে নাকি কুল (৫) বেনভার নিষ্টি কুইজাকে, ভারতে ভালি দিঠানি নিলা মনিক্তর কুলি খানাইব, ভাল ভবকানি উপহাস কেই নিলে কিব। ভালা (কিবান) ভোণেতে ব্যালাইব, কবে ভালার কর্মন বিলে ক্ষিবেড।

अवेशन मधानराम कनाकरम पाँचि मधान । का विद्रशा सकन ; कारा क कारे अविद्यक्ति । सम्मारका क, केवद निर्द्ध सिविक । W118:--

कवी कि कि. "पूर्व स्था स्थि, स्थेति कस स्था स्था है बार पिति स्थि, पुरुष्या स्थि, स्थिती बसा करन स्थ है

(नेकः --

হয়া দিয়ি লেখি, স্থা হেলৈ সেখি, হোলো হংগু জনে হও। কথা কিছি লেখি, স্থাৰ্ভিকেটো মেখি, কোনো কথা কৰে হও।

ইতি চৌতিৰ অভনি কৰা স্থাপন
ক্ৰীলমণি দাৰ ভৱত । লোকৰ ক্ৰীণাৰহলাৰ বঙৰ পীত্ৰৰ স্থাবাৰ মঞ্চৰ মৃত পাং
দিহলা (সিংহলা) পাটকক হংকেন নিৰিক্তং
ইতাদি লোক। ১২২৭ যদি ভাং ২৫
ক্ৰিন।" বচনিকা, বৌৰ হয়, উক্ত নীৰ্মাণ
ভগই। আগুছুভবং আট চন্নৰে সক্ৰটি
স্থাপন এই নীৰ্মাণিয় হৃত 'কানিকা-অভিগ্
নামক ক্ষাৰ্থের প্ৰিচল প্ৰভাই জুইলাক

৩১০। মনসাক্টক স্লোক।

অবিভ :---

লথ দেবি বিশহনি কথা কথা কাৰি।
ক্ষাত গোতি নাম বন জগত কিবজাতিনি।
ক্ষাত্ৰকালমূনি কাৰ্কা কথা মতে। একিছি।
বংলকা ইংগাৰকক্ষে সকাঞ্জ শিবনন্দিনী ও

সুনি পৰা মনস্ম ফে আজিক ই মননী। হোমাছ যে সহচাৰ মেতাই ৰয়নলৈনী হ ২ন চুৱ যেৰ মেচাই কুমি খনকামিণী ফুক্তমে, শ্ৰীপাণসংখ্য মধ্যএ নিৰ্মালিকী।

" " শুক্তাইনাস নাথ পিং ভিতারাম বৈশ্ব মুত্তস্থা ্রকোটা । ১২৩৫ মণ্ডি ২০ চৈত্র।" চরশসংখ্যা ৩২ : ভিশিস্তা নাই ।

৩১১। কালিকা-স্তুতি।

MIRE: --

কাল কুঞালনি, কথাত (করাল) বংনি,
কাল কর-হতা কালা ।
বিজ্ঞানিতি, থাসবিনাগিনি,
বালি করেছে বছা হ
পথেস কননী, লিজিয় নশিনী,
নীজিব সৃথিনী বহুগত ।
বৃশ্ভি বহুনা, খোলনাগা সামা,
ব্যাহরশ্য ব্যাহনিশ্যে হ

্ৰেষ ও ভণিতা ঃ—

इव व्यक्तिकार, त्रा व्यक्तिकार, इव गाम नित्य सम्भ । (१) क्रमण विस्तार, त्रीव्यमण व्यक्ति, व्यक्तिकारिक, त्रीव्यक्ति व्यक्ति, व्यक्तिकारिक, व्यक्तिकार, स्वाची ।

७,२। कवित्रांकी भूषि।

本情者:--

नम नार्यमात्र । जन व्यवस्था जिल्हा । इनजात एवा > तक व्हाना कवि (किंकृ) । व्याक्त काकि > तक व्हाना । तके इन्हें गर्म बाहिया वाका (श्रेत्वा १ , कव्य ० ० वृद्धि बाहेका । क्रावं व्यावस्थ बाह्य काला हरन ।

শেষ :---

পুনক লোকের চৈবেতে গারিছে ধরে তৈউক্ পেচুয়াএ ভারার উসদ। সালা ভাষাপুর বচুর (१) রম্ম মার্ একণক প্রই পদ একতে সীলোপনী রম গাইনা বকালে বৃহতে চৌকুছে বিলে খোরা জলী (আন) উঠে ভবে পারিছা ভাষা হও।

শ্বিতপ্রাম পীছর লগন নাত সাধীনে ৰাজ্যত (বারশত) মোকাম কন নাহার (?) ভিহির পার বৃত্তকর পুত্তক।" তারিবানি নাই। শেষ প্রসংখ্যা ২১; হই পীঠে লেখা। বোধ হয়, অসম্পূর্ণ। বৃহৎ আকার। শেখা প্রাচীন।

৩১৩। মনসার পাঁচালী।

শক্তবভঃ ইবা একথানি নৃতন মনসা
পূপি। একাধিক কবিছ তৰিকা পাঞ্জী
গাছ বটে, কিছ কলধো 'মধুপ্ৰনেত্ৰ' হচনাই ই
বেণা। আম দৰ্শকলেই 'লৈ মধু' জা 'লৈ
দশুপ্ৰন' এইছাণ কবিছা দেখা বাছ। 'লৈ
শক্তীয় কৰ্ম 'ৰোহাই' ক্টাৰে বলিয়া মনে

नदार्थ क्रमाण ।
 नदर्शकानियामाण्यः मर्कममान्यः ,क स्टब्स् !
 मानकिकिमान्यं क्रमाण्यः सर्वमाणः स्टब्स्टकः क्रमां

राजाणा प्रतिक विकर्ण ।

ন্দান বিশ্বনি ইক্ন) (?) ব্ৰিবাজা ।

ক্ষিনি বাহনি কৰা নেমংকাল্প্ৰিণালী
ক্ষান নক্ষতে । কৰা বৰ প্ৰাপেকি (?)

মননা পাকানি বিভাতে । প্ৰথম বৰ্জন ।

প্ৰাণনোৱ প্ৰপাতি, বিভাৰতি বোহামতি,

স্বন্ধ (গালাই ?) পানই (?) দূৰে কান !

কাৰে তুল এ নত (?), সহিমা নাবিক কভ,

বুতে তুলি প্ৰকৃতি বেলাএ ।

কাৰ মুখন (বুনন ?) প্টে প্ৰণতি গংগৰ মটে,

গাল পোতক নমা (?) নাবিক কভ ।

বাৰ মুখালাগ পাটা (?), লনাটো ভগের ভোটা,

কাৰাতি সংগ্ৰাম প্ৰথম :

(चारांड, रमनांत्र भन्न 🙀)

ষ্টি হ'ত নস্থলালে এই রন থাও। ক্ষমে ক্ষমে বান বননার পাও। তারপার, স্মানার :---

নির্মণ পদসার, ভাব লাছি বুদ্ধি লাছি আর, বই(१) ববুসোধনে হংবচনে।

'श्टीलखरनव' (भरव :---

विमक्षित हवारन कमन मध् कांटन । कनक नवारक करन समना क्षतिकारण ।

श्रह-मश्र इदेखः---

- (>) भूपन १४४ माठ नका गरेवा जिल्हा ह विश्वपूक्त करन पनमात्र पट व
- (२) करू के सरम्बद्ध पद त्या विमयति । क्षत्रोति नामचाक देव मध् कियाति ।
- (a) সেধান্ত বন্ধ হোৱা হোলালিত । সাহায়ে চন্তৰে লৈ মনু বাঞাৰীৰ ।
- (৩) ছয়দলিবিষ পাঞ, হয়ি হতনংখ গাঞ, ভারিণত ভয়াথ সংসাধে :
- (a) श्रीवासमा पश्च तम सम निगरति । देन नेबृत्याम स्थान नामा नामाति ॥

1. 1. 196

プル が加州 CM4 3---

मावादेश पृक्षात स्थात शासि पर पित । पृक्ष पर निम् काटर निका दिन महित ।

১৬ পত্রের পর থাওত। ইই নির্ক্ষে নিখিত। তারিখাদি নাই। নেথক শীকিজ-রাম দত সাং কালীপুর।" এই সংশ্রের প্র-সংখ্যা প্রায় ৪৬০৮; স্কুতরাং বৃহৎ প্রস্থা

অন্তান্ত মনস্য-পূঁৰির সহিত **ইহার** । কিবল সম্বন্ধ বা প্রতেদ, না পড়িবে বলিজে পারিবে না।

৩১৪। মূর্সিদের বারমাস k আরম্ভ:--

निवसन नाजपानि सर्वेश नाएक पाउ । निवसन नाजिएन पास्ता कविष केवाद इ पाठियाण पास्ता मान स्माप्ता स्मूल । केवाक कविष्य स्माप्ता नाजि स्माप्ता ॥ नाम स्माप्ता स्माप्त स्माप्ता स्माप्ता ॥ वरदाव वाह्य पाह्य स्माप्ता सम्बद्ध ॥

(नवः :--

कार्षिक व्यक्तिस्य वृतितु वेदन व्यक्त विश्व । यात्र वृद्दे वर्षिक्षण प्रतिकारि देवल द्वित्व ॥ निवारित वर्षिक्षण कहि त्याता व्यक्ति व्यक्ति कहि ना व्यक्तिस्य द्वा निवार्ग व्यक्ति ॥

THE OF THE PARTY.

चित्रिक मध्या

ক্ষিত্ৰক মানেতে বুদিন বিশ্ব কৈল কাডি।
ক্ষিত্ৰত পৰিগাৰ কাজে কে আন্তিৰ বাতি হ
কেবল অলে অেবৰ নিজে কিবা বাত দিন।
কই তিন তুৰৰে মুদিন মোনে কৈলা ভিন্ন ই
(হালা পুষি)

क्ष क्षा :**-**

বার লাগের তেও পোনা তর বে সনিকা।
এই নীল চে এটে আছে আছে মেহাক্সম কালি (গ)
বোলাক্ষম কালি নম বহুলের নাজি (৪)
পলে জাতি পুনা বাতে বাজে চার ছর্মতি ২
(ব্যক্তমিনিত পুনি)

উভয় পুঁণিতে বিশ্বর পাঠ-পার্থকা আছে। ১২০১ মখীর পেণা, প্রদাশন (হন্তনিদিতে) ৩৪ ও (ছ'পার) ৩৬। ছাপা বুঁথিতে ভণিতা নাই। উক্ত ভণি-ভানিও সন্দেহ-ক্রনক।

ক্ষ্মশন্ত্র কলানি কর্মণাশর ভিতর নিক্ষে ব্যাহনভূক গাওয়া বিষয়ে :---

৩:৫। ভারত-সাবিত্রী। নাবছ:-

নৰ থকসাথ । নৰ সৰ্বাট দেখাটো সকা।

বীজনাৰ নৰা । ভাৰৰ সাৰিত্ৰি পুৰুত্ব লিভাতে ।

'বেন্দে নামাননে' ইতাাহি লোক-এ

কীজনাৰ চকাৰ আদি করিও থকা ।

কাৰৰ পিতা কিছু বুন দিখা মন ৯

গুতনারে কিলানাৰ মূন বো সঞ্চও ।

কৌতে করিক যুক্ত পুন্ধ কুল পাঞ্ছও (চা) ।

শেষ ও ভণিচা :--

প্রথম বাদ্য করে জন গাদ নাচছ । করে ব) হ
ভাবৰ নিজা বুনিকে সর্বাপাল হয়ে হ

লিতা পাঠ কলাক্ষ্য কহিলাম সহয়ে ।
প্রোক ভাজি পানবল সাগাহিলে করে ছ
ভালত চরণে করি নাল নাক্ষা ভানার ন

ক
লিকাল আইনা দাবা কর কুপা করি মনে ।
বানিক ক্ষা করি কলে ৪

শ্বিতি ভারধগানিক গিছা প্রতঃ
বিশ্ব স্থাত । ভীনভানি ইভানি লোক।
স্বাহ্ম ক্রীবৈক্ষবচরণ সেন নাম লা বাজ্ঞলাভ (বারণত) ইতি স্বাহ্ম ২০০ মান
ভাবিত্য ক্রান্তনা লাভ্যালা—১, চুই
লিটে নেকা । অভিকৃত্ত প্রকা । রচভিতা—ক্রান্তিশ করে।

०३७। महिन्यस्य ।

ক্ষানি স্থীত বছ। 'বাসনানা', ভাষ-নানা' নাম্যক ক্ষেত্ৰভানি ক্ষেত্ৰ পাছিত্ৰ পুনে বিয়াহি । ইয়াক নেইৱল ক্ষঃ

राष्ट्रामा भू वित्र विवर्तन

ইবাতেও রাগতালের ক্ষাধি বিবৃত
ক্ষাতে। পৈতিবানো গের এক একটি
পদ'ও আছে। পদপ্রলি একজনের রচিত
দকে। ইবা সংগ্রহ এই; মৃশ-রচিরতা কে
কি জানি ? পূর্নালোচিত গ্রাইপ্রলির সলে
ক্ষানেকস্থলে ক্ষান্তর্যা আফিলেও ইহা পূথক্
গ্রন্থ, বোধ হয়।

考付有 :--

প্রীয়িশার্ত্তন পুরু

গ্রু পুরু জানিবাদ গ্রু- নিম বার ।

প্রীয়ি পার্ত্তন অভি গুন বিভারন ।

গ্রেক্তা ৯ গানে লাভিবা এক বার ।

মাধ্যাভিকা উর্ভারে বিচে প্রায়ত ।

মাধ্যাভিকা দেবগান নাগ্রিবা স্থান ।

মাধ্যাভিকা মান্ত্রাকাল নাগ্রিবা ধনি ।

মাধ্যাভিকা মান্ত্রাকাল নাগ্রিবা ধনি ।

(48:--

তভার ভরে ইনকা (নৌৰ) সাই চাত বিশ্ব পোলালির বিনাম করে, নৈকা টলমণ করে, নিকা টলমণ করে, কমনে কর্মান করি। বিনাম করি বুলিয়া করি। কুটি কৃটি পোলাও গানি, সার্থা না ভাবির ভালি ক্রি নাল করে না করিব ন

क्रिकाः--

(5) वालि वस बाम ठामणी पासि करहा मा बुर्वीरण शास रेमरक शव मदानार व

- (4) স্বাহ্ন হিপ বক্সা বালি মূন স্বাহ্ন হ'ল সহে বিমনিয়া চাহ ক্সনিস্ব হ
- (৩) রাজিতে চলন বীধ একবিংস ভাগ গ ছিল হালি হাজা কছে এই বস্ত ভাগ ঃ

প্রসংখা ৩১; ছই পিঠে বড় জনার ।
লেখা। বহিন জাকার। বোধ হন, শেব জী
নাই। শেখক কালিবাস সকী। সন্
১২১১১২ ববীর শেখা।

৩১৭। ভ্ৰতী রামায়ণ।

এই ক্স প্র শিখানি ১০•৯ নালের ভারী আখিন মাদের 'বীরভূমি' পজিকার সমগ্র প্রকাশিত হইরাছে। ভাষা হইতেই এই বিবালে টুকু 'পারবদের' গোচর ক্ষরিতেছি।

পুৰিধানির রচন্ত্রিতা রাজা পৃথীচন্ত্র। পদসংখ্যা সাকল্যে ৪০৭। ঘই স্থানে ভিন্ন আরু সব পদারে রচিত। আরম্ভ:—

শ্রী ই রাম । অধ রামারণ বিষয়তে ।
বালত ই থানতের রষ্কুলবর ।
নবছকানের কাম কিবা কলবর ।
বাম করে কোনও নকিব করে খাব।
বানসাথে বসি করে অভ্যন্ত প্রধান ।
বামে সীতা সন্মিশে সন্মান করেবরে ।
ভারত-শক্রেপ্ত পান্ধে ভারবুর ।

C## :---

गृथिनीएक सम्बद्धक स्टेस आकात ।
मानि स्ट्रीय गोसीएकड गृंद्ध कम जान ।
मानि स्ट्रीय गोसि करिया डेडमा ।
मध्ये प्रहारत गोस करेबारक कर्नदा ॥
प्रकार प्रहारत कम् गोसि निकास ।
कार्यक्रिय कम् गोसि निकास ।

লীমানৰ ক্ষমণ জনতক পূণা হয়।
কহিছে না পানে কেছ কঠিনা নিশ্ম ।
যদি ইক্ষা ভ্ৰাণৰ ছইবানে পায়।
নাম প্ৰামান ক্ৰছ সদা কয় সান ।
ক্ৰিন্ত চম্বৰ প্ৰা কালাৰ ।
ভূপ পূৰ্বিচন্তে জনে নিভ নামানৰ ।

"ইভি সমাপ্ত। সন ১৫০৯ গু সাল ভারিখ ১৭ই বৈশাখ।"

ভাল কথা, চট্টপ্রানে 'কালুয়া রামারণ'
নামে এক রক্ষ 'রামারণ গানা' প্রচলিত
আছে। গানের সমরে গায়কেরা বিবিধ অল্
ভালী করে ৬ কাল (লাক) দের বলিয়াই,
বোধ হল, উহার ঐ নাম। এই গান বিলিবড়সাছে কি না, জানি না। না থাকিলে,
নিয় ভাহা সংগ্রহ কবিয়া রাখা আবেউক।
ভিন্ন এ পোড়া লেশে লেজপ লোক কই দ্
বিল্ল আহার পঞ্জে ভাহাত স্থৈব্য অসম্ভব।

৩১৮। রাধিকার বারমাস।

প্ৰথম বৈশাৰ, যাণায় সনে শোক,
মাকুনি মনিন আনা।
নজুন অবলা, আনা মনিন গোক,
নজুন নাগায়ে কালা হ
লোকুল নগানে,
ভিত্তিৰ বোলিনী কৈলা।
বোলাল শাইবা আগানা কলুলা,
ভাবিৰ বস্ধ বিলাহ

(48 :

A114:-

তৈত্ব মধুমান, প্ৰাইজ মান্তমান, বীল ভাগিমেৰ ল গ্ৰী। কুংকুডি কাওলা, কৈলে আয়াধন, অংশিকা বিনিধ পুলি ধ গ্ৰদৰ্শা—বৰ্ধ। ইবার বচরিতা উক্ত হাদিবের রচিত একটি বৈক্ষৰ পূব ও আছে।

७३२। टोश्तीत लड़ाई।

व्यवावन विद्यारगारी व व्यविक वार्यान कविर गिक्क व वामम्पत्रीय वक्ष्मं वद्यानक त्वावायांनीत यांकि द्वेष्ट्रं गर्य थांका कांनीन कक्ष्म व्यवादिक मायक वर्षेनक गांवरकत्र व्यव वर्षेट्य व्यव अवयानि गर्थार कर्मनः। देशत कराम गरमरे कांचार वृक्षः अवयात्र ग्रांचानि कथानीकि वार्यः। यदेवन गांवरूण कमात्र मायक व्यवका निक्रित्र वाद्यानि वश्र्यां मायक व्यवका निक्रित्र वाद्यान वश्र्यां मायक व्यवका करित्राः करणवर्षा व्यवधानि व्यवधानिक करित्राः

নোগোলা শহরের ও নাইল উন্তর্মিত বার্ণুবের অ'নথারানগোর বৃত্তার তাকেলে 'চৌধুনীর শড়াই' নামে শীত হয়। এই বাছগানি দেই শীত শুনিরই সংগ্রহ প্রক্ষ।

रेप्टरम-नागरनत रथन एक कज़ाकांक रूप नारे, एकन नापूर्व. नवनाका आकृष्टि रूप नारे, एकन नापूर्व. नवनाका आकृष्टि रूप नाप्ति शहिए पृथ्वित्तर निष्यं रूप नाप्ति प्रकार क्षेत्र क्षात्र निष्यं यह मेरक विकि एक्वारक है देशक विकित प्रकारि मध्यका एनकन स्थाप प्रवास प्रकारिन । त्येर स्थाप स्थाप निर्देश स्थाप स्थाप

अरदन भूषामाय "शंकमात्रात्रन्-क साम-" एक क्ष्मित गणार । सम्मान्त क्षायीक ষয়ান।" বচরিতার নার প্রকাশিত নাই, কিন্তু গ্রন্থগাঠে তীহাকে মুস্পমান বলিয়াই ক্যা বার।

কৰি 'হবিৰ খোলা', মন্ধানদিনা আতৃ-ভিন্ন বলনা কৰিয়া ও 'ইক্সসভান চরণ শিৱেতে কন্দিয়া' 'এইক্সপে এছারছ ক্রিয়াছেন ঃ—

'ডৌধুনী ছিল বাজা নাৱাহণ স্বাজ্যের অধিকারী ৷ লিন্দুর কাইডের জজগা কাটি বাজিল রাজবাড়ী ঃ ছাট মিলাল ছাট মিলাল বন্ধি নামি নামি ৷ আদম বৌলাতের কালে প্রাজনজ্ঞের কাকানি চ'

প্ৰজ্ঞ, 'ৰূপ্যাণায় প্ৰ'থানির নমুনা বেবুন ঃ---

শ্বিচে আপ্ৰস্কু আৰি (গোৰ ?) সিন্ধু নকানৰ কৰি। ।
ক্ষণকাৰ বা গেবিলে কই মহিবাৰা ।
ক্ষেত্ৰৰ কামিল কিছু কৰা কিলান ।
ক্ষিত্ৰ কামিলা জিছু ক্ষান্ত বিনা ব্যৱহাৰ ।
ক্ষান্ত বা কুড়াৰ কামি বিনা ব্যৱহাৰ ।
ক্ষান্ত বাই ক্ষান্ত কামিল। কাড়িব ।
ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষা প্ৰমন্ত বা
ক্ষান্ত কিৰিল ক্ষা প্ৰমন্ত মানিল।
ক্ষান্ত কিৰিল ক্ষা প্ৰমন স্মান্তৰ ।
ক্ষান্ত কিৰিল ক্ষা প্ৰমন স্মান্তৰ ।
ক্ষান্ত কিৰিল ক্ষা প্ৰমন স্মান্তৰ ।
ক্ষান্ত কৰা ক্ৰান্তৰ কোৰ ক্ষেত্ৰৰ ।
ক্ষান্ত কৰা ক্ৰান্তৰ কোৰ ক্ষেত্ৰৰ ।
ক্ষান্ত কৰা ক্ৰান্তৰ বাবে ক্ষেত্ৰৰ ।
ক্ষান্ত কৰা ক্ৰান্তৰ কোৰ ক্ষেত্ৰৰ ।
ক্ষান্ত কৰা ক্ৰান্তৰ বাবে ক্ষেত্ৰৰ ।

अनुवानि (क्यम भरात कृत्य तिष्ठ), किक गर्वात कामरतत गमको विक्रक व्यव सारे। भारतत्र भरक देश (यम केमरवादि। स्वातायामी:-अविनिष्ठ गांवात्व विभिन्न कामाव देश वृद्धि क्रेरमात क्षणांवकतित चांकाविक गदक काबाद देशात गर्वातारे मृद्धे देश।

ইংৰেমী আৰু ক্রানী ভাষার বড়টা প্রক্রে, কলিফাভা ও নোরাখানীয় ভাষায়

মধ্যে চনপেকা কম প্রতেপ ন্রে । ত্বাহুনী
নহাদ্য বাদালার এই ভারাসত পার্শকা
বাদ করিবার অভিপ্রারে জেলার জেলার
প্রচলিত বাদালা ভাবার একথানি অভিযান
প্রাণ্যনে উদ্বেশী হরসাছিলেন; ভাষায

এ প্রাহ্-সংগ্রেম উদ্দেশ্যক কতকটা ভাষাই
ছিল। ভাগের বিষয়, তিনি অকালে
ভাগাববলিত লগায় ভারার সৈ আলা
কার ফলবতী প্রব্দ না! আমানের
পরিষ্ণে ও গার্ফে ক্ষকটা হ্যানের
পরিষ্ণে ও গার্ফে ক্ষকটা হ্যানের
ক্রিয়াছেন। বেশিয়ান্তেই আন্তর্জ হরল। ক্র

কাৰ্নেশিক জাৰা আৰোচনার পক্ষে
এই প্ৰছ বড়ই কাজের হইবে। ছাব
লাকণে অনেকভণি পালের ছুইলোচনা
কথানে করা ঘাইতে পাছিত।

७२०। (काकिन-मःवात्र।

আয়নিদ পূর্বে একজন অনিজ্ঞিত লোক এই প্রনার পুরিধানি নকল ভরিয়াছে। থানে ছানে ভিছু কিছু বাদ পড়িবা নিয়াছে। বোধ হয়। কেবল একছানেই স্কারিভারে। নাম (গুজ্বেৰ) পাঞ্চয় বার।।

> ক্ষর কোকিলের সাধার নির্বাচনক মনে বলসার। ইরাকিকো) বিজ্ঞানক বার কক্ষর । কুমিকোলাটাই কক এতিন কুমন । কাইকোকাহার বিলা কাহার সক্ষতি। কাঠ বার মুখ্যতি আজি না-বাবি কক্ষতি । কাঠাবার বিভা কবি বক্ ()) বলসক। কোকিকী কোকিক-সভার কঠি হলসার ।

কৃষ্ণ চলি পেল জবি মধুন্য নগত।
বিদ্যালন রাধিকার গাইল অধর (জবাজর)) র
ভাষ পুপান না ভিল লোকাকুলী হৈলে।
চুনিআ কোকিন পান্ধী কান্ধিতে লানিলো র
দেব :---

বিশ্ববিদ্যালয় কৃষ্ণ চিত্ৰ ধন্ধস্থ ।
সূত্ৰত হোলা গৈ তেনা আৰম্ভ চিত্ৰ আৰম্ভ ।
বাধায় হ'ছট সন একতা কই আ ।
কাশ পৰি কাল কেন কৈন ইন্যাইআ ।
কোশ বাধা তেন কৃষ্ণ হ'এ একট স্বিত্ৰ ।
বিনিত্ৰ ক্ষিত্ৰ বাধা কাল্ডৰ স্বিত্ৰ ।
কোশিক ক্ষিত্ৰ বাধা কাল্ডৰ স্বিত্ৰ ।
কাশিক ক্ষিত্ৰ বাধা কাল্ডৰ স্বিত্ৰ ।
কাশিক স্বাধা কাল্ডৰ স্বিত্ৰ ।

কোৰিকাৰ কোলে আড় কোৰি বিজেশন। অন্ধন্যত্ত পাই জেন জুগত চক্ত্ত ও কোৰিকা নাছনে কেখা দুগে ডেই জন আনক্ষে চলিড। চাত্ৰ বৈত্ত ভূমন

এই পূপ্তক লৈছিক। জে যে সাম রাপত । জয়োরে ছে নাজী মাও না কাও চারি ্ হ'চিজা না মাও । । ।

ছণিড' :---

র্কদেন বাংলে রাণা পশ্চিমের পারে।
আরি অনিমানে রাণা নিলাপ কার্
"শ্রীরামনুকাল কোনি। ইতি সন ১২০২
মানি ভাবিন ২৮ জাবন " ভুন্দেশ কানজ,
তকালাজীব ক্রম। ১৮ পরা মার্ড প্রাক্ত
নাই, কর্ম। শ্রাব্য স্পাস্থানা—১৫০।

७२५। निगहित मझाम अहि।

পুর্বে ১০৫০ নংগ্রাক থাঁথর বিব-ভাগে 'প্রোবাজ-ছবিত' ও জিইট্রেটাগ্রেক শল্পান্থটিব' পরিচর দেওরা দিবাছে।
অঞ্চলার পৃথিব বিষর ও রচনা ঠিক ভ্রমণ
হটালেও টহা এডেই পৃথক ইইয়া পড়িবাছে
গে. ইহাকে একগানি পৃথক পৃথিও বলা
ধার। পৃর্বোক তৃঠধানিতে বাহ্নেব খোবের ভণিতি আছে; আল কইখানি
ত্রিহান। আকারও মনেক ক্রা। পরে
পরিষদে' প্রকাশ করিবার বাসনা ক্রিল।
আরম্ভা—

नरम् परमगान्।

सपं नियादेव रेजस्थान शक्त निकास । वारः क्रिकेणि रेजकूर्यः १५० वास ८१ नासन् । अस्य हिन स्वादीस शामार्थे गति बाकास स्वादस्य स्वाप्तित ।

ক্ষান্তিৰে দেখী নানি ভক্তৰত কৈল । নেট দিন খানতি সনিধ মন্দিৰে হৰিল কিন- মগ কংক দিক নিমাই সন্তাদি কংগ্য ৮ । ।

किया यश्च कार्य सिय ।
स्मित्र हान रक्षाणि दिला व
राहारित का रहि रणानाने नामन कविन ।
रान पार्य नेमार्ड हाल हार्डिट राहित रहिला ।
वार्य या नार्व्या गिन नाम निनम्बेरक एडिला ,
कार्यकात का निम्य उटन कविन्य सामित्र ।
रमकाणिन ना रहेव बाहा रेनबालि ना देवका ।
स्मित्र विनय मोन्य कार्य प्रिम्य ना

कति विकार्षे काविकां काटन । एक्न देशमा कृत्य सत्य ह

C441-

कां त्री स्वास्त विकरि हुओ किन क्षत्र चंत्र : स्थान कारीन "तम कृति भूतर कार्य ह জাত বংগে এক জন বৈকৰ ছইন :
তাত সভ জন জান কৰে তিন সেল ।
একখা বুনিআ নিমাই ডোগ কনীন পজিল ।
কৰ্মে থাকি জেননৰে পুলাবিটা কৈন ত মু है ।
ডোন কনীন কৰক বাতে ।
কেসৰ জাত্ৰবিদ্ধ সাবে ।

"সমাপ্ত: সন ১২৪৮ বাজনা, তাবিধ ১৭ অগ্রহারণ, আক্ষয় শ্রীবামকরি নে।" বড় বহির আকারের কাগজে ৫ পৃঠার শেষ। বাজানা কাগজ।

৩২২। রাধিকার বারমাস। আরম্ম:—

कार्तिका श्रांतिका (पार्ट्स केई (केंच्ये १) कह सम । श्रीकृष्ट कृष्ट निर्मात त्यारत प्रतेश कि कांक्य ह मानाम मान्द्रमध बर्च मा निषम नामिया । कृष्ट त्याम मध्यात बृद्दी महम् कांक्यिश ह गानाम मार्ट्सिक सार्ट्स वार्क (वाष्ट्र) मध्यम । मध्यम नक्षत्रह कांक्य क्रम्स कांत्र ॥ > ॥

C48 :--

কাৰ্দ্ধিক মানেত মাধে নৰমক ভিৰি: গোড়েনে মানিগ ফুক উধধ নক্ষতি । গোড়ানে ধানিল ফুক শাইল ধ্বম । কাক্ষ্য কাষ্ট্ৰ পুৱা গ্ৰন্থি মনে ধ্য । ১২ :

क्षिक्ष :--

কৰি মাধ্যে আৰু ভাগ এক চিত্ৰো : কাৰিলে না কাব্ৰ মেন যুক্তৰে শিবিকে ং

*ইভি সন ১২-৭: যদি ভারিও যাঙে ত কাত্তিক ভোক শনিবার মেয়াগ ৩ ডিন বোন।" সদসংখা—১৩২ গানা।

৩২৩। চন্দ্রকান্ত গায়ন।

এই ধরণের এছগুলি কিরণ অনুত-ভাবে বিষ্ঠিত, পূর্বে তাহার একটু আভান বিয়াছি। ইংগতেও গান, কথা, পটা (পটি) প্রকৃতি আছে। পটা বৈশী মহে; কথা ও গান সর্বায়। কথাৰ ভাষা গায়। 'চক্রকার' নামক একখানা প্ৰির পরিচর পূর্মে ১৯৬ সংখ্যক পুঁবির বিষর্ধে প্রকাশ করা গিরাছে। সেই পুঁবির আরু, আনোচামান পুঁবির উপাশ্বান অভিনঃ কেবল রচনাপ্রধানীর প্রভেষ মারা।

এট প্ৰিয় কোৰাও বচৰিজাৰ নাম পাওয়া গেৰ না। আৰম্ভ:—জিছগা। সদ ১২১২ মৰি।

স্থ চন্দ্রকার গাখন লিক্সং।

/৭ বন্দে শ্রীকার নক্ষন বিছবিনাশন;
ভারণ পতিত পর্যান(গাবন) হৈ গনেই ই
লোগ্যম জোগল হল্পড়া হ প্রান্ধন ;
লোগ্যম জোগল হল্পড়া হ ব্যানি ;
লিখি মুগের বেগবানি আমি হি বনিকে জানি
আলান তিমিরে থাকি বিষ্ণ রজনি ;
দ্যা করে মহিনা প্রকাশ ।
ভারণ কারণ আত্ত অত্ত নৈরাকার;
নত রজ ভন আদি অপেতে সাক্ষার;
নিভাগ করিভ করে, হেরল (গো) নক্ষনে,
হিলিভ করনা কর হিন শ্রীকেটা ;
ভিটি ভিতি কটাকে বিনাদ ।

नकिट्दम शाक्षम ।

দরি (१) ক্কারে বাবৃধি ক্ষা;
দিন রাজ হক্তমে হাজির জ হক্ত;
ক্রেল করিনি (१) ককে (কার্ড १) হক্ত কর্মলারি মট হাজ আদ্বি হ্র আহর বালাই। ইন্ডাদি। ক্টরণে ভাল্লা'র ক্ষার্লার এবারক। গ্রিটির প্রোচ্চা, শক্তি মুনি ক্ষা

रहनाक अवरे 'शायाम'डे व्यक्ति क्रम्यान स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप

नाम नित्रक्षन तपूर्गिक क्षत्र क्षत्रमा निक्त सह नित्रक्षमा ; क्षणांकू (१) मूचे गांतिक क्षाः क्षिनवाच निम्यक स्वा (१) पिनक्ष्णांक गांत्रहा ; स्व टोक् क्षणांच गांन क्षणस्क (क्षत्र मून्कि कृत्वि स्व ।

শেষ :— গান্সন ।
কাশাৰ কোনা কর কাহ কিশাহি লোহন ।
কাশান কোনা কৰে জাতি নাম বাহাখন ।
কাশান জানাজানি ২ইতে কাল্ড খাইবে কুলে
একখা রাজা মুনিতে খবিবেক ব্যক্ত আৰু ।
কাননি তাশায় তেবাৰ বাত্ৰী কি মুখাচ ও বাচাধনঃ

"ভূমি ত সুবোধ স্থান। (কথা।) ভবে বাছা কিলোৱি মোহন। ভূমি বোকি-নিকে নিচ জে বঞ্জ ইশ্ম কৰ; নগো ঠাকুয়ানি ভবে নিচে চলোম। নাম বিধিতং।"

শুন্তব্যানেই গ্রন্থ সমাপ্তি কি না, জানি
না। পরসংখ্যা > ৪ : ররাণ ফরম অপেকাও.
বন্ধ আকানের কাগনে বহির আকান্ধ :
চন্ট পিঠে লেখা। নিপিককের নাম নাই।
"এই বহির মালিক ক্রীক্টিচরণ পিছবে
বাবক্ষত নাকিন নাকপুরা থানে পঞ্জা।"

৩২৪। রাষ্চন্দ্রের ক্পমান। বাংমানে ভারম্ভ,কিন্ত এবানে কডকটা নাই। কৈশাবের কডকটা এই:—

কোন সোলে বিশ্বর্ধ এ বিদ্য এব জাল ।
নিকা সোকে রবুনাথ করছে জোননান
কব বিনে হৈল দেবা প্রতিবেধ সম ।
ভাতি করি রাজা জানে বিদ্য সম্প্রিয়া ।
ভাতি ববি রাজা জানে বিদ্য করি নার ।
ভাতিবন সংক্ষতি বান যুক্তি করি নার ।
ভাতিবন সংক্ষতি বান ব্যক্তি করি নার ।
ভাতিবন সোলা পাইল পোনন কুমার । । ।
ধানীবনৰ সোলা পাইল পোনন কুমার । । ।

কাতিক বাসেঁও বাম বৃদ্ধ অবস্থে। বিভিন্ন বালা হৈলা ক্ৰয়েত বিসেব ৫ নিকা পরিক্রিকে মানে-মাক্রেমের হোজে।

মূত করি নিকা বৈজা হোনে সব চলে ও

একেন রূপ নৈরা জেন বাউর বৃত্তি।

সদলে মান চলে বোলে চল নিজারতি ।

বালক সকল পত্তে করে বর্তারতি।

কিনে মাকার হৈল চভালের পূজি।

কোনা গাঞ জেনা হুলে জীরামের ক্রনার ।

সাগ ভারে পুল বাবে হৈনুকে বিধান ও ১০।

ঁইতি শ্ৰীরাসচন্ত্রের গগরাধ লিখন সমাধ্য। ইতি সল ১২০০ মাথ ভারিথ মাহে ২রা কাতিক রোজ মুক্তুরবার কেরাধ ও তিন দিবদ।" ভণিতা ও লেখকের নাম নাই। গাঞ্জায়ালয় ভ্রম্ব-সংখ্যা ৫৭।

७२८। बाधिकांत्र मानस्म ।

वरे व्यवनान वर-कर्ष् "वालानां व्यानिन व्यवनाने"एक टाकानिक स्टेसाइ ।
गमारनाज्ञमान भाकृतिनिएक देशव 'साविकात्र मानकर गाँते 'करे मान किस व्यादाः वर्णन मानकर गाँते 'करे मान किस व्यादाः वर्णन एक मानक व्यादाः वर्णन एक वन्न मानका स्थानिक वन्नान वर्णनिक वन्नान वर्णनिक वर्णनिक

माना नामानाक माना । ज्ञान कीवारिकास मानाक्षण नहीं निकार्क । नामर किवारि रेनमुद्दे प्रतिमार वर्षण म ४ ० मानाक्षण पंज नामान केव पान द्वा माना के মূলিনী-জনবং জয়লং • • • • • সঞ্জন^{ক্ষ্}
 শহতিরেকা ভরতি ভরাব্য-ভরবে নৌকা #

মান করিয়া রাথে বনিক বিরজে। ধরাচুরা বাজ্ঞা কৃষ্ণ সেলা হেন হাবে।

>म श्रीका 8र्थ भशकि— আউর নরানে গোপী খ্রাম অঙ্গ হেরি। 👀 স্লোক। কালক্রণ হৈত্রি হাবি। थ्य (ज्ञामा २३ ल्हें--আধি অন্ত (মৃত্যু 🕈) ভেদু অন্তরে নাহি জার के आहा के महि-बगाम हाकिन चावि। १२म ह्याक । **३**ई मःकि---তথাত ৱহিৰ আমি মনে কৈলু আশ। ३२**म (आक ।**—8र्च नःकि— ভোষার প্রাণনাথ দেখ অকুর্ল ছবত। 28 क्षाद । **अब ७ वर्ष** गरकि--এৰ বড বান ভোষার না ২এ উচিত। क्टर (क्टन इनवड़ी बटन कर रचन । रदण (श्रीका अस गरकि---मिन्स्का संब देखि यंग त्यात्र हिन। २०५ त्याका वर्ष गः कि-शाबिद्धक धन दक्षन इति निण विधि। रम्म त्राका अमन्ति-হাতের সুরারি • • • • পেলাইল টানি। क्ष्म आक् व्य गर्शक-नीन गरवाथन हाकि गिर्देश स्वयं हाकि। अन्य द्वास । वस शरकि-CHITETACH WEE WAT ৪০শ রোখ। তথ পর্যক্ত কালদ্ধন মল কৈল পৰি ছবিতালা।

** CHIT! --তোৰাৰ সমান ছট আৰু নাহি দেখি। আমার কণাল ঘটে ভট ভোমার দেবি 🐎 864 क्रांक। ७४-8**ई शर्क**---পতিত্ৰতা দক্ষী তুমি দৰ্মজ্ঞাকে বেয়েল 🛊 : बगहर छनि करा পতि सर्क किएत । 86म त्वाक। वर्ष गःकि-* * * * * वहिलाम निष्ठम । ৫০তম লোক। ২ম পংক্তির পর— প্রভাতের মেঘ জেন থাকে অরক্ষণ। প্ৰন হই মা স্থা উড়াত জ্বন 🛊 নারীর মন বিদ প্রায়। (१) কেণেক থাকিবা ভা A I कूम्ण कामान (अन Cबान (Cबार ?)क्रम्बिके **5ले प्रथमान दक्षन इ.ज. लाकाणिति ॥** ८८ उम (मांक। अम शरका----कुन्या व द्यारमन भगति मान द्यां कृषि । १६७२ त्याक । २४ शःकि---ভাহাতে কালোক্ৰপ দৰে বাধানিক ৷ ৫৮ত্রম লোক। ২র পংক্তি---তোমার হরি ক্লক এই ভব কান ৷ ७ - उम ट्याम । अ गार्कि-यानव समय वर्ष अ महीमश्राम । ৬০ভম স্নোক। ৪র্থ পংক্তি---वर्ष मा विकास नाहि मान काथ काणि है ७८७म (मार्का । **२**व शास्त्रि--• • • • কহি আমি ভোমার গোচর k ७१७म त्यांकः। दम-७ई नहीं कृति त्यांना कांगा कांगा । क्शंड क्रिक्ट कारण है **७०७४ औष । अर्थ नर्स** निविद्य का 🕶 🔸 १- उम क्रीका वर्ष नहिंदा बांट क्या स्वामा शान

কোপ করি বসি আছে রাখা কমলিনী।
তাহার নিকটে বুঁলা কলিও হরিণী ঃ
হহার সমান উজি নহে তল ।
থাবিন নদীতে কেন উঠিল তরক ॥ বু ঃ
কাধার বচন তনি।
কা বুলা হৈবা অভিমানী ।
নীত্র করি বুলা সতী করিল প্রান ॥
নিপার নাদ তনিআ তে তুলল প্রাত ।
উপনীত হৈল গিয়া শীহরি লখাত ॥ বু ॥
তন প্রাতু মোর বাণী।
ধেদাইল বিনোধিনী ॥
তন হরি লখ ॥ ॥ ॥ ॥ বচন । ইভামি।

৭২তম শ্লোক। ২য় পংক্তিয় পর— তোমার প্রশংসা আরু না ভনে প্রবশে। ক্ৰফ নাম গুনি রাখা হাত দেই কানে ॥ १९७४ (अ.क.) ६म-७ई श्रीक-ट्य पानि हेन्द्रवर्थ। **চাन्स्त्र माध्य देश्न दश्या** ॥ १७७म (क्षीक। अप-8र्थ भरिक-**শ্বি**না হেড় • • • • **এথা**এ। * * * * « **>**무 아(종 --৮৪তম প্লোক। • উঠিল বলিয়া। ৮৮তম লোক। তর পংক্তি-বধুবতি নাম মোর ক্লফ নাম লগি। পতি পরভাবে মোর * * ৮৯তম শ্লোক। **৫ম** পংক্তি---্_ল মোৰ শতি শ**নিক্ষপা**। ্রীক্ষাক বিকা বে কহিল আমারে। 2) OH (#17 |)#-41-44-58 91@-

'ৰুবিদ্ধা পুলেবর বাণ পতি গেছে মুর।

প্ৰয়েশ্ব ফলিকা জেন ভইলেক স্থিয়।

ত কৰি গড়ে আদি।

তথাপি না বাইসে অনি &

তথাপি না বাইসে অনি &

৯১তৰ সোক্ষের পর— আয়ার বচন রামা ওন ভোলা কহি। ইহার সমান হংব ওন প্রাণ সই এ না করিক বভিমান চিত্ত ধের বেয়া এ অধনে কর্ত্ত তাবে আপনা মহিমা ৪ যু ৪

৯৯তম শ্লোক। তম পংক্রি— श्यांकृत्त कम स्वरि शिकांतिता बन । > २ २ छम स्माक। अर्थ भर्शकुरू---ব্রকা হরি হয়ে জার বিতে নাংর সীমা ১ ১১০তম মো**ক। ৬**ঠ পংক্তি---माजिसनम देवना त्मारेत । ১**১৬তন স্নোক তর পংক্তি**---থেপে থেপে মনে আমি করি অনুমান ১২১তম শ্লোক। ৩ৰ গংক্তি--স্বাধার মানের হেড় বৈদেহিনির ভেক। ३०२ टम (ब्रांक । व्यानक नरकि----ৰনমালা তেজি গলে ৰেয় হাভুমালা ৷ হত তুমি ত্রিপুরারি। >৩০জন মেলি मान किया गढ हाईचा। >०९७म (श्रांक । धर्य-६म ७ **५ई** नर्रिय থিনাএ পীড়িত বইআ • • •! সতি ভাবে না বুজিল। द्रिशात वाहिस देशक ह 28२ खब दशका विकास करके अरक्ति ध्यान कवि जिल्हाहि। यात गूर्व केश्रि ।

३५० छम् और्ष । ४४-७३ शाह

त्यांनी त्छन देशन दक्षि देवक्रदर्शन वार्थ

আৰ্গে থাকি ছেৰগণে করে আছ

(আমাসিক)

শ্ৰীনগেন্দ্ৰনাথ কৰু

>७९।> वर्गक्रामित शिर्द

ৰখীয়-সাহিত্য-প্রিম্ভ কার্যালয় হইতে প্রকাশিত

मृही।

ो विक्रिक्डम (अडक्तांग अश्रामामार)

वक्षाचारा क इनिष्ठ का बच्ची, तीर्के छ मुत्तातीत नक (धैनतानक्स निःह)

मेंत्रभन निरद्धत श्रीमाणावा (अकारमञ्जूमात मसूमगात)

८६ च-वांत्रावती (अक्षेत्रांतरात में कार्यावांका)

हैं [आडीम ब्लोक वातालमीत क चानि हित्र अवर नवाविक्रंड व्यापानिनित्र काविक्रंड **उद्यामी (इरण जुजान वीची (क्षीमानक्रम कविम)**

नार्वात्रगरंकरवत्र शकाबी (अविक शीनकाम)

किकाल

गर वामक्त किएक्स जान, क्रामनकृत "विकेटकाव-८ के.म"

र्गाच्या पांत्रवाता के जिल

क्लीब नारिका-नारिकास्त

১৩১৩ সালের কর্মচারিগণ

मान नी विश्व विश्व महम्मान विश्व असु अ, जि.सन् (मक्कान के)
स्वीद्धानां के हर्षे
स्वीद्धानां के हर्षे
स्वाद परणामाधाः वि, अन्

কার্য্য-নির্কাত্ত্ব-সমিতির সমস্তপণ।

वरावरहोगीशांत जिल्ल हळकाच वर्गावकात

ग्रिट्ट्स विव अप, क,

महोनाज्य विष्णापुरत क्षेत्र, व दीराक्ष्ममाथ वस जान, व वि, वन नवरसूत्रात्र वात क्ष्म, व, नोट्यांगटामार विगाविद्यांग जान, व वात देवहर्षमाथ वस वाश्रीय व्यवस्था वस महिला है। दरमञ्ज्ञ वस क्षम वह वस वह वन क्षान स्टब्स्टिन वस्तार (यह समी मन

১৫৮তম প্লোক। ১ম পথক্তি—
ক্রমত ক্ষমর জোকী না ছেবিছে কেছু।
১৫৯তম প্লোক। ৫ম—৬ই পথক্তি—
ধেন মনে অস্থ্যানি।
নেহ হক্ত অভিযানী।

১০০তুন লোক। ৫ন—৬৪ পংকি— হেরিছে তোমার মুখ। বিশ্বত যোর বুক।

১৮১তম হোকের পর—

তীর্বাধী হই আনি হুখের নাহি কাল।

নিরবনি থাকি আনি তপরন নাম।

ব্যাহচম পরি আনি বল্লের নাহি কাল।

তম্মের গাররে ছাদি করিও বিধাল ও মু।

১৮৯তৰ শ্লোক। ২র পংক্তির পর— কেই আশা থাকে শীহ্র বোলর আমারে। সেই ধন বিশ্বা আমি ভূনিব ভোনারে। ধু। ১৯০তন শ্লোক। ধন পংক্তি— ভোনা ছবি ধশানন।

(44:--

আমারে ছলিবা তৃমি মানের ভারণ।
বলিকে ছলিবা তৃমি (জেন্দ্) হইরা বামন a "
বলিরে ছলিবা জেমন।
মান জিলা পাইলা জেমন a
শীরাধা কৃষ্ণ বিশুন হৈব।
শীর্ষণানশে হরি বোগ a

"ইতি **জী**য়াবিকার মানভঙ্গ পটা সমারে। ইতি সন ১২০৩ বং ডারিব ১৫ আরোন।"

এই পুঁথিতে গ্রোর নব ছবেই উভন পুরুত্র ভবিষাতী জিবার কেবে 'যু' আছে ; মধা,—করিব – করিবু ইভাবি।

७२० ि अविनाटमत मुख ।

षात्रक :--

विश्वति । वृद्धिनारमञ्जूत्युक्तः । श्वत्र पन पदे शन पात्र रसेन श्रमः । सन एक वर्ष श्वास (मानक्ष्मका) सक् (नागान सक (मान (मान पर्मा स्वमा) । पहेक्टन मानुका (मानि पटन (१) रेक्ना) ।

ভণিতা 1---

ক্ষীকৈজ্ঞ কুপার করে বীন রাবেধর ঠ ভক্তিভাবে মেবা খনে মুক্ত সেই নুর,ঃ

শেষ :---

খোল নামের হত এই ক্ষিয়ান জোরারে এ ক্ষরীতে এচার নাম জীব ভরিমানে এ ভত্তবংশ কোনা বা জনে করি নামের ক্ষা । ভাষার হাজের করা এল বিঠানুর কুমা । হরির নাম হেল করা বা জবে ক্ষণিতে । চৌরাতি লরকের কোন ক্ষোবার ক্ষণিতে ।

'এই স্থা গাৰু।' গেধকেয় নাম ও তারিখ নাই।

०२७। यज्ञभ-छन्।

जात्रस :---

ক্ষণ ব্ৰহণ্ডৰ এইছ ।
বৰণে বিজ্ঞান কৰে বিজ্ঞানত জন্ম বুগল একৰ কৰা কছত আমালে ।
কিল্পান কৰিবে সেবা কৰে কাল মান ক্ষি
ভাষাৰে কৰিব সেবা কাৰ কোঁম বাব ।

(44 1---

राक प्रस्त कांच वेकांकि मानग्रस्त स्था । विद्युत्त प्रस्त कांत्र कांका ३ और क करियान किंद्र कंकांत्र विद्यान्त । विद्युत्त कृती विरम्भक्ष पुरस्त कक्ष वर्ष ३ मान ३

क्षित्र के व्यक्ति गाँह। स्थापक विदेशांबाद्ध स्थाप । स्थापक श्रुपक रम्पाः क्षित्रका कार्यः। स्थापका रमाहे महान क्ष्मिका । स्थापका

🌁 ७२९! 🎢 कि अडेल 🍱

देशदेव १५ चूहनर । निष्टि त्शांज्य निस्कि:

> a किम नियाब एक मनक्किन का आ। लानी मात बालनात पन युकारेबा । शामाल महि छान । याः निम्मा मरा । क्षाकर्राभएल वर्ष भडे कहिलाम (ए)मा(१ ह

C48 :--

कक रिद्रान पाता नराई जाना विना गंबा ह विका र ऋण परित १ छ। महर्षे खरूम १ भाषि क्षिम खर पर नहीं है कि है हहता । क्षा िया अल्लान, त साहिक प्रकार , अल्ला स्थिता महि। स्थिताते ५६००० ্ব'লির শ্রু : **মেটি** পরার চরণ সংগ্র 88 **%** .

१२५। भिकासम

आवश्व - वेद्या श्वास । तकात्र १ अध्य निकार ।

配槽数 "大概" 临下的 一件。 有性限例 《卷/卷八首]用名针 と思いて अर्थित अर्थना किल्म्यन क्षित्र भावा त्यह विक्रांता सम्भाग नवावा।

> पश्चिम १७६ मिठारेनच रूपच महिला 水化碘化水 左侧片 数 無法 化流动温温点糖 華 क्षील १ ५४७ वसम् इर्ष्ट्रमण्डलि । m e uniu inim mie ubaife fi, mifge e 根据 图·文·环·理 海岬湖 · 何·日本 · 如禮 · 職]年 · we care, the time that wife armine a 本"中"董中 新维州·特 以打印电台 自知。 中心 नदरिक्यामि कन्यम स्टब्स्स (स क्षूर्य ४ भवा सर पुरे वाराध्येत अञ्च दक्षांत्रको । অৰ কুলাল লিক্ষাৰ স্থা ব্যৱস্থাৰ প্ৰাষ্ট ১

· 實施 上教師 (大) 學 新 新 新 新 大 () 新 新 () 新 () िकारक व्यवस्था कार्यस्थ स्थापि ।

मनि महिम्छ हास त्यांका क्रिम माकार

- শিক্ষাভক্ষ গত জান আমাতে না হৈল গ यम अठी मरङ्क प्रविश्रो (काश्राव) व्यक्तिमकारम साथ ार्गाट्स स्थानाम सामानाम ।

*****。(呵可:---

८३ मरण निका वर्ष कतिना क्राध्य । करि महेक इंट्रेस अप करिश तहन ह , व्यक्ति काली संबंधी है जिसे देखेल कुछा । BE HELD WINIT BENTLE (WINI & के व प्रतान कामांत Co । कान एक मांहे । gr. and Asaca cuica che bis a -不可。并 群行哪么是 管理(基础 情報)。 लाबुद के लेक्षेत्रव महिलाक है है क्या । क्षि रम क्षेत्र कुछ स्थि क्षा क्षक्ष । ভক্তিত সংগাৰ ৰাবে আৰু বস্তু ৰাই চ कति काल नाव नित्र किंदू मुका हव : महम तिन प्रव अवा वृस वनश्व । तमें जान (भार कोई गंदकान क्षत्र ह केरण 'उच्च रहरा भिन्न कहार छान ।

स्थित कार्रे । रामक केक क्रेमांस5ल २०१३६ वरतत मुस्माह दनमा . narini io, green aine, fife मामात्र। अम निर्मं ताना।

> ०२२। नृजन एक-यक्का (414 1)

41 4W: --

मध्य ३२ ३२ वालि ।

C TECHNIC

थ गानि मांगा दगरमका केलाएक जानि । CONTROL HICE COR COCHHI GRIFA. ्टोन 'ट'मानाना **प्रदार का**ना ACT & CT & MICH STEEL CT AND MICHAE CASE क्षति कारणंती । देखादि ।

यात्रामा अधिक विक्रीन।

माननी।

গিরি গৌরি আমায় আইনাছিল। বংগ দেখা নিএ চৈডভ করিও, চৈডভারশিনি কোধাএ গুকাইল। ইন্যাদি।

শেৰ :---

भाग।

ন্ধাৰে লাভ ইন্চ's ভোষাৰ তুমি লা নাম । নিত্যান্ত নাইবে কৰি আমাৰ তবে কা কেন । নীট ভিডি প্ৰগত কয়, অনন্ত বজাও ধয়, ः ভটাকে কয়ি গায়, এ ডিন ডুমন ঃ

71H 1

কোণাঁও লাও উবা এমন কেনে প্রণত স্কর্মনি কৈনান প্রত্তি বন্ধ কৈনে, লানে কোণাঞ বোল বৃদ্ধি। পুনাঃ নাম ।

"এই বহিন্ন মালীক সাইচন্দন নাস পেকত পিছনে বাদবরত চৌধুনি, সাকিন সাকপুরা ভামে পাইকা।" ভণিতা নাই;

৩৩০। জনাম-চরিত্র।

ক্ষ পৃথি। প্রসংখ্য ৬, ১৯ ও পেব পত্র এক গৃঠে লিখিড। প্রসংখ্য প্রায় ১১২ বিক পত (পরত ?) রাম ও ক্ষকিকন সানের ভণিতি আছে।

wire :-

नय क्रियंगांचा नम ।
चार्य कृषांच प्रविद्ध निकारण ।
वांगकृष वांगकृष तांग नर्गक्षा ।
चांगरण प्रतिचा कारेगा त्वकृष्ठ कृष्य ॥
वांगरण प्रतिचा कारेगा त्वकृष्ठ कृष्य ॥
वांगरण गांग कारेगां वांगर वांगर ।
निकार कांगल गंग पूर्व जांगि कारे ।
वांगरिक गरंब करत कांग गंग गुर्व कांगर ।

ভণিতা ঃ—

- (>) पिस गर्नुबाज करा. कृषि असू क्या मन, भागवे जा यह गाहि सहि।
- (२) व्यक्तिय साम कार, कुछ अक् स्वां ४४, दश वाद्य वर्ष में वाद साम १

► (44 :+-

पून पून कथ विका पूनर कान है कप क्या देनम तात आयू में शंक्य है और तम करिनाम किया जब जनांशह है क्य क्या देनम अपू कि चर्मिय खान है त्या क्या देनम अपू कि चर्मिय खान है त्या काथ त्याप पून पूनांग हिन्द है इस्म इत्त मांथ बारम (१) चांका हथ स् विकाई

"ইতি বৃদাস চরিৎ পোক্তক সমান্ত। সন ১২১৪ সং তাং ২ আছিন হক খোৰ।" মোট চই ছলে পর চয়ামের ও একছনে অকিকন দাগের তনিতা। লেখকের নাম নাই। কিছু রোধ হর পরবর্ত্তী পুঁথিওনিছ পেকক নিত্যানক সামই ইবার কেথিকার পের উপর ইবার বড়ই কোঁক।

৩০১। হাই-পদ্ধ।

বানবোৎপত্তি ও নহন্দ্রীয় বোগবিষয়ক কুল এছ। অভারবিনের ক্ষর্ব্য কোবা। বালি কাগম; এক পূর্কে শিধিক। প্রা-সংখ্যা ১১। শেষ ক ক্ষনিকা নাই। শিক্তি পোর্তন।

मात्रक :--

নগ বেখানিত এড় ভোষার সহিত।
কেন্দ্র সহে বাল ছবি কেন্দ্র বাবে নিত ।
ভোষার গলের গোরের) ভারতা সকলের উপর।
আগবার ভনের কথা বাহি কিছু পর।
বানভার মানার মানি লেখিত ভারতার।
কোনায়ক নিত্র আন গ্রন্থ সামার নাম।

मरायुग :--

त्यांगा त्यांक वह कहि किया विश्व केवल पांचील विद्यागिक क्षित्र कारेट्स विद्यागिक स्टब्स्ट स्थ्यां कार्याट व्याजात कार्या क्ष्म स्थान कार्याट व्याजात कार्या क्ष्मका (१) । विक्रित्रिक स्थान कार्यात क्षमका (१) । ১১শ শবের শেষ 🟣

विक्रिक शबूक वीरे करत कवाठात हैं। न क्षेत्र कीरोड्डिक अक्टू गरमाद माजात ह

খনৰক, বোঁধ হয় প ওরাবের আনি পতিত নাং বৈরার। পুঁবিখানি বৈরার মুখানার বৌলুটা জীবুক একালোলা নাবেবের নিকটে আছে।

ভাল কৰা, উক্ত মান্ত্ৰাসায় বসিয়া এই भू"बिर विरुद्ध मध्यस्य मनम् मनगरवरी **७** চাৰস্থাপর স্থতে অনেক কথা ত্রনিলাম। উক্ত যাজালাট বে পুৰুৱের পারে অব-विक, कार्राटक 'कान कावाहरत' लखन बर्ग । पुकुरबद कर बिक्रन 'कामु'व मुख िं पिया वरियारह । पुरुष्ठी **अव**हे भरेवा गांधवाद, फोटाटक वरेटक्टा यक भूकता और कृदिनहरू कड़ पूर्व गर्विकारवंद्र 'बांगव क्रिकेंद्र' कर-বিভিন্ন দংবাদ পাওয়া দক্ষিতেছে। ইাদ मबागदाब अकड़ि बार्डिय शानक देशाय च्या राज निर्देशिक एत । किंद्र प्रतर्की हीशाउनी खारन हीर नवाबरदा खावात रीयी बार्छ। देशंत्र नार्षदे क्ववीन मार्य এক আৰু আছে: আৰাহ 'বেছা বোপা-नी हैं पार्टिस क्यों के क्यों बाद ।

অধ্যনা সৰ্ত টাপাড়ৰী ও ঋণবিদের (১) নিকটনত্তী। এক সমূহে বৈধাণ বাড়তি প্রাদের নিকট বিরা সমূত প্রবাহিত ছিল, তাহাত জনেক নিক্দি (মহধ্যকত্ত छत्रावरणय) जाज व लाख्या वीत्र । स्वाक्ष् कांक्रा (वर्धनाम स्वाक्षकांक्रे) नामक कारम जावाक निर्वित वर्षक, छावा छ नारबर्ध क्षणाडे । धारी निर्वा विरवहना कवित्रा रवित्रण, क्षेत्र नामानवरक कवित्रा वालि वित्रण केंक्ष्मदेश विरक्ष वेश्वन धारवित्र मनना रवीत्र कालकात्रवामांक्री क्ष्मेश्वारवर्षे वरेत्राहिन, वनित्राहे राम करम व्या

७०२ । रःगंत्नाच्न-शवात्नाच्न-पर्शादारम् ।

পুর প্রক । পরসংখ্যা ১৯; প্রথম ত পের পর এক পুরে নিবিক। প্রসংখ্যা প্রায় কক। পরায় ত লাচারি হলে পেথা। লাচারিক পরারের মত, বিদ্ধা অক্ষরসংখ্যার নিবম নাই। কোন কোন মুলে উভয়েরই অক্ষর-সংখ্যা প্রায় ১৮/১৯ প্রায় উটিবাছে। তং-কাল-প্রচলিত পত-বিবম-বীতির অক্ষয়তি ব্যায়া, না, রচনিতার অক্ষয়া-বেন্দু, এইরপ হইবাছে, ব্রিনার না। হত্তনিলি আপ্রকারত আধুনিক।

न्तांतक :---सव वहननाम् सत्र । न्यरनटनाइन (१)नवहनाइस्ततः वर्षे व्यादनास्त्रक

> বাক্ষণে পানিস কর বাব ক্ষমন্ত্র বাচন। ক্ষেত্রত বাক্ষ মান্তা কালে মান্তি বিজে । স্থোধ্যতোক বাক্ষি মান্তা কালে বল । মুক নামকে পুত্র নামক্ষিত্রতার কর । কোন কালে মুক্ত নামক্ষিত্রতার । কোন কালে মান্তা মুক্তির ক্ষমিন। মান্তা ।

CHA 1--

· 4/.

कांविक देवनं क्रंग क्रंक शांवाका । बाविक देवनं करण साथा विकित्रम । बाव क्रंम प्राप्ति देवनं क्रंग सामक्रम विकित्रमारक नीम्र क्रंप्य कांवितारिका

अनुना पूर्णियक रूपण मन्त्र क स्वापी स्वापि देव कार्यास्त्रियां करों स्वापी देव कार्यास्त्रियां करों स्वापि देव कार्यास्त्रियां करों स्वापित स्वापीत स्वापी

बाम बांच त्यांनि मध्य एति वृद्धि द्याम 🛊 🔑

"ইতি হংগলৈটেন পদ্যলোচন পুত্তক সমাধ্য; সন ১২১৪ তাং ২৮ কাজিক বুমক্ষর শ্রীনিত্যানক প্রীং অভকাচরণ সাংসাকপুরা থানে গটিলা জিলে চট্টগ্রামংশ

৩৩০। দৈবকাঁ দেবীর চোডিশা।

আরম্ভ ভাগে অর্থাৎ ক হইছে 5 পর্যায় অক্ষর গুলির পথরাশির কভাব। তংশর—

ছন্ত্ৰ নিজ চইনাছে সন্তৰ দিখটে।
ছানা নিয়া বধি সোৱে নিৰ্ভ্য কৰে পটে।
অসোদাৰ পুত্ৰ অসমিতে ছেন জান।
অঠোনে ধৰিছ পুত্ৰ দেব কগবান।
অসীনা অস্ট্ৰের কবা কহিল। নাসাত্রে।
অঠোন বগলে পুত্ৰ ভোষার বস্তরে।

C44 :--

ক্ষেন্ দিরা × চিত্র বৃদ্ধাইকে।
ক্ষেনে ক্ষেনে দৈবকিত পরাত্র ভূমিতে।
ক্ষেপিয়া ক্ষুনা পার ক্ষুনা নারারণ।
ক্ষিম কাম ব্যিয়া বৈবকি স্থাসন।

কশিতা :--

বিদ ছিল পাথ দল কুলে উত্তপতি) ছলি কিঞ্চ (কফাণু) নিধিবাদ ভারার সম্বতি ঃ

'ইজি শ্রীষ্ঠি গৈবজির চৌডিলা শ্রান্তঃ।' লেবকের নাম ও ভারিণ নাই। সম্ভব্যায় ১২১০৷১১ মুবীর লেবা। প্রান্তপ্র সংব্যা ৫৬ মাঞ্জঃ

তেও। হাড়মাল।

क्ष श्वकः नव-मानां ১१० मात्रः का-मानाः कः अन्य गञ्ज अक्षुकं स्वताः क्षित्रं मुख्य भारतः । बहुत्वः, गार्थः रका अवृष्टि विकिशास्त्र । क्रिका नार्रे वार्ष्ट :--

सम गीत्मा क्षिणिक प्रश्निक हैं ।

अन्यां विक्रिक प्रश्निक हैं है ।

अन्यां विक्रिक प्रश्निक है ।

सार्व वाणा क्षिणिक प्रश्निक है ।

विक्रिक क्षण क्षार प्रामादित । (?)

क्षणिक क्षण भार प्रामादित । (?)

क्षणिक क्षण भार प्रामादित ।

पारे ता भारत है ।

क्षणिक वाल विक्षा भारतिशास ।

पार नोड प्रामा वाल विक्षा नाम विक्ष

শেন :--
তবে বজ (বড়) করি মন নিব সেইজনে চ

সেই নিরক্তন দেবি কানিবা পঞ্চলে ৪

সেই নিরক্তন আড়ু সেট নৈরাকার ৪

অনম কোট রক্তাতের সেই অধিকার ৪

রক্তা বিভূ মহেশর ভাষর কাহারে ৪

কোনরূপ নিরক্তন ধর্মইতে না পারে ৪

কার মনে কেই কর সেই হর রূপ ৪

বই সে পথন লোগ কবিল সর্প ৪

"देखि राजमाना भाषक मुनाई : 8 : मन >२>8 मर खाँ रह जाचित, चल्लाव कैनिकानक, गैर सक्काल्डन मेर जाक गुज्ञ धारन गर्डिका बिरम रहेशामें स्क मानिक कैनिकानक बामक 1"

०७६। त्ययन्यपुक-मगा-् त्यारक्त्र भूषि।ं्

रविश्वम चाकरा-विश्वमिक तके सहस्रव चात कृष्यांनि श्रीवित महिन्द्र महिन्द्र त्राप्त कृष्यांनि श्रीवित महिन्द्र कृष्यि तक्ष्या । प्रतिवृत्ति त्यारे कृष्ये । देशा चारा महिन्द्राह्मिन स्वक्रमानेस्त्रव्यक्ष्य त्राप्ति त्राप्ति कृष्ये । देशाये हार्वित्या रमाराष्ट्र विश्वमित वाष का निनाति विदेशक,
ग्रेंबिक कर्क बाद्य निक वना होत मा ।
यात गर्नारन के बाद्य निक वना होत मा ।
यात गर्नारन के बिक्रांक, क्ष्र के क्ष्रेष्ठ अन्य
ग्राव नर्ना के विक्रांक, मध्य ग्रेंबिक धार
क्ष्रिक के निक विक्रांक, निक्रांक भारति
विक्रांक, मानवान खर किन्नो क्ष्र नेवार
विक्रांक, मानवान खर किन्नो क्ष्र नवार
व्यापक वायदात लाहतः मारावाक हरनास्तात मुद्देख रहनाः—

মাল্যাপ-

ক্ষাকিনাৰ, কৰে গান, বেহিজান, বাছ । মণাসত, কমি কীম, প্ৰান্তিক, কাল । বিশ্বীকৃত প্ৰান্ত—

> चारत श्रम, कांबू क्या, मां करना किहा। कांव कांगा, कह कांगा, कांगिर ना बात ।

কতিশা শশ-সংগ্রহ;—বছিন—জা।; তক পর্যান্ত; বরান—বাাথান; বিরানা— শিচর বা শীর্মদেশ; থাকেন—ইছা; আন্দ —মহন্তানী; দেক্—বিরাক; তাকত —বক্তি; লাম্মেশা—সম্পেত্বা লাগনা; ছানান—সাম্মী, ক্লেশ্ছ্মাত—বছ্লিনী; বাহানি—জামানা; এনান—বছ্লিন।

উদাগ—উদ্ধানত। মধা—ং প্রমের সাগরে তরী বিশ্বোদে উদ্ধান।

महर नगंकितः वर्गाः -- विश्वः त्य गनादे तम्यां नां वत्र महामः ।' वर्गाः -- यात्रे, नत्रवानः ।

> रमसम् प्रमुख्य कथा तका क्षत्राति ।' कथन मारान मारत दिल औ मानि ।

CT 9 4 47 1985 :--

িবিজ্ঞান নাম্প্রাক্তাক করি মুক্তুবর হ'

এক পানত কের্মের বিজ্ঞান ব্যক্তি প্রাক্তির হ'

বিবাস করাই করে স্কুত্বেক বিভাগে ।

সাপান করাই বাব চাবারী ক্রাকে ।

উলিবেও বিল গুড খারর সমূদ্ধ । বেরিরা সান্দা খুল আরিজ ভোজুজ । বেরি পুরুষ্যু হৈল আলমারুর । বালি আসামার আল্ রাজ কলন । নোজে সামানকার খোনে বারিউদ্দি নাম । বিশ্রেরে অস্তর্গত কুমিয়ার বার ।

नगांधं शृक्षकः

७०७। छूर्गा-विकन्न।

বড় এছ। শত্ৰসংখ্যা ৬০; উত্তর শিঠে শেখা। শহসংখ্যা গ্রাহ ২০৬৫। শাৰম্বঃ—

मन गरमकाच सकत नम विकासकादि सन । चर्च विकासकादि सिम्मार सिम्मार ।

আৰু বাং গ্ৰণতি বিশ্ববিদ্যালন।
নক্তি গ্ৰহতি কান কুনিক বাংন :
নিশ্বে মডিড কট: অডি লোভাষান।
চকুইনিকে দেবগনে ধরিছে জোলান।
নক্তি কান্তে কান কান কিবান কিবান ।
বাংকাৰ আদি কহি গলে কানি কানে ।

ejm :-

नगहरूप बार्ज जिन्छ भागा । क्य कामिमा कवेरक जातिक कामा

C44 :--

तान विने विनान हिन्दे गरम वर्षोदेश गांदर देशने विनान विनोत । नियम साम्याद नांत क्लोबा ह्यांते औ परम प्रवाद नांत क्लोबाया । याप पूर्ण मा विशिष्ण विने पान विके पर्याद प्रवाद पात विने प्रवाद क्लोबाया । स्वाद प्रवाद पात विने प्रवाद क्लोबाया । स्वाद क्लोबाया क्लोबाया ।

The Maintelephon was price tracked Table Creates colors state on access the six of the states শ্রীনিভানিক পীং সভ্যচরক সাং সাকপুর খানে সংগ্র জিলে চটগ্রামি ছক মালিক শ্রীনিভানিক মাস দেকত মি" রচম্বিভার নামটা 'বনওল'ড' না 'বলগুল'ড' ।

৩০৭। পারিজাত-হরণ। আয়ন্ত:—

> নৰ গ্ৰেশাত নম। অৰু প্ৰবিজ্ঞ ইবন পোক্তক লীক্ষতে।

পানিবাত কলা কথা বাল গুনিবার :
বিজ্ঞানিকা আদি অজ কল পান্যার ল মুলি বোটো পোট কথা দল বিবস্ধ :
কল বিজ্ঞানিকা দল পান্ধল কলাল ও জোজার আনি করি করিবার চালি
বিস্তৃত লোকা বিজ্ঞানিক বিস্তৃত্ব লোকা

ভাগভা :--

ংশ্র ছালা রাম্নি, সংকান অনুগ সানি, জান্টোচে লক্ষা বিলেপ। বোলতা ভোষানি নাবে, রামচন্দ্র বলি মানে, ক্রেপ বাসে মুনির আচেপ।

> হেনকাজে ব্যঞ্জ প্রকী দিলেন জান্তি। উপ্রিলা সঙ্গল করে ক**ইআ কত্তি**। এইনজে শথদে আছিল ক্ততর। প্রাক্তিয়াত করন কথা শবাস্ত, এব ছব ৫

হিভি গারিক্ষাত হরন লোক্তক সমাপ্ত; সূন ১২১৮ মং তাং ৩০,কাভিক প্রকালর শুনিভানেন্দ শীং অভগাচরন সাংসাক-পুরাধানে শটিকা জিলে চট্টগান হ কক এ হ

কুষ প্ৰি,—গ্ৰসংখা १। প্ৰথম পত্ৰ এক পূৰ্চে শিখত। গদসংখা ১৪৪। ইবা গোধ হয় 'লক্ষণ-দিখিলয়'—প্ৰণেতা বিশ্ব ভাষানী-নাখেৱই য়টিত।

৩০৮। জারত-সাবিত্রী। সংক্রি মধানাসত। পুনা, পুনি। সত্র সংখ্যাত। প্রথম পান্ধ এক সিঠে त्मचा। पर वस्ति। ५०२। छण्डि पाउत्र

백경영 :---

নম গনেশীকা নম।
কাৰ ভাৰত সাধিকৈ গোৰাক কীকাৰে।
প্ৰকাশন কৰি কাৰি কেবি নাম উঠা
নাম কঠে বাও কুমি কাৰু বসতি চ
ব্যাথতিত পালাকা কৰি কাৰ্যাৰ।
কাৰ কাৰাকে মাও সেবৰ ভোকাৰ ।

कहोबल शक्त कथा कवित प्रधम । समामृति कहिरमक मृत्रह सीवन ह

শেব :—
দিবাতে পঠন কিন্তা নতুবা হাতেতে চ
কান্য কালেতে ত্ৰু নাহি ক্বানিকে এ
দেবি তাহা বলিবাতে হৈ পনাধান ঃ
গোক ভাষি পননক ক্ষিত্ৰ ক্ষম ৯
গোৱত পুত্ৰ কথা অমৃত বছৰি ।
ভূনিতে কাৰ্য্য হাত্ৰ গ্ৰহানক কৰি ঃ

ইতি ভারত শান্তি পোত্তৰ সমাও চ ইতি সন ১২১৪ মং ভাং ২+ আবিদ বলকর শীনিভানিক পীং অভসাচনদ সাং গাৰপুরা থানে পটিশা দিশে চটুগ্রাম হকু বোদ ॥"

৫০৯। দশ অবভার।

পুৰে ১৮ সংখ্যক পুঁথির বিবরণে
"নার্ন-স্থার্থ" নামক বে পুঁথির পরিচয়
দেওয়া নিয়াহে, ইহা সেই পুঁথিই। সেই
থানি থঞ্জি ছিল ম্পিয়া প্রাক্ত শাষ্ষ্ পাওয়া বাই নাই। ইহায় গ্রেক্ত, শার্মক্ত ভাগতি এইয়াণ ঃ—

নম গটো ক্ষাৰ নামাৰ পৰ্যাত । নোহাঞ্জু পৰ্ন, ক্ষাৰ্ডাকে কে বিলা করিয়াছে। একটিন নামাৰ মুনিব পৰিক কথউপক্ষাৰ মূন বুন শর্কালোক ছটআছএকমন। ক্রকের শৃহিতে মূলি একার নন্দন ক্র দশ অবতার কথা অপুনী আধুন মেইরূপে মেই কর্ম কৈল প্রস্কু কুমান

্ৰীক হৰেনিটোপ কহিলেন মূলি প্ৰতে।

্ৰীকান কহিল ভাগা লোক বুলাইতে।

নায়দ্য শৰ্মাল ভাগা ভিনপত লোক।

কুম্পাশে বহিলেক বুঝাইতে লোক।

শেষাংশ পূমোদ্ তবং। সমস্ত পরারে সেখা। পদসংখ্যা প্রায় ৬৮৮। "ইতি দশ অবতার পোত্তক শমাপ্ত। সন ১২১৪ মুদি তাং ১০ ভাত্র স্বত্যকর শ্রীনিভ্যানন্দ দে শ্লীক্ষিক মিদ্যানক দে ।"

৩৪০। স্বপ্নধ্যায়।

কুদ্র পৃত্তিকা। পত্রসংখ্যা ৬; প্রথম ও শেষ পত্র একপৃষ্টে নিধিত। পদ-সংখ্যা—৯৯। ভণিতা নাই। আরম্ভ:—

> নম্ গনেশাস নম। অধ শগ্ন আছা বিকতে।

প্রমনোহ গ্রনগতি সংসারের শার।
ফার নাম সৈনে জবনিকু ইইব পার।
গ্রনগতি প্রনামে পেনি গারণতি ।
জাহার প্রাণাধ শণ্ড হ তে মাজি ।
জাহার প্রাণাধ শণ্ড হ তে মাজি ।
জাহার বিজ্ঞান্ত কিরু করিব প্রায়ের ।
শংগ্রব বিজ্ঞান্ত কিছু করিব প্রায়ের ।

:--

এই মত একাশ গঠে অকান্ডে উটিআ। অবদ কমন কৰি উল্লেপ্ড বৈদ্যা । ভার কল নহি চ ৭ জানিব সর্ক্তা।

न्दे कथा मृहण्यात कविष्क कामिर । रेमटा रेमडा करे कथा सामिया विश्वित ह करे प्रकार कथा साबादन प्रश्लास ह रामक्षक कुरुण्याति सुसादम सोबादन ह টোত শগ্ন লাভা গ্রেমিক ইতি দন ১২১৪ সং আলি ২৪ আবিল স্বৰুৱ জীনিত্যানৰ শীং উচ্চলাচয়ন সাং সাক্ষ্যা থানে শটিৰা কিলে চট্টগ্রায়। এই ই প্রেক্তর মালিক শ্রীনিভানেৰা দেকভা

৩৪১। মনদা-পুঁখি।

ইহার কেবল প্রথম ৫ পাত পাওরা গিয়ছে। ইহার আবার ঘেবড়, তাভা পুঁলিব নাম চইতেই বুঝা যায়। এই পত্র-গুলিতে বন্দনাংশ বাদে মূল কথা বড় বেশী নাই। প্রথম গাতে 'ক্লপ নারায়ণে'র ও অবাশই পাতাগুলিতে 'ভিরাবিনোদে'র ভবিতা আছে। তারিখ বা লেখকের নাম নাই; দেখিতে কিছু প্রাচীন বোধ হয়। আবস্তঃ:—

নম গনেদাত নম:। নিবছণাত নমা।
গোবিদাত নম। সরস্বতীদেবাট নম।
গছাত নমে। জলতকাৰ মুক্তি পদ্ধি
ভাগনী বাধুবিতথা। আতিক্ত মুনির মাতা
মনসা দেবি নমোছতে। লাচারি:।:
ধানসি বাগেন নিস্ততে।

মা সন্দে কুপার সাধ্য ভোকি ঃ
তুনি কুপা কর জালে, নেই সে জকতি করে,
কিবা তাত করিতে গারি আমি ঃ

মধ্যা দর নারাজন, জান ক্ষণ নারাজন,
সেবত্র তাবত খান সংস্
কুপা করহ মোরে, প্রাথমে লে প্রভাবে,
পুজন ককতি বিধানে ঃ

अभिक्षा :--

()) क्लिन जाराविक, क्याबोलिक साँदि गरि, क्लिन स्ति कर कविकात। देखनिक क्यिके, क्लिनाहोस्तान करतः, स्वापिक स्वयं क्लिक क्लिकाह

शक्ति विमानिनि, नश्रात्र व्यक्तिरेटक श्राप्तः। हिद्रा विरम्धिक वानि, महमत पाइनि, শীন বাইৰ প্ৰভাগ ।

🤋 🕒 सनम संत्रीन चमन (सर्क मध्यापत) मुशहित प्रमुख प्रमुख स्थाप कति करा।

रमना कत्रिका मुक्ति हर्देश्य करगत मन। दिश विनय कथ भूत्राम क्यन ह [a] ছিলা বিৰোধেৰ কৰিতা **অমৃতভৰ বার**। वृतिरण क्षरन वृक्ष गतम गणांव ह

6회 어C설립 C에지 1---

वस्ता काकिश मोत्रांक । चांत्रिया तकत बाल, विकित ग्राह चार्य, प्यांनि पार्ष (म्हान १) सनित्र हत्तन ।

बिटमें निका (बाह्म (बाह्म), काह त्यारे कामन त्याह्म), क्रम क्रम जिल्ल माध्यम । बद्ध गय नांगंत्रम. क्ति विस्तित मुख्य ह

गवा (बोह्म यूग मात्र दाक्तिमा व्याधात। विकास प्राक्तिक मानिम् हारूपा सुमात ह এডিফা সাফল কর কিছু শাহি ভর। কোন নালে জাইখা দংসিতে সঞ্চীন্দর 🛭 🥈 এই 'ছিৱা বিলোধ' কি ক্লপ নাম'?

৩৪২। লাল টুক্টুক্ সোক।

करे द्वाक किन्दांत स्त्र कानिक दम-माग्रद्यम बहिन । त्यांचे त्यांच-मरचा-->श्र मांच ।

WITE BENT অব গাল ক্রিং বেলি।

पश्चिम स्थानास्य महीत् भोज निकारि । ব্দশি মধ্যে যোগালেতে ব্যক্তিক

रच करिसीय माना जिस्साम पूर्ण । भारतीय अपि दिन्ने मांग हुक हुई । > ।

हिन ५४ गर्स गोर्ड गीर्ड। कतिन (न एक मकून पूर्व व्यक्ति स्रोद्धा निव काभरत्रदंड संदर्भ द्राजा मणि

৩৪৩ | তুৰ্গা-ভক্তিচিক্তামণি

धरे समाव अस्थानि अस्टारमंत्र मैन्सुर्ग केनारगतिहै किने । देशंत त्रामा खड़िन श्रुमात्र ७ कविष्यत्र । किन्तु छः व्यत्र विवत् देशक चाचक किह्ने भाउता यांत्र माहे । পুথির কাগজের আছতি বেৰিয়া ইয় निकास दाउँ हिन वनित्रा द्यार हर्ये मा। **०३ १**हेट २४ भाउ भवास वर्षमान। नन তারিখাদি নাই বটে, কিন্তু বর্ত্তাস निटास कम नरहे। ५व नार्छक

MI38:--

बांक ध्यवाद्यरक त्वर वहेंबाकि (१) उर्गांक । निष्ठत साहिता ताई यश सम्बंधि ह उरव मात्र (का बरक युक मुलियत) त्यात्र शरन *त्याति बादक देवत्य विद्यान्त* ब्राह्मक करणांक चटक कर्न महमान है ्नरे प्रची ब्लायमधि यथ गाँउपात्र ह

ভাগতা ঃ--

[১] एक रेक्सीक डांब, नाम कर मून्सान, ভঙি নিশাডিত ছবাবানি। कैमान काहिर जारम, नकान अहि स्म कारम, া পাত্ৰ স্থানীকভিডিয়াখনি 🚁 🤫 🤌

[१] रहाम जीनाय गए अदय कवि स्वास्त : মুখিতবিভিয়াম্পি বিশ্বচিত ভাগা।

[w] & Property with ्र नवश्व**र्वा**ट्य **उपानश्र**ित इनिक अस्तिक रेक्क व्यक्तिक सम्प्राप्त

The spirot and

[4] महे संबंधित पूरा न्याम निवाह । संवद प्रतिकृत पूरा प्रतिके स्वयम । निका जन नाजात्रन बाबाद प्रकृति । विकास स्थास प्रतिकृतिकार्यानी ।

[4] মহাভাগনত সাম, তথ কথা সুবিভান, শ্বাম পড়ির সুধানেবি : শ্বী শীনাথ চয়ৰ আন্তঃ, ধ্যান সমূদ ভালে, গাম কুৰ্বাভাজি-চিভানবি ঃ

六月 水流器 (河東:--

अक विन जनवाकि ब्रेंगां जलनाम । शत्रणक क्रिन वर्षिम सांव क्रांत । स्रांति श्रांत व्यांति क्रांति व्यांति । गानिकं श्रंता वर्राक्षण जानस्त । गूत्र । शत्रि वाखि (श्र्यू द्वार गंकावत) जार्यायक अध्यक्ति पृष्ट वर्षि वत । क्रांत्र विश्व वंत्रक्ष क क क

चेक् छारम व्हेट्क माना त्रम, कवि वीनव्यात्मक निकाद नाम समावास्त्र ; ध्वर कैनोच नामक त्यान महायात्र नाहरू कैनाव अत्रमाति केंद्रमूटे। कवित्र त्याह्यप्र कैनावित कि. त्याचार त्याचा त्रम ना।

প্ৰছের রচনা বে প্ৰশার, ভাষা উদ্-ভাবে কাতে কো প্ৰাৰা ঘাইৰে।

প্রতি পূর্বে প্রাচনের ০০ চন্দ্র। হতরাং মোট প্রাপ্ত পদপদ-সাবদ্ধী প্রোপ্ত ২৭০। প্রবিধানি শিক্ষিত লোকের কেন্দ্র।

088 | महि-लक्ता

এথানি রাগতাশের উৎপর্তানি বিষয়ক প্রথ। কাজকে কোথাও প্রতির নাম নাই। বহিন কাজার। পরের সার্বা দেশবা নাই, গলবার ১৬ কাজ পার্বার গেলা। এক পিঠে কেলা। কেলাকার নাম ও ভারিব নাই। সম্ভব্যা স্থাস্থ মধীক লেখা। বড় বড় গোট খালা। এফাবিক কবিল কবিলা খালে।

আরম্ভ: —/ গ্রহজিনাসং অক্সমাজীনং সরক্তবারি বুলিনং তিওঁ লোগ ভঞ্জুতানং (বৈকুজানং) সাজ্ঞাং মাত ম লিভা ভালনং চতুরজনিভ্ননং তথা উর্বর বজিনং পূর্ব পশ্চিম পূর্ব নিজ্যাগরং তানভূষি সভাতং তুক্তি ভক্তি নিধেষনাক পূন পূন আর ।

कार कहि युन गंव वांन भवातः ।

मिक्कान नवि व्यक्ति मक्त्यान (मक्त्यां, मानांव के
गुवर क्ष्मान किंग गुन विच्या मान ।

व्यक्ति भक्तन किंग मन विच्या मान ।

व्यक्ति भक्तन किंग मन विच्या मान ।

व्यक्ति क्षमान केंग्रिया मिक्क मंद्र्या ।

व्यक्ति क्षाविम क्षमान व्यक्ति मुनि ।

व्यक्ति व्यक्ति क्षमान व्यक्ति मुनि ।

व्यक्ति क्षाविम व्यक्ति कुम न व्यक्ति ।

ভণিতা :--

- [>] जोपन्तिक कर्यक्या गमान परिन्ता । करन दीन पानिन कांचि कानाहक साविका । ^अ
- (९) अरे रन सामगामा शिक्षांच्यां नकः। करम कीम काश्चिम महिल स्रोहासकं ह
- [] সংস্থা হ'ব বিলি, কৰে বীল কৰণা বালি, গাইবেক ক্ষতিকে গৰ ! হ'ব লেও প্ৰিলক ()), কেনা বালে ক্ষত্ৰৰ, ক্ষালাপাৰা হ'বিল গাকৈ ()) শিক্ষা ক্ষাল অনুপাৰ, বোলোক নাম্বাশ কাৰ, হ'বি পূৰ্ব বালে প্ৰাহ্ম হ

CTA :--

can vited at the supple for a vited at a vit

`?56

वारकरक वाहेश जिल्ला वहिन्दा कार्यात । कांकि पूर्व मात जक कारत क टेकल मात्र ह

এই শ্ৰেণীর অনেক ধলি প্রস্থ পাওয়া গেল। সময়ভাবে এ সভাবে একবার বিভারিত অলোচনার বাসনা আছে।

৩৪৫। গোষ্ঠ গায়ন।

मात्रक :-- शिक्षा । दशांके शासन ।

লোপাল মেড, সংক জন (१) সংব দিগুৰুৰ আৰু কি বাইফো চাইলো বাইকে চিকি বুকুলে কেলা । বাৰ্থৰ মানা কথান পাৰি, গোপালো কি গোড়ে জাকি পুৰাৰ কোনা মাৰ্থন মানা কথান লাকি চ

CHR 1-CHIE

কিছু নাই বালা লোপিগনে। কোনের জন্ত করতের রাই কুপান্তন্ । কর কালোপানা ()) কে বোপারে করা কথার পোনার পিজা নাজা। কিছু নাই বাজ্য ব্যোপিখনে। কোনের কুকু ক্ষাক্তর রাই কুপার্যন ।

नाम Cगाह नवास ।

শক্তি ক্র সমর্ভ। হোট প্রসংখ্যা ১৫ মার । ভণিভার শভাব।

७८७। विसा-सम्बद्धाः।

वेश आकात नाण्डिक, माण्डिक्स। भवनरथा २৮ । केला भूको लिक्कि। भवे एक्स भाग। ५० मरबाक गाम क्य-एक्स निव जाकात। क्रिको क क्षातिय नाँहै। एक क्षिक विस्तत रम्बी मरक। भावका:-->मर गामम।

क वय व्योजन परन विद्यान शायांच्या है। अपन रणांचन क्षेत्र देववारक कावन हैं। कावार क्षेत्र विस्तर कातवालि (पानेशांकी) नहित्रक : इक विज्ञाद के व्यावदेश क्षेत्र कावालक क्षेत्र ्नर १—०के का जाति । १९११ मन देवकि जाति विशेष यस बारव एक । स्वित्रेतात मन करेरा प्रवेशमा क्षणक । सपुनारक मन करेरा दावन प्रदेश अवश्नित । गर्मानियम मन करेरा यहन गृति (मुक्ति) क्षण एक ।

"নাজ। ইতি বিকার্জন নামক জারাক লমানাঃ। শ্রিপন শ্রিকেন্যের্ন ও শ্রীলন্ন শ্রীনিরিংচরা লান রামক ক্ষুক্রমিনং।" «

ारे पूरित सामका नाम विश्वास के मानास्था ।

राग जात त्यार विश्व गरित करने माने मुक्ति है

राग जात त्यार विश्व गरित करने माने साम मानास है

राग जात सम सम सम करें गरित सम करें माने ग्राह ।

राम जात सम सम साम करें गरित सम मानास मान ।

राम जात कर कर करें गरित सम मानास मान ।

राम जात कर कर करें गरित सम माना राग ।

राम जात कर कर करें गरित सम माना राग ।

साम जात कर कर करें गरित सम माना राग ।

सामित गरी कर राग कर करें गरित सम माना राग ।

"এই বলিন মালিক নাই চম্বানুদ্ধান কেমাৰ্য্য শৈষকে মানবলত চৌধুনি সাধিক সম্বিদ্ধান ভাবে শহিষ্যা দুল ১৯৯৬ যদি ভাবিল ভাবৰ।"

७८९ । मूठी-मःबाद ।

हेश नाकि 'शासन'। हेशाए स्था गाँह, इस स बातन करे हाति द्वासादा पहली साहत (पश्चित द्वास स्थ, करे व्यक्ति द्वाराणि एन साहत समितीस स्टेस। देशव दहना नक नहता।

এইবার উক্ত হতবের বহু পুঁথি পাওৱা পেল। সেইওলি আবাদের জেবল ব্যস্থ নহে; ক্ষিত্র ডাক্টে কি আর্মে বার চ

⁺ देशोव काह क्यांति क्यांत्रामि कालाह विकार काहत देशाव मुक्ते महत्ता ३ विद्य कालाह । कालाह विकास का स्वतः क्यांत्रा क्यांत्रा स्वतः

কাহারও পূজা বোড়বোণ্টারে, ভারারো পূজা করা বিষদদে। উপায়েন্তম নিকট সবই ত এক দরের। কা কোথার কি ভাবে বল-ভারতীর গরা করিয়াছিল, আমানের ভাহাই ক্রইবা;—ভাহাই বেখাইভেড়ি।

এই পুঁথের অনেক তলি সাতার পঞাছ । কেন্দ্রা নাই। প্রশার ২১ পাড়া পাওরা প্রেক্তি হাই পিঠে লেখা। ২ড় বেশী বিনের প্রতিমিশি নহে। ভারিব ও স্কচ্মিতার নাৰ পাওয়া ধার না।

मात्रकः--वैद्धिः शामन इकिनशारः।

सम्बद्धिक विकास क्षिणां विस्ति ।
सम्बद्धिक व्याप्ति विकास मृत्यि ॥
देखि स्था विकास विकास मृत्यि ॥
देखि स्था विकास व्याप्ति ।
वर्षसम्बद्धिक गृहस्यो गृष्णाम् । दिस्य ॥
विकासिक गृहस्यो गृष्णाम् । दिस्य ॥
वर्षा गृहस्य वर्षायां । वर्षिया गृष्णिम ।
गृहिस्य वीपविश्व महि क्षित्यां गृष्णिम ।
वर्षाविष्ठ गृह्यां (कार्य । वर्षाण मार्थि ॥
वर्षाविष्ठ मुर्वाः (कार्य । वर्षाण मार्थि ॥

(मेर : — शंक्रम । तर्ग कि माधाल कांची, कांक्रेयर वक माछ मानी, कुमवारन गठि मानी, कांन्स्य कि फांड ककांची । तम मा संग तिरक मारत, जांच कि कह कनमारह, तम व: जांग किस्स मारत, तम कहेंग कुमकांचानी ।

ইনার পর পূথি আর আছে জিলা, জানিনা।

०.४। ठजनाय-न्या।

ইবা আকারে ক্র । শুরু গাবা হব ; উত্তর পিঠে লেখা। ব্যিত্র আকার। ক্রব্যু লেখা। ১২৫০ বাজালার নক্ষ্য । ক্র্যু, শুট প্রকৃতি আহে। চলিতা ও লেখকের মুখ্য লাই। मोत्रच :-- अक्ष्मच मारक क्या ।

धिक यार ।

ভাবে দেশবাদী হানরা কল্পুর ক্রা, হার্ছু হালে কর । ভাবে বা বেগর ভোকে চাহ্নিরা।

स्यः नकासन् समापा-दशात्म संपूर्ण क्षेत्र । स्या

পাশতে ছানিয়া কাষ্যা কিছের (१) মধ্যম। জ্যোপনি সহিতে মনে পেতা পঞ্চমন এ

(44 :---

'ছুয়েত বিরম উপর ধোর পাবি হলে কো: ইফামি। (ভাল পঢ়া পেল না) বলিতে ভূলিয়াভি, উঠা 'ভালায়' ভাষা গভা।

৩৪৯। সরস্বতী-প্রতক প্লোক।

ইডি পূর্বে এই নামের আরো একটি আইকট সংহত মধীর দেখা, প্রসংখ্যা তং । ভণিতা নাই। এক আরম্ভ :-- অধ সংখ্যি দোলত।

> नक्ष्यति कवि वकि नवंदक्काविक हैं नवं करके बान कव मध्ये विकासिक हैं निवृत्तन कि करत विद्या क्षया काविति हैं व नवावि मार्थिक व्याकाका 2 क्षतिवि हैं

CTT Some

नर्स परके राज कहा जाते कहा झरिएक। एनम् साम झरवह परके रेग्यमहिलाम् जानानि ह गर्स हरू झरव करेंब एन्से (झुन्स) बर्डेन स्वर्धन। पर जमानि ह्यांसिक कामसेहरू। बर्जिनि ह रू ह

नामानीत दिवारत्यस्य स्थानका प्रांतित्यः नामानीत दिवारत्यस्य स्थानका होत्। वेशंक स्थाने प्रशासनाम स्थानक स्थानका प्राप्तिको स्थानका स्थानका स्थानका स्थानका स्थानके स्थान पर्व स्थानका स्थानका वाक्षके प्राप्तिका स्थानका स्थानका ৰ্ইল গ প্ৰ---স্থ-- বৃক্ত, ভাষতে আবাৰ প্ৰভাৱেৰ্বুজ্বাৰ গুঁলবিভাগতা, বিবাসভা, নৌপ্ৰভাগ প্ৰভৃতি পৰ ভবে চৰিতে, কেম্ন গুলা উচিত, ভাৰতীয় 'প্ৰসাৰতা' মুম্মাকৰ প্ৰযাধ নহে।

ce । कामन-गाराचा।

পণ্ডিত পুথি। ৪০—৫৪ পাত বর্ত্তমান।
ছই ভাল করা কাগল; এক লিঠে বেখা।
লের পাতের পর প্রছ আর বেশী বাকী
নাই, বোধ হয়। কাগল ভারকুট পতের
ভার। খুব প্রাচীন দেশার। তারিখাদি
নাই। মধীপর গানের অবিকি কাছে।
৮০ পাতের ভারতঃ —

माण है व महिल एकेश आद्य महापति ।
बात केपारंग इतेल अकारगी किये है
कारी मामाज (Sim सम्म मामादि ।
स्पाठित निष्यस आद्य (क आकारम इं समर्थीर शांत करेश मामा है समर्थीर शांत करेश मामा है मूर्गि काश्मित करेश मामा क्यांकर है (मामानिक मरणाविकां (माहल मामादि) सगरी अवकृष काशी नुमक सुमादि है

ভণিতা :-(১)

নাথিপ্রাণ পুণ্য লোক সংক্ষন ।
নাথিব বাসে ক্ষেত্র প্রভাৱ হচন ।

(২) নাগলিপুরান খাণি, 'আয়ুক্ত স্থাক জানি,
স্বেক্ত করে করিল আক্ষেঃ
নাথিকারা মুক্তিবারে, প্রান্তির করিল জানে,
বিক্তিবার মহিব্য বার ।

en desertation

विष्टे मान असामाजे देवतान सहगति। अकामीमा देवे कम पून (माशावि ॥ अकामीमा मानाका तम पून (साहे कम। मानागा वित्योक्त देवपूर्त कमा ॥ केगवाम करत त्याचा काम मिना गहि ॥ द्यानक वित्रक माता (बांतान त्यानिकाहे ॥ तम दर्शतक केवाकित मानाक मनाम। এই গ্রাইর অবশিষ্ট পাতা **গুলি সংগৃহীত** হওরার এগনে^ন একটু **আলা আছে।** এই **অর্থনের প**র্যাধ্যার ৩০০।

৩৫১। গৰাকক প্লোক।

১২২০ নদীর দেখা। এটি রোক আছে। জরিভা নাই। আনহতঃ—অও গলা অইক। গলাকগুলিখান মুক্ত পাপনালনং। মুক্ত ভাব-মুক্তপাকিখনে কর খালন

नमान कृष्णियाय मुद्देश गानवीत्रवर पर्य कान-मूलगावि कृष्ण कश्च पाश्चवर है समद स्थान कृष्ण कृष्टि बीह्रवश्च जास्वयर है सर मुगावि वस्त्राप्तवी दश्चाय स्था स्थापत है है

পং । ব্যক্তিরত— ঐষিক পর্বর ।

সঞ্জন-বচিত 'ঐবিক গৰের' ২টি (১ম ত ২খ) পাতা মান পাইরাছি। ভাষাও কতকাংশ হিল। নোধা প্রাচীন। ভারি-শাদি নাই।

मारक :---/१ तत्वां शत्यभीका । रृष्टिक गर्क कवा वांत व्यक्ति ग्राववान (१) । विनिक गरर कवा वांको क्ये सकाव । व्यव देक्यगोषाय करू क्या वांको वांति । गुरुवाहे कांस्य कांत्र देकत युक्त प्रवि ।

स्मिता :---

कांक्र बंधूल क्यां का कांच्या गावता । कांक्रिय कांक्रियोग कांक्रिय गावता ।

थ्या नवत्रक (आका

२२२० वरीत (तथा) अहे (माहत (याहे ०४हे नव : कविया नाहे । भारत : हिन कवाह त्यावक । नाहित वरिकी पूर्व कवाहार कर्य कप्ताव (माहतिक देवनांत्र हिन्दुर्थ देवनान (माहतिक देवनांत्र हिन्दुर्थ वर्षाव (माहतिक देवनांत्र हिन्दुर्थ वर्षाव (माहतिक हिन्दुर्थ) कर्या क्षाव कर्य C41 1-

g happen "

আনক বিবস বিদেশ গাকি গাকি ছা'েন ছা।। বাইক (^) বাইকা বাকি মুছিলে মাকিয়েও আছেনি হাই জনে : নেন ছা'্ৰ : কাইড ক'েক ান্তৰ্মু তিন্দিন কি আকানে ছাবে ৪ ৯

৩৫৪। কাল-শেল-কুমারের অভ-শাঁচালী।

আতি ক্রপ্তিকা। পদসংখ্যা—৭২। প্রসংখ্যা ৭; ১ম ও শেষ পত্র এক পৃষ্ঠ শিবিত। স্থানে স্থানে কীটভূক। বচহিত্যি নাম অভয়াচনৰ ঃ

व्यवश्वाः--

নাগলেখ বিভিন্ন না বংগাও শান-এ।
ক্রানমেন্ত পূর্ব ব্যানাগ নির্মান ও বিভান ক্রান্ত রা
নামপতি দেবি ক্ষান্ত ক্রান্ত না ক্রান্ত না ক্রান্ত করা ক্রান্ত করা ক্রান্ত করা বিশ্ব প্রশান বিভান বিভান ক্রান্ত না ক্রান্ত প্রভান ক্রান্ত বা ক্রান্ত প্রভান ক্রান্ত বা ক্রান্ত প্রভান ক্রান্ত বা ক্রান্ত প্রভান ক্রান্ত বা ক্রান্ত প্রভানিক ক্রান্ত বা ক্রান্ত প্রভানিক ক্রান্ত বা ক্রান্ত প্রভানিক ক্রান্ত বা ক্রান্ত ক্রান্ত বা ক্রান্ত ক্রান্ত বা ক্রান্ত ক্রান

क्ष्म रेजका दिन्द्र स्थानः सम्बद्धि स्रोकन्तः । WAS I'ME SEEN FREE SEEN STRINGS IN ing all the sea were now nowing to STEE STEWS AT MIN PRASE भक्ता हरून करते. यक्ति कवि करें। ARTINI THE WALLET BIN CHICALS. সর্বতী চতাল নালিয়া বিজ্ঞান ধ : साम क्रि. बाल सक्के संत्रोंकों व्यक्त नाम The right strate to me " 34 th 2 2 19 19 रश भारीत । किसी । विमेशका अवन्तिः चार्याकः स्वतः CN के । मानीक स्तिकाती विकास मुख्या नार ्योग्यार ।" रमाञ्च वर वट मान्य लाहिन प्राप्त । शहा 'त्यनवाडा' वह ্ৰ মাজ্য প্ৰিটিছ। এই পুৰি ৰ ক্ষেত্ৰৰ ग्रह्मंत राष्ट्रकारकार्गान्य

क्षांतर' अवशिष्ट रहेग**ि**

তাও। জয়লাকুযায়ী— ঘটক লোক।

ওলাউঠা প্রভাগের মারীক্ষ উপস্থিত হইলে, এনেশে ক্ষণাকুমানীর প্রা হইয়া থাকে। সাধারণ লোকে ওলা উঠাকে এইখানে 'খোলা' বারোম বলে।

অঠকটি ১২২২ মধীর পেখা। কেবল এটি মোক আছে। ভণিভার অভাব। আরম্ভ:—অধ জনা কুমারির অঠক।

नम् सम् (मानामुचि कवाकृषिक्रांन्ति । ध्वाराम्चि (काम कालि विञ्चाननवार्गिः । सक्तम-सहित्री स्वति (भागितः एकः प्रश्निति । केमम् स्वति स्वानाम्बंधे देवका सम्बद्धानि ॥

৩৫৬। শনির পাঁচালী।

ক্ষতি কৃষ্ণ পুলিকা। পদসংখ্যা ১৪৩। প্ৰসংখ্যা ২০: ১ম ও শেষ পত্ৰ এক পিঠে লেখা। মেকেকাৰ কালী; কীৱামপুৰী সংক্ষা: ক্ষতিময় নক্ষণ। কাজক: —ইনিনিয় পাচাৰী বিধাতে।

८९ सामा **गाममात्र कथ मनित्र गाहानी** क्रा सक्ताः डिलिन्सः । काक्री

নিয়াশন নামায়, নামান ডোমার পার, মানাম বিল্লু সন্তাহন। বামান পানান হঠ, তোমার কটার্ড পান, কৃষি শেষ বিষয়ে বিষয়ালয়।

#f#B! :--

(३) के कम-एमाविका मध्य क्षिक क्षति पता १ मध्य मध्योगि कार्र पता स्वर्णकाम् ॥

(4) किला, सवाज जिटक, "क्यांन्स स्थानिक, " क्यांनिक गामित क्यांनिक" इंगो कि क्यांनिक, अब्दि अ स्थानिक बीम, ह गुर्द-का स्थानिक क्यांनिक क् cd1 :--

वह बाज रंगि गुजा ताहे बारा करते।
वाश ठाव छार। गांव द्वार वांत ब्रंटव र कारा ठाव करें। गांव द्वार वांत ब्रंटव र कारा कर वांच्य करकर वांत्र वांत्र कर मुख्या मानव गांव कर्मा कर वांत्र करा वांत्र कर मुख्या मानव गांव कर्मा वांत्र वांत्र कर्मा वांत्र कर्मा वांत्र कर्मा वांत्र कर्मा कर्म कर्मा कर्मा

শনিব পাচালি স্বাব্তঃ মুখেন বিবিত্ত বাহস্ত চোরেন নিম্নতা কৰি অক্টি ডড মাডাচশিতা ডড সগক্ষৰ শুকুক সিমীয় চন্দ্ৰ চক্ৰবৰ্তিঃ লোককন শুকুকোন্ডি বাভনং।" ভারিব নাই।

७८९ । महानिद्धत नीहानी।

बहे नृष्टियानि संक्षिति कांत्रकेख ताव क्षणका निष्ठ । जुने कांकीकः गृष्टी-गरथा २६ : ३मं शब बक निर्ध्य क क्षणिक हुए निर्ध्य ताथा। शब-गरथा ६५। क्षण्यस्य सक्षणः।

wite :---

के समः निकित्यका शरणनागः। स्वयं ग्रह्मणीरस्य क्यां ः। विश्वी ः। स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं प्रस्तिः स्वयं स्वयं स्वयं रहास्त्रात्रः। स्वतिस्वास्त्रस्यक्तिः, स्वतं क्षेत्र नाम ग्रहः, व्यवस्त्र विश्वित विश्वासः।

WHITE & CHT 5---

() अधिक समाह कर्का, भाषांकी समाह नी की.
इतिकार रेककी मांगा समा।
दश्यानकपूर शांक, रमायत कालक पांच,
शांक मांगा मांग, स्था कर प्रशंक,
सांगा कर रवाकित मृतिक।
सक कर्का गांक एटका, गरंब करि वृति कर्का,
रांच कर्का गांक एटका, गरंब करि वृति कर्का,

WITH MALE TIME (६) क्षत्रांक क्षत्रांग, गुराकारय प्रक करम, कुत्रक्र है पर्राक्त है . कारत कारत हैंग बरप्रकृतिस्था स्था, कृत्मात्र मुक्ति शांख, विश्वनात्म सम्बद्धि । (मरानग्रम् श्रीक CICHE WINE NING कार व्यक्तियो स्था, मोकल प्राक्ति । क्षान यात्र यम बाद, wince acres sin, ere culte get ale, visite vinte s. मान देवन चार्याः, (मान) मान्याम चंत्रिक ग्री CENTS WIND WILL A! WHOLEVED! গোটার সহিত ভার্ম इकि द्रशेष कार्यान, हरू करा माथ भार, महत्र महा होहोसी दे

"देशि अन अध्यक्त क्षेत्र क्षे

०६৮। क्यानीमा ६

हेशाइक नहि, इका, क्या, धातम क इव (इन १) काछ। जनमात ३९ नाका नाका तन। वह दवी विस्तव सकन

त वर्ष अं विवासित क साम अपि व्यक्त क्यां क्या गरिएक गर्दर अववासि सिगमिएक वगर्द वासि स्टोगसिएक स्वयं स्टेशस्त्र । हरे ज्यानक स्टेगसिक मेंडर अस्य सामक क गर्दास्त्र गृहक स्टारम् स्वरं सिमक महस्य सामक अरेकर्य क्या गरि अस्य सिम्ह अस्य सिम्ह स्वयं स्वरं स्टेशसिक गरिद सिम्ह सिम्ह स्वयं स्वरं स्टेशसिक गरिद सिम्ह सिम्ह स्वयं स्वरंभिक स्टेशसिक स्वयं स्ययं स्वयं नरह। जीतिशांकि नीहै। उठतिका केनांन-क्या (द्या)।

व्यक्ति : इस्तेनीना । गर्ने ।

प्रव व्यव अस्तिम, व्याविक इस्त अव,

प्रक व्यव अस्तिम, विविध व्यावमा अस,

विविध व्यावमा, विविध व्यावमा अस,
वीन करि मुक्तानकावनी ।

व्यक्तिम करि, इसनिस्क वरिवासि,

वैविक्तिक स्वावस्ति विकास मुजाबि,

हमार विवक्ति व्यक्ति, वस्ति विकास मुजाबि,

हमार समिति व्यक्ति, वस्ति विकास मुजाबि,

(चैंच ३—२० मेर शांत । इन इन नवीनच इन कवित्रों मृत्य । संदेशः करत करत करत नक्षत । प्रतादेव दीका कारि, जान्य मात्रा विद्य कीकि । मुद्धकों नुकुछा नवी द्वित इति विद्यत ।

বোধ হর, এখানেই পুঁথি শেব হর
নাই। কোনাটার রক্ষ মূল্ডেপ কাগ-কো আকারের বহি। বাঙ্গালা কাগজ। হই পিঠে শেখা।

নগাটে লেখা আছে,—"এই বহির নালিক প্রীক্ষণানচন্ত্র থে, নিবাস বারণত কাড়ি আনোহারা, সন ১৮৬৮ ভারিখ নাহে স্পাহ্নারি।" নচবিতাও বোধ হয় এই ইশানচন্ত্র ধে বহাপুরুই।

০৫৯। শ্ৰীৰতীর মানভঞ্জন।

शृत्कांक ग्रंबित यह साकायः। तत-बात २৮ गाठा द्वरा त्याः वयः स्वयः विद्वतः यक्य सद्यः छातिवापि नार्षः। इरे गिर्द्धाः त्वता। 'त्याविष क्रस्ट' स्वयम् এরপ তণিতি **আছে। _{ক্ল}হ্মা, হড়া ইভ্যা**দি ইহাতেও আছে।

আরক্ত : — বীনতীয় । নানভঞ্জন র হল হল সংক্ষণ হইএ এক মন । হল্মা মানতক কথা করহ আবপ র একদিন বংগীগারি লখুন। ভিরেতে । কলম হেলানে গান করে মুর্রিতে র

मधारमः :-गाम।

অসক্রণ কালক্রণ সে ভ ভূলিবার নর।
একবার ছেরিলে কারে রমনীর মন মলার ঃধুর
লাবে চাতি সাসরিছে, মনে কছে না গাসরিছে,
আবেলিলে অস্তাবতে, অস্তর কি লয় (?)।
কালসর্পে বংলে কারে, মদত কলে অস্তরে,
পোরিশে কর, ভূইল্ভে কারে,সে কারত ভূলার।

(4 :--

सन त्यांनी व्यवस्थान वश्च (वंशव) स्ट्रेणा ह स्वितिहरू स्ट्रेन्ट्रिय साथ देवसहिता ह द्विता पुगनस्था साथका गांगदा। व्यवस्थान वश्च स्ट्रेन्ड स्ट्रियनि करत ह संशोहक विश्वन प्रविश्व साथ त्यांका। व्यवस्थान वश्च स्ट्रेन्ड स्ट्रिय साथका। व्यवस्थान वश्च स्ट्रेन स्ट्रिय साथका। स्ट्रिय स्ट्रिय साथका ह

०५०। जित्रांशंत्र कमक-छक्ताः

हेरात नाम मार्च, किन्न नित्त क्षाबात कथक-छल्पन्छे। श्रमांकरीम कछ्क्रण्यानि शाका। काम् शद्मत शत्न क्षान् श्रमां विक कतिरक शांति मार्चे। श्रद्धांक्र श्रीवत शरिष्ठ अक्षत्र तीया किन । स्थानाहि-त्रामाञ्चलक छनिकि दक्षा स्था क्षाक्रा बातक विक्राविक छाराहि क्रिक क्षि क्षा, वरा शत्र मा।

etuori

निवस :--शायम ।

আমার গোপাল কেনে বা বোলে না। দেইখে যাও ক্লহিনি গচেতন কেন কেলে দোণা। আমার কণাল মন্দ হে গো মিন'নন্দ নীগোবিন

李明 李代

সবে মোর এক**টি ছাইলা কেছ নাই না** বোল বোলে, কেমনে শৃক্ত কৈমুলো রছিব কেমনে ৪

ভণিতা:--

লোসাই রামচন্দ্রেয় যাগি, তদ মালো নশহাগাঁ, বাচিবে নীলমণি, মনে কিছু দাই ভাষনা।

(मन :-- शात्रम ।

তাইৰ না ২ ছাবে জাইৰ না কিছু কি জান না।
-তাৰান কলছ বুচাইৰলৈ জন্তে, এখাছে জৰুৰাৰ জন্তে
পূৰ্ব হবে ভোষানি জে বাসন। ঃ

কন ২ রাই কিলোরি, কত ছবে পাইছি যানি, কিছু কৈতে না পারি।

ভোৰায় চৰৰ বইছে কৰ সাইখেছি, ছৰ্মান্ত কৰা কাইলেছি.

য়াৰি ৰোগী হইংলম ভয় খানে, কালী মইলেন পুঞ্জখনে ভোষায়ি কালনে এত ভারনা ঃ

। বোধ হন, এধানেই পুঁথি শেব নছে।

তুরী ২ পাতা। তই নিঠে বেখা। গান
ভিন্ন ছড়া প্রভৃতি ইহাতে নাই।

७५)। द्राभ-वनवाम।

त्वर भगाय त्वथा नाहे। भजाव-होन २० हि भारत । त्रशंत का कारण्य माना ताति काशक; हरे भिद्धे त्वचा। कालासवित्वत मक्ता। छारे काश्चित व्यक्ता विवश्चा मत्त्वर हरू। काश्चिवाचित्र कालाव। व्यक्त वात्व सात्र भारत्वतं छान्छि कांद्र। देशे व्यक्तवानि महिक। व्यक्तानी व्यक्ति काग व्यवर सहाय, विविष्ठ वाचान व्यक्ति काग व्यवर सहाय, विविष्ठ वाचान व्यक्ति वाग-शामित्रत वावहात कांद्रक। व्यक्ति सही का, भीरे, हका, हन (ह), क्या वाक्तिक हुँ हरू। 'कथा'त छाना महा। व्यात्रक :- श्रेश्व ।

ক্ৰীণানাং নিধানং ক্লিখনস্থনং ভীষ্ট্যক্ৰন্নানাং এ এচে জংস্ন ন্যক্ষা সপ্ৰি প্ৰ**প্ৰ্কিট্**য স্বাহাধ ইতাধি :

পটী। তাল জং রাগিনি মর্ল্যার। ব জগতে জালিল রাম কল্যান করেন। ক্লির ক্ল্য তুমি করিতে স্থল্। লারো প্রজু হও তুমি সর্জন বিশ্বন। ক্ষির বহন জান কমল নেক্ত্রের র

> ভৰ চহৰ প্ৰাস্তত মুক্ত হুইল সিলে। ভৰ মারা গৈছ ভালে পাদান ভাসিলে। গালি এই অধিন জনের প্রতিক্রণ। করি। অংশংগতে ক্ষম ভাষামানাকা করি ভাষা

मधाइन :-- कृत्बीत्र कथा।

এই বে ছটু (ছইটা) বর মহারাজের।
নিকট প্রাথনা কর: একটা বে জর্পকে
রাজা কর: আর একটা রামকে জটারাকণ
নারণ করাইরা চতুর্জন কর্পের বনে পাঠান,
ভেনি অবক্তই শিকার না কৈরে পার্মেন
না ও তোর প্রেমের গাগক কর্পেন।

ভণিতা:-

ভবৰাৰা বার ছবে, কেবল দে ৰাষ্ট্ৰা ছক্তেট্ৰি সমূত্ৰ, সাধৰ কহে ভক্তৰন বিদে, ছীক্তে কেৱা পাছ ধোঁ ভাব ৫

শেষ : — এক তালা।
কোবাৰ মা ছবিলা এইনবাৰ প্ৰথম।
আতিবাৰ তেও বালা কৰিবেন।
বেইৰ ভূইবনা ভাষাৰ, সম্লা গ্ৰেইৰ নেৰ্থেকে,
কোনবাৰ মান্তে সইবে আই গো লোকাৰ ছাতে।

हेरा रक क्षेत्री क्षिण पूर्विद्यक्रमा बिनावा द्याप क्ष्र मा

७७२। ब्रॉमहालक्षे सर्गात्त्राह्न

पुरुषं क्षानात करे श्रीवा प्रतिकार

अकेवा।) भाव ८र अकिता श्रामेशक, ें देखि गम ১১৯৫ वर्षि कार ५४ई माना। প্রাহার আরম্ভ সম্পূর্ণ সুখন। ইয়াতে কবি ভবাদীবাদের একটু শক্তির আছে।

नत्यां परमनाम्यः । ज्यां प्रतीवे मत्याः । मात्राकार सम्बद्धकः देखानि (प्राक क्षेत्रकार मोत्राचन चेत्रम कामान । र मात्र शेषु व पुरि कल्या निवास ह **পুनत्रीय क्यांचे चैवन कविमा**डि । CALL CARE MARIA BOTON ACE AND I

क्टक वामार विका जानारम रति पात । ৰথবিশ পুরি কৰোন মাডিবর বস্তু। माष्ट्राटक व्यक्ति कहेल शहर देशक ह বিজ্ঞান্ত বিভন লেন জেন নহি ভাবে। समय क्यारियो बाक विश्व (अयाहरा क নিক বেশ আলাহ অভি অকুপান : বালার সহিত্তে স্কাল বছর করার ৫ क्षणेक सावित बटायांच क्षेत्रयां क्षत्रि । भूनवेदलारम ८**२१८म सङ्ग मधिक का सामि ३ (१)** বিশ্বকাল হোতে ভাব আৰু বাৰি ভিছে। क्टो सामानि कान करन कन्दिका । तरकार कृष्णिकार स्टेबर कार्यान । सन त्यां में जासका बहित्य प्रक्रियोग है

tenne fer weit निर्गेत रहेन ना। , कर्ड किस दर नूर्य-रकीर, काराटक नाम महत्त्वर मारे ।

C44 1--

THE PART CARDY SHEET IN ् अस्टेस्ट नगांध प्रदेश साम्रोजन विषय CHE STATE THE OF THE STATE OF T कार्रीक्षण जाने तार देशक्षण श्रीकार ह

वेश्वि विशेषात्रके स्थाप Cगायम् नवागः ।

करि (भाषात्मम बानिक क्षेत्रमानसंब CRES 1"

नवासवा— १० ; डेक्य पूर्व निवित्र # - to - | HAS SEE 'পদাৰ' এবং 'বাজাৰি' চলে মডিভ :

८७७। औधकुमिरगत वःभावनी।

यकि। २१-वर्ष गांछ पारहा केटर गुर्छ गिविक। यस दिन्दर नक्ग। रेन्द्रद त्याचाविक्तिक क्रांग विवद्या । शास मे**ण ।** २व मार्ट्या ब्यावय ३---

विमानारिः विकास वर्षक मधानः विकास विक शाक्षाचित्र कामान्ति । विक्रीकाणरेका तर्क > सम्बद्धाः विका विका स्मानावि > विकासन crimita a Antecem courtie a e Emilie a कर्त नरसम् धनम् ३---

, बनविकुणुक्ष्यामी विविधिकाम बहुतांह अञ्च राजांचित । चारशे । कि-केरण देखा । कांगान नवां अनुविधान कालांन काल । सरगुक प्यम्पर्वक (करमुद्ध महाविक्षक (कर्षपुत्र विकास मान ३ ३ होई आधन इ. वहिं स्य-विकृत्य ३ किन विषयाम् विप्रतिपानं श्रीः क्षीत प्रविदान असूद क्रिमिक्स चन्नर त्रक स्ट.कोबस चाउः।

ুদ্ধি কো আমি নীয়া কোন নীয়া পিতার পুনে স্থাতটার বাননীবং নাবের কর কিলো পিত্রি-বীলে কি বাজিমনো পিতার বীল ক্ষতে চল্লারিক্র বাতার বীল ম্বক্তবিক্তা ইত্যাধি।

C441 I

শাহা । বিভি জাবোরানেন বনা প্রাণারি দর্কা বাববিলানি । ব । বন স্থানিন ভারিকা । বৃদ্ধি বাবতবর্গা । অহকার অভিনারিকা । ভরকার বুক্টোক । চিক্তা । প্রত্তি । প্রথম । ক্ষী । সমাধ্যা ।

७७१। श्रेगानिका ॥

ধন্তি চ ; ১ম ও ৩র পাক্ষ শ্রীনাত্ত বর্ত্ত-নাৰ । ভাষা গছ। এতিপ্রের ক্ষিণ্-বিচ্ছ পুৰির উক্ত নাম নেৰা আছে : আরক্ত:—

व्यथ देवकवांकित मल्लामा विवसन ।

विश्वम मात्रायम् उच्या व्याप्तः व्याप्तः हः । विश्वम भवाविष् पक्षमाणः व्यक्तरस्य कक्षमः निष्ट् बसामित्यो विद्यानिष्ट्रितः बार्ज्यस्य सम्मानिः सृत्रि देवतानि ।

क्य भरवात त्मन :---

ত কৰণের পাৰক রতীকান্ত বাস ব্যৱসার মধ্যুরী একীরকর্ম হবিলাতা হল, ববস ১২ ০১ ০১ বিশ্ব ব বাজ নাব রাম মুখার নিজে। চহব সেবা গ জীবিজ্ঞান দশ্য প্রশাসি ৪ জিল প্রভাৱ ১ অভিযান ২ জীবিজ্ঞান ক্ষম কর্মানার বারাধিক ইভি ।

व्यक्तिकार वाच त्या मा कि क प्रवासिकाय मात्र माहित देश कि 'निकासक महिता गांवक मत्यक व्यक्ति करण विश्वक के स्वास केक वार्यक करण मात्र माहिताहरू

misks-

Trailor attach and of the adjust.

रिगम क्रफ क्रिंग भीग केंद्र स्था रेजापित हेरात क्षेत्र गढाव त्वर स्था

"হারাবিকা জীউ তথ্য কাজন ক্রেন্ত্রীর রক গাণ্ডি শীল চিত্র কাচলী নীকা করে (গাঁট ?) উরশী মলিমন চেত্রি করে নাগান লোল মুকা করে পর্ব করি মলেহার পর্বহারি লিকে শিমক করে করি করে করে পর্বাধি নানারত রচিত করি ক্রেন্ত্রী করে ক্রেন্ত্রী করে ক্রেন্ত্রী করে ক্রেন্ত্রী করে ক্রেন্ত্রী করে ক্রেন্ত্রী

ess। नाम रीन पृष्टि।

हरात २व त २व ना वाव काल विश्वा नाव काना वादेश्वरह मा । कुननवासी वत-दनी (त्यान नाडीक) शह । जानव-वाक्न दनर-उप श्रव्यक्ति करित विश्वा नवज गृथि अक करित त्याब किया-च वर्तार नम क्रमें अन्द्र पूर्वि किया, कर्म वाद मा। अव्यक्ति क्रमें क्रमें नारेश्वरह । साधाधनक क्रमें क्रमें रामर क्रम्बरमा क्रमें क्रमें क्रमें

TINES OF THE STATE OF THE STATE

The state of the s

হ'িছে অন্তন নিয় কিবল ভাষার । ক্রিল কলে কলে চেট দহি বিশ্বকার । ক্রিয়ে কলে রূপধরি কলে করে বিত । ফুন্নেন্দ্র ক্রি আনন্দে ক্রের নিত ।

. जिल्हा-

- (>) কিন আদি সিমুখন্তি ছৈও ছোক্তাৰ) কিন হিনবৃদ্ধি কৰে চৌডিসায় হান (আমি) চ
- (२) स्टेंग्स वहित्य दश मान विनाद (० गळ १) ५७ वॉटन महन ता क्टह कराव छ । (९) गण ।)
- িছ) এ ভিন্ন বিশ্বস জনি আমনাত্রে মতে। শব্দক ভিন্নতে বলন কতে ল'ল ৫৭ চ (২৮গ্রে)
- (৪) এমত কহিল জনি ককা ধনমঞ্জ। জনে কানিবা হেন সাঁহা বিছা কহে ৪ (২০প্রে)
- (a) दोषी मुहोकाण काल मामिका सर्वाक्ष (क - १२गांव दोषोदेशा क्षेत्र बूकिया व गांव ह

(** *# 1)

বাখালা পুঁথিৰ প্ৰাহেলিকার বিমির্ণর
বড় সকল নহে। উদ্ধৃত ১ম ভলিজি-টা
'লাস-চৌতিশাটি, সৈরদ প্রকাতানের বচিত
লাস-প্রদীপের অন্তর্গত। ১ম ও এম
ক্পিতি-মর লগ্যায় প্রেম দেওমা ক্রয়াটে;
অপর নিশিতিকলি বাক্-মধ্যে (বেকানে
ক্রিভি ক্রয়ার মধ্যে) পার্রা বিহারে।
রহত তাল ব্যা গোলা।

निकास कार्य कार्य । २०४ मध्येष्ट्र---'निकास सुनाम कार्य बैटवालांत स्टि । उप: एवंटक स्थानिक क्रिनिसिव स्टि । ३३ क मध्य कार्यन स्थार्थ ३ :

• क्रिक वर्ष करियांत पर स्केटक 'द्रार्कें, कांत्रपत्र अवस्थि ३०न इस्त स्केटक क्रमण्य प्रत्रम् परित्र क्रिकें छ द्रार्था वर्षात्र अस्ति अस्ति वर्षात्रम् पर्वार वर्षात्रम् परित्र क्रिकें महात स्वर्ण क्रिकें प्रत्रम वर्षात्रम क्रिकें के महात स्वर्ण क्रिकें क्रमण गांव क्रिकेंट क्रिकें के साम व्यक्ति व्यक्ति क्रमण (द्रार्वाणांत्रम्पता प्रतिवर्णात्रम् महात्र सम्बद्धात्रम स्वर्णाद्रम (सम क्रमण ३०) क्रमण क्रमण सम्बद्धात्रम स्वर्णाद्रम (सम क्रमण ३०) क्रमण क्रमण

1 ...

এইরশ স্থাবির পর আবার একথানি নৃতন পুঁথির আভাস পাওরা হাইভেছে; ব্যাঃ—

"बाठ बाता बाबान गाम करन त्यांत्रम् । भडेशन बाजांव ८० जातांत्र गुजन १" देखाति ।

বেশিনেই ইয়া আর এক পুঁথির মলগাচরণ বনিরা বুবা বার: কিছ ভারার নাম কোথার ৮ মত্ট অপ্রসত ১ইডেডি, সমত। ভাতই ফাটল হইছে চলিল, বেশিকেছি।

ত্ৰণ পৰিছে শেষ এই :--"আনহোত (অনায়ত) সেই চক্ত কেল্ডাই বোজে :
ক্ষান্তত্তি বিভ বৈদে ভাগাৰ আন্তত্তে :
ক্ষান্তত্তি বিভ বৈদে ভাগাৰ আন্তত্তে :
ক্ষান্তত্ত্বি বিভাগেনত একনত নাম ।
ক্ষান্ত ক্ষান্ত সে পাইবা উপাম :

লিবিশং সী-সহর গরিব মাং আরণ বং (বলিফা)

কথা পাক বছুৱা কথা ধাৰণিতি (প্ৰাণচ্চিত্ৰ) কৰমাজ চন্দ্ৰালয় ভূমান উৎপত্তি ১° ইডামি

বাংকা আ্বার আর এক ন্তন ক্র্যুক আরম্ভ কটভাজে। একাংক আ্রা না গছ, না গম্ভ অর্থাৎ মুইটার বিজ্ঞান।

रेशीय ८नव,—

"कृषिक गाँव वरिया त्याप वृद्धाव क्या । क्रियाम करियाक त्याप मार्थ्य क्या (व्या) ह क्यापिक पश्चिम मार्थि क्याप सार्थ्य प् (१) त्याप पश्चिम गाँवि वर्षि गांचानिया स्थापित ।

C=4 :---

नेत्यात (वहे। क्यूड x इ.इ.)
कांत्र क्यादत वित्र टेक्श्य क.त :
वर्षः केंत्रत वित्र वर्षि (क्या शहेता :
कांट्रवामि महिन्द्र वित्र त्रित्र विद्यो हिल्ला :
कांट्रवामि महिन्द्र वित्र त्रित्र विद्यो हिल्ला :
कांट्रवामिक वित्र द्रवाम्द्रव त्रद्र : :

वीनार कांत्रन वर नार अब कुक्ननत्रत्र कीर बुतानत दर्शनका नाल कानी ना (मार १) किंक्स रंत तांच (तांन) धननत नांधा, हेर नन ১১৯৪ वि छात्रिच २५ देवनात्र दर्शक त्रविनाद (क्लडिज मुखक कानांक नवांख इविनाद ह

এচকণে হাঁক ছাড়িয়া বাঁচিলাম বটে, ক্ৰিয় সমভাৱ ত কিছুই কিনাৱা হইল সা।

७५१। छग्ना-त्मनानी।

কৃষ প্রক্রিকা। পদ-সংখ্যা ২৭ মার। ১০-১ সালের অভিনিক্ত সংখ্যা প্রিক্রার সমালোচিত ৫৭ নং পুঁখির সহিত কিছু কিছু সামৃত্য থাকিকেও ইহা একথানি ভিন্ন পুঁখির

আর্ছ-

শ্ব ওখাদেশানি। নমোগ্রেশায় নযোঃ রাম ২ শ্রীমধুক্ষন।

অগনে বিদালের জর্ম কার্তিক কুসার । জান পদে করি আমি দতেক নমভার র উত্তরে যদিকা পাম (গাই) হৈমত কেলা । জাবার বিদানে ওখেন সমুজান (সহার) সমৌর ।

C44 :---

বোলাতে লাই বতি (এড়ী १) কি কৰা ভাৱিৰ। সংগ নিবি এই মালাল বিবাহ বিশ্ব ! মালা কলে বিবাহ বিশ্ব সম্বাদে বিশ্ব পাৰিছে ৷
শৰ্মা লোকে কৰা কৰাকি বোলাকৈ ৪ ৫০ ँदेकि क्यारियगानी गर्नाक्षः विश्वासः इगाग कृषि नीर प्रश्नाम गार्र हिस्सा (विरुक्त) ॥

OUT | #93 | 11 |

जात्रह :--

অবনে অপাস করি একু করতার হ বিত্তীয়ে অপাস করি বঁচুল আলার র কৃতীয়ে অপাস করি হিজিক উক্তর হ চতুর্বে ওংমান আলি কর্ম্বর হ সেহারী মেন্ত গলি, আ্বানেশ আন হালি, কডুক রবেরের

क्रम गरे काक् (धम गांवात गरक है वू है १८७ (घटन १८० मर्ट्स कार्य का कर करते (१) बांव वाक्य वार्ताचा गांवाविक मधनाग रूका विका वार्ताचा वाक्यित है बांद बांव करते हुनिएक व्यक्तिक है जनिका छ (भव है :---

देशके त्याक कार्यक्रिकारण क्षावाय अधिक व लाग्न वर्ष्य रहांकारणक कलक कालिक (१९३०) लिखना कार्याक्षीक कथ त्यारे नव व कल्यामा कवि करव क्ष्मीक त्यांक्ष्मण व १९३० एण नवे चांकू त्याम आवांच अरुत ३००००० रणांची रहांचांचीक, चांकारण बांच चांचित

कडूक इस्म द्य । कृत गरे बाजू (धन नांश नत्म ह

भिक्त आद्रीत राजा। अधिकाति भारेगाव ता। नवनस्था २৮ मात्र व विक्र राजि, विद्वर प्रतिनाम ता। अधिकाति प्रतिनाम ता। अधिकाति

Obol Alei Ha-Mage

tel graffe Afficial Afficial British of Graffelia Affic Affica Afficia of Graffelia Affic Afficial Affic of Graffelia Affic Affica Affic of Graffelia

.....

4,50

व्यामारमञ्जानकः। वक् दन्ति विरमञ्जासमा स्मरणः

আট গেজি আকারের বুন পুরু ইউনাথ পুত্রী কাগজ। পৃত্তসংখ্যা ৮০; মুই পুরু লেখা। পোট গোট হাজা অকান। নেক্ষেত্র কালী।

ইংার রচরিতা প্রথান ক্রিয়ান ৮ মনীচরণ মকুমধার মধানর । তাঁথার এবং তম্রচিত আরোট ক্লই খানি পুঁথির পরিচয় পূর্বে বেওরা নিয়াছে।

(৮) ও ৮০ সংখ্য প পুঁলি প্রইয়।)

তিহার সমাক পরিচয় বিতে তগণে
ব্যন্ত প্রথমের প্রথেজন, এই মক ব্যবহা
ভবেই মামনা উহোব গৈলারির পার্কর প্রকাশিক করিব, মনস্থ করিবাছি। ভাষার ক্ত আরো কিনবানি ক্রমের উল্লেখ পশ্চাব পরিচ্ছি ক্লইবে। সম্ভবক্ত এই সব প্রক্ট উল্লেখ কানীর স্বব্যানকানীয় ক্রম্ভ ।

ইবার ভাষা পঞ্চ পঞ্চ বুইই : প্রণণ ্পরহাতী, মুর্না, শিব, কালী মান লক্ষণ শীক্ষা, কামা (পুনা) ও ক্রাত্তবের পর প্রবাস্তর : একটু নর্না সেই—

> किकिय हुनी पहेंचे । नान-मालो प्राप्त द क्षित साना सामित के सामी सामित के

> > यत-एक्सार्था । जैन्द्राम् एक्स्स् ।

क्षा निर्मी विकित — काम मनुवानि । जनवानि नरगनः, अन्यकार्यकाकं नीय नरगन्। तार प्रत्यनः। तत्र काम क्षेत्रं स्वयनः, व स्वयन् नीये नोत्रः। तत्र्य क्ष्यत्रसः, केनं व स्वयन्तः, विविद्यालयः क्ष्याः। तत्रम् क्षित्रस्य, विविद्यालयः, व्यवस्थानम्, व्यवस्थानम्, व्यवस्थानम्, व्यवस्थानम्, व्यवस्थानम्, किनिटरत सन

सितांच — कांण अस्पर्धानार्थीः

नम स्थ ता ताकम ।

तम स्थ ता ताकम ।

तम स्थ ता ताकम ।

को देवे साथ तम अक्षाय स्थाय ।

वर्षार्थ मान त्याम सृष्टेण (क्षाया ।

वर्षार्थ मान त्याम सृष्टेण (क्षाया क्षाया क्षाया ।

वर्षार्थ मान त्याम सृष्टेण (क्षाया क्षाया क्षाया ।

वर्षार्थ मान तम कांग्राम स्थाय ।

वर्षार्थ मान तम वर्षाया ।

वर्षार्थ मान तम वर्षाया ।

वर्षार्थ मान तम वर्षाया ।

वर्षार्थ मान तम्बर ।

क्षेत्रांशीय चर्न

बार बारबावी—चार चाकार्यका ।

सवय शंष जा शंकरत ।
नाम्कृत स्वाह संस्था संस्थित शंकित ।
स्वाही वैद्यापत, गृह्म क गर स्थित ।
स्वि इंडिट्ड स्थित, मेहनम स्थित ।
क गांव साहि स्थित, सुनाव साथ स्थित ।
क गांव साहि स्थित, हम मा स्थित ।
क शंक सह सह सहित, हम मा स्थित ।
व वित्र सहित्रत, हिट्ड गुर्वाति स्थित ।
(करेग्रेन साहित्रत, गृह्माहित्र सहित्य ।),

भागांत्र**ष** ।

मृगार्थ नहिं गार्ट।

श्रात्र — माना दमेरी कार दक्काना -मैद्धार व्यक्ति, नवद गरिक, संस्था सर्वाक्ति । सन्द श्राम, सीवन केवात, प्रश्ना वद क्रम् र है क्या देखारी

(नव सम्बंद) शिक्षेत्रकी ।

adout the wip a with got and we will be an extended the same with a sun to the control of the co



C44 1

्नरे बक्क विदेशित, शाका अवस्य परिता, विश्वत स्ट्रेश्यत अपूर्ण । रांशिक स्व तकां, जकरत शासित सरकां, गारिक से संभ सम्बद्धिः

ক্ষি পতি সমালেহ, বনিনেম বছাজোহ,

ংশকাৰ শিভূপণ সহ।

ইকীবনে পাঠাইছা, আনকীবে আনাইছা,

হিচা কিছু করেন সংখ্য ।

বালি তীক হতাপন, সীজায় পরীকালন,

শবীকা উঠ প্রস্ত মন্ত্রী।

শেব শিতু অলুভোৱে, আনকীবে নির্বিব্রেবে,

যানে বসাইনে যাপথায়।

(, बिदाय गीठांत ७७ স্থিপন।)

भान ।

रांत्र संबद्ध प्रांटक पांटव नीका कि त्यांकित । त्यम प्रकट नीमपनि संपद्धं टक संक्रित ।

साथ मीताब केन्द्र, किरमाण वानस्थात, नवामकि संदायसम् जिल्लाक महिला ह नीकांशय गणस्टल, सैन्डी जून पर्यं, वानक्षय कह मटब, गांना जास हरेन हरू हर्यं

प्रीमा गाम ।

७१०। छती विमानिविद्य मर।

देश करवानि विकास का शहनमाः उथानित स्टब्स्ट स्वीतार्थ कि का वास्त्रा रार्वे अपरित्रात स्वास्त्रात्र का नामा रित्रात्र स्वीतार्थ केल कार्यास्त्र रहाक विकास कोल बाना पार्टिक क्रिक्ट के

मात्रक :-- जरी विश्वविदेश मह

कार्षण कार कथा (यांत कह त्यांता रेखांदि अया तक त्यांका कियाय गतार तकती तक वांतिकां यांका कार्य करता (वाज्य होते किया त्यांतांकां यांका कार्य करता (वाज्य होते किया त्यांतांकां तित तित क्षण्य कार्याय कार्याय कार्याय कार्याय राज्यों। गांवायी पून्ता त्याय कार्याय (वाज्य कार्याय यांचाय कार्याय वाक्ति कार्याय कार्याय कार्याय कार्य यांचाय क्ष्म वांचांकी वित्ते त्याय कार्याय कार्य यांचाय कार्याय कार्याय वाच्याय (वोज्याय) गांवाय कार्याय कार्याय कार्याय कार्याय वांचाय कार्याय कार्याय त्याय कार्याय कार्याय वांचाय कार्याय कार्याय त्याय कार्याय कार्याय वांचाय कार्याय कार्याय त्याय कार्याय कार्याय वांचाय कार्याय कार्य कार्याय कार्याय

क्सारकी, अवान क्यी बाद्सी

यक कांग्र नेत्या जातं कांग्रम क्रान्त बांग्रिक किया राज्य कांग्रम कांग्रम राज्य केंग्रम कांग्रम कांग्रम

विश्वामिवि।

करीत (मेर्ड जनः बना बनाव कुणक्रकि क्रिकार्ड तर्प काराज । क्यां जन्मि जन्म अन्तर्भ क्रमा बनगर वरेना श्रमारेनाव क्रियार्डिक क्रमारिक

CTT : -- THE THE CHARLE

कड़ियां यजिएसक विका क्योत क्षणा मूटक सङ्कारेश दोटन परत यथां जोश स्त्रीक विवा क्रियां त्यरमक हं)

ভবী বিভানিধির সৰু সাক ইভি।

৮ পৃঠা বার। আরিব নাই। সম্ভবতঃ বচরিভার অহত-বিধিত। নিভাক পরীণ, —ভালোকের পাঠবোগা নহে।

७३०। नथानामी-मथीनाम देवसः दद मः॥

ইহাও উক্ত মহাত্মা খবচীচরণ মন্ত্রনার মহাপরের রচিত একখানি ক্ষু প্রেংসন বিশেষ। পৃষ্ট সংখ্যা—১৪। তারিখ নাই। বোধ হয়, তাহান নিজ হলের পেথা। ভাগ বৈদ্যবৈদ্য নিজা হোর উক্তেত। আগত :— সভাষাসী সভীবাস বৈক্ষবের সক্।

কণাল জৌৰ ভিত্তক একা হাতে মানার বৃটা কণো স্থাপের বিক্তব গাল গাইতেই সকলে আইল ১—

MA 1

LEGE CHE SELL ni coco E pas que fillita a ninci : · Pagua Pagura, M & THINKS. पूर्वाद निरंत काहि व बाला काता ह क्षांच कृत्य देवन, **28 1987 53.** चारपरक्रक दस्तर नात्र निश्चितक : यांना । माम मनावागी. ACR FARTING कार दिवाक याति देवलके भागे । १ । Cota :- विकेशनान (अपी-सारमण व्यक्ति १) white the said that the said काकिन, करती प्रका सन्द्र यह कुनि सहीति । a win sit wifenes freit entitt grit (a sun pt um aquale, entele, controlle fen vin 4fe

श्राचीमानः इ. श्राच रेक्क्वा इस । नवामानीः—

শিক্ষালের হাত ধরো, চল কথাছি ভাতার, চল জানাই, চল ভাতর, চল চল কথো। আন্দে সধ্য-দাসী, পরে কুই জন ধেলে চলিয়া মেল।

স্থীদাস স্থানাসীয় সক্সাক।
স্থানিতার চূড়ার,— কেন ভর্তানক্ষেত্র পাঠ-যোগ্য নতে।

৩৭২। সহজ্ৰ-গিন্নি বপ।

শক্তিত। ১ম পাঁচ পাড়া বর্তমান। ভণিতার ভারিবাদি নাই। বড় বেশী লাঙীন নহে।

明! 沙里! ---

রাবণ ববিষ ক্রমি বাম নারাবণ ।
পুশারখে চাঁদ রাম করিল গ্রহন চ
ক্রমমূল কর্মান করি কথা কুম বিষয়ণ ১
আর এক কথা করি অপুন্ত কথান চ
কর লোর করি করে কানকী সোলবি।
সেপেতে চাঁলিলা অনু আধান না মারি হ
রাম্পের বব রেডু আপ্রেম ক্রমিন ।
ভাগারে না ববি গ্রের ক্রমের ক্রমিন ।

ex Mar Chr :---

माजाबरक इति व्यक्तिका दश्यि वस्त्रकातः । सवद्यक्ति इति व्यक्तितां काम अधिगाति । मंद्रीदम्य इति व्यक्तिक विवास वाददम् ॥

পূর্ব সমালোচিত তে সংগ্রহ "সহজ পিরি ছবিকু-ছব" পূর্বি হরতে ইয়ালে ডিয় ব্যালাই-ট্রোব হয়।

ONO I CONTACTE!

विश्वास त्राम करि । जानी क्रमार्टी क्रिकेट बावामा (जानक क्रिकेट मित्रदिनिक / ब्यास्ट । मःशोहरकत साम অঞাত। প্রাছবিধীন কৃতক্ত্বি পাতী মাত্র লাছে। পণ্ডিত পুঁথি। ছোট বড় ্দ্র্যাক বেধা ১২ – ৮৮ একং ১১১--১৩০ শ্লোকগুলি নাই। শ্লোক-শুলির পরে 'ক্লয় ভাগের বাবমাস,' 'ছবিনার ব্যৱসাপ, 'মছলিমেন ার্যাস' 'लागमानाव' कियमरन निभिष्ठ देश्विष्ट । গৰ্মায় ২০ পাতা পাওয়া গেল; ছই लिए (मरा।

নারভ:--

謝頼 カライン だ。し ちべ コウコド 村江 回行者所・ナ いざい ! दा ्मीमु: बद्दहरू (नित् प्रक्रि)

CHIMP!

শরক্তভিং ভূমি বর জানি : relais (बर्या (किसान)

(बळ (:दर) व नि #

ক্রেক্সার জিম্বার মৃক্তার হার। व्यक्तित्व (मुख्यः विकास अस्ति । लानुक स्थान विनार प्रथम संदर्भ में हरे । व्यानक जी सम् कांचर अपि इ त्यात्र करे हार्ति हाने मात्र करके यांच्य । (भाषकि । भा क्यांत ब्यांक्य

মাভা (মাখা) বাৰা ৫ ১ ৪

St (१) महर्षाट२ मिदम्म + क्विस প্লান প্ৰস্থিত হায়।

कामार्ड क्ष्म मा नक्ष्मि विनाध कार्य । भव (त्यांक) कड़े हावि स्ति स्त्र कात करड़े साह । रमामाहे रमम मर्चत्र माधात्र माठा (माथा) बाँठ, ३०

মণ্ডাবে:--

प्रति सुब किष्टु मरह मशिल (म विडे । मक्रिन (महीब) ज्यानना नरह माबिएन एवं बिके ह बाका वित्न भूटकद क्यू माहे स्व । कारा हीन श्रम्भवन मण्ड त्व इव इ रेनका विरम क्षामाकार महिन महिन। चान्नं प्रतिरक्ष स्माप्त परिष पत्र पत्र व

বৈখ্যার কেন্ড: খানে প্রাণৰ বেলবা #পুণামান ন পাইৰ জংখন তারনা s मग्रेक्टम त्यारे कुक कार्टवन्त निर्णाट ब्राह्मसम्बद्धाः स्थानिक मा गुकाल क्रांक हे क श्री मञ्ज बहर क्ले श्री । केरियरि आण भन् । जुष्कि धाकिएन लागत कति (क्षि)। B!'शा पिट्टा क्हि मां छोम्पवि + å ≥≥ এ সখি विश्वाद्यक्ति (समा वान । वाक्त कालो इत्य काक्षत्र अवेश्वत्र কি ভেল পাল পরাব ঃ ইভানি 🖁 ১৮৫ जक अर्कावास सका बंद्य कह स्थल । व्यक्ताणि हाकीय प्राप्त म एक स्थल ब

CHE :--

नार्क (१) व शास्त्र शाकाति स्मवि 4 EKA RI

ক্ষাছাৰে ক্ষমতা যদি অদি স্থি জীও।

অলি পথ্য মিলি একতে মধু শীলা ১ ১৩৭

शासोत बहुता (मनन!) प्रि शासाहिता " खक्तिय स कार्य जात् (जाक) ह

क्ष पश्चि कार्य कर गत्र छेगकात्र। ख रहोक त्म रहोक भूमि <u>क्रक जानवात्र ह</u> बोबटड (र प्रा. क्य तहे मात्र मात्र । काहेरछ त्म 🕊 कडि न विवा मरमात्र 🖲 384 CM 1# 4

"रून ,>>१७ वधी-काकि बान देवरक का शाम भाग भ ें भाग भाग सार कर खाः शैः **गाः हिर हाः** गन ১১**११ वरी** আগান মাদর চাট্য ভাত্তিপ গবিবার ছুপুত্র दिनात्क द्रानात अन्य गम ३)५৮ वर्षी বৈশাৰ মাসভ কৰিল আবকা 🐃

"সম ১১৭৭ মথিতে তেওঁল সাহেষ্ট कतिरभक्षे कुमान्सः यूग्रण कामिरन कहे CHIMI MITTER IT

शासी-प्रक अन्ते भव म नामा व प्राथमात्र साम नाहै।

এই পুঁথিতে 'গল্পাৰজী', ও গ্ৰিছা-ছালবেন' ও ছই একটি ৰাক্য উদ্ধৃত দেখা বান। তা ছাড়া, কলেকটি হেঁলালী ও খাছে। নিশিকৰ সম্ভবতঃ 'জল্প কৰেন বানবান • লচন্বিতা কান্তি পাতিত বা তৎপুত্ৰ বক্সা আলি (নাঃ জিলাবোন।)

৩৭৪। জান-সাগর।

্ পুৰ্বে একবানি স্বসম্পূৰ্ণ ও বিষ্ণুত্ব এডি-मिनिय मार्शस्या देशांक नविष्ठत विद्याकि। (as माराक गुँचि अहैगा :) अवाह मन्तुर्व पूषि विकास। देश नकीर जाननाचीत अद । अद्भारती मार्थक स्टेशारक द्यार स्या / टाकाटनत पुनरे केन्द्रशाचि । (शहिन्दर) कुना ना कहिरन देशात विवासी चाना चारक बनिशे मत्त्र एवं मा । हेरा 'बन्दिती. ু এছ বলিয়া মুস্পনান শিক্ষিত্রপ ইয়াছ . मधामक कडिएक मां, मिण्डा । एक मां, 'किकडी' नाकि देशान-विद्यावी। 'देशान खाठावक' शत्व सावि 'त्वान-कानाक्ष्य' নামক বোগ-জা জাতাৰ করিতে হাইয়া এই অভিজ্ঞতা-লাভ করিয়ারি। । আলার यमाजीय सामुक्ता पुरस्ता हा ८६, ६४२न त्याज्ञांव कतित्वह त्याज्ञ मान का ना । बाक, दरके कथा रख्तिक कर्त का ।

এই পুঁৰিও ক্ষমিতা কাণিয়াকা, ক্ষমুক 'কাছ কভিন'। স্থায়াত ক্ষিপ্ৰক বিষয়ণ পভাৎ বেওগা মাইৰে। আৰম্ম :-- आवाद शिन कावाद्यंत्र वरित्र विश्वादिना भाग क्षानि बङ्काबा भाग । क्य (कांगू) कर्ष करणी क्रिके हुदैव श्रकान ॥ कि कर्ष कवित्रण क्रिक्क इन व्यवस्था । दमरे कर्ष कक्ष (१) क्षि कह्म सुनि मात्र ॥ क्रिका :---

> নাহ। কেচানখিন পৰ কৰি স্কৃত্ৰ। কাষাখনে বালা পথে বানাৰ হাজায় । বীৰ আনি বালা কৰে শ্বন্ধ গোৱালভূতি। সূৰ্ব্য ভাগ হত্ৰ এক কাম্বেল বিচ্চানি ।

CHT:--

हेकिएक विकास किन्नु कार्यम क्या :

क्रम निमा कर क्रम क क्रम न क्रमक्र क न्

क्रम निमा रेगाक रेग्स नामिक जूनन :

क्रार्टित नामन क्या क्रमुकः वक्रम व

क्रिट्रित्यक मान गर्दि चारित्र मानवः :

क्रमुक मान्नि नन क्रमिका क्रम व

क्रमुक मान्नि नन क्रमिका क्रम व

क्रमुक मान्नि नन क्रमिका क्रम क्रम ।

विक्रि क्रमिका नामा क्रम क्रमुक मान्नि क्रम ।

"रेकि गान गांग्स पूठि ग्याखः हेकि मस ३२०११ (!) मित्र हार छ खांश्रीय निवनर क्रिक्सन चारित निव्यक्तिमानि मास्तर गांकिन सगारेन स्थान गढ़िया।" अस-नग हरेस्ट अकडू महूबा स्टिक्सिक्न

> ्रतान रकाहाब रखन कन माम बर्ग । एक रस्क भाव कह उम्रेन्सिन विस्तर्क । चनारक रूपमें क्रमें (प्रमा) हेव मूर्ग

The first strength was a second of the secon

अरे एक्ट निकारि 'नृतिहार-अन्य को पुरीक ग्राचाल गवत अन्यापिक वरेंशाया १ ('मानि क्यि-गविक' अनक प्रदेश ।)

⁺ बक्त गर्य 'हेर्मा बाह्य क्षेत्र के क्षेत्र

আন্দিকারী বলিরা প্রহণানি ক্ষানাদের নিকট সংক্ষারজ গোধ হয়। পত্র সংখা ১০৫ : এই পিঠে নেবা। আইপেজি কারজের বহিত্র আকার। বার্গানা করিজ। জাকারে বৃহত্যত

৩৭৫। ভারতী-মঙ্গল।

এই পুঁথির বিষয়ণ 'আহতি' পঞ্জিকা † ছটতে স্কলিত করিয়া দিশাস। এই भू वित्र महत्व शानक लावक अमरकत भवन विवास ७ विश्वारमाधी सहावास वीव्छ ক্ষণচন্দ্র দিংক বি. এ. বাছাছর লিবিয়া-ছেন :- "আমার বৃদ্ধ প্রাপিতামহ পরাকা ভাজসিংহ বাহাতৰ একলন প্রম্থার্শ্বিক প্রতিষ্কেশীর মহাপ্তর ছিলেন। • • • • • • ডিনি একমন পুক্ৰি ভিলেন: ভাঁৰায় হটিত একখানা হত্তনিখিত কাৰা क हुई डिन्यांना थडकारा अअर्थि बाया-খেৰ পঞ্জালয়ে বৰ্তমান আছে ৷ * * * कवित्र प्रक्रिफ 'बाकमाना' ও 'मनमा-शाहानी' নামক বৰ্তী কাব্যহর আমার শিক্তব্য জীবুক দ্বাজা ক্ষণকৃষ্ণ সিংহ বাহাছবের ग्रापु मुक्कि क्रेबा जनगमारण टारांबिक र्हेबाट्ड । क्यूना व्यक्ति 'छात्र छी-मक्त' व्यव्यक्तिक कतिए हैका कतियां वह टाडीएक नार्द्धाचात्र कविवाधि ।"

**जात्रजी-मध्न कानिराटनत नवक्की

बहे वय मदाय विश्वविक विश्वव २०२० मीमा भारिका भाग क्रांतिक वर्षेत्रीय । वर्षाया बारता यहा क्रेडिंड रहे, वह भूषियाणि महिता इतरावी बारांत्राका माध्यामा क्रेडीय क पार्था— क्रांत्रा स्थाप क्रींत्राच्या वर्षाया क्रींत्राच्या स्थाप ब्रांत्रा संस्था क्रींतां क्रींत्र बार्गांक्रिय भाग क्रांत्रा क्रींत्राक्ष्य क्रींतां क्रींत्र बार्गांक्रिय भाग क्रींत्राक्ष्य क्रींत्राक्ष्य

THE RESERVE OF THE PARTY OF

कृष्ण शासार काइकी स्वीत वहुनाक विस्तव काइनिक क्षणां कार्यकार की कि। • • (वेश) कार्या मासूब्य, क्षण-रेवहिरका क्षर कायात शाविशाकी वहुन-साहिका-काश्राद क्ष्यण समन्त्र शाव-काविकात कतिर्य, क्ष्यण त्याय क्ष्य वा। • • • (यात हड़, (क्ष्यि) न्यक्षण काराय क्ष्याश्र के हिरमा ।"

. "ভারতী-মঙ্গলে রচনার সময় নিশি हर मार्डे। शहलार्ट्ड त्वांव स्थ, क्विंड অপ্ৰৰ ভৱাৰা কিলোৰ দিশংকাৰী कारमहे देश प्रक्रिक दरेगांकम : आहे প্ৰভোক কৰিছাৰ প্ৰেডাপে কৰি লঞ্জন প্ৰতি অসীয় প্ৰহা ও ভঞ্জি প্ৰচয় विशासन । छीषादयस मोसाज चानीव हिम । ब्रांका किरनाव निराहे 🕬 वरमद माज वराम ১১৯২ दकारक लक्षाक श्वन करवन : अक्ष वर क्रीशृक्ष अवस्थित Doch अनः कवि कीश करेंग्स थी। ২ বংসারের কনিষ্ট, ইহাতে স্বীয়ার প্রস্থানা >>an सम् व्याप स्टेटपट्स । जाली केनि निर्देश काम पर मुख्यम प्रमास करेक मुख्य त्यत्र काश्वन वादन वार्षादेशको व्यवस्था देशास्त्र अवस्थित एव एष दरमञ्जू सहरम 'शाहरी-मक्का' बहुमा का TEAT THE **५२०-५२२ परम्य गुर्ज समित हरेगा हिल्**

505

केक शरक हरेटक करें कांद्र मध्य भ्यानक समाहि सामाहित । नमन सभा ध्यारम छेड् ७ कवाब खानानाव । यकामान ্ৰাক্তালড় ব্ৰা জাজা সাক্ষ্যিকের চতুর भूव नांको अनवाच निष्य मधा महानवड এদ ন সুক্রি জেলেন : 'ইনি ক্ষরজানী-रे न्दर्नी भावक काना काना कांग्रा किर्देशकर । अतिकार**ावक महान्य अवस्** भक्तार जाकान्त्रिक कविराज्य व्याचीम भिद्राहरूमः अस्तीतः का अंद्रेशका विशेष का अक्टीर क्षेत्रकाक क्ष्मभाग नवर वर्षन स कार्यमा क्लिएकद गमभाक्रियात कास्त्रस्थान व्यक्ति वर्ते । इति । स्थाप्त व्यक्ति । बाँच मुत्रानाना क स्रश्नाक कर छन । भागाकात्व सम्भवतिष्ठ क्षत्रपदन् के व्यक्ति বিষয়ের দেইজন ভাষ্ট্রন আম্দিন্তক for an in o

अवित्र मान-होन क श्रीवे।

· 本工 1. 12、 成(1) 一 (2) (2) (2) (2) (2) And the second contract that is AND HOUSE ATT ATT A PORT A PLEASE ्राम्य ग्रामान नगरमम[्] स्टेमिक स्थापन १

· 一百世 · 一百世 · 中華明 ·

'83 के क क क्यार , आकृति जुक्का करेंद्र सहस्ति है से अन्ति, सन्द इक्ट्रिक बोक्स सरकार ना दिक कारकाड, **स्वयंत्र व्यवस्**र में दे हैं भी के ने कि किए के हैं है के कि के हैं है के कि है है के कि SBIT THE THE SET STATES

क्षेत्र अब मिला गुला १००० " Aught and when we are any office ; कीय वीक्षामात व्यव दक्षशंतक क्षेत्रकेड Whates from minerital and the

हेन डिडेंड (एडेंड्) दबल बल्न विन, কান অনিয়া কৰি, পান ক্টকটা বুখা, আগত শিক্তা মাতার চরণ, আলিপন ्यताप क्षित्रः, देविषय श्रष्टाच चार्षि क्षेत्रः। <u>ट्रक्षका सोधावन । रेक्साँन ।</u>

क्ष अः भव 'बिकाना केंद्रव': पथा :--

व्यालस्य स्थान त्यांत, व्यामि चन्निया-भन्न दर्शाच् , जान महिकार, अन्यासम 好有甜菜:一生了一种的,心明明,不明明如果 ক্ষ্টিৰয়ভাগ চুডামান, কাগ্য জ্বাই কাৰ भागि। इंडार्श्या

CTT : -

副航海的 化二十二烯 海流性 ・ 智慧 重要者となっ win in cate ninca त्यक्ति साथ कर्तनभारी सार्थाक :=+?)

Chymru 12x 1 . h + 11, 3 ^{如,八、} 有效 大汉海、安汉湖 [《]海·文美》4 %,地区4。

THE THE COURT OF THE CAME कि व्यक्तिरे व वेकान नामा कि व अभाग करिएक हमान भागों जाहें से र

50 4-38-9810 !

माहि क्ष देशकर अवस्ति (काम अरम्ब भाग रित्यर किना, अस्तिमा >२२ > छ। १६ मधी १ (याचा, त्याच हव स्त्री) नाम मार्चे। · 1 · 1

> · 有物件 电电影器 ## MELLA BY COLOR MATERIAL her alot name riscon sites कार्थ के व कार्य कर माने कार्य क WE THE PROPERTY AND

वाकावां भू विक विवस्ता

¥ 435

24

भक्षां न्य एक् विक-एक विक वारम । विकास गांकारक क्षेत्रिका मावसारक । ग्या कि क्षित्र एक्स महाव्यवस्त्र करू । विकास भाषा क्षेत्र स्वाधित्यक । माण ।

७१ । अन्ति क्यूसमात्र भूषि।

া নিয় কৰিব বিভিন্ন প্ৰভাগনাৰ আৰু একপানে প্ৰিন্ত পাৰ্ডিক পুটেন ক্ৰিন্ত প্ৰয়েক চুট্ট কা লেকে পুটিৰ ন্তৰ । ভ্ৰমণ কৰাৰ প্ৰাপ্তিক কৈ কাল বিশ্ব ক্ৰিয়ালে ৷ এ শালা পুনকাকেব নিশ্চমান্ত্ৰন আৰু শালা প্ৰস্থাচিপান্ত ভ্ৰম্ভিত

* TE :---

An emin vite e

হ্যাক্তিক ক্ষেত্ৰ । ১৯ ত কেন্দ্ৰ । ১৯ ত কেন্দ্ৰ । ১৯ তিনা হা কান্দ্ৰ কান্দ্ৰ ১৯ তিনা হা কান্দ্ৰ হ

测计划:—

কীন গোপাম মাওগা স্থাং বা গ্রেন উপার্থ কেবল জয়না মনে প্রেই থাকা পার্ব্ধ

C44:-

प्यां कर सम्म द्वार प्रशास कर स्वा कर स्व क

শ্বতি ভোগ্তান অব্যয়ার ছিও গুমারা। ইতি সম ১০০০ সং তাং ৮২ কাডিক গেখীতং জীবিয়ত আদি শ্বং তেলা খাঁ সাং হৰাইন ভালে শীৰা।" শতসংখ্যা ৫৯, ছইশিচে বেখা। আইশেনি বহিত্ত আকাৰ।

७१०। कुक-मन्त्र ।

পজিত পৃথির সাহাব্যে পৃথে ইপাছ
পরিচর একবার দেওরা বিশ্বাহ্যে। (১৯৯
সংখ্যক পু'থি এইবা । এই পুঁজিবানি
প্রাণ্ডা গোল। এই পুঁজিবানি
প্রাণ্ডা গোল। এই পুঁজিবানি
প্রাণ্ডা করার উপযুক্ত। আমার
বিশেষ অন্তাং ধ, পিরিষ্ঠা পুঁজিবানি
প্রাণ্ডা করার এই বিলুপ্ত-প্রায় করিই
বিশ্বাহন আহি।

च्या वर्ष :--नत्या शतनात्र ।

বড়াবৈ রামেন স্বিচ্ছে।

ক্ষানোধ প্ৰপত্তি ভক্তিভাবে কৰোৰ ভবি, ক্ষান্তি সকল কুজনাতা 1

আন্তৰ্গত কৰি, **ব্যাহ্মিক বঙ্গে হাটি,** কুল্লাৰ বৰ্ণ **বেগ**পাঠা ৱ

4.0 4.

ব দেও সমান পাধি নামি ক্লিজুখন হ কৰাৰ কলা কৰা পড় নাহাৰণ ব

"গতি ক্ষনগণ প্ৰতিকা সমাধান। ইতি সৰ ২০৪০ স্থি ভাং ২৭ শোস।" প্ৰসংখ্যা ২৮, ছই পূষ্টে লিখিড। বৃহৎ ধাধ। ক্ষবিভাগ নাম বিজ শুলী-নাৰ । বাবে শোম পরিচৰ আছে কি না, কানি কাৰ

আনকারী ত্রীবৃক্ত বারু দিশবর বৈদ্যা, শোলন-বার্থি প্রতিষ্ঠা কর উত্তেশক্তির নৈচ্চা, মানাম ১

न्या (असुक्शांव नार्।

PETER AND PARTY STATES

চন্দ্রভোগে বেদগ্রন্থ গৈক প্রিটি লোমান্ত ইপার সাথ লাভিনে কিনার ট মাথবী মাসের প্রথ বিশ্ব কিনার প্রথ মধ্য অইবারে রশি গলার বিভাগ র

मुनवमान-अकानकानि शिक्षेत लोड़ कि गरान्छ, लाक्षेक्या लूटलार जानती. गर्मा कर स्ति कुर्मालक द्वेषाट्य भागान्त गर्मा कार्याक्षिय मार्गि इवेषाट्य मुद्धा भूक गर्मा गर्मा (क्षेष्ठ खासकात). गुक्सा मुक्त प्रमुख्यात क व्यव निमान अस्तिक क्षेप्राटक, कार्य महाक्ष्य त्या

१४->। युशनुबा

বিবরণ সংগ্রহ করিলাম। আইপেজি ৬৭ গরে সমাপু। ভাপার ভাবার নোলিকভা নট হইবাছে, পাই দেখা গায়। ভাষা, সক্ষপ হইবেও বাজালা প্রধান। স্থানে গানে গাভিতাংভ্যান স্থাকাশ। রহনা পানীন, ভাইতে সংশ্রহ নাই।

আরম্ভ : --- -

আং**র্জে জুকা ইন্যরে**শ **অগ্ন**ত তিনিসের স্বাসেম্ **নুক্ত ক্রজাই**ল ১৫ চেই ৮

ম্বাহল :- (দ্ব্ৰালা :)

হৰ্মজন্ত উদ্ধান হৈ সাম কৰে কি ভি । সামমন্ত্ৰ জুনাপুৰ পুৰ্ব লংগুলি । মূলমন পদ্ধ সাম নাম্বৰ কিছিত । প্ৰথান্ত্ৰ ডিল এল কাল কালি জ্ব ১৯ গ্ৰেম ক্ষাল মূলে চাক্তি কাৰ্ব ক্লিই এ সেন্দ্ৰ কালে মূলে চাক্তি কাৰ্ব ক্লিই এ

74 F 51 , --

কুপতুদ্ধি অঞ্জলে ধীন স্বাদ্য প্রতি ।
 প্রতিক বিভিন্ন
 প্রতিক বিভিন্ন
 প্রতিক
 প্রতিক

 প্রতিক
 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

 প্রতিক

(中华)1+

(**:-

সমসের সংগ্রাং গাণীলাভ ভেল।
রেম্পুরান না গাণাগা কৌপুরেন রাচিলার
নহারী গাণাখন চ লি মহামানি।
হার গুণারেন গোনে গাণাগু মের্মান ল বানে রোরার গান্ধ মঞ্জে দেশ ইক্সান ।
বানে রোরার গান্ধ মঞ্জে দেশ ইক্সান ।
বানি রোরার গান্ধ মঞ্জে দেশ । ইবার বানি র বানির মন্ত্রীর গান্ধ মঞ্জে লানার্থন র

৫০ ৮ পৃত্রার পরেও জানার ক্লাক্ট অবদা সিল্লাক্তর ফালিকা রেখা বর্ষ। হর্তনিশি না পাতার তিত্র ঠিক কারের বন সাম নাই।

> ह्मन्द सक्तुं शाम सीरपत्र सीचन ! कृष्ट्रिक्ट विश्वस्तु नरेन्द्र नदम ह पूर्वर नर्वताम प्रदेश अफिक ! पूर्वराज्य पृत्ति हुअ नहित निविध (गीकिस)

Hi-

মৃতুকুল রাজাএ খে কদিনী করিছ।
এই মতে বারি পোনাইজ ।
ক্রমীতারে বার্ডবর্গে পুলিল সভার।
ক্রমীতারে বার্ডবর্গে পুলিল সভার।
ক্রম উমানিত তইলা বেব ক্রেডবর ।
নেই ক্রমে আন্রোভিনা ক্র্রিনা ইমার ।
ক্রমেত উপরে রাজা পূর্ব ক্রমে।
পান্তি সমিতে রাজা পূর্ব ক্রমে।
পান্তি সমিতে রাজা পূর্ব ক্রমে।
পান্তি সমিতে রাজা প্রস্কার ।
ক্রমিতে বারা পূর্ব ক্রমে।
ক্রমিতে বারা পূর্ব ক্রমে।
ক্রমিতে বারা ব্যার্ডবর ।
ক্রমিতে বারা বার্ডবর্গিক রাজন ।

শ্বীত মুগদুগ্দ পুত্তক সমান্ত। তিমতামি এ ৫ ৫ ৫ শাক্তি তেল ক্লাচন।
ক্রীইনানচরা মুখ আক্রমিবং ।" ভারিবাদি
নাই। অতি প্রাতন ও জীবা প্রসংখা
১৮, ডাই পিটে গোলা। আকারে ক্ষা।
অধিকারী জীবুলবার্ দিনকা সেন, পোন্দান
লোগ্য প্রিস-সব্-ইন্সোক্টর, গৈছলা,
চর্মিগ্রাম।

०৮२ । क्राम्ट्रक्रमांबाव कांचा।

विश्वेरक भविष्य द्वाराम स्रोत्तरणत स्वक्षां के 'सामद्वत्तवारा' स्वायक स्वदन-स्रोटक स्वत्र स्वत्रि के केशांद्वा। १८०२ मुब्दक देवले स्वत्र वस्त्र स्वत्याम । व्यवस्था १० । के स्वत्य प्रतिमान कृत्यद्वाम् स्वत्यसम्बद्धाः स्वति । साम्यास्य काष्ट्रम् । हवे निर्देश् देवा। स्वत्यस्य

নেষ ও ভণিতা 3—

ক্ষিত্ৰ হোছনে কছে, স্বান্ধেত ভাষিনা ক্ষায়,
কে বিসে মুই অজু নাই।

কালি সনে দেখা হইনা, (३) শাশনোৰ ভোলবিনা,
ভবে কেন না চাত গোনাই।

শ্ভাব্যত আব্দুৱার কেনা ন্যান্ত । আলাএ কতি সন ১২০৯ মা প্রাং ১৯ কাঠিক রোজ লোমবার। শ্রীকর্ম আলি শীং মাহাং আলি সাং হলাইন।

७৮०। वहेकवि समना ह

পূর্মে একখানি খণ্ডিত পুঁ বির নাহায়ে।
ইবার একটু পরিচর নিবিয়াহি দাখ, মনে
শক্তিভাছ। আবার সম্পূর্ণ পুঁ বি দেশিলার প্রকাণ্ড প্রকাণ পরস্থান ১২৭; ছইপিটে কোণা। বনা বাহুলা, বাইশ কবি সন্সাশি

আরস্ত:--নমে গনেশার নধাে। আস্তি-কৈস্য ভ ভ ভ ভ ইত্যাদি।

প্রবংশার গণপতি, বিশ্ব হোতে মহানতি,
বর্মে গাগঞ হরে লাও গ
ভালো কর লৈলা হাতে, সভাব সকল গাইতে,
ভাবে সঞু বহুগা মন্ত র

८नवः-

नवर जानगर साविक कर्यान ।
वर्ष (यान करियुर (यसर यानि क
कर्य जानक कर्या अन्याद क
कर्य जानक कर्या अन्याद क
वर्षिक अन्यादिक वर्ष अन्याद क
वर्षिक अन्यादिक वर्ष अन्याद क
वर्षिक वर्ष अन्याद अन्याद क
वर्षिक वर्ष अन्याद अन्याद क
वर्षिक वर्ष अन्याद अन्याद अन्याद क
वर्षिक वर्ष अन्याद अन्याद

विचिट्डिक नक्या मनता-म् विवर कृत विकारमन्त्रभी H [HAN - HEN] क्रिके विशेष मिनिक इंदेश कि अबन अह बहुना क्तिसारक्त ? नां, स्वनिकांत्र व्यवसारत् স্কান্ত্রিকা অপর কেই আছেন 🕆 এ তথ্য विर्वश्वान बाठ्यांश करें।

े देशक-त्रहतिकृत्रत्वत्र मात्र :--> । शक्तिक े बायकीनाच, २। स्त्रीस्त्र त्मन, ७, अलागान ह्मन १। देख समझान्द्र १। खगानम टान ঃ ছতিবেৰ লেনঃ ইতাদের সকলের नाम क्षांचत तक कटनके मुद्दे इस । उदन · ८करम अक्किमांच परम 'क्रमाकांच' मारम चार अरू कविड कविड लाक्स जिल्लाह । वैद्यात मान्डीरक काकिश मान ना कहिएक ब्राट्टर नाटका गहिल गामसंगा करें ! यहा श्केंक, चलड व्यक्तिमिन भावेत्म स्वयं करे बस्तमान मीमाना बहर इत्यादम । देशव श्रामिशांवि बहें :--्रिकि समगामकुण गठ (यह) कवित्रक्रिक विकासिक । क्या विदेश क्या लियोक्स निवरण अधि देशमध्ये हे अ राग ३३५०, मधि छात्रिय a s sie cate graff cant ba wo थाविए वहें १ व सम्बर्धीवः किन्द्रश्रीय ्राम प्राप्त शाः श्रीकात्रण्य व"

চিগু ইমান।

्रे मृत्यामी **वर्ष-क्षर** । भारता छात्रो एकेएक अनुविका अन्य शक्त के श्री महिला २-का १६ लेक महीच दिख्याक । बहे मुद्रक Miss Ber Ter wiferift gib. कि देश पिट र नम्म नरहा नाक्षिताten with six out the dis

বচৰিতাৰ দান কৰি हें राष्ट्र निवाग हो। आम---गानिस चवर्षक 'बाइनी' वाटन। अस्त हैशक भोज वर्षमान चारकन हैनि 'ट्यांग्रकाक' रामकारः। एन्डारः चन्यानक क्या मराहरू कतिय ।

वाइकारतह शतिहर-इवह शास्त्रा वाक नारे ; किश्वरण निश्च कृतिका विणाम :---

व्याचात्रण गरिन कावन कक्ष पुनि । बीरक जीका लाह बाकिह लाहजी ह MEN THE BY CRIMINGS . Will we an initial cultime offe p with some confident contribution con with a FIR AND WALTE THE BOOK IS wife celeve entire evicies कारांन क्यान त्यांत्र कालांच स्थानंत प मान कर है। जा भागी नहारन

we (centre) Paints much sitte ente e परिमान कामा काक द्वांत द्वारे क्षत्र द्वारक्षक बुटब मात्र जाबिकि मा परित्र क्रिय क्रम ह

ffin de mican mur wa feine un : or with about after well and a ं अक्न किस देश किस्ट्रांसक नहीं 🛦 THE SERVICE PROPERTY AND A

बार्का केन जिन्ह बाह्य। यो टानरक्य मार्गाक मार्ग क्षांत्रिन। अवस्त्रं स्था। श्रेकात्र अहि। मनमात्र पति नांचा नांच्या ट्रांग ।

महाजी नहांचा । अक्टूपा करवक्षी केवन कृतियाँ विरक्षति ।

শন্তে কাম্যাইলে বিদ কৰি কাৰে এছ। পায়তভাৰ হইতে সন্তি व्यक्ति (व्यक्तान)।

영향---/- 함께

€4-/• ♦

कक्का रेक्टन बाँछ नग गरेटन विश

२ मरक 🛪 व्यक्ति विस्तर कर (काहर् 🎾 কিছু থাকে, নিষ গোটা বাট বুৰ্তাসুকে बिटन विभ मास्य।

७ प्रत्य । ब्रांकि विव्यक्ति अपि विश्वत দীমরাএ ছাগলের লাখি মধু বি পিসি थावत पूर्थ किटन दिन निम्बिन स्था" हेसाहि ।

मधी-तम भग्नात ।

क्ष देवकवनमार्क। त्यांन सारहत्र भारत-विट्रान ना कि । त्मन्दकत्र नाम वा कार्यिक माहे। ५२५६। ३६ मदीद दनवा स्टेरव। अवर्ग त्यभा । वर्डाकरा 'परिवासक माम' । - MI ESC 2015

मधिका भक्त-पृत्रा कालक निरमीत (मिन्ह)। विका गांचा क्या इस गांच-४ (१) रुपुत्र व करे जिन क्षत्र बाल चपक्ति देशना । .पर पन निकारिका का पूर्व देवचा ३

শের ও কলিকা :---

ু বিদ্যু পতি এই সংগ্ৰ কমুত্ৰ কমুত্ৰ : क्षांकि गरेवा हात्य क्षांकि उपने इ निमा अधिक अध्य संदर्भ कटल सुर्वत होंग ह कार्यक्ष क साहित्री स्रोक्ष (३) यहच्यायक स्रोत

नामरीम गुरि।

देश मन्त्र बादह किन मानी कि. श्रामित्र पानि गारे । 'समन्त्रामी मःरिका

कारम क्रिक्रम (मेर्स कारक

और तम त्यार का बाग अध्यमि व्यक्ति । गर्य युक्तियात्त्र सीरम गोकामि करिम । লোচ্ছা বোলন লাকে সাঞ্জী কালানী : क्षित्र क्षित्रात देशि संस्कारण करहे ह

वान्यव एकिना कति क्षत्र विश्वास्त्र । कन् बाका एकिश्नक 🖈 औष ञुक्त । प्रान नारे विकि नारे मताक (नृत्यक) क्मकि र खादान परिवा रेक्टफ कि त्यांत्र मक्कि ह करत रक्षत पूरे कृतिश कक्षि ह भग विका क्य मार्थी देशमा कर्ममधी 🎶 বর্জনারী হৈতে পুত্র কন্তা মুক্তনিজ্ঞা। arm after an Printing Color 2. wine: :--

पुनारेश पुनीत पनि, क्षत्रकृति साथ सन्दर्भकार्थ ।

क्ष (१) अक्ष अक्ष क्षिपु जन कवि देवल I इञ्चलकार (१) नीहिंह हीएन मानमधी दक्षिण ह मुशारेक पृथी साथ व्यक्ति सोनावक । कान कामा गी। शेरन गामानी चरिरमध : रीन कमरणांच पूरे पुष्टि निक परि । পাকানী মহিছে পাহি কি লোহ পৰ্বতিৰ্থ

मवि कविकारक और विकिथित मन : रेनमारक्ष्य पद्मै मन्द्रेशस्त्रक देशन ह **६८५६मा मीडि औँ पामाम हरेल ।** " किकिन रिविष्य पूरे युद्धि तम भावित्व व

वादीक नामहें। कि किस्सारमध्य (क नीरि 👸 रंगारेन निरामी प्रतरेष रचीत चारमार्थः क्यान चानि क्यान हेरो हरियः WITH THE MITTER APPEAR

ं शब्य बान्निश्च वाहरश्च कावरम्ब दरि । इरे शिर्फ स्मबा । क्रांत्रवानि नारे दर्भ अमे विस्तृत सकत नरह । क्षूप क्षूपि ।

Por । अनगा महारा

এবানি বেমানন ও কেতকা বাবের বচিত। নুন্দুর্ব ও ভাল অবহার মাছে। শতন্ধা বি১, মুই নিঠে দেখা। একাও আন্দান। ভাল কেখা, এই প্রতিদিনির নাহাখ্যে প্রকাশ-কার্য চালতে পারে। মিঞ্চানা করি, উক্ত কবিষয় সন্মিল্ড ইইবাই কি ইবার বচনা করিয়াছেন।

न्ति । नरम ।

ৰ'ব নাই হিলা বাঁচ, তাৰ পুনা কৰা কৰি, ভূত ভৰিক্ৰম্ভ বিধানান।

क्षात्र कारण, व्योचित कृषिण कारण, ०७ मध्य किम चनवाद्य ।

एकि कृष्णकार मार्खाः अन्यतं सन्तित्वतः । नारणं कारम मुहेन बीक्षणमः

#Pel:-

- ()' एक्सेस समय संग्र, यह त्यांत पहिनात, व्यक्ति वक्षण त्रांत विक्र क मत्यार मन्त्रा शक्ति, व्यक्त त्यांत्रावर कृषि, सामारकार कह सम् वीक्ष क्र
- (২) মনসার চরণ জাসে, মটিল ক্ষেত্রকা হয়সে, জুআ নিনে অন্ত নাহি ব্যক্তির কেই বানে মুল্ ডানে, ১৫ক ভারে অন্তুক্তরে; ক্ষা কমন হাইবা নাহন্তি র

শ্বনার চাক - চাক ইজানি প্রবাদ, ক কবিলা ক শ্বতি চন ১৯৩৮ কবি স্কানিকা সাক ক্ষণ ড ব্রুব ১৮ মাস বোল স্কিব্রি

किकि प्रक्रिया तथा जम नाज । विश्विपिक पर उत्तरन प्रमान स्थाप विवस्यव कीन ममाश्र कर आहे श्राक्तिक निषम: क्षेत्रक हान्य द्वान श्रांत्रक श्रीक्ट्स नव्यन ज्यान वृक्षकप्रतीयः श्रृतिकाः ॥ चव हेमावि जिन्नाव किरमान सामक स्थि হুশাহান শালা আৰু ক্ৰিবান চক্ৰ লানত স্থিত कार्यभाव हार क्रियामस्या शामक नीवृद्ध विश्वासाम् हाः mifice Saineff मानक, किमगानी बान क्रम माननान्ध मिक्डम । यथा विश्वे क्या विश्वीकः विविध्या नावि द्रशतका । अहे भूकक द्रश्लिका द्वारा मण ८वारन । माहात महाम क्षांत्र माख् निक्थ । क्या त्यांपहि क्या कंत्रिह शिवन WHITE CHIA + + SHIPE रायक एक मोबहात करने छाउँ नाम के क পৰি মা শুক্ৰিঃ চঃ*

অই সুধিখানি প্রকালের মুক্ত 'লাই-ক্থানে মাজং মছরোধ করিছেছি।

Cha! Ma-RIN !

प्रवासी तथा अपने देव (प्रवास पारका केन सामकारण गांचान कि गांठ में कंपरण बॉलरड़ जांदन सा विक्र गृंदि — त्यर कंपरण जांदे सामक करायन गांचामा कार्यक गुर्केतको वहाँ करायन गांचामा कार्यक गुरुक्तको वहाँ करायन प्रवास करायक वहाँ करायक सामन कराई क्रांचित

ente atin af que festant efec dere phi que par s fatos mais ets telligents tex atin ple gé foi como विकित्य स्था कि विकित्य काल द्वार्यको ।

(अध्यक्ष कार्य क्यांनीय क्ष्यंच काल द्वार्य ।

सरकारय क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यं । क्ष्यंच क्ष्यंच ।

सरकारय क्ष्यंच क्ष्यंच । क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच ।

श्रीत क्ष्यंच न्यांचीय । क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच ।

क्ष्यंच कार्यंचीय । क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच क्ष्यंच ।

क्षित्यंच क्षिक क्षयंच । क्ष्यंच क्ष्यंच क्षयंच व्यांच ।

ऋण्ह-८५महोत्र श्रीन ।

ভ্ৰমতি পাই হাত ভাবের তাৰি লৈচে নামে।
ভাৱতে জরাইচে ভারক বিনা কোবা পারে ঃ
ভাবের ভারি ভারে বলি : ক্ট্রল পরে ক্ষল ক্সি :
ব্যেম্মপুর ক্র আগে : এই ক্ষম ক্সে ক্ষেম্মপুর ক্র ভাবের আহে : বেল্নাম্থ মন
আপনায় কাডে :

কায়ার বিশ্ববিদ্যাল আছে: কেয়ান্ত ক্ষম থকি ভারে। সমগ্রমি বিন্দুকী ভনে: গুলার চয়ন থানন বিনে: একগাকে পুরিটে ভানে: ছেন শক্তি কাছার হ

প্রই শোগ প্রাস্থানা। ভারণর "প্রক আরম্ভ 🕂 🕂 বিপদি।" ভংগৰা :---কালির মূল্যুক্তে: নির্প এক ফিল তাতে: "লভ রালা ক্ষরা ভার হব। এই ফিল ভার ভালে। কর দিত সংশ্ বিদি: ক্ষুণে ধিল ভালেশ সম্প্র ৪ ইবালি।

নিক্ত স্থানাস্থর হটকে সাথো একটি গান ফুলিয়া বিদ্যান। গান্ট স্থানাবেদ্য ক্লোনান্তি

प्राणिनी दिल्ली— नाम खन्मके कर्माक्षेत्रकं गाँकि रेम्प्लेस स्टब्स् मार्ट्सक्त के स्टब्स्ट्रिक्तां रच्या क्रिस्ट्रिक्त मार्ट्सक्त क्रिस्ट्रिक्तिं राग्या निक्षित खन्मा रम कर रमान मार्ट्स्य क्रिस्ट्रिक्ट्रि शृतित्र वाकी क्षाप्त, कि वामि ? रैनवारन बात छहाई कतित्र क्षा ताहै व देशम तहना एकतम खाहित विवस एक्षव धा ना। टकाबाद एक धादे वाद्यत व्यक्त अ धानि काशास श्रीव दिनवाहि, करने श्री क्षा

हेरात कारनका 'यमक्षि किषिकी' त्य इत्रेशाम-वामी नत्वन, कार्य कारात नात्वहें त्यापनका वहेरळहा इत्रेबोर्ट्य केल्क्स अन्त नाम 'नकावाक' रहेना बोर्ट्य देखान-मनक्षिन, कार्यन्तिमन देखानि।

०३०। बोधहीय मूं विक

शृषिणानि पश्चित । उम पहेरक उच्च निया जारह । जनस्म क्रम नामन कर्मारंग हिन्द जातियानि मारे । जाकि जीनीक्ष । कार्मी-नजात मरह, कराइंदे क्रमण स्टेमार्ग । उप दाने विस्ता रमणा, दक्षण सम्मा कार्मान ६० । ७० वस्त्रात्तत्र रमणा स्वेटन । जास्मान १० । ७० वस्त्रात्तत्र रमणा स्वेटन । जास्मान १० । ७० वस्त्रात्तत्र रमणा स्वेटन । जास्मान दान १२० गम जारह । पुत्राक्ष

মুগ্ৰনামী পুঁৰি, শিশ্ব প্ৰতিপান্ধ বিষয়ে হিন্দানি ইপুনীউ-জন ভাৰ সমানিত, এই কালে কোৰণ "কাইপাননোল বিষয়া নিশিক আছে। ভাৰাতে নাইবালেনা কৰা আছে: সম্প্ৰান-বাৰত আছে। "বিভালে আৰু কাঁ, প্ৰতিবাদান আৰু কাইপান্ধ কাল কৰা প্ৰতিবাদান

erra gent sile kurfilleri i functioni que a coli colte a sult de alle servide ser finance con des que sobre casilles আকাশ গাড়াল হৈতে প্রথম করিলা। ফু জ নানা রূপে কেনি করে প্রথমিত ক্রিক বি

रेतरक क्षत्रक देखा रेन म क्षत्रक्रिक । रिनिट करिन हिन ग्रामक ठिमिरक । प्रशित्म क्षत्रत्र मदद क्षत्रिक क्षत्राम । क्षत्र पाठे क्षत्रकात क्षरेत्व क्षत्रान ॥

আনগের ভংগ করি আছ ও বেখাগিত।
পিতন স্থপনি মাণে পোষন সহিত হ
স্ভিকাত প্রতি করি করি ।
কল বৈছে আছে কেনি বিশু সংকারি।
চলিবাকে মনি (মনি) জেন স্থাজির কিনন।
তেন মত বেছালিত আছন নিন্দ্রন।
তেনমত আছে নান ব্যাল (গোরম) সহিত।
তেনমত আছে নান ব্যাল (গোরম) ব্যালিত।
তেনমত আছে নান ব্যাল (ব্যালাগিত।
বোহাগাদ রূপ বরি নিক্ষ নামতার।
নিক্ষ কংশ বাচাহিন্য স্টাক্ষে বাচার।

সম্ভণ গৰি প্ৰাকু সংসাৰ শিৰ্থন ।
সম্ভ ভণ গৰি প্ৰাকু সংসায় শালন ।
কলভাণ গৰি প্ৰাকু সম্ভাৱ কয়ন ।
ক্ষিতিৰ ভণ ভাৰ মহিখা ভগৰ ।
ইভাহি :

वश्यहै। नीरमात्र कात मह करिए व मा भारति। महाराष्ट्रमा त्रक्ते वातकात व्यार्थना करियोक्टियन, न्यादका। भारतिक भारति वश्च अपूक अवकात सम् किया वाराटि किनि अभारति संख्याति आमात्र आर्थनात आरेक्टन कामाविक्याति सम्बद्धाः अक्षाति अरेक्टन कामाविक्याति विकास अस्टित्सक् । किन्दि स्वार्थना स्वति।

কাৰক বিভিন্ন আৰু কোহেতে পাৰিছে। বাংসহ মোলেংক ন পাৰিছ ভাৰমান ও অসুদিন মোল পিটে কগিলেক ভূপ বু ক্ষাপিত ভাৰমান মাইকৰ পাৰিছ ।

শতংশর পঞ্জি। ভবেই ব্রিভেটি, এবার আহম (হিশুমকে 'মছ') স্ট ইই-বেন; ভার শর 'আহমি' ঝ 'মানব' হইবেন।

७>>। दें डेय्क-त्वारमधा।

श्राणिक गायक शक प्रदेश स्वाधान व्यक्तिगांक पान, वर्ष अद्भव व्यक्तिगांक पान, वर्ष अद्भव व्यक्तिगांक ज्ञान पान है। देशक देशक (वर्ष अद्भव व्यक्ति व्यक्त

चित्रणाती अध्यापक जागातन त्रमात्व भाद्र वहेदवन मृ !

না নেবিবে একসভ, সর্ব হব সন্ত কর দসন্বিগ হব বোগতর চ তে কারণে মবিবলে, সেইক্লে দিটি করে, উদ্ধান্তরে রাণি হেলে মুগ চ ভা বেবিরা ভাবিলন, স্বাহত ভাগিত মব, ভারিবাবে ভাগে স্থে সূথ চ

3+3 **地**田寺 (四代 1---

অংগবাদ নহানে রক্ত বংক অনিবার ।
রক্তবর্ণ ক্টলেক সুব জগোবাদ ।
অবির্থ বর চর্য চক্তু রক্তবানি ।
অইলুন নিতা বর চর্যলুন বর ছবি ।
মরানের কলে নিতা করাজাগ পুরি ।
মুবেকে যাবর জেন কুছুন কুখানি ।
ভারের করার বাল ক্রেন রাজার ।
ভারের ক্রন বাল মনে করার ।
ভারের ক্রন বাল মনে করার ।
ভারির করার করার ।

 (5) भावहृत इतिका ताशा कर (ताश करता) विकास करता ।
 इतिका करता विकास स्थाप ।

সাহাবলৈ সহকাৰ নীত কৰিবান ।

সে পদশাছকা আৰু কৰি পাতিকাৰ ।

বাবচুল হাকিম কলে সাহাক কৰুৰ ।

কাবচুল হাকিম কলে সাহাক কৰুৰ ।

সাহাবলৈ মোহজন কলের সাবার ।
ভারাত কাবেত প্রজু ভেনন্ত নুত্র ।
সে সবুত্র জানে বহি স্বাক্তিকা ।
সে হউক কাবিক বিশ্ব প্রক কৰু ই (?)

সে স্বৃত্ত করুল ভেল ইন্সিল কলাকিং ।
গ্রহণে কে প্রত্তে সক্ষম ক্ষ্মির এ

এই প্রস্থানি চই নামী কলাতি কি না, আনি না ৷ বলিতে কুলিয়াছি, ক্ষীক্ষাক প্রিন কলায় তথা আনিক্ষাক আতি প্রটেছ বেৰিয়া থাকিবেন ৷

८२२। नाम-श्रीन पृषि।

ইয়ার নাম নাই । ব্রণমানী বোর্ম-পারগ্রহ। হিন্দু-বোগের সহিত স্থাক-নানী-বোপের প্রভেগ কেবল সম্প্রক্তাই পদ কইরা; মুলভা পার্যকা নাই। 'রোক্তা কলেম্পর', 'জান-প্রবীপ' এবং ন্নাবেলি গ্রহ একই বিষয়-সম্বর্জ।

নচনিতার নাম নৈয়ৰ স্থানালা ।
তর্গতিত 'আল-প্রকীপ' আনমা নেবিকারি।
তবং উহার পরিচারক ১৯৮৯ গোলাক
প্রতিষ্ঠিক সংখ্যক 'পরিবার' ১২ সংখ্যক
পূঁৰির বিবর্গত প্রথান ক্রিয়াকে। ক্রিয়াক ভাষার সহিত ক ইয়ার ক্রিয়াকে।
ত্বিত্র ক্রিয়াক ক্রিয়াকে।
ত্বিত্র ক্রিয়াক ক্রিয়াকে।
ত্বিত্র ক্রিয়াক ক্রেয়াক ক্রিয়াক ক্রিয়

THE TENNE THE TE

্তিনেক্ট পরের ভাষ, হইবা গিয়াছে। হিন্দু অকস নৰিশের ফ্লেপী। লাবছ : ∸৮নমো গ্লেপী।

হাৰ্থে প্ৰভুৱ নাম কটিয়া খনন :
কাটোৰ হাজাত আচন্দু লাভাৰ বীনাম হ
কোনে আগতাথ দিখা আৰম্ভিনাত হ
বিনি মণ্ডে প্ৰিকাণ্ডে সকল সংসুৱে চ
বিনি কাৰ্থি বিনিকে লৈ আছে এ সকল !
বিনি আৰ্থি বেৰজ হে লগতনকল ও
বিনি কাৰ্থি বেৰজ হৈ লগতনকল ও
বিনি কাৰ্থি বেৰজ হৈ লগতনকল ও

ক্ষম না কার ভান করি কাঁতা ভুল ৮ মন পেয়া ধুন কার জাক্ষির (ক্ষেন্তি) মুল ৪

स्थापुरा :---

कांत अक तुम कृषि कार्यक्षों कमा ।

मा दिन समित करंड क्षा क्या है

कार्य राजक विकार गीय) दिएक क्ष्म ।
कार्य कांत करंड विकार गिया ।
कार्यक करंड करंड विकार विकार ।
विकार करंड कांन गिया अक्टर ।
विकार करंड कांन विकार करंड ।

चित्र :--

্যানিং প্রণামিকা ক্ষাক্ত চলান। একঃ প্রণানাদে করে কাভিত্র ্র (গাড়ীয়া) মংস্থান র

SOR THERE CORE :-

कार्ज करिय कर्मा ए र निरुक्त । प्राप्त (क्यांनि) मान करह प्लारन धान (क्यांन) मान्यून । धान (क्यांन) मान्यून । धानपा कर्म क्यांनिकार कर्म । ब्यांनिकार क्यांनिकार कर्म । ब्यांनिकार क्यांनिकार कर्म । ब्यांनिकार क्यांनिकार कर्म । धानपा क्यांनिकार क्यांनिकार । ভাষাৰ আগত জুনু শুন বিবা মত ১ নত্ম গোতে নাৰা বেখা খণ্ডিৰ ভবন ৪ আন এক কথা কমি নিকি: ") নান ভাষ ১ কাৰানে না**নি**লে নিকি হঞ্ ত নিছাৰ ৪

'कानश्रानीरमव' महिक देवात थान्हें मामृक तथा बाँडेरकरक रूप, हेवारक किन्न श्रद विमेरक मरमक क्या काक काम-ध्यमीन कामारमत निकरंगे नाहे, क्रक्तार मिनाहेवा रम्बिरक लाविमाय मां। लरक रम्बा एहिर्द।

৩৯০। পরাগলী নহাভারত।

र्राक्षामाद करे अवसामि मानस िबाटका आदम व्यक्तिकारमहे कर्णमान कारका रमधा भूव आहीन, त्याव क्या CONTRACT TOTAL STATE TO SERVE বাৰখাৰি ছিল। কত হইছে কড পাত आह. विवाहेश संबंध शांवि माहै। এমন কোন অংশ আৰু উত্ত ক্রিয়া **्ष• हिंगान नां। आदासन मटक हैशान** कामाहना कतिया छहे भे विवास कारमान যাণ্ডিবাদী তীবুজ বাবু ভারাভুমার ाम कंबताक मत्यावरका निकटी चारक। र्गशत मिन्ह बादवाहारचात्र (भन्पूर्व), क्यामहम्बद्ध स्थितन्त (बीर्य 🛊 विकार । अवर चार्या वह भीवे चारक। न्छन प्रविक्रिक विवयन मध्यक करिया निमाय। आयाम इतेरम पुषिश्रमि विरक्ष किन प्राची मारक्स ।

্বন - সালের অধিনীক কলোন পারিবারণ ন্য পুরিবার বে গারিকার বার্কার্যনা পারিবার কি: গারী বইলাকে, ইবার পার এক্বানি আহি-কি:ক্তান্ কলাকালের অধিন গারের বিভারে । কি:ক্তান্ কলাকালের ক্রান্তির ইরার পারে কি ক্তান্কর্যার ক্রান্ত্রার বিশ্বর ক্রাণ্ড পারে

A 47

न्य पर्व ३-म हार्यात वार्यात व्यक्तन नितत -रिवाहित व्यवस्त

৩৯৪। স্বাম্ছেপারার মাহাত্ম।

ইহাতে পৰিত্ৰ কোৱাল স্বিণেষ অন্তৰ্গত 'আৰ্ছেণাৱার' বাহাস্থ্য কৰিত আছে। কুজ পঁৰি। ভণিতা নাট। পূৰ্চনংখ্যা—১১; ব্যাল্ ক্রমেন্ন কাগ-জের বহি।

षात्रष्ठ :-- चेव्ड ।

প্রদান প্রধান করি প্রান্ত করতার । বিভিন্ন প্রধান করি রচুল প্রান্তার র ত্রিকিঞ্জ প্রধান করি কিছিয়োরগুণ। চতুতে প্রধান করি এই ভিনা ভূবন ॥

(M4 :---

পরিষে (গড়িলে) ভাষার ছবে বইব নিবারবঃ একবার পরিবেক ভাবি নিরারেন ঃ স্বার বর্গনিত হই থকি রাজ দিন। আমি এক হিম নাম সংমার বালার । এই পুথি স্মাপ্ত কইল কে। ইতি সম ১২৩৪ মন্ত্রি,ভারিধ ১২ ফার্ডিক।

৩৯৫। সত্য-নারাংণ-পাঁচালী।

कृत गृथि। भाव-मःशा ५; छेखा गृह्य मिनिक। छात्रिय नाहे; विख दिनी विस्तत्र मक्त नहें। 'वीमकील वास्तत्र' छवित्रताम इस्कत छनिछा चार्य। এछवि-यत्रक सभग्रांभत शृथित महिक घर्णनात्र श्रांकात्र मिन स्वयां यात्र। चान्द्रस्तित विवय और स्त, मक्त कवित्र क्यानाहे अक त्रक्त क मुख्तव्यक्तिक।

भावतः -- सम् श्रामातः । तम् नषा मात्राप्तः सम्बद्धाः भाव नका नात्रावनः भूकक् निभटः । सम्बद्धाः नात्रामः जनस्तिः वर्षः । উक्रणाति श्रामः एके आरोवे काम्यः । छनिकाः :---

(>) কৃষ্ণভাষ্টি আনলে জিনিং ভিনযুগ।
 বিভ বাদকৃতে কাহ বস্তু কনিবুগ।

'হ) বিশ্ব হিন হাসে করে, শুন নাথু নহাপ্তর, বলি হ্ন এই তথা সার ঃ সভ্য দেব পুলা কৈলে, ভাহান কুপার করে, নধ্য সিদ্ধি হইবে ভোষাত্র ভ

C44 :--

নভানের মহাত্রাড় কেবা করে বেন্টারি নীক্ষার ভাতির ভার কোন্টার্কী আক্ষান্ত বঙ্গণ বেশান করত কর কাইণিটা সভাবের বাড় বিবা আরু পতি বার্টার

"ইতি সভ্য নারারন প্রত্তক সমাধা। শীরান্দ কিলোর চৌধুরি শীং কালিনাথ চৌধুরি সাং আনোরায়া ।"

বিজ রাষ্ট্রক ও রবুনাবের রচিত এই
নারীয় ভারে একগানি পাঁগর পরিচর
১০০০ সালের অভিনিক্ত সংখ্যক পিটি
ববে প্রকাশিক হইগাছে। (৮০ সংখ্যক
পূঁণি ত্রন্তবা।) এই উত্তর 'রাষ্ট্রকা অভিনি

০৯৬। সতী ময়নাব**তী ও** লোরচন্দ্রাণী।

पहे गोरत निवडन गृत्य अवसात निवादि। (१० वर्गान श्रीम अवसात अक्षानि पश्चित्र प्रस्ति प्रधन कर नवन हिन्दु अवसा होना गुँदि ७ मन्त्र वर्णानिक गृपि कृत्यक क्षित्री काश्चाव स्वितत्रन निविद्यक्षिः। काश्चाक जिल्हे देशत अवह सनि अविद्यक्षिण स्वयक्षित কারে ১৩কেপ করিছ আর কো বাল নাই।

প্রায় স্থানী পূর্বে পরিবৃত্তি প্রাটিতিত ও হাল বিপিন্দ কবিবারি, তথিনি আর্থানি বিপিন্দ কবিবারি, তথিনি আর্থানি আর্থানি কবিবারি, তথিনি আর্থানি কবিবারি, তথিন আর্থানি উপর আ্যানের জেন্দ আর্থানির উপর আ্যানের জেন্দ আর্থানির বিবাস

জ কু ক্ষেত্ৰত নাই বান হৈতৃত্ব নায় : আদি স্বস্তু নাই আন লোক ক্ষাৰ ৮ কোটি

(राजिक-शासकः)
कर्त वृत्ती स्था गृहकः सार्वः उत्त शृति ।
कारणः नगरः नारः वर्तः स्वयक्ति ॥
कारणः सगरमानं स्वयुक्तिस्थ (१)
नार्वः स्वयुक्तिस्थ वर्षः स्वयुक्तिस्थ (१)
नार्वः स्वयुक्तिस्थ वर्षः स्वयुक्तिस्थ ह

स्थाप नव रेड्य (न्यात स्रीति । स्थापन स्थितन गर्न गरिनात । है हे स्थापन सरावति (तरे गर्म ग्रेस । स्थापन सरावति (तरे गर्म ग्रेस । स्थापन गर्म विधान स्थापन । स्थापन (त्यापन स्थापन स्थापन ।

পারবেদী পার্নেট নারিক আর্থান। বিবি সংযোগত নিবা আতি পারবার ই সুপরি পারত নেট আরম্ভাক আনু । নারা বেলে সোল মারে অভিন্য প্রতিষ্ঠানুক্তবার

ं ७,३० वर्ष, ३३% मार्गाहर जेलाइकावी के हाराहरू कार्य सम्बद्धांक्रिया ।

न्यार्केश्वर वान स्थानी पु चर नारे ।

সৈৰ সেৰজাৰা আৰু আগোৰ কৰিয়াৰী শামনাৰ সে নাম হৈ কি প্ৰাণেৰ কৰিয়াৰী

केवन प्रक्रिय विद्या सिकिके, निरामय ।
पानि कृष्टि गर्थान (१) एक पाणि कर्य एमन ॥
एमन क्रिया मान एक्सि महा स्थाप क्रिया ।
पान्य स्थाप क्रिया मान महाद क्रिया प्रक्रिय ।
पान्य स्थाप क्रिया मान महाद क्रिया प्रक्रिय ।
पित्र स्थाप हिल्ला मान क्रिया ।
प्रक्रिय एक महाद देकता । हाइक्सिय गृजिन ॥
प्रक्रिय एक महाद देकता । हाइक्सिय ॥
प्रक्रिय एक्सिय होता ।
प्रक्रिय होनि हिला मानुक्स हम रहिला ॥
प्रक्रिय होनि हिला मानुक्स हम रहिला ॥
प्रक्रिय होनि हिला मानुक्स हम रहिला ॥
प्रक्रिय होनि हिला मानुक्स हम हम्मिय ।
प्राण्य क्रिया मानुक्सिय ।
प्राण्य क्रिया मानुक्सिय ।
प्राण्य क्रिया मानुक्सिय हम्माविक मानुक्सिय ।

इष् द्वारि ओकार पूरण नाम सम । महात्रीवेश तुन पान मानदन गरन ।

त्यांवरक राजिएक संबा त्या मुख्यांवर्ग ।
वर्षा पांचांवर संख्या सर्वा क्ष्मांवर्ग ।
वर्षा पांचांवर सर्वा क्ष्मांवर्ग प्रवाह ।
वर्षा प्रवाह स्था सर्वाह प्रवाह ।
वर्षा प्रवाह स्था स्था प्रवाह ।
वर्षा प्रवाह स्था स्था प्रवाह ।
वर्षा प्रवाह स्था प्रवाह ।
वर्षा प्रवाह स्था प्रवाह ।
वर्षा प्रवाह स्था प्रवाह स्था ह

CONTRACTOR OF THE STATE OF THE

albur to a to a coult of a

ভার শবের পানে, আসরক মহামতি ।
আপিনা ভারতে অইলা রামার সক্ষতি ।
নীনা ভাতি সেক্স নথে ধরিন জোকান ।
সম্ভাতে বালিলা পারে আসমান বাল :
নৈয়ন মেন আরে মান্য পার্চান ।
বাদেশি বৈহনের মহারার নিম্মান ।
সামিন সংক্রে গোলাকার মহানার ।
সামিন সংক্রে গোলাকার মহানার ।
সামিন সাম্ভাতের ম্যান্ত সংসার ।

বীষ্ঠ আসমদ পঞ্জিদ প্রধান।
থোল কলা পূর্ব জেন চল্লিমা সমান ।
বীকি বিধাা কাব্য শাদ্র নানা সমসম।
পৃথিতে ক্ষিতি নিতা আনশ্য সমস্য।
তেন একে সক্ষা করি ব্যান সাক্ষে

बिएए (बिकि)।

করন্ধ ক'ম-ল চিত্রে কিতাব রচিতে র

মারবাঁ ফারাস নানা নিত্রম উপলেল

বিনিত্র সমল কথা আছিলে বিশেষ প্রথমিক বোজারিক লোটা বছকর (়া)

সংগ্রে মোহজা মঞা লোক ব্যক্তর র
লোন পুনি কিংবেক কড়ুক নতার্বাচ।

ক্রমিজা স্টার কথা রাজার আব্হি হ

ভারতে পুরানে স্থেব সে বাধান।

হন্দন ভিসক সত্য উল্প নর্থ ছান র

देशि ह्यानिका त्यांच कावनी मनत्य १ १ १) मा तुरव त्यांचा । कावा त्यांमर कत्य १ द्वांची काव क्या नात्र गाकावीत छन्छ । मकत्य किनिया । कम दुळाड मांमन्य ४ १८८४ काको । में नाम म वृश्चिम काकाळ । प्रानाचीत छटन्य काव्य मान्यान साम्रोत है ।

্ প্রান্ত (বর পারস্ত ।)
নামার সুবাধী এক নামে মবাধান ।
ভূমন বিজাই সে বে জপেত গাকানি হ কি কাহিব সুবাধী। কণান্তবন্ধ ।
আন্তর্ম সীগান জন্ম বাকিছে জনক ।

भिक्तिय स्थापन दल्य "त्याहर शहरी मतन লোৰ পঞ্চি বিৰে n win win an ? a thing continue MACHICA ESCAL TO "(भा भी के कि 1) (का**डे** मान 'देखांचर', वसमान क्षेत्र लिय कु बक्रमा मा अस एउक्का । विश्वतक्त (माम्बरकार) वि:क निश्न गरिक SEPANICHA BIL MINE तक भएन अस. BUT BUT THE HIRTY পতি হতি হিন্দা দেল, তা ৰাঠ আৰু মা বাহিৰ मंत्रीत पंषर्य साथ क्षांस ह

विवन लोगरः काकी तथा मुख्यां, राजी रेज्य रेकाहे अब मान वा अटेड्रेड्र काश्य सहसा, तुक बनित्त १ निर्ध इन्स ३—३ अकामन मान निर्हि रमोग्ड काकि मिन्न म्हेरमान महत्र काश्या-खरण वादन मान शृक्ष कदि कर्दन ३।"

व्यागा अस्तर प्रकृती । 🖟

ाधान प्रताप कवि काष्ट्र विकेशन है। ट्राइट कार्या कथा कथा क्या जुला है।

> क्षक वर्शभूतम मनक जाता करि । टम श्रुष रुक्त क्षक मध्यत् छ वृत्ति ॥

वर्ष वाका तक वृक्षास्त्र वाज कृत्वा पृक्षित्रम् साम्य कार्या क्रिक क्रांस

विक्रिय क्षणाच्या मोचन नोविद्यात । विक्रिय क्षण्या क्षरता प्रतिकास स्थापन ॥

THE THE WITH SEE THE PARTY

न्यानीय भाग योग मू वित्र गाउँ।

₩%..

ভংনে সাহিত্য কৰি **ভলি জীবগতি**। क्षता**म सेपप्र नेत्री सम्ब**ं मृत्कि । नी कुन्द्र करि गाए हैं क्षिकानि कारण रेमिस देशेगाईका उन्हें ,কেছৰ বুলে কেচ ভাষিত্ৰ সময় 🛊 हुन गानि सामस्य रेक्स सहित्यक । ंत्यात्र स्थानित कथा बहिटल भगात । कामहल बाळात लोगळ कांग्री शैक्षा ৰুড়িল চ<u>ক্ৰাণীৰ কৰা অতি প্ৰথ</u>চিত ই ्नम बाल प्रकार कथा करिक शकाम । क्**टीड राष्ट्रंस राष्ट्रत र** बांग बांग ४ एहार के बिल्हा नामा हम के । aufer in sie ten fentes : খাসরকে জঞ্চ। যার মাস খার্ডিল। रेबमांच मनांगः रेबाहे जनाव प्रश्नि । क्टब कांकि योगञ याने ठ देशन शीम । ৰঙ বাদ্যা পুঞ্জক আছিল চির বিন ১ ्यम मात्र महमा देकल हातीय विगति । नुबद्धि चात्रिकां विशिष्ठ (बाब निक्रि) A मक्स (लंद कंदो जनाच क्रिया (क्षकर्ष्यं ३ ८मार्थ जिस जुन ४ ति (नवा ४ ভৰে পুনি স্বাজ্যে হউন ভাগোৰ্ছ। **এচনা বংশা সে নৃগতি নহালর ১**★ **४७ पूर्व (पर्व !) काशास्त्रत कहिरा**म T 1

আন ইলিতে বহ বৃদ্ধ পাণ্ডিত । দুপৰীৰ্ত্তি সমূহ ভালিতে নাহি ভীন। আন্ধিনাল ক'বা ভাল আয়ু চউৰ চিন্ন।

ভান মোহাপাত্র প্রমন্ত ছোলেয়ান। মানা বিয়া শাল্লগুণে শত অবধান ঃ

হেৰ বাই লগা আৰি ভাতার সকল। প্ৰয়াজৰ্থ দিখা বালা তান ক্যাতন। লক্ষেৎ কৰা কথা বেলের মাধার। দে সকল উপায়ে ভাষান অধিকার ।

প্রথেশী আদির ককিয় ক্রথক। তথ্য বস্তু দিয়া মিঠা সাধ্যে গোসভাঃ

द्यीत म्दरा मृत्यूक **क्टलशाशांक द्या**र्क । रेम्त मशक्तिक लाक केलि कक्ति कि है। विश्वत मानिमक्ष पविषयं समान । ष्यक्तिका मध्यक मध्य (बाह्र प्राप्त 1 विक्यून व्याधिक व्याधिक निवास । करा लाभिक्की दाना काल कर्मकर ह मक्तिम कृष्ट्रव उपात्र प्राध्यपति । क्षेत्रांन ज्यामाना एक पूर्विक किन मन्त्रि । काका रहाड़ गरम काडेरड ओकाइ नमरन । देशवास्त्रिः त्रथा देशक क्षत्रभावत महस्र ४ बद्ध बुद्ध कवि वर्षवामी देशम लिखा। बन्बार ह काला यत जावि बाईस रहना ह কৰেক আপন।র মুক্ত কহিনু একানি। ৰাজ অংগোয়াৰ বস্পুজেত আংসি ৷ विषय (सारमधान मर्ग ७१वस । गक्तमने की गाहेल मान्य लाम्ब । মহা হয়সিত হৈল পাইকা আলানে। कड़बळ बाटन विका एगामच मांबरव क ভাষান সভাতে গুলিখণ কৰিবত। क्षांत डेन्डि इन क्यां समक्ष मण्ड ।

(अमानम) व्यमक म्हेन ब्लाह ५००१(विह कहा र कामक हामन अहे द्रव काम गांचा ह

> এণেক কৰিবল ছোলেনাৰ মহাবহি। হয়নিকে কালেন কৰিল আনা নাটি । এই বৰু মুহাৰ শুমাক লোৱ বালে। ছফ বহু নোৰ কানি নিবাক এক, ঠাবে ও 🐍

সহস্থ আরতি সে হানি কার্যাক্তর । অভিযান বৈল ভারি-স্ক্রান্ত কুন্

०३२] 🦛 🔔 श्रामामा 🥆 वित्र विवत्रन

পর্যকী কুলাও কুম্বার্টিক হব। মহারতে কুলা করে জনের নাজা ও জার মধ্যে আলাওলু বাতি ভীনুক্তি। মাধুস্থি জন্মত কুরিল আর্তিও

শশবর বরিতে বার্টাক হক্ত ভোলে।
আনাবা নাবন নাত্র ক্ষকুণা কলে র
সহাজনের আনেশ নহজে পুঞাবান।
আর্হাতা করুবাতা ক্ষমক নাবান ।
নাবন করিন্য করে কাবিআ সহজ ।
ভাগাবক জান নিষ্কি হুইবো ক্ষমক র

নীবস্ত কোলোনান সভা-বন্ধানত। ও গুনিতে সতীর কথা হবিদ অস্তান । আবেশ কুমুখ কাম শিলেও ববিখা।। হীন আলভিতে করে পাকালি মতিলা ।

C44

রোসাক্ষ পৃক্ষাী ক্ষম কার্কিকে গুপার।
পূর্ণিত গভীর বৈশয়নে ক্ষম পার হ
তেকারণে পূলি বৃষ্ট একাত্রে গাণিল।
বিচারে না ফিরে জার জে হৈল নে হৈল হ
মুই মোহা গাডকার গাণের নাহি গুর।
আশীর্কার ক্ষম ক্ষমতি হেজিক বোর হ

व्हनाकान :--

्रमूक्तवानी तक मधा पून किया मन । व्यक्त व्यक्तित गारिना न्यित्रक सम ॥ तिसू मूक ,प्रतः) प्रविका व्यागत्न स्टेनिटक । यूरु (१९७) क्यानिविद्य वाधिया वावव्यस्य ॥ सगदित मस्मत्र मून्य विनतन । सून पूक्त (प्रकः) स्वस्य सून वास्त मुगोक्त ॥

क देश व्हेटक २०४० हिम्मी ७ २०२० मधी तम लाक्ष्मा यांच । क्याहि द्वा यांच द्वा, दिनकी दिनाद्य ६०२ वरमत ७ मधी दिनाद्य ६०० वरमत पूर्ण आंगान्तम 'ठळाणे' अन्ना वर्रमा । किन्न क्रेक तम इहेन्द्रि मद्या ५ वरमदान यांच्यान स्थापा हहेक आंत्रित । जांगान्द्रसम् यक शक्तिक पाक्षि जनम जय कहिहादम् कि मा, क्याद्यक विकास व विकास सर्थमा आंगीना । ক্ষিত্ৰ হ'ল পাপাৰিক প্ৰদান । প্ৰায় চৰণ মোন সহল ক্ষ্মিত । প্ৰায় বঁণত কেবা মূল ক্ষম্মান প্ৰায়ত । প্ৰায় পোটাৰে সপুৰে ক্ষম্মান বিভাগ

ইন্ধি সভি মঞ্জুনিতির পৃত্তক দমার ।

তিমত ইন্ডানি মোক। ইন্ডি সন ১২৯০
নাল বাজানা সন ১১৬৮ মদি সন ১৮০০
ইংকেজি ভারিব ১৯ কালন বাজানা ভারিব
বং ফিবরেল ইংরেজি রোজ রোবিবার
বাতি হল ভল সমত্র পুত্তক লিবন্ধ সমার,
মোকাম বাববাজা (বালবাজিয়া)
নিমক মার্লালের কাচারি-জিলা জাত ৪"
পৃথি বইন্ডে সমত্ত কবা ভূলিয়া দিলাম।
পৃথক ভাবে আর আযানের বলিবার
প্রয়োজন নাই।

এখন প্ৰিয় গল্টা একবার ওছন। লোর 'লোহারী' দেশের রাজা; মনলায়তী ভীহার এপেনা মহিবী। '5214' '(NISSI' ateranel: থে:গীৰ কল্ডে ১ন্তাৰীৰ **डिक्ट नडे** (प्रविश् डीहोब काकि अञ्चतानी शरबन। **(क्वर डांबाडे नट. डिनि डांबर लाहे-क**तिया শেহসা 5 निया অধার বছদিন অবস্থানের পর নানাক্ষরী ७ क्लोनरम इन्हानीत मृद्ध विनिष्ठ स्टबंस। करण डिनि धक्तिन **छ्यानेटक वर्षेत्रा इन्लंड (वस ।**

চকাৰী পূৰ্বেই বাধনের সমে বিবা-হিঙা হইচাছিলেন। কিন্তু বাধন'ও ক্লীৰ ক্লিল ধৰিয়া চকাৰী ব্যাব্যই ভ্ৰীয় উথাহ-পাৰ্কজ্ঞান করিতে অভিনাবিশী ছিলেন। ক্লাজেই হুংগাৰ পাইয়া লোৱের ক্লে প্ৰসাম করিতে ভিনি আৰু বিক্লিক স্থানেন নাই।

可有確立CMIC開催/中心作

पार्विक १४, किंक यहरेदैव खर्मा पम्-पूर्क (गर्दे अब ममस्मेर्ड प्राप्तिकारक पृथि त्गारबत करके भवाने हैं । निरुष्ट यह । পরে মোধবা-বাজ গোরের প্রকৃত পরি-भारेया हक्कोबीटक শ্রভাষান করেন। লোর খণ্ডর-রাজ্যেই वाष्ट्र कति । जानाजन - चनात्वा जाव कि विश्वास ना ।

क किएक यथनां कड़ी कड़ाद्भा कार्ट्स । ष्टांकन नामक टकान विक्क्षमात्र भवनहेव करण १६६ वरेया छ १-मभाशमणानाम अक मानिनीटक को ठाकारक मिक्क करत । सांगा পভিলায় নাজিনী সমনার লৈপৰ-বারীয় PROFITS TEST OF FREEZE क्रम्बना विटर्ड माजिल। ४ इन माना ्कोनरक कडीमाडीह कम **है**बाहेरड मा শারিয়া মালিনী মত ভরু বর্ণনা বৃতিয়া विण । किस कामार्ड क स्थानिक अपेन না। পরে রাশী ব্যক্তিনীকে চিনিরা ভাষার অশ্বে প্ৰবৃত্তি কৰিয়া ছাড়িবা বেন।

चाउरमञ् मचार भग्नाथर्न गाँपै करेनक ব্ৰাহ্মণ ও ছব্ব পাৰীকে লোহ-স্মীদৈ **्राक्त करवन। विश्वका एकोनरण हानिव** यकिन्यावज्ञ THI CHICKE लाव निक गत्रक पंचव शास्त्र वृत्रकि-चन्न वास्ति इत्रानात्क महेश चरारण disting star i water Ding dong deuded my tale ended."

पहेंगा कति मारकरनई स्मित्र वहेंगा। मुख पर्दमा क्रिके क्रिकेट व्यक्तिक प्रदेशक क्षुप्र कुरूब पर्दमा जार्राष्ट्र । तम् मेनार्क्षेत्र लेखन विशाद पान महि।

चल्दीर चन्द्रशीका नगर है।

অক্বাসি প্রাচীন পুলি পাওবা নিয়াছে। वैश तामकी बार्टनम क्रिक ! अमे क्रमेक्टक নাম ধাখাৰিয়' পাৰ্থকা ৰাখিকেও মল ' भारत किन्द्रमें कारक्षण गारे। अपन क्रेक्स टर. ७३ शहर नम्मास्य देशायक (कासका) रण काराद) बाला हर कि शमकी यात्र है किष्ठ मूल पूषि ज्यक्षालिख मा क्ट्रेस्स स्म नमनाव मीमाध्यां २७ महक मर्छ ।

विदेन्दर मी अरह प्रश्नदशंष कृतिरकृति. 'পরিবং' মুনলমান মহাক্ষি আলাওল **७ (मेगड काबोह कहें ग्रांप का**मिह · 14 (14) 14 (14) 14 (14)

'বোক্তরার' সময়ে বিভাগত বিষয়ে বার্তিটা रहेरका अवाध्य क्या क्रिक त्य, ध्याकका विकास बार्क्स बहिनिनिनानि रेन्डमा निक्सी क्षेत्रके ung franc con richted unable ferieus: WINKON COLUMN WIT SPIEL PUR CHAPT कामक क बेंदगाव-अदकारत केंद्राय अभिने अकत व्यापारक श्रवाहेरमम्, यद्यकः महत्त्वम् वृक्षात्र व्यापि चार क्यामा नारे मारे। जिले बार्याक्षक मन्त्री unfeits state 'constants' offe face for THE FOR CHIE PURE THE ! THE POPULATION OF प्रमुनः प्रमुकः । पान्या पीर्दारम् अक्रवानं विदेशकः

नव-मश्चार

र्रे विचानि प्रक्रिकें। अक्षार मानवीन ।

हिन। क्षि जानां नून हरेन मां। न्यून-«श्रीमा नडे बहेश श्रिशाह: (क्यम o, s. . के, १, ४. ১०mmse ७ ३९ मानाम नाम-े **चिन विश्वान।** ১२×६ च्युकि श्रीविद्यार कांनका क्षत्रार कानाव क्षत्र। काविवादि नारे, क्षि क् दाशिन। भरतक दान कींग्रे-महे। विष्णु सक्तमविद्यत्र दल्या। আ ও হৰ্ত,গতের একটি গতি ভতুন:---कि कविम मनी मान ब्यादि नित्र कार्यादेश। 'पारेन हिन्न काला नवत वानिया ह চ্যালিল কোনের নিলে ভান কোল পাইআ ! कशिए विका करि देश काछ किया ! 'বেবিৰের প্রবে মুই দা চাইলু কিলিয়া। अ है लिके लिक पूजिया बनिम (गामिन १) रेमस् बेटम १ रेक्का भारेचा स्टब्स शिक्षा मारे त्यात्र त्यात्म । ^{प्राक्रि}ण कक्कारक सूर्दे अवना निव कान् । एकमात्रं कांकन वित्र ज्यान देशन गाम । करह कवि (कवि) सम्बद्धार परभ क न्यानिक বাভিন কর্মের মুক্ত চাল্যপূর্ব চাহিছা। ১ - ১

>14 40MH C44 :---

व्यागित संग :

या गिरासिदि, यशिनविति,
पृथिति (गुनियो) अगाविका !
पृथिति (गुनियो) अगाविका !
प्राविकास गरम, प्रतिनि वस्ति,
प्रावृक्षपविता :
याग्य गाविका (१),
वित्र करिस्ति (गाविका) ।

और गंध क्षिण होंग वृश्वेषांग, विश्व कं मानम, इक्श्यक, विश्व अविभय, वार्थीन दीननाथ प्रांत, दण्डिय हांब, बाग कीराम, बाव स्थिक (१), विश्व मोक्ड, बागठल गाम, त्यारांध्यमशिक्ष (कार्यिम) है, बागठल गाम, त्यारांध्यमशिक्ष (कार्यिम) है, बागठल गाम, व्यारांध्यमशिक्ष, कार्यी, वायानम, विश्व मगठल, व्यारांध्यम, कार्यी, वायानम, विश्व मगठल, व्यारांध्यम क्ष्मण व्यारांध्यम, विश्व कार्यक्ष, व्यारांध्य करिशत्य विश्व क्ष्मण व्यारांध्यम, 'बागदन्य, १ मग्नाबाद्य के स्थाम नेवायांध्यम व्यारांध्यम, १ मग्नाबाद्य के स्थाम नेवायांध्यम् व्यारांध्यम् व्यारांध्यम्य

ON INTERPRETATION

কাৰ্যা নকনি এখো নিকানে কুলবাক শীহৰি চল চল খনি বিলয় কেনে কমি কাৰি প্ৰা ক্ষান ব্যৱসংগ্ৰহ

ं मांगरी भीता २ तर ।

২০ । করু কর হে সকল কিবাহে করণার । কর দুর দস এবার কাম জন্তা। । আজি কম্পান্তাবে, , কে পালে কাইকে লে পালে, ক্ষা পার বিশাস্থার দিন প্র কাক্ষা ।

更新 (

क्य एक महाका स्थापन करिए। क्षित्राम् क्यारकर्षी करिएमम वैश्वरिकार रेटारिका

द्रमय प्रांस । २६ नर । इस इस इस वाम क्षाप्त कारे रकती बारद राशियी काष्ट्रियों क्षाप्त कार स्वक्तिक

कराया र उठ गरमाया २, क्षेत्रिक द्वारा के काम महिलान द्वारा करायम कामदाब करि महास्थानी । ठारिय २ द्वारायक महास्थिक महित्र सक् द्वारा विद्यास स्थान स्टब्स

केंग्र मानक कार्यों ताइक बार्य किता व्यक्ति का र बाज, क्या, बाँड के किय बाँड र द्वि त्याक 'बांबन' वहत्वत रहें। कार्या करांग बांडन क्याब। बांश्रक कृत्वाकि, तार्यक क्याब नाम तम् वन नामें कार कविया नामें। बांश्यक के 'म'नतीं बारान वियोवत' कि मेराब कारिका।

000 | हिस्ताकी भिका ।

rifes are wit or a simple of the state of th

া ইংরাজী কথা সেবা স্থাকনা ।
বিলালিক—টো রাম লৌচন হার হ

া ইকরাজি ১ বাজনা
কর— ১ পাইন
ক্রে—১ পাটি
ক্রেনাট—এ পারি না

শারহীউন—১ বক্ত শীরকারহীউন—ক্ষরক

वन वर्ड-वन्त्रमि

কিশের রাধনকথানা বেশক সোণোনোধ

PENER! Award !

'ত বা বাজাবার কিন্তুপ দুর্বছা চেল, ডাহা উভ্ ভাবে হইতে বেখা বাইছে। এনন অনেক স্থানেই- প্রতিশক্তের ভাষা বাজাবা নাই।

यमा केठिक त्या केरहात्री क्या वर्ष यामाक्षमातः योगान सुत्र सीक्ष्य सक-माया २९, तमाय क्यात्मस योगान्य क्याया ६ यन्तित समावित माया--१०६३

800 । मुण्डीन श्री विश

title on but a beign tale

रवामन स्थित इदेश श्रीरपत स्थान । द्यान क्षेत्र क्षेत्र स्थान स्थान ।

কি কাৰ্মি ঠিক ব্ৰিলাম না, এই সুমান 'নিশিনী' (নিমেনী) লাটে ভয়-চান কান্তব্য, কুলামীও প্ৰাক্ষিক কান বিদেন। শ্ব কৰে—

> रेकाकुत्स क्रम क्रिकिंग कुमात है भिन्छ क्षय महाम क्रिका क्षमें दिवास है क्रिका वश्यम क्रोडेमारा स्थाप क्रेका है क्रिका राष्ट्री मुक्तानी क्षमाय महिला है

क्ष्म निरम गाँँ मार्कक भूमा टेक्स । क्षापुरी मात्र प्रत्य ता टेक्सान तार्थित ६ क्ष्म निष्य बांबा जिलांत निर्माद स्थाती । टेश्सदेश्य क्षांस कार्रित तार्थे संस्थाती । कृशांतीत मत्य कृतांत त्यांबाक निर्मा । नुस्र निरम्भ मत्र सुनात तत्मक व्यवक ।

व्यक्तान शिवाह मध्या तक दश्य महेन. किन्न दम दश्याम निर्माण कि, (गृथि प्रमारम थावक वर्षशास्त्र संस्था) जीनहां व्यक्तिक कामन ।

क्ष गृति । गवामाना । त्यन गृत्य क्षे निर्देश त्या । ग्यमप्ता व्याप २०० । व्याम सहरम् सामाना कार्यक । २५२२ व्याप निर्देश । व्यक्तान क्षित गर ग्यादक त्या । क्षित्र नार्थ । त्यास त्या स्व सामानाहम सार्थ ।

बातक :--/ मट्या केनावनिक

 The transfer of the

त्याहा (अब वर्षेण प्रदेश मधान मा महित्र माना सम्बद्धि करने अवस्थानमा है

8+>। त्वाल कानां उक

व्यक्ति से दिश नवशरथा के ब्राह्म नवशरणा—१ ; इंड निर्फ रम्बा । देशाय मुख्यमक्त्रका आर्थि देशायका व्यक्ति कोर्नकृत । वाटन द्वाट द्विता बाक्यात के ज्या देशाय । वाडक :—/१ नट्या ब्राह्मका नाम निवस्तात ।

साम हत्व स्था विस त्यन गर्नि । सर्व वृद्ध वाकित्य में स्था गावि व समय हत्व साम पर है जिम न । समयान व्यक्तित हुई मानिक समय । समयोग को प्रत मीत्या उपन । सम्बद्धि वा प्रत्ये त्या स्थान नेपन्ये । स्विता त्यात्र नेति स्था स्थान व्यक्ति वामें ।

গ্ৰেকালাক। আলাড় সাফাল বাহু বানে শক্ষিত। অইনানাকে জান বলনের চিন্ত । ইফাকি

And the second s

द्धाः में क्षिण विका स्वास्थ्ये कि स्वीतं विकार स्वास्थ्ये कि स्वीतं विकार स्वास्थ्ये कि स्वास्थ्ये कि स्वीतं कि स्वास्थ्ये कि

विर्धि (कार) कार सक ्या प्रका गारिया १ का १००० मिर श्रीका में काकिन श्रीक रिख्या १ अध्यक्त साम क्षिणि गारिता थि ज्याना कार्यो । १९५४ किया स्टिमिंक करें (का १) गारिक नीएड विर्धि सहि सम्बद्ध शाहरत १९६४

ि में त्यान्ति । श्री वक्या मृङ्गा-लक्षण विश्वित्तीका । श्री श्री व्यक्त स्था । श्री श्री कार्याः लग्माण । श्री त्यक्त । श्री श्री श्री क्षेत्र स्था । श्री क्षेत्र स्था श्री श्री स्था स्था श्री श्री स्था स्था ।

४०२। नामशैन পूषि।

েবৰৰ ১ম পাত ৰট্নান চ কাঞ পুৰাতন কাম্জ, ইফান স্বাজ কাছ নিচুই কাল সাম্ভন্ন

MISS :- JA ALE MENTS &

COOK : FOOTBOOK #1

ত বেৰু, কা প্রিনিউক ক ক ক্ষিত্রসভা করিছে ক্ষিত্রিক ক্ষাক্ষিত্র ক্ষাকলালৰ ব্যাবাস্ক নমামি সিম্নাক্ষিক্ষ ক্ষাক্ষাক

अवित प्रसित्त हुन्य करिया स्वित्त नाम ।

मारुगा उदिरम बांग क्रिया काम इ सम्भारण पांधालिक रेक्स सम्बद्ध है ग्राप्त नाम बांग राम क्रिया प्रस्ता काम स्व मार्थिक समिन्ना मात्र ज्यांत कामक है मार्थिक समिन्ना मात्र ज्यांत कामक है मार्थिक समिन्ना काम जाका राम करा है मार्थिक सम्भाव परिणा ममुद्र है एक क्या तुनियांत तामास है। कर में संपाल क्या कामक प्राप्त है। कर में संपाल क्या कामक प्राप्त है। कर में संपाल क्या कामक प्राप्त है। कर में संपाल क्या कामक स्व कर में संपाल क्या कामक है।

8 • ७। नामहीन भूषि।

কেবল তর ও এর পাত বর্তমান।
১২ এ মজুলি পরিমাণ কালজ। কালজ
কেন্দ্রের পতা—জিনিন ক্টিন। পাঠ
করিতে পারি নাই। কি তেইটা আছ
প্রতাবের মত বেধে হয়। পাছর্ক রাজেক্
ভানিকা মেলিভেড়ি। বর্ত্তিনের হয়নিনি।
এর্ব পাতের দের:—

डान्स्टाबर (बाद स्टाइ सब द्रम मनम (१) ह तमने प्रांत गोहाहरक कविमा समझ्य है

नाम इसन गुरुमाः ।
राज कवित वाक गुणितः (जाःगाहि ।
जाग कवित्व द्विता मार्ट ।
राज्य हुँ हि गुरुम बाराय ।
राज्य गुण्य साम सरक (१) ।
सा वि गुणि का दिस्स हुँ ।
सो वि गुणि का दिस्स हुँ ।
सो वि गुणि का दिस्स हुँ ।

नाव कुमारि (१) क्याना। ताक दर्द किने ठाउँ गाठ कद नाक कहे वदि मक्छाद कृषिणक गाउँथे

> पुनद्धित मन विद्या गुजूब क्षेत्रका । करम गर्वदे प्राप्त सम वर्षि गास्त्र र वर्ष

্।০১১১১১১১১১১। কিন্তু (তর)
তিরান্তির আক্রে আক। পুরুর (१)
বাইনা যুক্ত আরু অক্রে২২৭৭০।
বাইনা যুক্ত আরু অক্রে২২৭৭০।

৪-৪। অথ বৃত্তি।

প্রিত ও জীপীর্ব। ভাগত পঢ়িবা গিরাছে; জুনি ছবর। প্রথম তিন পাত আছে,—ভাষাও মধ্যে ভতক্টা ছিড়া। ক্ষাকার পুঁবি। অভি প্রাম হতনিশি। তশিতা নাই। আরম্ভ:—/ব নম প্রেমাক্টা

R 2 - NA MM ACAMAGE

खन्न विद्वास निवारणः
वेह विन चनन निवार एक मान ।
वारत प्रांत्रकार एक व प्रमुख ।
कारत कान मन पून किरान ।
कारत कान मन पून किरान ।
कारी मान पून का गांव स्त ।
कार्य मान पून का गांव स्त ।
कार्य मान प्रांत्रक किरान ।
कार्य स्त का मान प्रांत्रक किरान ।
कार्य क क कार्य मानावित्त ।
कार्य कि मानावित्त ।
कार्य कि मानावित्त ।
कार्य कि मानावित्त ।
कार्य कि मानावित्त भागा हम मानावित्त ।
कार्य कार्य कार्य मानावित्त ।

क्ष महित्र हमें हैं --पद्म कृषि के विष्ण को अभगोम गाँव है शित्रक मां आंध कृषि महित्रक रूप क्ष्म है क स्थान महित्र पह्म क्षाम कृषि कृषि है मांच आवारिक कृष्टि कृषि कृष्टि है आक्षित स्थानक क्षाम कृष्टि कृष्टि है मांच समाव हित्रक क्षाम कृष्टि क्षम क्षम है मांच समाव (१) देशक क्षाम कृष्टि है তিব লাই লক্ষিক করে। তিব লাই লক্ষিক করে।

क्षा श्रीकितिति (क्षा प्रश्नीक क्षिप्ति । विद्या प्रश्नीक क्षिप्ति । विद्या प्रश्नीक क्षिप्ति । विद्या प्रश्नीक विद्या ।

800 | यम-टाका-मबाव।

क्षे श्रीविद्यामा स्थान । विक स्थानिक क्षेत्र । विक स्थानिक क्षेत्र । विक स्थानिक क्षेत्र । विक स्थानिक क्षेत्र । विक स्थानिक स्थानिक

माना विति जानक श्रीक्ष स्वाव विका क्यांटाव मान कुक बाव वीका विवादन मां क्यांटा क्यांत प्रमान । विवादन क्यांटा क्यांत द्रमान । विवादन क्यांटाव क्यांटा व्यक्त । विवादन मानिजाब द्रमा क्यांटा । इक्यांन्य जाना वहन क्यां क्यांटा ।

देशस्य (मांचाकि स्वाह देशकार्याकारिक कलिक्य खडादेश्य कांक स्वह नाहे । हिंद स्वाल हिंदका कांक स्वाल कांकि । बार्य विश्वस्त स्वल कांक स्वाल कांकि । सूरे त्यू मृति स्वल मक्ति कांकि । सूरे त्यू मृति स्वल मक्ति कांकि । स्वालक कांकिल स्वल मेंकि त्या । स्वालिक्य कांकि स्वल कांकि कांकि । सहा विश्वस कांकि स्वल कांकि कांकि । स्वाल देशकार कांकि कांकि कांकि । स्वाल देशकार कांकि स्वलिकां ।

क्षि सब दोका नवाय मनावैः ः ः

क्षित्र विकार क्षित्र प्राप्त निर्माण कर्मा क्षित्र क्ष

ৰনিতে ভূলিয়াছি, উৰু চ প্ৰক্ৰের নাম পালে 'প্ৰেৰা' পৰাই ভাল পড়া বাৰ না। ভাবে উছা 'প্ৰেৰা' বলিবাই বোৰ হয়। পুঁথিবাছিন 'পরিবাধ' দিব।

800। नामशैन भूषि।

ाहे अक्षानि श्रमत भूषि। किस भूगवत विवन, देशन चाइक ना वाकान भूषिय नामति आमा गाहेराकाह मा । श्रीकाका भागवायाविकाक भूषि गाउँ मा कविरम जनम कथा शाक्त शाक्ति नी। मा कविरम जनम कथा शाक्त शाक्ति नी।

নাত বিজয় কাগৰ ১৬শ প্ৰাণ্ড বিজ-মান, প্ৰাণ কিঠে লেখা। প্ৰথম ১৭ কিছিল প্ৰেন্ত অভাব। ১৮ ২৬ অসুণি পৰিবাৰ কাগৰ বছৰিবের ক্ষাণিনি। অনেক্ষাণি ছিল ও কীটনাই। নিভাৰ ক্ষাণিনিনি, তব্ধ প্ৰান্তাংশ উকালের আশা আছে। ভারিখাকি নাই। 'প্ৰথম মানের' ভণিচা আছে।

২র পরের প্রথমার্ক ভিন্ন,— স্বপর পূর্বা হয়তে:—•

শিক্ষাল বৈদে ও করিতে কোনাৰ ৪ দ বাই ক্ষাল নাৰ বাবাই কাথার ৪ পাইক পাঁৱৰ কৰি আন্তেতৰ বাব ৪ পাইক পাঁৱৰ কৰি আন্তেতৰ বাব ৪ পাইক কাল নাই আন্তেতা পাঠাইল । কোনাৰ কৰিব। কুক নব বিৰু সজে । আনিতে কেবিতে কাল মনোহাৰ মূলে ৪ কুম্বান্তিত কোনা আন্তি বোকা কলে । পুলা মানবাৰ এন পীএ সমুক্ষে ৪ এবেক লেখা বাক্ কাল্যুক্ৰ মানে। কাল্যুক্ৰীয়া কুক কাল্যুক্ৰ মানে।

বিভিন্ন নিৰ্মাণ পুনী অভিনাম প্ৰথা।
বৰ্গু হোছে নেখিবানে আইল প্ৰথম ও
নেখন নে ভূই বইল সৰ প্ৰথম ও
বিভাগি বিশ্বতাই নিয়া প্ৰথম কৰিব হ
বুল কাৰ্যান কৰিব নামাৰ বছৰ।
পোলনানা পেনীবানে কৰিবা, নামাৰ ।
ভিন্নিক মান কাল পোলুল নামি ।
ভালাতে কৰিবেল বেচাৰ বীপানে কৰিব।
বিভাগিত কৰিবেল বেচাৰ বীপানে কীহনি ।

करत क महत्रभारत प्रकार काम ४

MOET CHT :-

নায়ে কাজ নাচে গলি খুবে পিত নাত ।

কামিন মহল ক্ল মুননি বাজাও ।

নিতা করে ব্রহণালা দিয়া ক্ষরতালি ।

কাতালি মহলত কুল প্তত্ত অন্তর্গতালি ।

কাতালি দিয়া কেল কমনের কানি ।

চলিতে সপুর বাজে কনক কিছিনি ও

কান সপুর আর বেশু ক্ষরতালি ।

নানা করে বাজে কনা করি এক মেলি ও

কাল কাত কুল গোলীকা লৈয়া ।

কালিকা প্লোম স্থানি মেন মনালীল ।

কালিকা প্লোম স্থানি মেন মনালীল ।

কালিকা প্লোম স্থানি মেন মনালীল ।

কালিকা ক্রমা ক্লা করে সানা কেলি ও

কার কোনা মনোর্গ্য মেন্ডত আছিল ।

ত্রার জন্মগুলির জনেকটাই বিচিত্র।
আটান জন্মগুলির এই মুগ রুক্তিত্ব
ধর্ম উচিত: ইরার স্বচন্ত্রির ও 'হন গুলা
স্থাদ নাম্বরতা বেংধ হব অভিন্ত বাজি।
গোগল নীম্বর ভালিত ব্রুভ ক্ষেক্টা
বৈক্ষা-পদ্ধ আনাবের নিকট আছে।

৪০৭। যুখিতির সর্গারোহণ।

এই প্রশ্ন সবলে পূর্বে 'পরিবর্গে' ও
'সাহিত্যে' বিভারিত আলোচনা কর্ম পিরাছে। সেই প্রতিনিপির সহিত কল-কার ক্রতিনিপির প্রতই বিভিন্নতা যে, ইবার পুনর পরিচর প্রধান প্রাবক্তম বোধ হত্তেই। উক্ত প্রতিনিপিতে বর্মবন্ধ, ক্রারাস ও পরাসল বার তলিতা বেবি-রাহি। আলকার প্রতিব্যেক্তের প্রথম

मार्थ : --मार्ग शामगांव : ।

स्वामाद्य वार्ज स्था गाविष्यम्थान । छाश विष्ठ देश्य व्याचि तुम विचा सम । समझ समम देश्या व्याच मृत्यित । शृक्ष चालस्था स्था तृन स्थातव्य । चालस्था व्याच स्था वृत स्थातव्य । चालस्था व्याच स्था वृत्य स्थानव्य । चालस मृश्यास्त्र देश्य वृत्य गाव्यास्थान

CHE :--

বুনিলে আন্তর্ক করে পালের বিনাস।
ভারতের পুক্ত বৃনি পাপ বুঞ্ বান চ
বানি তেব কবিলেন ভারতের করা।
কবিভাগেরে সেনা নাবানন করা।
বিবিভাগ হরি চিন্ত হবিভাগ করে।
ব্যবিভাগি পুক্ত হৈল আন বাবাকে ৪
বিকলা কিবন জান সকল সংসার।
এই পোনা বুল সর করা ভবিবার ৪
ভারতের করা। একি আন্তর্কির নার্কির প্রাণিত ব্যবক্ত স্থানির র
ব্যাধান করা একি আন্তর্কির সংসার
ব্যাধান প্রকলি পানির ব্যবক্ত স্থানির র
বাবারন প্রকলি পানির স্থানের স্কিনার।

न्हां श्री श्री काराय वर्षण्य हरिति ।

वर्गागरवाहम गर्मार्थ । । । । हैं कि

>>>> (१) मन कार्षिय >> श्री कार्यम
रमायात १।" । गर्म-गर्मा १२ मार्का कार्यम
वर्गा कार्यम वर्ग जिल्हे (वर्षा । २० ४४ कार्यम
वर्गा कार्यम वर्ग जिल्हे (वर्षा । २० ४४ कार्यम
वर्ग कार्यम वर्ग कार्यम वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम वर्ग कार्यम कार्यम
वर्ग कार्यम वर्ग कार्यम कार्यम
वर्ग कार्यम कार्यम कार्यम
वर्ग कार्यम वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग कार्यम
वर्ग

ত্ত । শ্রীসন্মহারাক্ষা রাজবঞ্জতী সেনের জীবন-চরিত।

ইয়া গল প্রয় । রচরিতা ৺উমাচরুপ রায় পাঁসুনগো সহলিয় । উাহার নিবাস চুটুপ্রায—পত্তৈকোড়া প্রাম : অভ আন্তর্ম ^{বন} উটাহার আর কোন বিবরণ সংগ্রহ করিছে পারি নাই । পশ্চাৎ ভাষা সংগ্রহ করিব, বাসনা রহিল।

अप्यामि अक मनत्र पुतिक के अहाकिक হইরাছিল, বোধ হয়। ভারণ, আবরণ পরে লিখিত রহিয়াতে—"শ্রীবন্ধহারালা बाजनक्रक रनरमत जीवम-हरिका हरिकाय ্ নিবাসিন 🎒উমাচন্ত্রণ রায় কাম্মনরো কর্তৃ 🕶 সকলিত। ঢাকা বাদালা ব্যাল্যে যুক্তি। >१४२ मकाका" हेहा मृग गांकृतिनिः; च्यान प्रान मधनाविक,काठाकृष्ठी ७ निक र्विष्ठ । পোট গোট প্রশার অকর। बुजिक 🎥 मार्विक-मामारत প্রচলিত বা गंबिकात पाद्ध कि मा, कामि मां। शही कर, ब्राट्स साम्र व्याप मुनाइका व्यापका **এको द्वारे भागारब माद्या बालिब म**ड সেমি কাপৰে কেবা। মচ্চিতাৰ বিজ शटकर (गना। चात्रिन मारे।

ইবার কিশ্রেষ্ট্রকার লিখিও পাছে—

শ্র প্রভারনের চীরাকিকন ছিল রে,
শ্রীনসহারার রাজবল্প সেনের বীনন-চলিও

কালন করি, কিছ চাবার বিশেষ বুরার

কাল না বাকাতে এবং কোন প্রার্থ না
শাবরতে তংকর সম্পূর্ণ করনে অসারিন

হবার ভয়োৎসাইই ছিলাম ইয়ানীং বীন্তানা
রাজের বংশবর অনুক্রশার বিশ্রমণ্য রাজ
নুলান-নির্নাধী মৃত ভর্কার অব্যাহ বিন্তিত

শক্ষারী হ জীনমধারাজের জীবন চরিজের অভার করি কুর্ন প্রাতন এক এক পাইবা ভাষার বার্কটালে বর্জন প্রাণর পুলাংশ ভারপুর্বাক বধাসাধ্য বহু ও প্রম সহকারে এই জীবন চরিত প্রচার করিলার।"

আমাদের প্রাচীন ইতিহাস নাই,
স্কলাধ এই প্রশ্বামি বে অতি মুলাবান
বিবেচিত হবৈ, ভাতার আরু সম্প্রেই নাই।
প্রকার নিরাজউন্টেলার প্রেটিত বড় প্রেডিকুল ছিলেন, প্রাচীয়বার হইল। বাহা
ইউক, ভাহাতে আমাদের ক্ষতি বুলি নাই।
সিরাজের প্রেটি নিইন্ন আচরণ করিছা
বাহালীর ভাগ কি সক্ষ করিছাতে, ভাতাহ
ইকল অধুনা হাতে হাতে সকলেই লাইভেছি,
পুলিয়া বলার আর প্রয়োজন নাই। ভারত্তী
চির্লিন প্রশাধনেই। চির্লিন ভ্রন্তী
বারিবে।

এই এখনানি শীনাই 'নবনুহা' পরে প্রাকাশিক চটনে। প্রাক্তক অনুধান অপ্রের বহিত পদা এখনালা প্রথম পাঞ্জা যান কি না, বিজ্ঞানালী 'পরিক্ষের' নাগতন কুল অনুপ্রবস্থাক অনুস্থান ক্ষুত্রন, অনু-লোব করিতেছি।

8.2 | **देशांग** हति।

को प्रिय नियान सूची क्याना त्र बर्ग विश्वास । ००० गरमेक सूचि स्टेंग । ४ वण्यात में विश्वचार स्वता दिन ग्रिया ग्रेमाय देश विश्वचार स्वता स्वाप्त के होरे पृष्टि प्राच्या के ता विवादित देशियांच स्वतित क्षाना । व्यक्ति আরম্ভ: — আফার ০ ০ ০ ক্রিরি বি মচ্চিন পেল নাম্ নমাল পড়িয়ার ব

আলাদ সাধু নামেক এক একাছিছ বুইছ । বনিল কলিতে খেল, যালক নগাই খনিক কলিকা সাধু কিবি জাএ মহ মুঁ

K ** H . 3 --

হৈছি কেয়ামত কালে হইব পাসর। আঠাল হাজার নামে ৭ চইৰ জকটেন হ

ক্ষানিত বোজন গ্রন্থ বুন বিজ্ঞা মল।
ভাষাৰ কলবিত্র ভূমি কয় টি ভানন ।
ভাষান ভোতেন লই কয়িব গ্রমন।
মকা সহরে গ্রেকা দিল ধরণন ঃ
ভাষান বোল ভাই ফল দুমিনগ্র।
ভাষাৰ হাল পুথি যুন মর্কজন।

"ইতি স্ন ১২০২ মং ভাল ছন বৈশাপ ইতি জনত আনি সাং জলাইন।" আটংপজি কাকালের বালালা কার্যজ, • পুএসংখ্যা ১০. ৬ট বালি লেখা। ছবিতা নাই। ক্রপুণি।

 এইक्रम कायम पुरुषं ठडेबाव पविश्लं बानांप व्यक्षणंक 'व्यक्षिकोर्वे' आद्य निकार देवलांत स्टेंडर ्मश् मात्रांबणांजी क्षांबडी माध्य अक गांकि जन्नकात याहाहताम मानम त्यांनावियात सम्म हिकालात नियुक्त विश्वन । अध्यक्त अंशाद कामनी महाल' AT THE CHEN portibut : Beig षाक्त्राति विशवन मान क्षित्र, वनाडे नावसा । अवन **事**》("斯斯特"(四甲阿 "事件的"等所,为[(4) চতুস্পাৰ্বতী জাৰণানীখিলের পৰ পাট ইন্দিৰাৰ नरक दार्क श्रमिताह बाविष रहे है। तमें प्राय-वानीरकत द्रवमकृषित मीमा हिन मा। बारमार क्टेटक डेक बाबान बानि 'छोर्डी'क वहरणाम विषया विशास हरेयां विश्वविद्यां करमात्र कालम कालिक इन्होंन लोहे हहेरा जे smale awar color ribute white was मुक्क दक्षाण पूर्वक ने आहंचन क्यांचाई नावकक वृहेक (৪১০। রাধিকার মান**্ত**্র

हेर्स भागमा अभिनिक तिर्देशिक स्वाद १ विक अधिकिति बाब । व्यापकि अध्य १२८ त्यातक ताम त्यान कि हैरा है १२५ त्यातक त्यां। भागत्व व्यक्ति नारे। मत्या त्यांचाक विष्टु त्याचे चाकि-वात मञ्चावना। स्थानका नारे। त्यां वर्षेक्ष :—

> व्यक्त प्रदेशमा अक्य इंड्स । पूर्वेश ५वम मार्थ मिता । २३०

তিই রাধিকার খানভঞ্জন স্থাতে বি
চেত্র লিখন ওড় বোদ এই প্রেক ক
আখান ভাবিধ লেখা ছইনাছে। প্রাম্
সেন্ত বাগতে বিধীনং ইতি ১১৯৫ মৃথি
শ্রীনিলক্ষ্ঠ লেন হাস্ত । প্রস্থাতি
ত ; ছই পিঠে লেখা। কার্যন্ত নিবিধা
বিলাইয়া দেখি নাই।

৪১১। কবিরাজী পাতভা।

पश्चितः। ८०० इते द्वा १०० मानास्य व्यवस्थाति । पाद्यः। यह वित्ततः प्रसादन कि ना. सानि ना। कोशस प्रतादन क जीने नार। कातिसानि नाहे। स्वद्भानक कार्यस्था विवस्था मान्यः। स्वत्यक कार्यस्था मान्यक कार्यस्था मान्यस्था मा

হল ক্ষ্ম (१) ৮০ মান পাওল তাল ক্ষেত্ৰা ৮ মান পাওলাকৈলি ৮ মান পাওলা তিল বৰ্ব (ক্ৰব্য) প্ৰেৰেক প্ৰেৰেক কৃতিমা পুলা ক্ৰিমা মিলাইয়া ৮০ ছক্

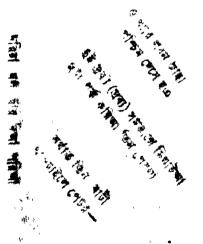
श्रीकर्गी राष्ट्रश्रीय स्थित गृह्यत स्था वर्षा तेला संबंध स्थात गरिवरणी श्रीवत रहेश बहेश मात्र विक्र गहर हेश प्रत्येश कार्रश्रीक की संबंध स्थान, जीनक सोहें। TL &

মান। নিয়মে পাতে ধাইবেক, পারে কার্চা মুখ্য মান লাভিন হটাক বাইবেক, ইংয়ত পুরুষদ্য মধিক এইবেল । । । । ১ ।

ৰকটা পালে কৰিয়া আঠানালজা মাটি জিকিও সৰন দিজা গাঙ্গটো দেও বিগোল বিব ভাবে এএই ৫৬১ চ

শি শেংখা ৭ঃ ক্ষেদ্ৰ সাকাৰের কাশ ৪ঃ মুক্ট পিঠে কোমা ে ক এক পুঠাৰ পর প্রতিগ্রিণ লেগা আনাসুক। ধান্তিন্দ্রান্তির:---

্ৰায়ৰ চন্ধের প্ৰির সাপ্ৰ



,हिन्दर १५ दश कवि. कर^{्र}किहादि

XXX । निक-देवाधक ।

প্রথত স্থাপা পুরুক স্থাতে ইতা তিন্ন ও বছা প্রথ সক্স ক্রান্তের নেশা শালী ও আগা আছে। আখ্যান্ত গুড়ুবর ন্যুবের জনিতি। ইবা তিন গুড়ুবর ন্যুবের জনিতি। ইবা তিন গুড়ুবর ন্যুবের ন্যুবর প্রাক্তরের রার্থের কার্ডা, নির্ন্তনা, হব-গৌরী ক্রান্ত, রালকুম্ব বাবুর বন্ধনা, কাল টুড়ুবুক্ গোক, নমুখননাইক (সংগ্রন্ত) এবং রখনাথাইক (সংগ্রন্ত) বিবাহ

ভাবিদ গ শেশকের নাম নাই। লেখা নেশী প্রাচীম নতে,— ৮ বছন প্রদার পুরের ১লি, লগতে পাবরন পরে জিনি লাছে, — শিবা লাক্র হাগীক প্রথমন ভারত গোলিক চন্দ্র রাগ্র কাঞ্চনগোর।" পূর্ম-নাগা কব। রতেবা কর্মের কাশক, ভ্রতিনির্ম কেল।

ইচার ন্তুজন প্রথম ব্যাস্থ্য কার্ডাজনির বিবেশ নিয়ন এব্যাক কার্শান্য •

৪১৩। **দেহার** বচন।

व्यक्तिः --

Hine Sulk 5

সাইচতি বানার সিবি কাল চাকরাম হ লেখেতে তাজোকর আদি ক্তিরান জু জেন্দ্রম্ম পাইকলা ছাইবডির প্রত্য । জান পাত কর আদি বামত্রতে অলে ছ

(नम् कं कनिता :--

कार्यक्रम नाना प्रत्यांची बाव निष्यम् ह त्मी क्षत्र पुरव सीम पुष्टि विश्वान ह

 'क्रांकक्ताव नाम्क क्यमां' क 'कालप्रमुद्देश' स्थानकः चिन्द्रभ ल्युकं स्थाप स्टेश्यासः

वात्राला भू चित्र विवंत्रण ।

বে দেশে ৰখন ৰাই সে হ'ন হদিশ। স্বৰ্জি ম্বিডে পাত্রে মূর্থে লাগে বিষ । মচিল বিজয়রাম সেখিয়া ঈবতে। এই আহা। লগু শিশু ম্বিড অস্থানে ।

পদসংখ্যা—৩- মাত্র। ইহাতে জমিদারী দেরেন্তার সেধার বচনাদি লিখিত আছে। ইহাতে বহু মুসল্মানী শক্ষের প্রয়োগ আছে।

8১৪। রাবণের কবিতা। আরম্ব:—

ৰোল মান সন্থানি।

আন্তান্তান বন্ধু কেবল নাম নাম থানি।

অক্তিন সিংখাদনে বনিল নাবনা।

সমূৰেতে গানাইবাহে ছব্জিন কটি নেনা।

এক এক সক্ত পিছে প্ৰিযুক্ত জোনা।

এক এক সক্ত পিছে সংযোক বোনা।

এই মণ্ড কাৰা করে দেবজা সকল : টৌশ্ব সমলে বহুহ জার সেখানের জল a

এইমতে মনে মনে ভাবএ রাজা। এখাএ জানকিলাখ এইআ কবিসন । নল বিল্কিত্যমান তথেক খানও। স্থাচ পাধ্য আনিঅ। বাজিল দাগ্য ।

লেহ ও জণিতা :--

अरेगाल केतान बाका प्रतिमादक मिन सूरत : दश्मकाला जनम निम्न मुक्त लहेवा मिरण ब

তেই মতে গ্ৰহণ সংস্ক সাহিত্য বিনাধ।
ক্রমে ক্রমে নিবেদিল স্কলি স্থান ঃ
হালিস হইল তথে সামানিক নাধ।
আন্তর্গু উপজের মালা নিবেক আনাম ঃ
আনাম্ব করে মন খালা নিবি ক্রমে ভালে ঃ
ক্রিক্রিয়ান পতিতে ভালে জ্রমান ক্রমের হ

পদ-সংখ্যা ১২০ মাত্র , কবিজ্ঞানী বিশ্বন বারবার' বটে, কিছ কবিবারী রাজ্ঞানের পাঠের সংস্কু আলৌ মিল নাই। তালা নিভার অনার্শিত। পরালে বহু ছানেই বর্ণবিপর্যায় কিনা করি। সংক্ষেপতঃ, ইচা কবিবানের রচনা কিনা, সংক্ষেপতঃ, বিচা করি। করি জাহারাই ইবার এরপ নাকার দিরাছে। তাহারাই ইবার এরপ নাকার দিরাছে। তাহার বিভক্তাদি অনেক স্থানেই চটারাকী প্রারোপের অন্তর্গণ।

8>৫। नित-वन्दनां।

আরম্ভ :-- অথ লিব-বন্দনা। ভট্টছনা। ই যা মানি (?) দেবি দুংগ গতি কা ভাষানী। পরাংগরা ভিলোকভারা বিশক্ষভ্রমনী। ভবভারতি (?) দিন ভাবে ভাক্ছি যাবে বাই এ কাজ্য কিয়ার কর ক্ষনা বিভার।

শেষ ও তণিতা :—
তট কৃষ্ণাধে ডিকার আনে করিছে ক্ষর চ
তটর কাসা পৃত্তবির বাধা গোষতি কর ঃ ত
আংহন সংবাধর সমসর হাতা সমুনাধ।
তট পাইন তোৱা যোৱা যোৱা সাল খিলাক।

পন-সংখ্যা—১৯। ইহাতে চুটুগ্রাবছ সীতাকুও তীর্বের এফটা কুম বর্ণনা আহে। ভটের শীৰ্ণনা স্থানর নহে। মুচুরিতা কুক্দানের নিবাস ধোৰ হয় চুটুগ্রার কুক্দ পুর গ্রামে।

৪১৬। হর-গৌরীর কোন্দল। খারু :--

অথ হয়পোরিয় বছনা। দাই ছবাও এক্ষিণ কৈয়াৰ নিয়ন্ত বিশ্ব পাথতি নহিছে। বাংকাং উল্লেখনৈ ক্ষান্ত হ

वृक्तिकन क्षत्रवेशी न्दिन्त व्यक्ति क्षत्रमा क्षत्र । दरवयहाम (कोन कोइक विश्वकि मृश्रीनन व

(नव ७ क्रिका :

পাইনা নিভিত্নলৈ কুঁডায়ালি কলে ক্ষেত্ৰণী।
কুলিজে সাগিল ভিজা কুডায়ালৈ কজি ঃ
এইল দাবাধন উপাজ্জন কুলি কুজালাদি।
পুত্তে পূৰ্ব হৈল ধন কিছু নামি ক্ষাৰ্থন চ
্যোধ এই বাতে লিখা লিখেন বাক্ আলাপন।
কুমাৰ ভটোৱ বাতা পুৱাত প্ৰান্ধন ।

পশ্ব-সংগ্যা—৩)। ইহাকে ব্যুগোরীয় আক্রিনের কোন্সল থাকি আছে। গোরী সংব্রুকে ভিন্দার গিয়া বিক্ত হকে আসেন বলিয়া ভিন্নার করিলে, ভোগা-লাথ ভিন্নার বুলিট দেন; ভার পর গাল হয়, উপ্রয় উদ্বৃত পের্থাংশ ভারা ব্যিত আছে।

৪১৭। রতিশার।

4148

के के श्रीशाहकणाउनेर ह प्रत्य इकिनाद स्थानक ह

वर्षकृति काम त्राम श्रीविक्तिक सम्मन। वृद्धिक विकास त्राम त्रामान व्यापक विश्वक वृद्धि वहें शाँउ माहें ग्रामान विश्वक। वृद्धी विकृतिन विदय क्षीत श्रमवा श

कृत मान क्षेत्रक हरिय हजारति । अञ्चलक नुजार प्रतिय मिलि ।

बरर कहि कम गार त्येक्सिसियार्थिकार्थिक। क्रियुक्त कम भूतान करें निर्माण करि हैं

বৰণান্ত্ৰৰ বিভাগৰ সপকাৰি। বেশাস কৰে বাম পাত সংগ্ৰহ উপৰি। বিভাগৰেম এইকোন যৌৰাল কমিকভাই। বাম সমুক্ৰাৰ মহাৰ এই বাম হ

C44 :--

ষ্ঠিপায় বা বানিবা করতে পুলার ।
হত ক্ট্রেই কি জানিবে কানের বিকার ।
বচা ধর্ম ইছ ভাগ পুথিবি অনিয়া ।
বর্গ মত্যি পাজালাধি বেড়ার বানিবা ।
তল শুন করে ভাই এই ভো কবন ।
বাজি বহি সংসালেতে আরু নাকি বন ।
বাজি বৃদ্ধি কন কবা পুরাণ প্রমাণ ।
বাজিপার কবা এই হৈনা সমাধান ।

"টতি পদ্মপ্রাণাস্থপত রহিশার প্রছ সনার ও সন ১১৪৭ সাল ভারিব ২৫ কাজিক ৪ জিলব্যন (१) সেন সংগোলিক ৪ জিলব্যন (१) কেন সংগোলিক ৪ সন ১২৫০ বজাক জাহারক পাচিস বিবাস পোষিক ৪ইল ৪ প্রই প্রছ শপ্রনি ক্রাণারের দাগা বাবি কাল্ডের উভগ পুঠে লিখিড। বর্ণ-বিভাস প্রায় বিভার প্রায় কর্মার কাল্ডি প্রায়ার কর্মার কর্মার ক্রাণ্ডিক প্রায় কর্মার ক্রাণ্ডিক প্রায় ক্রাণ্ডিক প্রায়র ক্রাণ্ডিক প্রায়রক ক্রাণ্ডিক প্রায়রক ক্রাণ্ডিক বিভার ক্রাণ্ডিক প্রায়রক ক্রাণ্ডিক বিভার ক্রাণ্ডি

৪:৮। ক্ৰিয়ালী পাতভা ১

विक्रित एवं कार्य विद्या गंताक रत्तका बार्ड, किंद्र कार्य किंद्र सं व्याप्त र क्यांत्र निर्देश क्यांत्र कांत्र मात्र संग्नीत अन् गांका राज्य स्थान व्याप्त क्यांत्र काविवारि कांत्रा क्यांत्र व्याप्त क्यांत्र क्यांत्र पूर क्यांत्रिक स्थान व्याप्त क्यांत्र रहत कांत्रकृतिका

sefie genera desiles sires sies : que seria besitante cefe cefe : que pop desil des : aud vene cefente aire ultris dens sire au dissigne des rése বাধ বাব নাই। কোন কোন স্থানে
'ম্বা পাপ্ত' মতে কোনা আছে। তবে
অপরপ্তলি কি আয়ুর্কেনীর্য, না দেশার ?
ক্ষেকটা উববের ব্যবস্থা তুলিরা দিল্লান:—
(১) কুকুরে কাম্ডাইলে প্রবোগ। ম্বা
শান্তমতে।

আসাক্ষমা পোক—/৽ মাসা গোল মরিচ———-/৽ অন্ত্রক———-/৽ সংগুণ (१)———-/৽

এহারে বাট সাত গুলি বানাই তথ্য কল অন্ধ্রণায়ন গাইৰ, আড়াই গ্রহন বাথে কিন্তু গাইন।

শারোমা গাছর জর ছেচি আৰ পাবা রস কহ-খাবাইলে প্রতিকার পাইব।

(২) জননার সন্তান কটবার প্রয়োগ। রক্ত বাহলগরিব জর—— ১ ওং এক বর্জা গ্রন্থ হয়—— ১

এহারে বাটি কাচা ছয়ে নিশাই রিছু মান করি ভিন দিন থাইলে রিছু রকা শাত্র, সন্তান হয়।

বর একচির -->

এক বরন্তা গরুর হগেতে বাট **থাইলে** রিতু রক্ষা পাঞ।

(৩) ছোণেদ কুকল হইলে ভাহার প্রয়োগ।

> সেত করবির শ্বর্ক্ত তোলা চুক্তিবানা ক্রিক্ত স্থানিক

এহাতে বাটি বরই বিচি প্রমান গুলি করি কারা জল জরুণানে শাইর এবং গৈতিববি দাক জন্মন না শাইর চ

अवहि स्वा ३--

- (১) আৰু বেও বিন্ধু শট নাই কৰাৰ কু নামি কসমার আৰু বিচার।
- (>) ৰোজাচ বিধিন ্ধু বিভিন্ন । সাহা জিল দিন কলনা আসি কলনাত্ৰ লগে নিলহ।
 - (>) गांधी देनाश बेंश बा निग बिन । कनना व्यक्ति क्लाना बाल विम ।

পুরা ফুল্ছেপ্ আকারের কালজ।

ছট পিঠে লেগা। অনেক পাতা সকীরার।

এই সকল পুনি 'পরিষকে' দেওলা স্থাইজেও
পারে।

85>। **दिकाम शक्**विश्मक्रिक्

্ ইহার আকার বড় হোট বছে।
পূর্ব-সংখ্যা ৭৬। রয়েশ কর্মের রাকার্যা
কাস কর চ্ই পিঠে অভি কৃত্র অভ্যা
লেখা। ভারিধ যা লেখকের নাম নাই।
অভি প্রাচীন নহে; ৫০।৬০ বংশরের
নক্স হইবে।

पात्रच :---

শ্ৰী শ্ৰীহুৰ্গাশৰণং এ বেডালপঞ্চৰিঃশ্ৰিল নামক গ্ৰন্থ: কালী প্ৰসাদ ক্ৰিয়ালেৰ কৃত ৷ পথায়:

কলিতে বিজ্ঞানিতা মানুষতে ভুগতি । স্কৃতিনাত্তিত ভাজা পুজ্গান অতি এ সক্ষ-শাত্তে ওপভিত দলাবল্প বীয় । সতা বৃধ্যি পালনে জেবন জুবিজ্ঞা ।

ভণিভা :--

CTT 1-

- (>) কাজ্য দেখিয়া দ্যা বা হয়ে তোম্বরি : বিরচিত ভালীবাদ ক্ষুদ্র প্রায় র
- (२) प्रिकेश काकि त्वचा वा क्टूड व्यक्तात । भगाई वारक कटक विश्वासक स्थात ।

त्रताव प्रतिश काम् रहकान इतिक्। प्रकृतिकान काम् केश हरेल ।

· THE WHY

ক্ষিল শিক্ষামিতা সুহেতে প্ৰন .वहाल भं**ठरम कथा टे**इल समा**भम** इ

नमार्खायः अस।

প্ৰান্ত ২ৰ ভণিডাট কি প্ৰকৃত, मां, 'विश्वयु-(विश्वयो वा कानी)-वाम' এখানে 'কালিলান' অংখ প্রযুক্ত, বুরি-লাম না। কেবল এক ভলে ব্যতীত আয় मर्बाहर 'ट्रेनक काली-(खामाम) मारमध' **उनि**का बाह्य ।

এক কালীপ্রসর কবিরালের ক্রড 'বভিশ-সিংছাসন' (বট্ডলার क्ष चाट. एवित्राकि। धने एवं कित-बाद' पाटिस वासि मा कि, कामि मा।

শান্তি-শতক্ষ। 8201 সামুবাদ।

হতা শিক্ষান মিলেৰ স্থাপৰিচিত বাছেৰ व्यक्ष्याप, ठाठा बनाडे बहुमा। गःवा-- ००। + मः व स्नाद्य व सर्वया क्षके द्वारे चाकारक वाकामा कागरमत इरे निर्दे रमधा। छात्रिय वा रमयरकर नाय नाहे। ८०% विस्तत नक्त नर्थः--८०१८० वरमद्वत (मर्पा \$ FC 2 चन्न्याप-काम चन्नद्रश निनीक भारित । काश निता करेगा।

wites 1--

वैवेशकीयसः। पश्चिमकसः। MINIMUM MINIMUM I नाव शक कव पुनामह ।

seinwiftein fefen

डाइ बादमा चाटह आप, यम भना विशास मात्र, নাহাৰাত প্ৰথম। एडिक । त्महे आम निक शाय. किशम त्माहम मात्र. **উপমায कैलावकारिय ।** नाश्चिनक्रकत्र वर्षः, शहास्त्रक्ष करह छवा, छनि मदर कविदय जानिय ।

(यथ गासिमकरः।)

नमञ्चारमा (मनाम्बर् ६ हविस्थान्त्रनि वनशा । বিষিক্ষানা: সোচাপ প্রান্তি'নয়ভক্তৈক-कमर कन्द्रायकः किममद्रगरिनः किक विधिना । নমস্তৎ কৰ্মভো বিধিরপি ন যেভাঃ

প্রস্তবভি ৫ ১ ৷

अवाम कक्किक छाहि एक त्रवनात्य । fautore um mini afer fin miere a **ष्टर्य कि व**िषय विशेष विशेष श्रामा। कर्षकर किया कांच माचा वाहि कान ह BER POSTER COM ACTER MAN : क्षेत्रांक्षण करा प्रकृष्ट कर्राव्य स কি কৰিবে বিভিক্তানি ককেব কেবল। करप्रम सनाव माह। हहेरक हीन शंका . . .

(44:--

पनि नारका महनारकतः वर्षि वृक्षिनास वक्षिः। क्या विकासीयक भागासीयाकार विकास ३००० व्याननात्र नाव्यित्त स्वानि प्रम क्षेत्र । श्याणि कांश्रस्ता पुष्किनास्त्र गाँउ होत ह यशाणि अकारम कार्य, करमा पाकर्ता । निरम्भ कि.संद क्ष कर व्यक्तिको ह

> ble upf afficment s PRODUCTION AND A

् प्राप्त का क्षण के प्रयोग्य । अध्य ३०१ त्यांक हरेन किसान १ बारका गरिन्छ विकारिका दर्शन बाहे ।

8२)। शैं हाली।

ইহা মুজিত গ্রন্থ। পুর প্রাচীন বাধ হর। আবরণ-প্রাট চিঁড়িরা বাওরার সনাধি আনা বার না। পরান বাজালা (দেশী) কাগজ। পূচা-সংখ্যা ৬২। আট পেজী আকার। বড়বড় অকর। ভণিতা নাই। ইগা ছব ভাগে বিভক্ত। ১ম ভগবতী বিবর, ২ম সারদা, ৩র ক্ল-বিষয়, ৪র্থ বিরহ, ৫ম খেউড় পাচালী ও ৬ট হিতোপদেশ। নিয়ে প্রত্যেকের পৃথক্ পুথক বুরার নিবন্ধ হইল।

(>) ভগবতী-বিষয়।

diging :-

িন্দ্রীশ্রহণ পরশং । অথ পাচালী পুত্তক । অথ ভগবতী বিষয়'।

দীত। তৃণাং কুল কালী **মান্তর কিংকরে,** শক্তরি শবননাসিনী, স্থালিলেদানপালিকে, সভয়ে শিবে অধ্যু কেতি মে, মুমাপি নিশবরে হ''

ৰেহ: -- শীত।

গুৰাঘুৰে ভয় কি ও মন আমারো ঃ স্কাণী স্থানে ডাক না, ভূল মারে অবীকে সমধা সংব কথানী ভাষনা অবভয় নিভাৱো ঃ পজোৰ বিমন মানবে ভূৰনেবয়ী ভাষনা অনাবে পাৰে অভয় চমধ গুরু কয় পুলি কাজো ৷ পন্ন ববে ব্যব ভারিবে লোভাই বিবে কাজো ৷

"कनवडी विषय गमाखः।"

ইহা মুই পাতে গমাঝ। মচনা প্রায় কুমার। এক স্থানে গড়ে স্কুট কথা আছে।

(२) मोदशः। जादश्चः ---'जन्यं मोदशः। ণীত। তথা সাজনে অর্থিকথাসিনী, তথাই, গৰ্ম গ্ৰে, ব্যুক্তর স্থানলে,ধার ব্যুণানে প্রবেটিউ হ'ইয়া করে ধ্বসি । ইজাদি।

CM4:-

হতা

(১০) কাল দেও প্ৰপ্ৰতি ল'চ ল'ভ নারী।

কাল খন আল করে বানা গোলা বুঁড়ী ৫

(ভানার বোৰ নাই নাগো ভগালেরি দোব।

পাল বাব সলা ভুই কাল প্রতি রৌব।

मात्रका नमाखः "

ইয়া ও পৃষ্ঠার সমাধ্য। রচনা প্রায়ঃ শক্ত-বহুল।

(७) कृषा-विषय ।

व्यात्रक्ष :--"वाश कृष्ण विवत् ।

গীত। কিবে শোভা বৃশাক্ষম সক্ষমেন্ত্র।
বিরাজে জীৱানা নক্ষে ভংজার কুড়াতে ধন।
ইকাসি।

শেষ : — शिख ।

বংর মন মধুকর, ছবে মধু পার কর,

মুবছর কমন চরবে ।

অনিত্য ভাবনা কেম, সে নিজ্ঞ ভাবনা ক্রম,

না ব্রুল ভরজান, মর জনারবে ।

তন রে পামর চিত, একি তব জন্মুচিত,

নামে ভূলে কবাচিত, না কর পথন,

তাই শ্বনি মধুচিত, বিশ্বরে তব বকিঞ্জ,

रै स्थि मध्6ि, विषय छव वक्तिः, गारेरव आरे महिलांगम कास्त ।

स्थीतस्याच नवाखः ॥

हेरा को प्रकार मंगाराः इते अकः एक १७७ कीरहा अस्मा मन सरहा

(m) franci

मात्रक-'श्रेथ विश्वर ।

un: Min su ben, velle fenn,

· (44 :--

একবার চন চার কাচে এই রখা বরে কুম্বি মলোমি নিকটে অস্থাক সইয়া প্রম করিবেন ঃ

ক্ৰিই অংগি সমাপ্ৰ কৰা গেল।" ইঞ্ ১০ পুঠার শেষ।

(৫) বেউড় প্রচন্দ্র ৮

' আরম্ভ —"লগ থেকীত পাচালী।

समिति विकासिकाः श्रास्ति (श्रास्ति । नगमातः । स्वामेनी कृतिका नगक्रताः श्रास्ति इक्षतः क्षेण्णः ।' (नदः----

কীচা কামিনীত নাগ বাছি, বা প্রিচে ওপনিছি, বাল বাচা কি হলে উপাছ,

হতে নিশী কাৰণাৰ আঞ্চাৰিত চিনাৰ্চন ।

আৰু কাৰণ্ড না হতে হ দিনী কোহা বাংল অংশংনি,

চৰণা ৰাখ্য কোনা আহে কাৰ্যী ।

শৈকীক সুনাধা ! !"

্টহা ১৮ শুটাৰ দশুণ । জনীল জাহা ভন্ন লোকের অপাঠা ।

(। किट्डान्स्स

करित्र :--

শিশ্বন্য ভবাজিত ক্লেব পাপ তাপ ক্ষেত্ৰিক সেহয়। স্থাই ক্ষম্মন পালন প্ৰক-কাৰিক্সি বন্য কাশক্ষপাইতঃ ০ ০ ০ ৫ ০ ০ নামক্ষি স্ক্ষান পালানাক্ষে পদি ইক্ষান (१) বৃদ্ধি ক্ষিয়াছে। (প্ৰকাই ব্যক্ত ইন্দ্ৰ পাছিত।)

ं केंद्रिक नेकांब त्यका वेशाव व्यक्ता क्युक्त हो गांवणाधिक। নাই। ছড়ার ভাষা গভের মত হইলেও
পাছ নটে। প্রস্থার একম্বানে 'ছুলন'
ভেলের উল্লেখ আছে। ভবেই বুরা গেল,
খার্নিক 'গুলেনা' নবাবিদ্যান নহে। আ
ও আ নণ গুলি সংস্কৃত বর্ণ প্রশে দাল (কেবল কায়ক মানে মার)। বাধানা ক্রেক্ত ক্ষেত্র প্রশিক্ত হয়।

८२२। ८टाम नाष्ट्रेक।

মনিত গছ। দল জাবিধ লাই। থাববল পাত্র লেখা আছে,— "জীজিখালী
জনসাঃ পোন লাইক লায়ক প্রছঃ
কলিকাতা আমপ্তবনিশালী জীয়ত লক্ষা
লল নালাগোধ্যাবের করুক গোড়ীয় সায়ু
ভাষার পরারাদি বিবিধ প্রকার খাতনব
চল্লে বির্ভিত কর্বন উনানির জাননীপ্র
ভালার স্ত. কিন্ত কর্বন গুলির জাননীপ্র
ভালার স্ত. কিন্ত ক্রান শুলির সমাধার
দ্বাধার। ক্লেম্বাকালা কংগ্রাং

আহতে 'গুৰুক ছব্ৰে' গৰেৰ বন্ধনা ম 'কৃষক-প্ৰবাহ্য' ধ্ৰেছ্ক নত্ৰবৃতী বন্ধনাহ প্ৰ—

'কোন নামৰ এক পুৰুছ বিশিষ্ট কুলোমনা কামিনী ভামিনী ক্ষুক্তমাহিনী ক্ষেত্ৰগামিনী ক্ষুক্তমানি কুৰ্নেশ্-বৰনা কুক্তমান্তনা কোমগুলামা ইকীবভনমনা ক্ষুক্তমান্তনা প্ৰদিনী ক্ষুক্তমান ক্ষুক্তমান্তনা প্ৰদিনী ক্ষুক্তমান ক্ষুক্তমান্তনা ক্ষুক্তমান্তনা ক্ষুক্তমান ক্ষুক

> मारुक एक विश्व एक स्कूषित । सामित महिन्न स्थान करता मिलिया रू

্ৰীৰিদাৰ সাত্ৰ কৰা কৰু আইবান । একৰ বাটক এক বইল সমাধান ।

ववाद "

ভাষা পাছ পাছ। পরার, জিপনী জ আহেই; ভা ছাড়া, মানিনী ছব্দ, নানকাশ, মারত ছব্দ, একাবলী ছব্দ, ভোটক ছব্দ আহে। গ্রাহে কপুনিত প্রেমের বর্ণনা ।

8२७। ज्याकाचा

हेबाद दिवमर गूर्वि ३३० मःश्रक ল'নিতে লেখা সিমাছে। ইহাও বুদ্রিত এছ। পুর্নের ও অভকার এছগানির বিষয় ও বচনা এক হইকেও প্রশ্নকারদের नामाधिक शामायान सहै करें एउट । श्रासंत প্রতে দক্ত পৌরীকান্তের ভণিতা আছে ; অভবার প্রভেত ভাষাই বটে । हे। हेट्डेन ट्लाक निषित्र **बाल्ड**:—"डीडी প্রনা শর্পং। চন্ত্রকান্ত নামক क्षित्रक कामी धमाप **क्विश्राटक**त्र ইগানিত ঘোষাম কলিকাভার বোষা বাগানের বিশ বিশ্বক বেবীচরণ আমানী-কের প্রধানিত্ব নাম্বর্ক্ত ব্যালয়ে মুপ্রাভিত চটল ৷ সদ ১২৯» শাল ৩০ আবার শুক্ৰবাৰ ইতি ১"

कात्रकः :-- विविध्रतिभावनः । मत्या शामनात्रः ।

किमेश्वरत मयः। जन नतन क्यमाः।
पर्क जिन्नाः। यूपाः
पर्क जिन्नाः। यूपाः
पर्व क्रात् व्यन्तिः प्रत्य पर्वन्तिः
पर्वतिः व्यापः
पर्वतिः विश्व प्रवासः।
प्रतिः सीम प्रवासः।
प्रतिः सीम प्रवासः।

C44 :--

चक्क्ष्य इति यम नवस्यतः । कारायिक क्ष्मुनिक स्पीतीसंख करा । श्रीवृक्ति क्रिक क्रिक निक वर्षि क्या है मात्री देशस्य पुरू देशम मायुन मन्त्रका बारताच प्रशासक कत्रि निरक्तन र ক্ৰেন্দ্ৰী সংক্ৰমে লক্ত ক্ৰিয়ে বডৰ স खनि:कुष्टे व्हेरमन **स्टर्म**त नमन ३ विकास स्ट्रेंटन फर्टन संत्र मुनियन ह त्राणि नारम कान कारन करवाहि करन। अवन विरुपि कहि विश विनवन । कतिकाका मध्य प्रवासीहरू विवास । Courses aim midelying on a काती:वामार ताम कारात्र समान । মটিল পুঞ্চৰ চল্লকাম্ব উলাখ্যান ৫ गहेका वैदारीहरूत्व चतुर्वि । प्रशास प्रदेश पत्र हसाय स्ट देकि । ৰীল জীবৃত বেখা চরণ আবাণিক্র । समक उद्माराज्य भद्द शर्जिक ह ক্ৰীল সম্পন্ন ধৰে বিশিষ্ঠ সংসাৰ। मिठां वर बाक्तास कड की हैं वोद ह माजानक कीर्विष्टक कावक्क्क्स मान् । चीचित्रक मार्क गांक मन्द्रक्त पान ह recuerce effice fema bata : নালাকতে উঠি কলের কার্যার প্রচার ট कार जन्मकि मट पश्चिम वाकान। **ब्यापनीय क्यां इसकाय वेश्वियात ह** क्षांबद्धिक बाद व बीव दीन कि । ক্ৰিয়ান নাছি ছাত্ৰ ক্ৰি প্ৰকৃষ্টিত मानुषरम् अष्टवानि स्वरत् अक्यांसः इ कवित स्रोधेश त्या दिल्लाम = मानुस्य क्षत्र राज्य शासानसङ्ख्य **(मरकरक नावि पर्स एव मध्यन क** নিম মূপ মানাম যদি 'বালো বেলি। श्रिक्तवरम ऋषि गाँ**के या कशिव अप**

ममाय ।

गृहे।-गरवा अन्य बीधीयस्य संसानाः यामवा 'द्राह्मय-नास्त्रिःचित्र' स्टाह्म्स च वर्षे पाणिकासम् राजः वि व्यक्ति स्टाह्म

8२१। नव्हाद् विनाम्।

প্রাচীন মূদ্রত প্রষ্ঠা। প্রায় কাটপেনী আকারের কাগনে ৭১ পৃষ্ঠার্ শেষ । বড় বড় অকর। বাজালা কাগনা। অক্সিন পরে লেখা আছে।— ঐ ক্রিক্ট পর্যথ । গৌড়াকে চলিত সাধু ভাষার ঐপ্রমধ নাথ পর্যন ক্লাভার ন্যাচার চলিত শাহু বিভীরবার মুলাভিত হবল। প্রকাল ১৭২০ । স্ব

ইহা চারিখণ্ডে বিভক্ত; যথা,—অমুধ-থণ্ড, প্রবেখণ্ড, কুসুমণ্ড ও ফলবণ্ড। স্কার্মো বন্দনা, গণপ্তি বন্দনা, সংযতী বন্দনা। এণ্ডাল প্রো। তৎপর 'ভূমিকা'। যথা ১--

"নিশাক্ষর-কয়-মিকন-নির্দাল-ধ্বল-কোনল-ক্ষল মুজাক্লনির্দাল-গঙ্গাললভুল্য-সিভালেবলা প্রকাশ-ফুভকুমগুলা ইডাানি ইডাানি বিশেষণ ঘটা ২ পৃষ্ঠা পর্যান্ত চলিবা কোবাদ পিয়া বাজা সমাগু হুইয়াতে। অব ক্ষিক্ষর বঙ্গে অর্থাং তাবুদ্ধপ কুক্ষের অন্ধৃত্ব।

শেৰ ঃ—

শত এব নীবয় বিষয় গ্লাজ, জীনকান ংগ)
কুমাণ কল, ভজীলে কাজুণ কথ পাৰে।
উহীকে হউবে কুখী, বনৱালে দীৰে কাজি,
প্রকাল কাশেকে গ্রিণ্ড নিবাৰ্বিলাসন
চকুৰ্ বত স্বাধা । স্নাধ্যকাৰ ন্ৰবাৰ্বিলাসঃ ও

ভাষা গভা গভা । গভা কি ভয়ানক হংট্রাদমন <u>।</u>

8२४। नगरिति विलाजा।

প্রাচীন মুলিভ গ্রন্থ। কাগজ ও আবারায়ি গ্রান্ত বিলাসা'দির নাড। আবিবণ পত্তে লেখা আছে :—"ফ্রিনীরাধাত্তকতী জীচরণ लत्त्रा ॥ नवविवि विवास वर्षाए क्रामे। व्या कूनकामिनीत इःथ क्राक्रम । स्था ।

"মত্রে বেকা শরে গানী মধ্যে ভবতি দুর্টনী।
সনলেবে সক্ষালে নাম্ম ভবতি টুকনী।"
এতহ ভাত্মনুলক নিস্তুত গ্রন্থ। সন্তুর ও পরব
ও কুসম ও ভূল এই বঙা চতুইরে কুগটা
নামন চলে কুলটার সনেক্তজন ও
মনোনক্ষন ও জানাক্ষন নিমিও এই পুরুক
মুকা, নাননানী শ্রীমধু খাবে জালেবে
ভূতীধ্রার কমলাল্য যান্তে মুলাক্ষিত হল্ল।
সূত্রীধ্রার কমলাল্য যান্তে মুলাক্ষিত হল্ল।
সূত্রীধ্রার কমলাল্য যান্তে মুলাক্ষিত হল্ল।
সূত্রীধ্রার কমলাল্য সাজে মুলাক্ষিত হল্ল।

জারতে গণেশ, ওক ত**ু সরস্বতী** বন্দনা, তংশব ভূমিকা। বধা :----^ম্ক

শংকাণি নৰ বাবু বিজাকে নৰ খাবুলিবের শ্বঁছাৰ ক্ষাকাল গোছে, কিছ যে গাধ্য কল খাতে বৈধিত মালত প্ৰদান মুজ বাবুলিগের বিধি, সেই বিভিন্তা প্রধান মুজেন জড়বাবধি লেক ফল ভাঙ্যিত স্থিপের বাব হয় নাই, ন নিমিরে তংগ্রাকাশ প্রায় পূর্বক নববিধি বিলাশ নামক এই এছ মচনা কবিলান , ইনাদি।

CMN !--

অতংশর ছাতি দাত চইলু কুরিনী।
সর্ব্য শেষ সঞ্জ নালে লইলু টুজনী ।
এব জ্যো চারি কক্ষ বইল আনার।
নত হয়া কট এক গাই বার বার ।
কতংশ পুনাই কবি নিবেশন।
কুল গল সঞ্জা কর মুল নারীজন ।
সম্যে বেক্সা পরে লগা গ্রান্তারি ।

্প্রা**শুদ্**ত লোক। ইতি নববিদি বিশাসঃস্থারে

ভাষা গন্ত পত্ত। স্থানে স্থানে বিন্দী বোল ভাচে। প্রা-সংখ্যা ১১৭ চলমে ছাপান করেকটি পাতা ছিডিয়া যাওয়ার হাতে লিপিনা দেওরা চিয়াছে। ভণিভা নাই, ভবে সম্ভবতঃ ইছাও 'নববাব্ৰিলাম' বচ্ছিতার রচিত। প্রহান পারিত লিমাতুকরাভিধান।
প্রাচান হাপা গছ। প্রাচা আট পেনী জাকন
ব পরাতন দেশ বাজালা কাচত। পূর্র
সংখ্যাতন। টাইটেল পেজে লেখা আচে;

ভিন্তির পরার্থ। পরিষ্য ভাষাকুল
ন্যাতিনান। নামক গ্রন্থ। পরিষ্য ভাষাকুল
ন্যাতিনান। নামক গ্রন্থ। অর্থাৎ দ গরিষ্য
লগতেন ভিত্তিব সংগ্রহ। ক্রিক্ত বিজ্ঞাবা
স্বাতন ভিত্তিব। সংগ্রহ। লিবাবহনিবামী। প্রালীভাষর সেন বীলা দিশ্ধ
মঞ্জেন দুপ্রাজিক ভইলাহ ন্য ১০ চাল

৪ э । কবিরাজী পাতভা।

ইহার প্রেক'ণ জাকার । ৫ হটকে ১০৬ প্রাপ্ত প্রয়োগ করকণ্ডলি জানজিট পর ভারিং আরো করকণ্ডলি জানজিট পর আছে। অভি জার্ম নীর্ম ; আনজন্তাল শাকার কালী পাল গ র- জি হইমানে। ভারিং বা লেগেব লিগামান আনা বা না। হথাকে দাক্ষত গোল আছে। সম্মান্ত তলা নিলানাশির অমুবাদ হইবে।

> मूलकः श्रेमकरेकर १० कलास्य -मुक्तिम् महामूक्त गण कर्मन् सम्मान्ति

বনা চ
নাল বিম

মহানারের অভিযোতি এই যে মহানগর
কলিকাতা বাজ্বানীর অধীনের বঙ্গদেশ

বে যে থানে রাজকীয় বে কোন কর্ম

ভর্তভ্রেছ থাবং কন্ম বঞ্জবাধাক্ষর আচভর্তভ্রেছ থাবং কন্ম বঞ্জবাধাক্ষ মহানারবের
বহুকালাবধি পার্স্য ভাষাক্ষরে কর্ম কর্মাধা

মর্বাধা উপাত্তত হয় না এভলভিপ্রারে
কার্ম্যাপনোর্গভা যোগ্য কিয়ং াবস্য
ভ্রাধ্বাধানক্সর ভংপরিবর্ত সাধুভ্রাবা

নংগহাতে অকারাদি ক্ষারাধ্য অনুধ্যমে

াগসা ভাগভিক্লাভিধান নামক প্রস্থ

গ্রেছানস্থন উন্তুত্ত প্রবাহ প্রস্থন ক্রেলন

ক্রেছ্ বাহালুবেধ সাজ্ঞাপত্তীর সম্প্রাদ

সংগ্রহালুকাক সংগা শব্দ দক্ষ প্রস্থাতে

বিকাস কান্যা সুসাজিত করিলাম পারিষ্যা

শব্দ সক্ষ বলাকরে লিখনে উল্লাবনে

কিরিবে সৈক্ষা হয় ক্রেছাগাদি নোম

ক্রিবির সিক্রাবর ক্রিবেল

নাম উল্লাবর ক্রিবেল

নাম উল্লাবর ক্রিবেল

ক্রিকার ও উহ্লের স্ময় নিক্রাব্য প্রাক্রি

শারক্ত :-- শ্রীক্রীক্তর শ্বণে াতরত তেরহ রাগ—ভাশ । ম তেরদা।

শ্বাস সাহতে করেলা, নাকণ আঁতি তাল্য প্রকাতে ।
ক্ষম বাদন, মাতিন তেমন, মাতিলত বুলুঁ তে ।
ক্তিত বাদন করেলা, মাতিলত বুলুঁ তে ।
ক্তিত বাদন করেলা বুলুকার বিশ্ব বুলুকার বুলু

धारमा- उन वरा क्रिक्ट

भा भागाः

্লাভান্থ জীন নাগ। ২ প্ৰামিত বিজ্ঞাতীয় শস্তাগিব ংগ্ৰহ জু, নাম আনেকটা সহাযতা, কৰিবে, কুনুবাৰে সন্দেহ নাই।

800 । विन्ध-म्थम् धनम्।

কর্মানুনের হাতেব সেখা। কুর পুত্রক। পুর্কসংখ্যা ৪৯। তারিখ বা সেখ-কের নাম নাই। সংস্কৃত পোকের বাসাবা भक्षाक्रवाय । किंद्रिये चना चेत्रिक देखानि प्रशास क्रेस्ट क्रॉल्ड व्यावक ।

805 । जाहात-त्रशंकत्।

ভালা প্রস্থ । ইহাতে অক্লেন্স্র ইইছে
সাহক্ষেণ পর্যাত্ত স্মানের কর্ম্বর স্বাচিত্র
কৃত্তিক হঠ গছে সানেক্রে নেলা ক্রিছে:—
ক্রিক সামানি ক্রেলেক্সার সংগ্রহীত
ইইমা হলারী। বিশ্বি দিল ক্রেন দী বিশ্বি দিলা

न्ति श्री विश्व विष्य विश्व व

विशास सार्

भारत्यः - है। किन्ति हुनी सर्भारः

্য না ছে গাবাছ কলাভিধান।
আজি:
অজি:
অজি:
অজি:
আজি:
বিকিন্তি বিকিন্তি বি
আজি:
বিকিন্তি বিভিন্তি
বিকিন্তি
বিকিন্তি

ियाग नवांश :

ৰাবেজন জোৰা ভিত্ৰ আৰু নিজনৰ কেইন । বাণত জীবৰ বোৰ, সন চাৰক জোলাই, ব্যান কৰে ফচন সংখন ভ

অধিক কৰি শালত সামি বেচ ছবি নীৰ্মি । ছোলাৰ ১ ১ চন্দ্ৰ পাণা, ১৯ বং জ্বেৰতে আলাকা, সমল নমৰ ৪ ২ ৪

বিশ্বর পোনায়ের পার্যার বিশ্বর পার্যার করিব প্রতিষ্ঠান করিব স্থা করিব স্বিষ্ঠান করিব স্থা করিব স্থা

. soo | शिक्तक |

(314 931 1)

स्का अब १ जो । लोहां किकिश्ता समाह "

ইয়াটান ফুলিত পথ। পত্যতে স্থান্তিক লাকানি অপেৰ (নিধু বুর ক্লিকানি সংস্থানি আমে। ভূমিকানোর ক্লিইন্ড